प्रतियोगिता दर्पण हिन्दी मासिक मई 2025

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

मई 2025 मूल्य ₹ 150·00

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

• मध्य प्रदेश स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान अब देश का 58वाँ बाघ अभयारण्य
• 2024-25 में देश में खाद्यान्न उत्पादन : दूसरे अग्रिम अनुमान
• आईआरसीटीसी व आईआरएफसी को नवरत्न कम्पनियों का दर्जा
• अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग के पश्चात् उनकी अनडॉकिंग में भी इसरो की सफलता
• नौ माह से अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी
• ज्ञानपीठ पुरस्कार व सरस्वती सम्मान (2024) • सिनेमा जगत् के ऑस्कर पुरस्कार व आइफा पुरस्कार (2025)
• विश्व में हथियारों के बड़े आयातक व निर्यातक राष्ट्र : स्वीडिश संस्था सीपरी रिपोर्ट (2025)
• अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने के लिए नई गोल्ड कार्ड योजना
• लोकतंत्र सूचकांक (2024) : भारत का 41वाँ स्थान बरकरार
• पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड • भारत तीसरी बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का विजेता
• बीसीसीआई के महिलाओं के तीसरे प्रीमियर लीग (WPL) का खिताब मुंबई इंडियंस के नाम
• विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों (2025) में भारत के 33 पदक
• बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के बजट (2025-26)



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मॉरिशस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान



मॉडल हल
• यूपीएससी सिविल सेवा (प्रा.)

न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

हल प्रश्न-पत्र
• यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ., 24
• एस.एस.सी. स्नातक स्तर, 24

मूल्य ₹ 150·00

संस्थापक सम्पादक

स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक

राहुल जैन

प्रधान सलाहकार

डॉ. रवि कान्त

रजिस्टर्ड ऑफिस

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर,
आगरा–282 002

सम्पादकीय ऑफिस

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी,
आगरा-मथुरा बाईपास,
आगरा–282 005
फोन : 0562-2531101, 2530966
ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

हल्द्वानी ऑफिस

8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर,
हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139
(उत्तराखण्ड)
मो.–07060421008

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

के पाठकों से...

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका **'प्रतियोगिता दर्पण'** का **मई 2025 अंक** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक लेख दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश की बढ़ती भूमिका : भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव, गाँवों में बढ़ती कामकाजी महिलाएं : उभरते भारत की नई तस्वीर, मुक्त भाषण *बनाम* डिजिटल नियंत्रण—न्यायिक अतिरेक या आवश्यक निरीक्षण, भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में बढ़ती निजी भागीदारी, भारत में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को मुख्य धारा में लाना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और पर्यावरणीय प्रभाव.

पत्रिका के सर्वाधिक विश्लेषणात्मक महत्वपूर्ण भाग में दिव्य दर्पण, चर्चित विभिन्न अवधारणाएं, ऐतिहासिक व्यक्तित्व. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र एवं मॉडल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

हल प्रश्न-पत्र

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2024
एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2024

मॉडल पेपर

आगामी सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2025 हेतु विशेष हल प्रश्न

हमारे सम्मानित पाठकों की माँग पर परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं का सार उपलब्ध कराना शुरू किया है, जिसे आप हमारी वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए, यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

राहुल जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent courts and forums in Agra only.

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2025

अप्रैल—भारतीय तटरक्षक बल भर्ती परीक्षा, 2025

9-12 अप्रैल—राजस्थान कारागार विभाग प्रहरी कम्प्यूटर आधारित भर्ती परीक्षा, 2024

12 अप्रैल—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा-6), 2025 (पहाड़ी क्षेत्रों में)

13 अप्रैल—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी व नौसेना अकादमी परीक्षा (I), 2025

13 अप्रैल—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2025

13 अप्रैल—उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग मण्डी सचिव (ग्रेड-II) भर्ती (मुख्य) परीक्षा, 2024

27 अप्रैल—उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती (मुख्य) परीक्षा, 2023

अप्रैल-मई—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया परिवीक्षाधीन अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 2024

मई—अग्निवीर भारतीय नौसेना प्रवेश परीक्षा, 2025

3 मई—मध्य प्रदेश ग्रुप-4, ग्रेड-3 के विभिन्न पदों हेतु भर्ती परीक्षा, 2025

4 मई—उत्तराखण्ड पीएससी आरओ/एआरओ (प्रा.) परीक्षा, 2024

4 मई—कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी), 2025

11 मई—उत्तराखण्ड पीएससी सम्मिलित राज्य/अवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2024

11 मई—राजस्थान पटवारी भर्ती परीक्षा, 2025

11 मई—बिहार आईटीआई संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2025

14-15 मई—उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) चयन परीक्षा, 2022

18 मई—राजस्थान जूनियर टेक्निकल असिस्टेंट भर्ती परीक्षा, 2024

18 मई—झारखण्ड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा, 2025

22 मई—छत्तीसगढ़ प्री. बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2025

22 मई—छत्तीसगढ़ प्री. डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा, 2025

25 मई—संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2025

जून—भारतीय सेना हवलदार (सर्वेयर ऑटोमेटेड कार्टोग्राफर) भर्ती परीक्षा, 2025

1 जून—उत्तर प्रदेश बी. एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2025

7 जून—उत्तराखण्ड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा, 2025

13 जून—राजस्थान पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा, 2024

15 जून—उत्तराखण्ड पुलिस कॉंस्टेबल भर्ती परीक्षा, 2024

15 जून—राजस्थान बी.एड. (पीटीईटी) प्रवेश परीक्षा, 2025

16 जून—राजस्थान एकाउण्ट्स असिस्टेंट भर्ती परीक्षा, 2024

20-21 जून—उत्तर प्रदेश प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा, 2022

21 जून—संघ लोक सेवा आयोग संयुक्त भू-वैज्ञानिक (मुख्य) परीक्षा, 2025

22 जून—छत्तीसगढ़ नगर सैनिक भर्ती परीक्षा, 2025

26-29 जून—छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2024

29 जून—उत्तराखण्ड पीएससी सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2025

जून-जुलाई—एसएससी संयुक्त स्नातक स्तर भर्ती परीक्षा, 2025 (प्रथम चरण)

5 जुलाई से—मध्य प्रदेश आबकारी आरक्षक सीधी भर्ती एवं बैकलॉग भर्ती परीक्षा, 2024

27 जुलाई—राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III भर्ती परीक्षा, 2024

27 जुलाई—छत्तीसगढ़ आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा, 2024

3 अगस्त—केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल, असिस्टेंट कमाण्डेन्ट भर्ती परीक्षा, 2025

14 सितम्बर—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी व नौसेना अकादमी परीक्षा (II), 2025

14 सितम्बर—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II), 2025

18-21 सितम्बर—राजस्थान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कम्प्यूटर आधारित भर्ती परीक्षा, 2024

12 अक्टूबर—उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2025

वार्षिक सदस्यता शुल्क

	सामान्य ज्ञान दर्पण	सक्सेस मिरर	प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी)	प्रतियोगिता दर्पण (Eng.)
एक प्रति मूल्य	₹ 50.00	₹ 30.00	₹ 150.00	₹ 150.00
वार्षिक मूल्य :				
साधारण डाक से	₹ 450.00	₹ 270.00	₹ 1355.00	₹ 1350.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 710.00	₹ 525.00	₹ 1615.00	₹ 1610.00
द्विवार्षिक मूल्य :				
साधारण डाक से	₹ 840.00	₹ 505.00	₹ 2525.00	₹ 2520.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1360.00	₹ 1015.00	₹ 3045.00	₹ 3040.00

वार्षिक सामूहिक सदस्यता शुल्क (Including Postage & GST)

प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) + Pratiyogita Darpan (English)	₹ 3000
प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) + सामान्य ज्ञान दर्पण	₹ 2100
सामान्य ज्ञान दर्पण + सक्सेस मिरर	₹ 1000
सामान्य ज्ञान दर्पण + प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) + Pratiyogita Darpan (English)	₹ 3450
प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) + सामान्य ज्ञान दर्पण + सक्सेस मिरर	₹ 2370
प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) + Pratiyogita Darpan (English) + सामान्य ज्ञान दर्पण + सक्सेस मिरर	₹ 3725

Subscription

लेने के लिए

QR कोड को स्कैन करें

अथवा

ऑनलाइन पेमेंट के लिए हमारी वेबसाइट www.pdgroup.in पर विजिट करें

- सदस्यता शुल्क किसी भी माध्यम से भेजा जा सकता है.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- चैक अथवा बैंक ड्राफ्ट 'प्रतियोगिता दर्पण' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

प्रतियोगिता दर्पण

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास
आगरा—282 005 मोबा. : 9634167776
Website : www.pdgroup.in; E-mail : care@pdgroup.in

559वाँ सफलतम अंक

47 वर्ष | दशम् अंक | मई 2025

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

इस अंक में...

9 सम्पादकीय

11 राष्ट्रीय घटनाक्रम



तवाश्य युद्धपोत का जलावतरण

24 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम



चन्द्रमा पर ब्लू घोस्ट की लैंडिंग

33 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य



कृषि फसलों के द्वितीय अग्रिम अनुमान 2024-25

39 नवीनतम सामान्य ज्ञान

46 खेलकूद

54 रोजगार समाचार

55 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

59 UPSC-CSE : पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs) – आपका रणनीतिक, सबसे बुद्धिमान अन्वेषण उपकरण

62 दिव्य दर्पण

68 स्मरणीय तथ्य

विश्व परिदृश्य



70 आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स का वैश्विक प्रबन्धन तथा भारत

72 यूक्रेन युद्ध का बदलता परिदृश्य

महत्वपूर्ण पत्रिकाओं का सार एवं प्रश्नोत्तर

74

- भारत का राजकोषीय संघवाद : केन्द्रीय बजट 2025-26 की भूमिका **(योजना)**
- डिजिटल शिक्षा के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस **(कुरुक्षेत्र)**
- खुलेंगे आनुवंशिक रहस्य **(डाउन टू अर्थ)**
- भारत का क्वांटम सैटेलाइट मिशन : संचार और सुरक्षा में नई क्रांति **(विज्ञान प्रगति)**

फोकस

78 (1) कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति की ओर अग्रसर भारत

82 (2) बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्षरत् महिलाएं

86 (3) कौशल भारत कार्यक्रम का पुनर्गठन

विविधा

88 ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

92 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

97 **परमाणु ऊर्जा क्षेत्र लेख**—परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश की बढ़ती भूमिका : भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव

99 **महिला सशक्तिकरण लेख**—गाँवों में बढ़ती कामकाजी महिलाएं : उभरते भारत की नई तस्वीर



101 **अभिव्यक्ति स्वतंत्रता एवं नियंत्रण लेख**—मुक्त भाषण *बनाम* डिजिटल नियंत्रण-न्यायिक अतिरेक या आवश्यक निरीक्षण ?

103 **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी व्यवसाय लेख**—भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में बढ़ती निजी भागीदारी

105 **जलवायु एवं पारिस्थितिकी तंत्र लेख**—भारत में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को मुख्य धारा में लाना

107 **प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण लेख**—कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और पर्यावरणीय प्रभाव

110 सार संग्रह

हल प्रश्न-पत्र

113 यू.जी.सी. - नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2024 का हल प्रश्न-पत्र - शिक्षाशास्त्र (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

134 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2024 का हल प्रश्न-पत्र

मॉडल हल प्रश्न

148 आगामी सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2025 हेतु विशेष हल प्रश्न - सामान्य अध्ययन (I)

विविध/सामान्य

159 वर्षांत समीक्षा-2024 : दूरसंचार विभाग



वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

163 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

164 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

168 आर्थिक घटनाचक्र : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

172 क्या आप जानते हैं ?

173 अपना ज्ञान बढ़ाइए

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

174 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—''सफलता : भाग्य और कर्म का संगम''

176 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-548 का परिणाम**

177 **वाद-विवाद प्रतियोगिता**

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

सम्पादकीय



मैं तैयारी करूँगा और एक दिन मेरा भी अवसर आएगा

"I am capable, I am strong—If I believe in myself. I can turn my dreams into a plan, and my plan into my reality."

अगर कोई व्यक्ति रातों-रात प्रसिद्धि पाता है, अचानक धनपति बन जाता है अथवा किसी अवॉर्ड के लिए चुना जाता है अथवा परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो जाता है अथवा प्रतियोगिता में जीत हासिल कर लेता है, तो आप क्या कहेंगे ? ऐसे व्यक्ति के बारे में आप यही कहेंगे ना कि–

What a Lucky Person he is. वाह ! क्या किस्मत है इसकी !! बहुत भाग्यशाली है वह !! किन्तु आप और हम उसकी सफलता का दिन देख रहे हैं, हमने उस सफलता के पीछे के संघर्षों के दिन कहाँ देखे ? हम नहीं जान पाते कि शिखर पर बैठे लोग इस शिखर तक पहुँचे कैसे थे ? इन्होंने शिखर तक पहुँचने के लिए कितना परिश्रम किया था, कितना रियाज किया था. उनकी तब की मेहनत आज रंग लाई है. वे घण्टों-घण्टों अपने फील्ड में जुट रहे थे, चाहे वे किसान ही क्यों न हो, सदी-गर्मी हर ऋतु में प्रातः जल्दी जागकर खेतों में श्रम करते रहते, चाहे वे क्रिकेटर ही क्यों न हो, हर दिन सुबह से शाम तक कितने घण्टे, कभी बैटिंग तो कभी बॉलिंग, कभी फील्डिंग तो कभी जॉगिंग, चाहे वे महान गीतकार, संगीतकार ही क्यों न हो, दिन-रात अपने उपकरणों पर रियाज करते रहते हैं, चाहे वे छात्र-छात्राएं ही क्यों न हों, वर्ष भर कड़ी मेहनत से पढ़ते-लिखते रहे, चाहे वे संत-महात्मा ही क्यों न हो भूख-प्यास-शीत-छाँव सब कुछ सहते हुए मंत्र जाप, ध्यान व समाधि का अभ्यास करते रहे, सबने लगातार तैयारी की है, तब किसी दिन उनकी मेहनत रंग लाई है, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक जगत में ऐसे अनेक लोग हुए हैं, जो अपने अथक प्रयासों, परिश्रम, दृढ़निश्चय से अपने-अपने क्षेत्र में शीर्ष पर पहुँचे. मुरलीधर और विमल कुमार ज्ञानचंदानी ने अपने दम पर घड़ी साबुन और डिटर्जेंट बनाने वाली कम्पनी खड़ी करने में सफलता हासिल की. बिना किसी राजनीतिक पृष्ठ-भूमि के कल्याण सिंह, मुलायम सिंह, मायावती, नरेन्द्र मोदी सत्ता के शिखर पर पहुँचे. बिजली के खम्भे पर लगे बल्ब की रोशनी में पढ़कर आईएएस भी बनते देखा गया है. फिर भला आप और हम क्यों अधीर हो उठते हैं ? अगर आज दिन तक आप सफल नहीं हुए हैं, तो स्वयं से कहिए कि–

मैं तैयारी करूँगा और एक दिन मेरा मौका आएगा. हर व्यक्ति को अपने आप को लक्ष्य पाने के लिए तैयार तो करना ही होता है. कोई स्वयं को तैयार करने में पूरा समय लगाता है, तो कोई फल आने का, अच्छे दिन आने का इंतजार ही करता चला जाता है.

एक बार की बात है एक नवयुवक किसी ज्योतिषी के पास पहुँचा और अपनी जन्मपत्री व हथेली दिखाने के बाद पूछने लगा कि 'मेरी लॉटरी कब खुलेगी.' ज्योतिषी ने उसे उसका अच्छा समय बतला दिया. अब कुछ समय बाद वह किसी अन्य ज्योतिषी से भी यही सवाल पूछने गया, उसने भी उसके भाग्योदय का समय बतला दिया. इस तरह वह 5–7 ज्योतिषियों से मिलकर आया. एक दिन अपने पहले वाले ज्योतिषी जी को वह पुनः मिला और उन्हें कहने लगा कि आपका ज्योतिष ज्ञान विश्वसनीय नहीं है. आपने तो कहा था कि तेरी लॉटरी अमुक दिन खुल जाएगी, परन्तु ऐसा हुआ तो नहीं. ज्योतिषी ने उस युवक से पूछा कि तुमने लॉटरी की टिकट कब खरीदी थी ? उस युवक ने कहा वह तो अभी खरीदनी बाकी है. वह ज्योतिषी बोला– जब तुमने टिकट ही नहीं खरीदी, तो भला लॉटरी खुलेगी कैसे ? उस युवक की तरह अनेक लोग हैं, जो अपने लिए अच्छे दिनों का इंतजार करते रहते हैं, किन्तु स्वयं तैयारी कुछ नहीं करते.

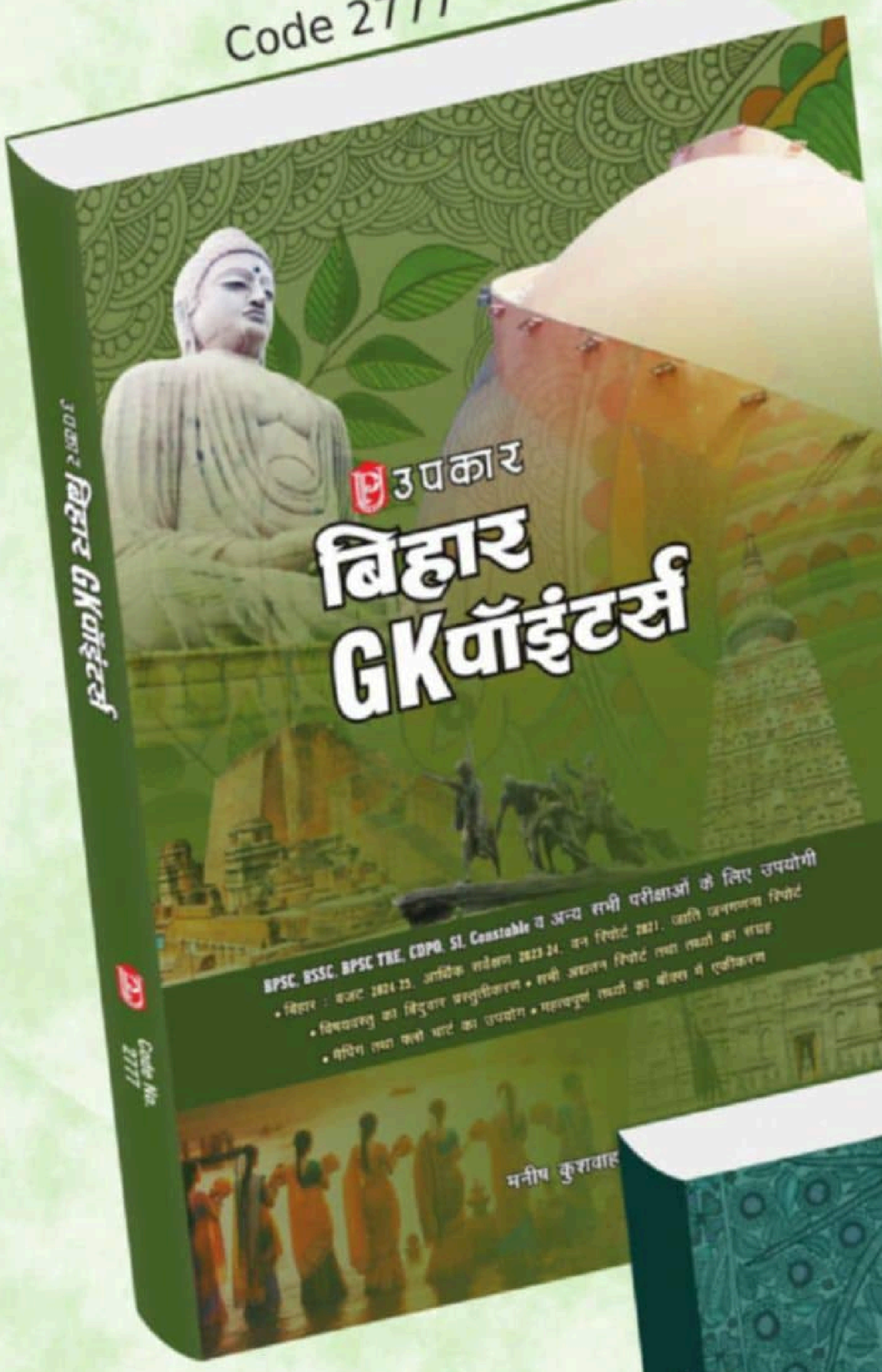
एक व्यापारी मुख पर उदासी का डेरा जमाए बैठा था, उससे उसके मित्र ने पूछा–यार ! इतने परेशान क्यों हो ? वह व्यापारी बोला कुछ काम-धंधा नहीं है, इसलिए परेशान हूँ. मित्र कहने लगा पर तुम करते क्या हो ? किस लाईन का बिजनेस है ? व्यापारी बोला–अभी फिलहाल तो कुछ नहीं करता हूँ, बात यह है कि भविष्य में मेरा अच्छा टाइम आएगा, तब ही कुछ नई शुरुआत करूँगा. अच्छे समय का इंतजार कर रहा हूँ. प्रिय पाठको ! क्या सोचते हैं आप ? कहीं आप भी अपने भाग्योदय के इंतजार में हाथ पर हाथ धरे तो नहीं बैठे हैं ? यदि ऐसा है, तो तुरन्त चेतिए और नीति वचन को याद कीजिए–

उद्यमेन हि सिद्धयन्ति, कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य, प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

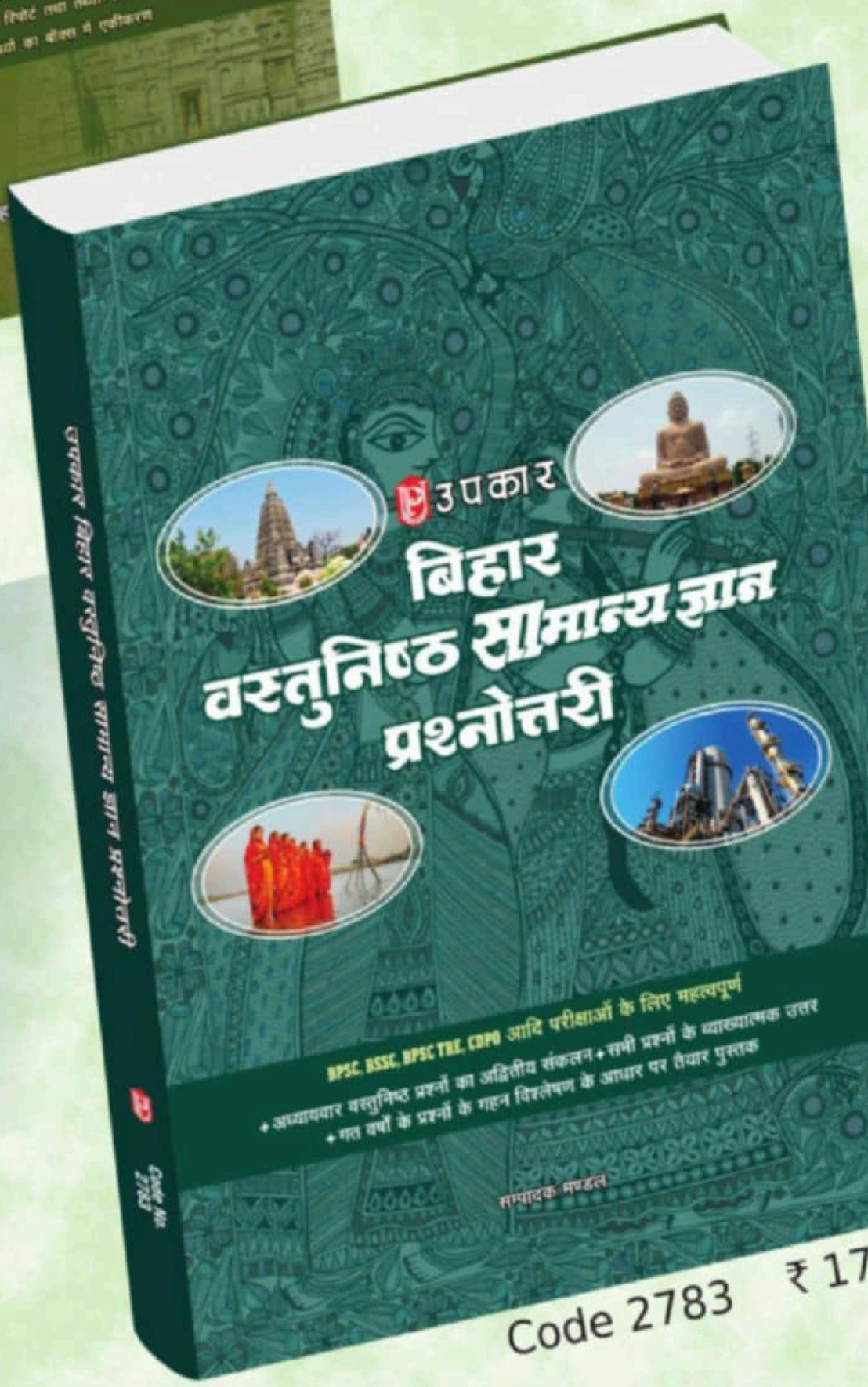
अर्थात् उद्यम (पुरुषार्थ, Efforts) से ही कार्य सिद्ध होते हैं मात्र मनोरथों से यानि मन में कामनाएं करते रहने से ही नहीं हो जाते, जैसे सोए हुए भूखे शेर के मुख में शिकार खुद प्रवेश नहीं करता है. शिकार पाने के लिए शेर को भी प्रयास करना पड़ता है. आप चाहे जंगल के राजा ही क्यों न हों, आपको अपनी लक्ष्य प्राप्ति के लिए उद्यम तो करना ही होगा. आज हमारे माननीय मोदी जी 18–20 घण्टे काम पर लगे रहते हैं, तभी वे सफल हो पाए हैं. अगर आप अपना पूरा ध्यान अपनी योग्यता को दक्ष बनाने और कार्यक्षम बनने पर लगाते हैं, तो एक दिन आपका समय, अच्छा समय (Favourable time) स्वतः आएगा. समय का इंतजार करते मत बैठे रहो, बस खुद पर ध्यान देते जाओ. सदा तत्पर रहो. आत्मज्ञानी श्री विराट गुरुजी 'शिष्य', विद्यार्थी की विशेषताओं को बताते हुए कहा करते थे कि–उसे अपने विषय में रुचि हो, वह अपने आपको तैयार करने में सदा तत्पर (Attentive) हो, अप्रमत्त हो और पूरी निष्ठा, लगन व धैर्य से अपने लक्ष्य हित समर्पित हो, तो एक दिवस अपने विषय का निष्णात मास्टर बन ही जाता है.

जिन्दगी किसे कब अवसर देगी, यह तो निश्चित नहीं कहा जा सकता है, किन्तु अगर आपकी तैयारी पूरी है, तो आपको, जब भी अवसर (Opportunity) मिलेगा आप स्वयं को सिद्ध कर पाओगे. सफल बन कर उभरोगे. उतावली में किया गया अधूरा प्रयास, बिना क्षमता व शक्ति जुटाए किया गया अति उत्साहित प्रयास अक्सर विफल होता पाया गया है इसीलिए चाणक्य नीति से यह शिक्षा लो और अपनी तैयारी में जुटे रहो. जैसे एक सिपाही-सैनिक युद्ध का प्रशिक्षण प्राप्त करता रहता है. युद्ध तो किसी दिन होगा, किन्तु उसकी तैयारी युद्ध की निश्चित तिथि का इंतजार नहीं करती ऐसे ही अगर आप विद्यार्थी हो या व्यवसायी –परीक्षा की घड़ी आने पर तैयारी नहीं कर पाओगे, अपनी तैयारी पर ध्यान केन्द्रित रखें. परीक्षा कभी भी हो सकती है. जिंदगी जब परीक्षा लेती है, तो तिथि की घोषणा करके नहीं लेती है, उसके लिए तो सतत् सावधानी ही सफलता का मार्ग है. अतः प्रिय आत्मन् ! खुद को योग्य बनाने व अपनी योग्यताओं की धार को तीक्ष्ण बनाने का पुरुषार्थ करते रहिए, शेष कार्य समय स्वयं कर ही लेगा. ●●●

Code 2777 ₹ 210.00



English Edition
Code 3096
₹ 330.00



English Edition
Code 3098
₹ 165.00

Code 2783 ₹ 170.00

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • हल्द्वानी मो. 07060421008 | • E-mail : sales@upkar.in • Website : www.upkar.in



राष्ट्रीय घटनाक्रम

- **अस्त्र-एमके-1 का हल्के लड़ाकू तेजस विमान से सफल परीक्षण : अस्त्र-एमके-3 (गांडीव) मिसाइल के परीक्षण की तैयारियाँ**
- **लो लेवल ट्रांस पोर्टेबल रडार (अश्विनी) की स्वदेशी कम्पनी से खरीद के लिए रक्षा मंत्रालय का अनुबंध**
- **लॉन्च के बाद भी लक्ष्य बदलने में सक्षम नेवल एंटीशिप मिसाइल का सफल परीक्षण**
- **टी-72 टैंकों के लिए रूस से इंजन की खरीद के लिए अनुबंध : टी-90 टैंकों के लिए भी उन्नत इंजनों की खरीद की योजना**
- **45-50 किमी की दूरी तक मारक क्षमता वाली तोपों की स्वदेशी कम्पनी से ही खरीद के प्रस्ताव को सरकार की मंजूरी**
- **केदारनाथ व हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी**
- **माधव राष्ट्रीय उद्यान देश का 58वाँ बाघ अभ्यारण्य**
- **गोवा शिपयार्ड लि. में निर्माणाधीन विध्वंसक युद्धपोत तवाश्य का जलावतरण**
- **अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की डॉकिंग के पश्चात् उनकी अनडॉकिंग में भी इसरो को सफलता : स्पैडेक्स मिशन सफल**
- **2024-25 के लिए महिलाओं की सीनियर क्रिकेट टीम हेतु 16 खिलाड़ी अनुबंधित**
- **एक दशक में इसरो द्वारा 393 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण**
- **छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड व मध्य प्रदेश के बजट : 2025-26**

अस्त्र-एमके-1 का हल्के लड़ाकू तेजस विमान से सफल परीक्षण : अस्त्र-एमके-3 (गांडीव) मिसाइल के परीक्षण की तैयारियाँ

भारतीय वायु सेना की शक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ADA) ने स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू तेजस विमान एलसीए एएफएम के 1ए से देश में ही विकसित हवा से हवा में मार करने वाली बिपांड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (BVRAAM) अस्त्र का सफल परीक्षण 12 मार्च, 2025 को किया. ओडिशा के चाँदीपुर तट से किए गए इस परीक्षण के तहत् अस्त्र मिसाइल ने हवा में उड़ते हुए लक्ष्य को सटीक निशाना बनाया. इस परीक्षण के तहत् समस्त प्रणाली ने सफल प्रदर्शन करते हुए मिशन के सभी मापदण्ड पूरे किए. इससे यह स्पष्ट हो गया कि स्वदेश विकसित यह मिसाइल किसी भी हालात में दुश्मन के विमानों को मार गिराने में सक्षम है. रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, वायु सेना के बेड़े में पहले से शामिल अस्त्र मिसाइल तेजस एमके-1ए वैरिएंट के लिए भी पूरी तरह से तैयार है. इसके ताजा सफल परीक्षण के पश्चात् तेजस विमानों की मारक क्षमता में और वृद्धि होगी तथा भारतीय वायु सेना को नया बल मिलेगा.

ज्ञातव्य है कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित अस्त्र मिसाइल का एमके-1 संस्करण 100 किमी से अधिक दूरी तक हवा से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइल है. डीआरडीओ द्वारा इसके एमके-3 संस्करण का विकास भी किया जा चुका है. अस्त्र एमके-3 की मारक क्षमता 340 किमी तक है. इसे अर्जुन के धनुष के नाम पर गांडीव नाम दिया गया है. गांडीव मिसाइल पाँचवीं पीढ़ी तक के लड़ाकू विमानों को भी निशाना बना सकती है. इस बेहद खतरनाक मिसाइल के जमीन से दो परीक्षण किए जा चुके हैं. शीघ्र ही इसका पहला हवाई परीक्षण किया जा सकता है.

लो लेवल ट्रांस पोर्टेबल रडार (अश्विनी) की स्वदेशी कम्पनी से खरीद के लिए रक्षा मंत्रालय का अनुबंध

भारतीय वायु सेना ने सशक्तिकरण के साथ-साथ स्वदेशी रक्षा उत्पादन के मामले में मेक इन इण्डिया को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए **लो लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार** (LLTR), की स्वदेशी कम्पनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (BEL) से खरीद के लिए ₹ 2906 करोड़ का अनुबंध रक्षा मंत्रालय ने मार्च 2025 में किया है. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास प्रतिष्ठान द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किए गए इस Low Level Transportable Radar को अश्विनी नाम दिया गया है. यह रडार (अश्विनी) उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों से लेकर मानव रहित हवाई यानों व हेलीकॉप्टरों जैसे धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम है. वायु सेना में शामिल किए जाने से उसकी परिचालन क्षमता में काफी वृद्धि होगी. अश्विनी की खरीद के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. के साथ रक्षा मंत्रालय के अनुबंध पर हस्ताक्षर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में नई दिल्ली में 12 मार्च, 2025 को किए गए. इस अनुबंध को विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता को कम करके रक्षा उत्पादों के निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम रक्षा मत्रालय की विज्ञाप्ति में बताया गया है.

लॉन्च के बाद भी लक्ष्य बदलने में सक्षम नेवल एंटीशिप मिसाइल का सफल परीक्षण

मिसाइल प्रौद्योगिकी में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए भारत ने अपनी तरह की पहली स्वदेशी **नेवल एंटीशिप मिसाइल–शॉर्ट रेंज** (NASM-SR) का सफल परीक्षण किया है. **भारतीय नौसेना के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित इस मिसाइल की खास बात यह है कि एक बार लॉन्च किए जाने के बाद भी अपने लक्ष्य को यह बदल सकती है.** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन व नौसेना ने संयुक्त रूप से ओडिशा के चाँदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से इसका सफल परीक्षण 25 फरवरी, 2025 को किया. नौसेना के 42 बी सी किंग हेलीकॉप्टर से लॉन्च की गई इस मिसाइल ने छोटे जहाज के टार्गेट को सीधे हिट किया. समुद्र की सतह के निकट ही उड़ान भरने वाली इस मिसाइल ने परीक्षण के दौरान मिसाइल की 'मैन इन लूप' विशेषता को सिद्ध कर दिया. **इस फीचर के चलते पायलट पूरी उड़ान के दौरान मिसाइल पर नियंत्रण रख सकता है** तथा मिसाइल लॉन्च होने के पश्चात् पायलट उसमें लगे कैमरे से लाइव फीड देख कर अपने लक्ष्य को दोबारा चुन सकता है. मिसाइल में दोतरफा

डाटा-लिंक सिस्टम है जो पायलट को उड़ान के दौरान मिसाइल को बीच में ही लक्ष्य बदलने में मदद करता है.

मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय नौसेना तथा उद्योगों को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बधाई दी है. उन्होंने कहा कि मैन-इन-लूप सुविधा उड़ान के दौरान मिसाइल को पुनः लक्ष्यीकरण की क्षमता प्रदान करते हैं.

टी-72 टैंकों के लिए रूस से इंजन की खरीद के लिए अनुबन्ध : टी-90 टैंकों के लिए भी उन्नत इंजनों की खरीद की योजना

भारतीय सेना के टी-72 टैंकों के लिए 1000 एचपी इंजनों की खरीद के लिए रूस की रोसोबोरोन एक्सपोर्ट (Rosoboronexport–RoE) कम्पनी के साथ 248 मिलियन डॉलर के सौदे पर रक्षा मंत्रालय ने हस्ताक्षर 7 मार्च, 2025 को किए हैं. भारतीय सेना के मुख्य युद्धक टी-72 टैंकों में 780 एचपी के इंजन हैं. इन टैंकों के मौजूदा बेड़े को 1000 एचपी इंजनों से लैस करने से सेना की युद्धक गतिशीलता एवं आक्रामक क्षमता में वृद्धि होगी. **रोसोबोरोन-एक्सपोर्ट** से खरीदे जाने वाले यह इंजन पूरी तरह से तैयार तथा असेंबल किए जाने के अर्द्ध-तैयार अवस्था में भी होंगे.

रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इण्डिया' पहल को बढ़ावा देने के लिए रूसी कम्पनी के साथ किए गए अनुबन्ध में बाद में लाइसेंस प्राप्त उत्पादन के लिए अवाड़ी चेन्नई स्थित आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लि. (हैवी व्हीकल फैक्ट्री) को 'ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी' भी शामिल है.

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 को सुधार वर्ष (Year of Reforms) के रूप में मनाने के रक्षा मंत्रालय के कदमों के तहत् ₹ 54,000 करोड़ के आठ पूँजी अधिग्रहण प्रस्तावों को रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद् (Defence Acquisition Council–DAC) ने आवश्यकता के अनुरूप स्वीकृति 20 मार्च, 2025 को प्रदान की है. **भारतीय सेना के टी-90 टैंकों की युद्ध क्षेत्र गतिशीलता में वृद्धि के लिए इसके मौजूदा 1000 एचपी इंजनों को उन्नत करने के लिए 1350 एचपी इंजनों की खरीद हेतु मंजूरी भी उनमें शामिल है.**

45-50 किमी की दूरी तक मारक क्षमता वाली तोपों की स्वदेशी कम्पनी से ही खरीद के प्रस्ताव को सरकार की मंजूरी

हल्के लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों, रडार प्रणालियों व मिसाइलों के पश्चात् अब तोप निर्माण में आत्म-निर्भरता की दिशा में भी लम्बी छलांग लगाने की भारत की तैयारी है. सेना की मारक क्षमता को और अधिक सटीक एवं अचूक बनाने के लिए अब देश में ही विकसित **एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम** (Advanced Towed Artillery Gun Systems–ATAGS) तोपों तथा गन टोइंग व्हीकल्स (Gun-Towing Vehicles) की खरीद रक्षा मंत्रालय द्वारा की जाएगी. लगभग ₹ 7,000 हजार करोड़ की लागत से 45 किमी की दूरी तक मारक क्षमता वाली ऐसी 307 तोपों तथा 327 गन टोइंग व्हीकल्स की देश में ही भारत फोर्ज लि. और टाटा एडवांस्ड सिस्टम लि. से खरीद के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (CCS) ने मंजूरी 20 मार्च, 2025 को प्रदान की है. एटीएजीएस स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित 155 मिमी की तोप है. अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी व बेहतर मारक क्षमता के साथ यह स्वदेशी तोप सेना की मारक क्षमता में वृद्धि करेगी. सेना के लिए स्वीडन से खरीदी गई बोफोर्स तोप भी 155 मिमी की है, किन्तु 52 कैलिवर की लम्बी बैरल के साथ एटीएजीएस की मारक क्षमता 45 किमी तक हो जाती है, जबकि बोफोर्स तोपों की मारक क्षमता 29 किमी तक है. भारतीय निजी उद्योग भागीदारी के सहयोग से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित एटीएजीएस तोपों में 65 प्रतिशत से अधिक कंपोनेंट देश में ही विकसित हैं. यह विकास न केवल भारत के रक्षा उद्योग को मजबूत बनाता है बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विदेशी आयात पर निर्भरता को भी कम करेगा. साथ ही पूर्णतः स्वदेशी प्रणाली होने के कारण एटीएजीएस तोपों का रखरखाब व इसके लिए पूँजी की आपूर्ति श्रृंखला आसान होगी.

केदारनाथ व हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी

केदारनाथ, उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जिले में तथा हेमकुंड साहिब चमोली जिले में स्थित हैं. दोनों तीर्थ स्थलों के लिए लाखों श्रद्धालु प्रति वर्ष जाते हैं तथा उनकी यह यात्रा अति दुर्गम होती है. केदारनाथ व हेमकुंड साहिब के लिए श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम बनाने के लिए इन दोनों धार्मिक स्थलों के लिए रोपवे निर्माण की सरकार की योजना है. ₹ 6,811 करोड़ की अनुमानित लागत से पूरी की जाने वाली इन परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की आर्थिक मामलों की समिति ने गत 5 मार्च को मंजूरी प्रदान की है. केदारनाथ के लिए रोपवे 12·9 किमी लम्बा होगा तथा यह सोनप्रयाग से शुरू होगा. यह विश्व के सबसे लम्बे रोपवे में से एक होगा. इसके तैयार हो जाने के पश्चात् तीर्थयात्री सोनप्रयाग से केदारनाथ तक की दूरी जो लगभग 21 किमी है, 60 मिनट में पूरी कर सकेंगे. अभी इसके लिए पैदल यात्रा में 8-9 घण्टे लगते हैं. इस परियोजना की अनुमानित लागत ₹ 4,081·28 करोड़ आकलित की गई है.

दूसरी प्रस्तावित हेमकुंड साहिब परियोजना के तहत् उत्तराखण्ड में गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक 12·4 किमी लम्बे रोपवे का निर्माण किया जाएगा. इसकी पूँजीगत लागत ₹ 2,730·13 करोड़ अनुमानित है. यह रोपवे दो खण्डों में बनेगा—गोविंदघाट से घांघरिया (10·55 किमी) तथा घांघरिया से हेमकुंड साहिब (1·85 किमी). इससे गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब की यात्रा 45 मिनट में पूरी की जा सकेगी. अभी 19 किमी पैदल मार्ग की इस यात्रा में लगभग 12 घण्टे लगते हैं. दोनों परियोजनाओं को BOT (बिल्ड, ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर) मॉडल के तहत् लागू किया जाएगा. अर्थात् कोई निजी कम्पनी इन्हें बनाएगी, संचालित करेगी और फिर सरकार को सौंप देगी.

माधव राष्ट्रीय उद्यान देश का 58वाँ बाघ अभयारण्य

मध्य प्रदेश में शिवपुरी स्थित माधव राष्ट्रीय पार्क को अब बाघ अभयारण्य (Tiger Reserve) के रूप में राज्य सरकार ने मार्च 2025 में अधिसूचित किया है. भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत् इसकी अधिसूचना 7 मार्च, 2025 को जारी की गई. देश का यह 58वाँ बाघ तथा मध्य प्रदेश में यह नौवाँ बाघ अभयारण्य है. इससे पूर्व नवम्बर 2024 में छत्तीसगढ़ स्थित गुरु घासीदास तमोर पिंगला अभयारण्य को देश के 56वें बाघ अभयारण्य के रूप में तथा दिसम्बर 2024 में मध्य प्रदेश स्थित रातापानी वन्य जीव अभयारण्य को 57वें बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया था.

माधव राष्ट्रीय उद्यान को बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी वन्य जीव प्रेमियों व संरक्षणवादियों को इसके लिए बधाई दी है.

भारत के 58 अधिसूचित बाघ अभयारण्य (टाइगर रिजर्व)

(मार्च 2025 की स्थिति)

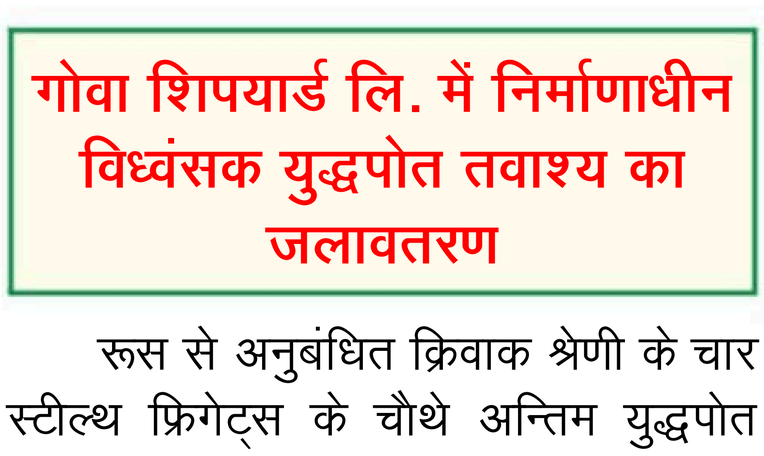
राज्य का नाम	टाइगर रिजर्व और उनके घोषित वर्ष
असम	1. मानस (1973-74) 2. नामेरी (1999-2000) 3. काजीरंगा (2006) 4. ओरांग (2016)
अरुणाचल प्रदेश	1. नामदफा (1982-83) 2. पाकुई (1999-2000) 3. कमलांग (2016)
आन्ध्र प्रदेश	1. नागार्जुन श्रीशैलम (1982-83)
बिहार	1. वाल्मीकि (1989-90)
छत्तीसगढ़	1. इंद्रावती (1982-83) 2. अचानकमार (2008-09) 3. उदंती सीतानदी (2008-09) 4. गुरु घासीदास-तमोर पिंगला अभयारण्य का संयुक्त क्षेत्र (2024)
झारखण्ड	1. पलामू (1973-74)
मिजोरम	1. डंपा (1994-95)
राजस्थान	1. रणथम्भौर (1973-74) 2. सरिस्का (1978-79) 3. मुकुंदरा हिल्स (2013) 4. रामगढ़ विषधारी अभयारण्य (2021) 5. धौलपुर-करौली (2024)
कर्नाटक	1. बांदीपुर (1973-74) 2. भद्रा (1998-99) 3. नागरहोल (1999-2000) 4. दांडेली अंशी (2007) 5. बिलीगिरी रंगनाथ मंदिर (2011-12)
केरल	1. पेरियार (1978-79) 2. परमबीकुलम (2008-09)
मध्य प्रदेश	1. कान्हा (1973-74) 2. पेंच (1992-93) 3. बांधवगढ़ (1993-94) 4. पन्ना (1994-95) 5. सतपुड़ा (1999-2000) 6. संजय दुबरी (2008-09) 7. वीरांगना दुर्गावती (2024) 8. रातापानी बाघ अभयारण्य (2024) 9. माधव टाइगर रिजर्व (2025)
महाराष्ट्र	1. मेलघाट (1973-74) 2. पेंच (1992-93) 3. तडोब-अंधेरी (1993-94) 4. सह्यादी (2009-10) 5. नवेगांव नागजीरा (2013) 6. बोर (2014)
उत्तर प्रदेश	1. दुधवा (1987-88) 2. पीलीभीत (2012) 3. अमानगढ़ (2012) 4. रानीपुर, चित्रकूट (2024)
उत्तराखण्ड	1. जिम कार्बेट (1973-74) 2. राजाजी (2015)
प. बंगाल	1. सुंदरबन (1973-74) 2. बुक्सा (1982-83)
तेलंगाना	1. कवल (2012-13)
ओडिशा	1. सिमलीपाल (1973-74) 2. सतकोसिया (2008-09)
तमिलनाडु	1. कालकड-मुदंथुरेइ (1998-99) 2. अन्नामलाई (2007) 3. मदुमलाई (2007) 4. सत्यमंगलम (2013) 5. श्री विल्लिपिथुर मेगामलाई (2021)

मार्च 2025 में अधिसूचित किए गए देश के 58वें टाइगर रिजर्व माधव टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 1651·43 वर्ग किमी तय किया गया है. इसमें 375·28 वर्ग किमी का कोर क्षेत्र और 1276·15 वर्ग किमी का बफर क्षेत्र शामिल है. कोर क्षेत्र में आरक्षित वन, संरक्षित वन और राजस्व क्षेत्र को जोड़ा गया है. इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 मार्च को एक नर और एक मादा टाइगर इसमें छोड़कर किया.

माधव टाइगर रिजर्व की अधिसूचना के पश्चात् देश के सभी 58 बाघ अभयारण्यों की सूची बॉक्स में प्रदर्शित है.

गोवा शिपयार्ड लि. में निर्माणाधीन विध्वंसक युद्धपोत तवाश्य का जलावतरण

रूस से अनुबंधित क्रिवाक श्रेणी के चार स्टील्थ फ्रिगेट्स के चौथे अन्तिम युद्धपोत तवाश्य (Tavasya) जो कि गोवा शिपयार्ड लि. (GSL) में निर्माणाधीन है, का जलावतरण 22 मार्च, 2025 को गोवा में किया गया. नौसेना के अधिकारियों व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की उपस्थिति में यह जलावतरण श्री सेठ की धर्मपत्नी नीता सेठ ने किया. विभिन्न परीक्षणों के पश्चात् यह युद्धपोत 2026 के अन्त तक नौसेना को सौंपे जाने की सम्भावना है. गोवा शिपयार्ड लि. में निर्माणाधीन 3,800 टन से अधिक विस्थापन व जबर्दस्त मारक क्षमता वाले इस युद्धपोत 'तवाश्य' को यह नाम महाभारत के महाबली भीम की गदा के नाम पर दिया गया है.



युद्धपोत तवाश्य : गोवा में जलावतरण

क्रिवाक श्रेणी के 6 युद्धपोतों के पश्चात् चार और युद्धपोतों के लिए रूस के साथ भारत ने अन्तर्सरकारी समझौता अक्टूबर 2016 में किया था. इनमें से दो युद्धपोत तैयार हालत में लिए जाने थे, जबकि दो का निर्माण रूसी सहायता से ही गोवा में किया जाना था. गोवा में बनने वाले दो युद्धपोतों के निर्माण के लिए रूस की रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (Rosoboroneexport) के साथ गोवा शिपयार्ड लि. (GSL) ने 500 मिलियन डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर नवम्बर 2018 में किए थे तथा भारतीय रक्षा मंत्रालय व जीएसएल के बीच इसके लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर जनवरी 2019 में किए गए थे. इन समझौतों के तहत् जो दो युद्धपोत रूस से तैयार हालत में लिए जाने थे, इनमें से पहला **आईएनएस तुशिल** 9 दिसम्बर, 2024 को रूस में ही कालिनिनग्राद (Kaliningrad) में भारतीय नौसेना को सौंपा गया था (देखें—प्रतियोगिता दर्पण फरवरी 2025) तथा यह युद्धपोत 14 फरवरी, 2025 को ही अपने तैनाती स्थल कारवार (Karwar) पहुँचा था. इस श्रेणी का दूसरा युद्धपोत तमाल (Tamal) जून 2025 में भारतीय नौसेना को सौंपे जाने की सम्भावना है. इस शृंखला के तीसरे (गोवा शिपयार्ड में बनने वाले पहले) युद्धपोत **त्रिपुट** (Triput) का जलावतरण जुलाई 2024 में हुआ है तथा दूसरे युद्धपोत **तवाश्य** का जलावतरण अब मार्च 2025 में हुआ है. इनमें पहला **त्रिपुट** अगले वर्ष 2026 में तथा दूसरा **तवाश्य** उसके 6 माह पश्चात् नौसेना को सौंपे जाने की सम्भावना है. इन चारों युद्धपोतों में यूक्रेन में निर्मित इंजन लगाए गए हैं तथा यह चारों स्टील्थ तकनीक से लैस हैं जिससे इनकी पहचान मुश्किल होती है.

गोवा शिपयार्ड में निर्माणाधीन तवाश्य युद्धपोत में 56 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी कल पुर्जे लगाए गए हैं तथा ब्रम्होस मिसाइल, तारपीडो लॉन्चर व अन्य आधुनिक नियंत्रण प्रणालियों से लैस होने के कारण इसकी युद्धक क्षमता और भी अधिक खतरनाक होगी. वस्तुतः गोवा में बनने वाले इन दोनों युद्धपोतों को पानी की सतह, पानी के नीचे व हवाई युद्ध अभियानों के दौरान सफलता के साथ तबाही मचाने के लिए डिजाइन किया गया है.

अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की डॉकिंग के पश्चात् उनकी अनडॉकिंग में भी इसरो को सफलता : स्पैडेक्स मिशन सफल

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का 30 दिसम्बर, 2024 को प्रक्षेपित ***स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट*** *(Space Docking Experiment–SpaDex)* ***स्पैडेक्स*** *मिशन ने अपनी पूर्ण कामयाबी 13 मार्च, 2025 को उस समय प्राप्त की जब इस एक्सपेरिमेंट के तहत् दो उपग्रहों को आपस में जोड़ने तथा उन्हें वापस अलग करने (docking and undocking) का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया. इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना, गगनयान व चंद्रयान-4 सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों को सम्पन्न करने की दिशा में मार्ग-प्रशस्त हुआ है.*

स्पैडेक्स मिशन के तहत् इसरो ने 220-220 किग्रा वजन के दो उपग्रहों—एसडीएक्स 01 (चेज़र) तथा एसडीएक्स 02 (टारगेट) का प्रक्षेपण श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से पीएसएलवी-सी60 के जरिए 30 दिसम्बर, 2024 को किया था. इन दोनों उपग्रहों को 470 किमी की ऊँचाई पर वृत्ताकार लो ऑर्बिट कक्षा में एक-दूसरे से कुछ दूरी पर स्थापित किया गया था. ***इस मिशन के तहत् पहले दोनों उपग्रहों को एक साथ डॉकिंग करनी थी जिसके पश्चात् इनकी अनडॉकिंग करनी थी.*** *इस परीक्षण का डॉकिंग का चरण 16 जनवरी, 2025 को पूरा करने में सफलता इसरो ने प्राप्त की थी. (देखें—प्रतियोगिता दर्पण मार्च, 2025, पृष्ठ 17). इस परीक्षण के अगले चरण में दोनों उपग्रहों की अनडॉकिंग 13 मार्च, 2025, को सम्पन्न की गई. अनडॉकिंग (एक-दूसरे से अगल किए जाने) के पश्चात् दोनों उपग्रह एसडीएक्स 01 (चेज़र) व एसडीएक्स 02 (टारगेट) अब स्वतंत्र रूप से वृत्ताकार कक्षा में पृथ्वी का चक्कर लगा रहे हैं. अनडॉकिंग की उपलब्धि हासिल करने के पश्चात् इन उपग्रहों के साथ कुछ अन्य प्रयोग करने की इसरो की योजना है.*

स्पैडेक्स मिशन की कामयाबी भारत के भावी अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है. भविष्य में चन्द्रमा से नमूने लाने, गगनयान मिशन के तहत् अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्री भेजने तथा अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के लिए डॉकिंग व अनडॉकिंग की विशेषज्ञता आवश्यक होगी.

2024-25 के लिए महिलाओं की सीनियर क्रिकेट टीम हेतु 16 खिलाड़ी अनुबंधित

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भारत की महिलाओं की सीनियर टीम के लिए 2024-25 के लिए (1 अक्टूबर, 2024 से 30 सितम्बर, 2025 के लिए) वार्षिक कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा 24 मार्च, 2025 को की है. महिलाओं की सीनियर टीम के लिए इस वर्ष के लिए 16 खिलाड़ियों के लिए अनुबंध की घोषणा बीसीसीआई ने की है. पिछले वर्ष 2023-24 के लिए 17 महिला खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया था.

- 2024-25 के लिए जिन 16 खिलाड़ियों को अनुबंधित किया गया है, उनमें से 3 को ए ग्रेड में, 4 को बी ग्रेड में तथा 9 खिलाड़ियों को सी ग्रेड में अनुबंधित किया गया है. **ए ग्रेड में ₹ 50-50 लाख, बी ग्रेड में ₹ 30-30 लाख तथा सी ग्रेड में ₹ 10-10 लाख की सालाना राशि महिला क्रिकेटर्स को प्रदान की जाती है.** (पुरुष खिलाड़ियों के लिए चार श्रेणियों में सालाना कॉन्ट्रैक्ट बीसीसीआई द्वारा किया जाता है तथा इन खिलाड़ियों को ए+ ग्रेड में ₹ 7-7 करोड़, ए ग्रेड में ₹ 5-5 करोड़, बी ग्रेड में ₹ 3-3 करोड़ तथा सी ग्रेड में ₹ 1-1 करोड़ सालाना अनुबंध के तहत् प्राप्त होते हैं.)
- 2024-25 के लिए सीनियर महिला टीम के लिए जिन 3 खिलाड़ियों को ए ग्रेड अनुबंध दिया गया है, उनमें **हरमनप्रीत** कौर, स्मृति मंधाना व दीप्ति शर्मा शामिल हैं. ए ग्रेड में 2023-24 के लिए भी यही तीन खिलाड़ी अनुबंधित थीं.



हरमनप्रीत कौर स्मृति मंधाना दीप्ति शर्मा

- बी ग्रेड में चार खिलाड़ियों—रेणुका ठाकुर, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष व शैफाली वर्मा को 2024-25 के लिए बीसीसीआई ने अनुबंधित किया है. पिछले वर्ष ग्रेड बी में शामिल रहीं राजेश्वरी गायकवाड़ अपना यह कॉन्ट्रैक्ट बरकरार नहीं रख सकीं.
- 2024-25 के लिए सी ग्रेड में अनुबंधित 9 खिलाड़ियों में यास्तिका भाटिया, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, उमा क्षेत्री, स्नेह राणा व पूजा वस्त्राकर शामिल हैं. इनमें श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर व उमा छेत्री को जहाँ पहली बार अनुबंधित खिलाड़ियों में स्थान मिला है, वहीं राजेश्वरी गायकवाड़ के अतिरिक्त हरलीन देओल, सबमिनेनी मेघना, मेघना सिंह, देविका वैद्य व अंजलि सरबानी भी अपना कॉन्ट्रैक्ट नहीं बचा सकी हैं.

यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक पुरुष खिलाड़ियों के लिए 2024-25 के लिए अनुबंध बीसीसीआई द्वारा जारी नहीं किए गए थे. पिछले वर्ष 2023-24 के लिए 30 खिलाड़ियों को बीसीसीआई ने अनुबंधित किया था. इनमें से 4 खिलाड़ी ए+ ग्रेड में, 6 ए ग्रेड में, 5 बी ग्रेड में तथा 15 खिलाड़ी सी ग्रेड में अनुबंधित किए गए थे.

एक दशक में इसरो द्वारा 393 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण

अंतरिक्ष क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने के साथ-साथ इस क्षेत्र में व्यावसायिक सफलताएँ भी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने प्राप्त की हैं. इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए अंतरिक्ष विभाग द्वारा गत 12 मार्च को लोक सभा में बताया गया कि जनवरी 2015 से दिसम्बर 2024 तक के 10 वर्षों की अवधि में 393 विदेशी उपग्रहों व 3 भारतीय ग्राहक सैटेलाइट का अंतरिक्ष में प्रक्षेपण 'इसरो' द्वारा किया गया. इनके अतिरिक्त भारतीय उपभोक्ताओं के 3 उपग्रह भी व्यावसायिक आधार पर अंतरिक्ष में स्थापित किए गए. यह व्यावसायिक प्रक्षेपण स्वदेशी प्रक्षेपण यानों—पीएसएलवी, एलवीएम-3 तथा एसएसएलवी प्रक्षेपण यानों के जरिए किए गए तथा इनसे 143 मिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई.

अंतरिक्ष विभाग द्वारा बताया गया कि सन्दर्भित दशक (2015-24) में इसरो द्वारा प्रक्षेपित 393 विदेशी उपग्रह 34 विभिन्न देशों के थे. इनमें सर्वाधिक 232 उपग्रह अमेरिका के तथा 83 उपग्रह ब्रिटेन के थे. इनके अतिरिक्त सिंगापुर के 19, कनाडा के 8, दक्षिण कोरिया के 5, लक्जेमबर्ग व इटली के 4-4, जर्मनी, बेल्जियम, फिनलैण्ड व फ्रांस के 3-3, स्विट्जरलैण्ड, नीदरलैण्ड्स, जापान, इजरायल व स्पेन के 2-2 तथा ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात व ऑस्ट्रिया का 1-1 उपग्रह इनमें शामिल हैं.

ज्ञातव्य है कि छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करने के लिए ही लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (Small Satellite Launch Vehicle–SSLV) का विकास इसरो द्वारा किया गया है. इसके जरिए 500 किग्रा तक के वजन वाले उपग्रहों को कम लागत पर ही निचली कक्षा में स्थापित किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ बजट : 2025-26

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का बजट राज्य के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने 3 मार्च, 2025 को विधान सभा में प्रस्तुत किया. पहली बार 100 पृष्ठ का बजट भाषण हस्तलिखित ही उन्होंने प्रस्तुत किया. श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दिसम्बर 2023 में सत्ता में आई भाजपा सरकार का यह दूसरा



विधान सभा में बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी

बजट है. ₹ 1,65,000 करोड़ का यह बजट 2024-25 के बजट (₹ 1,51,700 करोड़, संशोधित अनुमान) की तुलना में ₹ 13,300 करोड़ अधिक का होने के साथ-साथ राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट है. प्रदेश का पिछला बजट, जो वित्त मंत्री चौधरी ने ही प्रस्तुत किया था, **ज्ञान** (GYAN अर्थात् G-गरीब, Y-युवा, A-अन्नदाता व N-नारी) पर केन्द्रित था, जबकि इस वर्ष का बजट **गति** (GATI, अर्थात् गुड गवर्नेंस, एक्सलरेटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी व इंडस्ट्रियल ग्रोथ) पर केन्द्रित है. राज्य के रजत जयंती वर्ष, जिसे स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में **'अटल निर्माण वर्ष'** के रूप में राज्य सरकार मना रही है, के इस बजट में व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से कर अनुपालन के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने ई-वे बिल सीमा ₹ 50 हजार से बढ़ाकर ₹ 1 लाख की है तथा 10 वर्ष से अधिक लम्बित मामलों में ₹ 25 हजार तक के वैट देनदारी को माफ किया है, जिससे 40,000 से अधिक व्यापारियों को राहत मिलेगी. इसके अतिरिक्त अचल सम्पत्ति लेन-देन पर स्टाम्प शुल्क उपकर हटा दिया गया है.

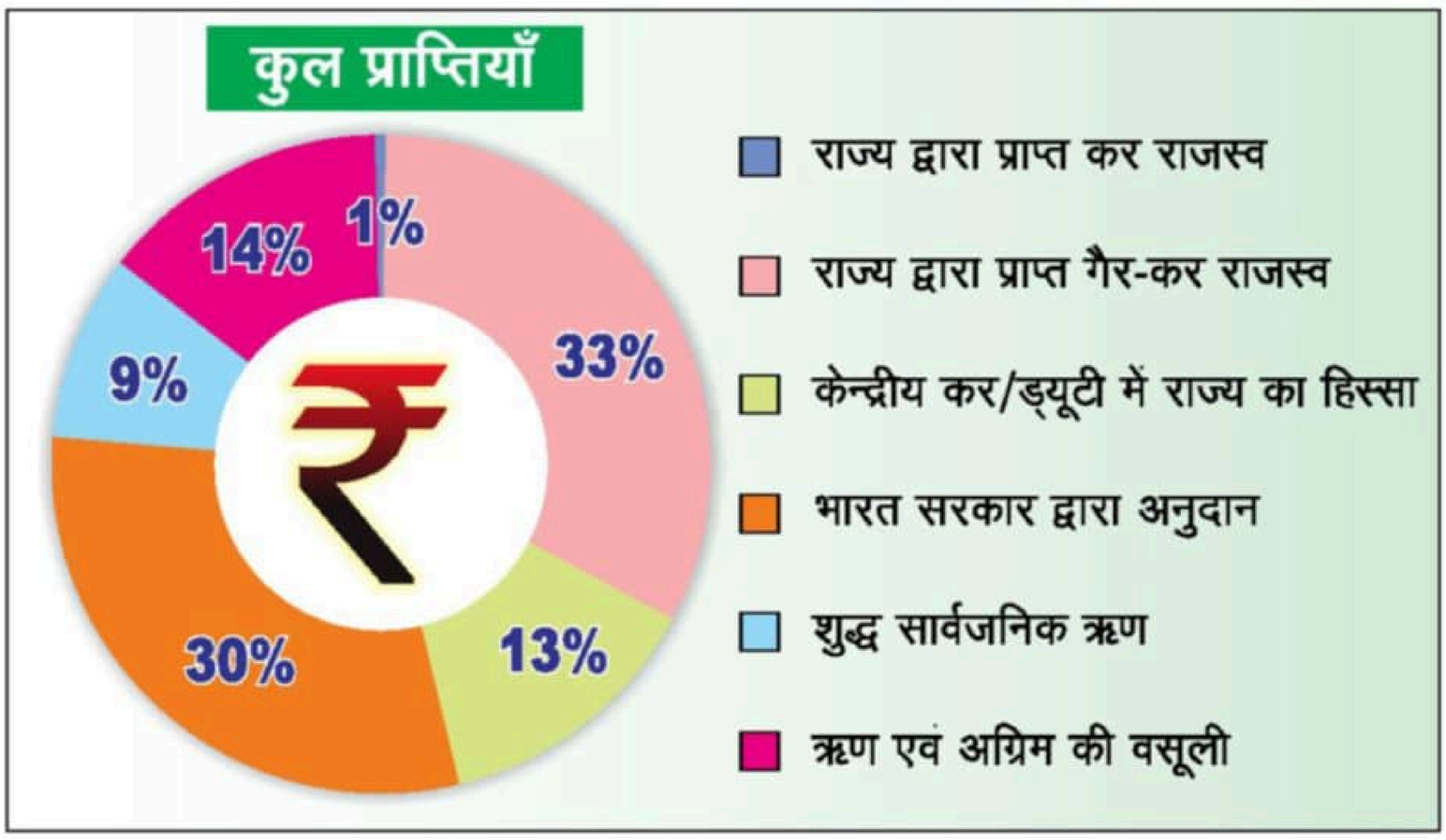
छत्तीसगढ़ के वर्ष 2025-26 के बजट में 10 नवीन योजनाओं की घोषणा की गई है, जिसमें मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना, मुख्यमंत्री मोबाइल टावर योजना, मुख्यमंत्री परिवहन योजना, मुख्यमंत्री बायपास एवं रिंग रोड निर्माण योजना, मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना, मुख्यमंत्री गवर्नेंस फेलोशिप, सियान केयर योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, अटल सिंचाई योजना, छात्र स्टार्ट-अप एवं नवाचार नीति तथा राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज के साथ छात्र कौशल कार्यक्रम और वित्तीय निवेश प्रशिक्षण योजना शामिल हैं.

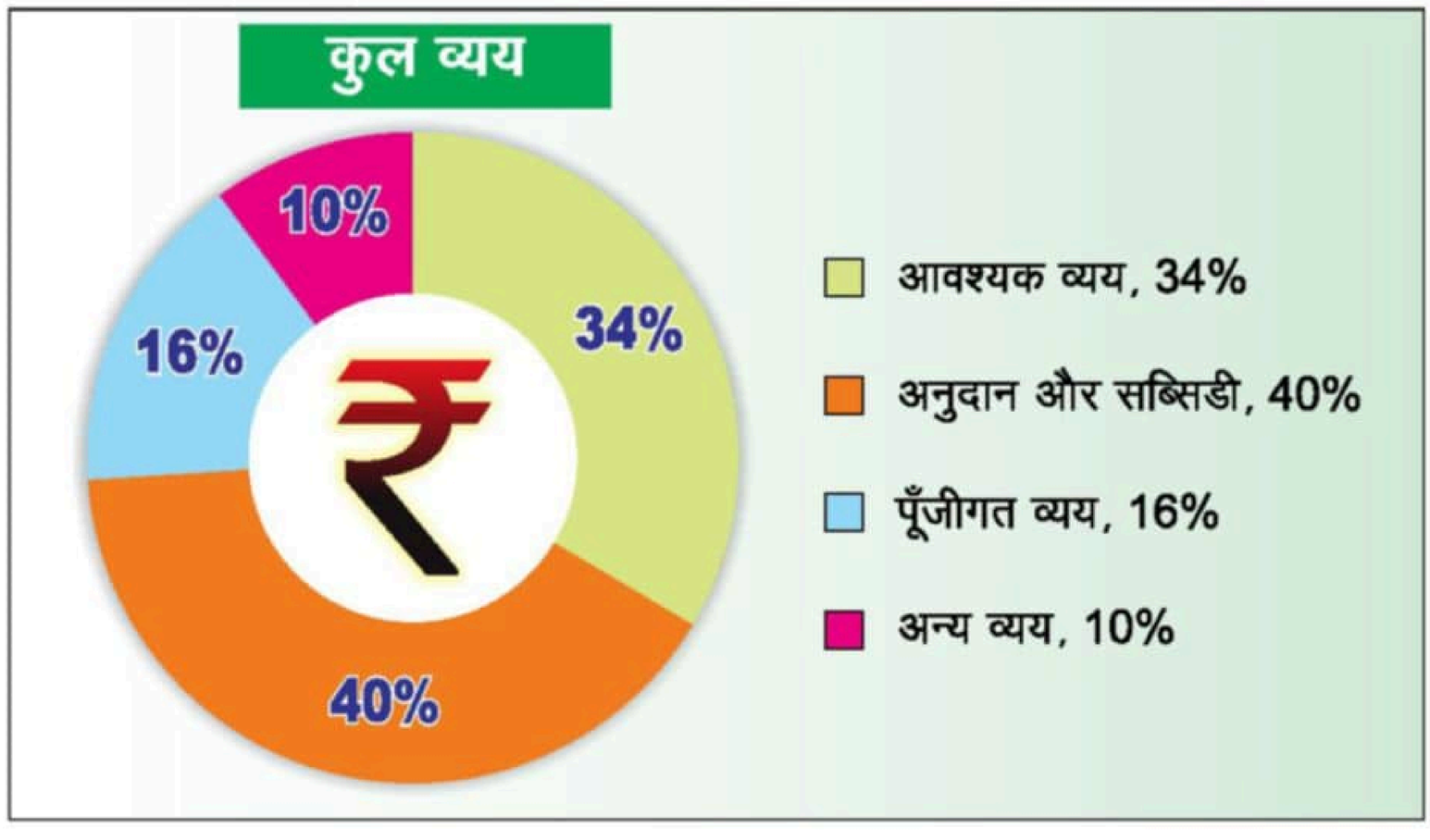
प्राप्तियों एवं व्यय का समायोजन

वित्तीय वर्ष (2025-26) में राज्य सरकार का कुल व्यय ₹ 1,65,000 करोड़ व कुल प्राप्तियाँ ₹ 1,65,000 करोड़ बजट में प्रस्तावित हैं. कुल व्यय में ₹ 1,38,196 करोड़ राजस्व व्यय (Revenue Expenditure), ₹ 26,341 करोड़ पूँजीगत व्यय (Capital Expenditure) तथा ₹ 463 करोड़ ऋणों के अग्रिमों के रूप में अनुमानित हैं, पूँजीगत व्यय (₹ 26,341 करोड़) कुल व्यय का 15·96 प्रतिशत है तथा 2024-25 के बजट अनुमान की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है. 2025-26 के दौरान ₹ 1,65,100 करोड़ की अनुमानित प्राप्तियों में ₹ 1,41,000 करोड़ राजस्व प्राप्तियाँ व शेष ₹ 24,100 करोड़ पूँजीगत प्राप्तियाँ हैं. ₹ 1,41,000 करोड़ की राजस्व प्राप्तियों (Revenue Receipts) में ₹ 1,04,000 करोड़ कर राजस्व (₹ 54,000 करोड़ राज्य के स्वयं के कर राजस्व + ₹ 50,000 करोड़ केन्द्रीय करों में से राज्य का अंश) के रूप में तथा ₹ 37,000 करोड़ करेतर राजस्व (Non-Tax Revenue) के रूप में (₹ 22,000 करोड़ राज्य के स्वयं के करेतर राजस्व + ₹ 15,000 करोड़ केन्द्र से सहायक अनुदानों के रूप में) प्राप्त होने का अनुमान बजट में लगाया गया है.

राज्य की आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में बताया कि प्रचलित मूल्यों पर राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 2024-25 में ₹ 5,67,880 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹ 6,35,918 करोड़ होने का अनुमान है, जो 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य में प्रति व्यक्ति आय ₹ 1,62,870 होने की उम्मीद है, जो 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है. **वित्त वर्ष 2024-25 के त्वरित अनुमानों के अनुसार, कृषि क्षेत्र का जी.एस.डी.पी. में योगदान 17 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र का 48 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 35 प्रतिशत है.**

प्राप्तियों एवं व्ययों के इन अनुमानों के चलते 2025-26 के दौरान राज्य सरकार का राजस्व आधिक्य ₹ 2,804 करोड़ तथा सकल राजकोषीय घाटा ₹ 22,900 करोड़ अनुमानित है जिसमें से ₹ 4,000 करोड़ पूँजीगत व्यय के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता के रूप में शामिल हैं. इसलिए, राज्य का शुद्ध राजकोषीय घाटा ₹ 18,900 करोड़ अनुमानित है जो जी.एस.





डी.पी का 2·97% है. यह एफ.आर.बी.एम. अधिनियम में निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर है.

वर्ष के दौरान राज्य सरकार की प्राप्तियों एवं व्यय के सभी अनुमान पूर्व वर्ष की तुलना सहित बॉक्स में दर्शाए गए हैं–

वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान (छत्तीसगढ़)

(आँकड़े ₹ करोड़ में)

क्र. स.	विषय	2023-24 लेखा	2024-25 बजट अनुमान	2024-25 पुनरीक्षित अनुमान	2025-26 बजट अनुमान
I.	**राजस्व प्राप्तियाँ (क+ख)**	**103508·19**	**125900·00**	**121200·00**	**141000·00**
क.	**राज्य का राजस्व**	**53934·18**	**68400·00**	**63700·00**	**76000·00**
	1. कर राजस्व	38786·22	49700·00	46200·00	54000·00
	2. कर भिन्न राजस्व	15147·96	18700·00	17500·00	22000·00
ख.	**केन्द्र से प्राप्तियाँ**	**49574·01**	**57500·00**	**57500·00**	**65000·00**
	3. केन्द्रीय करों में राज्य का हिस्सा	38481·88	44000·00	44000·00	50000·00
	4. सहायक अनुदान	11092·13	13500·00	13500·00	15000·00
II.	**पूँजीगत प्राप्तियाँ (5+6+7+8)**	**26955·89**	**21600·00**	**30813·00**	**24100·00**
	5. उधार एवं अग्रिम की वसूली	25·61	150·00	150·00	100·00
	6. विविध पूँजीगत प्राप्तियाँ	5·01	0·00	0·00	0·00
	7. शुद्ध लोक ऋण	29936·76	19750·00	29663·00	23000·00
	8. लोक लेखों से शुद्ध प्राप्तियाँ	–3011·49	1700·00	1000·00	1000·00
III.	**कुल प्राप्तियाँ (I+II)**	**130464·08**	**147500·00**	**152013·00**	**165100·00**
IV.	**कुल व्यय (9+10+11)**	**130471·84**	**147445·63**	**151700·00**	**165000·00**
	9. राजस्व व्यय	114740·96	124840·01	128406·00	138196·00
	10. पूँजीगत व्यय	15418·93	22300·02	22994·00	26341·00
	11. ऋण एवं अग्रिम	311·95	305·60	300·00	463·00
V.	**पुनर्प्राप्तियाँ एवं ऋण अदायगी**	**27916·03**	**13122·44**	**12639·28**	**14540·93**
VI.	**कुल विनियोग**	**158387·87**	**160568·07**	**164339·28**	**179540·93**
VII.	**ब्याज भुगतान (राजस्व व्यय में सम्मिलित)**	**6798·34**	**7931·01**	**9015·24**	**9515·06**
VIII.	**राजस्व आधिक्य/घाटा (I-9)**	**–11232·77**	**1059·99**	**–7206·00**	**2804·00**
IX.	**राजकोषीय (वित्तीय) घाटा (I+5+6+8)–IV)**	**–26946·50**	**–19695·63**	**–29350·00**	**–22900·00**
X.	**प्राथमिक घाटा (IX-VII)**	**–20148·16**	**–11764·62**	**–20334·76**	**–13384·94**
XI.	**राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (प्रचलित भाव)**	**512107(Q)**	**561736#**	**567880(A)**	**635917**
XII.	**राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी के प्रतिशत में)**	**4·60%**	**2·90%**	**4·08%**	**2·97%**

अन्य महत्वपूर्ण बजटीय घोषणाएं

- पिछले वर्ष के बजट की थीम 'ज्ञान' थी, इस वर्ष थीम 'गति' है.
- बजट में व्यापारियों के लिए कर राहतें.
- वर्तमान मूल्य पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 12% वृद्धि के साथ 2024-25 में ₹ 5,67,880 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹ 6,35,918 करोड़ हो जाने का अनुमान है.
- 2025-26 में राज्य सरकार को अपने स्वयं के करों से ₹ 54,000 करोड़ की प्राप्तियों का अनुमान (यह प्राप्तियाँ निम्नलिखित करों से अनुमानित हैं)

वाणिज्यिक कर	₹ 27,500 करोड़
आबकारी कर	₹ 12,500 करोड़
विद्युत शुल्क	₹ 6,000 करोड़
स्टाफ एवं पँजीयन	₹ 4000 करोड़
परिवहन	₹ 3000 करोड़
अन्य	₹ 1000 करोड़
योग	**₹ 54,000** करोड़

- बजट में सबसे अधिक ₹ 22,356 करोड़ स्कूल शिक्षा को मिले व सबसे कम ₹ 5,300 करोड़ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को.
- रायपुर से दुर्ग के बीच मेट्रो ट्रेन की घोषणा.
- नया रायपुर में एजुकेशन सिटी की स्थापना की जाएगी.
- 6 नए शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज-बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, जशपुर, रायगढ़ व मनेन्द्र गढ़ में व 12 नए नर्सिंग कॉलेज खुलेंगे.
- 25 वर्ष पूर्व राज्य में 4 यूनीवर्सिटी थीं, जो वर्तमान में 25 हो चुकी हैं.
- वर्ष 2000 में राज्य में केवल 1 मेडिकल कॉलेज था, जो अब 14 हो गए हैं.
- राज्य को 2047 तक विकसित बनाने के लिए 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन '2047' पथ प्रदर्शक दस्तावेज.
- लोक सेवकों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर पीएम एक्सीलेंस अवॉर्ड की तर्ज पर प्रदेश में सीएम एक्सीलेंस अवॉर्ड्स की घोषणा.
- सड़कों के सुदृढ़ नेटवर्क के लिए 'रोड़ प्लान 2030' बनाया गया.

बिहार बजट : 2025-26

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिहार सरकार का बजट राज्य के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 3 मार्च, 2025 को



बजट प्रपत्रों के साथ उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी

विधान सभा में प्रस्तुत किया. उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए राज्य के इस दूसरे बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास की बात पर जहाँ बल दिया वहीं 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार' के 'न्याय के साथ विकास पर ध्यान' केन्द्रित किया. चुनावी वर्ष होने के बावजूद किन्हीं मुफ्त रेबड़ियों की घोषणा उन्होंने बजट में नहीं कीं बल्कि बजट को सभी वर्गों के विकास पर केन्द्रित इन्होंने रखा जिसमें बुनियादी ढाँचे, रोजगार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य को विशेष प्राथमिकता दी गई है. इससे राज्य के विकास को नई गति मिलेगी. निजी निवेश को भी इस बजट में प्रोत्साहित किया गया है. इस बजट में महिलाओं के लिए विशेष घोषणाएं की हैं.

₹ 3,16,895·02 करोड़ का यह बजट राज्य सरकार के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट है जिसमें ₹ 1,16,750 करोड़ का प्रावधान योजना मद में (स्कीम व्यय) तथा ₹ 2,00,135 करोड गैर-योजना मद के लिए हैं.

बिहार बजट (2025-26) एक नजर में

(राशि ₹ करोड़ में)

क्र.स.	विषय	2023-24	2024-25	2024-25	2025-26
		वास्तविक आँकड़े	बजट अनुमान	पुनरीक्षित अनुमान	बजट अनुमान
1	2	3	4	5	6
1	**राजस्व प्राप्तियाँ**	**193347·23**	**226798·40**	**244442·82**	**260831·44**
2	कर राजस्व (क+ख)	161965·18	167311·92	183734·93	198035·85
	(क) केन्द्रीय करों में राज्य का हिस्सा	113604·49	113011·92	129434·93	138515·85
	(ख) राज्य सरकार का कर-राजस्व	48360·69	54300·00	54300·00	59520·00
3	राज्य सरकार का कर-भिन्न राजस्व	5257·06	7325·86	7325·86	8220·57
4	केन्द्र सरकार से प्राप्त सहायक अनुदान	26125·00	52160·62	53382·03	54575·02
5	**पूँजीगत प्राप्तियाँ (6+7+8)**	**60313·48**	**52127·31**	**64170·87**	**56263·19**
6	ऋणों एवं अग्रिमों की वसूली	95·94	439·18	504·18	525·40
	लोक ऋण (7+8)	60217·55	51688·14	63666·70	55737·79
7	राज्य सरकार का आंतरिक ऋण	49545·76	49188·14	50746·00	54658·04
8	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	10671·78	2500·00	12920·70	1079·75
9	**कुल प्राप्तियाँ (1+5)**	**253660·71**	**278925·72**	**308613·70**	**317094·63**
10	**स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय**	**150247·36**	**178706·09**	**201462·31**	**200135·42**
11	राजस्व खाते पर जिसमें	127048·02	156085·84	178840·66	177094·95
12	ब्याज भुगतान	17605·80	20526·19	20526·19	23013·94
13	पूँजीगत खाते पर (क+ख+ग+घ)	23199·34	22620·25	22621·65	23040·47
	(क) राज्य का आंतरिक ऋण	21438·71	20621·99	20621·99	21124·91
	(ख) केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	1540·67	1770·72	1770·72	1694·96
	(ग) पूँजीगत व्यय	132·91	123·50	123·50	118·50
	(घ) ऋण एवं पेशगियाँ	87·05	104·03	105·43	102·10
14	**स्कीम व्यय (क+ख)**	**101835·08**	**100019·63**	**148355·20**	**116759·60**
	(क) वार्षिक स्कीम	**101806·50**	**100000·00**	**148329·84**	**116750·00**
	(ख) केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम	28·58	19·63	25·36	9·60
15	राजस्व खाते पर	63466·15	69591·15	102389·79	74905·31
16	पूँजीगत खाते पर	38368·93	30428·47	45965·41	41854·29
	(क) जिसमें ऋण एवं पेशगियाँ	2048·81	1136·06	2402·84	1440·95
17	**कुल व्यय (10+14)**	**252082·44**	**278725·72**	**349817·50**	**316895·02**
18	राजस्व व्यय (11+15)	190514·17	225677·00	281230·45	252000·26
19	पूँजीगत व्यय (13+16)	61568·27	53048·72	68587·06	64894·76
20	**राजस्व घाटा (+)/राजस्व बचत (–) (18–1)**	**–2833·06**	**–1121·41**	**36787·62**	**–8831·18**
21	**राजकोषीय घाटा {17-1+6+13(क)+13(ख)}**	**35659·89**	**29095·43**	**82477·79**	**32718·31**
22	**प्राथमिक घाटा (21–12)**	**18054·09**	**8569·24**	**61951·60**	**9704·37**
23	**जी.एस.डी.पी. (आधार वर्ष 2011-12)**	**854429·00**	**976514·00**	**896429·00**	**1097264·00**
24	**राजस्व घाटा/सकल राजकोषीय घाटा**	–7·94%	**–3·85%**	**44·60%**	**–26·99%**
25	**सकल राजकोषीय घाटा/जी.एस.डी.पी.**	**4·17%**	**2·98%**	**9·20%**	**2·98%**
26	**ब्याज भुगतान/कुल राजस्व प्राप्ति**	**9·11**	**9·05**	**8·40**	**8·82**

प्राप्तियों एवं व्यय का समायोजन

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान राज्य सरकार का कुल व्यय ₹ 3,16,895·02 करोड़ बजट में अनुमानित है. इसमें ₹ 2,00,135·42 करोड़ में कुल व्यय (Committed Expenditure) तथा ₹ 1,16,750·60 करोड़ स्कीम व्यय है. 2024-25 के बजट में कुल व्यय अनुमान ₹ 2,78,725·72 करोड़ की तुलना में ₹ 38,169·3 करोड़ (13·69 प्रतिशत) अधिक है.

- 2025-26 में कुल प्रस्तावित व्यय में स्कीम व्यय 36·8 प्रतिशत तथा स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय 63·2 प्रतिशत प्रस्तावित है.
- 2025-26 में कुल **पूँजीगत व्यय** ₹ 64,894·76 करोड़ अनुमानित है, जो कुल प्रस्तावित व्यय का 20·48 प्रतिशत है.
- बजट में 2025-26 में कुल **राजस्व व्यय** ₹ 2,52,000·26 करोड़ अनुमानित है, जो कुल प्रस्तावित व्यय का 79·52 प्रतिशत है तथा पूर्व वर्ष 2024-25 के राजस्व व्यय (बजट अनुमान) ₹ 2,25,677 करोड़ से ₹ 26,323·26 करोड़ अधिक है. राजस्व व्यय में ₹ 23,013·94 करोड़ ब्याज भुगतान हेतु हैं.
- 2025-26 में कुल राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 2,60,831·44 करोड़ अनुमानित है, जिसमें ₹ 1,98,035·85 करोड़ कर राजस्व होगा.
- 2025-26 में राज्य सरकार के ₹ 1,98,035·85 करोड़ के कर राजस्व में राज्य के अपने स्रोतों से कर राजस्व के रूप में ₹ 59,520 करोड़ तथा 1,38,515·85 केन्द्रीय करों में से राज्य के हिस्से के रूप में प्राप्त होने का अनुमान है.
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में ₹ 55,737·79 करोड़ ऋण लिया जाना प्रस्तावित है.

राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा व प्राथमिक घाटा

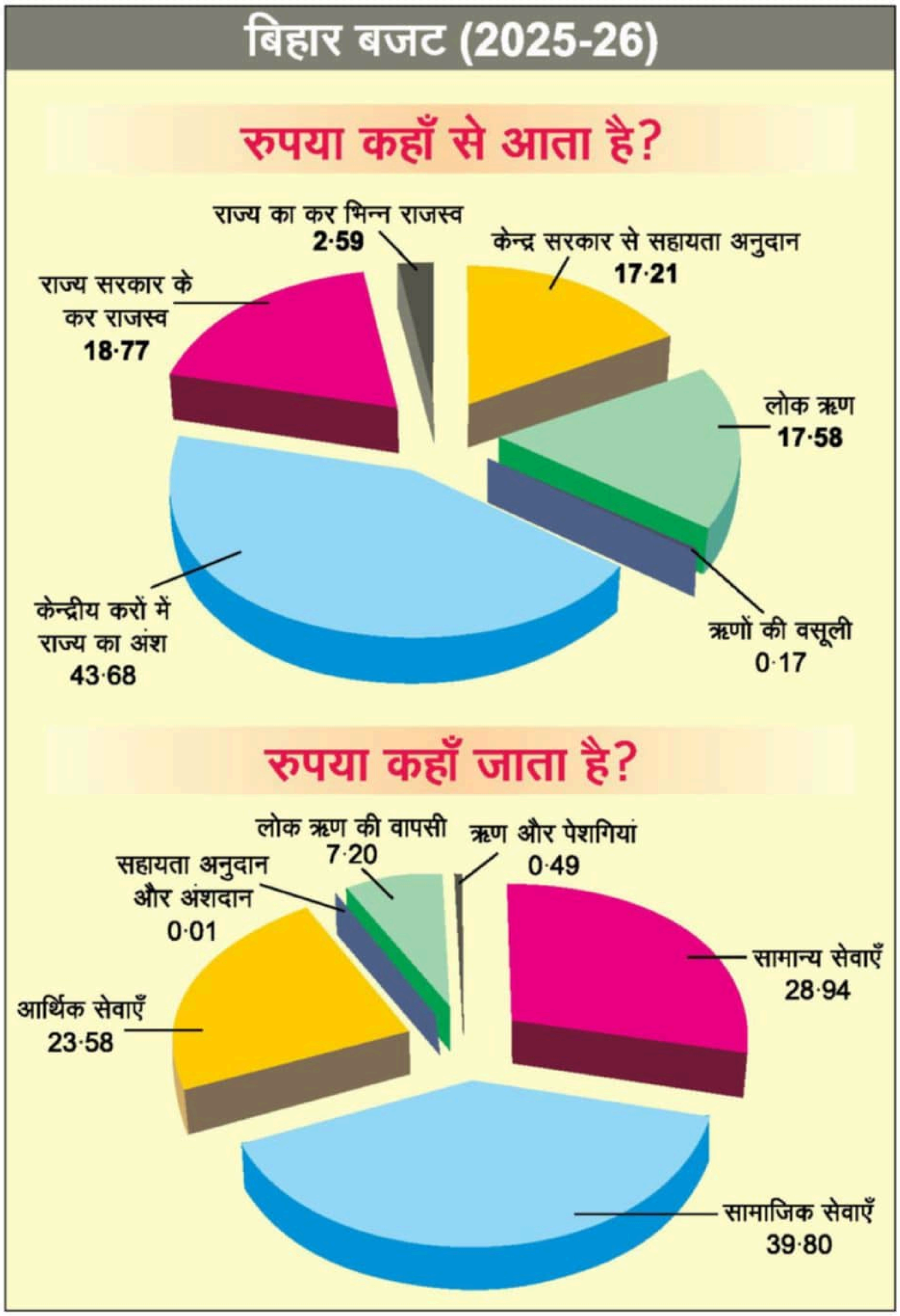
प्राप्तियों एवं व्यय के उपर्युक्त अनुमानों के चलते 2025-26 में राज्य सरकार का राजस्व घाटा (राजस्व व्यय–राजस्व प्राप्तियाँ) ₹ –8,831·18 करोड़ होगा अर्थात् राजस्व खाते में ₹ 8,831·18 करोड़ का आधिक्य रहने का अनुमान है. संशोधित आकलन के अनुसार पूर्व वर्ष 2024-25 में राजस्व घाटा ₹ 36,787·62 करोड़ रहा है.

2025-26 में राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) ₹ 32,718·31 करोड़ बजट में अनुमानित किया गया है, जो जीएसडीपी का 2·98 प्रतिशत होगा तथा एफआरबीएम अधिनियम से निर्धारित सीमा के भीतर ही रहेगा. पूर्व वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2·98 प्रतिशत रहने का लक्ष्य बजट में था, किन्तु संशोधित आँकड़ों में यह 9·20 प्रतिशत अनुमानित किया गया है.

प्राथमिक घाटा 2025-26 में ₹ 9,704·37 करोड़ रहने का बजट में अनुमान है.

अन्य महत्वपूर्ण बजटीय घोषणाएं

- बजट में किसी नए कर का प्रस्ताव नहीं.
- 2025-26 के दौरान राज्य सरकार का कुल प्रस्तावित व्यय. ₹ 3,16,895·02 करोड़ जिसमें स्कीम व्यय ₹ 1,16,759·60 करोड़.
- पूँजीगत व्यय ₹ 64,894·76 करोड़, जो कुल व्यय का 20·48 प्रतिशत.
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 2020 में घोषित 7 निश्चय-2 को जारी रखते हुए इस बजट में ₹ 5,972 करोड़ का प्रावधान.
- बाबा हरिहरनाथ मन्दिर क्षेत्र को काशी विश्वनाथ-कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने की योजना.
- राज्य में पहली बार ग्रीन डेवलपमेन्ट फण्ड की घोषणा, इसके लिए प्रारम्भिक सीड फंडिंग के लिए ₹ 25 करोड़ का निवेश राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा.
- हवाई यात्रा को प्रोत्साहन देने के लिए पूर्णिया, राजगीर, सुल्तानगंज व रक्सौल में हवाई अड्डे विकसित करने की योजना. पूर्णिया से उड़ानें शीघ्र प्रारम्भ होंगी.
- किसी भी जिला मुख्यालय से पटना 4 घण्टे में पहुँचने का लक्ष्य.
- सभी पंचायतों में गरीब कन्याओं के विवाह के लिए कन्या विवाह मण्डप का निर्माण किया जाएगा.
- बिहार मिलेट मिशन के गठन की घोषणा.



- गुड़ के लिए पूसा समस्तीपुर में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस.
- बेगुसराय में कैंसर अस्पताल स्थापित होगा. साथ ही सभी जिलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज व डेंटल कॉलेज खोले जाएँगे.
- एसीसी-एसटी वर्ग के बच्चों की छात्रवृत्ति दोगुना करने की घोषणा.
- महिलाओं के लिए शुरू की जाने वाली पिंक बस सेवा में चालक, परिचालक व यात्री सभी महिलाएं होंगी.

झारखण्ड बजट : 2025-26

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए झारखण्ड सरकार का बजट राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 3 मार्च, 2025 को विधान सभा में प्रस्तुत किया. हेमंत सिंह के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल का यह पहला बजट होने के साथ-साथ राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट है. ₹ 1,45,400 करोड़ के इस बजट को 'अबुआ' बजट नाम दिया गया है. यह पूर्व वर्ष 2024-25 के बजट से लगभग 13 प्रतिशत अधिक है. घाटे के इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है.



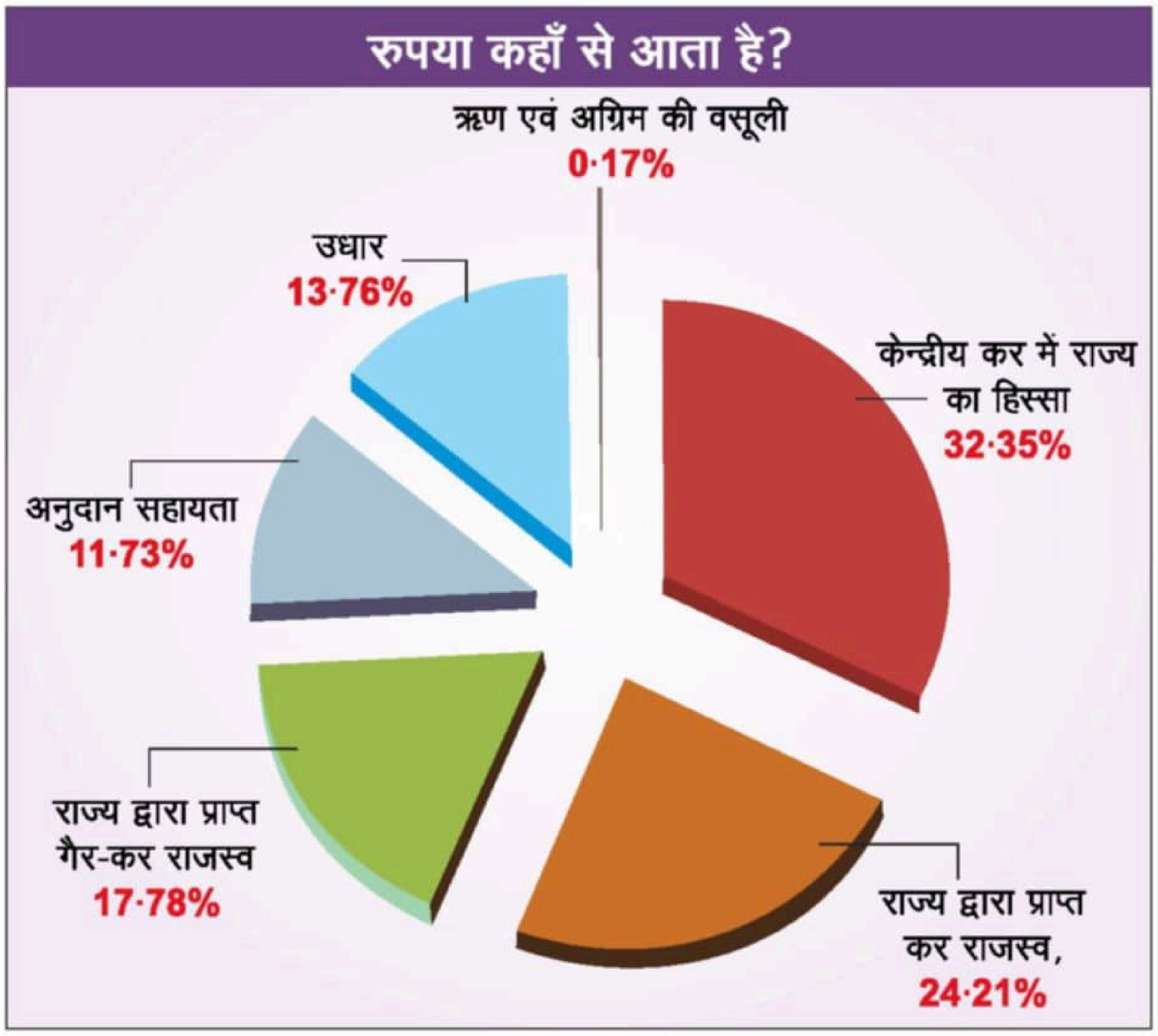
बजट की प्रति मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपते वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

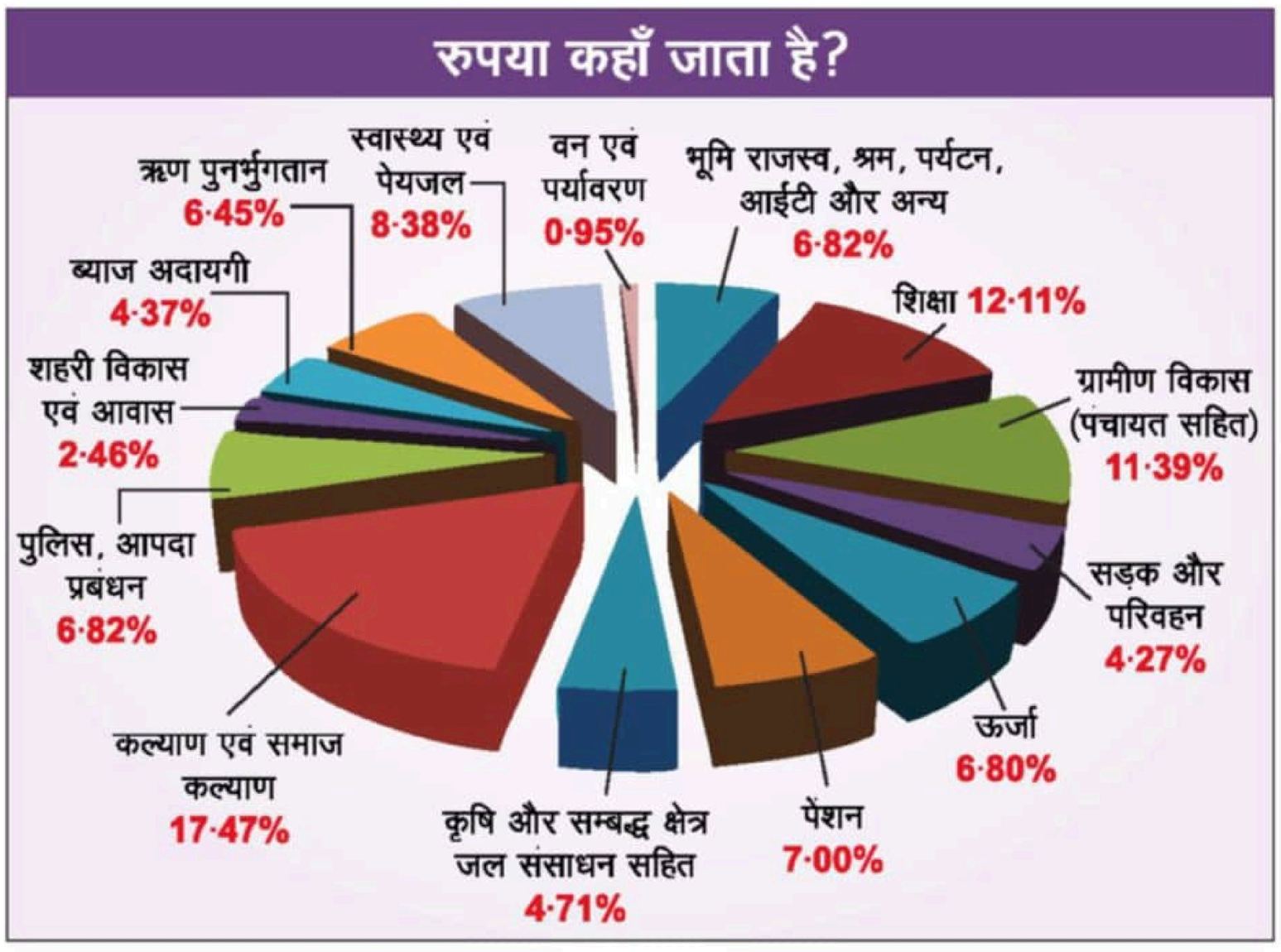
वित्त मंत्री के अनुसार, इस बार बजट में सामाजिक क्षेत्र पर विशेष फोकस किया गया है. इस सेक्टर के लिए सर्वाधिक ₹ 62,840 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जबकि आर्थिक प्रक्षेत्र के लिए ₹ 44,675 करोड़ का, सामान्य प्रक्षेत्र के लिए ₹ 37,884 करोड़ का प्रावधान किया गया है. वित्त मंत्री के अनुसार विगत 24 वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बहुत ध्यान दिया गया, जबकि इस बार मुख्य फोकस सामाजिक क्षेत्र पर है. मुफ्त वितरण की योजनाओं पर भी विशेष ध्यान इस बजट में दिया गया है. मइयाँ सम्मान योजना, किसानों के लिए सब्सिडी, वाल्मीकि छात्रवृत्ति योजना, सर्वजन पेंशन, 200 यूनिट तक फ्री बिजली, सीएम रोजगार सृजन योजना, कृषि ऋण माफी जैसी योजनाएं सरकार की प्राथमिकता सूची में हैं. मुफ्त वितरण वाली इन योजनाओं के लिए ही कुल ₹ 33,250 करोड़ का प्रावधान बजट में है जो कुल बजट का 23 प्रतिशत है. ₹ 13,363·35 करोड़ केवल मइयाँ सम्मान योजना के लिए हैं जो कुल बजट का 9·19 प्रतिशत है.

बजट में इस बार बाल बजट के लिए भी ₹ 9,411·27 करोड़ का प्रावधान किया गया है. ग्रामीण विकास का कुल बजट ₹ 9,841 करोड़ का है.

प्राप्तियों एवं व्यय का समायोजन

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश सरकार का कुल व्यय ₹ 1,45,400 करोड़ रहने का बजट अनुमान है, जो 2024-25 के बजट अनुमान ₹ 1,28,900 करोड़ से ₹ 12·8 प्रतिशत अधिक है.
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्थापना एवं प्रतिबद्ध (Establishment and Committed Exp.) व्यय का बजट अनुमान ₹ 53,658·47 करोड़ है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान ₹ 49,117·30 करोड़ से 9·25 प्रतिशत अधिक है.
- वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक स्कीम व्यय का कुल बजट अनुमान ₹ 91,741·53 करोड़ का है, वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में यह ₹ 79,782·70 करोड़ था.
- 2025-26 में राज्य सरकार का कुल राजस्व व्यय ₹ 1,10,636·70 करोड़ बजट में अनुमानित किया गया है, जो 2024-25 में ₹ 91,831·54 करोड़ अनुमानित था.





झारखण्ड बजट (2025-26) एक झलक

(₹ करोड़ में)

	विषय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजट अनुमान	2024-25 संशोधित अनुमान	2025-26 बजट अनुमान
1.	**राजस्व प्राप्तियाँ**	**87928·49**	**110800·00**	**110337·75**	**125153·44**
2.	**कर राजस्व**	**65357·11**	**74538·22**	**76385·28**	**82240·44**
	(क) केन्द्रीय करों में हिस्सेदारी	37352·35	40338·22	42557·28	47040·22
	(ख) राज्य का स्व कर राजस्व	28004·76	34200·00	33828·00	35200·00
3.	**कर-भिन्न राजस्व**	**22571·38**	**36261·78**	**33952·47**	**42913·22**
	(क) राज्य का स्व कर–भिन्न राजस्व	13425·12	19300·43	20026·54	25856·12
	(ख) केन्द्र सरकार से अनुदान	9146·26	16961·35	13925·93	17057·10
4.	**पूँजी प्राप्तियाँ**	**19992·48**	**18100·00**	**20380·61**	**20246·56**
	(क) ऋणों की वसूली	7276·70	100·00	380·61	246·56
	(ख) अन्य प्राप्तियाँ (विविध पूँजीगत प्राप्तियाँ)	0.00	0.00	0.00	0.00
	(ग) उधार एवं अन्य देयताएं	12715·18	18000·00	20000·00	20000·00
5.	**कुल प्राप्तियाँ (1+4)**	**107920·97**	**128900·00**	**130718·36**	**145400·00**
6.	**स्थापना व्यंय**	**43271·55**	**49117·30**	**51358·53**	**53658·47**
7.	**राजस्व खाते पर जिसमें**	**36536·70**	**40523·69**	**42697·31**	**44615·58**
	(क) ब्याज भुगतान	6838·95	7054·57	7152·38	6354·66
	(ख) वेतन	14772·91	16952·19	18185·00	20254·58
	(ग) पेंशन	9014·47	8741·49	8741·49	10173·12
8.	**पूँजी खाते पर जिसमें**	**6734·85**	**8593·61**	**8661·22**	**9042·89**
	(क) राज्य का आंतरिक ऋण	6042·06	7969·83	7986·83	8326·05
	(ख) भारत सरकार से ऋण	341·95	530·49	530·49	420·51
	(ग) पूँजी व्यय	287·74	0·00	0·61	0·00
	(घ) ऋण एवं अग्रिम	63·10	93·29	143·29	296·34
9.	**स्कीम**	**64649·43**	**79782·70**	**79359·83**	**91741·53**
	(क) राजस्व खाते पर	**40139·72**	**51307·85**	**55776·91**	**66021·12**
	(ख) जिसमें, पूँजी परिसम्पत्तियाँ के सृजन हेतु अनुदान	5358·63	10592·46	8352·79	9416·35
	(ग) पूँजी खाते पर	**24509·70**	**28474·85**	**23582·92**	**24720·41**
10.	**कुल व्यय (6+9)**	**107920·97**	**128900·00**	**130718·36**	**145400·00**
	(क) राजस्व व्यय (7+9 क)	76676·42	91831·54	98474·22	110636·70
	(ख) पूँजी खाते पर व्यय (8+9 ग)	31244·55	37068·46	32244·14	34763·30
11.	**राजस्व घाटा (10 क–1)**	**– 11252·07**	**18968·46**	**– 11863·53**	**– 14516·74**
	स.रा.घ.उ. का प्रतिशत	**– 2·44**	**– 4·03**	**– 2·34**	**– 2·61**
12.	**प्रभावी राजस्व घाटा (11-9ख)**	**– 16610·70**	**– 29560·92**	**– 20216·32**	**– 23933·09**
	स.रा.घ.उ. का प्रतिशत	**– 3·60**	**– 6·29**	**– 3·99**	**– 4·30**
13.	**राजकोषीय घाटा {10 – (1+4 क+4 ख+8 क+8 ख)}**	**6331·77**	**9499·68**	**11482·68**	**11253·44**
	स.रा.घ.उ. का प्रतिशत	**1·37**	**2·02**	**2·27**	**2·02**
14.	**प्राथमिक घाटा (13–7क)**	**– 507·18**	**2445·10**	**4330·30**	**4898·78**
	स.रा.घ.उ. का प्रतिशत	**– 0·11**	**0·52**	**0·86**	**0·88**

- 2025-26 में कुल पूँजीगत व्यय ₹ 34,763·30 करोड़ अनुमानित किया गया है, जो 2024-25 के बजट में ₹ 37,068·46 करोड़ अनुमानित था.
- इस प्रकार 2025-26 में राज्य सरकार के **राजस्व एवं पूँजीगत** व्यय क्रमशः ₹ 1,10,636·70 करोड़ एवं ₹ 34,763·30 करोड़ हैं, जो कुल व्यय ₹ 1,45,400·00 करोड़ का क्रमशः 23·9 एवं 76·1 प्रतिशत है.
- 2025-26 में राज्य सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 1,25,153·44 करोड़ अनुमानित हैं, जो 2024-25 के बजट अनुमान (₹ 1,10,800 करोड़) की तुलना में 12·95 प्रतिशत अधिक है.
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के कुल ₹ 82,240·22 करोड़ के कर राजस्व में राज्य के अपने स्रोतों से कर राजस्व के रूप में ₹ 35,200 करोड़ अनुमानित है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान ₹ 34,200 करोड़ से 2·9 प्रतिशत अधिक है. कर राजस्व में शेष ₹ 47,040·22 करोड़ केन्द्रीय करों में राज्य के अंश के रूप में अनुमानित है.
- 2025-26 में राज्य को अपने स्रोतों से गैर-कर राजस्व के रूप में ₹ 25,856·12 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है, जो 2024-25 बजट अनुमान ₹ 19,300·43 करोड़ की तुलना में 33·97 प्रतिशत अधिक है. इन प्राप्तियों एवं व्यय के यह बजट अनुमान एक दृष्टि में बजट एक झलक बॉक्स में दर्शाए गए हैं.

राजस्व घाटा व राजकोषीय घाटा

- उपर्युक्त आँकड़ों से यह स्पष्ट है कि 2025-26 में राजस्व बचत (Revenue Surplus) ₹ 14,516·74 करोड़ रहने का अनुमान है, जो राज्य के GSDP का 2·61 प्रतिशत होगी. 2024-25 में राजस्व बचत ₹ 18,968·46 करोड़ अनुमानित की गई थी, किन्तु संशोधित आकलन में यह ₹ 11,863·53 करोड़ रही है.
- 2024-25 में राजकोषीय घाटा ₹ 9,499·68 करोड़ [जीएसडीपी (Gross State Domestic Product) का 2·02 प्रतिशत] पिछले वर्ष बजट में लक्षित था, जो संशोधित आकलन में यह जीएसडीपी का 2·27 प्रतिशत अनुमानित किया गया है. 2025-26 में राजकोषीय घाटा ₹ 11,253·44 करोड़ (जीएसडीपी का 2·02 प्रतिशत) रहने का लक्ष्य बजट में है.

अन्य प्रमुख बजटीय घोषणाएं

- बजट में कोई नया कर नहीं.
- ₹ 1,45,400 करोड़ के बजट में राजस्व व्यय ₹ 1,10,636·70 करोड़ (कुल व्यय का 23·9 प्रतिशत) तथा पूँजीगत व्यय ₹ 34,763·30 करोड़ (कुल व्यय का 76·1 प्रतिशत).
- बाल बजट हेतु ₹ 9,411·27 करोड़ का प्रावधान.
- मइयाँ सम्मान योजना हेतु ₹ 13,363·35 करोड़ (कुल बजट का 9·19 प्रतिशत).
- 2025-26 में राजस्व आधिक्य सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का 2·61 प्रतिशत तथा राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2·02 प्रतिशत रखने का लक्ष्य.
- खूंटी, गिरिडीह, जमशेदपुर, धनबाद, देवधर व जामताड़ा में पीपीपी मोड़ में छह नए मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा.
- हजारी बाग, रांची, धनबाद, दुमका व पलामू में नए विधि महाविद्यालयों की स्थापना होगी.
- जमशेदपुर, धनबाद व दुमका में तीन नए टेक्नीकल यूनीवर्सिटी की स्थापना होगी.
- जमशेदपुर, गुमला व साहिबगंज में नए राजकीय विश्वविद्यालय खोले जाएंगे.
- जमशेदपुर, गुमला, साहिबगंज तथा रांची या खूंटी में इंजीनियरिंग कॉलेज खुलेंगे.
- 12000 किमी से अधिक सड़कें अप्रग्रेड होंगी.
- जोन्हा, हुंडरू फॉल, कौंलेश्वरी व त्रिकूट में रोप-वे बनेंगे.
- दशम फॉल, हुंडरु फॉल, नेतरहाट व पतरातू में ग्लास ब्रिज बनेंगे.
- 2025-26 में राज्य में विकास दर 7·5 प्रतिशत रहने की सम्भावना.
- राज्य के प्रमुख धार्मिक व पर्यटक स्थलों के लिए रांची से हेलीकॉप्टर सेवा प्रारम्भ होगी. पर्यटक स्थलों का टूरिस्ट सर्किट बनेगा.

मध्य प्रदेश बजट : 2025-26

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश सरकार का बजट वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 12 मार्च, 2025 को विधान सभा में प्रस्तुत किया. डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का यह दूसरा बजट ज्ञान (GYAN) अर्थात् G-गरीब, Y-युवा, A-अन्नदाता तथा N-नारी पर फोकस रखते हुए बनाया गया है.



राज्य बजट (2025-26) दस्तावेज के साथ वित्त मंत्री व मुख्यमंत्री

बजट तैयार करने के लिए जनता के सुझाव प्राप्त कर बजट में सम्मिलित करने का प्रयास इस बजट में किया गया है, इसलिए इसे 'जनता का बजट जनता के लिए, करार दिया गया है. ₹ 4,21,032·09 करोड़ का यह बजट पहली बार 'जीरो बेस्ड बजटिंग' के आधार पर बनाया गया है तथा यह पहला ही अवसर है जब मध्य प्रदेश के बजट ने ₹ 4 लाख करोड़ के आँकड़े को पार किया है. पूर्व वर्ष 2024-25 के ₹ 3·65 लाख करोड़ के बजट की तुलना में यह लगभग 14 प्रतिशत अधिक है. **बजट में न तो कोई नया कर लगाया गया है और न ही पहले के किसी कर की दर में कोई वृद्धि की गई है. वैट, स्टाम्प ड्यूटी या राज्य के किसी अन्य कर में कोई छूट भी नहीं दी गई है.**

पिछले चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई लाडली बहना योजना का बजट ₹ 18,984 करोड़ से घटा कर यद्यपि ₹ 18,669 करोड़ इस बजट में किया गया है, यद्यपि इसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना से जोड़ने की घोषणा बजट में की गई है. धार्मिक स्थलों के विकास के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा बजट में की गई है. राम पथ वन गमन योजना व श्रीकृष्ण पाथेय योजना 'ओंकारेश्वर लोक' को उज्जैन के महाकाल लोक गलियारे की तर्ज पर विकसित करने की योजना आदि शामिल हैं.

2025-26 के राज्य सरकार के बजट में कुल विनियोग राशि ₹ 4,21,032·09 करोड़ प्रस्तावित है. बजट में राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 2,90,879·02 करोड़ व राजस्व आधिक्य ₹ 617·95 करोड़ अनुमानित है. पूँजीगत आस्तियों के निर्माण हेतु ₹ 5,209·63 करोड़ के सहायता अनुदान को शामिल करते हुए प्रभावी राजस्व आधिक्य ₹ 5,827·58 करोड़ होगा. 2025-26 के दौरान विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्तियों एवं प्रमुख मदों पर व्यय के प्रावधान बॉक्स में दर्शाए गए हैं.

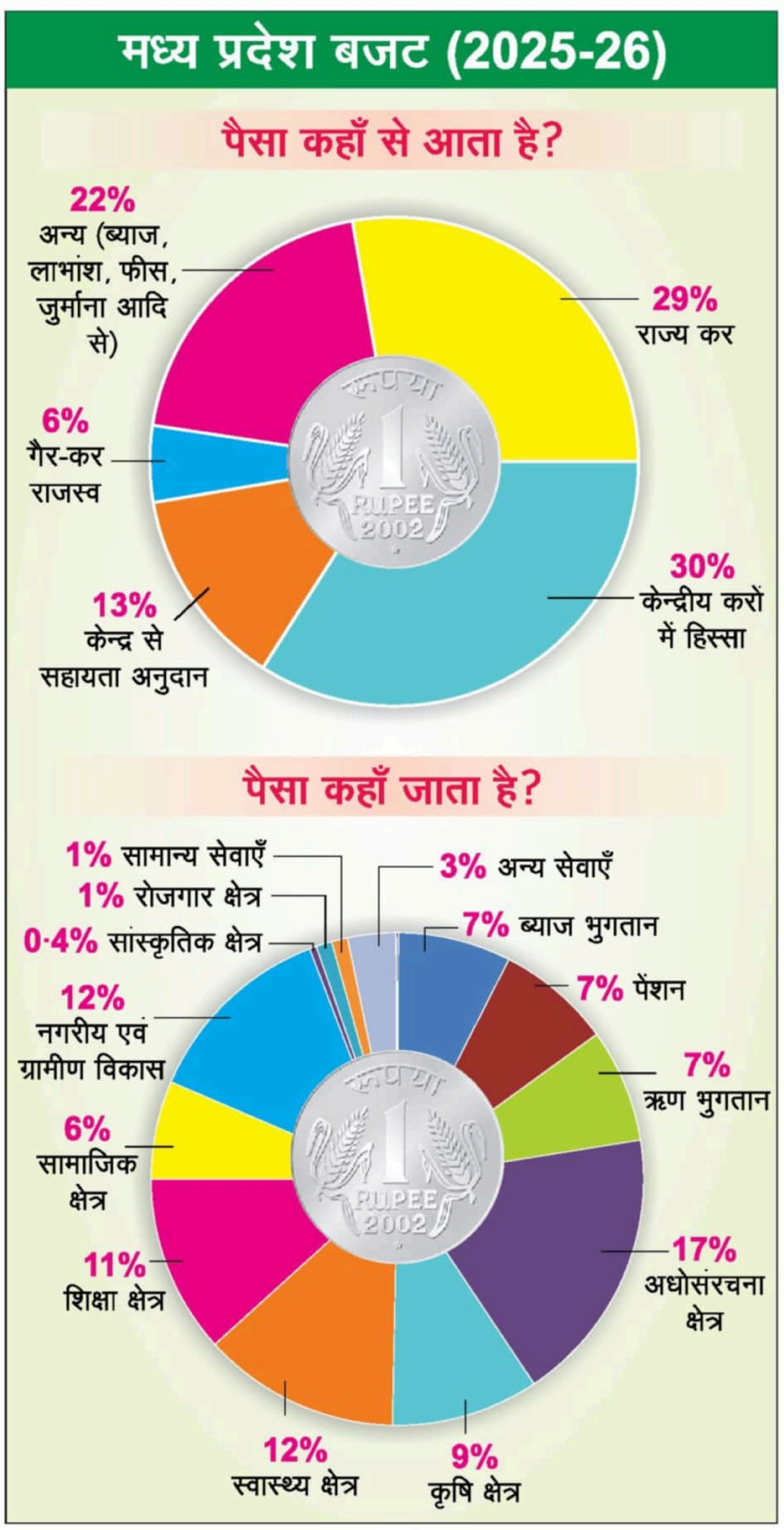
प्राप्तियों एवं व्यय का समायोजन

- 2025-26 में राज्य सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 2,90,879·02 करोड़ अनुमानित है. इसमें 2,20,818·90 कर राजस्व व 21,399·12 कर भिन्न राजस्व तथा ₹ 48,661 करोड़ केन्द्र से सहायता अनुदान शामिल हैं.
- ₹ 2,20,818·90 करोड़ के अनुमानित कर राजस्व में ₹ 1,09,157·03 करोड़ राज्य के स्वयं के कर स्रोतों से तथा ₹ 1,11,661·87 करोड़ केन्द्रीय करों में से हिस्से के रूप में प्राप्त होने का अनुमान है.
- 2025-26 में राज्य सरकार की पूँजीगत प्राप्तियाँ ₹ 84,461·13 करोड़ अनुमानित हैं. इस प्रकार कुल प्राप्तियाँ ₹ 3,75,340·15 (राजस्व प्राप्तियाँ + पूँजीगत प्राप्तियाँ) करोड़ होंगी.

- 2025-26 में राज्य सरकार का राजस्व व्यय ₹ 2,90,261·07 करोड़ बजट में अनुमानित है, जिसमें ₹ 28,636·33 करोड़ ब्याज अदायगियों हेतु तथा ₹ 5,209·63 करोड़ पूँजीगत आस्तियों के निर्माण हेतु सहायता अनुदान के लिए शामिल हैं.
- 2025-26 के दौरान राज्य सरकार का पूँजीगत व्यय ₹ 85,076·12 करोड़ प्रस्तावित हैं, पूँजीगत आस्तियों के सृजन हेतु ₹ 5,209·63 करोड़ शामिल करते हुए प्रभावी पूँजीगत व्यय ₹ 90,285·75 करोड़ होगा. इस प्रकार 2025-26 के दौरान राज्य सरकार का कुल व्यय (राजस्व व्यय + पूँजीगत व्यय) ₹ 3,75,337·19 करोड़ होगा. **इसमें राजस्व व पूँजीगत पुनर्प्राप्तियों एवं लोक ऋण भुगतान की राशि को शामिल करते हुए 2025-26 में राज्य सरकार की कुल विनियोग राशि ₹ 4,21,032·09 करोड़ बजट में अनुमानित की गई है.**
- इन आँकड़ों के चलते 2025-26 में राज्य सरकार का राजस्व आधिक्य ₹ 617·95 करोड़ (जीएसडीपी का 0·04 प्रतिशत) तथा राजकोषीय घाटा ₹ 78,902·09 करोड़ (जीएसडीपी का 4·66 प्रतिशत) अनुमानित किया गया है. संशोधित आकलन में 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4·15 प्रतिशत अनुमानित है.

अन्य महत्वपूर्ण बजटीय घोषणाएं

- ₹ 4,21,032·09 करोड़ का बजट–जीरो बेस्ड बजटिंग पर आधारित.
- ज्ञान (GYAN–गरीब, युवा, अन्नदाता व नारी) पर केन्द्रित बजट.
- बजट में 2025-26 में राजस्व आधिक्य जीएसडीपी का 0·04 प्रतिशत तथा राजकोषीय घाटा 4·66 प्रतिशत अनुमानित.
- 2024-25 के बजट अनुमान की तुलना में 2025-26 में राज्य के स्वयं के कर राजस्व में 7 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित.
- 2025-26 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद ₹ 16,94,477 करोड़ अनुमानित.
- 2025-26 में ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 9·84 प्रतिशत.
- सामाजिक कार्यों व सेवाओं के लिए **सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड** का प्रावधान. इसमें कार्यदायी एजेंसी की जवाबदेही भी तय. उन्हें काम करने के बाद ही पैसा मिलेगा.
- रोडवेज बसों के परिचालन के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की घोषणा.
- उज्जैन-इंदौर मार्ग 6 लेन बनेगा. इसके लिए ₹ 1692 करोड़ का प्रावधान.
- भोपाल व इंदौर को मेट्रोपॉलिटन रीजन के रूप में विकसित करने की योजना.
- सभी विधान सभा क्षेत्रों में सर्व सुविधा सम्पन्न स्टेडियम के निर्माण की घोषणा.
- गौशाला में गायों के आधार के लिए राशि ₹ 20 प्रति दिन से बढ़ाकर ₹ 40 प्रतिदिन.
- धान उगाने वाले किसानों को प्रति हेक्टेयर ₹ 4,000 दिए जाएंगे.
- प्रदेश में डिजिटल यूनीवर्सिटी खोलने की घोषणा.
- उज्जैन हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जाएगा.



मध्य प्रदेश बजट (2025-26) : प्राप्तियाँ एवं व्यय एक दृष्टि में

(आँकड़े ₹ करोड़ में)

क्र.	विषय	2023-24 लेखा #	2024-25 बजट अनुमान	2024-25 पुनरीक्षित अनुमान	2025-26 बजट अनुमान
1	**राजस्व प्राप्तियाँ (2+3+4)**	**234026·05**	**263344·36**	**262009·01**	**290879·02**
2	कर राजस्व (2·1+2·2)	179389·22	197849·47	197136·27	220818·90
	2·1 राज्य कर	90723·88	102096·51	96115·82	109157·03
	2·2 केन्द्रीय करों में हिस्सा	88665·34	95752·96	101020·45	111661·87
3	कर भिन्न राजस्व	19925·80	20603·33	21895·26	21399·12
4	केन्द्र से सहायता अनुदान	34711·03	44891·56	42977·48	48661·00
5	**पूँजीगत एवं अन्य प्राप्तियाँ (6+7+8+9)**	**49317·01**	**66848·65**	**66855·72**	**84461·13**
6	विविध पूँजीगत प्राप्तियाँ/ऋण एवं अग्रिम की वसूली	375·18	474·42	3921·10	5556·08
7.	**लोक ऋण (7·1 – 7·2)**	**43544·29**	**64734·47**	**62835·37**	**78770·56**
	7·1 प्राप्तियाँ	65180·02	94431·32	89551·75	108750·78
	7·2 भुगतान	21635·73	29696·85	26716·38	29980·22
8	आकस्मिकता निधि–(असमायोजित राशि)	0·00	0·00	0·00	0·00
9	लोक लेखों से शुद्ध प्राप्तियाँ	5397·54	1639·76	99·25	134·49
10	**कुल प्राप्तियाँ (1+5)**	**283343·06**	**330193·01**	**328864·73**	**375340·15**
11	**राजस्व व्यय**	**221538·27**	**261644·41**	**260983·10**	**290261·07**
	11·1 ब्याज भुगतान एवं ऋण परिशोधन खर्च	23098·41	27399·86	26876·96	28636·33
	11·2 पूँजीगत आस्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान				5209·63
12	**पूँजीगत परिव्यय (12·1 + 12·2)**	**57347·88**	**64738·35**	**67381·36**	**85076·12**
	12·1 पूँजीगत व्यय	56538·60	61633·49	64929·93	82513·41
	12·2 ऋण एवं अग्रिम	809·28	3104·86	2451·43	2562·71
13	**प्रभावी पूँजीगत परिव्यय (12 + 11·2)**				**90285·75**
14	**कुल व्यय (11 + 12)**	**278886·15**	**326382·76**	**328364·46**	**375337·19**
15	**पुनर्प्राप्तियाँ (15·1 + 15·2)**	**3560·72**	**8987·76**	**10632·13**	**15714·68**
	15·1 राजस्व	2302·09	7370·42	8038·14	12820·10
	15·2 पूँजीगत	1258·63	1617·34	2593·99	2894·58
16	**विनियोग की राशि (7·2+14+15)**	**304082·60**	**365067·37**	**365712·97**	**421032·09**
17	**वर्ष का शुद्ध लेन-देन**	**4456·91**	**3810·25**	**500·27**	**2·96**
18	**अंतिम शेष**	**– 493·53**	**91·66**	**6·74**	**9·70**
19	**राजस्व आधिक्य (+)/घाटा (–) (1–11)**	**12487·78**	**1699·95**	**1025·91**	**617·95**
20	**प्रभावी राजस्व आधिक्य (+)/घाटा (–) (19+11·2)**				**5827·58**
21	**प्राथमिक घाटा (14–11–1) – (1+6)**	**21386·51**	**35164·12**	**35557·39**	**50265·76**
22	**राजकोषीय (वित्तीय) घाटा (14–(1+6))**	**44484·92**	**62563·98**	**62434·35**	**78902·09**
23	**सकल राज्य घरेलू उत्पाद (वर्तमान मूल्यों पर)**	**1363327**	**1522220**	**1503395**	**1694477**
24	**राजस्व आधिक्य (+)/घाटा (–) का प्रतिशत जी.एस.डी.पी. से**	**0·92%**	**0·11%**	**0·07%**	**0·04%**
25	**राजकोषीय घाटा का प्रतिशत जी.एस.डी.पी. से**	**3·26%**	**4·11%**	**4·15%**	**4·66%**



अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- **24वें राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी**
- **महाभियोग का सामना कर रहे द. कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल जेल से रिहा**
- **अमेरिका की नागरिकता प्राप्त करने के लिए नई गोल्ड कार्ड योजना**
- **डेनमार्क में 400 वर्ष पुरानी डाक वितरण सेवा इस वर्ष के अन्त तक बन्द होगी**
- **अमेरिका की निजी कम्पनी फायर फ्लाई का लैंडर ब्ल्यू घोस्ट चन्द्रमा पर उतरा**
- **इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट के लोकतंत्र सूचकांक (2024) में भारत का विश्व में 41वाँ स्थान बरकरार**
- **वर्ल्ड हैप्पिनेस इण्डेक्स (2025) में भारत का 147 देशों में 118वाँ स्थान**
- **हथियारों की खरीद में भारत का विश्व में यूक्रेन के पश्चात् दूसरा स्थान : अमेरिका हथियारों का सबसे बड़ा विक्रेता स्वीडिश संस्था की रिपोर्ट**
- **यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की भारत यात्रा**
- **दसवाँ रायसीना संवाद नई दिल्ली में सम्पन्न**
- **भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्यतंत्र की 33वीं बैठक बीजिंग में सम्पन्न**
- **अंतरिक्ष यान की खराबी के कारण 9 माह से अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फँसे सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर की सुरक्षित वापसी**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मॉरिशस यात्रा (मॉरिशस में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित)**
- **न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत यात्रा**

24वें राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी

23वें राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन 22 जुलाई–2 अगस्त, 2026 को स्कॉटलैण्ड में ग्लासगो (Glasgow) में होना है. केवल 10 खेल ही इन खेलों में शामिल होंगे. फंड्स की कमी के कारण हॉकी, बैडमिंटन, क्रिकेट, फ्रीस्टाइल कुश्ती, टेबिल टेनिस, बीच वॉलीबॉल व स्क्वैश आदि अनेक खेल इनमें शामिल नहीं किए जाएंगे. ग्लासगो खेलों के पश्चात् 2030 के (24वें) राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी के लिए भारत भी दावेदार है. अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन के लिए औपचारिक दावेदारी भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) व गुजरात सरकार ने गत मार्च माह में ही कॉमनवेल्थ स्पोर्ट को प्रस्तुत कर दी है. इस मेजबानी के मामले में अन्तिम निर्णय राष्ट्रमण्डल खेल महासंघ (कॉमनवेल्थ स्पोर्ट वर्तमान नाम) की महासभा द्वारा लिया जाएगा. इन खेलों की मेजबानी के लिए 'रुचि की अभिव्यक्ति' (Letter of Intent) प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 31 मार्च थी.

ज्ञातव्य है कि भारत ने अब तक बहुराष्ट्रीय बहुखेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कम ही किया है. पिछली बार भारत ने 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमण्डल खेलों की मेजबानी की थी. इससे पूर्व केवल 1982 में एशियाई खेलों की मेजबानी भारत ने की थी. अब भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी का भी इच्छुक है. यदि अहमदाबाद को 2030 के राष्ट्रमण्डल खेलों के आयोजन के लिए चुना जाता है, तो 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत के दावे को भी बल मिलेगा.

राष्ट्रमण्डल खेल महासंघ ने अपना नाम बदला : 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' नया नाम

*राष्ट्रमण्डल खेलों व राष्ट्रमण्डल युवा खेलों की संचालन संस्था राष्ट्रमण्डल खेल महासंघ (Commonwealth Games Federation–CGF) ने अपना नाम बदलकर अब **कॉमनवेल्थ स्पोर्ट** (राष्ट्रमण्डल खेल) कर लिया है. महासंघ द्वारा इस आशय की घोषणा 10 मार्च, 2025 को की गई.*

महाभियोग का सामना कर रहे द. कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल जेल से रिहा

महाभियोग का सामना कर रहे द. कोरिया के निलम्बित राष्ट्रपति यून सुक येओल (Yoon Suk Yeol) को गत 8 मार्च को जेल से रिहा कर दिया गया. इससे एक दिन पूर्व सियोल की एक अदालत ने उनकी गिरफ्तारी रद्द कर दी थी, ताकि हिरासत में लिए बिना ही अपने विरुद्ध चल रहे विद्रोह के मुकदमे का सामना कर सकें. राष्ट्रपति के रूप



यून सुक येओल

अमेरिका की नागरिकता प्राप्त करने के लिए नई गोल्ड कार्ड योजना

*अमेरिका की नागरिकता प्राप्त करने के लिए 35 वर्ष पुराने ईबी-5 वीजा कार्यक्रम के स्थान पर एक नई **'गोल्ड कार्ड'** योजना का प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रखा है. इस कार्ड का मूल्य 50 लाख डॉलर उन्होंने रखा है और कहा है कि गोल्ड कार्ड लेकर लोग अमेरिका में स्थायी निवास के साथ-साथ अमेरिका की नागरिकता के भी पात्र बन सकेंगे.*

***अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का मानना है कि गोल्ड कार्ड खरीदने वाले अमीर और कामयाब लोग बड़ी मात्रा में अमेरिका में निवेश भी करेंगे, काफी कर चुकाएंगे तथा अपने निवेश से रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे.** अपनी इस योजना को काफी महत्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि प्रस्तावित गोल्ड कार्ड ग्रीन कार्ड की तरह होगा, किन्तु विभिन्न प्रकार की गड़बड़ियों से मुक्त होगा तथा यह अमीर व प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए अमेरिका की नागरिकता लेने को मार्ग प्रशस्त करेगा. गोल्ड कार्ड को स्थायी नागरिकता के लिए मिलने वाले ग्रीन कार्ड का प्रीमियम वर्जन बताते हुए उन्होंने कहा है कि ऐसे गोल्ड कार्ड धारकों को भारत, चीन, जापान व अन्य देशों से आए ऐसे विद्यार्थियों की नियुक्ति प्रदान करने की भी अनुमति होगी, जो हार्वर्ड व स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करते हैं.*

ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका की नागरिकता हासिल करने के लिए नई प्रस्तावित गोल्ड कार्ड योजना EB-5 वीजा का स्थान लेगी, जिसमें निवेश के जरिए ग्रीन कार्ड मिलता है.

में कार्य करते हुए 3 दिसम्बर, 2024 को देश में मार्शल लॉ लगाने के आदेश के सिलसिले में विपक्ष के साथ-साथ उनकी अपनी पार्टी के सांसद उनके विरोध में आ गए थे तथा उनके विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव संसद ने 14 दिसम्बर को पारित किया था. उनके महाभियोग का मामला अभी संवैधानिक अदालत में ही है, इस बीच 15 जनवरी, 2025 को उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया था. उनकी गिरफ्तारी के आदेश को सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 7 मार्च को रद्द कर उनकी रिहाई के आदेश दिए थे ताकि वह जेल से बाहर रहते हुए अपने महाभियोग सम्बन्धी मुकदमे का सामना कर सकें. अदालत के इस आदेश के चलते उनकी जेल से रिहाई 8 मार्च को हो सकी.

ज्ञातव्य है कि महाभियोग के कारण निलम्बित चल रहे यून सुक येओल के विरुद्ध महाभियोग का मामला संवैधानिक अदालत में विचाराधीन है. संवैधानिक न्यायालय यदि महाभियोग को बरकरार रखता है, तो उन्हें आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति पद से हटाया जाएगा.

डेनमार्क में 400 वर्ष पुरानी डाक वितरण सेवा इस वर्ष के अन्त तक बन्द होगी

डिजिटल युग के बढ़ते प्रभाव के बीच चिट्ठियों की संख्या में भारी कमी सभी देशों में हो रही है. पत्रों का स्थान अब व्हाट्सअप मैसेजेस व ई-मेल आदि ने ले लिया है. ऐसे में डेनमार्क सम्भवतः ऐसा पहला देश है, जहाँ पत्र वितरण व्यवस्था इस वर्ष के अन्त तक बन्द हो जाएगी. यह घोषणा डेनमार्क की राज्य संचालित डाक सेवा पोस्टनॉर्ड ने मार्च 2025 में की है. पोस्टनॉर्ड द्वारा 6 मार्च को की गई इस घोषणा के तहत् इस वर्ष की दूसरी छमाही में पूरे डेनमार्क में लगभग 1500 मेल बॉक्स हटा लिए जाएंगे. 400 वर्षों से चल रही डाक सेवा को बन्द करने के निर्णय को एक कठिन निर्णय बताते हुए पोस्टनॉर्ड डेनमार्क के एक अधिकारी ने कहा कि इस निर्णय के चलते बड़ी संख्या में पोस्टनॉर्ड के कर्मचारियों को भी नौकरी से हटाया जाएगा.

अमेरिका की निजी कम्पनी फायर फ्लाई का लैंडर ब्ल्यू घोस्ट चन्द्रमा पर उतरा

अमेरिका की एक निजी कम्पनी फायर फ्लाई एयरोस्पेस ने चन्द्रमा पर अपना अंतरिक्ष यान ब्ल्यू घोस्ट (Blue Ghost) उतारने में सफलता 2 मार्च, 2025 को प्राप्त की, जहाँ से चन्द्रमा के कई चित्र भेजने के साथ-साथ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) के लिए कई परीक्षण भी इसने किए. नासा से समर्थित इस मिशन का उद्देश्य नासा के निकट भविष्य के आर्टेमिस मिशन के लिए उपग्रह के बारे में जानकारियाँ एकत्र करना है. आर्टेमिस मिशन के तहत् अंतरिक्ष यात्रियों को चन्द्रमा पर भेजने की नासा की योजना है. चन्द्रमा की सतह पर ब्ल्यू घोस्ट का यह मिशन लगभग 14 पृथ्वी दिनों तक (चन्द्रमा का एक दिन) सक्रिय रहा. इसके बाद चन्द्रमा पर रात हो जाने के कारण लैंडर के सौर पैनलों को ऊर्जा मिलना बन्द हो गई जिससे लैंडर ने काम करना बन्द कर दिया तथा इसके वैज्ञानिक प्रयोग भी समाप्त हो गए.

नासा समर्थित ब्ल्यू घोस्ट की लॉन्चिंग फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेन्टर से 15 जनवरी, 2025 को फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा की गई थी तथा 2 मार्च को यह सफलतापूर्वक चन्द्रमा की सतह पर उतरा था. **फायर फ्लाई एयरोस्पेस का ब्ल्यू घोस्ट चन्द्रमा की सतह पर उतरने वाला दूसरा प्राइवेट लैंडर है. इससे पूर्व ह्यूस्टन स्थित इंट्यूटिव मशींस ने पिछले वर्ष अपने ओडिसियस लैंडर की लैंडिंग चन्द्रमा पर कराई थी, जो पूरी तरह से सफल नहीं रही थी.** इंट्यूटिव मशींस का एक और लैंडर मार्च 2025 में उस समय क्रैश हो गया जब यह चन्द्रमा की सतह से केवल 800 फीट की दूरी पर था.

*भारत सहित केवल पाँच देश चन्द्रमा पर लैंडर उतारने में सफल रहे हैं. **1966 में तत्कालीन सोवियत संघ का लूना-9 चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला अंतरिक्ष यान था.** इसके चार महीने बाद अमेरिका ने सर्वेयर 1 को चन्द्रमा पर उतारा था. बाद में नासा ने वर्ष 1969 में नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन को चन्द्रमा पर उतारकर इतिहास रचा. नील आर्मस्ट्रांग चन्द्रमा पर उतरने वाले पहले मनुष्य थे. रूस (पूर्ववर्ती सोवियत संघ) व अमेरिका के पश्चात् चीन 2013 में चन्द्रमा पर पहुँचने वाला तीसरा देश बना. चन्द्रयान-3 मिशन के तहत् 23 अगस्त, 2023 को चन्द्रमा पर लैंडर उतारकर भारत ने भी कीर्तिमान रचा. भारत चन्द्रमा पर लैंडर उतारने वाला दुनिया का चौथा देश बना. 2024 में जापान चन्द्रमा की सतह पर लैंडर उतारने वाला पाँचवाँ देश बना.*

इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट के लोकतंत्र सूचकांक (2024) में भारत का विश्व में 41वाँ स्थान बरकरार

विभिन्न देशों में शासन में लोकतंत्र की स्थिति के आकलन हेतु लोकतंत्र सूचकांक की गणना ब्रिटेन की द इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट (EIU) द्वारा 2006 से की जाती रही है. वर्ष 2024 के लिए ऐसी सूचकांक रिपोर्ट 27 फरवरी, 2025 को जारी की गई, जिसमें 167 देशों व क्षेत्रों के लिए लोकतंत्र सूचकांक आकलित किए गए हैं. (छोटे-मोटे सूक्ष्म देश ही इस अध्ययन क्षेत्र के बाहर हैं, जिससे यह माना गया है कि विश्व की लगभग समस्त जनसंख्या इस अध्ययन के दायरे में है.)

0-10 मान वाला यह सूचकांक विश्व के इन देशों में लोकतंत्र की स्थिति का मूल्यांकन इन्हें चार श्रेणियों में वर्गीकृत करके करता है, जिन देशों के लिए सूचकांक का मान 8 से अधिक है, उन्हें ही पूर्ण लोकतंत्र (Full democracies) वाले देश के रूप में इस अध्ययन के तहत् माना गया है. 8 से कम, किन्तु 6 या 6 से अधिक सूचकांक वाले देशों में दोषपूर्ण लोकतंत्र (Flawed democracies) की स्थिति स्वीकार की गई है, जिन देशों के लिए लोकतंत्र सूचकांक 6 से कम, किन्तु 4 या 4 से अधिक है, उन्हें संकर शासन (Hybrid Regime) वाले देश में तथा 4 से कम सूचकांक मान वाले देशों को सत्तावादी शासन (Authoritarian Regime) वाले देशों के रूप में रिपोर्ट में वर्गीकृत किया गया है.

इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट (EIU) की फरवरी 2025 की रिपोर्ट में भारत के लिए यह सूचकांक 7·29 आकलित है तथा 167 देशों में 41वाँ स्थान उसे इस वर्ष भी दिया गया है. इस प्रकार भारत की रैंक में कोई सुधार इस वर्ष नहीं हुआ है. पिछले वर्ष 2023 के सूचकांकों में भारत के लिए यह सूचकांक 7·18 आकलित था तथा 167 देशों में 41वाँ स्थान ही भारत को दिया गया था. 5 मानकों पर आधारित इस सूचकांक में सुधार हाल की वर्षों में यद्यपि हो रहा है. 2020 में भारत के लिए यह सूचकांक 6·61 था, जो 2021 में 6·91, 2022 में 7·04 तथा 2023 के लिए 7·18 था, जो अब 2024 के लिए 7·29 आकलित किया गया है. **सूचकांक में लगातार सुधार के बावजूद इस मान के साथ भारत में दोषपूर्ण लोकतंत्र (Flawed democracies) की स्थिति रिपोर्ट में बताई गई है.** लोकतंत्र की

स्थिति के सम्बन्ध में भारत के सभी पड़ोसी देशों में स्थिति भारत से भी खराब इस रिपोर्ट में बताई गई है. पड़ोसी देशों में 6·19 सूचकांक के साथ श्रीलंका जहाँ 67वें स्थान पर है. वहीं बांग्लादेश (सूचकांक 4·44, 100वीं रैंक), भूटान (सूचकांक 5·65, 79वीं रैंक) तथा नेपाल (4·60, 96वीं रैंक) संकर शासन (Hybrid Regime) की स्थिति में है. पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र सूचकांक 2·84 तथा चीन के लिए यह 2·11 आकलित है. इससे वहाँ सत्तावादी शासन (Authoritative Regime) की स्थिति है. लोकतंत्र के मामले में इनकी रैंक क्रमशः 125 व 145 इस वर्ष की रिपोर्ट में बताई गई है. भारत के पड़ोसी देशों में म्यांमार, अफगानिस्तान सबसे अन्तिम क्रमशः 166वें व 167वें स्थान पर हैं तथा इन देशों में भी सत्तावादी शासन है.

लोकतंत्र सूचकांक (2024) की दृष्टि से विश्व में शीर्ष स्थान नॉर्वे का रिपोर्ट में बताया गया है, जिसके लिए यह सूचकांक 9·81आकलित है. 9·61 व 9·39 स्कोर के साथ दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः न्यूजीलैण्ड व स्वीडन का है. आइसलैण्ड (स्कोर 9·38), स्विट्जरलैण्ड (9·32), फिनलैण्ड (9·30) व डेनमार्क (9·28) क्रमशः चौथे, पाँचवें, छठे व सातवें स्थान पर हैं, उनके पश्चात् क्रमशः आयरलैण्ड, नीदरलैण्ड्स व लक्जेमबर्ग के स्थान हैं. 167 देशों की इस सूची में सबसे निचला 167वाँ स्थान अफगानिस्तान का है, जिसके लिए 2024 के लिए लोकतंत्र सूचकांक 0·25 आकलित है. इससे एक पायदान ऊपर 166वाँ स्थान म्यांमार का ही इस वर्ष भी है. म्यांमार के लिए यह सूचकांक 0·96 आकलित है. उसके ऊपर के तीन स्थान क्रमशः उत्तर कोरिया व मध्य अफ्रीकी गणराज्य व सीरिया के हैं.

विश्व के अन्य प्रमुख देशों में जापान (सूचकांक 8·48) व यूनाइटेड किंगडम (8·34) क्रमशः 16वें व 17वें स्थान पर जहाँ पूर्ण लोकतांत्रिक देशों में हैं, वहीं फ्रांस (7·99) 26वें स्थान पर व अमेरिका (7·85) 28वें स्थान पर भारत की तरह दोषपूर्ण लोकतंत्र वाले देशों में है.

इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट का यह सूचकांक 5 श्रेणियों पर आधारित है—चुनावी प्रक्रिया और बहुलतावाद (Electoral Process and Pluralism) सरकार का कामकाज (Functioning of Government), राजनीतिक भागीदारी (Political Participation), राजनीतिक संस्कृति (Political Culture) और नागरिक स्वतंत्रता (Civil Liberties), इनके कुल अंकों के आधार पर देशों को चार प्रकार के शासन में बाँटा गया है. पूर्ण लोकतंत्र (Full democracies) (8 से ज्यादा अंक हासिल करने वाले), दोषपूर्ण लोकतंत्र (Flawed democracies), (6 से ज्यादा, लेकिन 8 या 8 से कम अंक वाले), संकर शासन (Hybrid Regime) (4 से ज्यादा लेकिन 6 या 6 से कम अंक हासिल करने वाले) और सत्तावादी शासन (Authoritarian Regime) (4 या उससे कम अंक वाले).

लोकतंत्र सूचकांक (2024) शीर्ष राष्ट्र

रैंक	राष्ट्र	स्कोर (लोकतंत्र सूचकांक)
1	नॉर्वे	9·81
2	न्यूजीलैण्ड	9·61
3	स्वीडन	9·39
4	आइसलैण्ड	9·38
5	स्विट्जरलैण्ड	9·32
6	फिनलैण्ड	9·30
7	डेनमार्क	9·28
8	आयरलैण्ड	9·19
9	नीदरलैण्ड्स	9·00
10	लक्जेमबर्ग	8·88

सबसे नीचे के 10 राष्ट्र

रैंक	देश	स्कोर
158	चाड	1·89
159	ताजिकिस्तान	1·83
160	लाओस	1·71
161	तुर्कमेनिस्तान	1·66
162	सूडान	1·46
163	सीरिया	1·32
164	मध्य अफ्रीका गणराज्य	1·18
165	उत्तर कोरिया	1·08
166	म्यांमार	0·96
167	अफगानिस्तान	0·25

भारत व पड़ोसी देशों की रैंक

रैंक	राष्ट्र	स्कोर (लोकतंत्र सूचकांक)
41	भारत	7·29
67	श्रीलंका	6·19
79	भूटान	5·65
96	नेपाल	4·60
100	बांग्लादेश	4·44
125	पाकिस्तान	2·84
145	चीन	2·11
166	म्यांमार	0·96
167	अफगानिस्तान	0·25

वर्ष 2024 के लिए आकलित लोकतंत्र सूचकांकों के आधार पर इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट की फरवरी 2025 में जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि विश्व के केवल 25 देशों में, जहाँ विश्व की 6·6 प्रतिशत जनसंख्या ही निवास करती है, पूर्ण लोकतंत्र की स्थिति है, जबकि 46 देशों में, जहाँ 38·4 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, दोषपूर्ण लोकतंत्र है. संकर शासन (Hybrid Regime) वाले देशों तथा सत्तावादी शासन (Authoritarian Regime) वाले देशों की संख्या क्रमशः 36 व 60 है तथा इन देशों में रहने वाले लोगों की संख्या विश्व जनसंख्या का क्रमशः 15·7 प्रतिशत व 39·2 प्रतिशत रिपोर्ट में बताई गई है.

लोकतंत्र/शासन की स्थिति के अनुसार देशों की संख्या

लोकतंत्र/शासन की स्थिति	देशों की संख्या	कुल जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में जनसंख्या* (प्रतिशत)
पूर्ण लोकतंत्र	25	6·6
दोषपूर्ण लोकतंत्र	46	38·4
संकर शासन	36	15·7
सत्तावादी शासन	60	39·2
	167	100

* यह मान लिया गया है कि अध्ययन में शामिल देशों की जनसंख्या ही विश्व की कुल जनसंख्या है, क्योंकि कुछ छोटे-मोटे सूक्ष्म क्षेत्र ही अध्ययन से बाहर हैं तथा उनकी जनसंख्या नगण्य मान ली गई है.

वर्ल्ड हैप्पिनेस इण्डेक्स (2025) में भारत का 147 देशों में 118वाँ स्थान

किसी भी देश में खुशहाली (Happiness) केवल जीडीपी में वृद्धि या आय में वृद्धि से ही नहीं आती. जीडीपी के साथ-साथ अन्य अनेक मानक यथा–खुशी का अहसास, जीवन प्रत्याशा, उदारता व भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति आदि भी खुशहाली के लिए आवश्यक हैं. ऐसे ही कुछ मानकों के आधार पर विभिन्न देशों में खुशहाली (Happiness) की स्थिति के आकलन के लिए **हैप्पिनेस इण्डेक्स** की गणना **संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समाधान नेटवर्क** (यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क) द्वारा की जाती है, जिन्हें

वर्ल्ड हैप्पिनेस रिपोर्ट शीर्षक से प्रति वर्ष जारी किया जाता है.

किसी भी देश के लिए यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क के हैप्पिनेस इण्डेक्स का मान 0–10 के बीच हो सकता है. किसी देश के लिए हैप्पिनेस इण्डेक्स का मान अधिक होना अधिक खुशहाली की स्थिति बताता है. सूचकांक का मान कम होना कम खुशहाली को दर्शाता है. इस सूचकांक की गणना 7 मानकों के आधार पर होती है. इसमें (i) प्रति व्यक्ति जीडीपी (Per Capita GDP), (ii) सामाजिक समर्थन (Social Support), (iii) स्वस्थ जीवन प्रत्याशा (Healthy Life Expectancy), (iv) उदारता (Generosity), (v) जीवन विकल्प बनाने की स्वतंत्रता (Freedom to make Life Choices), (vi) भ्रष्टाचार की धारणा (Perception of Corruption) तथा (vii) देश की तबाही की स्थिति (Dystopia) शामिल है.

वर्ष 2025 की ऐसी रिपोर्ट 20 मार्च, 2025 को वर्ल्ड हैप्पिनेस डे के अवसर पर विश्व भर में जारी हुई, जो इस तर्ज की तेरहवीं वार्षिक रिपोर्ट थी. 147 देशों के लिए हैप्पिनेस सूचकांक की गणना इस रिपोर्ट में की गई है, जिनमें भारत का 118वाँ स्थान है. इससे पूर्व वर्ष 2024 की पिछली रिपोर्ट में भारत का 143 देशों में स्थान 126वाँ था. इस सूचकांक पर आधारित आकलन के अनुसार भारत में खुशहाली की स्थिति में प्रति वर्ष सुधार विगत वर्षों में दर्शाया गया है तथापि इस रिपोर्ट के आकलन में भारत में स्थिति काफी चिन्ताजनक ही लगातार बनी हुई है. मार्च 2025 में जारी ताजा रिपोर्ट में भारत के लिए यह इण्डेक्स 4·389 आकलित करते हुए 147 देशों में 118वाँ स्थान उसे दिया गया है. इस प्रकार भारत को इस मामले में नीचे से 30वाँ स्थान इस वर्ष दिया गया है. इससे पूर्व वर्ष 2021, 2022 व 2023 की रिपोर्ट्स में भारत को सबसे निचले 11 देशों में स्थान दिया गया था, जबकि 2024 की रिपोर्ट में नीचे से 17वाँ स्थान भारत को दिया गया था.

- 2025 की रिपोर्ट में विभिन्न देशों के लिए सूचकांक की गणना 2023-24 के आँकड़ों के औसत के आधार पर की गई है.
- इस वर्ष की रिपोर्ट में खुशहाली के मामले में भारत के पड़ोसी देशों में चीन, नेपाल व पाकिस्तान की स्थिति भारत से बेहतर बताई गई है. हैप्पिनेस इण्डेक्स की 2025 की रिपोर्ट में चीन को 68वाँ, नेपाल को 92वाँ व पाकिस्तान को 109वाँ स्थान दिया गया है, जबकि भारत का स्थान 118वाँ हैं.

हैप्पिनैस रैंकिंग (2025)

रैंक	शीर्ष 10 राष्ट्र	हैप्पिनेस इण्डेक्स (अधिकतम मान 10)
1	फिनलैण्ड	7·736
2	डेनमार्क	7·521
3	आइसलैण्ड	7·515
4	स्वीडन	7·345
5	नीदरलैण्ड	7·306
6	कोस्टारिका	7·274
7	नॉर्वे	7·262
8	इजरायल	7·234
9	लक्जेमबर्ग	7·122
10	मैक्सिको	6·979
	सबसे नीचे के 10 राष्ट्र	
138	लेसोथो	3·757
139	कोमोरोस	3·754
140	यमन	3·561
141	डेमोक्रेटिक रिपब्लिक कांगो	3·469
142	बोत्सवाना	3·438
143	जिम्बाब्वे	3·396
144	मलावी	3·260
145	लेबनान	3·188
146	सिएरा लियॉन	2·998
147	अफगानिस्तान	1·364
	भारत व पड़ोसी देशों की स्थिति	
68	चीन	5·921
92	नेपाल	5·311
109	पाकिस्तान	4·768
118	**भारत**	**4·389**
126	म्यांमार	4·321
133	श्रीलंका	3·891
134	बांग्लादेश	3·851
147	अफगानिस्तान	1·364
	अन्य प्रमुख राष्ट्र	
11	ऑस्ट्रेलिया	6·974
13	स्विट्जरलैण्ड	6·935
21	यूएई	6·759
22	जर्मनी	6·753
23	यूके	6·728
24	अमेरिका	6·724
32	सऊदी अरब	6·600
33	फ्रांस	6·593
55	जापान	6·147
66	रूस	5·945

- 2025 की वर्ल्ड हैप्पिनेस रिपोर्ट में सर्वोच्च हैप्पिनेस सूचकांक (7·736) फिनलैण्ड के लिए आकलित है. **इस प्रकार फिनलैण्ड को सर्वाधिक खुशहाल देश (Happiest Country) इस रिपोर्ट में बताया गया है.** यह लगातार आठवाँ वर्ष है, जब खुशहाली के मामले में फिनलैण्ड शीर्ष पर है. उसके पश्चात् क्रमशः डेनमार्क (7·521), आइसलैण्ड (7·515), स्वीडन (7·345) व नीदरलैण्ड (7·306) के स्थान हैं. सर्वाधिक खुशहाल 10 देशों में इनके बाद क्रमशः कोस्टारिका, नॉर्वे, इजरायल, लक्जेमबर्ग व मैक्सिको के स्थान हैं.
- खुशहाली के मामले में अन्य प्रमुख देशों में ऑस्ट्रेलिया का 11वाँ, स्विट्जरलैण्ड का 13वाँ, यूएई का 21वाँ, जर्मनी का 22वाँ, यूके का 23वाँ, अमेरिका का 24वाँ, सऊदी अरब का 32वाँ व जापान का 55वाँ स्थान इस रिपोर्ट में बताया गया है.
- खुशहाली की सबसे खराब स्थिति अफगानिस्तान की ही इस वर्ष की रिपोर्ट में भी बताई गई है. सबसे नीचे 147वें स्थान पर रहे अफगानिस्तान के लिए हैप्पिनेस इण्डेक्स 1·364 ही आकलित किया गया है. इससे ऊपर 146वें स्थान पर सियरा लियॉन, 145वें स्थान पर लेबनान व 144वें स्थान पर मलावी हैं. भारत इस सूची में नीचे से 30वें, 118वें स्थान पर है.

हथियारों की खरीद में भारत का विश्व में यूक्रेन के पश्चात् दूसरा स्थान : अमेरिका हथियारों का सबसे बड़ा विक्रेता स्वीडिश संस्था की रिपोर्ट

विश्व में हथियारों के बड़े क्रेताओं एवं विक्रेताओं के सम्बन्ध में रिपोर्ट स्वीडन स्थित थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा प्रति वर्ष जारी की जाती है. संस्था की ऐसी वर्ष 2025 की रिपोर्ट मार्च 2025 में जारी हुई है. **रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2020-24 के 5 वर्षों की अवधि में विश्व में हथियारों के 5 बड़े आयातक देश क्रमशः यूक्रेन, भारत, कतर, सऊदी अरब व पाकिस्तान रहे हैं, संस्था की इस रिपोर्ट के अनुसार 5 वर्षों की इस अवधि में हथियारों के 5 बड़े निर्यातक देश क्रमशः अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन व जर्मनी रहे हैं.** इसमें बताया गया है कि 2015-19 की तुलना में 2020-24 की 5 वर्षों की अवधि में यूक्रेन के हथियारों के आयात में 9627 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे यूक्रेन इस अवधि में विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बन गया है और भारत जो 2015-19 में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक था, 2020-24 में दूसरे

स्थान पर आ गया है. रिपोर्ट के अनुसार भारत के पड़ोसी देशों में चीन के शस्त्र आयातों में इस अवधि में 64 प्रतिशत की गिरावट जहाँ आई है, पाकिस्तान के हथियारों के आयात में 61 प्रतिशत की वृद्धि इस अवधि में दर्ज की गई है.

- संस्था की पिछली सालाना रिपोर्टों की तर्ज पर वर्ष 2025 की रिपोर्ट में भी विश्व में हथियारों के सभी प्रमुख निर्यातक राष्ट्रों (व उनसे हथियार खरीदने वाले प्रमुख देशों) तथा हथियारों के सभी प्रमुख आयातक राष्ट्रों (व उन्हें हथियारों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख राष्ट्रों) के नामों का उल्लेख किया गया है. इनमें अग्रणी देशों के नाम व सम्बन्धित जानकारी दिए गए बॉक्स में दी गई है.

संस्था (SIPRI) की वर्ष 2025 की सन्दर्भित रिपोर्ट के अनुसार

- 2020-24 के दौरान विश्व में हथियारों के सबसे बड़े दो आयातक देश क्रमशः यूक्रेन व भारत रहे. सन्दर्भित अवधि में हथियारों के कुल वैश्विक आयात का 8·8 प्रतिशत आयात यूक्रेन ने तथा 8·3 प्रतिशत भारत ने किया. इस मामले में तीसरा, चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः कतर, सऊदी अरब व पाकिस्तान का रहा.
- 2020-24 के दौरान भारत को हथियारों की आपूर्ति करने वाले पहले 3 देश क्रमशः रूस, फ्रांस व इजरायल रहे. सन्दर्भित अवधि में भारत के हथियारों की कुल खरीद में 36 प्रतिशत आपूर्ति रूस द्वारा, 33 प्रतिशत की फ्रांस द्वारा तथा 13 प्रतिशत भाग की आपूर्ति इजरायल द्वारा की गई.
- रिपोर्ट के अनुसार 2020-24 के दौरान चीन द्वारा हथियारों की खरीद में भारी गिरावट आई है. 2015-19 के दौरान हथियारों के वैश्विक आयात के 5·1 प्रतिशत भाग का आयात चीन द्वारा किया गया था, जो 2020-24 में 1·8 प्रतिशत ही रहा. इससे चीन, जो 2019-23 में विश्व में हथियारों का दसवाँ बड़ा आयातक राष्ट्र था. 2020-24 में 16वें स्थान पर रहा. 2020-24 की अवधि में उसे हथियारों की आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख देश क्रमशः रूस (72 प्रतिशत), फ्रांस (13 प्रतिशत) व यूक्रेन (12 प्रतिशत) रहे.

2020-24 के दौरान हथियारों के बड़े आयातक राष्ट्र व आयातक राष्ट्रों को हथियारों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता

क्र.	आयातक राष्ट्र	हथियारों के कुल वैश्विक आयात में अंश (प्रतिशत)		2015-19 की तुलना में 2020-24 में प्रतिशत परिवर्तन	3 प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश (2020-24) (आयातक राष्ट्र के हथियारों के कुल आयात में आपूर्तिकर्ता देश का अंश (प्रतिशत में)		
		2020-24	2015-19		I	II	III
1.	यूक्रेन	8·8	0·1	9627	अमेरिका (45)	जर्मनी (12)	पोलैण्ड (11)
2.	भारत	8·3	9·1	– 9·3	रूस (36)	फ्रांस (33)	इजरायल (13)
3.	कतर	6·8	3·0	127	अमेरिका (48)	इटली (20)	यूके (15)
4.	सऊदी अरब	6·8	11·0	– 41	अमेरिका (74)	स्पेन (10)	फ्रांस (6·2)
5.	पाकिस्तान	4·6	2·8	61	चीन (81)	नीदरलैण्ड (5·5)	तुर्किये (3·8)
6.	जापान	3·9	2·0	93	अमेरिका (97)	यूके (2)	जर्मनी (0·5)
7.	ऑस्ट्रेलिया	3·5	4·8	– 27	अमेरिका (81)	स्पेन (15)	नॉर्वे (1·3)
8.	मिस्र	3·3	5·8	– 44	जर्मनी (32)	इटली (27)	फ्रांस (19)
9.	अमेरिका	3·1	1·9	67	यूके (18)	फ्रांस (15)	इजरायल (13)
10.	कुवैत	2·9	0·5	466	अमेरिका (63)	इटली (29)	फ्रांस (7·1)
11.	संयुक्त अरब अमीरात	2·6	3·3	– 19	अमेरिका (42)	फ्रांस (17)	तुर्किये (11)

2020-24 के दौरान हथियारों के बड़े निर्यातक राष्ट्र व निर्यातक राष्ट्रों से हथियारों के प्रमुख क्रेता

क्र.	निर्यातक राष्ट्र	हथियारों के कुल वैश्विक निर्यात में अंश (प्रतिशत)		2015-19 की तुलना में 2020-24 में प्रतिशत परिवर्तन	निर्यातक राष्ट्र के हथियारों के 3 प्रमुख क्रेता (निर्यातक के कुल निर्यात में आयातक राष्ट्र का अंश 2020-24 में) (प्रतिशत)		
		2020-24	2015-19		I	II	III
1.	अमेरिका	43	3·5	21	सऊदी अरब (12)	यूक्रेन (9·3)	जापान (8·8)
2.	फ्रांस	9·6	8·6	11	भारत (28)	कतर (9·7)	ग्रीस (8·3)
3.	रूस	7·8	21	– 64	भारत (38)	चीन (17)	कजाखस्तान (11)
4.	चीन	5·9	6·2	– 5·4	पाकिस्तान (63)	सर्बिया (6·8)	थाइलैण्ड (4·6)
5.	जर्मनी	5·6	5·7	– 2·6	यूक्रेन (19)	मिस्र (19)	इजरायल (11)
6.	इटली	4·8	2·0	138	कतर (28)	मिस्र (18)	कुवैत (18)
7.	यूके	3·6	3·6	– 1·4	कतर (28)	अमेरिका (16)	यूक्रेन (10)
8.	इजरायल	3·1	3·2	– 2·0	भारत (34)	अमेरिका (13)	फिलीपींस (8·1)
9.	स्पेन	3·0	2·3	29	सऊदी अरब (24)	ऑस्ट्रेलिया (18)	तुर्किये (13)
10.	द. कोरिया	2·2	2·1	4·9	पोलैण्ड (46)	फिलीपींस (14)	भारत (7·0)
11.	तुर्किये	1·7	0·8	103	यूएई (18)	पाकिस्तान (10)	कतर (9·9)

- पाकिस्तान का उपर्युक्त अवधि में हथियारों की खरीद में विश्व में पाँचवाँ स्थान रहा. इस अवधि में हथियारों के कुल वैश्विक आयात के 4·6 प्रतिशत भाग का आयात पाकिस्तान ने किया तथा उसे हथियारों की आपूर्ति करने वाले पहले 3 देश क्रमशः चीन (81 प्रतिशत), नीदरलैण्ड (5·5 प्रतिशत) व तुर्किये (3·8 प्रतिशत) रहे.
- अमेरिका, जो 2020-24 की अवधि में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक राष्ट्र रहा, उसने इस अवधि में हथियारों का आयात भी किया. हथियारों के कुल वैश्विक आयात का 3·1 प्रतिशत उसने आयात किया तथा इस मामले में विश्व में 9वाँ स्थान अमेरिका का रहा. रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के हथियारों के कुल आयात में 18 प्रतिशत भाग की आपूर्ति ब्रिटेन ने की, जबकि फ्रांस (15 प्रतिशत) व इजरायल (13 प्रतिशत) का इस मामले में क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान रहा.

निर्यात परिदृश्य

- 2020-24 के 5 वर्षों की अवधि में विश्व में हथियारों के कुल निर्यात में सर्वाधिक 43 प्रतिशत योगदान अमेरिका का रहा, जबकि 9·6 व 7·8 प्रतिशत योगदान के साथ फ्रांस व रूस इस मामले में क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे.
- रिपोर्ट के अनुसार 2020-24 के दौरान अमेरिका ने अपने हथियार निर्यात का सर्वाधिक 12 प्रतिशत भाग सऊदी अरब को, दूसरे स्थान पर 9·3 प्रतिशत निर्यात यूक्रेन को तथा तीसरे स्थान पर 8·8 प्रतिशत निर्यात जापान को किया.
- 2020-24 के दौरान हथियारों का दूसरा बड़ा निर्यातक देश फ्रांस रहा. सन्दर्भित अवधि में फ्रांसीसी हथियारों का सबसे बड़ा क्रेता भारत रहा. फ्रांस ने अपने हथियारों के निर्यात के 28 प्रतिशत भाग की आपूर्ति भारत को की, जबकि 9·7 प्रतिशत व 8·3 प्रतिशत भाग के क्रेता क्रमशः कतर व ग्रीस रहे.
- सन्दर्भित अवधि (2020-24) में रूस ने अपने हथियारों के कुल निर्यात के सर्वाधिक 38 प्रतिशत भाग का निर्यात भारत को किया, जबकि चीन को 17 प्रतिशत व कजाखस्तान को 11 प्रतिशत भाग का उसने निर्यात किया.
- 2020-24 के दौरान चीनी हथियारों का सबसे बड़ा क्रेता पाकिस्तान रहा. चीन ने अपने हथियारों के कुल निर्यात के 63 प्रतिशत भाग का निर्यात पाकिस्तान को किया, जबकि सर्बिया को 6·8 प्रतिशत व थाइलैण्ड को 4·6 प्रतिशत भाग का निर्यात उसने किया. इस प्रकार चीनी हथियारों के 3 बड़े क्रेता क्रमशः पाकिस्तान, सर्बिया व थाइलैण्ड रहे.
- रिपोर्ट के अनुसार हथियारों के वैश्विक बाजार में अमेरिका का ही प्रभुत्व अब बना हुआ है. इसमें बताया गया है कि 2015-19 की तुलना में 2020-24 में अमेरिकी निर्यात में 21 प्रतिशत की वृद्धि जहाँ हुई. वहीं रूस के निर्यात में 64 प्रतिशत की गिरावट इस अवधि में दर्ज की गई. इससे पूर्व 2014-18 की तुलना में 2019-23 में अमेरिकी शस्त्र निर्यातों में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जबकि रूस के निर्यात 53 प्रतिशत घण्टे थे. इसी तरह 2013-17 की तुलना में 2018-22 में 14 प्रतिशत की वृद्धि अमेरिकी शस्त्र निर्यातों में हुई थी, जबकि रूसी निर्यात 31 प्रतिशत घटे थे तथा 2012-16 की तुलना में 2017-21 में 14 प्रतिशत की वृद्धि अमेरिकी शस्त्र निर्यातों में हुई थी, जबकि रूस के हथियारों के निर्यात इस अवधि में 26 प्रतिशत घटे थे.

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की भारत यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर यूरोपीय आयोग (EC) की अध्यक्ष सुश्री उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula Von Der Leyen)



नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करतीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन

ने यूरोपीय यूनियन कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स के साथ भारत की आधिकारिक यात्रा 27-28 फरवरी, 2025 को की. यूरोपियन कमीशन के अध्यक्ष के रूप में उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत का जहाँ यह तीसरा दौरा था, यूरोपियन यूनियन कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स का भारत का यह पहला ही दौरा था. 2024 में सम्पन्न चुनावों के पश्चात् नए कार्यकाल की शुरुआत के पश्चात् कमिश्नर्स समूह का यूरोप के बाहर यह पहला ही दौरा था. सुश्री उर्सुला इससे पूर्व अप्रैल 2022 में द्विपक्षीय आधिकारिक दौरे पर तथा सितम्बर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आ चुकी थीं. इसके अतिरिक्त विभिन्न बहुपक्षीय बैठकों के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ भेंट उनकी होती रही है.

यूरोपियन संघ के शिष्टमण्डल का भारत का यह दौरा ऐसे समय में हुआ जब टैरिफ के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिका के साथ ईयू के व्यापार में स्थिति तनावपूर्ण थी तथा ऐसे में भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक सम्बन्धों के विस्तार का 27 देशों के यूरोपीय संघ का इरादा था. इसका संकेत नई दिल्ली में कदम रखते ही सोशल मीडिया पर अपनी एक्स पोस्ट में ईयू प्रमुख ने दे दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के बीच यूरोप को भारत में एक भरोसेमंद मित्र नजर आ रहा है. अपनी इस पोस्ट में उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने लिखा था कि वह प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ इस बात पर चर्चा करेंगी कि भारत व यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक साझेदारी को अगले स्तर पर कैसे ले जाया जाए ? ज्ञातव्य है कि भारत व यूरोपीय संघ 2004 से रणनीतिक साझीदार हैं तथा दोनों पक्ष रणनीतिक साझेदारी के तीसरे दशक में अब प्रवेश कर रहे हैं. 27 फरवरी को यूरोपीय संघ शिष्टमण्डल के नई दिल्ली पहुँचने पर हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने की. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ उसी दिन मुलाकात की तथा महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की. प्रधान-मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर यूरोपीय प्रतिनिधिमण्डल की विस्तृत वार्ता अगले दिन 28 फरवरी को हैदराबाद हाउस में हुई. भारत व यूरोपीय संघ के बीच सहयोग संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा वार्ता में की गई. दोनों पक्षों के बीच कारोबार एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को इसी वर्ष के अन्त तक सम्पन्न करने की प्रतिबद्धता दोनों ओर से व्यक्त की गई. स्वतंत्र व्यापार समझौते व निवेश सुरक्षा समझौते को सम्पन्न किए जाने को प्राथमिकता दोनों पक्षों ने बताया. भारत व यूरोपीय संघ के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में 120 अरब यूरो का है, स्वतंत्र व्यापार समझौते से इसके कई गुना बढ़ने की आशा की जाती है. भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) के साकार करने के लिए ठोस कदम उठाने तथा भारत की बढ़ती हुई मानव पूँजी व यूरोपीय संघ के देशों की डेमोग्राफिक प्रोफाइल व श्रम बाजार की जरूरतों को देखते हुए कुशल

कार्यदल के सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रवास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल वार्ता में दिया गया. मध्य-पूर्व की स्थिति, सीमापारीय आतंकवाद व यूक्रेन में युद्ध सहित प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा वार्ता में हुई. अन्तर्राष्ट्रीय कानून के अनुरूप मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति एवं सुरक्षा के साथ इजरायल व फलीस्तीन के मामले में दो राज्य समाधान (Two State Solution) के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोनों पक्षों ने दोहराई.

आठ क्षेत्रों में ठोस कदमों पर सहमति दोनों पक्षों की वार्ता में बनी, जिनमें 2025 के अन्त तक स्वतंत्र व्यापार समझौते को सम्पन्न करने का मुद्दा सबसे ऊपर है. रक्षा उद्योग एवं नीति पर केन्द्रित चर्चा, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) के लिए साझेदारों के साथ समीक्षा बैठक, सेमीकंडक्टर व ग्रीन हाइड्रोजन पर सहयोग आदि शामिल हैं. भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन पारस्परिक सुविधाजनक समय पर आयोजित होने तथा उस अवसर पर एक संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को अपनाने की आशा भी दोनों पक्षों ने व्यक्त की. प्रधानमंत्री श्री मोदी को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन ने धन्यवाद दिया.

दसवाँ रायसीना संवाद नई दिल्ली में सम्पन्न

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ साझेदारी में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के तत्वावधान में दसवाँ रायसीना संवाद (Raisina Dialogue) नई दिल्ली में

RAISINA DIALOGUE 2025

17-19 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुआ. 125 देशों के 3500 से अधिक प्रतिभागी, जिनमें मंत्री, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, शासन प्रमुख, उद्योग-पति, सैन्य कमांडर, उद्योग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अगुआ, शिक्षाविद्, पत्रकार, रणनीतिक मामलों के जानकार एवं अग्रणी थिंक टैंक के विशेषज्ञ शामिल रहे. कार्यक्रम में उपस्थित रहे. अमेरिका की खुफिया प्रमुख तुलसी गवार्ड तथा यूक्रेन, क्यूबा, स्लोवेनिया, लक्जेमबर्ग, लिकटेंस्टीन, लाटाविया, मोल्दोवा, जॉर्जिया, स्वीडन, स्लोवाक गणराज्य, भूटान, मालदीव, नॉर्वे, थाइलैण्ड, एंटीगुआ और बरबुडा, पेरू, घाना, हंगरी और मॉरिशस के विदेश मंत्री भी इसके भागीदारों में शामिल थे. न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन (Cristopher Luxon) इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता भी वह थे. समारोह का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया.



रायसीना संवाद के मंच पर न्यूजीलैण्ड के प्रधान-मंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में अपने सम्बोधन में न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री लक्सन ने रायसीना संवाद के आयोजन की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति की सराहना की और भारत के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग संवर्धन की अपेक्षा की. भारत को फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र में एक बड़ा स्रोत बताते हुए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते की बात शुरू करने की बात उन्होंने कही. जलवायु सम्बन्धी चुनौतियों में सहयोग की आवश्यकता पर बल उन्होंने दिया. वैश्विक शांति बनाए रखने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि शांति के बिना समृद्धि नहीं हो सकती.

न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री ने कहा, हम विश्व के सबसे ज्यादा उम्मीदों वाले हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में रह रहे हैं. हमें पूरे आत्मविश्वास को लेकर साथ आगे बढ़ना है. हमें ध्यान रखना है कि बिना सुरक्षा के सम्पन्नता नहीं आती है. इसलिए हमें खुद को सुरक्षित बनाना है, इसके बाद सम्पन्नता बढ़ने लगेगी. उन्होंने कहा कि न्यूजीलैण्ड सुरक्षा और आधुनिकता को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है. वह क्षेत्र के तेज विकास में सहभागी बनने के लिए तैयार

भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्यतंत्र की 33वीं बैठक बीजिंग में सम्पन्न

*भारत व चीन के बीच सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्यतंत्र (Working Mechanism for Consultation and Coordination–WMCC on India-China Border Affairs) की एक बैठक (33वीं बैठक) बीजिंग में 25 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुई. सीमा मामलों पर **कूटनीतिक स्तर** की इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) गौरांगलाल दास ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व चीनी विदेश मंत्रालय के सीमा एवं महासागरीय मामलों के विभाग एवं महानिदेशक हांग लियंग (Hong Liang) ने किया. **वास्तविक नियंत्रण रेखा पर देपसांग (Depsang) व डेमचोक (Demchok) में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात् सीमा मामले में कूटनीतिक स्तर की यह दूसरी बैठक थी.** इस कार्यतंत्र की पिछली 32वीं बैठक 5 दिसम्बर, 2024 को नई दिल्ली में हुई थी जिसके पश्चात् दिसम्बर 2024 में ही विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता का 23वाँ दौर 18 दिसम्बर, 2024 को बीजिंग में सम्पन्न हुआ था. (विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने व चीनी पक्ष का नेतृत्व वहाँ के विदेश मंत्री वांग यी ने किया था. विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ताओं का दौर सीमा विवाद के स्थायी समाधान के लिए 2005 से शुरू हुआ था तथा 24 दिसम्बर को बीजिंग में सम्पन्न दौर 5 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् सम्पन्न किया गया था.)*

परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्यतंत्र (WMCC) ढाँचे के तहत् 25 मार्च, 2025 को बीजिंग में सम्पन्न 33वीं बैठक में दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर स्थिति की समीक्षा की और सीमा पार सहयोग व आदान-प्रदान जल्द-से-जल्द फिर शुरू करने पर भी विचार-विमर्श किया, जिसमें सीमा पार की नदियाँ व कैलाश-मानसरोवर यात्रा शामिल हैं.

सकारात्मक व रचनात्मक माहौल में सम्पन्न इस बैठक में दोनों पक्षों ने दिसम्बर 2024 में विशेष प्रतिनिधि वार्ता में एनएसए अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच वार्ता के दौरान लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न उपायों और प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया. विदेश मंत्रालय द्वारा बाद में जारी बयान के अनुसार सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की अगली बैठक के लिए पर्याप्त तैयारी करने के लिए मिलकर काम करने के लिए सहमति दोनों पक्षों में रही. विशेष प्रतिनिधियों की यह वार्ता इस वर्ष के अन्त में भारत में ही आयोजित होनी है.

है. उन्होंने दोहराया कि हम ऐसे हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में रहना चाहते हैं, जहाँ पर प्रत्येक देश को अपनी पसंद के अनुसार विधिसम्मत मार्ग चुनने का अधिकार हो. वह बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के अपने निर्णय ले सके. अतः क्षेत्र में कोई एक देश अपना प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश न करे.

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि को उनके सम्बोधन के लिए धन्यवाद देने के साथ-साथ हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में उनके विचारों को ऐसे समय में जब वैश्विक व्यवस्था की प्रकृति पर बहस पूरे विश्व में चल रही है, महत्वपूर्ण विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया. उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति उनकी दूरदर्शिता और प्रेरणा के लिए अपनी गहरी सराहना दोहराई, जिन्होंने रायसीना डायलॉग के इस अध्याय को आगे बढ़ाया है. इस वर्ष के रायसीना डायलॉग का विषय (Theme)-कालचक्र-पीपुल्स, पीस और प्लैनेट था. 3 दिन तक चली परिचर्चाओं में विभिन्न नेता एवं भागीदार छह विषयगत स्तम्भों पर विभिन्न प्रारूपों में बातचीत के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े रहे—(i) राजनीति बाधित : बदलती रेत और बढ़ते ज्वार; (ii) ग्रीन ट्रिलेमा का समाधान, कौन, कहाँ और कैसे; (iii) डिजिटल ग्रह : एजेंट, एजेंसियाँ और अनुपस्थिति; (iv) उग्रवादी मर्केंटीलिज्म : व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला और विनिमय दर की लत; (v) टाइगर की कहानी : एक नई योजना के साथ विकास को फिर से लिखना; और (vi) शांति में निवेश : चालक, संस्थान और नेतृत्व. सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में चर्चा के मुद्दे थे.

रायसीना डायलॉग भू-राजनैतिक (Geo-politics) व भू-आर्थिक (Geo-economics) मुद्दों पर चर्चा के लिए भारत की पहल पर आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक सम्मेलन है, जिसका आयोजन भारत के विदेश मंत्रालय व दिल्ली स्थित थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ORF) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है. इसका पहला आयोजन 2016 में किया गया था. यह एक ऐसा बहुउद्देशीय सम्मेलन है, जिसमें विभिन्न राष्ट्रों के नीति निर्माता, निर्णय कर्ता, उच्चाधिकारी, राजनेता, पत्रकार एवं उद्योग-व्यापार जगत के प्रतिनिधि एक मंच पर अपने विचार रखते हैं.

इस सम्मेलन के एक अन्य सत्र में विभिन्न राष्ट्रों द्वारा प्रशुल्कों, प्रतिबन्धों एवं वित्तीय नियंत्रणों के माध्यम से व्यापार के शस्त्रीकरण के विरुद्ध चिन्ता विदेश मंत्री ने व्यक्त की और विश्वास आधारित साझेदारी की आवश्यकता पर बल उन्होंने दिया.

अंतरिक्ष यान की खराबी के कारण 9 माह से अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फँसे सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर की सुरक्षित वापसी

वापसी यान की खराबी के कारण 9 माह से भी अधिक समय तक अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में अटकी भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स (Sunita Williams) व उनके सहयोगी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर (Butch Wilmore) की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी भारतीय समयानुसार 19 मार्च, 2025 को हो सकी है. सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर के साथ दो अन्य अंतरिक्ष यात्री निक हेग व अलेक्जेंडर गोर्बुनोवा भी क्रू-9 के द्वारा पृथ्वी पर लौटे. इस मिशन के लिए स्पेसएक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट ने क्रू-10 में चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भारतीय समयानुसार 13 मार्च, 2025 को उड़ान भरी थी. इन चारों को आईएसएस पर उतारकर क्रू-9 सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर व दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को, जो आईएसएस पर रह रहे थे, वापस पृथ्वी पर लेकर आया है. वापसी में 17 घण्टे की यात्रा के पश्चात् क्रू-9 का कैप्सूल पैराशूट के जरिए भारतीय समयानुसार 19 मार्च को तड़के 3·27 बजे फ्लोरिडा की खाड़ी में उतरा जिसके पश्चात् स्ट्रेचर पर ही स्वास्थ्य जाँच के लिए उन्हें ले जाया गया.



फ्लोरिडा की खाड़ी में उतरे कैप्सूल में सुनीता विलियम्स व तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री

सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर 5 जून, 2024 को एक सप्ताह के लिए अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन गए थे. एक सप्ताह के लिए नासा (NASA) द्वारा स्टारलाइनर के जरिए आईएसएस पर उन्हें वहाँ भेजा गया था, किन्तु अंतरिक्ष यान में खराबी आ जाने के कारण इनकी वापसी नहीं हो सकी थी. दोषपूर्ण स्थिति में आए बोइंग स्टारलाइनर को 'नासा' ने बिना किसी यात्री के ही बाद में वापस बुला लिया था जिससे सुनीता व विल्मोर आईएसएस पर ही फँसे रह गए थे. अब एलन मस्क के स्पेसएक्स व नासा की मदद से नासा के इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी पर वापसी हो सकी है. इस प्रकार 8 दिन के लिए आईएसएस पर गए इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने 286 दिन इस मिशन में आईएसएस पर बिताए हैं.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मॉरिशस यात्रा (मॉरिशस में सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित)

मॉरिशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चन्द्र रामगुलाम के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ मॉरिशस की 2 दिन की राजकीय यात्रा 11-12 मार्च, 2025 को की. उन्हें मॉरिशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रमों में अतिथि के रूप में भागीदारी के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था. 2 दिन की इस यात्रा के लिए 11 मार्च को मॉरिशस की राजधानी पोर्ट लुईस (Port Louis) वह पहुँचे, जहाँ हवाई अड्डे पर उनका स्वागत स्वयं मेजबान प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने फूलों के हार के साथ किया. उनका पूरा मंत्रिमण्डल इस अवसर पर उनके साथ ही हवाई अड्डे पर उपस्थित था, जहाँ गार्ड ऑफ ऑनर भी भारतीय प्रधानमंत्री को दिया गया. यह दूसरा अवसर था जब मॉरिशस के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मोदी आमंत्रित थे. इससे पूर्व 10 वर्ष पूर्व, 2015 में भी वहाँ के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में वह शामिल हुए थे.



पोर्ट लुईस में मेजबान प्रधानमंत्री नवीन चन्द्र रामगुलाम के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रीय दिवस से एक दिन पूर्व 11 मार्च को सर शिवसागर रामगुलाम वनस्पति उद्यान में वहाँ के पूर्व प्रधानमंत्रियों सर शिवसागर रामगुलाम व अनिरुद्ध रामगुलाम (जो पूर्व राष्ट्रपति भी थे) की समाधियों पर पुष्पांजलि मेजबान प्रधानमंत्री नवीन चन्द्र रामगुलाम के साथ ही श्री मोदी ने अर्पित की. मॉरिशस की प्रगति तथा भारत-मॉरिशस सम्बन्धों के लिए एक मजबूत नींव बनाने में दोनों दिवंगत नेताओं की अमिट विरासत को इस अवसर पर उन्होंने याद किया. बाद

में उसी दिन मॉरिशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल (Dharambeer Gokhool) से स्टेट हाउस में भेंट उन्होंने की, जहाँ भारत व मॉरिशस के बीच विशेष एवं घनिष्ठ द्विपक्षीय सम्बन्धों को और बढ़ावा देने पर चर्चा दोनों नेताओं ने की. स्टेट हाउस में भारत के सहयोग से स्थापित आयुर्वेद गार्डन का दौरा भी श्री मोदी ने किया. उनके सम्मान में दोपहर भोज की मेजबानी राष्ट्रपति गोखूल ने की. प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रपति गोखूल व उनकी पत्नी वृंदा गोखूल तथा साथ ही प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम व उनकी पत्नी वीणा रामगुलाम को ओसीआई (Overseas Citizenship of India) कार्ड उन्होंने भेंट किया. राष्ट्रपति व उनकी धर्म पत्नी को एक पात्र में प्रयागराज संगम का पवित्र जल भी उन्होंने भेंट किया. **प्रधानमंत्री श्री रामगुलाम ने श्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एण्ड की ऑफ द इंडियन ओशन (The Grand Commander of the Order of the Star and Key of the Indian Ocean–GCSK) प्रदान करने की घोषणा भी इस अवसर पर की. मॉरिशस का यह सम्मान पाने वाले वह पाँचवें विदेशी तथा पहले भारतीय हैं. साथ ही किसी विदेशी राष्ट्र द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी को दिया गया यह 21वाँ अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार है. (उन्हें यह सम्मान अगले दिन राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल ने राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर प्रदान किया.)** 11 मार्च को ही पोर्ट लुईस में एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के एक समुदाय को श्री मोदी ने सम्बोधित किया, जिसमें मॉरिशस को भारत व ग्लोबल साउथ के बीच एक सेतु करार देते हुए उसे एक साझीदार देश ही नहीं, बल्कि भारत के परिवार का एक हिस्सा और मिनी इंडिया ही उन्होंने बताया. प्रधानमंत्री रामगुलाम ने भी इस कार्यक्रम को सम्बोधित किया तथा मॉरिशस के विकास के लिए देश में की जा रही व्यापक गतिविधियों के लिए सरकार को धन्यवाद उन्होंने दिया.



मॉरिशस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान श्री मोदी को प्रदान करते हुए वहाँ के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल

12 मार्च को मॉरिशस को राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मोदी ने उपस्थिति दर्ज की. इस अवसर पर ही राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल ने उन्हें अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जिसे उन्होंने भारत व मॉरिशस की विशेष मैत्री को तथा दोनों देशों के नागरिकों को समर्पित किया. **राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी, भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत आईएनएस इंफाल व भारतीय वायु सेना की आकाश-गंगा स्काईडाइविंग टीम ने भी भाग लिया.** 12 मार्च को ही मेजबान प्रधानमंत्री के साथ मिलकर अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक सर्विस एण्ड इनोवेशन, जिसका निर्माण भारत की मदद से ही किया गया है, का उद्घाटन श्री मोदी ने किया. मॉरिशस में पवित्र तालाब माने जाने वाले गंगा तालाब में प्रयागराज का गंगा जल उन्होंने अर्पित किया. दोनों देशों के बीच आधारिक संरचना, आवास, मानव संसाधन विकास, अंतरिक्ष एवं जलवायु परिवर्तन, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य व एआई तथा आर्थिक एवं व्यापार सहयोग आदि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए मॉरिशस के नेतृत्व के साथ श्री मोदी की विकास केन्द्रित वार्ता 11 मार्च को ही सम्पन्न हुई. भविष्य में विकास के लिए द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि दोनों पक्षों ने की. मॉरिशस में नए संसद भवन सहित विभिन्न परियोजनाओं में भारतीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता भारतीय प्रधानमंत्री ने इस वार्ता में दोहराई. इस तथ्य के प्रति सहमति दोनों पक्षों ने दोहराई कि दोनों देशों के बीच विशेष द्विपक्षीय साझेदारी ने अब उन्नत रणनीतिक साझेदारी का रूप ले लिया है. आपसी सहयोग के 8 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी इस अवसर पर हुए. मॉरिशस के लिए भारतीय स्टेट बैंक की क्रेडिट फैसिलिटी, स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देना, समुद्री सुरक्षा के लिए सूचनाओं के आदान-प्रदान आदि से सम्बन्धित समझौते इनमें शामिल हैं.

पोर्ट लुईस में 2 दिन के व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् श्री मोदी 13 मार्च को वापस नई दिल्ली पहुँचे. स्वदेश वापसी से पूर्व मॉरिशस में अपने समकक्ष को भारत की यात्रा के लिए निमंत्रण भी श्री मोदी ने दिया.

न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत यात्रा

भारत के साथ द्विपक्षीय आर्थिक एवं सुरक्षा सम्बन्धों को मजबूत करने के उद्देश्य से न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन (Christopher Luxon) ने इस देश की आधिकारिक यात्रा 16-20 मार्च, 2025 को की. प्रधानमंत्री के रूप में उनकी इस पहली ही भारत यात्रा में एक बड़ा शिष्टमण्डल भी उनके साथ था, जिसमें उनकी कैबिनेट के कई मंत्री, वरिष्ठ व्यापारिक नेता, कीवी भारतीयों का एक प्रतिनिधिमण्डल व कई सांसद शामिल थे. **अपनी इस यात्रा से कुछ दिन पूर्व ही एक वक्तव्य में उन्होंने कहा था कि भारत यात्रा के दौरान वह भारत के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी पर जोर देंगे तथा द्विपक्षीय सुरक्षा सम्बन्धों को मजबूत करने के तरीके तलाशेंगे. उन्होंने कहा था कि इस बात के लिए वह दृढ़ संकल्पित हैं कि भारत के साथ व्यापारिक सम्बन्धों में बड़ा बदलाव लाने वह जा रहे हैं. भारतीय नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर वार्ता के अतिरिक्त 17 मार्च को 10वें रायसीना संवाद के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी का उनका कार्यक्रम था,** जबकि **स्वदेश वापसी से पूर्व 19-20 मार्च को मुम्बई में उनके कार्यक्रम थे.**



नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन

16 मार्च को नई दिल्ली पहुँचने पर हवाई अड्डे पर उनका स्वागत केन्द्रीय मात्स्यिकी, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने किया. उसी दिन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उनसें भेंट की तथा द्विपक्षीय मामलों पर चर्चा की. अगले दिन 17 मार्च को राजघाट पर महात्मा गाँधी की समाधि पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की. उसी दिन नई दिल्ली में 10वें रायसीना संवाद में उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी सहभागिता उन्होंने दर्ज की. सम्मेलन में अपने सम्बोधन में विभिन्न वैश्विक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए अपने विचार उन्होंने प्रस्तुत किए. विगत वर्षों में भारत में हुई तीव्र प्रगति की सराहना करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग सम्बर्द्धन की कामना उन्होंने की. बाद में, प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में सम्पन्न द्विपक्षीय वार्ता में अपने रणनीतिक हितों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए अपने रक्षा सम्बन्धों को संस्थागत रूप देने का फैसला दोनों पक्षों ने

शेष पृष्ठ 147 पर



आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- **2024-25 में देश में कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन : एक अरब टन उत्पादन का आँकड़ा पार किया**
- **2024-25 की पहली तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसम्बर 2024) में भारत में एफडीआई अन्तर्प्रवाह में 27 प्रतिशत की वृद्धि**
- **2024-25 में खाद्यान्न व अन्य प्रमुख कृषिगत उत्पादन : दूसरे अग्रिम अनुमान**
- **आईआरसीटीसी व आईआरएफसी को नवरत्न कम्पनी का दर्जा मिलने से देश में नवरत्न कम्पनियों की संख्या अब 26 (मार्च, 2025 की स्थिति)**
- **2047 तक उच्च आय वाला देश बनने के लिए भारत को 7·8 प्रतिशत वृद्धि दर हासिल करनी होगी : विश्व बैंक रिपोर्ट**
- **दिसम्बर 2024 के अन्त में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या व टेलीडेंसिटी आदि के सम्बन्ध में 'ट्राई' की रिपोर्ट**
- **2024-25 के लिए भी कर्मचारी भविष्य निधि जमाओं पर ब्याज दर 8·25 प्रतिशत ही बरकरार**
- **10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद दोगुना हुआ : आईएमएफ रिपोर्ट**
- **2025-26 की पहली तिमाही हेतु लघु बचतों पर ब्याज दरें अपरिवर्तित (लगातार पाँचवीं तिमाही में ब्याज दरें अपरिवर्तित)**

2024-25 में देश में कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन : एक अरब टन उत्पादन का आँकड़ा पार किया

बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में कोयले का उत्पादन 1 अरब टन के बिन्दु को पार कर गया. इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कोयला मंत्रालय की विज्ञप्ति में देश में कोयला खनन शुरू होने के पश्चात् अब तक का सबसे अधिक उत्पादन बताया गया है. इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2023-24 में देश में कोयले का कुल उत्पादन 997·83 मिलियन टन रहा था, जबकि 2024-25 में वित्तीय वर्ष समाप्त होने से 11 दिन पूर्व, 20 मार्च को ही 1 अरब टन उत्पादन का आँकड़ा पार कर लिया गया. 1 अरब टन उत्पादन के ऐतिहासिक आँकड़ा पार करने को एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताते हुए भारत के लिए गर्व का क्षण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी बताया है.

कोयला उत्पादन में इस उपलब्धि के पश्चात् कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि यह रिकॉर्ड उत्पादन सरकार के रणनीतिक सुधारों और उसकी नीतियों को दर्शाता है. इनमें खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम में संशोधन और कोयला ब्लॉकों की वाणिज्यिक नीलामी के जरिए कोयला क्षेत्र की निजी कम्पनियों के लिए खोलना आदि शामिल हैं. बयान में कहा गया है, इन उपायों के कारण घरेलू कोयले की उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. **इससे आयात में काफी कमी आई और विदेशी मुद्रा की बचत करने में मदद मिली है. मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, अप्रैल से दिसम्बर 2024 के दौरान कोयला आयात में 8·4 प्रतिशत की गिरावट आई जिससे लगभग 5·43 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है.** कोयला क्षेत्र की सफलता का श्रेय कोयला के पब्लिक सेक्टर की कम्पनियों, प्राइवेट प्लेयर्स और 350 से अधिक कोयला खदानों में लगभग 5 लाख खदान श्रमिकों को दिया गया है. उल्लेखनीय है कि भारत अपने ऊर्जा मिश्रण के लगभग 55 प्रतिशत के लिए कोयले पर निर्भर है, और देश की लगभग 74 प्रतिशत विद्युत कोयला आधारित पॉवर प्लांट्स द्वारा उत्पन्न की जाती है.

2024-25 की पहली तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसम्बर 2024) में भारत में एफडीआई अन्तर्प्रवाह में 27 प्रतिशत की वृद्धि

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसम्बर 2024) में देश में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) (अन्तर्प्रवाह) में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई तथा सन्दर्भित अवधि में यह निवेश 40·67 अरब डॉलर तक पहुँच गया है. वित्त मंत्रालय के उद्योग एवं आन्तरिक व्यापार संवर्धन विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade–DPIIT) की मार्च 2025 की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2024) में इक्विटी एफडीआई 47·8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16·17 अरब डॉलर तथा दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर) में 43 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 13·6 अरब डॉलर रहा था, किन्तु तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2024) में 5·6 प्रतिशत की गिरावट इसमें दर्ज की गई तथा तीसरी तिमाही में एफडीआई 10·9 अरब डॉलर ही रहा. इससे 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों में एफडीआई अन्तर्प्रवाह 40·67 अरब डॉलर रहा जो पूर्व वर्ष की समान अवधि, (अप्रैल-दिसम्बर 2023) में 32 अरब डॉलर ही था. इस प्रकार 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसम्बर 2024) में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई.

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के यह आँकड़े केवल 'इक्विटी इनफ्लो के ही हैं यदि इक्विटी



अन्तर्प्रवाह के साथ-साथ पुनर्निवेशित आय (Reinvested earnings) व अन्य पूँजी प्रवाह को भी शामिल किया जाए तो 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों में कुल एफडीआई 62·48 अरब डॉलर रहा जो पूर्व वर्ष की समान अवधि में 51·5 अरब डॉलर था. इस प्रकार अप्रैल-दिसम्बर 2024 में सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (जिसमें एफडीआई इक्विटी निवेश के साथ पुनर्निवेशित आय भी शामिल है), 21·3 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है.

वित्त मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार सम्वर्धन विभाग (DPIIT) के इन आँकड़ों के अनुसार पूर्व वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसम्बर) में जिन देशों से भारत में एफडीआई इक्विटी इनफ्लो में सर्वाधिक वृद्धि हुई है, उनमें सिंगापुर (7·44 अरब डॉलर से बढ़कर कर 12 अरब डॉलर), नीदरलैण्ड्स (2·27 अरब डॉलर से बढ़कर 4 अरब डॉलर), संयुक्त अरब अमीरात (2·43 अरब डॉलर से बढ़कर 4·14 अरब डॉलर), अमेरिका (2·83 अरब डॉलर से बढ़कर 3·73 अरब डॉलर), केमैन द्वीप समूह (Cayman Islands) (0·215 अरब डॉलर से बढ़कर 0·296 अरब डॉलर) तथा साइप्रस (0·796 अरब डॉलर से बढ़कर 1·18 अरब डॉलर) शामिल हैं. इनके विपरीत, मॉरिशस, जापान, यूके व जर्मनी से एफडीआई इक्विटी अन्तर्प्रवाह में गिरावट दर्ज की गई है. सेक्टर्स में सर्वाधिक वृद्धि सेवा क्षेत्र (service sector) में सन्दर्भित अवधि में हुई. 2024-25 के पहले 9 महीनों में सेवा क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी अन्तर्प्रवाह 7·22 अरब डॉलर रहा, जो पूर्व वर्ष की समान अवधि में 5·18 अरब डॉलर था.

वित्त मंत्रालय के सन्दर्भित विभाग डीपीआईआईटी के अनुसार अप्रैल-दिसम्बर 2024 के 9 महीनों की अवधि में राज्यों में एफडीआई इक्विटी का अन्तर्प्रवाह सर्वाधिक (16·65 अरब डॉलर) रहा.

2024-25 में खाद्यान्न व अन्य प्रमुख कृषिगत उत्पादन : दूसरे अग्रिम अनुमान

फसल वर्ष 2024-25 में देश में प्रमुख कृषि उपजों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 10 मार्च, 2025 को जारी किए गए. केवल खरीफ एवं रबी उत्पादन के अनुमान ही इनमें शामिल हैं. इनके संशोधित अनुमान तथा विभिन्न जायद फसलों का उत्पादन आगामी तीसरे अग्रिम अनुमानों में शामिल

आईआरसीटीसी व आईआरएफसी को नवरत्न कम्पनी का दर्जा मिलने से देश में नवरत्न कम्पनियों की संख्या अब 26 (मार्च 2025 की स्थिति)

केन्द्र सरकार ने रेलवे क्षेत्र की दो सार्वजनिक कम्पनियों इण्डियन रेलवे कैटरिंग एण्ड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) और इण्डियन रेलवे फानेन्स कॉर्पोरेशन को नवरत्न कम्पनी का दर्जा मार्च 2025 में दे दिया है, इसके साथ देश में नवरत्न कम्पनियों की संख्या अब 26 हो गई हैं. यह दर्जा मिलने से दोनों कम्पनियों को वित्तीय और संचालन स्वायत्तता मिलेगी जिससे यह तेजी से निर्णय ले सकेंगी तथा रेलवे का विकास और अधिक तेज गति से हो सकेगा.

सार्वजनिक क्षेत्र की किसी कम्पनी को उत्कृष्ट वित्तीय एवं बाजार प्रदर्शन के आधार पर नवरत्न कम्पनी का दर्जा प्रदान किया जाता है. इस दर्जे के लिए कम्पनी को मिनी रत्न (श्रेणी-I) के रूप में मान्यता पहले प्राप्त होनी चाहिए. कम्पनी का शुद्ध लाभ विगत लगातार 3 वर्षों में ₹ 5,000 करोड़ होना आवश्यक है. साथ ही विगत 3 वर्षों में ₹ 25,000 करोड़ का औसत वार्षिक टर्न ओवर हो अथवा 3 वर्षों के लिए ₹ 15,000 करोड़ से अधिक की वार्षिक औसत शुद्ध सम्पत्ति होनी चाहिए. आईआरसीटीसी व आईआरएफसी को नवरत्न कम्पनी का दर्जा प्रदान करने के पश्चात् देश में सभी 26 नवरत्न कम्पनियों की सूची निम्नलिखित है– (मार्च 2025 की स्थिति)

1. नेशनल एल्युमिनियम कम्पनी (NALCO)
2. महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (MTNL)
3. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)
4. भारतीय नौवहन निगम (SCI)
5. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (RINL)
6. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC)
7. नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NLC)
8. नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NBCCL)
9. इंजीनियरिंग इण्डिया लिमिटेड (EIL)
10. कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया (CONCOR)
11. रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL)
12. ओएनजीसी विदेश लि. (RCF)
13. राष्ट्रीय कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि. (RCF)
14. इण्डियन रेलवे कन्स्ट्रक्शन इण्टरनेशनल लिमिटेड (IRCON)
15. रेल इण्डिया टेक्निकल एण्ड इकोनॉमिक सर्विस (RITES)
16. नेशनल फर्टिलाइजर्स लि. (NFL)
17. सेन्ट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (CWC)
18. हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (HUDCO)
19. इण्डियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लि. (IREDA)
20. मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लि. (MDL)
21. रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि.
22. सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (SECI) लि.
23. नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन प्रा. लि. (NHPC)
24. सतलुज जल विद्युत निगम लि. (SJVN)
25. इण्डियन रेलवे कैटरिंग एण्ड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC)
26. इण्डियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (IRFC)

उपर्युक्त 26 कम्पनियों के अतिरिक्त सार्वजनिक क्षेत्र की निम्नलिखित 14 कम्पनियों को महारत्नकम्पनी का दर्जा मार्च 2025 के अंत में प्राप्त था. (महारत्न का दर्जा नवरत्न कम्पनी से बड़ा होता है).

देश में 14 महारत्न कम्पनियाँ (मार्च 2025 की स्थिति)

1. भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL)
2. भारतीय तेल निगम (IOC)
3. कोल इण्डिया लिमिटेड (CIL)
4. गेल (इण्डिया) लिमिटेड (GAIL)
5. पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया (PGCIL)
6. पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC)
7. तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)
8. राष्ट्रीय ताप विद्युत् निगम (NTPC)
9. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL)
10. भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL)
11. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL)
12. ग्रामीण विद्युतीकरण निगम
13. ऑइल इण्डिया लि.
14. हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (HAL)

किया जाएगा. (दूसरे अग्रिम अनुमान में केवल खरीफ एवं रबी मौसम का उत्पादन शामिल होता है)

दूसरे अग्रिम अनुमानों के तहत् देश में 2024-25 में–

- खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1663·91 लाख मीट्रिक टन और रबी खाद्यान्न उत्पादन 1645·57 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है. (**इस प्रकार जायद के अतिरिक्त कुल खाद्यान्न उत्पादन 330·92 मिलियन टन अनुमानित है**)
- खरीफ चावल का उत्पादन 1206·79 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है जो 2023-24 के 1132·59 लाख मीट्रिक टन की तुलना में, 74·20 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि दर्शाता है. रबी चावल का उत्पादन 157·58 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है. गेहूँ का उत्पादन 1154·30 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के 1132·92 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 21·38 लाख मीट्रिक टन अधिक है.
- श्री अन्न (खरीफ) का उत्पादन 137·52 लाख मीट्रिक टन और श्री अन्न (रबी) का उत्पादन 30·81 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है. इसके अलावा, पोषक/मोटे अनाज (खरीफ) का उत्पादन/ 385·63 लाख मीट्रिक टन और पोषक/मोटे अनाज (रबी) का उत्पादन 174·65 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है.
- तूर एवं चने का उत्पादन क्रमशः 35·11 लाख मीट्रिक टन एवं 115·35 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है एवं मसूर का उत्पादन 18·17 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है.
- खरीफ एवं रबी मूँगफली का उत्पादन क्रमशः 104·26 लाख मीट्रिक टन एवं 8·87 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है. खरीफ मूँगफली का उत्पादन पिछले वर्ष के 86·60 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 17·66 लाख मीट्रिक टन अधिक है. सोयाबीन का उत्पादन 151·32 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के 130·62 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 20·70 लाख मीट्रिक टन अधिक है एवं रेपसीड और सरसों का उत्पादन 128·73 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है. कपास का उत्पादन 294·25 लाख गांठें (प्रत्येक गांठ 170 किलोग्राम और गन्ने का उत्पादन 4350·79 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है.

2024-25 में देश में विभिन्न उपजों के उत्पादन के आँकड़े एक दृष्टि में निम्नलिखित हैं–

खरीफ खाद्यान्न–1663·91 लाख मीट्रिक टन/**रबी खाद्यान्न** (ज़ायद मौसम शामिल नहीं)–1645·27 लाख मीट्रिक टन

- **खरीफ चावल**–1206·79 लाख मीट्रिक टन (**रिकॉर्ड**); **रबी चावल** (जायद मौसम शामिल नहीं)–157·58 लाख मीट्रिक टन.
- **गेहूँ**–1154·30 लाख मीट्रिक टन (**रिकॉर्ड**).
- **खरीफ मक्का**–248·11 लाख मीट्रिक टन (**रिकॉर्ड**); **रबी मक्का** (जायद मौसम शामिल नहीं–124·38 लाख मीट्रिक टन.
- **खरीफ श्री अन्न**–137·52 लाख मीट्रिक टन; **रबी श्री अन्न** (जायद मौसम शामिल नहीं)–30·81 लाख मीट्रिक टन.
- **तूर**–35·11 लाख मीट्रिक टन
- **चना**–115·35 लाख मीट्रिक टन
- **मसूर**–18·17 लाख मीट्रिक टन
- **खरीफ तिलहन**–276·38 लाख मीट्रिक टन; **रबी तिलहन** (जायद मौसम शामिल नहीं)–140·31 लाख मीट्रिक टन.
- **खरीफ मूँगफली**–104·26 लाख मीट्रिक टन **रिकॉर्ड**); **रबी मूँगफली** (जायद मौसम शामिल नहीं)–8·87 लाख मीट्रिक टन.
- **सोयाबीन**–151·32 लाख मीट्रिक टन (**रिकॉर्ड**)
- **रेपसीड और सरसों**–128·73 लाख मीट्रिक टन
- **गन्ना**–4350·79 लाख मीट्रिक टन
- **कपास**–294·25 लाख गांठें (प्रत्येक गांठ 170 किलोग्राम)
- **जूट**–83·08 लाख गांठें (प्रत्येक गांठ 180 किलोग्राम)

2047 तक उच्च आय वाला देश बनने के लिए भारत को 7·8 प्रतिशत वृद्धि दर हासिल करनी होगी : विश्व बैंक रिपोर्ट

भारत द्वारा विगत वर्षों में किए गए विकास व अन्य उपलब्धियों को देखते हुए विश्व बैंक ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने के लिए उसे औसतन 7·8 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त करनी होगी, विकास को और तेज करना होगा तथा अगले दो दशकों तक तेज विकास दर को बरकरार रखना होगा. इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को न केवल चल रहे सुधारों को जारी रखना होगा, बल्कि दूसरे अन्य सुधारों को लागू करने के साथ-साथ उनमें तेजी भी लानी होगी. वित्तीय क्षेत्र के साथ-साथ भूमि तथा श्रम बाजार में भी सुधार करने को विश्व बैंक रिपोर्ट में कहा गया है. वर्ष 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने के लिए भारत को अपनी महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर अगले 22 वर्षों में 50 प्रतिशत तक पहुँचानी होगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि मानव पूँजी में निवेश करके तथा अधिक और बेहतर नौकरियों के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करके भारत 2047 तक महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर को 35·6 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर सकता है.

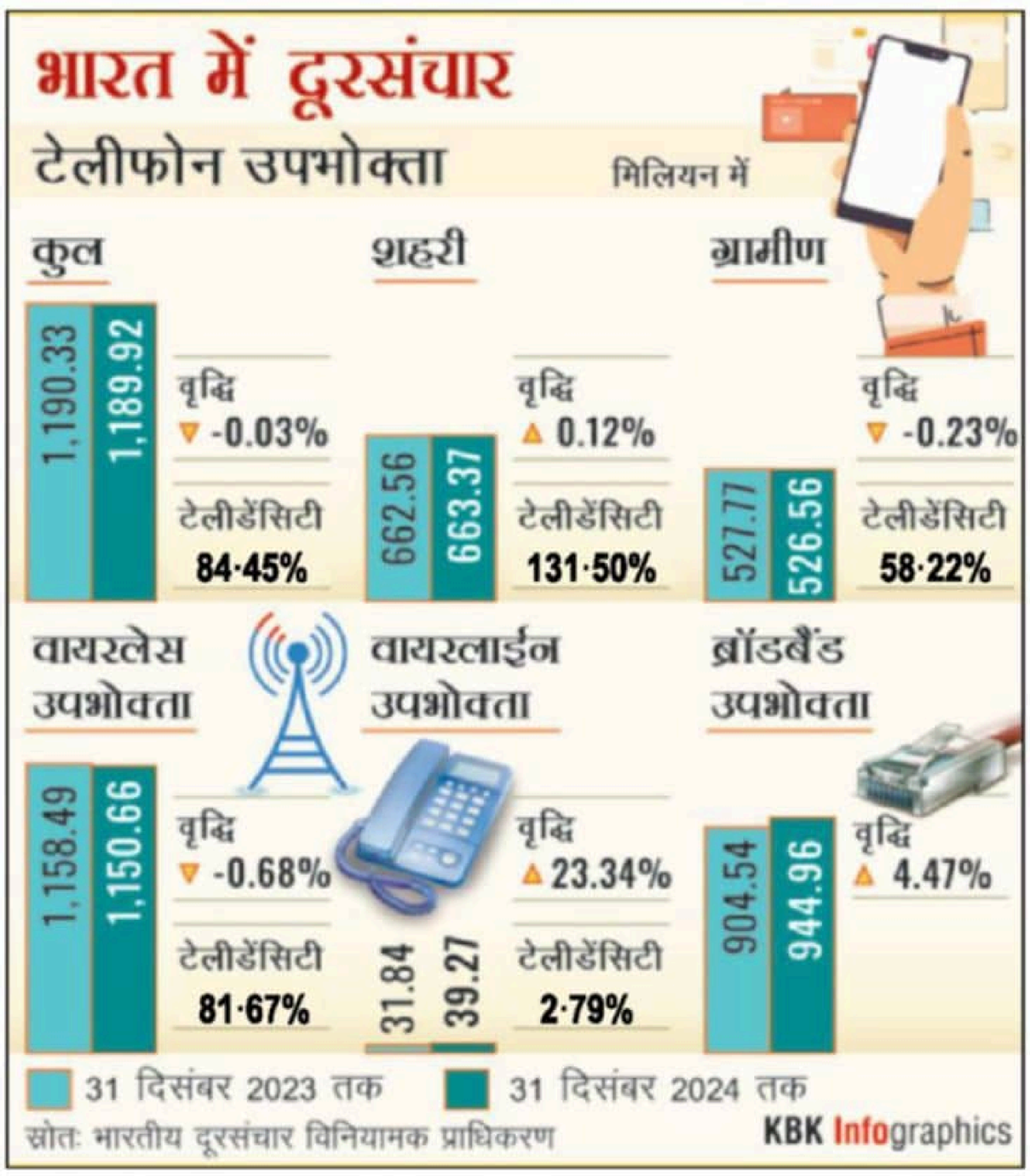
रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2000 से अब तक भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग चार गुना बढ़ी है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद लगभग तीन गुना हो गया है. चूँकि भारत बाकी दुनिया की तुलना में तेजी से बढ़ा है, इसलिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसकी हिस्सेदारी 2000 में 1·6 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 3·4 प्रतिशत हो गई है. रिपोर्ट में अगले 22 वर्षों में भारत के विकास पथ के लिए तीन परिदृश्यों का मूल्यांकन किया गया है. रिपोर्ट की सह-लेखिका एमिलिया स्क्रोक और रंगीत घोष के अनुसार, भारत मानव पूँजी में निवेश करके, अधिक और बेहतर नौकरियों के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करके और 2047 तक महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर को 35·6 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करके इस दिशा में आगे बढ़ सकता है.

दिसम्बर 2024 के अन्त में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या व टेलीडेंसिटी आदि के सम्बन्ध में 'ट्राई' की रिपोर्ट

दिसम्बर 2024 के अन्त में देश में टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या उसके ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में वितरण ब्रॉडबैण्ड उपभोक्ताओं की संख्या तथा इसके सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी तथा विभिन्न दूरसंचार मण्डलों में टेलीडेंसिटी (प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या) आदि के सम्बन्ध में विस्तृत आँकड़े दूरसंचार नियामक निकाय, ट्राई (TRAI–Telecom Regulatory Authority of India) द्वारा 11 मार्च, 2025 को जारी किए गए. ट्राई के इन आँकड़ों के अनुसार–

टेलीफोन परिदृश्य : एक दृष्टि में
(31 दिसम्बर, 2024 की स्थिति)

	वायरलैस	वायर लाइन	योग
टेलीफोन कनेक्शनों की कुल संख्या (मिलियन)	**1150·66**	**39·27**	**1189·92**
शहरी उपभोक्ता	627·08	36·29	663·37
ग्रामीण उपभोक्ता	523·58	2·98	526·56
टेलीडेंसिटी (प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शन) (प्रतिशत)	**81·67**	**2·79**	**84·45**
शहरी क्षेत्रों में (प्रतिशत)	124·31	7·19	131·50
ग्रामीण क्षेत्रों में (प्रतिशत)	57·89	0·33	58·22
कुल टेलीफोन उपभोक्ताओं में			
शहरी उपभोक्ताओं का प्रतिशत	54·50	92·42	55·75
ग्रामीण उपभोक्ताओं का प्रतिशत	45·50	7·58	44·25
ब्रॉडबैण्ड उपभोक्ताओं की संख्या (करोड़)	90·378	4·119	94·50



- दिसम्बर 2024 के अन्त में टेलीफोन के शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 663·37 मिलियन थी. (इनमें 627·08 मिलियन उपभोक्ता वायरलैस टेलीफोन के व 36·29 मिलियन वायरलाइन टेलीफोन के थे.) एक वर्ष पूर्व दिसम्बर 2023 की तुलना में यह 0·12 प्रतिशत ही अधिक थी. दिसम्बर 2023 के अन्त में टेलीफोन के शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 662·56 मिलियन थी, वहीं दिसम्बर 2024 के अन्त में टेलीफोन के ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 526·56 मिलियन थी. दिसम्बर 2023 में यह संख्या 527·77 मिलियन थी. यह दिसम्बर 2023 की तुलना में 0·23 प्रतिशत कम थी.
- दिसम्बर 2024 के अन्त में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1189·92 मिलियन थी. (इनमें 1150·66 मिलियन उपभोक्ता वायरलैस टेलीफोन के तथा 39·27 मिलियन वायरलाइन टेलीफोन उपभोक्ता थे) दिसम्बर 2024 के अन्त में टेलीफोन उपभोक्ताओं की यह संख्या पूर्व वर्ष की तुलना में मामूली कम ही थी.
- दिसम्बर 2023 के अन्त में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1190·33 मिलियन थी.
- दिसम्बर 2024 के अन्त में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं में शहरी उपभोक्ता 55·75 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता 44·25 प्रतिशत थे, जबकि एक वर्ष पूर्व भी यह अनुपात क्रमशः 55·66% व टेलीडेंसिटी 44·34 प्रतिशत ही था.

टेलीडेंसिटी

- टेलीफोन कनेक्शनों के उपर्युक्तानुसार आँकड़ों के चलते देश में टेलीडेंसिटी (प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या दिसम्बर 2024 के अन्त में 84·45 प्रतिशत (दिसम्बर 2023 के अन्त में 85·23 प्रतिशत) थी, जो शहरी क्षेत्रों में 131·50 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्रों में 58·22 प्रतिशत थी दिसम्बर 2022 के अन्त में देश में टेलीडेंसिटी 84·56 प्रतिशत थी.

विभिन्न दूरसंचार मण्डलों में टेलीडेंसिटी
(31 दिसम्बर, 2024 की स्थिति)

राज्य/मण्डल	टेलीडेंसिटी (प्रतिशत में)
बिहार	56·44
उत्तर प्रदेश	66·19
मध्य प्रदेश	68·71
असम	72·93
ओडिशा	78·52
राजस्थान	79·39
पूर्वोत्तर	79·62
प. बंगाल	80·52
हरियाणा	86·41
जम्मू-कश्मीर	89·75
गुजरात	89·81
आन्ध्र प्रदेश	94·31
महाराष्ट्र	100·35
तमिलनाडु	102·02
कर्नाटक	104·63
पंजाब	110·94
केरल	118·92
हिमाचल प्रदेश	119·78
दिल्ली	274·38
सम्पूर्ण भारत	**84·45**

- दिसम्बर 2024 के अन्त में देश के कुल 22 लाइसेंस्ड सर्विस एरियाज (LSAs) में सबसे कम टेलीडेंसिटी 56·44 प्रतिशत बिहार में, 66·19 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में व 68·71 प्रतिशत मध्य प्रदेश में थी.
- दिसम्बर 2024 के अन्त में सर्वाधिक टेलीडेंसिटी 274·38 प्रतिशत दिल्ली में, दूसरे स्थान पर 119·78 प्रतिशत

ब्रॉडबैण्ड सेवा बाजार (वायर्ड + वायरलैस) में 5 बड़े सेवा प्रदाता (दिसम्बर 2024 की स्थिति)

क्रमांक	सेवा प्रदाता	उपभोक्ताओं की संख्या	
		मिलियन	प्रतिशत
1.	रिलायंस जियो	476·58	50·43
2.	भारती एयरटेल	289·31	30·62
3.	वोडाफोन-आइडिया	126·38	13·37
4.	भारत संचार निगम लि.	35·33	3·74
5.	एट्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीस	2·27	0·24
6.	अन्य	—	1·60

हिमाचल प्रदेश में तथा तीसरे स्थान पर 118·92 प्रतिशत केरल में थी.

ट्राई के अद्यतन आँकड़ों के अनुसार दिसम्बर 2024 के अन्त में देश में मोबाइल (वायरलैस) फोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1150·66 मिलियन थी. ट्राई द्वारा मार्च 2025 में जारी इन आँकड़ों के अनुसार दिसम्बर 2024 के अन्त में वायरलैस फोन सेवा बाजार में सर्वाधिक 40·42 प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस जियो की थी, जबकि 33·49 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारती एयरटेल का इसमें दूसरा स्थान था. विभिन्न सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी के निम्नलिखित आँकड़ों से स्पष्ट है कि इस बाजार में निजी क्षेत्र का ही वर्चस्व है.

मोबाइल फोन सेवा बाजार में विभिन्न सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी (दिसम्बर 2024 के अन्त की स्थिति)

कम्पनी	बाजार हिस्सेदारी (प्रतिशत)
रिलायंस जियो	40·42
भारती एयरटेल	33·49
वोडाफोन-आइडिया	18·01
बीएसएनएल	7·99
एमटीएनएल	0·09
रिलायंस कम्यू.	0·00004

2024-25 के लिए भी कर्मचारी भविष्य निधि जमाओं पर ब्याज दर 8·25 प्रतिशत ही बरकरार

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) जमाओं पर ब्याज दर पूर्व स्तर 8·25 प्रतिशत ही बरकरार रखने की संस्तुति कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (Employees Provident Fund Organisation—EPFO) के केन्द्रीय न्यासी बोर्ड (CBT) ने की है. तद्नुरूप इन जमाओं पर कर्मचारियों को पिछले वर्ष 2023-24 के लिए निर्धारित 8·25 प्रतिशत ब्याज ही प्राप्त होगा. यह विगत 3 वर्षों में इन जमाओं पर सर्वोच्च ब्याज दर है. ब्याज दर में कोई कटौती न किए जाने से ईपीएफओ के 6·5 करोड़ सब्सक्राइबर्स लाभान्वित होंगे. इससे पूर्व 2022-23 में ईपीएफ जमाओं पर देय ब्याज जहाँ 8·15 प्रतिशत थी, 2021-22 में यह 8·10 प्रतिशत ही थीं, जो पिछले चार दशकों में इसकी सबसे कम ब्याज दर थी.

2024-25 के लिए ब्याज दर को 2023-24 के स्तर पर ही बनाए रखने के प्रस्ताव को ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की 28 फरवरी, 2025 को सम्पन्न बैठक में मंजूरी प्रदान की गई. वित्त मंत्रालय की मंजूरी के पश्चात् बढ़ी हुई ब्याज दर को अधिसूचित किया जाएगा.

हाल ही के वर्षों में ईपीएफ जमाओं पर ब्याज दरें

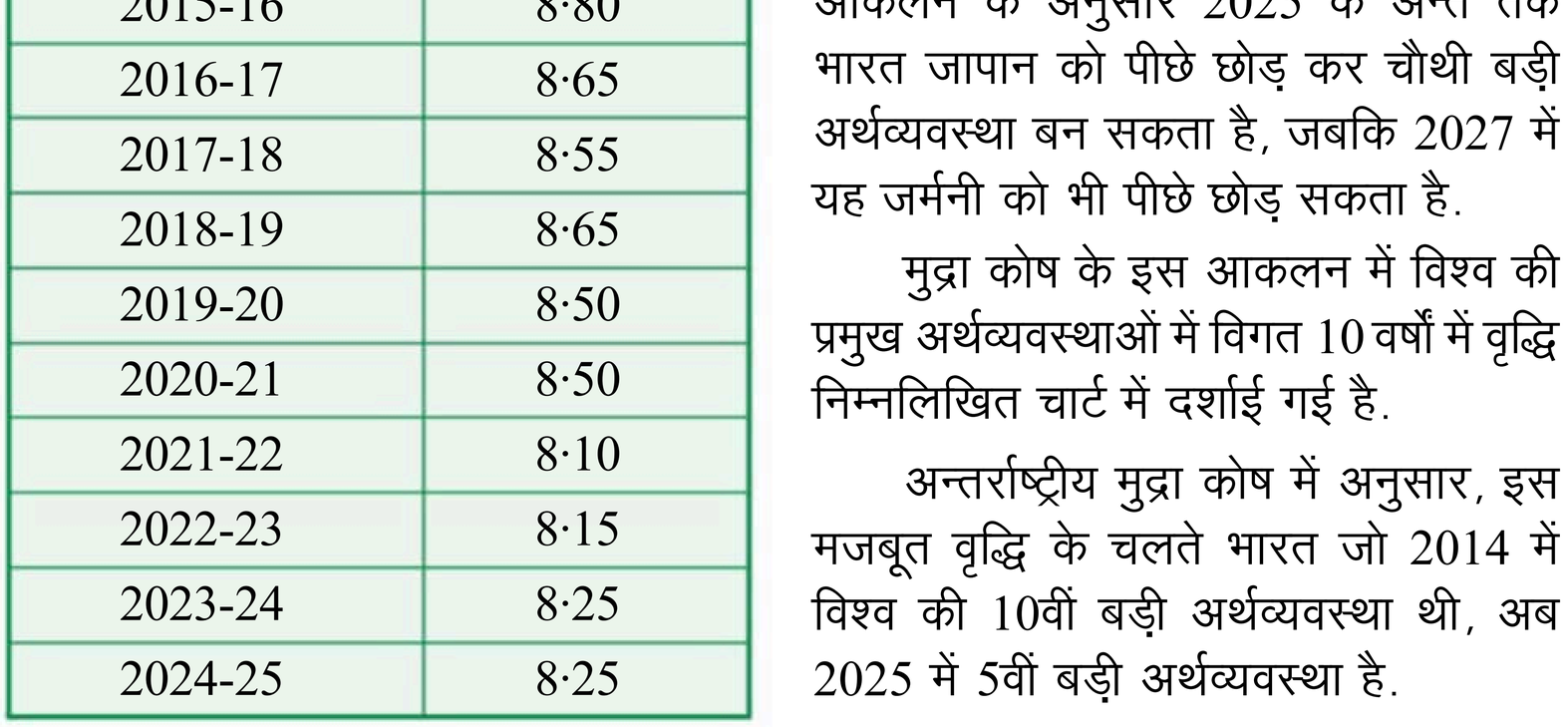
वर्ष	ब्याज दर (प्रतिशत)
2015-16	8·80
2016-17	8·65
2017-18	8·55
2018-19	8·65
2019-20	8·50
2020-21	8·50
2021-22	8·10
2022-23	8·15
2023-24	8·25
2024-25	8·25

10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद दोगुना हुआ : आईएमएफ रिपोर्ट

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का एकल घरेलू उत्पाद विगत 10 वर्षों में दोगुना हो गया है. इसमें बताया गया है कि वर्तमान मूल्यों पर देश की जीडीपी 2015 में 2·1 ट्रिलियन डॉलर (1 ट्रिलियन डॉलर = 1000 मिलियन डॉलर) थी, जो 2025 में वर्षांत में 4·27 ट्रिलियन डॉलर सम्भावित है. यह 10 वर्षों में जीडीपी में 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. इस मजबूत वृद्धि के चलते भारत जो विश्व की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था 2014 में था, अब अमेरिका, चीन, जर्मनी व जापान के पश्चात् 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. मुद्रा कोष के इस आकलन के अनुसार 2025 के अन्त तक भारत जापान को पीछे छोड़ कर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जबकि 2027 में यह जर्मनी को भी पीछे छोड़ सकता है.

मुद्रा कोष के इस आकलन में विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में विगत 10 वर्षों में वृद्धि निम्नलिखित चार्ट में दर्शाई गई है.

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में अनुसार, इस मजबूत वृद्धि के चलते भारत जो 2014 में विश्व की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था थी, अब 2025 में 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है.



विश्व की 10 बड़ी अर्थव्यवस्थाएं

	2014	2025
1.	अमेरिका	अमेरिका
2.	चीन	चीन
3.	जापान	जर्मनी
4.	जर्मनी	जापान
5.	यूनाइटेड किंगडम	भारत
6.	फ्रांस	यूनाइटेड किंगडम
7.	ब्राजील	फ्रांस
8.	इटली	इटली
9.	रूस	कनाडा
10.	भारत	ब्राजील

मुद्रा कोष के आकलन में आर्थिक शक्ति के रूप में भारत के उत्थान में निम्नलिखित प्रमुख उपलब्धियाँ शामिल हैं—

- 2007 में भारत पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के स्तर पर पहुँचा, ऐसा होने में उसे 60 वर्ष लगे.
- 2014 तक सकल घरेलू उत्पाद दोगुना होकर 2 ट्रिलियन डॉलर हो गया.
- कोविड-19 मंदी के बावजूद, भारत ने 2021 में 3 ट्रिलियन डॉलर को पार कर लिया.
- 3 ट्रिलियन डॉलर से 4 ट्रिलियन डॉलर तक की छलांग में केवल चार वर्ष लगे.

इस गति से, भारत हर 1·5 वर्ष में अपनी अर्थव्यवस्था में 1 ट्रिलियन डॉलर जोड़ना जारी रख सकता है, तथा अनुमान है कि 2032 तक यह 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है.

वर्तमान में, अमेरिका 30·3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है, उसके बाद चीन 19·5 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है. अगर भारत की तेज वृद्धि जारी रहती है, तो यह अगले दशक में इन दो आर्थिक दिग्गजों के साथ अन्तर को कम कर सकता है.

2025-26 की पहली तिमाही हेतु लघु बचतों पर ब्याज दरें अपरिवर्तित (लगातार पाँचवीं तिमाही में ब्याज दरें अपरिवर्तित)

मुख्यत: डाकघरों के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों का निर्धारण सरकार द्वारा प्रति तिमाही आधार पर किया जाता है. इन योजनाओं

लघु बचतों पर ब्याज दरें

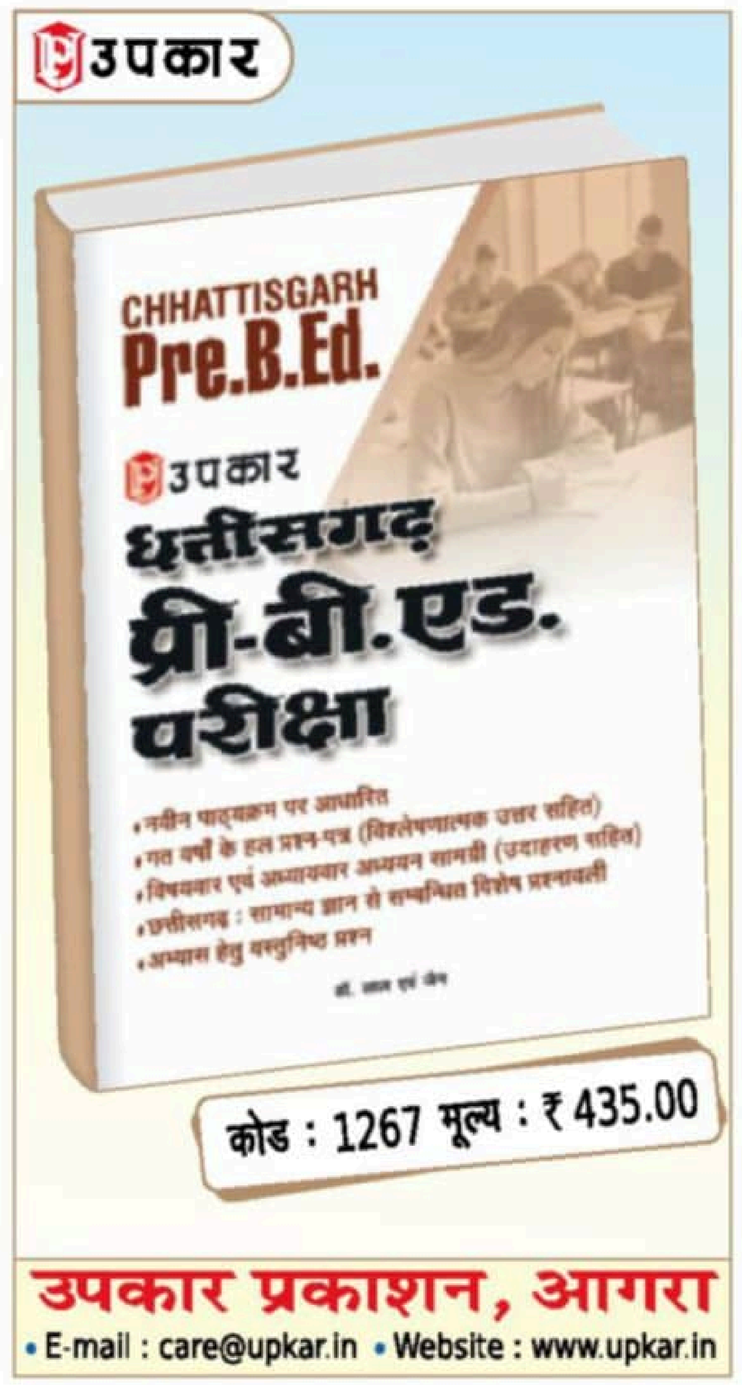
	2023-24	2024-25	2025-26
	Q_4	Q_1	Q_1
	1 जनवरी, 2024 से 31 मार्च, 2024 तक	1 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 तक	1 अप्रैल, 2025 से 30 जून, 2025 तक
बचत खाते	4·0	4·0	4·0
1 वर्षीय सावधि जमा	6·9	6·9	6.9
2 वर्षीय सावधि जमा	7·0	7·0	7·0
3 वर्षीय सावधि जमा	7·1	7·1	7·1
5 वर्षीय सावधि जमा	7·5	7·5	7·5
5 वर्षीय रिकरिंग जमा	6·7	6·7	6·7
(5 वर्षीय) वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS)	8·2	8·2	8·2
5 वर्षीय मासिक आय योजना	7·4	7·4	7·4
पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF)	7·1	7·1	7·1
सुकन्या समृद्धि योजना (SSS)	8·2	8·2	8·2
राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSC)	7·7	7·7	7·7
किसान विकास-पत्र (KVP)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परि-पक्वता अवधि 115 माह)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परि-पक्वता अवधि 115 माह)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परि-पक्वता अवधि 115 माह)

में डाकघरों के माध्यम से संचालित सावधि जमा योजनाओं के अतिरिक्त मासिक आय योजना, राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSCs), पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF), किसान विकास-पत्र (KVP), सुकन्या समृद्धि योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना व रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम आदि शामिल हैं. पिछली बार 2023-24 की अन्तिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) के लिए 3 वर्षीय सावधि जमा पर ब्याज दर में 0·1 प्रतिशत बिन्दु की तथा सुकन्या समृद्धि योजना पर ब्याज दर में 0·2 प्रतिशत बिन्दु की ही वृद्धि सरकार ने की थी तथा शेष सभी बचत योजनाओं पर ब्याज को अपरिवर्तित ही रखा था.

वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के लिए लघु बचतों पर ब्याज दरों की घोषणा सरकार द्वारा 28 मार्च, 2025 को की गई. इन सभी योजनाओं पर ब्याज दरें वही बरकरार हैं, जो पिछली तिमाही (2024-25 की अन्तिम तिमाही) में लागू थीं. यही ब्याज दरें 2023-24 की **अन्तिम तिमाही (Q_4)** (जनवरी-मार्च 2024) से लागू हैं. इस प्रकार 1 अप्रैल, 2025 से 30 जून, 2025 की तिमाही के लिए डाकघर बचत खातों पर वार्षिक ब्याज 4·0 प्रतिशत बरकरार है तथा पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF) पर यह पूर्ववत् 7·1 प्रतिशत, सुकन्या समृद्धि योजना (SSS) पर 8·2 प्रतिशत, राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSCs) पर 7·7 प्रतिशत ही पूर्ववत् बरकरार है, किसान विकास-पत्र पर ब्याज दर पहले की तरह 7·5 प्रतिशत ही रहेगी तथा इनकी परिपक्वता की अवधि 115 माह ही रहेगी.

इन सभी योजनाओं के तहत् देय ब्याज की नई दरें उपर्युक्त तालिका में दर्शाई गई हैं. तुलना के लिए पिछली तिमाहियों की ब्याज दरें भी प्रदर्शित हैं.

●●●





नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

एमएएचएएसएजीएआर (महासागर)

MAHASAGAR–Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions (सभी क्षेत्रों में सुरक्षा एवं विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति)

व्याख्या—हिन्द महासागर क्षेत्र में सभी देशों के साथ रक्षा एवं विकास के लिए सहयोग बढ़ाने की अपनी पहले की सागर (SAGAR–Security and Growth Across Regions)—क्षेत्र में सभी के सुरक्षा एवं विकास नीति का विस्तार करते हुए महासागर पहल की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मार्च 2025 में अपनी मॉरिशस यात्रा के दौरान अपने स्वागत के अवसर पर की.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

जस्टिस जयमाल्या बागची सर्वोच्च न्यायालय में नए न्यायाधीश

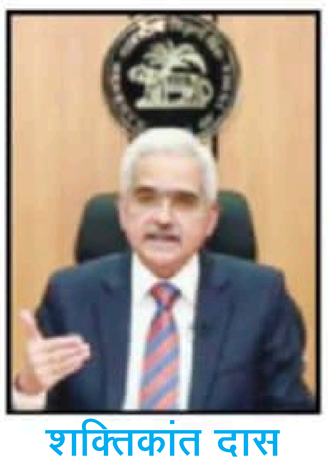
कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जयमाल्या बागची को सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति मार्च 2025 में प्रदान की गई है. सर्वोच्च न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम की संस्तुति पर सर्वोच्च न्यायालय में इनकी नियुक्ति के आदेश राष्ट्रपति ने 10 मार्च, 2025 को जारी किए. न्यायाधीश बागची को सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में शपथ सर्वोच्च न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने 17 मार्च, 2025 को ग्रहण कराई. उनकी इस नियुक्ति के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या अब 33 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो गई है तथा न्यायाधीश का एक पद अभी वहाँ रिक्त है. (मार्च 2025 की स्थिति)

जस्टिस जयमाल्या बागची का सर्वोच्च न्यायालय में कार्यकाल 6 वर्ष से भी अधिक (2 अक्टूबर, 2031 तक) होगा.

सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना के अतिरिक्त पाँच वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस भूषण आर. गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस अभय एस. ओझा व जस्टिस विक्रम नाथ वर्तमान में शामिल हैं.

शक्तिकांत दास अब प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1980 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी शक्तिकांत दास जो 6 वर्ष तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहने के पश्चात् दिसम्बर 2024 में ही इस पद से सेवानिवृत्त हुए थे, अब फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 नियुक्त किए गए हैं. इस पद पर उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री के मौजूदा कार्यकाल तक अथवा अगले आदेश तक रहेगा.


शक्तिकांत दास

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पद पर डॉ. पी. के. मिश्रा सितम्बर 2019 से ही कार्यरत हैं. उन्हीं के साथ अब प्रधान सचिव-2 के रूप में शक्तिकांत दास की नियुक्ति 22 फरवरी, 2025 से की गई है.

तुहिन कांत पाण्डे सेबी के नए प्रमुख

वित्त सचिव रहे तुहिन कांत पाण्डे अब भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (Securities and Exchange Board of India–SEBI) के नए चेयरपर्सन 1 मार्च, 2025 से बनाए गए हैं. इस पद पर माधबी पुरी बुच, जिनका 3 वर्षीय कार्यकाल 28 फरवरी, 2025 को पूरा हुआ है, का स्थान श्री पाण्डे ने लिया है. इस पद पर श्री पाण्डे का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा. वह 'सेबी' के 11वें चेयरमैन हैं. 'सेबी' के इन सभी अध्यक्षों के नाम निम्नलिखित हैं—


तुहिन कांत पाण्डे

1. डॉ. एस. ए. दवे—12 अप्रैल, 1988 से 23 अगस्त, 1990.
2. श्री जी. वी. रामकृष्ण—24 अगस्त, 1990 से 17 जनवरी 1994
3. श्री. एस. एस. नाडकर्णी—17 जनवरी, 1994 से 31 जनवरी, 1995
4. श्री डी. आर. मेहता—21 फरवरी, 1995 से 20 फरवरी, 2002
5. श्री जी. एन. बाजपेयी—20 फरवरी, 2002 से 18 फरवरी, 2005
6. श्री एम. दामोदरन—18 फरवरी, 2005 से 18 फरवरी, 2008
7. श्री. सी. बी. भावे—19 फरवरी, 2008 से 17 फरवरी, 2011
8. श्री यू. के. सिन्हा—18 फरवरी, 2011 से 1 मार्च, 2017
9. श्री अजय त्यागी—1 मार्च, 2017 से 28 फरवरी, 2022
10. माधबी पुरी बुच—28 फरवरी, 2022 से 28 फरवरी, 2025
11. तुहिन कांत पाण्डे—1 मार्च, 2025 से

सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के कार्यकाल में शेयर बाजार में हुए किसी धोखाधड़ी के मामले में उनके विरुद्ध एफ. आई. आर. दर्ज कर जाँच के आदेश सेवानिवृत्ति के पश्चात मुम्बई की एक अदालत ने 2 मार्च को जारी किए थे, जिस पर अंतरिम रोक बॉम्बे उच्च न्यायालय ने 3 मार्च को लगाई है.

इंद्रनील भट्टाचार्य भारतीय रिजर्व बैंक में नए कार्यकारी निदेशक

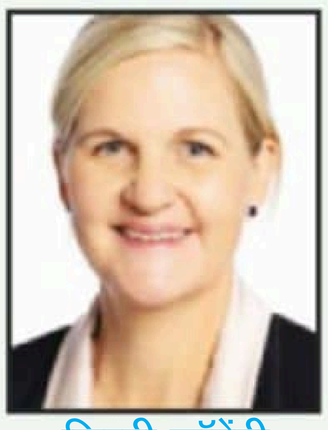
वरिष्ठ बैंकर इंद्रनील भट्टाचार्य को भारतीय रिजर्व बैंक में कार्यकारी निदेशक (ED) मार्च 2025 में नियुक्त किया गया है. केन्द्रीय बैंक में कार्यकारी निदेशक रहते हुए आर्थिक एवं नीति शोध विभाग का कार्यभार वह देखेंगे. उनकी यह नियुक्ति 19 मार्च से प्रभावी हो गई है. इससे पूर्व वह आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में सलाहकार के तौर पर सेवाएं दे रहे थे.

अशोक सिंह ठाकुर 'इंटेक' के नए अध्यक्ष

भारतीय सांस्कृतिक निधि (Indian National Trust for Art and Cultural Heritage–INTACH) की कार्यकारिणी के लिए 22 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में सम्पन्न चुनाव में अशोक सिंह ठाकुर अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं. इस पद पर उनका यह निर्वाचन तीन वर्ष के लिए हुआ है. भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटेक) भारत का प्रमुख विरासत संरक्षण संगठन है.

जिम्बाब्वे की किस्टी कॉवेंट्री अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की अध्यक्ष निर्वाचित (23 जून, 2025 से कार्यभार सँभालेंगी)

कोस्टा नवारिनो (ग्रीस), एपी : जिम्बाब्वे की खेल मंत्री और तैराकी में दो बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराक किस्टी कॉवेंट्री (Kirsty Coventry) अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) की नई अध्यक्ष 20 मार्च, 2025 को इस पद पर चुनी जाने वाली पहली महिला और पहली ही अफ्रीकी भी हैं. ग्रीस में कोस्टा नवारिनो में आईओसी के 144वें सत्र में हुए चुनाव में 97 सदस्यों ने मतदान किया जिनमें से 49 ने कॉवेंट्री के पक्ष में वोट किया. 41 वर्षीय कॉवेंट्री आईओसी अध्यक्ष पद पर चुनी जाने वाली सबसे युवा हैं. इस पद पर निवर्तमान अध्यक्ष थामस बाक का स्थान वह लेंगी, जिनका कार्यकाल 23 जून, 2025 को समाप्त होगा.


किस्टी कॉवेंट्री

अध्यक्ष पद की दौड़ में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष ब्रिटेन के सेबेस्टियन आईओसी के उपाध्यक्ष स्पेन के जुआन एंटोनिया, यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल के अध्यक्ष फ्रांस के डेविड लेपार्टियंट, जार्डन के प्रिंस फैजल स्वीडन के जोहान इलियाश और फेडरेशन इंटरनेशनल डी जिमनास्टिक्स के अध्यक्ष जापान के मोरीनारी वातानाबी भी शामिल थे. 20 मार्च को अध्यक्ष पद के चुनाव में जिम्बाब्वे की कॉवेंट्री को जहाँ 97 में से 49 मत मिले, दूसरे स्थान पर 28 मत स्पेन के जुआन एंटोनियो समारांच जूनियर को मिले. अध्यक्ष पद पर किस्टी कॉवेंट्री का कार्यकाल 8 वर्ष (2033 तक) होगा. वह अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की 10वीं अध्यक्ष होंगी.

समिति के इन सभी दस अध्यक्षों की सूची निम्नलिखित है–

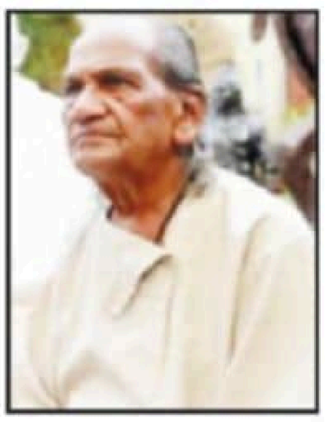
क्र.	अध्यक्ष	अवधि
1.	डेमेट्रियस विकीलासा (Demetrius Vikeelas), यूनान	1894-1996
2.	बैरॉन पियरे डि कोबर्टीन (Baron Pierre de Coubertin), फ्रांस बैरॉन गॉड फ्रॉय डि व्लोने,* स्विट्जरलैण्ड	1896-1925 1916-1919
3.	हेनरी डि बैलेट-लाटूर (Henri de Baillet-Latour), बेल्जियम	1925-1942
4.	सिगफ्रिड एड्सट्रॉम (Sigfrid Edstrom), स्वीडन	1942-1952
5.	एवरी ब्रुंडेज (Avery Brundage), अमेरिका	1952-1972
6.	लॉर्ड माइकल किलानिन (Lord Michael Killanin), आयरलैण्ड	1972-1980
7.	जुआन एंटोनियो समारांच (Juan Antonio Samaranch), स्पेन	1980-2001
8.	जैक्स रोगे (Jacques Rogge), बेल्जियम	2001-2013
9.	थॉमस बाख (Thomas Bach), जर्मनी	2013-2025
10.	किस्टी कॉवेंट्री (Kirsty Coventry), जिम्बाब्वे	23 जून, 2025 से

* 1916-19 के दौरान जब कोबर्टीन सैन्य ड्यूटी पर थे, तो उस अवधि में बैरॉन गॉड फ्रॉय डि व्लोने (आईओसी) के कार्यवाहक अध्यक्ष रहे थे.

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी. सुतार को महाराष्ट्र भूषण सम्मान (2024)

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी. सुतार को राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान महाराष्ट्र भूषण के लिए चुना गया है. फरवरी 2025 में अपना 100वाँ जन्म दिन मनाने वाले सुतार को वर्ष 2024 का यह पुरस्कार दिया जाएगा. उन्हें वर्ष 2016 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है. विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का डिजाइन उन्होंने ही तैयार किया है. राम मंदिर सहित अनेक प्रतिष्ठित प्रतिमाओं के निर्माण से वह सम्बद्ध रहे हैं. शतायु होने के बावजूद अभी भी मुम्बई में इंदु मिल स्मारक योजना में अम्बेडकर प्रतिमा पर वह काम कर रहे हैं.


राम वी. सुतार

महाराष्ट्र भूषण के तहत् ₹ 25 लाख व स्मृति चिह्न प्रदान किया जाता है. पूर्व वर्षों में इस पुरस्कार से सम्मानितों में अप्पा साहिब धर्माधिकारी, आशा भोंसले, बाबा साहिब पुरंदरे, अनिल काकोडकर व जयंत नर्लिकर आदि शामिल हैं.

ऑस्कर पुरस्कारों (2025) में फिल्म अनोरा को सर्वाधिक पुरस्कार

वर्ष 2024 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए अमेरिका की एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एण्ड साइंसेज (AMPAS) के **97वें एकेडमी अवॉर्ड्स** (ऑस्कर पुरस्कार) का वितरण लॉस एंजेल्स (कैलीफोर्निया) स्थित



डॉल्वी थिएटर में 2 मार्च, 2025 को किया गया. कुल मिलाकर 23 श्रेणियों में ऑस्कर पुरस्कार इस वर्ष दिए गए, जिनमें सर्वाधिक 5 पुरस्कार सीन बेकर (Sean Baker) द्वारा निर्देशित फिल्म **अनोरा** (Anora) को मिले, जबकि ब्रैडी कॉर्बेट द्वारा निर्देशित फिल्म **द ब्रूटलिस्ट** ने दूसरे स्थान पर 3 ऑस्कर प्राप्त किए. सर्वाधिक 5 पुरस्कार पाने वाली फिल्म अनोरा को 6 पुरस्कारों हेतु नामांकित किया गया था. दूसरे स्थान पर 3 पुरस्कार पाने वाली फिल्म द ब्रूटलिस्ट 10 पुरस्कारों के लिए नामांकित थी.

- अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर द्वारा निर्देशित फिल्म अनोरा को सर्वाधिक 5 पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् मिले जिनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग व सर्वश्रेष्ठ स्क्रीनप्ले के पुरस्कार शामिल हैं. इस फिल्म को 6 श्रेणियों में पुरस्कार हेतु नामांकित किया गया था.
- दूसरे स्थान पर 3 पुरस्कार ब्रैडी कॉर्बेट द्वारा निर्देशित फिल्म द ब्रूटलिस्ट को प्राप्त हुए.
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार सीन बेकर द्वारा निर्देशित फिल्म अनोरा (Anora) को दिया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार अनोरा के निर्देशन के लिए अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर को ही दिया गया.


फिल्म अनोरा के लिए चार पुरस्कारों (सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, मूल पटकथा व सम्पादन) के साथ सीन बेकर

फिल्म द ब्रूटलिस्ट में भूमिका के लिए अमेरिकी अभिनेता एड्रियन ब्रॉडी (Adrien Brody) को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का तथा फिल्म अनोरा में भूमिका के लिए अमेरिकी अभिनेत्री मिकी मेडिसन (Mikey Madison) को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया.



एड्रियन ब्रॉडी (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता)



मिकी मेडिसन (सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री)

इन पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

सर्वश्रेष्ठ फिल्म—अनोरा (Anora) (निर्देशक—सीन बेकर)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक—सीन बेकर (फिल्म—अनोरा)

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता—एड्रियन ब्रॉडी (Adrien Brody) (फिल्म—द ब्रूटलिस्ट)

मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री—मिकी मेडिसन (Mikey Madison) (फिल्म—अनोरा)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता—कीरन कल्किन (फिल्म—ए रियल पेन)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री—जोई सल्डाना (एमिलिया पेरेज)

सर्वश्रेष्ठ एनीमेटेड फीचर फिल्म—फ्लो (निर्देशक—जिंट्स जिलबालोडिस)

सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल फीचर फिल्म—आई एम स्टिल हियर (पुर्तगाली भाषा में ब्राजील की फिल्म)

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म—नो अदर लैंड

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म—द ओनली गर्ल इन द आर्केस्ट्रा

सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म—आई एम नॉट ए रोबोट

सर्वश्रेष्ठ एनीमेटेड शॉर्ट फिल्म—इन द शैडो ऑफ द साइप्रेस

सर्वश्रेष्ठ संगीत (ओरिजिनल स्कोर)—द ब्रूटलिस्ट (संगीतकार—डेनियल ब्लूम)

सर्वश्रेष्ठ संगीत (ओरिजिनल साँग)—एल माई (El Mai) (फिल्म—एमिलिया परेज)

सर्वश्रेष्ठ साउण्ड—फिल्म—ड्यून-2

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन—फिल्म—विकेड

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी—फिल्म—द ब्रूटलिस्ट

सर्वश्रेष्ठ मेक एवं हेयर स्टाइलिंग—फिल्म—द सब्सटेंस

सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन—विकेड

सर्वश्रेष्ठ फिल्म एडिटिंग—अनोरा

सर्वश्रेष्ठ विजुअल एफेक्ट्स—ड्यून-2

सर्वश्रेष्ठ ओरिजिनल राइटिंग स्क्रीन प्ले—अनोरा (सीन बेकर)

सर्वश्रेष्ठ एडाप्टेड राइटिंग (स्क्रीन प्ले)—कॉन्क्लेव (पीटर स्ट्रॉघन)

इस वर्ष के (97वें) ऑस्कर पुरस्कारों के लिए जैकुअस ऑडियार्ड द्वारा निर्देशित फिल्म **एमिलिया पेरेज** सर्वाधिक 13 श्रेणियों में नामांकित थी, किन्तु इसे 2 पुरस्कार प्राप्त हो सके. ब्रैडी कॉर्बेट द्वारा निर्देशित फिल्म द ब्रूटलिस्ट तथा जॉन एम. चू द्वारा निर्देशित विकेड 10-10 श्रेणियों में नामांकित थीं, किन्तु ब्रूटलिस्ट को 3 तथा विकेड को 2 पुरस्कार मिले.



आइफा पुरस्कार (2025)

वर्ष 2024 में प्रदर्शित हिन्दी फिल्मों में उत्कृष्टता के लिए **इंटरनेशनल इण्डियन फिल्म एकेडमी** (IIFA) के वर्ष 2025 के (25वें) पुरस्कारों का वितरण जयपुर में 8-9 मार्च, 2025 को किया गया. ओटीटी फिल्मों के लिए पुरस्कारों तथा तकनीकी पुरस्कारों का वितरण जहाँ 8 मार्च को किया गया, जबकि थिएटर फिल्मों के लिए पुरस्कार 9 मार्च को दिए गए. किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म लापता लेडीज़ का इन पुरस्कारों में दबदबा रहा. सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री व सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता सहित सर्वाधिक 10 पुरस्कार इसे प्राप्त हुए. दूसरे स्थान पर 3 पुरस्कार फिल्म—भूल-भुलैया-3 के लिए दिए गए.



कार्तिक आर्यन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता — लापता लेडीज़ की निर्देशिका किरण राव

थिएटर फिल्मों के पॉपुलर श्रेणी के प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

(पॉपुलर श्रेणी के पुरस्कार)

सर्वश्रेष्ठ फिल्म—लापता लेडीज़ (निर्देशिका—किरण राव)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक—किरण राव (फिल्म—लापता लेडीज़)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (पदार्पण)—कुणाल खेमू (मडगांव एक्सप्रेस)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता—कार्तिक आर्यन (भूल-भुलैया-3)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री—नितांशी गोयल (लापता लेडीज़)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता—रवि किशन (लापता लेडीज़)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री—जानकी बोदीवाला (शैतान)

ऋणात्मक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनय—राघव जुयाल (किल)

सर्वश्रेष्ठ स्टार पदार्पण (पुरुष)—लक्ष्य लालवानी (किल)

सर्वश्रेष्ठ स्टार पदार्पण (महिला)—प्रतिभा रांता (लापता लेडीज़)

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक—राम सम्पत (लापता लेडीज़)

सर्वश्रेष्ठ गीतकार—प्रशान्त पाण्डे (सजनी.....फिल्म—लापता लेडीज़)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक (पुरुष)—जुबिन नॉटियाल (दुआ....., फिल्म—आर्टिकल 370)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक (महिला)—श्रेया घोषाल (अमी जे तोमार....., फिल्म—भूल-भुलैया-3)

विशेष पुरस्कार—भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान—राकेश रोशन

तकनीकी पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (Screenplay)—लापता लेडीज़

सर्वश्रेष्ठ स्टोरी (एडॉप्टेड)—मैरी क्रिसमिस

सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी—बैड न्यूज (तौबा-तौबा)

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी—किल

सर्वश्रेष्ठ संवाद—आर्टिकल 370

सर्वश्रेष्ठ सम्पादन—लापता लेडीज़

सर्वश्रेष्ठ ध्वनि मिश्रण (Sound Mixing)—किल

सर्वश्रेष्ठ साउण्ड डिजाइन—किल

सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफेक्ट्स—भूल-भुलैया-3

मुख्य पुरस्कारों से एक दिन पूर्व 8 मार्च को वितरित डिजिटल पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित फिल्म अमर सिंह चमकीला, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक इम्तियाज अली, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता विक्रांत मैसी (सेक्टर 36) तथा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार कीर्ति सैनोन (दो पट्टी) के लिए दिया गया.

भारतीय सिनेमा की विश्वव्यापी पहचान बनाने के उद्देश्य से आइफा पुरस्कारों का वितरण भारत के बाहर ही किसी देश में किया जाता रहा है. विभिन्न वर्षों में इन पुरस्कारों के वितरण स्थल निम्नलिखित रहे हैं—

क्र.	वर्ष	पुरस्कार वितरण स्थल
1.	2000	लंदन (इंग्लैण्ड)
2.	2001	सनसिटी (दक्षिण अफ्रीका)
3.	2002	जेंटिंग हाइलैण्ड्स (मलेशिया)
4.	2003	जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
5.	2004	सिंगापुर
6.	2005	एम्सटर्डम (नीदरलैण्ड्स)
7.	2006	दुबई (संयुक्त अरब अमीरात)
8.	2007	शेफील्ड (इंग्लैण्ड)
9.	2008	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
10.	2009	मकाउ (चीन)
11.	2010	कोलम्बो (श्रीलंका)
12.	2011	टोरंटो (कनाडा)
13.	2012	सिंगापुर
14.	2013	मकाउ (चीन)
15.	2014	ताम्पा (अमेरिका)
16.	2015	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
17.	2016	मैड्रिड (स्पेन)
18.	2017	न्यूजर्सी (अमेरिका)
19.	2018	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
20.	2019	मुम्बई (भारत)
21.	2021	कोविड-19 महामारी के कारण समारोह नहीं हुआ (विजेताओं की घोषणा इंस्टाग्राम द्वारा ही की गई)
22.	2022	आबूधाबी (यूएई)
23.	2023	आबूधाबी (यूएई)
24.	2024	आबूधाबी (यूएई)
25.	2025	जयपुर (भारत)

हॉकी इण्डिया के वार्षिक पुरस्कार (2024)

हॉकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को हॉकी इण्डिया के वर्ष 2024 के (सातवें) वार्षिक पुरस्कारों का वितरण नई दिल्ली में 15 मार्च, 2025 को किया गया. भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने तथा 1975 में विश्व कप जीतने का स्वर्ण जयंती वर्ष होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष के पुरस्कारों को विशेष महत्व हॉकी इण्डिया ने प्रदान किया था. इस उपलक्ष्य में इस वर्ष हॉकी इण्डिया का **सर्वोच्च मेजर ध्यानचन्द लाइफटाइम : एचीवमेंट पुरस्कार** 1975 में हॉकी विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्यों को दिया गया. इस पुरस्कार के तहत् ₹ 50 लाख की राशि प्रदान की गई.



हरमनप्रीत सिंह सविता
(वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)

वर्ष के **सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार** भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को दूसरी बार तथा **सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार** गोलकीपर सविता को तीसरी बार दिया गया. **बलवीर सिंह सीनियर ट्रॉफी के साथ ₹ 25-25 लाख की राशि इस पुरस्कार के तहत् इन्हें प्रदान की गई.**

- अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) द्वारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर नामित किए जाने के लिए पी. आर. श्रीजेश को भी ₹ 5 लाख का पुरस्कार दिया गया.
- विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेन्ट जीतने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कार इस समारोह में दिए गए.

हॉकी इण्डिया के वर्ष 2024 के प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

- **मेजर ध्यानचन्द लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार (₹ 50 लाख)**—1975 विश्व कप जीतने वाली टीम
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का बलवीर सिंह सीनियर पुरस्कार (₹ 25 लाख)**—हरमनप्रीत सिंह
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का बलवीर सिंह सीनियर पुरस्कार (₹ 25 लाख)**—सविता
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान पुरुष खिलाड़ी (Upcoming Player of the Year) का जुगराज सिंह पुरस्कार (Under 21 पुरुष) (₹ 10 लाख)**—अरइजीत सिंह हुंडल
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ उदीयमान महिला खिलाड़ी (Upcoming Player of the Year) का असुंता लाक्रा पुरस्कार (Under 21 महिला) (₹ 10 लाख)**—दीपिका
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (बलजीत सिंह पुरस्कार ₹ 5 लाख)**—सविता
- **डिफेंडर ऑफ द ईयर (परगट सिंह पुरस्कार) (₹ 5 लाख)**—अमित रोहिदास
- **मिड फील्डर ऑफ द ईयर (अजित पाल सिंह पुरस्कार) (₹ 5 लाख)**—हार्दिक सिंह
- **फॉरवर्ड ऑफ द ईयर (धनराज पिल्लई पुरस्कार) (₹ 5 लाख)**—अभिषेक
- **अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार (₹ 5 लाख)**—प्रसार भारती
- **आउट स्टैंडिग एचीवमेंट हेतु हॉकी इण्डिया अध्यक्ष का पुरस्कार (₹ 5 लाख)**—बेटन कप हॉकी टूर्नामेंट

तेलुगू सिनेमा के सुपरस्टार चिरंजीवी को ब्रिटिश थिंक टैंक ब्रिज इंडिया का लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार

ब्रिटेन के थिंक टैंक ब्रिज इण्डिया ने तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी को सिनेमा, सार्वजनिक सेवा व परोपकार में अपने योगदान के लिए लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया है. उन्हें यह सम्मान लंदन में ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में एक समारोह में 19 मार्च, 2025 को प्रदान किया गया.

तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी को गत् वर्ष 2024 में भारत सरकार ने पद्म विभूषण से सम्मानित किया था.

विश्व सुंदरी 2025 प्रतियोगिता का आयोजन भी भारत में

विश्व सुंदरी (Miss World) 2024 प्रतियोगिता का आयोजन 2024 में भारत में मुम्बई में हुआ था. इस वर्ष 2025 की यह प्रतियोगिता भी भारत में ही सम्पन्न होगी. प्रतियोगिता के इस 72वें संस्करण का फाइनल 31 मई, 2025 को तेलंगाना में हैदराबाद में होगा. इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व वर्ष 2023 की फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड नंदिनी गुप्ता द्वारा किया जाएगा.

यह तीसरा अवसर होगा जब 1950 में शुरू हुई इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत में होगा. मुम्बई में 2024 में आयोजन से पूर्व 1996 में बेंगलुरु में यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई थी.

छत्तीसगढ़ के हिन्दी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार (2024)

छत्तीसगढ़ में रायपुर के रहने वाले हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को साहित्य के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु चुना गया है. वर्ष 2024 के लिए यह (59वाँ) पुरस्कार उन्हें प्रदान करने की घोषणा भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा 22 मार्च, 2025 को की गई. इस पुरस्कार के तहत् वाग्देवी (विद्या की देवी सरस्वती) की कांस्य प्रतिमा व प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 11 लाख की राशि प्रदान की जाती है. 88 वर्षीय विनोद शुक्ल यह पुरस्कार पाने वाले हिन्दी भाषा के बारहवें साहित्यकार हैं. हिन्दी साहित्यकारों में यह पुरस्कार पाने वालों में पं. सुमित्रा नंदन पंत, रामधारी सिंह दिनकर, महादेवी वर्मा, कुंवर नारायण व कृष्णा सोबती आदि प्रमुख शामिल हैं.



विनोद कुमार शुक्ल

- भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से किसी भाषा में योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया जाता है, किन्तु एक बार 2018 का यह पुरस्कार अंग्रेजी भाषा के लिए भी अमिताव घोष को दिया जा चुका है.
- 1982 तक यह पुरस्कार लेखक की किसी एकल कृति के लिए ही दिया जाता था, किन्तु उसके पश्चात् लेखक के किसी भाषा में समग्र योगदान के लिए दिया जाता है.
- पिछले वर्ष, वर्ष 2023 के लिए (58वाँ) ज्ञानपीठ पुरस्कार संस्कृत विद्वान स्वामी रामभद्राचार्य व उर्दू शायर गुलजार (सम्पूर्ण सिंह कालरा) को संयुक्त रूप से दिया गया था.

88 वर्षीय विनोद कुमार शुक्ल ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार हैं. उनका पहला कविता संग्रह **'लगभग जयहिंद'**, 1971 में प्रकाशित हुआ था. उनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाओं में उपन्यास-नौकर की कमीज (1979 जिस पर मणि कौल ने वर्ष 1999 में फिल्म भी बनाई थी), कविता संग्रह **सब कुछ होना बचा रहेगा** (1992) तथा उपन्यास **खिलेगा तो देखेंगे** व **दीवार में एक खिड़की रहती थी** (जिसके लिए 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार उन्हें मिला) बहुचर्चित रहे हैं.

ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार

वर्ष	पुरस्कार विजेता	वर्ष	पुरस्कार विजेता
1965	जी. शंकर कुरूप (मलयालम)	1996	श्रीमती महाश्वेता देवी (बांग्ला)
1966	ताराशंकर बंध्योपाध्याय (बांग्ला)	1997	अली सरदार जाफरी (उर्दू)
1967	(1) के. वी. पुटप्पा (कन्नड़)	1998	गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
	(2) उमाशंकर जोशी (गुजराती)	1999	(1) निर्मल वर्मा (हिन्दी)
1968	सुमित्रानन्दन पन्त (हिन्दी)		(2) गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
1969	फिराक गोरखपुरी (उर्दू)	2000	इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगू)	2001	राजेन्द्र केशवलाल शाह (गुजराती)
1971	विष्णु देव (बांग्ला)	2002	डी. जयकांतन (तमिल)
1972	रामधारी सिंह 'दिनकर' (हिन्दी)	2003	विंदा करंदीकर (मराठी)
1973	(1) डॉ. दत्तात्रेय रामचन्द्र बेन्द्रे (कन्नड़)	2004	रहमान राही (कश्मीरी)
	(2) गोपीनाथ मोहन्ती (ओडिया)	2005	कुँवर नारायण (हिन्दी)
1974	विष्णु सखा खाण्डेकर (मराठी)	2006	(1) रवीन्द्र केलकर (कोंकणी),
1975	पी. वी. अकिलन्दम (तमिल)		(2) सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)
1976	श्रीमती आशापूर्णा देवी (बांग्ला)	2007	ओ. एन. वी कुरूप (मलयालम)
1977	के. शिवराम करन्थ (कन्नड़)	2008	अखलाख मोहम्मद खान (शहरयार) (उर्दू)
1978	एस. एच. वी. अज्ञेय (हिन्दी)	2009	(1) अमरकांत (हिन्दी)
1979	डॉ. वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)		(2) श्री लाल शुक्ला (हिन्दी)
1980	एस. के. पोट्टेकट (मलयालम)	2010	चन्द्रशेखर कंवर (कन्नड़)
1981	अमृता प्रीतम (पंजाबी)	2011	प्रतिभा राय (ओडिया)
1982	महादेवी वर्मा (हिन्दी)	2012	डॉ. रावुरी भारद्वाज (तेलुगू)
1983	मस्ति वेंकटेश आयंगर (कन्नड़)	2013	प्रो. केदारनाथ सिंह (हिन्दी)
1984	थकाजी शिवशंकर पिल्लई (मलयालम)	2014	भालचन्द्र नेमाड़े (मराठी)
1985	पन्नालाल पटेल (गुजराती)	2015	रघुवीर चौधरी (गुजराती)
1986	सच्चिदानन्द राउत्रे (ओडिया)	2016	शंख घोष (बांग्ला)
1987	वि. वा. शिरवाडकर (मराठी)	2017	कृष्णा सोबती (हिन्दी)
1988	सी. नारायण रेड्डी (तेलुगू)	2018	अमिताव घोष (अंग्रेजी)
1989	कुर्रतुल एन. हैदर (उर्दू)	2019	अक्कीथम अच्युतम नम्बूथिरी (मलयालम)
1990	विनायक कृष्ण गोकाक (कन्नड़)	2021	नीलमणि फूकन (असमिया)
1991	सुभाष मुखोपाध्याय (बांग्ला)	2022	दामोदर मॉऊज़ो (कोंकणी)
1992	नरेश मेहता (हिन्दी)	2023	स्वामी रामभद्राचार्य (संस्कृत) व गुलजार (सम्पूर्ण सिंह कालरा) (उर्दू)
1993	डॉ. सीताकान्त महापात्र (ओडिया)		
1994	प्रो. यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)	2024	विनोद कुमार शुक्ल (हिन्दी)
1995	एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम)		

सरस्वती सम्मान 2024

के. के. बिड़ला फाउण्डेशन का साहित्य के क्षेत्र का प्रतिष्ठित (34वाँ) सरस्वती सम्मान प्रख्यात संस्कृत विद्वान महामहोपाध्याय साधु भद्रेश दास को संस्कृत भाषा की उनकी रचना **स्वामी नारायण सिद्धान्त सुधा** के लिए दिया जाएगा. वर्ष 2024 का यह पुरस्कार उन्हें प्रदान करने की घोषणा बिड़ला फाउण्डेशन द्वारा की गई. संस्कृत में पी.एच.डी. व डी. लिट की उपाधि प्राप्त भद्रेश दास **बोचासनवासी** श्री अक्षर पुरुषोत्तम **स्वामीनारायण** संस्था (BAPS) के संन्यासी हैं. उनके द्वारा रचित यह साहित्यिक ग्रन्थ इस तथ्य को रेखांकित करता है कि भारत में दार्शनिक अवधारणा की परम्परा केवल इतिहास की ही बात नहीं बल्कि आज भी नए दार्शनिक आविष्कारों को जन्म देने वाली जीवंत परम्परा है. इस ग्रन्थ के अध्ययन से संस्कृत भाषा की विश्वजयी सामर्थ्य को समझा जा सकता है.


साधू भद्रेश दास

भारत में साहित्य के क्षेत्र में सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक, इस पुरस्कार के तहत् सरस्वती की प्रतिमा व प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 15 लाख की राशि के. के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाती है. पिछले वर्ष, वर्ष 2023 का यह (33वाँ) सरस्वती सम्मान केरल के साहित्यकार प्रभा वर्मा को उनकी मलयाली काव्य कृति 'रौद्र सात्विकम' के लिए दिया गया था.

के. के. बिड़ला फाउण्डेशन का साहित्य के क्षेत्र का यह पुरस्कार संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भाषा में विगत् 10 वर्षों में प्रकाशित किसी उत्कृष्ट रचना के लिए दिया जाता है. इस पुरस्कार की स्थापना के. के. बिड़ला फाउण्डेशन द्वारा 1991 में की गई थी.

साहित्य के क्षेत्र में के. के. बिड़ला फाउण्डेशन के 2 अन्य पुरस्कार—व्यास सम्मान व बिहारी पुरस्कार हैं. इनमें सरस्वती सम्मान जहाँ भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भारतीय भाषा में विगत् 10 वर्षों में पहली बार प्रकाशित किसी उत्कृष्ट रचना के लिए दिया जाता है, वहीं व्यास सम्मान किसी भारतीय साहित्यकार को विगत् 10 वर्षों में हिन्दी में पहली बार प्रकाशित उत्कृष्ट रचना के लिए तथा बिहारी पुरस्कार राजस्थान के किसी साहित्यकार को विगत् 10 वर्षों में पहली बार हिन्दी/राजस्थानी में प्रकाशित किसी उत्कृष्ट रचना के लिए दिया जाता है. सरस्वती सम्मान के तहत् ₹ 15 लाख, व्यास सम्मान के तहत् ₹ 4 लाख तथा बिहारी पुरस्कार के तहत् ₹ 2·50 लाख की राशि अब प्रदान की जाती है.

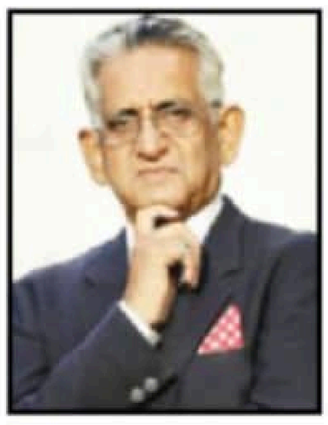
सरस्वती सम्मान से अब तक सम्मानित सभी साहित्यकारों की सूची

वर्ष	साहित्यकार का नाम	कृति/उपन्यास/काव्य
1991	हरिवंश राय बच्चन	आत्मकथा (हिन्दी)
1992	रमाकांत रथ	श्री राधा (कविता संग्रह), ओडिया
1993	विजय तेंदुलकर	कन्यादान (नाट्य), मराठी
1994	डॉ. हरभजन सिंह	रुख ते ऋषि (कविता संग्रह), पंजाबी
1995	बालमणि अम्मा	निवेद्यम (कविता संग्रह), मलयालम
1996	शमसुर रहमान फारुखी	शेर-ए-शोर अंगेज, उर्दू
1997	मनुभाई पंचोली 'दर्शक'	कुरुक्षेत्र, गुजराती
1998	प्रो. शंख घोष	गंधर्व कविता गुच्चा, बांग्ला
1999	इंद्रा पार्थसारथी	रामानुजार (नाट्य), तमिल
2000	मनोज दास	अमृताफल (उपन्यास), ओडिया
2001	दलीप कौर तिवाना	कथा कहो उर्वशी (उपन्यास), पंजाबी
2002	महेश अलकुंचवार	युगांत (नाट्य), मराठी
2003	प्रो. गोविन्द चन्द्र पांडे	भागीरथी (कविता), संस्कृत
2004	सुनील गंगोपाध्याय	प्रथम अलो (उपन्यास), बांग्ला
2005	प्रो. के. अय्यप्पा पणिकर	अयप्पा पानुकरुड़े कृति काल (कविता संग्रह), मलयालम
2006	जगन्नाथ प्रसाद दास	परिक्रमा (कविता संग्रह), ओडिया
2007	नैयर मसूद	ताऊस चमन की मैना (लघु कहानी संग्रह), उर्दू
2008	लक्ष्मी नंदन बोरा	कायाकल्प (उपन्यास), असमी
2009	सुरजीत पातर	लफ्जों दी दरगाह, पंजाबी
2010	प्रो. एस. एल. भयरप्पा	उपन्यास 'मंद्रा', कन्नड़
2011	ए.ए. मानवालन	इरामा कथायुम इरामायाकुलम, तमिल
2012	सुगाथा कुमारी	मनालेजुथु (कविता संग्रह), मलयालम
2013	गोविन्द मिश्र	धूल पौधों पर (उपन्यास), हिन्दी
2014	वीरप्पा मोइली	रामायण महान्वेषण (काव्य), कन्नड़
2015	पद्मा सचदेव	चित्त-चेते (आत्मकथा), डोगरी
2016	महाबलेश्वर सैल	हाउटन (उपन्यास), कोंकणी
2017	सितांशु यशचंद्र	वखार (कविता संग्रह), गुजराती
2018	के. शिवा रेड्डी	पक्काकि ओट्टिगिलिते (कविता संग्रह), तेलुगू
2019	वासदेव मोही	चैक बुक (लघु कथा संग्रह), सिंधी
2020	शरण कुमार लिंबले	सनातन (उपन्यास), मराठी
2021	रामदरश मिश्र	मैं तो यहाँ हूँ (कविता संग्रह), हिन्दी
2022	शिवशंकरी	सूर्य वामसम (स्मृति ग्रन्थ) (तमिल)
2023	प्रभा वर्मा	रौद्र सात्विकम (मलयालम)
2024	भद्रेश दास	स्वामीनारायण सिद्धान्त सुधा (संस्कृत)

निधन
(Death)

रमाकांत रथ

जाने-माने उड़िया कवि एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रमाकांत रथ का 16 मार्च, 2025 को भुवनेश्वर में निधन हो गया. वह 90 वर्ष के थे. भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहते हुए कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे रमाकांत रथ 1992 में ओडिशा के मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे.


रमाकान्त रथ

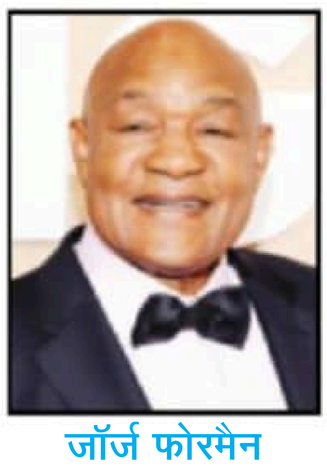
रथ के कुछ प्रमुख कविता संग्रहों में केटे दिनारा (1962), अनेका कोठारी (1967), संदिग्धा मृगया (1971), सप्तम ऋतु (1977), सचित्रा अंधारा (1982), श्री राधा (1985) और श्रेष्ठ कविता (1992) शामिल हैं. उनकी कुछ कविताओं का अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया है.

रथ को 1977 में साहित्य अकादमी पुरस्कार, 1984 में सरला पुरस्कार, 1990

में बिशुवा सम्मान, 1992 में सरस्वती सम्मान और 2009 में साहित्य अकादमी फैलोशिप से सम्मानित किया गया. साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 2006 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था.

जॉर्ज फोरमैन

विश्व के दिग्गज मुक्केबाजों में गिने जाने वाले अमेरिकी मुक्केबाज जॉर्ज फोरमैन (George Foreman) का 76 वर्ष की आयु में टेक्सास में ह्यूस्टन में 21 मार्च, 2025 को निधन हो गया. 1968 में ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने के पश्चात् पेशेवर मुक्केबाजी में प्रवेश करके 1973 में जो फ्रेजियर को हरा कर हैवीवेट मुक्केबाजी खिताब अपने नाम उन्होंने किया था. बाद में 1974 में अपने समय के सबसे धाकड़ मुक्केबाज मोहम्मद अली से वह पराजित हुए थे. मोहम्मद अली के साथ उनका 1974 में हुआ वह ऐतिहासिक मुकाबला **'रंबल इन द जंगल'** नाम से प्रसिद्ध हुआ था. बाद में एक दशक तक मुक्केबाजी से दूर रहने के पश्चात् 1994 में 45 वर्ष की उम्र में आने से 19 वर्ष छोटे **माइकल मूरै** को हराकर दूसरी बार हैवीवेट खिताब उन्होंने जीता था.



जॉर्ज फोरमैन

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

मार्च 2025

3 मार्च—विश्व वन्यजीव दिवस

(संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रति वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में मनाने का फैसला 20 दिसम्बर, 2013 को अपने 68वें सत्र में किया था.)

4 मार्च—राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

8 मार्च—अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

10 मार्च—राष्ट्रमण्डल दिवस (मार्च का दूसरा सोमवार)

12 मार्च—मॉरिशस दिवस (मॉरिशस का स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस)

14 मार्च—पाई (π) दिवस

15 मार्च—विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

16 मार्च—राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

18 मार्च—आयुध कारखाना दिवस (ऑर्डनेन्स फैक्ट्री दिवस)

20 मार्च—अन्तर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस (संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 28 जून, 2012 को स्वीकृत प्रस्ताव के आधार पर 20 मार्च को इण्टरनेशनल डे ऑफ हैप्पिनैस के रूप में प्रति वर्ष मनाया जाता है.)

20 मार्च—विश्व गौरैया दिवस

21 मार्च—विश्व वन दिवस

(प्रति वर्ष 21 मार्च को विश्व वन दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 28 नवम्बर, 2012 को पारित किया था.)

22 मार्च—बिहार दिवस

(1912 में 22 मार्च को बंगाल प्रेसीडेंसी के विभाजन के परिणामस्वरूप बिहार एक पृथक् राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था.)

22 मार्च—विश्व जल दिवस

23 मार्च—भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु का बलिदान दिवस.

23 मार्च—पाकिस्तान का राष्ट्रीय दिवस

(23 मार्च, 1940 को ऑल इण्डिया मुस्लिम लीग के लाहौर सम्मेलन में लाहौर प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसने बाद में पाकिस्तान के गठन के लिए आधार प्रदान किया. **स्वतंत्र पाकिस्तान का पहला संविधान भी बाद में 1956 में 23 मार्च को ही अंगीकृत किया गया था.**)

23 मार्च—विश्व मौसम विज्ञान दिवस

24 मार्च—विश्व क्षय रोग दिवस

26 मार्च—बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस व राष्ट्रीय दिवस

(बांग्लादेश की पाकिस्तान से मुक्ति यद्यपि 16 दिसम्बर, 1971 को हुई थी, इसके राष्ट्रपिता शेख मुजीब उर रहमान ने देश की स्वतंत्रता की घोषणा 26 मार्च, 1971 को ही कर दी थी. **इस उपलक्ष्य में 26 मार्च को ही देश के स्वतंत्रता दिवस व राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है.**)

27 मार्च—विश्व रंगमंच दिवस

30 मार्च—राजस्थान स्थापना दिवस

(तत्कालीन राजपूताना रियासतों के विलय के फलस्वरूप राजस्थान राज्य की स्थापना 30 मार्च, 1949 को हुई थी.)

पुस्तकें
(Books)

दियासलाई (आत्मकथा)—कैलाश सत्यार्थी

वॉइस फॉर द वॉइसलेस (Voice for the Voiceless)—दलाई लामा

थैंक यू फॉर लीविंग (Thank you for Leaving)—रित्विक सिंह

द केंटोन्मेन्ट कॉंसपिरेसी : ए मिलिट्री थ्रिलर (The Cantonment Conspiracy : A Military Thriller)

—जनरल मनोज नरवाने

दुर्घटना
(Accident)

वायु सेना का जगुआर विमान पंचकुला में दुर्घटनाग्रस्त : पायलट सुरक्षित

भारतीय वायु सेना का एक जगुआर विमान 7 मार्च, 2025 को हरियाणा के पंचकुला में तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था जिसने अंबाला से उड़ान भरी थी. तकनीकी खराबी का पता चलने पर पायलट नवीन रेड्डी पैराशूट की मदद से कूद कर अपनी जान बचाने में सफल रहे.

इस दुर्घटना से लगभग एक माह पूर्व वायु सेना का एक मिराज 2000 विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान ही मध्य प्रदेश में शिवपुरी में 6 फरवरी, 2025 को दुर्घटनाग्रस्त हुआ था.

तेलंगाना में नगरकुर्नूल में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा ढहने से 8 लोग फँसे

तेलंगाना के नगरकुर्नूल (Nagarkurnool) जिले में निर्माणाधीन एक सुरंग श्रीशैलम लैफ्ट बैंक कैनाल (SLBC) के एक हिस्से में छत ढहने से 8 लोग (इंजीनियर एवं श्रमिक) सुरंग के भीतर ही 22 फरवरी, 2025 को फँस गए. इन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सेना, नौसेना, एनडीआरएफ व अन्य विभिन्न एजेंसियों के विशेषज्ञ राहत अभियान में लगे रहे. इनमें से एक बोरिंग मशीन ऑपरेटर का शव 15 दिन पश्चात् 7 मार्च को बरामद किया जा सका. सुरंग में पानी व कीचड़ आदि होने के कारण इनके फँसे होने के स्थान का भी पता यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक नहीं लग सका था.

उत्तराखण्ड में चमोली में भारी बर्फबारी के बीच ग्लेशियर टूटा

चमोली में माणा गाँव में सीमा सड़क संगठन (BRO) के साथ काम कर रहे 54 मजदूर खराब मौसम के कारण 28 फरवरी, 2025 को प्रातः एक ग्लेशियर टूटने से बर्फ में फँस गए. सीमा सड़क संगठन, आईटीबीपी व आपदा प्रबंधन विभाग के जवानों ने राहत अभियान चलाकर इनमें से 50 को बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की तथा चार मजदूरों के शव दो दिन बाद निकाले जा सके. जीवित निकाले गए 50 मजदूरों में से भी 4 की मृत्यु अस्पताल में हो गई. इस प्रकार कुल 8 मजदूर इस हिमस्खलन में मारे गए.

विविध
(Miscellaneous)

धर्म गार्जियन 2025 : भारत व जापान के सैन्य बलों का संयुक्त अभ्यास

भारतीय सेना व जापान की ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (JGSDF) के बीच दो सप्ताह

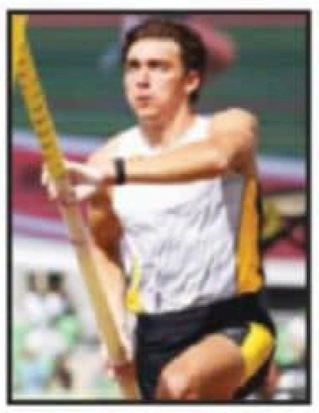
शेष पृष्ठ 52 पर



एथलेटिक्स

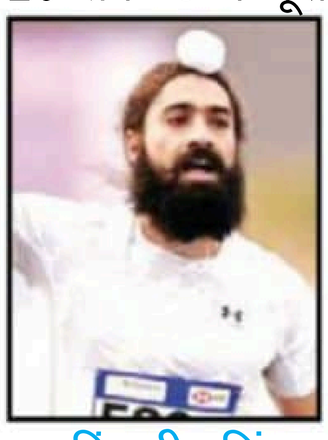
डुप्लांटिस का पोल वाल्ट में 11वीं बार विश्व रिकॉर्ड

स्वीडिश अमेरिकन पोल वाल्टर आर्मंड डुप्लांटिस, जिन्हें मोंडो डुप्लांटिस (Mondo Duplantis) नाम से भी जाना जाता है, ने 28 फरवरी, 2025 को फ्रांस में एक इनडोर एथलेटिक्स मीट में पोल वाल्ट में 6·27 मी की छलांग लगाकर अपने ही विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया. दो बार के ओलम्पिक एवं विश्व चैम्पियन डुप्लांटिस ने 11वीं बार पोल वाल्ट का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है.


डुप्लांटिस

पुरुषों की 100 मी दौड़ में गुरिंदरवीर सिंह का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड : 17 माह पुराना रिकॉर्ड भंग

पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 28 मार्च, 2025 को बेंगलुरु में इण्डियन ग्राण्ड प्रिक्स-1 में 100 मी की दौड़ 10·20 सेकण्ड में पूरी करके न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि इस स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. इस स्पर्धा में पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10·23 सेकण्ड का था, जो मणिकांत होबलीधर ने अक्टूबर 2023 में स्थापित किया था.


गुरिंदरवीर सिंह

28 मार्च, 2025 की इण्डियन ग्राण्ड प्रिक्स में मणिकांत ने भी 10·22 सेकण्ड का समय लेकर अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया, किन्तु पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 10·20 सेकण्ड का समय लेकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया.

कैरम

राष्ट्रीय कैरम चैम्पियनशिप (2025)

नई दिल्ली में मार्च 2025 में सम्पन्न 52वीं राष्ट्रीय कैरम चैम्पियनशिप (2025) में पुरुष वर्ग का खिताब रिजर्व बैंक के प्रशांत मोर ने व महिला वर्ग का खिताब तमिलनाडु की एल. कीर्तना ने जीता. 21 मार्च को फाइनल मुकाबलों में पूर्व विश्व चैम्पियन प्रशांत ने जैन इरिगेशन सिस्टम्स लि. के संदीप डिवे को तथा कीर्तना ने पेट्रोलियम स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की विश्व चैम्पियन एम. खाजिमा को पराजित किया.

इससे पूर्व टीम खिताबों के लिए सम्पन्न मुकाबलों में पुरुष वर्ग में तमिलनाडु का शीर्ष स्थान रहा. दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः असम, विदर्भ व महाराष्ट्र का रहा. महिला वर्ग में भी तमिलनाडु की टीम ही विजेता रही, जबकि दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः महाराष्ट्र, चण्डीगढ़ व बंगाल का रहा.

संस्थागत टीमों में जैन इरिगेशन सिस्टम्स लि. (JISL) की टीमें ही पुरुष व महिला दोनों वर्गों में विजेता रहीं. पुरुष वर्ग में आरबीआई की टीम तथा महिला वर्ग में पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB) की टीमें दूसरे स्थान पर रहीं.

शतरंज

भारत के प्रणव वेंकटेश फिडे अंडर-20 विश्व शतरंज चैम्पियन

भारत के प्रणव वेंकटेश ने मोंटेनेग्रो के पेट्रोवाक में आयोजित फिडे (अंडर-20) विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब 7 मार्च, 2025 को अपने नाम किया. **18 वर्षीय प्रणव विश्व जूनियर चैम्पियनशिप जीतने वाले चौथे भारतीय हैं.** उनसे पूर्व विश्वनाथन आनंद 1987 में, पी. हरिकृष्ण 2004 में तथा अभिजीत गुप्ता 2008 में यह खिताब जीतने में सफल रहे थे.


प्रणव वेंकटेश

भारत के अरविंद चिदम्बरम् प्राग मास्टर्स शतरंज विजेता

शतरंज में भारत का दबदबा जारी रखते हुए ग्रांड मास्टर अरविंद चिदम्बरम् ने 7 मार्च को प्राग में प्राग इंटरनेशनल मास्टर्स शतरंज प्रतियोगिता में सर्वाधिक 6 अंक अर्जित करके जीत हासिल की. भारत के ही आर. प्रगनानंद दो अन्य खिलाड़ियों के साथ 5-5 अंक अर्जित कर टेबल सूची में चौथे स्थान पर रहे.

जिम्नास्टिक

भारत की प्रणति नायक को विश्व कप में कांस्य पदक

टोक्यो ओलम्पिक खेलों में जिमनास्टिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी 29 वर्षीय जिमनास्ट प्रणति नायक ने गत 22 मार्च को तुर्किये में अंताल्या में विश्व कप जिमनास्टिक में वाल्ट फाइनल में 13·417 का स्कोर बना कर कांस्य पदक जीता. 13·667 व 13·567 स्कोर के साथ अमेरिकी जिमनास्ट ने पहले दोनों स्थान प्राप्त किए.


प्रणति नायक

प. बंगाल की कलात्मक जिमनास्ट प्रणति नायक, दीपा करमाकर व अरुणा रेड्डी के पश्चात् वाल्ट पर अन्तर्राष्ट्रीय पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जिमनास्ट हैं तथा ओलम्पिक खेलों के लिए क्वालिफाई करने वाली वह दीपा करमाकर के बाद केवल दूसरी भारतीय महिला जिमनास्ट हैं.

उल्लेखनीय है कि त्रिपुरा की 30 वर्षीय जिमनास्ट दीपा करमाकर को 2015 में अर्जुन पुरस्कार से, 2016 में मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार से तथा वर्ष 2017 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

बैडमिन्टन

ऑल इंग्लैण्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2025)

ऑल इंग्लैण्ड बैडमिन्टन टूर्नामेन्ट का 115वाँ संस्करण इंग्लैण्ड में बर्मिंघम में 11–16 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुआ. इसमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः शी युकी (Shi Yuqi) व आन से-यंग (An Se-young) ने जीते. चीन के शी युकी ने फाइनल मुकाबले में ताइवान के ली चिया हाओ को हरा कर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए चीन की वांग शी-यी को फाइनल में द. कोरिया की आन से-यंग ने हराया.

बीडब्ल्यूएफ के सुपर 1000 लेवल के इस टूर्नामेन्ट में पुरुषों का युगल खिताब किम वॉन-हो व सेयो साँग-जाय की द. कोरिया की जोड़ी ने फाइनल में इण्डोनेशियाई जोड़ी को हराकर जहाँ जीता, वहीं महिलाओं का युगल नामी मत्सुमाया व चिहारू शिडा की जापान की जोड़ी ने फाइनल में अपने ही देश की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता. इस टूर्नामेन्ट के मिश्रित युगल खिताब के लिए गुओ शिनवा व शेन फांग हुई की चीनी जोड़ी ने अपने ही देश की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

ऑल इंग्लैण्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2025) (11–16 मार्च, 2025, बर्मिंघम, इंग्लैण्ड) (विजेता एवं उपविजेता)		
पुरुष एकल	**विजेता**	शी युकी (चीन)
	उपविजेता	ली चिया हाओ (चीनी ताइपे/ताइवान)
महिला एकल	**विजेता**	आन से-यंग (द. कोरिया)
	उपविजेता	वांग शी-यी (चीन)
पुरुष युगल	**विजेता**	किम वॉन-हो व सेयो साँग-जाय (दोनों दक्षिण कोरिया)
	उपविजेता	लियो रोली कार्नान्डो और बागास मौलाना (दोनों इण्डोनेशिया)
महिला युगल	**विजेता**	नामी मत्सुमाया व चिहारू शिडा (दोनों जापान)
	उपविजेता	युकी फुकुशिमा व मायु मत्सुमोटो (दोनों जापान)
मिश्रित युगल	**विजेता**	गुओ शिनवा व शेन फांग हुई (दोनों चीन)
	उपविजेता	फेंग यांनझे व वी याक्सिन (दोनों चीन)

टेनिस

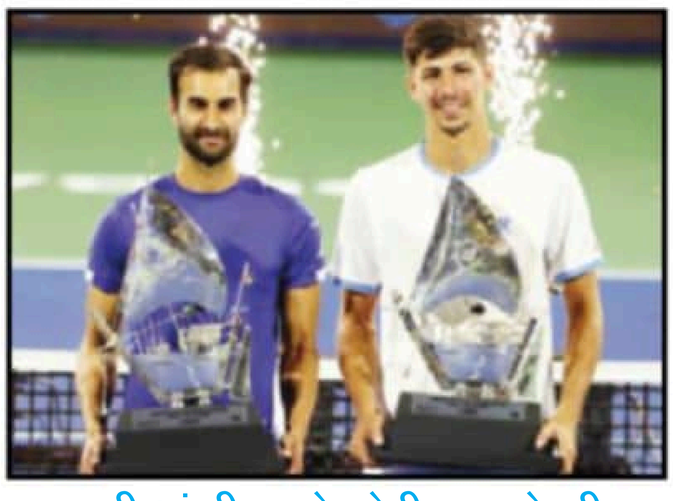
इण्डियन वेल्स ओपन (बीएनपी परिबास ओपन) 2025

वर्ष 2025 का इण्डियन वेल्स ओपन, जिसे बीएनपी परिबास ओपन टूर्नामेन्ट नाम से भी जाना जाता है, अमेरिका में कैलीफोर्निया में 3-16 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुआ. लेवल 1000 के इस टूर्नामेन्ट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः जैक ड्रेपर (Jack Draper) व मिरा एंड्रीवा (Mirra Andreeva) ने जीते. पुरुषों के लिए एटीपी के इस 51वें संस्करण में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने फाइनल मुकाबले में डेनमार्क के होल्गर रूयून को पराजित किया. जबकि महिलाओं के लिए डब्ल्यूटीए के 36वें संस्करण में एकल खिताब के लिए बेलारूस की आर्यना सबालेंका को फाइनल में रूस की मिरा एंड्रीवा ने हराया. पुरुषों का युगल खिताब मार्सेलो आरेवालो (एल सेल्वेडोर) व मेट पैविक (क्रोएशिया) की जोड़ी ने तथा महिलाओं का युगल खिताब आसिया मुहम्मद (अमेरिका) व डेमी शर्स (नीदरलैण्ड्स) की जोड़ी ने जीता, जबकि मिश्रित युगल खिताब सारा इरानी व आंद्रिया वावासोरी की इटली की जोड़ी ने बेथानी मैटेक सैंड्स (अमेरिका) व मेट पैविक (क्रोएशिया) की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

इण्डियन वेल्स ओपन (बीएनपी परिबास ओपन) 2025 (3–16 मार्च, 2025, इण्डियन वेल्स, कैलीफोर्निया (यूएसए) (विजेता एवं उपविजेता)		
पुरुष एकल	**विजेता**	जैक ड्रेपर (ब्रिटेन)
	उपविजेता	होल्गर रूयून (डेनमार्क)
महिला एकल	**विजेता**	मिरा एंड्रीवा (रूस)
	उपविजेता	आर्यना सबालेंका (बेलारूस)
पुरुष युगल	**विजेता**	मार्सेलो आरेवालो (एल सेल्वेडोर) व मेट पैविक (क्रोएशिया)
	उपविजेता	सेबास्टियन कोर्डा (अमेरिका) व जोर्डन थॉमसन (ऑस्ट्रेलिया)
महिला युगल	**विजेता**	आसिया मुहम्मद (अमेरिका) व डेमी शर्स (नीदरलैण्ड्स)
	उपविजेता	टेरेजा मिहाली कोवा (स्लोवाकिया) व ओलिविया निकोलस (ब्रिटेन)
मिश्रित युगल	**विजेता**	सारा इरानी व आंद्रिया वावासोरी (दोनों इटली)
	उपविजेता	बेथानी मैटेक सैंड्स (अमेरिका) व मेट पैविक (क्रोएशिया)

भारत के युकी भांबरी का लेवल 500 टेनिस में पहला युगल खिताब : दुबई ओपन

भारत के टेनिस स्टार युकी भांबरी ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पॉपिरिन (Alexei Popyrin) के साथ जोड़ी बनाकर एटीपी लेवल 500 के दुबई ओपन टेनिस में युगल खिताब जीतने में सफल रहे. इस खिताब के लिए ब्रिटेन के हेनरी पैटेन व फिनलैण्ड के हैरी हेलियोवारा की जोड़ी को 1 मार्च, 2015 को उन्होंने फाइनल में 3-6, 7-6, 10-8 से पराजित



युकी भांबरी अपने जोड़ीदार एलेक्सी पॉपिरिन के साथ, ट्रॉफियों के साथ

किया. **युकी भांबरी का यह पहला ही लेवल 500 खिताब है.**

इस टूर्नामेन्ट का एकल खिताब ग्रीस के स्टेफानोस त्सितसिपास ने फाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑगर आलियासिमे को हराकर अपने नाम किया.

बेंगलुरु ओपन टेनिस (2025)

बेंगलुरु में 23 फरवरी-2 मार्च, 2025 को सम्पन्न पुरुषों के (8वें) एटीपी बेंगलुरु ओपन टेनिस टूर्नामेन्ट में एकल खिताब अमेरिका के ब्रैंडन होल्ट ने फाइनल में जापान के शिंतारो मोचिजुकी को हराकर अपने नाम किया, जबकि युगल खिताब के लिए भारत के अनिरुध चन्द्रशेखर व चीनी ताइपे के रे हो की जोड़ी ने ब्लेक बेलडोन व मैथ्यू के. रोमियोस की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को फाइनल में हराया.

फॉर्मूला-1 रेस

मार्च 2025 में दो फार्मूला-1 रेसों (ऑस्ट्रेलियाई व चीनी ग्रांड प्रिक्स) का आयोजन

वर्ष 2025 की पहली दो फार्मूला-1 रेसों का आयोजन मार्च माह में हुआ. इनमें वर्ष की पहली ऑस्ट्रेलियाई ग्रा. प्रि. व दूसरी चीनी ग्रांड प्रिक्स शामिल थीं. 16 मार्च को मेलबर्न में आयोजित ऑस्ट्रेलियाई रेस में मैक्लॉरेन टीम के ब्रिटिश चालक लैंडो नॉरिस विजेता रहे, जबकि उनसे 0·895 सेकण्ड पीछे रहते हुए रैडबुल के एम. वर्स्टापेन का इसमें दूसरा स्थान रहा.

23 मार्च, 2025 को शंघाई में सम्पन्न वर्ष 2025 की दूसरी, चीनी ग्रांड प्रिक्स रेस में मैक्लॉरेन टीम के ही ओ. पिआस्त्री व लैंडो नॉरिस क्रमशः विजेता व उपविजेता रहे.

क्रिकेट

रणजी ट्रॉफी (2024-25) : विदर्भ टीम विजेता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का सत्र 2024-25 का रणजी ट्रॉफी टूर्नामेन्ट विदर्भ की टीम ने फाइनल मुकाबले में केरल को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर जीतने में सफलता प्राप्त की. अक्षय वाडेकर की कप्तानी वाली विदर्भ टीम ने नागपुर में खेले गए फाइनल मैच में पहली पारी में 379 रन बनाने के बाद केरल टीम को 342 रन पर ही समेट कर 37 रनों की बढ़त प्राप्त कर ली थी. इसी बढ़त के आधार पर ड्रॉ रहे मैच में



रणजी ट्रॉफी के साथ विदर्भ टीम का उल्लास

विदर्भ को विजेता घोषित किया गया. **विदर्भ टीम ने तीसरी बार यह ट्रॉफी जीती है. इससे पूर्व 2017-18 व 2018-19 में विदर्भ ने यह ट्रॉफी जीती थी.** पिछले 2023-24 सत्र में विदर्भ टीम इस टूर्नामेन्ट में उपविजेता रही थी. अक्टूबर 2024 से शुरू हुए इस टूर्नामेन्ट में कुल 38 टीमें शामिल थीं. विदर्भ टीम के हर्ष दुबे ने सर्वाधिक 69 विकेट टूर्नामेन्ट में लिए. उन्हें ही **प्लेयर ऑफ द सीरीज़** घोषित किया गया. टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 960 रन विदर्भ के ही यश राठौर ने बनाए. इस खिताबी जीत के लिए ₹ 5 करोड़ की राशि विदर्भ टीम को बीसीसीआई द्वारा दी गई. उपविजेता केरल को ₹ 3 करोड़ मिले. विदर्भ क्रिकेट संघ ने अलग से ₹ 3 करोड़ के इनाम की घोषणा विदर्भ टीम के लिए की. मुख्य कोच उस्मान अली व सहयोगी स्टाफ के लिए अलग से पुरस्कार विदर्भ क्रिकेट संघ द्वारा घोषित किए गए.

विविध

ट्यूरिन में विशेष ओलम्पिक विश्व शीतकालीन खेलों में भारत के 33 पदक

इटली में ट्यूरिन (Turin) में 8-15 मार्च, 2025 को सम्पन्न 12वें विशेष ओलम्पिक विश्व शीतकालीन खेलों (XII Special Olympics World Winter Games–TURIN 2025) में भारत ने 8 स्वर्ण, 18 रजत व 7 कांस्य सहित कुल 33 पदक विभिन्न श्रेणियों में जीते. बौद्धिक विकलांगता वाले प्रतिभागियों के लिए आयोजित किए जाने वाले इन खेलों में भारत ने 10 पदक स्नो शोइंग में, 10 एल्पाइन स्कीइंग में, 6 स्नो बोर्डिंग में, 4 शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में, 2 पदक क्रॉस कंट्री स्कीइंग में तथा 1 पदक फ्लोरबॉल में जीता.

लगभग 100 देशों के तीन हजार से अधिक प्रतिभागी इन खेलों में शामिल थे. विशेष ओलम्पिक विश्व खेल (Special Olympics World Games), जिन्हें विशेष ओलम्पियाड (Special Olympiad) के नाम से भी जाना जाता है, बौद्धिक विकलांगता वाले प्रतिभागियों के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय खेल आयोजन है, जिसका आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) द्वारा मान्यता प्राप्त विशेष ओलम्पिक संगठन द्वारा किया जाता है. विशेष ओलम्पिक ग्रीष्मकालीन खेलों का आयोजन वर्ष 1968 में तथा शीतकालीन विश्व खेलों का आयोजन वर्ष 1977 में प्रारम्भ हुआ था. ऐसे पिछले विशेष ओलम्पिक विश्व ग्रीष्मकालीन (16वें) खेल वर्ष 2023 में बर्लिन में हुए थे तथा आगामी 17वें खेल चिली में सैंटियागो में 19-31 अक्टूबर, 2027 को सम्पन्न होंगे. पिछले (11वें) ***विशेष ओलम्पिक विश्व शीतकालीन खेल 2017 में ऑस्ट्रिया में सम्पन्न हुए थे तथा कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में यह खेल नहीं कराए गए थे तथा 12वें ऐसे शीतकालीन खेल अब 8-15 मार्च, 2025 को इटली में ट्यूरिन में कराए गए हैं. आगामी 13वें विशेष ओलम्पिक विश्व शीतकालीन खेल 10-17 मार्च, 2029 को स्विट्जरलैण्ड में ज्यूरिख (Zurich) में होंगे.***



न्यूजीलैण्ड को फाइनल में हराकर भारत तीसरी बार बना आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का विजेता



पाकिस्तान की मेजबानी में 19 फरवरी–9 मार्च, 2025 को पाकिस्तान व संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए आईसीसी (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद्) चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेन्ट का 9वाँ संस्करण न्यूजीलैण्ड को फाइनल में 4 विकेट से हराकर भारत ने जीता है. (इस टूर्नामेन्ट के भारत ने सभी मैच दुबई में खेले थे.) जून 2024 में आईसीसी का टी-20 विश्व कप जीतने के 9 माह के भीतर रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने आईसीसी के एकदिवसीय मैच के इस टूर्नामेन्ट को जीतने में सफलता प्राप्त की है. **पूरे टूर्नामेन्ट में अजेय रही भारतीय टीम ने ग्रुप मैचों में बांग्लादेश को 6 विकेट से, पाकिस्तान को भी 6 विकेट से तथा न्यूजीलैण्ड को 44 रन से हराने के पश्चात् सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया था.** अन्त में फाइनल मुकाबला न्यूजीलैण्ड के साथ था. 9 मार्च को पहले खेलते हुए 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 251 रन न्यूजीलैण्ड की टीम ने बनाए जिसके जबाव में भारतीय टीम ने 49 ओवर में 6 विकेट खोकर ही 254 रन बनाने में सफलता प्राप्त की. **भारत की इस पारी में मैन ऑफ द फाइनल मैच रहे रोहित शर्मा (76 रन) व अन्य खिलाड़ी जैसे–श्रेयस अय्यर (48 रन), अक्षर पटेल (29 रन) व के. एल. राहुल (34 रन) का विशेष योगदान रहा.** इस खिताबी विजय के लिए 22·4 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि आईसीसी द्वारा भारतीय टीम को प्रदान की गई (बीसीसीआई व अन्य एजेंसियों द्वारा दिए गए पुरस्कार अलग हैं) जबकि उपविजेता न्यूजीलैण्ड टीम को 11·2 लाख डॉलर मिले. **भारतीय टीम ने सर्वाधिक तीसरी बार यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की है.** भारत सर्वप्रथम वर्ष 2002 में श्रीलंका के साथ इस ट्रॉफी का संयुक्त विजेता रहा था.



ट्रॉफी के साथ भारतीय टीम का उल्लास

इसके बाद वर्ष 2013 में इंग्लैण्ड को फाइनल में हराकर भारत ने इस ट्रॉफी का अपना दूसरा खिताब जीता था. उल्लेखनीय है कि भारत वर्ष 2000 और 2017 में इसका उपविजेता रहा था. इस खिताबी विजय के लिए टीम को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई दी.

इस वर्ष इस टूर्नामेन्ट में भारतीय टीम में निम्नलिखित खिलाड़ी शामिल थे–

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवीन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और वाशिंगटन सुंदर.

भारतीय टीम के प्रधान कोच गौतम गम्भीर थे. फाइनल में पहुँची न्यूजीलैण्ड टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर थे. 19 दिन तक चले इस टूर्नामेन्ट में कुल 8 टीमें शामिल थीं जिन्हें ग्रुप स्टेज में 4-4 टीमों के दो समूहों में बाँटा गया था. इनमें भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैण्ड व बांग्लादेश जहाँ गुप ए में थे, वहीं दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान व इंग्लैण्ड को ग्रुप बी में रखा गया था.

फाइनल व सेमीफाइनल सहित कुल 15 मैच इस टूर्नामेन्ट में खेले गए. टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 263 रन न्यूजीलैण्ड के रचिन रविन्द्र ने बनाए. उन्हें ही प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया. टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 10 विकेट भी न्यूजीलैण्ड के ही फास्ट बॉलर मैट हेनरी ने लिए.

आईसीसी टीम ऑफ द टूर्नामेन्ट–टूर्नामेन्ट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेन्ट (2025) में सर्वाधिक खिलाड़ी भारत के शामिल किए गए हैं. न्यूजीलैण्ड के मिचेल सैंटनर को टीम का कप्तान बनाया गया है. खिलाड़ियों के नाम निम्नलिखित हैं–

रचिन रविंद्र (न्यूजीलैण्ड), इब्राहिम जदरान (अफगानिस्तान), विराट कोहली (भारत), श्रेयस अय्यर (भारत), के.एल. राहुल (विकेट कीपर) (भारत), ग्लेन फिलिप्स (न्यूजीलैण्ड), अजमतुल्लाह उमरजई (अफगानिस्तान), मिचेल सैंटनर (कप्तान) (न्यूजीलैण्ड), मोहम्मद शमी (भारत), मैट हेनरी (न्यूजीलैण्ड), वरुण चक्रवर्ती (भारत), अक्षर पटेल (भारत).

इस टूर्नामेन्ट की शुरुआत 1998 में हुई थी तथा मूलतः इसका आयोजन आईसीसी नॉक आउट ट्रॉफी नाम से 2 वर्ष में एक बार होता था. वर्ष 2000 के पश्चात् इसका नाम चैम्पियंस ट्रॉफी कर दिया गया था तथा 2009 के बाद इसे 4 वर्ष में एक बार होने वाला आयोजन बना दिया गया. 2017 के बाद यह आयोजन रद्द करने की घोषणा की गई थी जिससे 2021 में यह टूर्नामेन्ट नहीं हुआ. बाद में 2025 से इसे पुनः प्रारम्भ किया गया है. इस प्रकार 2025 का यह 9वाँ संस्करण 8 वर्ष के अन्तराल पर हुआ है.

चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर विजेता टीम के लिए आईसीसी द्वारा घोषित पुरस्कार राशि 22·4 लाख डॉलर (लगभग ₹ 19·27 करोड़) तो भारतीय क्रिकेट टीम को मिले ही थे, टीम के लिए **₹ 58 करोड़ के नकद पुरस्कारों की घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अलग से बाद में की है. बीसीसीआई की घोषणा के तहत् ₹** 3-3 करोड़ टीम में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों और मुख्य कोच गम्भीर को मिलेंगे, जबकि ₹ 50-50 लाख बाकी कोचिंग स्टाफ को तथा ₹ 25-25 लाख बीसीसीआई से जुड़े अन्य अधिकारी जैसे–वीडियो एनालिस्ट, लायजन अफसर, मीडिया मैनेजर सहित अन्य सदस्यों को दिए जाएंगे. इनके अतिरिक्त ₹ 30 लाख चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को भी बीसीसीआई के इन पुरस्कारों के तहत् दिए जाएंगे.

इससे पूर्व ₹ 19·27 करोड़ जो आईसीसी से भारतीय टीम को पुरस्कार के रूप में मिले थे, उसमें से प्रत्येक खिलाड़ी को ₹ 1·43 करोड़ मिले थे.

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के प्रमुख कीर्तिमान

टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 बल्लेबाज

क्र.	बल्लेबाज	कुल रन/मैच
1.	रचिन रविन्द्र (न्यूजीलैण्ड)	263/4
2.	श्रेयस अय्यर (भारत)	243/5
3.	बेन डकेट (इंग्लैण्ड)	227/3
4.	जो रूट (इंग्लैण्ड)	225/3
5.	विराट कोहली (भारत)	218/5

सर्वाधिक विकेट लेने वाले 5 गेंदबाज

क्र.	गेंदबाज	कुल विकेट/मैच/पारियाँ
1.	मैट हेनरी (न्यूजीलैण्ड)	10/4
2.	वरुण चक्रवर्ती (भारत)	9/3
3.	मोहम्मद शमी (भारत)	9/5
4.	मिशेल सैंटनर (न्यूजीलैण्ड)	7/5
5.	कुलदीप यादव (भारत)	7/5

5 सर्वोच्च व्यक्तिगत पारियाँ

क्र.	बल्लेबाज	रन (बॉल)	विरुद्ध
1.	इब्राहिम जदरान (अफगानिस्तान)	177(146)	इंग्लैण्ड
2.	बेन डकेट (इंग्लैण्ड)	165(143)	ऑस्ट्रेलिया
3.	जोश इंगलिस (ऑस्ट्रेलिया)	120*(86)	इंग्लैण्ड
4.	जो रूट (इंग्लैण्ड)	120(111)	अफगानिस्तान
5.	टॉम लैथम (न्यूजीलैण्ड)	118*(104)	पाकिस्तान

5 सर्वोच्च टीम स्कोर

क्र.	टीम	स्कोर	विरुद्ध	तिथि
1.	न्यूजीलैण्ड	362/6	द. अफ्रीका	5 मार्च, 2025
2.	ऑस्ट्रेलिया	356/5	इंग्लैण्ड	22 फरवरी, 2025
3.	इंग्लैण्ड	351/8	ऑस्ट्रेलिया	22 फरवरी, 2025
4.	अफगानिस्तान	325/7	इंग्लैण्ड	26 फरवरी, 2025
5.	न्यूजीलैण्ड	320/5	पाकिस्तान	19 फरवरी, 2025

सर्वाधिक छक्के

क्र.	बल्लेबाज	छक्के/मैच/पारियाँ
1.	अजमतुल्लाह उमरजई (अफगानिस्तान)	8/3/3
2.	ग्लेन फिलिप्स (न्यूजीलैण्ड)	8/5/5
3.	इब्राहिम जदरान (अफगानिस्तान)	7/3/3
4.	रासी वैन डेर डूसन (द. अफ्रीका)	7/3/3

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के विभिन्न आयोजन के विजेता और उपविजेता

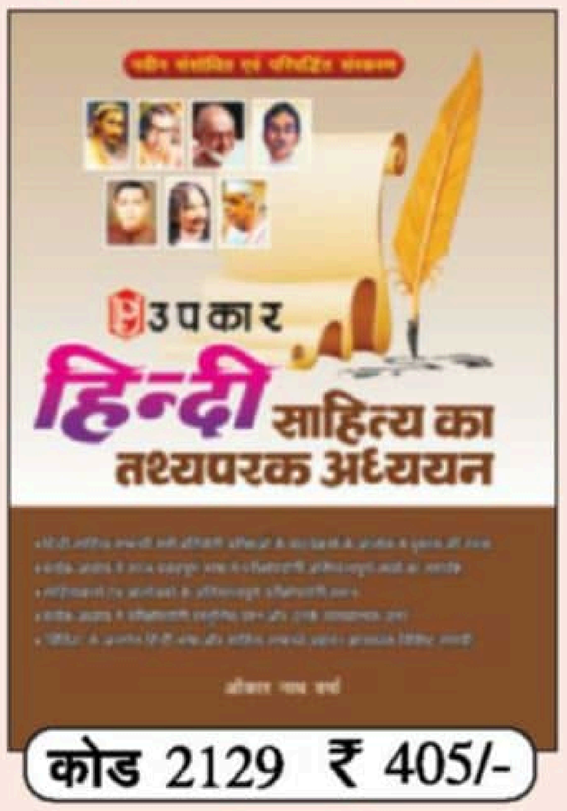
क्र.	वर्ष	मेजबान	विजेता	उपविजेता
1.	1998	बांग्लादेश	दक्षिण अफ्रीका	वेस्टइंडीज
2.	2000	केन्या	न्यूजीलैण्ड	भारत
3.	2002	श्रीलंका	भारत और श्रीलंका (संयुक्त विजेता)	—
4.	2004	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	इंग्लैण्ड
5.	2006	भारत	ऑस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज
6.	2009	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैण्ड
7.	2013	इंग्लैण्ड और वेल्स	भारत	इंग्लैण्ड
8.	2017	इंग्लैण्ड और वेल्स	पाकिस्तान	भारत
9.	2025	पाकिस्तान	भारत	न्यूजीलैण्ड

उपकार

हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन

यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन.वी.एस., डी.एस.एस.एस.बी., पी.जी.टी., टी.जी.टी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक

लेखक : ओंकार नाथ वर्मा



कोड 2129 ₹ 405/-

विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.

प्रमुख आकर्षण

➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविध

उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : sales@upkar.in
• Website : www.upkar.in

मुम्बई इण्डियंस बीसीसीआई के तीसरे महिला प्रीमियर लीग की विजेता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के महिलाओं के तीसरे प्रीमियर लीग (Women's Premier League–WPL) का आयोजन 14 फरवरी-15 मार्च, 2025 को हुआ. इसका खिताब दिल्ली कैपिटल्स टीम को फाइनल में 8 रन से हराकर हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली मुम्बई इण्डियंस ने जीता. मुम्बई टीम ने 3 वर्ष में दूसरी बार बीसीसीआई का महिलाओं का यह लीग टूर्नामेन्ट जीतने में सफलता प्राप्त की है. **इससे पूर्व 2023 में इस लीग का पहला संस्करण मुम्बई इण्डियंस टीम ने ही जीता था.**

पुरुषों के आईपीएल की तर्ज पर खेले गए महिलाओं के इस लीग टूर्नामेन्ट में टीमों की कुल संख्या पिछली बार की तरह इस बार भी 5 ही थी. इन टीमों व उनके कप्तानों के नाम निम्नलिखित है–

टीम	कप्तान
दिल्ली कैपिटल्स	मेग लेनिंग (ऑस्ट्रेलिया)
गुजरात जायंट्स	एश्ले गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया)
मुम्बई इण्डियंस	हरमनप्रीत कौर (भारत)
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	स्मृति मंधाना (भारत)
यूपी वारियर्स	दीप्ति शर्मा (भारत)

इस वर्ष इन टीमों के लिए खिलाड़ियों के लिए मिनी नीलामी बेंगलुरु में 15 दिसम्बर, 2024 को हुई थी, जिसमें 19 खिलाड़ी (5 विदेशी खिलाड़ियों सहित) टीमों के फ्रैंचाइजियों द्वारा रिक्त स्थानों के लिए खरीदे गए थे जिनमें सर्वाधिक मूल्य (₹ 1·90 करोड़) भारत की ही अनकैप्ड प्लेयर सिमरन शेख के लिए गुजरात जायंट्स ने दिया था.



ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती मुम्बई इण्डियंस की टीम व नीता अम्बानी

- 29 दिन चले इस टूर्नामेन्ट के दौरान कुल 22 मैच बेंगलुरु, लखनऊ, मुम्बई व वडोदरा में खेले गए. प्ले ऑफ दौर के पश्चात् फाइनल में स्थान बनाने वाली दो टीमें मुम्बई इण्डियंस व दिल्ली कैपिटल्स थीं. 15 मार्च, 2025 को मुम्बई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 रन से हराकर मुम्बई इण्डियंस ने खिताब जीता.
- इस खिताब के लिए ₹ 6 करोड़ की राशि मुम्बई इण्डियंस को पुरस्कार में दी गई, जबकि उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स को ₹ 3 करोड़ मिले. मुम्बई इण्डियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया.

  प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मुम्बई इण्डियंस की इंगलिश प्लेयर नैट स्काइवर ब्रंट को दिया गया.
- टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक रन (523) बनाने के लिए ऑरेंज कैप भी नैट स्काइवर ब्रंट (मुम्बई इण्डियंस) को मिली, जबकि सर्वाधिक विकेट मुम्बई इण्डियंस की अमेलिया केर (न्यूजीलैण्ड) (18 विकेट) ने लिए. वह पर्पल्स कैप की विजेता बनी.

टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज

क्र.	खिलाड़ी	रन/मैच/पारियाँ
1.	नैट स्काइवर ब्रंट, इंग्लैण्ड (मुम्बई इण्डियंस)	523/10/10
2.	एलिसे पैरी, ऑस्ट्रेलिया (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)	372/8/8
3.	हैली मैथ्यूज़, बारबेडियन (मुम्बई इण्डियंस)	307/10/10
4.	शेफाली वर्मा, भारत (दिल्ली कैपिटल्स)	304/9/9
5.	हरमनप्रीत कौर, भारत (मुम्बई इण्डियंस)	302/10/10

टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज		
क्र.	**गेंदबाज**	**विकेट/मैच**
1.	अमेलिया केर, न्यूजीलैण्ड (मुम्बई इण्डियंस)	18/10
2.	हैली मैथ्यूज़ बारबेडियन (मुम्बई इण्डियंस)	18/10
3.	जैस जोनासेन, ऑस्ट्रेलिया (दिल्ली कैपिटल्स)	13/8
4.	नैट स्काइवर ब्रंट, इंग्लैण्ड (मुम्बई इण्डियंस)	12/10
5.	जॉर्जिया वारेहाम, ऑस्ट्रेलिया (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)	12/8

डब्ल्यूपीएल के तीसरे संस्करण के प्रमुख रिकॉर्ड

- **विजेता**–मुम्बई इण्डियंस (ट्रॉफी के साथ ₹ 6 करोड़)
- **उपविजेता**–दिल्ली कैपिटल्स (₹ 3 करोड़)
- **प्लेयर ऑफ द सीरीज़**–नैट स्काइवर ब्रंट (मुम्बई इण्डियंस) (₹ 5 लाख)
- **ऑरेंज कैप (सर्वाधिक रन)**–नैट स्काइवर ब्रंट (₹ 5 लाख)
- **पर्पल कैप**–(सर्वाधिक विकेट) अमेलिया केर (मुम्बई इण्डियंस) ₹ 5 लाख
- **फेयर प्ले अवॉर्ड**–गुजरात जायंट्स
- **किसी टीम की सर्वोच्च पारी**–225 रन यूपी वारियर्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- **किसी टीम की न्यूनतम पारी**–यूपी वारियर्स 105 रन विरुद्ध गुजरात जायंट्स
- **व्यक्तिगत सर्वोच्च पारी**–हरमनप्रीत कौर (95 रन) विरुद्ध गुजरात जायंट्स
- **एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन**–अमनजोत कौर (मुम्बई इण्डियंस) (₹ 3 लाख)
- **कैच ऑफ द सीजन**–अनाबेल सुदरलैण्ड (दिल्ली कैपिटल्स *Vs.* मुम्बई इण्डियंस)
- **टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक छक्के**–18, एश्ले गार्डनर (गुजरात जायंट्स)

शेष पृष्ठ 45 का

के सैन्य अभ्यास धर्म गार्जियन का छठा संस्करण जापान के पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में 24 फरवरी-9 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुआ है.

धर्म गार्जियन भारत व जापान के सैन्य बलों के बीच होने वाला एक वार्षिक सैन्याभ्यास है. वर्ष 2018 में शुरू हुए इस सैन्याभ्यास का, आयोजन वैकल्पिक रूप से भारत व जापान में किया जाता है. इसका पिछला पाँचवाँ संस्करण भारत में राजस्थान में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 25 फरवरी–9 मार्च, 2024 व उससे पूर्व चौथा संस्करण जापान में शिगा प्रान्त में 17 फरवरी-2 मार्च, 2023 को सम्पन्न हुआ था.

भारत और जापान के बीच इस वर्ष का संयुक्त सैन्य अभ्यास मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों पर केन्द्रित था. इसके अलावा, मानवीय सहायता और आपदा राहत सहित संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों से सम्बन्धित गतिविधियों का भी पूर्वाभ्यास किया गया. इसमें दोनों देशों के सैनिकों के बीच विशेषज्ञता का आदान-प्रदान भी हुआ. अभ्यास के दौरान, दोनों पक्षों के सैनिकों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान गतिविधियों में भी भाग लिया.

भारत-किर्गिस्तान का संयुक्त विशेष बल अभ्यास खंजर-XII

भारत व किर्गिस्तान के संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 12वाँ सत्र खंजर (Khanjar) 2025 किर्गिस्तान के टोकयोक में 10-23 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुआ. इस अभ्यास का उद्देश्य शहरी व पहाड़ी क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी तथा विशेष बलों के अभियानों में अनुभवों व सर्वोत्तम तरीकों का आदान-प्रदान करना था. स्नाइपिंग, बिल्डिंग इंटरवेंशन व माउंटेन क्राफ्ट के उन्नत विशेष बल कौशल विकसित करने पर भी ध्यान इसमें केन्द्रित किया गया. कठोर प्रशिक्षण के अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी संयुक्त अभ्यास में शामिल था.

भारत व किर्गिस्तान के बीच इस संयुक्त अभ्यास की शुरुआत 2011 में हुई थी तथा ऐसा पिछला संयुक्त अभ्यास खंजर-XI जनवरी 2024 में भारत में किया गया था.

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास वरुण 2025

भारत व फ्रांस के द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास **वरुण** का 23वाँ संस्करण 19-22 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुआ. उन्नत वायु रक्षा अभ्यास व लड़ाकू अभ्यास जिनमें फ्रांसीसी राफेल-एम तथा मिग-29 के बीच हवाई मुकाबला भी इस नौसैनिक अभ्यास में शामिल था. सतह युद्ध संचालन में भारतीय व फ्रांसीसी बेड़े द्वारा समन्वित अभ्यास जहाँ किया गया वहीं पानी के नीचे के क्षेत्र में पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास भी वरुण-2025 में शामिल था.

भारत व बांग्लादेश की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास बोंगोसागर-2025

भारत व बांग्लादेश की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास बोंगोसागर-2025 बंगाल की खाड़ी में मार्च 2025 में सम्पन्न हुआ. भारत की ओर से आईएनएस रणवीर ने तथा बांग्लादेश की ओर से बीएनएस अबू उबैदा इसमें शामिल रहे. 2019 में शुरू हुए इस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास का यह पाँचवाँ संस्करण था तथा इसका उद्देश्य साझा समुद्री सुरक्षा चुनौतियों का मिलकर सामना करने की क्षमता में वृद्धि करना था.

दुर्लभ खगोलीय घटना : ग्रह परेड

एक दुर्लभ खगोलीय घटना के तहत् सौरमण्डल के सात ग्रहों–बुध (Mercury), शुक्र (Venus), मंगल (Mars), बृहस्पति (Jupiter), शनि (Saturn), यूरेनस व नेपच्यून को 28 फरवरी, 2025 को आकाश में एक सीधी रेखा में देखा जा सका, ग्रहों की ऐसी स्थिति को ग्रह परेड (Planet Parad) कहा जाता है. यह घटना तब होती है, जब ग्रह सूर्य के एक तरफ ही होते हैं जिससे पृथ्वी से देखने पर एक सीधी रेखा में यह दिखाई देते हैं. इस दुर्लभ घटना को भारत, ब्रिटेन व अमेरिका सहित कई देशों में देखा जा सका. इन ग्रहों में शुक्र, बृहस्पति व मंगल को बिना किसी टेलिस्कोप के देखा जा सका, जबकि बुध, शनि, नेपच्यून व यूरेनस टेलिस्कोप की सहायता से दिखाई दिए. इससे पूर्व 6 ग्रहों में एक ही पंक्ति में जनवरी 2025 से रेखा जा सका था.

सात ग्रहों की ग्रह परेड के ऐसे दृश्य की पुनरावृत्ति 2040 में होने की बात खगोलविदों ने कही है.

जनवरी
में
प्रकाशित
2025
Vol. 1

Code No. 819 ₹ 160.00



Code No. 809 ₹ 125.00

BUY NOW

Available on :

pdgroup.in amazon Flipkart

sales@pdgroup.in | www.pdgroup.in

- आगरा मो. 9319130923
- हल्द्वानी मो. 07060421008



रोजगार समाचार

बिहार में अवर सांख्यिकी पदाधिकारी/प्रखण्ड सांख्यिकी पदाधिकारी की रिक्तियाँ

बिहार के सांख्यिकी निदेशालय (योजना एवं विकास विभाग) के तहत् अवर सांख्यिकी पदाधिकारी/प्रखण्ड सांख्यिकी पदाधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा 19 अप्रैल, 2025 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 682 है. जिसमें 231 पद महिलाओं के लिए हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—अर्थशास्त्र/गणित/सांख्यिकी में से किसी एक विषय में स्नातक.

आयु सीमा (1 अगस्त, 2024 को)—अनारक्षित पुरुष 21-37 वर्ष विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है. अभ्यर्थी की उम्र सीमा की गणना दिनांक 1 अगस्त, 2024 के आधार पर की जाएगी, परन्तु वैसे अभ्यर्थी, जो दिनांक 1 अगस्त, 2010 को सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम उम्र सीमा धारित करते हों एवं उक्त तिथि तक निर्धारित शैक्षणिक योग्यता धारण करते हों, वे भी उम्र सीमा के आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग के पत्रांक-212, दिनांक-23 जनवरी, 2006 के आलोक में इस परीक्षा के लिए पात्र होंगे.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा में प्रारम्भिक परीक्षा में एक प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान का होगा, जिसमें (i) सामान्य अध्ययन, (ii) सामान्य विज्ञान एवं गणित तथा (iii) मानसिक अभियोग्यता के प्रश्न होंगे. मुख्य परीक्षा में (i) हिन्दी, (ii) सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान एवं गणित तथा (iii) कॉम्प्रेहेंशन, रीजनिंग लॉजिक व मेंटल एबिलिटी आदि के प्रश्न होंगे.

इस भर्ती के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु बिहार कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट https://bssc.bihar.gov.in देखें.

बिहार पुलिस एवं बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस में सिपाही के पदों पर नियुक्ति

बिहार पुलिस एवं बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बल में सिपाही के 19,838 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन केन्द्रीय चयन परिषद् (सिपाही भर्ती) द्वारा 18 अप्रैल, 2025 तक आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में 6717 पद महिलाओं के लिए हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है. इस भर्ती के लिए आवेदन के लिए केन्द्रीय चयन परिषद् की सम्बन्धित वेबसाइट www.csbc.bih.gov.in पर लॉगऑन करें. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 18 अप्रैल, 2025 है.

शैक्षणिक योग्यता—इंटरमीडिएट (10 + 2) परीक्षा उत्तीर्ण या समकक्ष योग्यता.

आयु सीमा—18-25 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

आयु सीमा हेतु कट-ऑफ तिथियाँ—

न्यूनतम आयु के लिए—1 अगस्त, 2025

अधिकतम आयु के लिए—1 अगस्त, 2023

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली 100 अंकों की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में 2 घण्टे की अवधि का एक प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ किस्म का होगा, जिसमें विभिन्न विषयों के 10वीं कक्षा के स्तर के प्रश्नों के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक मुद्दों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे. यह लिखित परीक्षा वस्तुतः शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए अर्हता निर्धारक होगी. इस भर्ती के सम्बन्ध में अन्य विस्तृत जानकारी हेतु केन्द्रीय चयन परिषद् की वेबसाइट www.csbc.bih.gov.in देखें.

छत्तीसगढ़ में प्री.बी.एड. (Pre. B.Ed.) व प्री.डी.एल.एड. (Pre. D.El.Ed.) प्रवेश परीक्षा—2025

छत्तीसगढ़ में विभिन्न विद्यालयों/संस्थानों में संचालित बी.एड. (B.Ed.) एवं डी.एल.एड. (D.El. Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु प्री.बी.एड. (Pre. B.Ed.) एवं प्री.एल.एड. (Pre. D.El. Ed.) प्रवेश परीक्षा 2025 का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम), रायपुर द्वारा 22 मई, 2025 को किया जाएगा. परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु इच्छुक एवं अर्ह अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in पर 25 अप्रैल, 2025 तक ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन कर सकते हैं. बी.एड. (B.Ed.) एवं डी.एल.एड. (D.El.Ed.) प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 22 मई, 2025 को अलग-अलग पारियों में राज्य के 33 विभिन्न जिला मुख्यालयों में प्रस्तावित है. प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु आवेदन-पत्र परिषद् की वेबसाइट पर आमंत्रित किए गए हैं. आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने की अन्तिम तिथि 25 अप्रैल, 2025 तथा आवेदन-पत्र में त्रुटि सुधार की अन्तिम तिथि 28 अप्रैल, 2025 तक है.

सेना में धर्म शिक्षकों के रूप में जूनियर कमीशन अफसरों की भर्ती

सेना में धर्म शिक्षक के रूप में जूनियर कमीशन अफसर बनने के लिए 2025-26 में धर्म शिक्षक भर्ती के लिए उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. धर्म शिक्षक सेना में धार्मिक ग्रन्थों से प्रचार करते हैं और विभिन्न रेजीमेंटल/यूनिटों की धार्मिक संस्थाओं में विभिन्न अनुष्ठान करते हैं. उनके कार्यों में अफसरों, सैनिकों और उनके परिवारों को धार्मिक प्रवचन करने और उनके कल्याण की देखभाल करने के काम भी शामिल हैं. धर्म शिक्षकों की इस भर्ती के तहत् रिक्त स्थानों की कुल संख्या विज्ञापन में निर्दिष्ट नहीं हैं. यह रिक्तियाँ पंडित, पंडित (गोरखा), ग्रंथी, मौलवी (सुन्नी), मौलवी (शिया), पादरी तथा बौद्ध साधु आदि के लिए हैं.

शैक्षणिक योग्यता—शास्त्री/आचार्य/स्नातक की उपाधि के साथ-साथ सम्बन्धित धर्म की निर्दिष्ट योग्यता (अलग-अलग धर्मों के मामले में इस योग्यता के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें.)

आयु सीमा—(1 अक्टूबर, 2025 को) 25-34 वर्ष.

इस भर्ती के लिए अभ्यर्थियों की प्रारम्भिक जाँच-पड़ताल के पश्चात् कम्प्यूटर आधारित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 अंकों का पहला प्रश्न-पत्र सामान्य

शेष पृष्ठ 147 पर



जन औषधि दिवस, 2025

चर्चा में क्यों ?

- प्रति वर्ष 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है. इस वर्ष यह 7वाँ 'जन औषधि दिवस' है. इस दिवस का उद्देश्य इस योजना के बारे में जागरूकता और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है.



प्रमुख बिन्दु

- जन औषधि दिवस से पूर्व चलने वाले जागरूकता समारोह (1-7 मार्च) का उद्घाटन केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस परियोजना के बारे में जानकारी देने वाले रथ और 10 अन्य वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया.

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी)

- इस योजना को वर्ष 2008 में जन औषधि योजना के नाम से शुरू किया गया था. आगे वर्ष 2015 में इसे 'प्रधानमंत्री जन औषधि योजना' (PMJAY) का नाम दिया गया. तत्पश्चात् वर्ष 2016 में इस योजना के नाम के साथ प्रधानमंत्री जोडकर इसे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना नाम दिया गया.
- इस योजना का क्रियान्वयन, भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो द्वारा किया जाता है. यह ब्यूरो औषधि विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत् कार्य करता है.

उद्देश्य

- इस योजना के तहत्, जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केन्द्र (जेएके) के रूप में जाने जाने वाले समर्पित आउटलेट खोले जाते हैं.
- यह, दवा (मूल्य नियंत्रण) आदेश 2013 की पहली अनुसूची में निर्दिष्ट अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमत तय करता है.
- उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी, 2025 तक देश भर में 15,000 जन औषधि केन्द्र (जेएके) खोले जा चुके हैं. पीएमबीजेपी के उत्पाद समूह में 2047 दवाइयाँ और 300 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं, जो ब्रांडेड दवाओं की तुलना में खुदरा दुकानों पर 50% से 80% सस्ते दामों पर बेचे जाते हैं.
- पीएमबीजेपी के तहत् सरकार ने 31 मार्च, 2027 तक पूरे देश में 25,000 जेएके खोलने का लक्ष्य रखा है.
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में, पीएमबीजेपी ने ₹ 1470 करोड़ की बिक्री की है, जिससे नागरिकों को लगभग ₹ 7350 करोड़ की बचत हुई है. चालू वित्तीय वर्ष यानी 2024-25 में, PMBJP ने 28 फरवरी, 2025 तक ₹ 1760 करोड़ की बिक्री की है. पिछले 10 वर्षों में केन्द्रों की संख्या में 180 गुना वृद्धि हुई है और बिक्री भी 200 गुना से अधिक बढ़ी है.

जेनरिक दवाएँ

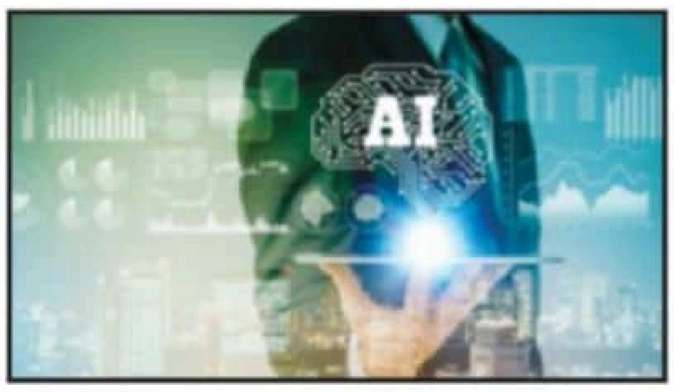
आमतौर पर जेनेरिक दवाएं (Generic Medicine) उन दवाओं को कहा जाता है जिनका कोई अपना ब्राण्ड नेम नहीं होता है, वह अपने सॉल्ट नेम से मार्केट में जानी-पहचानी जाती हैं. हालाँकि, कुछ दवाओं के ब्राण्ड नेम भी होते हैं मगर वह बहुत ही सस्ते होते हैं और यह भी जेनेरिक दवाओं की श्रेणी में ही आते हैं.

दरअसल जब ब्राण्डेड दवाओं का सॉल्ट मिश्रण और उत्पादन से एकाधिकार समाप्त हो जाता है तब उन्हीं के फार्मूले और सॉल्ट के प्रयोग से जेनरिक दवाईयाँ बनाई जाती है. इसलिए जेनरिक दवाएं अपने समकक्षों के समान ही होती हैं, इनमें सिर्फ पैकेजिंग, ब्राण्डिंग और मार्केटिंग का अन्तर होता है.

वर्ष 2027 तक एआई क्षेत्र में 2·3 मिलियन नई नौकरियों का अनुमान

चर्चा में क्यों ?

- 10 मार्च, 2025 को जारी बेन एण्ड कम्पनी की एक रिपोर्ट के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र में वर्ष 2027 तक 2·3 मिलियन से अधिक नौकरियाँ उपलब्ध होने का अनुमान है. अतः इस उपलब्धता को पूरा करने के लिए मौजूदा प्रतिभाओं को पुनः प्रशिक्षित करना और उनका कौशल बढ़ाना महत्वपूर्ण हो जाता है.



प्रमुख बिन्दु

- रिपोर्ट के अनुसार भारत में एआई प्रतिभा पूल लगभग 1·2 मिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है, जिससे 1 मिलियन से अधिक श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करने का अवसर मिलेगा.
- वैश्विक स्तर पर, 2019 से एआई से सम्बन्धित नौकरी पोस्टिंग में सालाना 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में वेतन में सालाना 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. फिर भी योग्य उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि नहीं हुई है, जिससे प्रतिभाओं के बीच अंतर बढ़ रहा है, परिणामतः विश्वभर में एआई को अपनाने की गति धीमी हो रही है.
- लगभग आधे (44 प्रतिशत) अधिकारियों ने इन-हाउस एआई विशेषज्ञता की कमी को जनरेटिव एआई को लागू करने में एक प्रमुख बाधा बताया है.
- यह प्रतिभा अंतर कम-से-कम 2027 तक बने रहने की उम्मीद है.
- रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि अमेरिका में 2027 तक दो में से एक AI नौकरी खाली रह सकती है. अगले दो वर्षों में, अमेरिका में AI नौकरी की माँग 1·3 मिलियन से अधिक हो सकती है, जबकि आपूर्ति 645,000 से कम होने की सम्भावना है. जिसका अर्थ है कि देश में 700,000 श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करने की आवश्यकता है.
- जर्मनी में एआई प्रतिभा का सबसे बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है, जहाँ 2027 तक एआई से सम्बन्धित लगभग 70 प्रतिशत नौकरियाँ खाली रहेंगी. अनुमान है कि 2027 में 190,000-219,000 नौकरियों के लिए 62,000 एआई पेशेवर उपलब्ध होंगे.
- ब्रिटेन में भी प्रतिभा की 50 प्रतिशत से अधिक कमी देखी जा सकती है, जहाँ

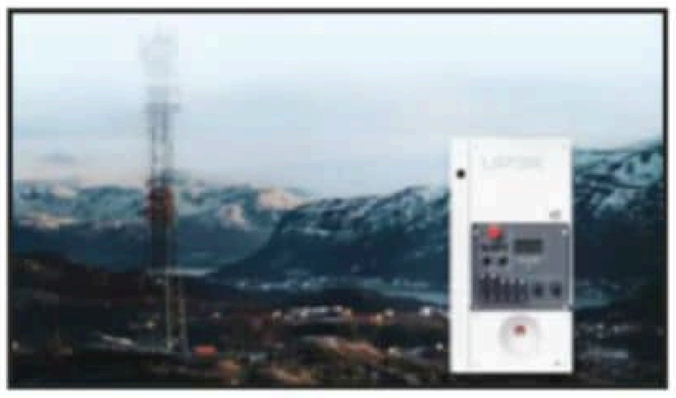
2027 तक 255,000 एआई नौकरियों के लिए केवल 105,000 एआई कर्मचारी ही उपलब्ध होंगे.

- इसी प्रकार, रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया में भी 2027 तक 60,000 से अधिक एआई पेशेवरों की कमी होने की आशंका है, तथा 146,000 नौकरियों के लिए केवल 84,000 एआई विशेषज्ञ ही उपलब्ध होंगे.

हाइड्रोजन आधारित ईंधन सेल : टेलीकॉम टॉवरों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधान

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में अन्तर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान केन्द्र (ARCI) के ईंधन सेल प्रौद्योगिकी केन्द्र (CFCT) द्वारा टेलीकॉम टावरों के लिए एक हाइड्रोजन ईंधन सेल (पीईएम ईंधन सेल) आधारित बैकअप पावर समाधान विकसित किया गया है. यह प्लग-एण्ड-प्ले मॉडल पर आधारित है, जो निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है.



- यह तकनीक पुणे नगर निगम के अन्तर्गत टेलीकॉम टॉवर पर सफलतापूर्वक प्रदर्शित की गई. इस पहल में औद्योगिक भागीदार नासिक की Resicor Technologies Pvt. Ltd. है.
- यह दूरसंचार विभाग और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) के वर्ष 2012 के उन दिशा-निर्देशों को भी पूरा करता है, जिसमें कहा गया है कि 50% ग्रामीण और 33% शहरी टेलीकॉम टावरों को हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तित किया जाना चाहिए.

आवश्यकता क्यों ?

- गौरतलब है कि भारत में एक मिलियन से अधिक टेलीकॉम टावर हैं, जिनमें से हजारों दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित हैं. सीमित ग्रिड पहुँच के कारण इन्हें चौबीसों घण्टे संचालित करना एक चुनौती है. अब तक, बैकअप पावर के लिए डीजल जनरेटर का उपयोग किया जाता था, लेकिन वे महँगे हैं और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं.

पीईएम ईंधन सेल की विशेषताएँ

- शीघ्र स्टार्ट-अप के साथ विश्वसनीय विद्युत् आपूर्ति.
- अपेक्षाकृत कम तापमान पर कार्य करने की क्षमता.
- जल वाष्प के रूप में केवल पर्यावरण-अनुकूल उप-उत्पाद उत्सर्जित करता है.
- उच्च शक्ति घनत्व और कॉम्पैक्ट आकार.
- न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकता.

कार्य सिद्धान्त

- पीईएम ईंधन सेल इलेक्ट्रोकैमिकल प्रतिक्रिया के माध्यम से ऊर्जा उत्पन्न करता है.
- हाइड्रोजन गैस को एनोड में भेजा जाता है, जहाँ यह ऑक्सीकृत होकर प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन उत्पन्न करता है.
- प्रोटॉन पॉलीमर मेम्ब्रेन के माध्यम से कैथोड में जाते हैं, जबकि इलेक्ट्रॉन विद्युत् सर्किट के माध्यम से प्रवाहित होते हैं.
- कैथोड पर, प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करके पानी और ऊर्जा उत्पन्न करते हैं.
- आसान संचालन और परिवहन, न्यूनतम सुरक्षा चिंताओं के साथ.
- एक ही सेटअप को कई टावरों में उपयोग करने की क्षमता.
- उन क्षेत्रों में उपयोगी, जहाँ डीजल जनरेटर का रखरखाव कठिन है.

थर्मल रिसर्च सेंटर का शुभारम्भ

चर्चा में क्यों ?

- 17 मार्च, 2025 को इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए तापीय विज्ञान के एक नए अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया. इसका नाम श्री एस. रामकृष्णन द्रव एवं तापीय विज्ञान अनुसंधान उत्कृष्टता केन्द्र रखा गया.

प्रमुख बिन्दु

- यह उत्कृष्टता केन्द्र 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का समर्थन करते हुए एडवांस अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा व वैश्विक प्रतिभा और अनुसंधान निधि को आकर्षित करेगा.
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में स्थित यह अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधा, अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण यान तापीय प्रबन्धन में महत्वपूर्ण प्रगति पर ध्यान केन्द्रित करेगी, जो भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है.
- इसके अलावा, यह केन्द्र ऊष्मा स्थानांतरण, शीतलन प्रणाली और द्रव गतिकी में अनुसंधान के लिए एक नोडल केन्द्र के रूप में भी काम करेगा. ये अगली जनरेशन के अंतरिक्ष यान और उपग्रह प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक हैं.
- इसमें प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ जैसे माइक्रो हीट पाइप, वाष्प कक्ष, स्प्रे कूलिंग, दो-चरणीय ताप स्थानांतरण आदि का प्रयोग किया गया है.

भारत के अन्तरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक बड़ा परिवर्तन

- यह पहल भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि थर्मल नियंत्रण उपग्रह की दीर्घायु, अंतरिक्ष यान की सुरक्षा और मिशन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है.
- इस उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) में अनुसंधान आगामी चंद्र, मंगल और गहरे अंतरिक्ष मिशनों को सीधे प्रभावित करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका निभाए.

इसरो और एससीएल ने अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित किए

चर्चा में क्यों ?

- 5 मार्च, 2025 को, इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (वीएसएससी) और सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल),



प्लास्टिक आइस VII : जल का एक नया स्वरूप

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने एडवांस्ड न्यूट्रॉन-स्कैटरिंग एक्सपेरिमेंट के माध्यम से प्लास्टिक आइस VII नामक जल के चौथे स्वरूप की पुष्टि की है. यह खोज अंतरिक्ष में जल की मौजूदगी और उसके व्यवहार को समझने में एक नया आयाम जोड़ सकती है.



प्लास्टिक आइस VII क्या है ?

- यह बर्फ का एक असामान्य चरण है, जो उच्च तापमान और उच्च दबाव पर बनता है.
- इसका निर्माण > 3 गीगापास्कल (दबाव) और > 450 केल्विन (तापमान) पर हुआ है.
- इस चरण में जल के अणु कठोर क्रिस्टलीय संरचना के भीतर स्वतंत्र रूप से गति कर सकते हैं.

महत्त्व

- प्लास्टिक आइस VII महासागरीय और बहिर्ग्रहों (Exoplanets) के अंदरूनी भागों की समरूप दशाओं को समझने में मदद कर सकता है.
- इसकी गहरे महासागरों में पोषक तत्वों के परिवहन की क्षमता, बहिर्ग्रहों पर जीवन की संभावना को साकार कर सकती है.
- इस खोज से अंतरिक्ष में जल की भौतिक और रासायनिक विशेषताओं की हमारी समझ बदल गई है.

'वैज्ञानिक के रूप में एक दिन' पहल

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने मन की बात संबोधन के दौरान किए गए आह्वान के जवाब में, आयुष मंत्रालय के तहत् संस्थानों ने युवा शेधार्थियों को 'वैज्ञानिक के रूप में एक दिन' पहल में सक्रिय रूप से शामिल किया है.
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य इच्छुक युवाओं को वैज्ञानिक अनुसंधान में गहन अनुभव प्रदान करना है, उन्हें प्रयोगशाला के काम, उन्नत उपकरणों और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के साथ पारम्परिक चिकित्सा के एकीकरण का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान कराना है.
- उल्लेखनीय है कि इसी पहल के हिस्से के रूप में, एमिटी विश्व-विद्यालय, जयपुर के विद्यार्थियों ने पिछले कुछ दिनों राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर का दौरा किया था.
- यह पहल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना', से भी प्रेरित है.

सुपरसॉलिड : पदार्थ की एक दुर्लभ अवस्था

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने पहली बार प्रकाश को 'सुपरसॉलिड' में परिवर्तित किया है. यह खोज पदार्थ की इस दुर्लभ अवस्था को समझने और क्वांटम प्रौद्योगिकी में नई सम्भावनाओं को खोजने में सहायक हो सकती है.

सुपरसॉलिड क्या है ?

- सुपरसॉलिड पदार्थ की एक दुर्लभ अवस्था है, जो ठोस और तरल दोनों के गुणों को प्रदर्शित करता है.
- यह ठोस की तरह क्रिस्टलीय संरचना बनाए रखता है लेकिन तरल की तरह बिना घर्षण के प्रवाहित हो सकता है.
- इसे क्वांटम यांत्रिकी द्वारा परिभाषित किया जाता है, जिसमें पदार्थ के कण एक संगठित ठोस संरचना में होते हैं, लेकिन तरल की तरह प्रवाह करते हैं.

सुपरसॉलिडिटी और बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट्स (BECs)

- अब तक, सुपरसॉलिडिटी केवल बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट्स (BECs) में देखी गई थी.
- BEC पदार्थ की एक अवस्था है, जो तब निर्मित होती है जब बोसॉन नामक कणों को अत्यंत कम तापमान (परम शून्य के निकट) तक ठण्डा किया जाता है, जिससे वे समान क्वांटम अवस्था में आ जाते हैं.
- सुपरसॉलिड बनने के लिए बेहद कम तापमान की आवश्यकता होती है.

प्रमुख विशेषताएँ

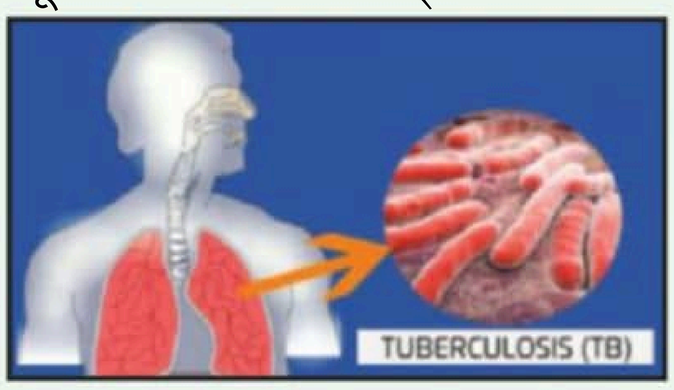
- दुर्लभ भौतिक अवस्था—ठोस और तरल के मिश्रित गुण.
- श्यानता (Viscosity) की अनुपस्थिति: बिना घर्षण के प्रवाह करता है.

सम्भावित अनुप्रयोग

- क्वांटम कम्प्यूटिंग में नई सम्भावनाएँ.
- सुपरकंडक्टर्स के रूप में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने में मदद.
- घर्षण रहित स्नेहक (Lubricants) के विकास में सहायक.

क्षय रोग (TB) : एक गम्भीर स्वास्थ्य चुनौती

- स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 2024 में शुरू किए गए 100-दिवसीय गहन TB उन्मूलन अभियान के तहत् 6·1 लाख से अधिक TB रोगियों को अधिसूचित किया गया है. यह भारत में TB उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.



क्षय रोग (TB) क्या है ?

- यह एक संक्रामक बैक्टीरियल संक्रमण है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होता है.
- **प्रसार**—यह विशेष रूप से संक्रमित व्यक्ति के खाँसने, छींकने या करीबी सम्पर्क के दौरान हवा के माध्यम से फैलता है.
- उल्लेखनीय है कि 24 मार्च, 1882 को जर्मन वैज्ञानिक रॉबर्ट कोच ने टीबी के बैक्टीरिया की खोज की थी. इस खोज के लिए वर्ष 1905 में रॉबर्ट को नोबेल पुरस्कार भी दिया गया था.

दवा-प्रतिरोधी TB के प्रकार

- ड्रग-रेजिस्टेंट TB—यह बैक्टीरिया उत्परिवर्तित होकर पहली पंक्ति की एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बन जाता है.
- मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट TB (MDR-TB)—यह आइसोनियाजिड (INH) और रिफाम्पिसिन (RIF) के प्रति प्रतिरोधी होता है, जो दो प्रमुख पहली पंक्ति की दवाएँ हैं.
- एक्सटेंसिवली ड्रग रेजिस्टेंट TB (XDR-TB)—यह MDR-TB का एक गम्भीर रूप है. यह फर्स्ट-लाइन दवाओं, फ्लोरोक्विनोलोन और कम-से-कम एक सेकण्ड-लाइन इंजेक्टेबल दवा के प्रति प्रतिरोधी होता है.

भारत में (TB) की स्थिति

- भारत विश्व में सबसे अधिक TB मामलों वाला देश है.
- भारत में वैश्विक TB मामलों का 27% से अधिक योगदान है.

शेष पृष्ठ 96 पर

Code No. 865
₹ 370.00

प्रतियोगिता दर्पण

13 वर्षवार UPSC सिविल सर्विसेज IAS PRELIMS Solved Papers

यूपीएससी Civil Services सामान्य अध्ययन

प्रथम प्रश्न-पत्र

10 मॉडल हल प्रश्न-पत्र

नवीनतम पैटर्न पर आधारित

- 2024-2012 के हल प्रश्न-पत्र विश्लेषणात्मक व्याख्या सहित
- प्रश्न-पत्रों का अनुपम संकलन
- आयोग द्वारा जारी उत्तरमाला के अनुरूप
- सरल, बोधगम्य एवं सारगर्भित बिन्दुवार विश्लेषण

प्रतियोगिता दर्पण

13 YEARWISE

Solved Papers

SOLVED MODEL 10 QUESTION PAPERS

PRATIYOGITA DARPAN

13YEARWISE UPSC CIVIL SERVICES IAS PRELIMS

Solved Papers With Explanations

UPSC Civil Services GENERAL STUDIES PAPER-I

10 SOLVED MODEL QUESTION PAPERS

Based On Latest Pattern

- 2024-2012 Solved Question Papers
- Solutions as per the Official Answer Key
- Precise and Comprehensive Explanations

Code No. 867
₹ 375.00

PRATIYOGITA DARPAN

Available on :

pdgroup.in amazon Flipkart

sales@pdgroup.in | www.pdgroup.in

- आगरा फोन : (0562) 2530966, 2531101
- हल्द्वानी मो. 07060421008

UPSC-CSE : पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs)- आपका रणनीतिक, सबसे बुद्धिमान अन्वेषण उपकरण

—अतुल कपूर

अगले कुछ हफ्तों में UPSC-CSE प्रीलिम्स 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सामरिक विचार पर मैं चर्चा करना चाहता हूँ, जिसे कई सफल उम्मीदवार मानते हैं कि UPSC कोड को क्रैक करने के लिए महत्वपूर्ण है—पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs).

जो लोग UPSC-CSE इकोसिस्टम की जटिल संरचना को समझने के बारे में गम्भीर हैं, उनके लिए पीवाईक्यू, UPSC की जटिल सोच और ज्ञान मूल्यांकन के विकसित पैटर्न को प्रकट करते हैं.

नि:संदेह, प्रारम्भिक परीक्षा का सामना करते समय 25 मई, 2025 को पिछले वर्षों के प्रश्न एक रणनीतिक उपकरण बनने जा रहे हैं.

पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs)—एक नई अनुभूति

हाल के वर्षों में, बाजार में NCERTs के आसपास मंथन की गई पुस्तकों के अलावा, पिछले वर्षों के प्रश्नों पर केन्द्रित विभिन्न प्रकार की पुस्तकों की आमद देखी गई है. हर कोई एक सुराग चाहता है कि उनके लिए क्या काम करता है और वे सिर्फ इन पुस्तकों को लेने को आतुर रहते हैं.

आखिरकार, पहले पूछे जाने वाले प्रश्न, UPSC परीक्षार्थियों के दिमाग में अन्तर्दृष्टि प्रदान करते हैं. कुछ वर्ष पहले तक, ये मुख्य रूप से कोचिंग संस्थानों द्वारा रुझानों को स्पॉट करने के लिए उपयोग किए जाने वाले रणनीतिक उपकरण थे. आजकल, प्रकाशकों के अलावा, कई शीर्ष रैंकर भी लेखक बन गए हैं और PYQ के महत्व पर बड़े पैमाने पर चर्चा की है.

लेकिन पिछले वर्षों के प्रश्नों के लिए पुस्तक का सही चुनाव करते समय आपको सावधान रहना चाहिए. यह उपलब्ध पुस्तकों में प्रस्तुत किए गए उत्तरों के बजाए पिछले वर्षों में पूछे गए प्रश्नों से परिचित होने के बारे में अधिक है. इसके अलावा, कई किताबें UPSC की उत्तर कुंजी के अनुसार उत्तरों की पुष्टि नहीं करती हैं, जो अंतिम परिणामों के बाद प्रकाशित होती हैं.

PYQ पेपर में विभिन्न घटकों के वेटेज, कठिनाई स्तर और विषयों के भीतर और विषयों में विषयों के इंटरकनेक्टिविटी का उचित मूल्यांकन प्रदान करते हैं. परिचित उम्मीदवारों के लिए, ये केवल प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन सक्षम उम्मीदवारों के लिए, एक कनेक्शन है जो उन्हें प्रारम्भिक परीक्षा सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में प्रस्तुत चुनौतियों के जवाब में प्रभावी ढंग से रणनीति बनाने में सक्षम बनाते हैं.

जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, विचार करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू प्रत्येक प्रश्न के उत्तर और स्पष्टीकरण हैं, जो यूपीएससी परीक्षकों की सोच को दर्शाते हैं. मैं अक्सर You Tube पर अपने वीडियो में इस पर चर्चा करता हूँ कि कैसे उम्मीदवार अपने लाभ के लिए इन PYQ का लाभ उठा सकते हैं.

उम्मीदवार आमतौर पर PYQ के साथ क्या करते हैं ?

सबसे पहले, उम्मीदवार अक्सर UPSC से प्रश्नों को दोहराने की उम्मीद करते हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कभी होता है. यदि उन्हें प्रश्न-पत्र में ऐसे किसी प्रश्न से सामना होता है, तो उन्हें खुद को भाग्यशाली समझना चाहिए.

PYQ का सबसे अच्छा उपयोग परीक्षा की संरचना की व्यापक समझ हासिल करने के लिए उन्हें विषयवार वर्गीकृत करना है. यह अभ्यास पाठ्यक्रम में विशिष्ट विषयों के प्रश्नों को मैप करता है, जिससे उम्मीदवारों को पुनरावर्ती विषयों की पहचान करने में सक्षम बनाता है जिनसे परीक्षक अक्सर प्रश्न तैयार करते हैं.

सक्षम उम्मीदवार उभरते हुए प्रश्न पैटर्न का विश्लेषण करते हैं और परीक्षकों द्वारा लिए जा सकने वाले अप्रत्याशित कोणों को समझने का प्रयास करते हैं. वे यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि क्या प्रश्न सीधे प्रस्तुत किए गए हैं या फिर तथ्य-आधारित, अवधारणा-आधारित, विश्लेषणात्मक रूप से परस्पर जुड़े हुए हैं, या वर्तमान समसामयिक या अन्य मामलों से सम्बन्धित करते हैं.

PYQ के साथ उनके प्रदर्शन के आधार पर, उम्मीदवारों को समय-समय पर अपनी अध्ययन योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन और परिशोधन करना चाहिए. आवश्यकतानुसार नई जानकारी को शामिल करते हुए, अनुकूलनीय होना आवश्यक है.

प्रीलिम्स को सफलतापूर्वक क्रैक करने के लिए लक्षित और बुद्धिमान तैयारी महत्वपूर्ण है.

एक बार जब उम्मीदवार अपनी तैयारी में उस चरण तक पहुँच जाते हैं, जहाँ उन्होंने अपना अभ्यास पूरा कर लिया है, तो वे मॉक टेस्ट को सँभालने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होंगे और जल्द ही परीक्षा के लिए तैयार होंगे.

PYQ रुझानों का पता लगाने और प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करते हैं

पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs) पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण भागों की पहचान करते हैं और उन प्रारूपों को चित्रित करते हैं जिनमें परीक्षक विभिन्न स्तरों पर प्रश्न तैयार करते हैं, साथ ही साथ वे जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली शैली और कठिनाई स्तर भी शामिल करते हैं.

PYQs की रणनीतिक समझ उम्मीदवारों को कवरेज की सीमा और परीक्षक तथ्यात्मक ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल दोनों का परीक्षण कैसे करते हैं, इस बारे में अन्तर्दृष्टि प्रदान करके विशाल पाठ्यक्रम को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करती है.

इस बीच, परीक्षक एक गतिशील दृष्टि-कोण अपनाते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे नवीनतम विकास और विशेष विषयों के व्यावहारिक पहलुओं के साथ अद्यतित रहें.

उम्मीदवारों को यह पहचानना चाहिए कि कई युवा स्नातक अपने सपनों को साकार करने के लिए इन रणनीतियों का उपयोग करके अपने पहले प्रयास में इस परीक्षा को पास करते हैं. याद रखें, प्रभावी तैयारी आश्चर्य को कम करती है और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है. पिछले वर्षों के प्रश्नों से परिचित होने के साथ-साथ पाठ्यक्रम की महारत आपके लाभ के लिए काम करेगी.

PYQ आपको एक भविष्य कहने वाला तैयारी रणनीति बनाने में सक्षम बनाता है जिससे आप संभावित प्रश्न पैटर्न का अनुमान लगाने का प्रयास करते हैं. यदि आप ऐसा कर सकने में सक्षम हैं, तो आप अपने अध्ययन प्रयासों का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे.

अब जब आपके पास अपनी पढ़ाई की योजना बनाने और आधारभूत कार्य करने में स्पष्टता है, तो अगला कदम यह समझना है कि जरूरत पड़ने पर जानकारी को प्रभावी ढंग से कैसे अवशोषित और क्रियान्वित किया जाए.

इन PYQs का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है ?

विस्तृत विश्लेषण करने से आपको विषयवार अध्ययन कार्यक्रम विकसित करने में मदद मिलेगी. प्रतियोगिता दर्पण के एक पूर्व लेख में (अप्रैल 2025 अंक) मैंने चर्चा की थी कि उन महत्वपूर्ण विषयों पर कैसे ध्यान केन्द्रित किया जाए जिन्हें अक्सर दोहराया गया है.

PYQs, के साथ पूरी तरह से जुड़ाव आपको मॉक टेस्ट के दौरान समान प्रश्नों को पहचानने और अपने स्कोर की जाँच करने की अनुमति देता है. कभी-कभी, आप हाल के प्रश्न-पत्रों में पूछे गए किसी विशेष विषय के प्रश्नों के बीच एक सम्बन्ध देख सकते हैं और एक सामान्य पैटर्न या परस्पर सम्बन्धित विषयों की तलाश में पिछले वर्षों तक इसका विस्तार कर सकते हैं, इस प्रकार आपको संभावित प्रश्नों का अनुमान लगाने में मदद मिलती है.

हालाँकि, यह प्रक्रिया सरल नहीं है.सबसे पहले, आपको व्यापक तैयारी की आवश्यकता है, और दूसरा, उन विषयों को समझना महत्वपूर्ण है जिनसे प्रश्न पहले आते रहे हैं. यह बिन्दुओं को जोड़ने के समान है.

भविष्य में झाँकने वाले तैयारी दृष्टिकोण के साथ, आप अनदेखी पैटर्न को पहचानने में सक्षम होंगे, और यदि आप PYQs को करंट अफेयर्स से जोड़ सकते हैं, तो आप अच्छी स्थिति में होंगे और जान लें कि आप एक यादगार छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं.

उम्मीदवारों की अध्ययन योजनाओं पर पिछले वर्ष के प्रश्नों (PYQs) का क्या प्रभाव है ?

PYQs का प्रभावी ढंग से उपयोग करने से आपकी तैयारी में काफी वृद्धि हो सकती है. यह दृष्टिकोण एक निरन्तर सुधार प्रणाली को बढ़ावा देता है, जिससे उम्मीदवारों को प्रमुख विषयगत तत्वों के अपने ज्ञान को परिष्कृत करने में सक्षम बनाता है.

PYQs के साथ जुड़ना आपकी तैयारियों का यथार्थवादी मूल्यांकन प्रदान करता है, जिससे आपको उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है, जहाँ सीखने की रणनीतियों को अनुकूलित करने की आवश्यकता होती है. यह आपको सुधार की आवश्यकता वाले पहलुओं के लिए एक मॉडरेशन योजना विकसित करने की ओर इशारा भी करता है.

करंट अफेयर्स के लिए आपकी तैयारी नई ऊँचाइयों पर पहुँच जाएगी जब आप UPSC परीक्षकों के इरादे को समझ लेंगे और परीक्षा पत्रों में शामिल होने वाले विषयों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे.

उम्मीदवार जो एक सुसंगत तैयारी दिनचर्या बनाए रखते हैं और निरन्तर मूल्यांकन में संलग्न होते हैं, एक विकास मानसिकता प्राप्त करते हैं, जो किसी भी समर्पित उम्मीदवार के लिए एक आवश्यक विशेषता है. इस मानसिकता को अपनाने से, आप परीक्षा की चिन्ता का प्रबन्धन करना और चुनौतियों का सामना करने में लचीलापन लाना सीखेंगे.

कई सफल उम्मीदवारों ने खुले तौर पर PYQs की परिवर्तनकारी शक्ति को स्वीकार किया है. उनमें से कई उम्मीदवारों के साथ मेरी बातचीत में, उन्होंने ज्ञान, रणनीति और आत्म-खोज की प्रेरक कहानियों को साझा किया जिनमें अधिकांश प्रभावी PYQ उपयोग से प्रेरित हैं.

PYQs को संरचित तरीके से प्रयास करके, आप अपनी विषय-वार तैयारी को एक केन्द्रित रणनीतिक शिक्षण दृष्टिकोण में परिवर्तित कर सकते हैं. यह आपके पाठ्यक्रम को अधिक प्रभावी ढंग से कवर करने और नियमित रूप से आपकी तैयारियों का आकलन करने में सहायता करेगा.

आने वाले हफ्तों में आपकी कार्य योजना क्या होनी चाहिए ?

उम्मीदवारों को अपनी प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी को त्रुटिहीन बनाना चाहिए.

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि गलतियाँ करना ठीक है, क्योंकि गलती करना सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है. हम इंसान हैं, मशीन नहीं हैं, यह पूर्णतः स्वाभाविक है कि हम गलतियाँ करने के लिए बाध्य हैं.

जब आप पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से कवर कर सकते हैं और नियमित रूप से तैयारियों का मूल्यांकन कर सकते हैं, तो इस प्रक्रिया में, आप इन गलतियों से सीख सकते हैं और सुधार कर सकते हैं.

प्रत्येक मॉक टेस्ट के साथ, आप निम्न-लिखित पर ध्यान केन्द्रित करने का अभ्यास करते हैं—

- मजबूत क्षेत्रों में अपने स्कोर की पहचान करें.
- गलतियों को पहचानें और ऐसी गलतियों के कारण को वर्गीकृत करें.
- परीक्षा-तकनीकों की कमी से उपजी किसी भी त्रुटि की तलाश करें.
- किसी भी प्रकार की समय से सम्बन्धित चुनौतियाँ जिनका आप सामना करते हैं.

यदि आप एक बार की गलती करते हैं, तो यह कुछ ऐसा है जिसे आप अगली बार ठीक कर सकते हैं, परन्तु यदि आप बार-बार गलतियों को नोटिस करते हैं, तो यह एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है. ऐसे मामलों में, इन चुनौतियों को दूर करने में आपकी सहायता के लिए पर्याप्त जानकारी इकट्ठा करने के लिए मानक पाठ्य-पुस्तकों, प्रामाणिक सरकारी प्रकाशनों, ऑनलाइन संसाधनों या कोचिंग सामग्री का संदर्भ लें.

वर्तमान मामले और समकालीन मुद्दे परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं. इन क्षेत्रों में अपडेट होने और उन्हें पाठ्यक्रम के स्थिर भागों से जोड़ने से आप मजबूत स्थिति में आ जाएंगे. सतर्क रहें और सुनिश्चित करें कि आप इन विषयों से अच्छी तरह वाकिफ हैं.

जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, कम अनुभागीय परीक्षणों का अभ्यास करना और नकली परिस्थितियों में पूर्ण-लम्बाई वाले परीक्षणों पर ध्यान केन्द्रित करना महत्वपूर्ण है.

इस अभ्यास के माध्यम से मानसिक लचीलापन विकसित करने से आपको परीक्षा के माहौल और उससे जुड़े तनाव के अनुकूल होने में मदद मिलेगी, जिससे आप त्वरित, सूचित निर्णय ले सकेंगे.

विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के साथ परीक्षक क्या उम्मीद करते हैं ?

जैसा कि मैंने सीधे प्रश्नों, विश्लेषणात्मक प्रश्नों, परस्पर जुड़े प्रश्नों और यहाँ तक कि वर्तमान मामलों के एकीकरण के साथ प्रश्नों के बारे में बात की, आपके संचित ज्ञान और जागरूकता, आपके सैद्धांतिक ज्ञान गतिशील ज्ञान के साथ सबसे ऊपर है, और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में अपने ज्ञान के आधार को लागू करने की आपकी क्षमता में मदद मिलेगी.

PYQs का अभ्यास करने से ऐसे प्रश्नों से निपटने में आपकी दक्षता बढ़ेगी.

प्रश्न पत्र में तथ्य-आधारित प्रश्न होंगे जहाँ परीक्षक उम्मीदवारों से असाधारण तथ्यात्मक ज्ञान रखने की उम्मीद करते हैं. बहुविकल्पीय विकल्पों को नेविगेट करते समय सतर्क रहें, क्योंकि दिए गए विकल्पों में व्याख्या में हल्की-सी छेड़छाड़ आपके लिए प्रश्न को जटिल बना सकती है.

आपको सटीक जानकारी के साथ इन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, सटीकता के लिए तेजी से याद करने की आवश्यकता होगी.

प्रत्येक वर्ष, कुछ प्रश्नों को सामान्य ज्ञान का उपयोग करके सम्बोधित किया जा सकता है, जबकि अन्य मुश्किल चुनौतियाँ पेश कर सकते हैं, जो आपके ज्ञान और मानसिक क्रूरता दोनों का परीक्षण करेंगे.

विश्लेषणात्मक प्रश्न वैचारिक स्पष्टता और आलोचनात्मक सोच की माँग करते हैं. ये प्रश्न आपके समग्र प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं, जबकि कुछ प्रश्नों में आपको जटिल सेट-अप का विश्लेषण करने की आवश्यकता हो सकती है, कुछ अन्य प्रश्नों में एक ऐसे दृष्टिकोण की आवश्यकता हो सकती है, जो विषय में या अन्य विषयों में परस्पर ज्ञान रखने के बारे में हो, जिससे सही उत्तर की पहचान करने के लिए आपके ज्ञान के संश्लेषण की आवश्यकता होगी.

करंट अफेयर्स-आधारित प्रश्न स्कोरिंग अवसर हैं, खासकर यदि आपकी विषय पर दृढ़ पकड़ है और इसे स्थिर पाठ्यक्रम से जोड़ सकते हैं.

यदि उन्मूलन तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, तो बहुविकल्पीय विकल्पों को व्यवस्थित रूप से देखें. ऐसी परिस्थितियाँ भी हो सकती हैं जिनमें बुद्धिमान अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आपके अनुमान यादृच्छिक के बजाए विचारशील हैं.

अंत में, नकारात्मक अंकन पर ध्यान दें. गलत उत्तरों पर दण्ड लगेगा, और कटौती आपके प्रयासों को खतरे में डाल सकती है.

प्रत्येक मॉक टेस्ट के लिए आपको मिलने वाली प्रतिक्रिया पर लगातार काम करने से आपको अपनी प्रत्येक गलती के कारण को पहचानने में मदद मिलेगी. निरन्तर अभ्यास के साथ, आपको अपनी हिट दर (प्रयास किए गए कुल प्रश्नों में से सही उत्तरों की संख्या) का पता चल जाएगा, और नकारात्मक चिह्नों के समायोजन के बाद, यदि आपके अंक सुरक्षित क्षेत्र में हैं, तो आप सोच सकते हैं कि आप सही रास्ते पर हैं.

माइंडफुलनेस तकनीकों का अभ्यास करें

इन दिनों, समय आपकी सफलता का निर्धारण करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक है. सकारात्मक मानसिकता बनाए रखें और अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग करें.

ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहें, क्योंकि वे आपके सबसे बड़े दुश्मन हो सकते हैं.

स्वीकार करें कि प्रीलिम्स एक सूक्ष्म रणनीति खेल है. साथ ही, परीक्षा योजना के महत्व को स्वीकार करें. परीक्षा योजना का यह पहला चरण आपको अगले स्तर-मुख्य परीक्षा तक ले जाने का एकमात्र तरीका है.

यह वह समय है जब प्रारम्भिक परीक्षा को छोड़कर कुछ भी आपके विचारों में नहीं होना चाहिए. आपके लगातार प्रयास निःसंदेह रंग लाएंगे.

आप यहाँ जीतने के लिए हैं; उसके लिए, आपको अपनी पलक झपकने की गति से सही उत्तर चुनने पर काम करना चाहिए.

सटीकता के साथ गति विकसित करना महत्वपूर्ण है.

मुझे पूरी उम्मीद है कि आप कुछ अन्त-र्दृष्टि प्राप्त करेंगे जो आपको प्रीलिम्स की तैयारी में मदद करेगी.

अगले अंक में, मैं प्रीलिम्स 2025 के लिए कुछ महत्वपूर्ण विषयों के साथ आऊँगा जो आपको अंतिम मिनट के संशोधन में मदद करेंगे.

तैयारी करते रहें और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए सक्षम बनें.

आपको एक शानदार सफलता की शुभकामनाएँ !

PRATIYOGITA DARPAN

SCAN ME!

ChatBot

SCAN and ORDER Your Favourite Books Effortlessly

प्रतियोगिता दर्पण

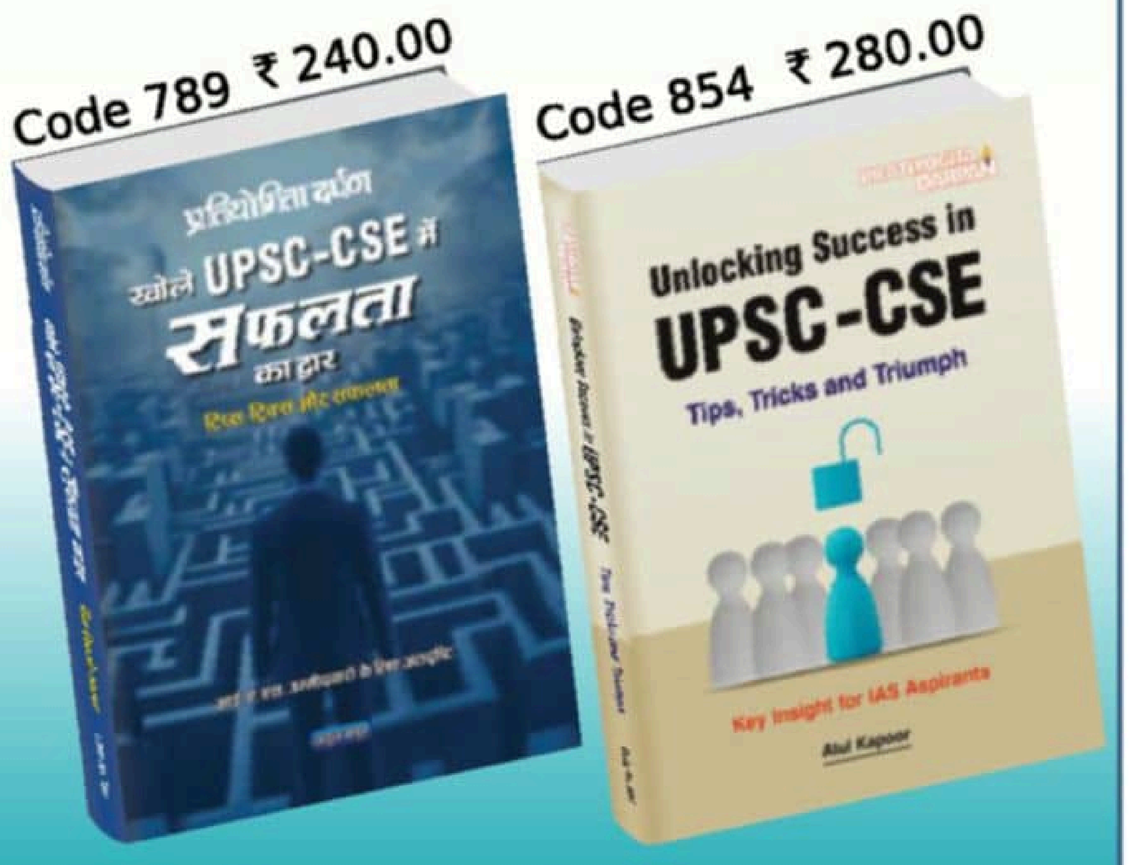
खोले UPSC-CSE में

टिप्स, ट्रिक्स और सफलता

आई. ए. एस. उम्मीदवारों के लिए अंतदृष्टि

Code 789 ₹ 240.00

Code 854 ₹ 280.00



प्रतियोगिता दर्पण

• E-mail : sales@pdgroup.in
• Website : www.pdgroup.in



दिव्य दर्पण

संघ एवं राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण

किताबें ज्ञान, प्रेरणा और आत्म-विकास का अटूट स्रोत

किताबें ज्ञान, प्रेरणा और आत्म-विकास का अटूट स्रोत हैं, जो हमारे जीवन को सार्थक और समृद्ध बनाती हैं. वे न केवल नई जानकारी प्रदान करती हैं, बल्कि हमारी कल्पना को भी विकसित करती हैं, जिससे हम दुनिया को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं. किताबें विभिन्न विषयों, इतिहास और संस्कृति की गहरी समझ देती हैं, जिससे हमारा ज्ञान बढ़ता है. वे हमें सोचने, तर्क करने और समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देखने की क्षमता प्रदान करती हैं. साहित्य और कहानियों के माध्यम से हमारी कल्पनाशक्ति को बल मिलता है, जिससे सृजनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है.

पढ़ने की आदत हमारे भाषा कौशल को समृद्ध करती है, जिससे हमारी शब्दावली का विस्तार होता है और अभिव्यक्ति कौशल मजबूत होता है. इसके अलावा, किताबें हमारी तर्क और आलोचनात्मक सोच को विकसित करती हैं, जिससे हम विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने और विचार करने में सक्षम होते हैं.

मनोरंजन के साथ-साथ किताबें तनाव को कम करने में भी सहायक होती हैं. एक अच्छी किताब हमें हमारे रोजमर्रा के तनावों से दूर ले जाती है और मानसिक शांति प्रदान करती है. आत्मकथाएँ और प्रेरणादायक पुस्तकें हमें जीवन में आगे बढ़ने और कठिनाइयों से जूझने की शक्ति देती हैं.

किताबें हमारी सच्ची दोस्त होती हैं, जो अकेलेपन में भी साथ निभाती हैं. वे हमें जीवन के नए पहलू दिखाती हैं और आत्म-विकास में सहायता करती हैं. संक्षेप में, किताबें न केवल ज्ञान का भण्डार हैं, बल्कि वे हमारे जीवन को सकारात्मक और उद्देश्यपूर्ण बनाने का माध्यम भी हैं.

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न–समुद्र स्तर में परिवर्तन व इसके कारणों की व्याख्या करते हुए, समुद्र स्तर में वृद्धि के प्रभाव व इसके समाधान के लिए किए जाने वाले उपायों की चर्चा कीजिए.

चर्चा में क्यों ?

यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में विश्व भर में ग्लेशियर अभूतपूर्व दर से पिघल रहे हैं, जिससे वर्ष 1975 से अब तक लगभग 9,000 गीगाटन बर्फ पिघल चुकी है. तेजी से पिघल रही इस बर्फ के कारण समुद्र का स्तर तेजी से बढ़ रहा है. परिणामतः यह जल आपूर्ति, प्राकृतिक आवास और समुद्री आपदाओं में वृद्धि का कारण बन रहा है.

उत्तर–समुद्र तल या समुद्र का स्तर पृथ्वी पर ऊँचाई और गहराई मापने का आधार स्तर है. समुद्र के स्तर में बदलाव कई कारकों से होता है, जैसे कि ज्वार-भाटा, तूफानी लहरें, वैश्विक जलवायु परिवर्तन, और भूमि द्रव्यमान में बदलाव आदि. नासा की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में समुद्र स्तर में अधिकांश वृद्धि (लगभग 3 मिमी प्रति वर्ष) या परिवर्तन भूमि आधारित बर्फ की चादरों और पर्वतीय ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही है, जो समुद्र के आयतन और समुद्र के पानी के विस्तार में बदलाव ला रहा है.

समुद्री आयतन

सामान्यतः पृथ्वी पर समुद्र का कुल आयतन लगभग 1·335 बिलियन क्यूबिक किमी है, जो पृथ्वी की सतह का लगभग 70% हिस्सा है. हालाँकि, महासागर के तापमान में कोई भी परिवर्तन महासागर के आयतन में परिवर्तन ला सकता है. यदि वैश्विक स्तर पर 0·1 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि भी होती है, तो यह समुद्र के स्तर में काफी वृद्धि कर सकता है.

समुद्र स्तर में परिवर्तन

- 21 मार्च, 2025 को जारी यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से लुप्त हो रहे हैं तथा पिछले 3 वर्षों में ग्लेशियरों के द्रव्यमान में सबसे अधिक कमी दर्ज की गई है.
- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1975 से अब तक ग्लेशियरों से लगभग 9,000 गीगाटन बर्फ पिघल चुकी है , जो जर्मनी के आकार के 25 मीटर मोटे बर्फ के टुकड़े के बराबर है.

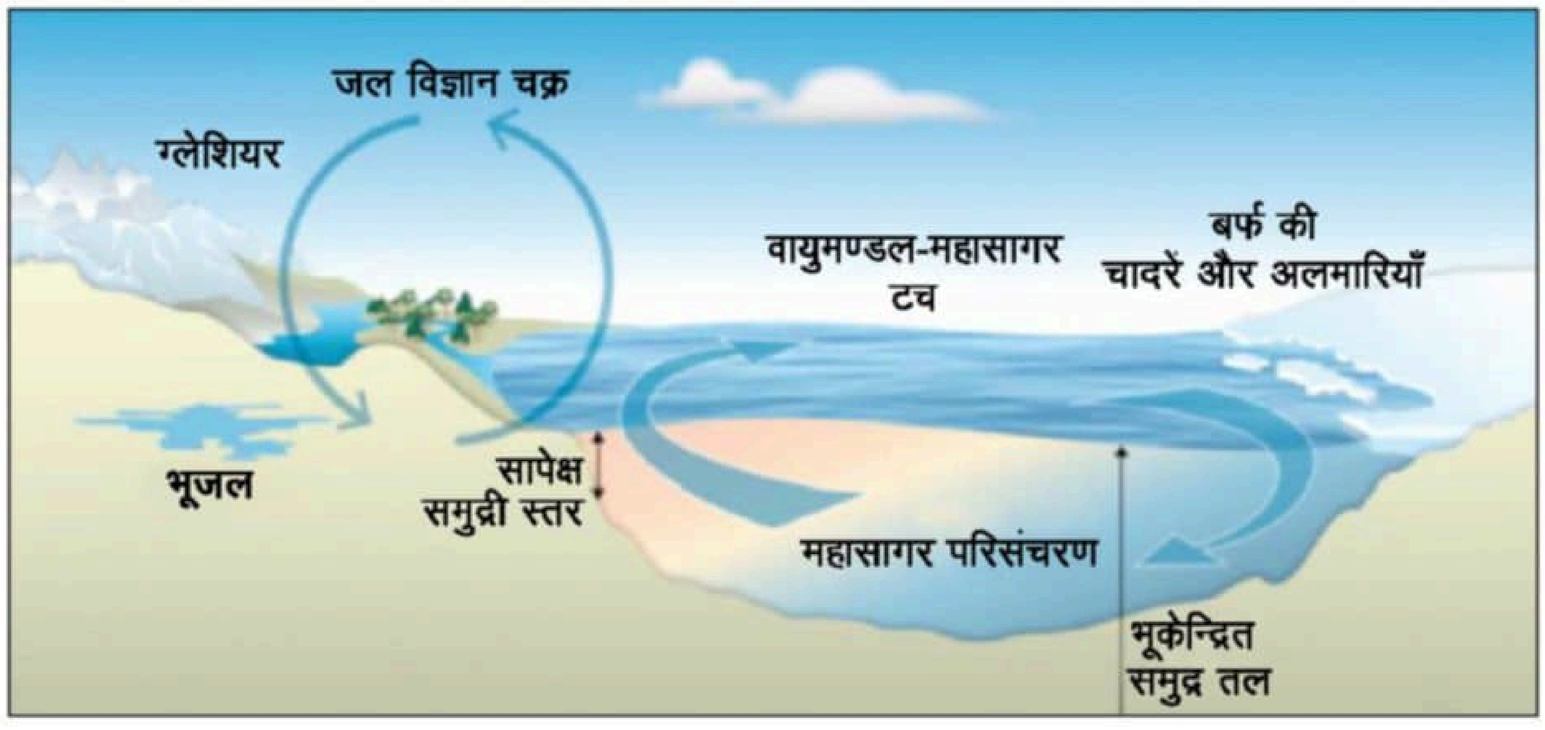
समुद्र स्तर के विस्तार पर नासा रिपोर्ट

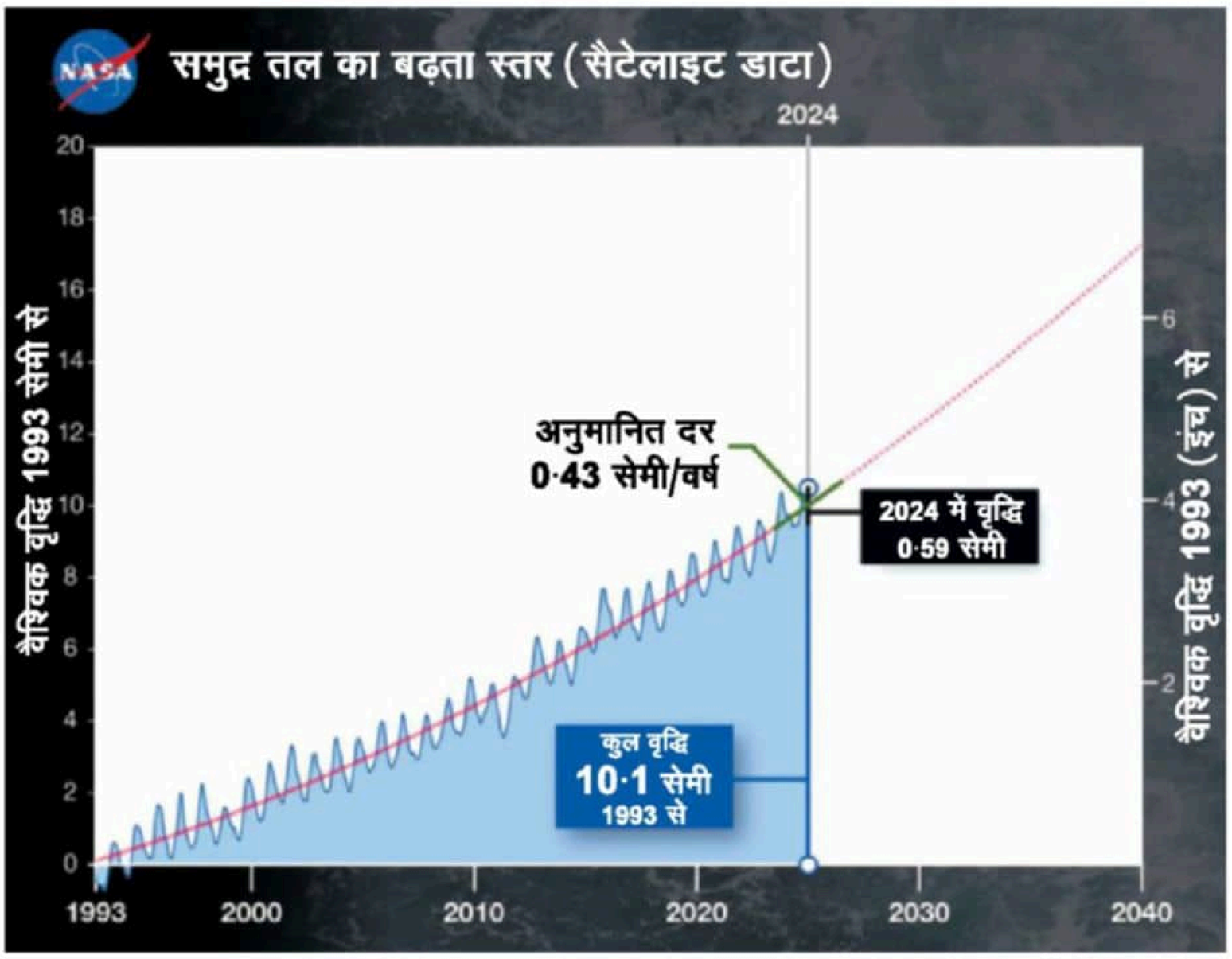
नासा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में समुद्र का स्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है, इसका मुख्य कारण समुद्र का पानी गर्म होने के साथ-साथ फैलना या थर्मल विस्तार है. नासा के अनुसार, पिछले वर्ष की वृद्धि दर 0·23 इंच (0·59 सेमी) प्रति वर्ष थी, जबकि अपेक्षित दर 0·17 इंच (0·43 सेमी) प्रति वर्ष थी.

रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में, समुद्र के स्तर में लगभग दो-तिहाई वृद्धि बर्फ की चादरों और ग्लेशियरों के पिघलने से भूमि से समुद्र में पानी के जुड़ने से हुई थी.

लगभग एक-तिहाई समुद्री वृद्धि जल के तापीय विस्तार से आया था. हालाँकि, वर्ष 2024 में यह डाटा उल्टा रहा जिसमें दो-तिहाई समुद्र के स्तर में वृद्धि तापीय विस्तार से हुई.

वर्ष 1993 में समुद्र के स्तर में वृद्धि का उपग्रह रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से, वार्षिक समुद्र स्तर में वृद्धि की दर दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है. कुल मिला. कर, 1993 से वैश्विक समुद्र स्तर 4 इंच (10 सेमी) बढ़ गया है.





- रिपोर्ट के अनुसार आर्कटिक, आल्प्स, दक्षिण अमेरिका और तिब्बती पठार में बर्फ का तेजी से कम होना, जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले जीवाश्म ईंधन के दहन के कारण वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण और भी तेज होने की उम्मीद है. इससे विश्व भर में आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियाँ और बढ़ जाएंगी, ऐसा इसलिए क्योंकि बढ़ते समुद्री जल स्तर और घटते जल स्रोत लाखों लोगों को प्रभावित करेंगे.
- रिपोर्ट के अनुसार पिछले 6 वर्षों में से 5 वर्षों में सबसे अधिक हिमनद क्षति देखी गई है, अकेले 2024 में ही ग्लेशियरों से 450 गीगाटन बर्फ पिघली है.
- रिपोर्ट के अनुसार कुछ क्षेत्रों में ग्लेशियरों का पिघलना अनुमान से भी कहीं ज्यादा तेजी से हो रहा है. उदाहरण के लिए, युगांडा के रवेनजोरी पहाड़ों से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तक फैले ग्लेशियरों के वर्ष 2030 तक पूर्णता पिघल जाने की उम्मीद है.
- रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 से 2023 के बीच, पिघलते पर्वतीय ग्लेशियरों ने वैश्विक समुद्र स्तर में 18 मिमी की वृद्धि की है (लगभग 1 मिमी प्रति वर्ष). यह वृद्धि इसलिए अधिक चिंताजनक है, क्योंकि विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवा के अनुसार, समुद्र स्तर में प्रत्येक मिली-मीटर की वृद्धि से 300,000 लोग प्रति वर्ष बाढ़ के खतरे में पड़ सकते हैं.
- भविष्य अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक समुद्र स्तर में वृद्धि के कारण जलमग्नता : 2040 तक समुद्र स्तर में वृद्धि के कारण मुंबई, यनम और थूथुकुडी में 10% से अधिक भूमि; पणजी और चेन्नई में 5% – 10% और कोच्चि, मंगलुरु, विशाखापत्तनम, हल्दिया, उडुपी, पारादीप और पुरी में 1% – 5% भूमि जलमग्न हो जाएगी.

समुद्र स्तर में परिवर्तन के कारण

- वैश्विक समुद्र स्तर में वृद्धि के दो मुख्य कारण हैं—बर्फ का पिघलना और गर्म होने के कारण समुद्री जल का विस्तार अथवा थर्मल विस्तार.
- **बर्फ का पिघलना**—जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों में औसत तापमान में वृद्धि हो रही है, परिणामतः बर्फ की चादरों के पिघलने और समुद्र में इस पिघले जल के मिलने से समुद्र का स्तर बढ़ रहा है. उपग्रह डेटा से पता चलता है कि अकेले ग्रीनलैण्ड में प्रति वर्ष लगभग 270 बिलियन टन बर्फ पिघलती है.
- **थर्मल विस्तार**—भौतिकी के अनुसार तरल पदार्थ गर्म होने पर फैलते हैं. उदाहरण के लिए, आप पारे के थर्मा-मीटर में तापीय प्रसार को काम करते हुए देख सकते हैं—जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, पारा फैलता है, जिससे यह काँच की नली में अधिक भर जाता है.
- जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन महासागरों को गर्म करता है, पानी बढ़ता जाता है, भले ही पानी की कुल मात्रा स्थिर रहें चूँकि महासागर बेसिन बड़ा नहीं हो रहा है, इसलिए पानी का स्तर ऊपर की ओर बढ़ रहा है, ठीक वैसे ही जैसे थर्मामीटर में पारा होता है. NOAA वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2004 के बाद से वैश्विक समुद्र स्तर में एक-तिहाई वृद्धि पानी के गर्म होने के कारण हुई है.

समुद्र स्तर में वृद्धि के स्थानीय कारण

- **स्थानीय भूविज्ञान**—ऐसे क्षेत्र जो सामान्यतः किसी भूविज्ञान कारकों के कारण समुद्र तल से कुछ ही ऊँचाई पर अवस्थित है. इस असामान्य भूगर्भीय स्थिति के कारण इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों में जमीन धीरे-धीरे डूब रही है. इससे समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता हुआ दिखाई देता है.
- **टेक्टोनिक बदलाव**—टेक्टोनिक शिफ्ट और ऊर्ध्वाधर भूमि गति बढ़ते समुद्री स्तर के प्रभावों को छिपा सकती है. उदाहरण के लिए, तटीय कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों को धीरे-धीरे ऊपर की ओर धकेला जा रहा है और वर्ष 2011 में जापान में आए शक्तिशाली भूकम्प ने होन्शू के तटों के कुछ हिस्सों को 2 फीट (0·6 मीटर) तक कम कर दिया.

प्रभाव

- उल्लेखनीय है कि इस तीव्र गति से पिघलने के कारण पर्वतीय ग्लेशियर समुद्र स्तर में वृद्धि के सबसे बड़े कारणों में से एक बन गए हैं, जिससे लाखों लोगों को विनाशकारी बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है तथा जलविद्युत् और कृषि के लिए आवश्यक जल स्रोत बाधित हुए हैं.
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार विश्व भर में लगभग 2,75,000 ग्लेशियर बचे हुए हैं. तेजी से पिघलते ग्लेशियर अधिक चिंता का विषय इसलिए भी है, क्योंकि यह अंटार्कटिका और ग्रीनलैण्ड की बर्फ की चादरों के साथ-साथ ये ग्लेशियर विश्व के लगभग 70 प्रतिशत मीठे पानी के प्रमुख स्रोत में से एक है.
- वर्तमान में लगभग 1·1 बिलियन लोग पहाड़ी समुदायों में रहते है, जो हिमनदों के नुकसान के सबसे तात्कालिक प्रभावों का सामना करते हैं. ये आबादी प्राकृतिक खतरों और पानी की कमी के प्रति तेजी से संवेदनशील होती जा रही है, जबकि उनके दूरस्थ स्थान लागत-प्रभावी समाधान को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं.

अन्य प्रमुख प्रभाव

- ***तटीय कटाव में वृद्धि***—*राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (एनसीसीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, 1990 से 2018 के बीच भारत के समुद्र तट का लगभग 32 प्रतिशत हिस्सा समुद्री कटाव से गुजरा है.*
- *निचले तटीय समुदायों को एसएलआर के कारण भूमि बाढ़ का खतरा है. उदाहरण के लिए, पिछले दशक में दक्षिण एशिया में लगभग 3·6 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं. (आंतरिक विस्थापन निगरानी केन्द्र)*
- ***तटीय आवास का नुकसान***—*समुद्र के स्तर में वृद्धि विशेष रूप से तटीय पारिस्थितिकी प्रणालियों, जैसे—मैंग्रोव, नमक दलदल और प्रवाल भित्तियों के लिए खतरनाक है.*

- बढ़ते तापमान के कारण मीठे पानी के लिए बर्फ पर निर्भर क्षेत्रों में सूखे की स्थिति और खराब होने की आशंका है, साथ ही हिमस्खलन, भूस्खलन, अचानक बाढ़ और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ (जीएलओएफ) जैसे खतरों की गम्भीरता और आवृत्ति में भी तेजी से वृद्धि हो रही है.
- यूनेस्को रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी अफ्रीका में ग्लेशियरों के पिघलने से पानी को लेकर स्थानीय संघर्षों में वृद्धि हुई है, जबकि वैश्विक हिमनदों के नुकसान में इस क्षेत्र का योगदान न्यूनतम है, लेकिन दुनिया भर में ग्लेशियरों के पिघलने का सामूहिक प्रभाव महत्वपूर्ण है.

समाधान के उपाए

वैश्विक उपाए

- जलवायु परिवर्तन को कम करने के उपायों का वास्तविक क्रियान्वयन.
- समुद्र स्तर में वृद्धि का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है, इसलिए ग्रीन-हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करके जलवायु परिवर्तन की गति को कम करना सबसे महत्वपूर्ण कदम है.
- **पेरिस समझौते का पालन**—पेरिस समझौते में तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1·5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए प्रयास करने का लक्ष्य है, जिसका पालन करना आवश्यक है.

भारत द्वारा उपाए

- समुद्र तटीय संरक्षण के लिए केन्द्रीय जल आयोग द्वारा वर्ष 2020 में दिशा-निर्देश प्रकाशित किए थे.
- **तटीय सुभेद्यता सूचकांक (सीवीआई)**—भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र ने भारतीय तटरेखा के लिए सीवीआई का अनुमान लगाया है. यह सात तटीय मापदण्डों अर्थात् तटरेखा परिवर्तन दर, समुद्र-स्तर परिवर्तन दर, तटीय ऊँचाई, तटीय ढलान, तटीय भू-आकृति विज्ञान, महत्वपूर्ण लहर ऊँचाई और ज्वार की सीमा का संचयी प्रभाव है.
- **तटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, 2019**—पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा तटीय क्षेत्रों, समुद्री क्षेत्रों के संरक्षण और सुरक्षा तथा मछुआरों और अन्य स्थानीय समुदायों की आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिसूचित किया गया.
- तटीय आवास और प्रत्यक्ष आय के लिए मैंग्रोव पहल (मिष्टी).
- वर्ष 2070 तक कार्बन न्यूट्रल अथवा तटस्थता का लक्ष्य रखा गया है.

अन्य अनुकूलन रणनीतियाँ

- बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा के लिए बाढ़ अवरोधक बनाएँ.
- पारिस्थितिकी तंत्र आधारित तटीय संरक्षण.
- समुद्री दीवार कंक्रीट, चिनाई या शीट पाइल्स से बनी संरचना.
- समुद्र-स्तर में वृद्धि और तूफानी लहरों का मॉडलिंग करना.
- समुद्र-स्तर में वृद्धि और तूफानी लहरों की गतिशीलता का मॉडलिंग करने से महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की स्थापना और सुरक्षा के लिए रणनीतियाँ.
- Floting शहर : मालदीव और दक्षिण कोरिया में इन शहरों का विकास शुरू हुआ जो बाढ़ रोधी होंगे.
- जलवायु कार्य योजना पर जोर दिया जाना चाहिए.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—बढ़ते समुद्री जल स्तर के सम्बन्ध में सही नहीं है ?

(A) वर्ष 1975 से अब तक लगभग 9000 गीगाटन बर्फ पिघल चुकी है

(B) समुद्री आयतन में परिवर्तन थर्मल प्रभाव का कारण है

(C) भारत ने वर्ष 2047 तक कार्बन न्यूट्रल होने का लक्ष्य रखा है

(D) जलवायु परिवर्तन समुद्री जल स्तर के प्रभावों को अत्यधिक बढ़ा रहा है

उत्तर—(C)

इतिहास

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—मराठा गुरिल्ला युद्ध रणनीति ने बड़ी और अधिक स्थापित सेनाओं के खिलाफ उनकी सैन्य सफलता में किस प्रकार योगदान दिया ?

चर्चा में क्यों ?

पिछले कुछ दिनों आई बॉलीवुड फिल्म छावा में मराठा साम्राज्य के द्वितीय छत्रपति राजा सम्भाजी भोंसले के जीवन और मुगल बादशाह औरंगजेब की सेना से उनके गुरिल्ला युद्ध रणनीति के कारण यह विषय चर्चा में बना हुआ है.

उत्तर—भारत में 17वीं शताब्दी में उभरा मराठा साम्राज्य सैन्य कौशल, रणनीतिक कौशल और प्रशासनिक दक्षता का एक उदाहरण है. दूरदर्शी नेता और कुशल रणनीतिकार शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित इस साम्राज्य ने कमजोर होते मुगल साम्राज्य के समय दक्कन क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई. शिवाजी के शुरुआती अभियान दमनकारी क्षेत्रीय शक्तियों से मराठा क्षेत्रों को मुक्त कराने और एक विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक संरचना स्थापित करने पर केन्द्रित थे, जो अपनी दक्षता और अनुकूलनशीलता के लिए जानी जाती थी. मराठा साम्राज्य के उदय का मुख्य कारण इसकी अभिनव सैन्य रणनीति थी, विशेष रूप से पश्चिमी घाट के बीहड़ इलाकों में गुरिल्ला युद्ध रणनीति का उपयोग. इन रणनीतियों ने मराठों को बड़ी, अधिक स्थापित ताकतों को प्रभावी ढंग से चुनौती देने में सक्षम बनाया.

मराठा शक्ति का उदय

मराठा शक्ति के उदय के सन्दर्भ में विद्वानों ने विभिन्न दृष्टिकोण और राय प्रस्तुत की है. ग्राण्ट डफ इसे सहयाद्री के जंगलों में विद्रोही गतिविधियों के परिणाम के रूप में देखते हैं, परन्तु एम. जी. रानाडे का मानना है कि यह एक आकस्मिक घटनाक्रम से कहीं कुछ ज्यादा था. वे इसे विदेशी शासन के खिलाफ 'राष्ट्रीय संघर्ष' के रूप में देखते हैं.

जदुनाथ सरकार और जी. एस. सरदेसाई मराठा शक्ति के उदय को औरंगजेब की 'साम्प्रदायिक' नीतियों के खिलाफ 'हिन्दू' प्रतिक्रिया के रूप में देखते हैं.

आन्द्रे विंक का मानना है कि दक्खन के सुल्तानों पर पड़ते मुगल दबाव के परिणाम-स्वरूप मराठों का उदय हुआ. ग्राण्ट डफ भी उनके उदय में मुगल तत्व को स्वीकार करते हैं.

मराठा साम्राज्य : गुरिल्ला युद्ध की रणनीति और विस्तार

- **भूभाग का रणनीतिक उपयोग**–मराठों ने पश्चिमी घाट के बीहड़ और जंगली परिदृश्यों का कुशलतापूर्वक अपने लाभ के लिए उपयोग किया. शिवाजी महाराज ने इन प्राकृतिक गढ़ों के भीतर रणनीतिक रूप से किले और ठिकाने बनाए, जिससे सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हुई और आश्चर्यजनक हमले आसान हो गए. कठिन भूभाग ने दुश्मन का पीछा करने में बाधा डाली, जिससे मराठों को अपनी शर्तों पर मुठभेड़ों को नियंत्रित करने में मदद मिली.
- **गनीमी कावा युद्ध रणनीति**–गनीमी कावा, एक अनोखी युद्ध रणनीति है, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज ने निजात किया था. इसमें आक्रमण का नाटक करके दुश्मन को धोखा देने और फिर बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालकर विजयी होने की कला शामिल है. शिवाजी महाराज और उनके सैन्य नेताओं ने इस रणनीति का अक्सर इस्तेमाल किया और कई युद्धों में सफल रहे. झूठे हमले का प्रदर्शन करके और अलग तरीके से हमला करके प्रतिद्वंद्वी को भ्रमित करने की इस पद्धति को गनीमी कावा कहा जाता है. तेजी से हमला करने और पीछे हटने की उनकी क्षमता ने उन्हें अधिक पारम्परिक, धीमी गति से चलने वाली सेनाओं पर एक महत्वपूर्ण लाभ दिया.
- **हिट-एण्ड-रन रणनीति**–मराठा सुरक्षित रूप से पीछे हटने से पहले अचानक हमलों के माध्यम से विरोधियों को उलझाने में माहिर थे. लम्बी लड़ाई से बचकर, उन्होंने नुकसान को कम किया, जबकि धीरे-धीरे बड़ी, कम चुस्त दुश्मन सेनाओं को कमजोर किया. इस रणनीति ने उन्हें अपने संसाधनों के अत्यधिक अपव्यय से बचाते हुए लम्बे समय तक सीमित संसाधनों में ही संघर्ष के लिए सहायता की.
- **खुफिया जानकारी और जासूसी**–मराठा सैन्य अभियानों में एक सुव्यवस्थित खुफिया नेटवर्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. शिवाजी महाराज ने जासूसों और मुखबिरों की एक प्रणाली स्थापित की, जो दुश्मन की योजनाओं, सैन्य गतिविधियों और कमजोरियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते थे.
- इस खुफिया जानकारी ने मराठों को पूर्वव्यापी हमले करने, दुश्मन की कमजोरियों का फायदा उठाने और युद्ध में रणनीतिक बढ़त बनाए रखने में मदद की. इलाके के बेहतर ज्ञान, तेजी से घुड़सवार युद्धाभ्यास, अनुकूलनीय सैन्य संरचनाओं और एक परिष्कृत जासूसी नेटवर्क को मिलाकर, मराठा साम्राज्य ने भारत में युद्ध में क्रान्ति ला दी. उनकी अभिनव रणनीतियों ने न केवल उन्हें शक्तिशाली विरोधियों का विरोध करने में सक्षम बनाया, बल्कि विशाल क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय विस्तार को भी सुविधाजनक बनाया.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न–मराठों की गुरिल्ला युद्ध प्रणाली गमीनी कावा किसके द्वारा प्रारम्भ की गई थी ?

(A) शिवाजी (B) संभाजी
(C) राजाराम (D) नाना फडनवीस

उत्तर–(A)

नैतिकता एवं सत्यनिष्ठता

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न–क्या केवल कानून का पालन करना पर्याप्त है, या फिर लोक सेवकों को अपने कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए नैतिक मुद्दों की गहरी समझ और संवेदनशीलता भी आवश्यक होती है ?

चर्चा में क्यों ?

बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन से लेकर पूजा खेडकर के मामले में यूपीएससी से जुड़े विवाद के साथ-साथ सिविल सेवकों से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों ने एक बार पुनः लोक सेवकों द्वारा अपने कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए 'नैतिकता' और सत्यनिष्ठता को चर्चा में ला दिया है.

उत्तर–किसी लोक सेवक को केवल कानून का पालन करना ही कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए पर्याप्त नहीं है. एक सिविल सेवक को अपने कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए नैतिक साक्षरता, नैतिक योग्यता और नैतिक तर्क क्षमता की भी आवश्यकता होती है. एक सिविल सेवक में नैतिक संवेदनशीलता यह सुनिश्चित करती है कि वह जनता के सर्वोत्तम हित में कार्य करते है और सुशासन के सिद्धांतों को बनाए रखते हैं.

मराठों के प्रमुख युद्ध और अभियान

- ***प्रतापगढ़ की लड़ाई (1659 ई.)***–*शिवाजी महाराज के तहत् शुरुआती महत्वपूर्ण युद्धों में से एक, प्रतापगढ़ की लड़ाई जनरल अफजल खान के नेतृत्व वाली आदिलशाही सेना के खिलाफ लड़ी गई थी. यह लड़ाई शिवाजी की रणनीतिक प्रतिभा और वीरता के लिए उल्लेखनीय है. अफजल खान, एक दुर्जेय विरोधी, शिवाजी को जाल में फँसाने का इरादा रखता था. हालाँकि, शिवाजी ने उसे मात दे दी, और एक बैठक के दौरान, शिवाजी ने एक साहसी मुठभेड़ में अफजल खान को मार डाला. इस जीत ने मराठा मनोबल को बढ़ाया और एक स्वतंत्र मराठा साम्राज्य की स्थापना के शिवाजी के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ.*
- ***सिंहगढ़ की लड़ाई (1670)***–*सिंहगढ़ की लड़ाई, जिसे कोंधना की लड़ाई के रूप में भी जाना जाता है, इसमें तानाजी मालुसरे के नेतृत्व में मराठों ने मुगलों से सिंहगढ़ के किले को फिर से हासिल किया था.*
- ***पानीपत की तीसरी लड़ाई (1761)***–*पानीपत की तीसरी लड़ाई सदाशिवराव भाऊ के नेतृत्व में मराठों और अहमद शाह अब्दाली के नेतृत्व में अफगान सेना के बीच एक संघर्ष था. इस लड़ाई में मराठों को हार मिली थी. इस हार ने मराठा साम्राज्य को कमजोर और भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया, जिससे बाद के दशकों में ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी का प्रभाव बढ़ गया.*
- *मराठा साम्राज्य के सबसे प्रसिद्ध पेशवाओं में से एक बाजीराव ने कई सफल सैन्य अभियान चलाए, जिससे मध्य और उत्तरी भारत में मराठा प्रभाव का विस्तार हुआ.*
- ***नौसेना अभियान और किलेबंदी***–*भूमि युद्धों के अलावा, मराठों ने अपने पश्चिमी तट की रक्षा और समुद्री प्रभाव का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण नौसैनिक अभियान भी चलाए. उदाहरण के लिए, शिवाजी महाराज ने एक मजबूत मराठा नौसेना की नींव रखी, जिसे बाद में पेशवाओं ने और विकसित किया. विजयदुर्ग और सिंधुदुर्ग जैसे पश्चिमी तट पर नौसेना के ठिकानों और किलेबंदी ने व्यापार मार्गों को सुरक्षित करने, तटीय आक्रमणों से बचाव करने और मराठा शक्ति को समुद्री व्यापार नेटवर्क में पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.*

- उदाहरण के लिए, नैतिक संवेदनशीलता उन नैतिक सिद्धांतों और मूल्यों को संदर्भित करती है, जो मानव व्यवहार और निर्णय लेने का मार्गदर्शन करते हैं. लोक सेवक विश्वास और अधिकार के पद धारण करते हैं, और उन्हें जनता की सेवा करने और समाज को प्रभावित करने वाले निर्णय लेने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, जबकि कानून अनिवार्य व्यवहार का एक ढाँचा प्रदान करता है, हालाँकि, यह सभी नैतिक विचारों या विशिष्ट नैतिक मार्गदर्शन प्रदान नहीं करते है. अत: ऐसी स्थिति में लोक सेवक को कर्तव्य के अनुपालन के लिए नैतिक संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है जहाँ वह अपने विवेक का निर्णय या नैतिकता को ध्यान में रखकर कार्य करता है.

नैतिकता और सत्यनिष्ठा

नैतिकता—*इसका तात्पर्य नियमों की उस व्यवस्था से है जिसके द्वारा व्यक्ति का अंत:करण अच्छे और बुरे का बोध प्राप्त करता है. नैतिकता का संदर्भ समाज में रहने वाले किसी सामान्य व्यक्ति के आचरण, समाज की परम्पराओं या किसी राष्ट्र की नीतियों के विशेष अर्थ में मूल्यांकन से है.*

सत्यनिष्ठा—*इसका तात्पर्य अनिवार्य रूप से नैतिक सिद्धांतों का पालन करने की गुणवत्ता से है. कभी-कभी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को एक ही समझ लिया जाता है, लेकिन इसमें एक महीन-सा अन्तर है. उदाहरण के लिए, सच्चाई का साथ न छोड़ना, मर्यादाओं का पालन करना या अपने मूल्यों के साथ बने रहना ईमानदारी है. वहीं विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मूल्यों या अपने नैतिक प्रतिमानों के साथ दृढ़ता से बने रहना सत्यनिष्ठा है. सत्यनिष्ठा एक सिविल सेवक में भ्रष्ट प्रथाओं को खत्म करने और अधिक पेशेवर उत्कृष्टता के लिए आवश्यकता प्रदान करता है. सत्यनिष्ठा सम्पन्न व्यक्ति का आचरण किसी भी परिस्थिति में उसके नैतिक सिद्धांतों के अनुरूप होता है. इसमें एक सिविल सेवक हमेशा संगठन के हितों को स्व-हित से ऊपर रखता है.*

- नैतिक मुद्दों के प्रति एक अच्छी तरह से विकसित संवेदनशीलता होने का अर्थ है कि लोक सेवक कानूनी अनुपालन से परे अपने कार्यों के व्यापक निहितार्थों और परिणामों से अवगत हैं. इसमें उस समुदाय के मूल्यों और अपेक्षाओं को समझना शामिल है जिसकी वे सेवा करते हैं और हितधारकों और सार्वजनिक हित पर सम्भावित प्रभाव पर विचार करते हैं.
- एक नैतिक रूप से संवेदनशीलता वाले लोक सेवकों द्वारा अपने निर्णय लेने और कार्यों में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही प्रदर्शित करने की अधिक सम्भावना होती है. वे अपने विकल्पों के नैतिक आयामों पर विचार करते है और जो नैतिक रूप से सही है उसे करने का प्रयास करते हैं.

अंतत: एक लोक सेवक को कानून का पालन करने के साथ-साथ नैतिक रूप से संवेदनशील भी होना चाहिए.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—नियमों की वह व्यवस्था, जिसमें व्यक्ति का अन्त:करण अच्छे और बुरे का बोध प्राप्त करता है, क्या कहलाता है ?

(A) सद्भावना (B) नैतिकता
(C) करुणा (D) सदाचार

उत्तर—(B)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—स्पलैशडाउन और टचडाउन का उल्लेख करते हुए इसकी प्रक्रिया, ऐतिहासिक उदाहरण और महत्व का उल्लेख कीजिए.

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स, अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में 9 महीने से अधिक रहने के बाद पृथ्वी पर वापस आ गए. उन्हें वापस पृथ्वी पर लाने के लिए भेजा गया स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा तट पर उतरा, जिसमें नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी सवार थे.

स्पलैशडाउन में, अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर पुन: प्रवेश करने पर किसी महासागर या किसी बड़े जल निकाय में पैराशूट से उतरता है. वहीं टचडाउन में यह यान किसी ठोस जमीन पर उतरता है.

उत्तर—अंतरिक्ष अन्वेषण में, **स्पलैश-डाउन** और टचडाउन बताते है कि जब कोई अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर वापस आता है, तो वह कैसे उतरता है. दोनों में वायुमण्डल में फिर से प्रवेश करना शामिल है, लेकिन वे कहाँ उतरते हैं, इसमें अन्तर है. स्पलैशडाउन का अर्थ है पानी में उतरना, आमतौर पर समुद्र में. वही टचडाउन का अर्थ है ठोस जमीन पर उतरना.

स्पलैशडाउन

- स्पलैशडाउन पानी में एक अंतरिक्ष यान की नियंत्रित लैंडिंग है, आमतौर पर एक महासागर. इसका उपयोग मानव अंतरिक्ष अन्वेषण के शुरुआती दिनों में व्यापक रूप से किया गया था, खासकर नासा और सोवियत संघ द्वारा. पानी की लैंडिंग कठोर सतहों की तुलना में अपेक्षाकृत नरम प्रभाव प्रदान करती है, जिससे यह चालक दल और अंतरिक्ष यान के लिए सुरक्षित हो जाता है.

स्पलैशडाउन प्रक्रिया

- **पुन: प्रवेश चरण**—जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर वापस आता है, तो यह अत्यंत उच्च गति (अपोलो मिशन के दौरान लगभग 25,000 किमी/घण्टा या 15,500 मील प्रति घण्टे) पर यात्रा करता है.
- वायुमण्डल के साथ घर्षण इसे धीमा कर देता है, लेकिन तीव्र गर्मी भी पैदा करता है.
- गर्मी लगभग 2,700-3,000 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच सकती है, लेकिन हीट शील्ड अंतरिक्ष यान को जलने से बचाती है.
- **पैराशूट के साथ धीमा करना**—जैसे ही अंतरिक्ष यान धीमा होता है, पैराशूट चरणों में जारी किए जाते हैं; कैप्सूल को स्थिर करने के लिए पहले छोटे पैराशूट, इसके बाद बड़े पैराशूट खुलते हैं, जिससे पानी में उतरने के लिए गति और कम हो जाती है.
- **पानी में उतरना**—अंतरिक्ष यान लगभग 25 किमी/घण्टा (15 मील प्रति घण्टे) की सुरक्षित गति से पानी में उतरता है; हवा भरे उपकरण कैप्सूल को तब तक तैरते और स्थिर रखते है जब तक बचाव दल नहीं पहुँच जाते.

पानी में उतरना क्यों बेहतर विकल्प है ?

- पानी जमीन से नरम होता है, जिससे अंतरिक्ष यान और चालक दल पर प्रभाव कम कठोर होता है.
- पृथ्वी का 70% हिस्सा पानी से ढका हुआ है, इसलिए लैंडिंग के ज्यादा अवसर हैं.
- पानी लैंडिंग के बाद फिर से प्रवेश करने वाली गर्मी के कारण आग लगने की सम्भावना को कम करता है.

स्प्लैशडाउन का अभी भी उपयोग क्यों किया जाता है ?

- **सुरक्षित और सस्ता रिकवरी**—पानी में उतरने से नुकसान कम होता है, जिससे अंतरिक्ष यान के कुछ हिस्सों का दोबारा उपयोग करना आसान हो जाता है.
- **भविष्य के मिशनों में ज्यादा आम**—जैसे-जैसे ज्यादा कम्पनियाँ और एजेंसियाँ अंतरिक्ष में प्रवेश करेंगी, स्प्लैशडाउन का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता रहेगा.

स्प्लैशडाउन की चुनौतियाँ और जोखिम

- अंतरिक्ष यान को पानी से निकालने के लिए विशेष जहाजों और प्रशिक्षित टीमों की आवश्यकता होती है.
- कैप्सूल को उबड़-खाबड़ लहरों का सामना करना पड़ सकता है या बचाव से पूर्व यह डूब भी सकता है.
- समुद्री पानी अंतरिक्ष यान के भागों को नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे मरम्मत महँगी हो जाती है.

टचडाउन

- टचडाउन का तात्पर्य ठोस जमीन पर अंतरिक्ष यान की लैंडिंग से है. स्पलैशडाउन के विपरीत, टचडाउन एक तैयार सतह पर होता है, जैसे कि रनवे, रेगिस्तान या लैंडिंग पैड. यह तरीका आधुनिक अंतरिक्ष मिशनों में आम है और इससे जल्दी वापस पाना और नवीनीकरण की लागत कम होती है.

लैंडिंग प्रक्रिया

पुनः प्रवेश चरण—अंतरिक्ष यान वायु-मण्डल में वापस आता है और हवा के साथ घर्षण के कारण तीव्र गर्मी का सामना करता है; हीट शील्ड इसे जलने से बचाती है.

धीमा करना और स्थिर करना—अंतरिक्ष यान अपनी हीट शील्ड और हवा के प्रतिरोध का उपयोग गति को कम करने के लिए करता है; कुछ मिशन लैंडिंग से पहले और धीमा करने के लिए छोटे रॉकेट (रेट्रो-थ्रस्टर्स) फायर करते हैं.

लैंडिंग के तरीके

- कुछ अंतरिक्ष यान जमीन से टकराने से पहले धीमा होने के लिए पैराशूट का उपयोग करते हैं.
- स्पेसएक्स के फाल्कन 9 और ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड जैसे रॉकेट धीरे-धीरे और लम्बवत् रूप से उतरने के लिए इंजन का उपयोग करते हैं.
- स्पेस शटल जैसे स्पेसप्लेन, हवाई जहाज के समान पहियों का उपयोग करके रनवे पर उतरते हैं.

टचडाउन के लाभ

- जमीन पर उतरने वाले स्पेसक्राफ्ट को ज्यादा तेजी से और आसानी से उठाया जा सकता है.
- जमीन पर उतरने से नमकीन समुद्री पानी से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है, जिससे मरम्मत सस्ती हो जाती है.
- स्पेसएक्स के फॉल्कन 9 और स्टारशिप जैसे रॉकेट का फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि वे नियंत्रित तरीके से आसानी से लैण्ड करते हैं.
- तैयार सतह पर उतरने से लैंडिंग ज्यादा सटीक और सुरक्षित हो जाती है.

टचडाउन की चुनौतियाँ और जोखिम

- ठोस जमीन पर उतरने से ज्यादा तेज झटका लगता है, जो स्पेसक्राफ्ट और चालक दल के लिए ज्यादा मुश्किल हो सकता है.
- ग्राउण्ड लैंडिंग के लिए विशिष्ट, सुलभ स्थानों की आवश्यकता होती है, जिससे लचीलापन सीमित हो जाता है.
- खराब मौसम के कारण भूमि-आधारित लैंडिंग में देरी होने की अधिक सम्भावना होती है.
- सुरक्षित लैंडिंग संचालन के लिए रनवे, लैंडिंग पैड और अन्य सुविधाएँ आवश्यक हैं.

स्प्लैशडाउन और टचडाउन दोनों ही अंतरिक्ष मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनमें से प्रत्येक के अपने फायदे और चुनौतियाँ हैं. स्प्लैशडाउन, जो एक नरम लैंडिंग प्रदान करता है, का आमतौर पर अंतरिक्ष यात्रा के शुरुआती दिनों में उपयोग किया जाता था और अब यह निजी अंतरिक्ष कम्पनियों के साथ वापसी कर रहा है. हालाँकि, टचडाउन ज्यादा सटीक है और रॉकेट का दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे यह आधुनिक अंतरिक्ष यात्रा और ग्रहों पर उतरने के लिए पसंदीदा विकल्प बन गया है. जैसे-जैसे अंतरिक्ष अन्वेषण आगे बढ़ेगा, दोनों लैंडिंग विधियाँ बेहतर होती जाएंगी, जिससे अंतरिक्ष यात्रा सुरक्षित और ज्यादा विश्वसनीय हो जाएगी.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—स्प्लैशडाउन की प्रक्रिया से पृथ्वी पर पुनः प्रवेश प्रमुख अंतरिक्ष मिशनों के उदाहरण हैं—

1. अपोलो 11
2. सोयुज कैप्सूल यान
3. स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन

कूट :

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर—(B)

ऐतिहासिक उदाहरण

स्प्लैशडाउन	टचडाउन
अपोलो मिशन (1968-1972)—अपोलो 11 और अपोलो 13 सहित नासा के अपोलो मिशन, चन्द्रमा से लौटने के बाद समुद्र में उतरे. कैप्सूल प्रशांत महासागर में उतरे, जहाँ जहाजों ने चालक दल और अंतरिक्ष यान को उठाया. **मर्करी और जेमिनी कार्यक्रम**—शुरुआती अमेरिकी अंतरिक्ष मिशनों में भी स्प्लैशडाउन का इस्तेमाल किया गया था. कैप्सूल अटलांटिक महासागर में उतरे और नौसेना के जहाजों द्वारा बरामद किए गए. **स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन**—स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन जैसे आधुनिक निजी अंतरिक्ष मिशनों ने स्प्लैशडाउन को वापस अपनाया है. वर्ष 2021 में, इंस्पिरेशन4 मिशन अटलांटिक महासागर में सुरक्षित लैंडिंग के साथ समाप्त हुआ.	**सोयुज कैप्सूल लैंडिंग (रूस)**—सॉफ्ट टच डाउन के लिए पैराशूट और रेट्रो-रॉकेट का उपयोग करके कजाकिस्तान में उतरा. **अंतरिक्ष शटल कार्यक्रम (1981-2011)**—एक हवाई जहाज की तरह उतरा रनवे, मुख्य रूप से कैनेडी स्पेस सेंटर या एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस पर. **स्पेसएक्स फॉल्कन 9**—इंजन बर्न का उपयोग करके, ग्राउण्ड पैड या ड्रोन शिप पर लम्बवत् रूप से लैण्ड करता है. स्टारशिप को वर्टिकल लैंडिंग के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन इसने अभी तक इस क्षमता का प्रदर्शन नहीं किया है.



स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. केन्द्र सरकार की एक घोषणा के अनुसार, रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए फैसला लिया गया है.

–1 अरब डॉलर का एक कोष बनाने हेतु

☞ केन्द्र सरकार ने देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए एक अरब डॉलर का कोष स्थापित करने का फैसला किया है. संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, "रचनात्मक अर्थव्यवस्था (जिसे नारंगी अर्थव्यवस्था के रूप में भी जाना जाता है), आर्थिक वृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए रचनात्मक परिसम्पत्तियों के योगदान और क्षमता पर आधारित एक विकसित अवधारणा है. यह प्रौद्योगिकी, बौद्धिक सम्पदा और पर्यटन के साथ बातचीत करने वाले आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं को शामिल करता है."

2. हाल ही में सम्पन्न राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की पहली बैठक की अध्यक्षता किसके द्वारा की गई है ? ***–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा***

☞ विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर 3 मार्च, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की पहली बैठक की अध्यक्षता की. उल्लेखनीय है कि वर्तमान राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थापना वर्ष 2003 में वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में संशोधन के बाद की गई थी. इसने मूल रूप से 1952 में स्थापित भारतीय वन्यजीव बोर्ड (IBWL) का पुनर्गठन किया था. एनबीडब्ल्यूएल वन्यजीव नीति तैयार करने, वन्यजीवों और वनों के संरक्षण तथा नए राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों की स्थापना के लिए सिफारिशें देने के मामलों पर देश की सर्वोच्च संस्था है. एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष और केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री इसके उपाध्यक्ष होते हैं. एनबीडब्ल्यूएल की स्थायी समिति राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों के अन्दर और आसपास वन भूमि पर स्थित परियोजनाओं की समीक्षा करती है.

3. 11–13 मार्च, 2025 के बीच विश्व पैरा-एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन किया गया– ***–जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (नई दिल्ली)***

☞ भारत ने पहली बार विश्व पैरा-एथलेटिक्स ग्रैण्ड प्रिक्स की मेजबानी की. इस आयोजन में 19 देशों के 105 पैरा-एथलेटिक्स खिलाडियों ने भाग लिया. इस 3 दिवसीय आयोजन में 90 से अधिक प्रतियोगिताएं शामिल थीं.

4. हाल ही में भारत में नदी डॉल्फिन जनसंख्या आकलन के आधार पर औसतन कितने गंगा डॉल्फिन का अनुमान लगाया गया है ? ***–6,324***

☞ गंगा और ब्रह्मपुत्र घाटियों में 2021 और 2023 के बीच किए गए सर्वेक्षण में औसतन 6,324 गंगा डॉल्फिन होने का अनुमान लगाया गया है. सर्वेक्षण में सिंधु बेसिन में केवल तीन सिंधु नदी डॉल्फिन पाई गईं, ये सभी पंजाब में ब्यास नदी में थीं. गंगा डॉल्फिन की सबसे अधिक संख्या 2,397 उत्तर प्रदेश में पाई गई. इनके स्थानीय नामों में जैसे हिंदी में सुसु, सूंस, सोन्स या सूस; बंगाली में शुशुक; असमिया में हिहो या हिहू और नेपाली में भागीरथ, शूस या सुओंगसू शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि सिंधु और गंगा डॉल्फिन को 1990 के दशक से अन्तर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की लाल सूची में 'लुप्तप्रायः' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है. गौरतलब है कि डॉल्फिन कार्यात्मक रूप से अंधी होती हैं. वे पानी के माध्यम से यात्रा करती हैं और वस्तुओं से टकराने के बाद वापस उछलती हैं. इस प्रक्रिया को इकोलोकेशन कहा जाता है.

5. हाल ही में किन 2 सार्वजानिक कम्पनियों को नवरत्न का दर्जा दिया गया है ? ***–आईआरसीटीसी और आईआरएफसी***

☞ केन्द्र सरकार ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) और भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) को क्रमशः देश की 25वीं और 26वीं नवरत्न कम्पनियों के रूप में मान्यता दी है. नवरत्न, केन्द्र सरकार के स्वामित्व वाली 'रत्न' कम्पनियों की दूसरी श्रेणी है, जिन्हें लाभप्रदता, निवल मूल्य, कमाई, अंतर-क्षेत्रीय प्रदर्शन आदि मानदण्डों के आधार पर महारत्न और मिनीरत्न के बीच रखा गया है. नवरत्न प्लें के बाद IRCTC और IRFC बिना सरकारी मंजूरी के किसी एक प्रोजेक्ट में ₹ 1,000 करोड़ या अपनी कुल सम्पत्ति का 15% तक निवेश कर सकती हैं.

6. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में पीएचटीए और सेमी-क्रायो इंजन के विकास के लिए कौनसा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है ? ***–पॉवर हेड टेस्ट आर्टिकल (PHTA)***

☞ PHTA एक महत्वपूर्ण प्रीकर्सर परीक्षण है जो इंजन की कुछ महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों, जैसे कि गैस जनरेटर, टर्बो पम्प, प्री-बर्नर और नियंत्रण घटकों के एकीकृत प्रदर्शन को मान्य करने के लिए किया जाता है. क्रायोजेनिक इंजन में लिक्विड ऑक्सीजन और लिक्विड हाइड्रोजन का इस्तेमाल होता है. लिक्विड हाइड्रोजन का भण्डारण चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि इसे–253 डिग्री सेल्सियस पर स्टोर करना पड़ता है और यह बहुत ज्वलनशील होता है. वहीं अर्द्ध-क्रायोजेनिक इंजन में तरल ऑक्सीजन-केरोसिन संयोजन का उपयोग किया जाता है, जहाँ केरोसिन को आसानी से भण्डारण योग्य बनाया जा सकता है; यह संयोजन उच्च घनत्व आवेग (क्रायोजेनिक के सम्बन्ध में), कम विषाक्त (भण्डारण के सम्बन्ध में) और लागत प्रभावशीलता जैसे लाभ प्रदान करता है.

7. हाल ही में किसके द्वारा भारत को एक अग्रणी प्रौद्योगिकी राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी लाने के उद्देश्य से नीति-एफटीएच की स्थापना की है ?

–नीति आयोग द्वारा

☞ नीति-एफटीएच ने भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद् के साथ मिलकर क्वांटम कम्प्यूटिंग, राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव पर एक पेपर जारी किया है. इस शोधपत्र में पाँच तरीकों की ओर इशारा किया गया है जिनसे क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकताओं को नया आकार दे सकती हैं.

8. हाल ही में किसे भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है ? ***–तुहिन कांत पाण्डे***

☞ भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पाण्डेय ने माधुरी पुरी बुच का स्थान लिया है. उल्लेखनीय है कि सेबी अध्यक्ष की नियुक्ति केन्द्र सरकार द्वारा वित्तीय क्षेत्र नियामक नियुक्ति खोज समिति (एफएसआरएएससी) की सिफारिश पर की जाती है. अध्यक्ष अधिकतम पाँच वर्ष की अवधि तक या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे तथा पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होंगे.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट, 2024 के अनुसार विश्व की सबसे प्रदूषित राष्ट्रीय राजधानी है— ***–राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली***

☞ विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट (आईक्यूएयर) 2024 के अनुसार दिल्ली लगातार छठे वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राष्ट्रीय राजधानी है. रिपोर्ट के अनुसार, विश्व का सबसे प्रदूषित शहर असम और मेघालय की सीमा पर स्थित बर्नीहाट है. विश्व के 5 सबसे प्रदूषित देश चाड, बांग्लादेश, पाकिस्तान, कांगो और भारत हैं. रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के मात्र 7 देश ही वार्षिक औसत PM 2·5 स्तर (5 $\mu g/m^3$ की औसत वार्षिक सीमा की सिफारिश) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के दिशा-निर्देशों को पूरा कर पाए हैं. ये देश हैं–ऑस्ट्रेलिया, बहामास, बारबाडोस, एस्टोनिया, ग्रेनेडा, आइसलैण्ड और न्यूजीलैण्ड.

2. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की किस देश की यात्रा के दौरान वहाँ के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैण्ड कमाण्डर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एण्ड की ऑफ द इंडियन ओशन' से सम्मानित किया गया है ? ***–मॉरीशस***

☞ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मॉरिशस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से उनकी मॉरिशस यात्रा के दौरान सम्मानित किया गया. प्रधानमंत्री मोदी यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं. अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 12 मार्च को मॉरिशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भी भाग लिया. अपनी इस यात्रा के दौरान भारत सरकार ने ₹ 500 मिलियन मॉरिशस (₹ करीब 100 करोड़) की नई परियोजनाओं की घोषणा की. इसके अलावा भारत की सहायता से मॉरिशस में नई संसद भवन का निर्माण भी किया जाएगा.

3. भारत और जापान के बीच छठा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' कहाँ आयोजित किया गया है ? ***–ईस्ट फूजी प्रशिक्षण क्षेत्र (जापान) में***

☞ 24 फरवरी से 9 मार्च, 2025 तक आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' जापान के ईस्ट फूजी युद्ध प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित किया गया. 'धर्म गार्जियन' एक वार्षिक सैन्य अभ्यास है जो क्रमवार भारत और जापान में आयोजित किया जाता है. इसका पिछला 5वाँ संस्करण फरवरी-मार्च 2024 में राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किया गया था. इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य शहरी युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में भारत और जापान की सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय स्थापित करना है. इस युद्धाभ्यास की शुरुआत वर्ष 2018 में की गई थी .

4. पूर्व केन्द्रीय बैंकर मार्क कार्नी जो कनाडा के प्रधानमंत्री बने हैं, किस पार्टी से सम्बन्धित हैं. ***–लिबरल पार्टी***

☞ 9 मार्च, 2025 को कनाडा की लिबरल पार्टी के नेतृत्व का चुनाव मार्क कार्नी ने 86 प्रतिशत वोटों के साथ जीता है. जनवरी में जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद अब वे कनाडा के प्रधानमंत्री बने है. गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के विपरीत, जहाँ प्रधानमंत्रियों को विधायकों द्वारा चुना जाता है और उन्हें बहुत जल्दी हटाया जा सकता हैं, कनाडा में राजनीतिक दलों के प्रमुखों को विशेष चुनावों में सदस्यों द्वारा चुना जाता है. बहुमत प्राप्त उम्मीदवार ही नया प्रमुख अथवा प्रधानमंत्री बन जाता है.

5. हाल ही में जारी लैंसेट अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त वयस्कों की सबसे बड़ी आबादी कहाँ है ? ***–चीन में***

☞ मोटापे पर लैंसेट अध्ययन में वर्ष 1990 से 2021 तक वयस्कों में अधिक वजन और मोटापे की वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय व्यापकता के ऐतिहासिक रुझानों की जाँच की गई और 2050 तक के भविष्य की भविष्यवाणी की गई. अध्ययन के अनुसार, अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त वयस्कों की सबसे बड़ी आबादी चीन के बाद भारत में है. रिपोर्ट के अनुसार, 1990 की तुलना में, मोटापे की वैश्विक व्यापकता पुरुषों में 155·1% और महिलाओं में 104·9% बढ़ गई है. वैश्विक स्तर पर, 2050 तक आधे से अधिक वयस्क तथा एक-तिहाई बच्चे और किशोर अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हो जाएंगे. रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि 2050 तक भारत में 21·8 करोड़ पुरुष और 23·1 करोड़ महिलाएँ अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होंगी. यह लगभग 44·9 करोड़ या देश की अनुमानित जनसंख्या का लगभग एक तिहाई होगा.

6. हाल ही में अत्यधिक चर्चित और रिकॉर्ड 4·38 मिलियन अमेरिकी डॉलर में बेची गई गाय किस नस्ल की है ? **–ओंगोले नस्ल की वियाटिना-19**

☞ ओंगोले शुद्ध नस्ल की गाय, वियाटिना-19, ब्राजील के मिनस गेरैस में 4·38 मिलियन अमेरिकी डॉलर (25·7 मिलियन ब्राजीलियन रियल या ₹ 40 करोड़) में बेची गई. यह एक ऐसी नस्ल है जो ब्राजील में खूब फलती-फूलती है. इस देश के 226 मिलियन मवेशियों में से लगभग 80 प्रतिशत ओंगोले नस्ल की ही गाय हैं. उल्लेखनीय है कि ओंगोल का मूल निवास स्थान भारत है, जहाँ यह विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रहा है. इसकी संख्या 1944 में 15 लाख से घटकर 2019 की पशुधन जनगणना में 6·34 लाख रह गई है. ओंगोले अपनी गर्मी सहन करने की क्षमता और कम चारे पर जीवित रहने की क्षमता के लिए भी जानी जाती हैं.

7. हाल ही में चर्चित चागोस द्वीप समूह में कितने द्वीप शामिल हैं ? ***–58 द्वीप***

8. 11-12 मार्च, 2025 के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉरिशस यात्रा से पहले भारत ने हिन्द महासागर में चागोस द्वीप समूह को लेकर ब्रिटेन के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते की सराहना की थी. चागोस द्वीपसमूह में 58 द्वीप शामिल हैं. यह हिन्द महासागर में मालदीव द्वीपसमूह के दक्षिण में लगभग 500 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. वर्ष 1814 में पेरिस की संधि के तहत फ्रांस ने मॉरिशस को ब्रिटिशों को सौंप दिया था, जिसमें चागोस द्वीपसमूह भी शामिल था. ब्रिटेन ने 1965 में चागोस द्वीपसमूह को मॉरिशस से अलग करके ब्रिटिश हिन्द महासागर क्षेत्र (BIOT) बनाया. ब्रिटेन सरकार ने चागोस द्वीपसमूह को अलग करने के लिए मॉरिशस को 3 मिलियन पाउण्ड का अनुदान दिया. हालाँकि, पिछले वर्ष अक्टूबर में, ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह की सम्प्रभुता मॉरिशस को हस्तान्तरित करने के लिए एक समझौता किया था, जबकि डिएगो गार्सिया स्थित सैन्य अड्डे पर 99 वर्ष के पट्टे के तहत् नियंत्रण बरकरार रखा है.

8. विश्व खुशहाली रिपोर्ट, 2025 में कौनसा देश लगातार 8वें वर्ष शीर्ष पर रहा है ? ***–फिनलैण्ड***

☞ अन्तर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस (20 मार्च) के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा जारी विश्व खुशहाली रिपोर्ट, 2025 में फिनलैण्ड लगातार 8वें वर्ष शीर्ष स्थान पर मौजूद है और इसे दुनिया का सबसे खुशहाल देश बताया गया है. भारत को रिपोर्ट में 118वें स्थान पर रखा गया है जबकि लगातार चौथे वर्ष 147वें स्थान के साथ अफगानिस्तान सबसे निचले पायदान पर है. इस रिपोर्ट में शीर्ष 5 सबसे खुशहाल देश क्रमशः फिनलैण्ड , डेनमार्क , आइसलैण्ड, स्वीडन और नीदरलैण्ड हैं. वही सबसे निचले पायदान वाले पाँच देश क्रमशः जिम्बाब्वे (143), मलावी (144), लेबनान (145), सिएरा लियोन (146) और अफगानिस्तान (147) हैं. ●●●



विश्व परिदृश्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स का वैश्विक प्रबन्धन तथा भारत

अर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स (ए. आई.) अथवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्तमान विश्व की एक क्रान्तिकारी खोज है. इसे **विघटनकारी** (Disruptive) तकनीक भी कहा जाता है. इसका प्रमुख कारण यह है कि इस तकनीकि के प्रयोग से मानव समाज के प्रत्येक क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन की प्रक्रियाओं, शोध की विधियों तथा ज्ञानार्जन की प्रणालियों व प्रक्रियाओं आदि में आधार भूत परिवर्तन की सम्भावना निहित है. ए. आई. तकनीकि एक ऐसी तकनीकि है जो अपनी अभूतपूर्व गणना क्षमता के कारण मानव मस्तिष्क की भाँति काम करती है. कई मामलों में ए. आई. फीड किए गए आँकड़ों के आधार मानव मस्तिष्क की ही तरह अनुमान लगाने व सुझाव देने का काम भी कर सकती है. यह तकनीकि अभी अपनी आरम्भिक अवस्था में है, लेकिन अमेरिका तथा चीन इसके मॉडल तैयार करने में अन्य देशों से आगे निकल गए हैं. उदाहरण के लिए अमेरिकी कम्पनी ओपेन ए. आई. ने अपना पहला ए. आई. माडल **चैटजीपीटी** (ChatGPT) तथा गूगल ने अपना मॉडल **जेमिनी** (Gemini) के नाम से लॉन्च किया है. अभी हाल में ही चीन ने अपना पहला ए. आई. मॉडल **डीपसीक** (Deepseek) को सस्ती लागत पर तैयार किया है. भारत ने भी अपना ए. आई. मॉडल 2025 में तैयार करने की घोषणा कर दी है तथा इसके लिए भारत ने मार्च 2024 में नेशनल ए. आई. मिशन की भी शुरुआत की थी. कुल मिलकर वर्तमान में देशों में इस तकनीक को उन्नत बनाने तथा इसका अधिकाधिक उपयोग करने की होड़ मची हुई है. अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने जनवरी 2025 में चीन को इस तकनीकि में मात देने के लिए ओपेन ए. आई. नामक कम्पनी के तत्वावधान में 500 मिलियन डॉलर का कार्यक्रम शुरू किया है जिसे **स्टारगेट** (Stargate) के नाम से जाना जाता है.

अर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स से उपजे मुद्दे

इन तमाम लाभों के बीच ए. आई. से उपजे मुद्दे भी हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है.

प्रथम, ए. आई. तकनीकि का दुरुपयोग भी किए जाने की उतनी ही सम्भावनाएं हैं, जितने कि इसके लाभ हैं. साइबर अपराधी इस तकनीकि के द्वारा किसी भी व्यक्ति की नकली फोटो व उसका नकली वीडियों भी बना सकते हैं. ए. आई. तकनीकि का दुरुपयोग किसी को ब्लेकमेल करने अथवा उसकी निजता भंग करने के लिए किया जा सकता है.

दूसरा, ए. आई. के बारे में यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि इसके अत्यधिक प्रयोग से उद्योगों में आटोमेशन बढ़ेगा तथा बहुत से लोग बेरोजगार हो सकते हैं. दूसरी तरफ ए. आई के समर्थक इस बात को खारिज कर यह तर्क देते हैं कि इससे रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे, लेकिन उन अवसरों का लाभ लेने के लिए नए कौशल अथवा पुनर्कौशल की आवश्यकता होगी. इस सबके बावजूद इतना तो अवश्य है कि ए. आई. के अत्यधिक प्रयोग से रोजगार के क्षेत्र में उथल-पुथल की स्थिति पैदा हो सकती है. इसीलिए ए. आई. के प्रयोग को बढ़ाने के साथ ही कौशल विकास के भी प्रयास किए जाने आवश्यक हैं.

तीसरा, ए. आई. गणना की तीव्र क्षमता पर आधारित है. अतः इसमें अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता है. विश्व में पहले से स्वच्छ ऊर्जा को लेकर तमाम उथल-पुथल मची हुई है. ए. आई. प्रयोग होने वाली ऊर्जा परम्परागत स्रोतों से आती है तो उससे कार्बन उत्सर्जन का खतरा और अधिक बढ़ जाएगा. अतः ए. आई. को कार्बन उत्सर्जन की दृष्टि से हानिकारक माना जा रहा है.

चौथा, ए. आई. की उपलब्धता सभी देशों तथा देशों के अन्दर सभी वर्गों में समान नहीं होगी. इसे डिजिटल डिवाइड कहा जाता है. **डिजिटल डिवाइड** (Digital Divide) की समस्या अत्यधिक गम्भीर हो जाएगी, क्योंकि ए. आई. की व्यवस्था अत्यधिक व्ययसाध्य है. यदि वर्तमान में ए. आई. के विकास पर गौर किया जाए तो केवल दो देशों अमेरिका तथा चीन का इस पर प्रभुत्व है. अन्य देशों में इसका विकास अभी भी शैशवावस्था में है.

पाँचवाँ, ए. आई. की पहुँच वैश्विक है. अतः इसके लिए देशों के बीच वैश्विक स्तर पर मापदण्ड स्थापित करने की आवश्यकता है. कतिपय देश ए. आई. पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं वहीं दूसरी ओर कतिपय देश जैसे अमेरिका इस पर नियंत्रण के विरोधी हैं. ऐसी स्थिति में ए. आई. के प्रशासन के लिए वैश्विक मापदण्ड विकसित करना एक कठिन समस्या है. फिर भी देशों द्वारा अपनी सोच के हिसाब से इसके प्रशासन (Governance) के प्रयास किए जा रहे हैं. भारत भी इन प्रयासों में शामिल है.

ए. आई. के प्रशासन (Governance) के वैश्विक प्रयास

ए. आई. के प्रशासन हेतु वैश्विक प्रयासों का क्रम जारी है. ए. आई. के प्रशासन की मुख्य चुनौती एक ओर इसके विकास, उपयोग तथा दुरुपयोग में सन्तुलन स्थापित करना है तथा दूसरी ओर घरेलू आवश्यकताओं तथा वैश्विक मापदण्डों में समन्वय स्थापित करना है. इसका उद्देश्य ए. आई. के दुरुपयोग को रोकते हुए इसे सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए उपयोग में लाना है.

ए. आई. के प्रशासन के तीन प्रचलित मॉडल

यदि वर्तमान में विभिन्न देशों द्वारा अपनाए गए ए. आई. के प्रशासन के प्रयासों पर गौर किया जाए, तो इसके तीन मॉडल दिखाई देते हैं.

1. पहला यूरोपीय संघ का रिस्क आधारित मॉडल (Risk-based Model)– ए. आई. प्रशासन के विकास में यूरोपियन संघ अग्रणी हैं. यूरोपीय संघ द्वारा ए. आई. के दुरुपयोग व सम्भावित खतरों को ध्यान में रखते हुए उसके विनियमन हेतु जुलाई 2024 में व्यापक ए. आई. एक्ट तैयार किया है. इसका निहितार्थ यह है कि ए. आई. के खतरों के हिसाब से इसका विनियमन किया जाएगा. इसके उपयोग अथवा विकास के लिए एक्ट में कोई प्रावधान नहीं है. अतः इसका विकास व उपयोग बाजारू शक्तियों पर निर्भर रहेगा.

2. चीन का राज्य नियंत्रित (State-Controlled) **मॉडल**–ए. आई. के प्रशासन का दूसरा मॉडल चीन में लागू किया गया है. इस मॉडल में चीन में ए. आई के विकास तथा उसके उपयोग के क्षेत्रों पर चीन की सरकार का पूरा नियंत्रण रहेगा. अतः चीन में वहाँ की सरकार यह निर्धारण करेगी कि किन क्षेत्रों में ए. आई. का किस तरह प्रयोग किया जाना है.

3. अमेरिका का बाजार-आधारित (Market-based) **मॉडल**–अमेरिका ए. आई. के विकास तथा उपयोग पर किसी प्रकार के विनियमन का समर्थक नहीं है. अमेरिका में ए. आई. का उपयोग व विकास बाजार की आवश्कताओं के अनुसार तय होगा. सरकार इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी.

ए. आई. के प्रशासन का भारतीय मॉडल–भारत ने अपनी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मध्यमार्गी मॉडल को अपनाया

है जिसमें भारत में ए. आई. के विकास तथा उसके सुरक्षित प्रयोग दोनों में सरकार की भूमिका होगी. मार्च 2024 में भारत द्वारा घोषित राष्ट्रीय ए. आई. मिशन से भारत में ए. आई. के प्रशासन का भी पता चलता है. इस मिशन में सात स्तम्भ शामिल किए गए हैं जिनमें से 6 स्तम्भ भारत में ए. आई. के विकास से सम्बन्धित हैं तथा सातवाँ स्तम्भ सुरक्षित तथा विश्वसनीय ए. आई. के प्रयोग से सम्बन्धित है. इसी के साथ भारत ने समावेशी ए. आई. के विकास व उपयोग पर जोर दिया है.

भारत के ए. आई. मिशन के सात स्तम्भ निम्नवत् हैं–

1. भारत में ए. आई. की गणना क्षमता को बढ़ाना.
2. भारत में ए. आई. में नवाचार को बढ़ावा देना.
3. भारत में ए. आई. आधारित डाटा प्लेटफॉर्म की स्थापना.
4. भारत में ए. आई. के उपयोग को बढ़ाने के लिए अलग केन्द्र की स्थापना.
5. भारत में ए. आई. के लिए आवश्यक कौशल का विकास करना.
6. भारत में ए. आई. के विकास के लिए स्टार्टस अप को वित्तीय सहायता प्रदान करना.
7. सुरक्षित तथा विश्वसनीय ए. आई. को सुनिश्चित करना.

भारत में ए. आई. के विकास तथा उसके सुरक्षित उपयोग दोनों के बीच सन्तुलन बैठाने का प्रयास किया गया है. इस मिशन का आधारभूत उद्देश्य ए. आई. के क्षेत्र में भारत को आत्म-निर्भर बनाना है तथा सबके लिए एक सुरक्षित ए. आई. इकोसिस्टम की स्थापना करना है. भारत में ए. आई. के विकास में सरकार के सहयोग की आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि इसमें अत्यधिक निवेश की आवश्यकता है तथा निजी क्षेत्र ऐसे अनिश्चित क्षेत्र में निवेश करने से बचेगा. दूसरी तरफ अमेरिका में प्राइवेट निवेश की कोई कमी नहीं है. इसके साथ ही भारत में एक सुरक्षित तथा समावेशी परिवेश की आवश्यकता है ताकि समाज का प्रत्येक वर्ग उसके लाभों को प्राप्त कर सके. इसीलिए भारत ने अपनी आवश्यकताओं के आधार पर ए. आई. के विकास व इसके नियंत्रण के लिए बीच का रास्ता अपनाया है. अभी भारत ने उक्त ए. आई. मिशन के क्रियान्वित में दो स्तम्भों को क्रियान्वित कर दिया है. भारत ने ए. आई. के हिसाब से डाटा प्लेटफार्म की स्थापना कर दी है तथा गणना क्षमता बढ़ाने के लिए 1400 जी.पी.यू. (Graphic Processing Units) को नियोजित कर दिया है. उल्लेखनीय है कि ए. आई के ढाँचे में जी.पी.यू. का मुख्य कार्य गणना की क्षमता को बढ़ाना है. इन उपकरणों का निर्माण भारत में नहीं होता है तथा इन्हें अमेरिका से आयात किया जाता है. एक जी.पी.यू. की कीमत लगभग 40,000 डॉलर होती है.

वैश्विक प्रयासों में भारत की भागीदारी

वर्तमान में ए. आई. की पहुँच व प्रयोग का दायरा वैश्विक स्तर तक तेजी से फैल रहा है, अतः इसके नियमन के लिए वैश्विक प्रशासन ढाँचे व मापदण्डों की आवश्कता है. इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए भारत ए. आई. के प्रशासन के लिए वैश्विक प्रयासों में सक्रिय भागीदारी कर रहा है. इस भागीदारी को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए भारत ने 2020 में विदेश मंत्रालय में एक अलग डिवीजन की स्थापना की है जिसे **नेस्ट** (NEST-New Emerging and Strategic Technologies) के नाम से जाना जाता है. अभी तक भारत ने ए. आई. के प्रशासन के लिए किए गए निम्न वैश्विक प्रयासों में सक्रिय भागीदारी की है–

1. ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर ए. आई. (GPAI)–इसकी स्थापना 2020 में यूरोपीय देशों द्वारा की गई थी इसका प्रमुख उद्देश्य ए. आई. के विनियमन व उपयोग के वैश्विक मापदण्डों का विकास करना है. भारत इसका संस्थापक सदस्य है. भारत ने वर्ष 2023 में जी.पी.ए.आई. के चेयरपर्सन के रूप में जी. पी. आई. शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था. इसी तरह भारत ने इसके लीड चेयर के रूप में 3-4 जुलाई, 2024 को ए. आई. पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में किया था.

2. ए. आई. सुरक्षा पर ब्लैचली सम्मेलन– यह सम्मेलन नवम्बर 2023 में लन्दन के ब्लेचली पार्क में सम्पन्न हुआ था. इसका मुख्य उद्देश्य ए. आई. की सुरक्षा व खतरों पर विचार करना था. सम्मेलन में भारत ने भी हिस्सा लिया था. सम्मेलन के बाद ब्लेचली घोषणा-पत्र जारी किया गया था जिसमें भारत सहित 28 देशों ने हस्ताक्षर किए थे. इसी घोषणा-पत्र में ए. आई. के सुरक्षित उपयोग के लिए वैश्विक स्तर पर सुरक्षा सस्थानों का नेटवर्क बनाए जाने का प्रस्ताव भी शामिल है. ब्रिटेन तथा जापान ने इस तरह के सुरक्षा संस्थान स्थापित कर लिए हैं. भारत ने भी ए. आई. सुरक्षा संस्थान बनाने की घोषणा कर दी है.

3. ए. आई. एक्शन सम्मेलन–यह सम्मेलन 10-11 फरवरी, 2025 को फ्रांस में सम्पन्न हुआ था, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया था. सम्मेलन में भारत के दृष्टिकोण के अनुसार ही ए. आई. के विकास के साथ ही सुरक्षित व टिकाऊ ए. आई. के उपयोग पर जोर दिया गया है. उल्लेखनीय है सम्मेलन के अन्त में जो घोषणा जारी की गई थी उसमें अमेरिका के प्रतिनिधि ने हस्ताक्षर नहीं किए थे. अमेरिका का मानना है कि ए. आई. के सही उपयोग व विकास के लिए इस पर नियंत्रण नहीं लगाना चाहिए.

4. विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum) के प्रयास–स्विट्जरलैण्ड स्थित विश्व आर्थिक मंच ने भी ए. आई. के विकास तथा उसके अधिकाधिक प्रयोग पर जोर दिया है. विश्व आर्थिक मंच द्वारा जून 2023 में ए. आई. गवर्नेन्स एलायन्स की स्थापना की गई है. इसमें सरकारे तथा स्वैच्छिक संस्थाएं व ए. आई. कम्पनियाँ सभी शामिल हैं. इसका उद्देश्य एक समावेशी, पारदर्शी तथा सुरक्षित ए. आई. का विकास व उपयोग करना है.

5. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयास–संयुक्त राष्ट्र ने भी 2023 में ए. आई. के प्रशासन पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय सलाहकारी समिति की स्थापना की है. संयुक्त राष्ट्र ने ए. आई. पर एक श्वेत पत्र भी जारी किया है जिसमें ए. आई. के सुरक्षित उपयोग की वकालत की गई है.

निष्कर्ष

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ए. आई. एक क्रान्तिकारी तकनीकि है, जो मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष को आधारभूत रूप से प्रभावित करती है. जहाँ एक ओर इसका विकास व उपयोग सामाजिक व आर्थिक विकास में सहायक है, वही दूसरी ओर इसके दुरुपयोग की सम्भावनाएँ भी कम नहीं हैं चूँकि ए. आई. का स्वरूप व उपयोग वैश्विक है अतः इसके प्रशासन के लिए कतिपय वैश्विक मापदण्डों की स्थापना आवश्यक है. इसके लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं. इसी बीच चीन, अमेरिका तथा यूरोपीय संघ ने ए. आई. के प्रशासन के अपने-अपने मॉडल तैयार कर लिए हैं जहाँ अमेरिका ने बाजार के आधार पर ए. आई. के विकास व उपयोग पर बल देते हुए इसके नियमन का विरोध किया है, वहीं चीन ने सरकार के नियंत्रण में ए. आई. के विकास व उपयोग का मॉडल लागू किया है. इसके विपरीत यूरोपीय संघ ने ए. आई. के सम्भावित खतरों पर आधारित व्यवस्था लागू की है. भारत भी ए. आई. के उपयोग को बढावा दे रहा है. भारत ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप मध्यम मार्ग अपनाया है. भारत ने मार्च 2024 में घोषित किए गए ए. आई. मिशन में जहाँ ए. आई. के तीव्र विकास के लिए सरकारी प्रयासों को रेखांकित किया है वहीं सबके लिए सुरक्षित व समावेशी ए. आई. के उपयोग पर भी जोर दिया है. इसके साथ ही भारत ए. आई. के प्रशासन के लिए किए जा रहे वैश्विक प्रयासों में भी सक्रिय भागीदारी कर रहा है. भारत ने इसके तथा अन्य तकनीकों के क्षेत्र में वेश्विक भागीदारी व सहयोग के लिए विदेश मंत्रालय में नेस्ट (New Emerging and Strategic Technologies–NEST) नामक एक अलग डिवीजन की स्थापना भी की है. भारत ए. आई. के विकास, उपयोग तथा विनियमन में अग्रणी देश बनकर उभर रहा है.

यूक्रेन युद्ध का बदलता परिदृश्य

यूक्रेन युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप का सबसे घातक व लम्बे समय तक चलने वाला युद्ध है. यूक्रेन युद्ध की शुरुआत 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध सैनिक कार्यवाही के साथ हुई थी. आरम्भ में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि यूक्रेन की सेनाएं लम्बे समय तक रूस की सैनिक क्षमता का सामना नहीं कर पाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि यूक्रेन को अमेरिका तथा नाटो देशों द्वारा भरपूर सैनिक सहायता प्रदान की गई तथा रूस को कमजोर करने के लिए इन देशों द्वारा उसके विरुद्ध कई प्रकार के गहन आर्थिक व सैनिक प्रतिबन्ध लगाए गए. इस युद्ध में कितने लोग मारे गए इसको लेकर अलग-अलग आँकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं, लेकिन बी. बी. सी. द्वारा एकत्र किए गए सूत्रों के अनुसार फरवरी 2025 के मध्य तक दोनों तरफ से 1,48,359 सैनिक व नागरिक मारे जा चुके हैं. घायलों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है. इसके साथ ही यूक्रेन में कई बार मानवीय सहायता का संकट भी उत्पन्न हुआ है.

वर्तमान में इस युद्ध को 3 वर्ष पूरे हो गए हैं इन 3 वर्षों में कभी भी ऐसा नहीं लगा कि इस युद्ध का अन्त हो सकता है. जब 2022 में युद्ध शुरू हुआ था तो एक बार तुर्की में दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के बीच बात-चीत हुई थी, लेकिन अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडन के रोकने पर यूक्रेन ने इन वार्ताओं में भाग लेने से मना कर दिया था. तब से लेकर युद्ध निरन्तर हो रहा है, लेकिन किसी भी तरफ से बात-चीत अथवा समाधान का प्रयास नहीं किया गया. जुलाई व अगस्त 2024 में भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने क्रमशः रूस व यूक्रेन की यात्रा कर समझौते की राह ढूँढ़ने का प्रयास किया था, लेकिन दोनों पक्षों के बीच मतभेदों की खाई इतनी गहरी थी कि इन प्रयासों में भी कोई सफलता नहीं मिली.

ट्रम्प का शान्ति प्रस्ताव

जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिका का राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद यूक्रेन युद्ध का परिदृश्य बदला है. ट्रम्प ने अपने विरोधी बाइडन पर आरोप लगाते हुए कहा था कि अमेरिका यूक्रेन को सैनिक सहायता प्रदान कर युद्ध को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है. प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि अगर वे पद पर होते तो यह युद्ध शुरू ही नहीं होता. उन्होंने पद ग्रहण करने के बाद 3 दिन में यह युद्ध समाप्त करने की घोषणा भी चुनाव के दौरान की थी. पद में आने के बाद ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के गम्भीर प्रयास किए हैं.

18 फरवरी, 2025 को युद्ध के विषय पर अमेरिका के प्रतिनिधि मण्डल तथा रूस के प्रतिनिधि मण्डल के बीच सउदी अरब में सीधी बात-चीत हुई. इसके आधार पर ट्रम्प ने घोषणा की कि रूस युद्ध विराम के लिए तैयार है. इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी से बातचीत का प्रयास किया. इसी बीच अमेरिका ने गत् 3 वर्षों में दी गई 350 बिलियन डॉलर अमेरिकी सहायता के बदले यूक्रेन से वहाँ के खनिजों को प्राप्त करने के लिए अमेरिका को अधिकार देने की शर्त रखी. यूक्रेन ने इस प्रकार के खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करनें के लिए सहमति भी प्रदान कर दी थी. इसी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए जेलेन्सकी ने अमेरिका की यात्रा की. 28 फरवरी, 2025 को जेलेन्सकी व अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ बात-चीत हुई इसमें अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे. डी. वैन्स भी शामिल थे. यह बात-चीत मीडिया के सामने हुई. इस बात-चीत के दौरान जेलेन्सकी व ट्रम्प में कुछ बहसबाजी के दृश्य सामने आए. अगले दिन ब्रिटेन में यूरोपीय संघ के नेताओं ने जेलेन्सकी का साथ देने का आह्वान तो किया लेकिन इसकी कोई ठोस रूप रेखा नहीं बन पाई. इधर अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सैनिक सहायता तथा गुप्त सूचना देने पर रोक लगा दी गई. इससे जेलेन्सकी पर युद्ध के लिए समझौते का दबाव बढ़ गया. अन्ततः जेलेन्सकी ने अमेरिका को पत्र लिखकर अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध विराम पर सहमति व्यक्त की. ट्रम्प के वर्तमान प्रस्ताव में 30 दिनों के लिए युद्ध विराम की बात पहले चरण में शामिल की गई है. इन 30 दिनों में रूस व यूक्रेन के बीच सीधी बात-चीत भी हो सकती है. इस बात-चीत में इस युद्ध का राजनीतिक हल निकालने का प्रयास किया जाएगा. ट्रम्प ने यूक्रेन को नाटो की सदस्यता देने से साफ मना कर दिया है. इस बात की पूरी सम्भावना है कि शान्ति समझौते में यूक्रेन को रूस द्वारा कब्जाई गई अपनी 20 प्रतिशत भूमि भी गवानी पड़े. यूक्रेन युद्ध में शान्ति का प्रस्ताव कुछ भी हो, लेकिन ट्रम्प के प्रयासों से 3 वर्ष से चल रहे इस युद्ध में शान्ति की सम्भावनाएं बढ़ गई हैं. यूरोप के देश जो आरम्भ में ट्रम्प के प्रयासों का विरोध कर रहे थे वे भी समझौते का मन बना रहे हैं.

यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि तथा मुख्य कारक

यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि अत्यधिक जटिल है, क्योंकि यूक्रेन अपने हितों को छोड़कर अमेरिका व इसके नाटो साथी तथा दूसरी ओर रूस के बीच संघर्ष की कठपुतली बन गया है. इस युद्ध के लम्बे खिंचने का बड़ा कारण यही है. एक स्वतंत्र देश के रूप में वर्तमान यूक्रेन का जन्म सोवियत संघ के विघटन के बाद 1991 में हुआ था. यूक्रेन की आबादी मात्र 4·1 करोड़ है, लेकिन क्षेत्रफल की दृष्टि से यूक्रेन रूस के बाद यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा देश है. आरम्भ में यूक्रेन ने रूस के साथ घनिष्ठ सम्बन्धों का विकास किया. वर्ष 1994 में उसने परमाणु हथियारों को रूस को वापिस कर दिया जब उसे अमेरिका, ब्रिटेन तथा रूस द्वारा सुरक्षा की गारण्टी प्रदान की गई. इसके बाद नाटो देशों तथा रूस ने यूक्रेन में समय-समय पर अपनी समर्थित सरकारें स्थापित करने का प्रयास किया. इसी क्रम में 2010 के चुनावों में रूस समर्थित यानुकोविच पुन यूक्रेन में सत्ता प्राप्त करने में सफल हो गए. उन्होंने वर्ष 2013 में पश्चिमी प्रभाव को कम करने की नीति अपनाई. 2013 में ही उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ सहयोग ऐसोसिएशन समझौते पर रोक लगा दी. इसके विरोध में यूक्रेन की विरोधी पार्टियों तथा जनता ने 2014 के आरम्भ में पुनः एक आन्दोलन चलाया जिसे **यूरोमैदान विरोध** (Euromaidan Protests) के नाम से जाना जाता है. व्यापक जन विरोध के चलते यानुकोविच ने फरवरी 2014 में नए चुनावों की घोषणा कर दी तथा स्वयं भागकर रूस में शरण ले ली. इस घटना से आक्रोशित होकर रूस ने मार्च 2014 में सेना भेजकर यूक्रेन के प्रायद्वीप क्रीमिया पर कब्जा कर लिया. इसके साथ ही रूस के समर्थन से रूस की सीमा से लगे यूक्रेन के दो रूसी बाहुल्य क्षेत्रों–डोनेस्क तथा लुहान्स्क में अलगाववादी आन्दोलन शुरू हो गया. इन दोनों प्रान्तों में विद्रोहियों ने अपने शासन की स्थापना कर ली तथा वे यूक्रेन के नियंत्रण से बाहर हो गए हैं. उधर क्रीमिया की घटना को लेकर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों ने रूस का व्यापक विरोध किया तथा उसके विरुद्ध 2014 में ही कड़े आर्थिक व सैनिक प्रतिबन्ध लागू कर दिए.

वर्ष 2018 के चुनावों में रूस विरोधी तथा पश्चिम समर्थक जेलेन्सकी यूक्रेन के राष्ट्रपति बन गए. इसी बीच 2019 में यूक्रेन के वर्तमान राष्ट्रपति जेलेन्सकी ने यूक्रेन के संविधान में संशोधन कर यह व्यवस्था कर दी कि यूक्रेन नाटो तथा यूरोपीय संघ की सदस्यता प्राप्त करेगा. इसके साथ ही उन्होंने 2020 में घोषित अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में नाटों के साथ

घनिष्ठ सम्बन्ध बनाना एक महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित कर दिया. इसी तरह जेलेन्सकी ने मार्च 2021 में एक आदेश निकालकर क्रीमिया को रूस के नियंत्रण से मुक्त कराकर वापिस यूक्रेन में शामिल करने के औपचारिक आदेश भी निर्गत कर दिए. इस घटना चक्र से रूस को दो बातों का अहसास हो गया कि शीघ्र ही यूक्रेन नाटो की सदस्यता ग्रहण करेगा तथा वह नाटो के सहयोग से क्रीमिया को वापिस लेना चाहता है. इसी बीच नाटो ने मार्च 2021 में यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपना सबसे बड़ा सैनिक अभ्यास 'डिफेण्डर यूरोप 2021' का संचालन किया. नाटो ने जून 2021 के शिखर सम्मेलन में नाटो की सदस्यता प्राप्त करना यूक्रेन का सार्वभौमिक अधिकार बताया गया. इन घटनाओं के आलोक में नाटो व यूक्रेन को लेकर रूस की सुरक्षा चिन्ताएं बढ़ गईं.

इस सुरक्षा चिन्ता के बीच रूस ने दिसम्बर, 2021 में अमेरिका तथा नाटो के समक्ष लिखित रूप में दो माँगें प्रस्तुत की थी. **प्रथम** यह कि रूस को इस बात की लिखित गारण्टी दी जाए कि यूक्रेन को नाटों की सदस्यता नहीं प्रदान की जाएगी. **दूसरा** यह कि पूर्वी यूरोप में नाटो की सैनिक तैनाती व अन्य सैनिक गतिविधियों को सीमित किया जाए. उल्लेखनीय है कि पूर्वी यूरोप के दो देशों पोलैण्ड तथा रोमानिया में नाटो तथा अमेरिका द्वारा मिसाइलों की तैनाती की गई है. इन मिसाइलों की रेन्ज मास्को तक है तथा रूस इन हथियारों को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है. अतः रूस ने इन हथियारों को हटाने की माँग की है.

अमेरिका तथा नाटो ने जनवरी 2022 में दिए गए अपने लिखित उत्तर में दोनों माँगों को मानने से मना कर दिया है. अमेरिका तथा नाटो दोनों का मानना है कि यूक्रेन का अधिकार है कि वह नाटो की सदस्यता ले सकता है. किसी देश की सदस्यता का फैसला नाटो द्वारा नियमानुसार लिया जाएगा. इसमें किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं लगाया जा सकता है. इसके साथ ही उन्होंने दूसरी माँग को भी मानने से मना कर दिया है, लेकिन इस सम्बन्ध में यह प्रस्ताव दिया है कि रूस की सुरक्षा चिन्ताओं पर बात-चीत की जा सकती है. रूस ने अमेरिका तथा नाटो के इस जवाब पर असन्तोष व्यक्त किया है. इसके बाद रूस ने अक्टूबर 2021 से यूक्रेन की पूर्वी सीमा पर, क्रीमिया में तथा यूक्रेन के उत्तर में बेलारूस में अपनी सेनाएं तैनात करने का क्रम आरम्भ किया. इस बीच अमेरिका की ओर से तनाव कम करने का कोई प्रयास नहीं किया गया. अन्ततः 24 फरवरी, 2022 को रूस ने यूक्रेन के विरुद्ध सैनिक अभियान आरम्भ कर दिया तथा जवाब में यूक्रेन ने भी अमेरिका व नाटो का समर्थन मिलने के बाद जवाबी सैनिक कार्यवाही आरम्भ कर दी. तब से यूक्रेन युद्ध निरन्तर चल रहा है.

यूक्रेन युद्ध के महत्वपूर्ण आयाम

3 वर्ष से अधिक समय तक चलने वाले इस युद्ध के कई आयाम सामने आए हैं–

1. यद्यपि रूस इस युद्ध को निर्णायक रूप से नहीं जीत सका, लेकिन अभी तक उसने यूक्रेन के 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है. इसमें यूक्रेन के मुख्यतः 3 पूर्वी व एक दक्षिणी प्रान्त शामिल हैं. ये प्रान्त हैं– डोनेस्क, लुहान्स्क, खेरसन, तथा जैपरोजिया. उधर अपने आक्रमण के द्वारा यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क (Kursk) प्रान्त में करीब 200 गाँवों व कस्बो सहित 1360 वर्ग किमी भूमि पर कब्जा कर लिया था. लेकिन मार्च 2025 में यूक्रेन को अमेरिका का समर्थन न मिलने के कारण रूस अपने सैनिकों के द्वारा इस क्षेत्र को यूक्रेन से खाली कराने में काफी हद तक सफल हो गया है.

2. फरवरी 2022 में रूस की सेनाओं ने यूक्रेन की राजधानी के बाहरी हिस्से बूचा (Bucha) पर कब्जा कर लिया था. अप्रैल 2022 में रूस की सेनाओं के जाने के बाद वहाँ पर 458 यूक्रेनी नागरिकों के शव बरामद हुए हैं. यूक्रेन का आरोप है कि बूचा में रूस के सैनिकों द्वारा उसके नागरिकों का नरसंहार किया गया है. इसे बूचा नरसंहार के नाम से जाना जाता है.

3. इस युद्ध के दौरान एक बार 2024 में परमाणु युद्ध का खतरा भी बढ़ गया था. 2024 में रूस ने अपने परमाणु सिद्धान्त में बदलाव कर परमाणु युद्ध की सम्भावना बढ़ा दी थी. रूस के सिद्धान्त में यह बात शामिल थी कि वह अपने परमाणु हथियारों का प्रयोग गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों के विरुद्ध नहीं करेगा. लेकिन 2024 के अन्त में रूस ने इसमें बदलाव कर यह घोषणा की कि यदि गैर-परमाणु देश को युद्ध में परमाणु शक्ति सम्पन्न देश यानी नाटो देश सहयोग कर रहे हैं तो ऐसी स्थिति में वह अपने परमाणु हथियारों का प्रयोग गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न देश यानी कि यूक्रेन के विरुद्ध भी कर सकता है.

4. युद्ध के दौरान अमेरिका तथा नाटो देशों ने यूक्रेन को बहुत अधिक सैनिक तथा आर्थिक सहायता पहुँचाई है. अमेरिका तथा नाटो देशों का उद्देश्य था कि इस युद्ध के माध्यम से रूस को सैनिक व आर्थिक दृष्टि से इतना कमजोर कर देना है ताकि वह निकट भविष्य में यूरोप की सुरक्षा के लिए चुनौती न बन सके.

5. रूस के विरुद्ध तमाम प्रतिबन्धों के बावजूद उसे गैर-यूरोपीय देशों का समर्थन प्राप्त हुआ. नाटो के लिए चिन्ता की बात यह थी इस युद्ध के कारण रूस व चीन के सम्बन्ध प्रगाढ़ हुए तथा रूस अपनी जरूरतों के लिए चीन पर निर्भर हो गया. अब ट्रम्प रूस का साथ देते हुए युद्ध की समाप्ति का जो प्रयास कर रहे हैं उसका एक उद्देश्य रूस व चीन के इस सैनिक गठजोड़ को समाप्त करना है. यह अमेरिका के लिए सुरक्षित स्थिति होगी.

यूक्रेन युद्ध व भारत

यूक्रेन युद्ध में भारत ने तटस्थता की नीति अपनाई हुई है. इस नीति के मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं–

1. भारत ने यूक्रेन में हिंसा रोकने व युद्ध बन्द करने की अपील की है. भारत ने इस समस्या का बातचीत के द्वारा शान्तिपूर्ण तरीके से करने की माँग की है.

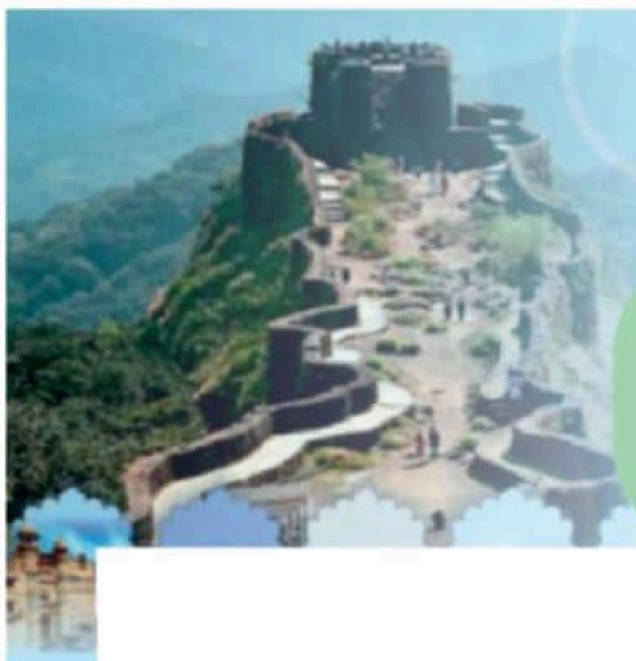
2. भारत ने प्रतिरक्षा व अन्य क्षेत्रों में रूस के साथ घनिष्ठ सामरिक सम्बन्धों के कारण इस आक्रमण के लिए रूस की आलोचना नहीं की है.

3. भारत, संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् व महासभा में रूस के विरुद्ध लाए गए सभी प्रस्तावों पर वोट करने में अनुपस्थित रहा है, लेकिन भारत ने बूचा नरसंहासर की आलोचना करते हुए उसकी स्वतंत्र जाँच की माँग वाले प्रस्ताव का समर्थन किया है.

4. भारत को अपनी इस तटस्थ नीति के कारण अमेरिका व पश्चिम के देशों से दबाव का सामना करना पड़ रहा है. अमेरिका चाहता है कि भारत इस युद्ध में उसकी नीति का खुलकर साथ दे, लेकिन भारत ऐसा करने से बच रहा है. भारत का मानना है कि उसके व्यापक हितों की पूर्ति के लिए अमेरिका तथा रूस दोनों से उसके संतुलित सम्बन्ध होना आवश्यक है. भारत अपनी तटस्थता की नीति में बदलाव करने के लिए तैयार नहीं है.

5. दूसरी तरफ हाल में ही भारत ने तेल की कीमतों में हो रही वृद्धि का सामना करने के लिए रूस से सस्ता तेल भी खरीद लिया है. अमेरिका नहीं चाहता कि भारत उसके प्रतिबन्धों को दरकिनार कर रूस के साथ व्यापार को जारी रखे. लेकिन भारत अपने हितों को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ अपने व्यापारिक सम्बन्धों को बन्द नहीं करना चाहता है.

6. भारत ने रूस के राष्ट्रपति से बात-चीत में यह भी कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है. भारत ने इस युद्ध के समाधान के लिए जुलाई 2024 में रूस तथा अगस्त 2024 में यूक्रेन की यात्रा भी की थी, लेकिन भारत को अपने प्रयासों में सफलता नहीं मिली.



विभिन्न परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं के
लिस्ट को प्राप्त करने के लिए स्कैन करें

PRATIYOGITA DARPAN

परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं के सार पर आधारित प्रश्नोत्तर

संं.लो.से.आ. और रा.लो.से.आ. की मुख्य परीक्षाओं हेतु

योजना पर आधारित प्रश्नोत्तर



प्रश्न 1. 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कौन-कौनसे प्रमुख कदम उठाए जा रहे हैं, और इनसे देश की आर्थिक, वैज्ञानिक एवं सामाजिक संरचना पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? **(250 शब्द)**



उत्तर—भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई जा रही है, जिसमें आर्थिक सुधार, बुनियादी ढाँचे का विकास, ऊर्जा सुरक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

1. आर्थिक सुधार एवं औद्योगिक विकास—1991 के उदारीकरण से प्रेरणा लेते हुए भारत सरकार निरन्तर आर्थिक नीतियों में सुधार कर रही है. प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल तैयार करने, नई निवेश योजनाओं को लागू करने और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है.

2. वैज्ञानिक अनुसंधान और ऊर्जा सुरक्षा—भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हाइड्रोजन ईंधन पर शोध किया जा रहा है. सरकार छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) विकसित करने की योजना बना रही है, जिससे ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी.

3. आधारभूत संरचना का आधुनिकीकरण—2047 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए भारत में आधुनिक राजमार्गों, स्मार्ट शहरों, तेज गति की रेल परियोजनाओं और डिजिटल कनेक्टिविटी पर विशेष कार्य किया जा रहा है. इससे न केवल आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे.

4. स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण—स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सुधार लाने के लिए डिजिटल हेल्थ मिशन, आयुष्मान भारत और ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है.

5. गोपनीयता और जैव प्रौद्योगिकी—भारत में जीनोम डेटा और बायोटेक्नोलॉजी अनुसंधान में तेजी आई है, जिससे चिकित्सा अनुसंधान और व्यक्तिगत चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन होने की सम्भावना है.

इन योजनाओं के क्रियान्वयन से भारत न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध होगा, बल्कि वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से भी आत्मनिर्भर बनेगा. यदि सभी योजनाएँ सही दिशा में आगे बढ़ती हैं, तो 2047 तक भारत एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर होगा.



प्रश्न 2. राजकोषीय संघवाद को मजबूत करने के लिए केन्द्रीय बजट 2025-26 में कौन-कौनसे प्रमुख प्रावधान किए गए हैं ? इनके सम्भावित प्रभावों का संक्षेप में वर्णन कीजिए. **(150 शब्द)**



उत्तर—केन्द्रीय बजट 2025-26 में राजकोषीय संघवाद को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं. इसमें राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए **'चार स्तम्भ मॉडल'** अपनाया गया है, जिसमें निम्नलिखित बिन्दु शामिल हैं—

1. राज्यों को कर और शुल्कों के अन्तरण में वृद्धि—केन्द्र सरकार राज्यों को अधिक कर राजस्व हस्तान्तरित कर रही है, जिससे राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता बढ़ेगी. 14वें वित्त आयोग ने पहले ही राज्यों को 31% से 41% तक कर अन्तरण में वृद्धि को स्वीकार किया था.

2. पूँजी निवेश हेतु विशेष सहायता—राज्य सरकारों को पूँजीगत व्यय में सहायता के लिए अनुदान और ऋण प्रदान किया गया है, जिससे बुनियादी ढाँचे का विकास होगा. इसके अन्तर्गत राज्यों को 50 वर्ष तक ब्याज मुक्त ऋण अनुदान प्रदान किया जाएगा.

3. अनुदान आधारित वित्तीय सहायता—योजनाओं के तहत् राज्यों को अनुदान प्रदान किया गया है, जिससे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को बल मिलेगा. इसके अन्तर्गत बजट में ₹ 5,31,850 करोड़ का प्रावधान किया गया है.

4. राज्यों की उधारी सीमा में विस्तार—विकास योजनाओं के वित्तपोषण हेतु राज्यों को अधिक ऋण लेने की अनुमति दी गई है.

इन प्रावधानों के माध्यम से राज्यों की वित्तीय क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे वे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, बुनियादी ढाँचे और कृषि जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश कर सकेंगे.

कुरुक्षेत्र पर आधारित प्रश्नोत्तर

प्रश्न 3. ग्रामीण भारत में एआई अधिक समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा प्रणाली को विकसित करने में सहायक हो सकता है. चर्चा कीजिए. (250 शब्द)

उत्तर—ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति अक्सर सीमित संसाधनों, शिक्षकों की कमी और व्यक्तिगत शिक्षा के लिए अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे सहित कई बाधाओं के कारण चुनौतीपूर्ण होती है, जो सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अन्तर में योगदान करते हैं.

इस दिशा में एआई ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों को अनुकूल पाठ योजनाएँ और सीखने-सिखाने की सामग्री बनाने के लिए अधिकतम शैक्षिक सामग्री तक पहुँचने में सहायता प्रदान कर उन्हें सशक्त बना सकता है. एआई का एकीकरण भौगोलिक बाधाओं और संसाधन बाधाओं को दूर करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर अधिक समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा प्रणाली बनाने में सहायता कर सकता है.

एआई ने भाषा सीखने के लिए कई समाधान प्रदान किए हैं. एआई शैक्षिक सामग्री का स्थानीय भाषाओं में अनुवाद भी कर सकता है, समावेशिता को बढ़ावा दे सकता है और यह सभी छात्रों की गुणवत्तापूर्ण संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित कर सकता है.

एआई वर्चुअल कक्षाओं और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को बढ़ाकर अन्तराल को भी पाट सकता है. एआई-संचालित ऑफलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म अप्रत्याशित बिजली आपूर्ति और सीमित इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी शैक्षिक सामग्री प्रदान कर सकते हैं.

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं जैसी व्यापक शैक्षिक सुविधाओं का अभाव होता है. एआई स्मार्टफोन और अन्य उपकरणों के माध्यम से सुलभ डिजिटल संसाधन प्रदान करके इस पर काबू पाने में मदद कर सकता है.

निष्कर्षत: संसाधनों का यह न्यायसंगत वितरण ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच शैक्षिक असमानता को काफी हद तक कम कर सकता है, यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण छात्रों की उनके शहरी साथियों के समान अवसरों और व्यक्तिगत सीखने के अनुभवों तक पहुँच हो, जिससे लोकतांत्रिक तरीके से सीखने के अनुभवों का लाभ उठाया जा सके.

प्रश्न 4. बजट 2025-26 में घोषित प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से ग्रामीण कृषि उत्पादन, आय के स्तर और समग्र आर्थिक लचीलापन में महत्वपूर्ण सुधार होगा. विश्लेषण कीजिए. (150 शब्द)

उत्तर—कृषि भारत की अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भों में से एक है, जो रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देती है. आर्थिक समृद्धि को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका को पहचानते हुए, केन्द्रीय बजट 2025-26 ने एक प्रमुख विकास उपाए के रूप में कृषि विकास और उत्पादकता को प्राथमिकता दी है.

पिछड़े कृषि जिलों के विकास के लिए केन्द्रीय बजट 2025-26 में घोषित प्रमुख पहलों में से एक प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना है, जिसका उद्देश्य कम उत्पादकता और अपर्याप्त ऋण मापदण्डों वाले कृषि जिलों का उत्थान करना है.

योजना के उद्देश्य

- आधुनिक तकनीकों और सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को अपनाकर कृषि उत्पादकता को बढ़ाना.
- भूमि उपयोग को अनुकूलित करने और जलवायु लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती के तरीकों को प्रोत्साहित करना.
- पंचायत और ब्लॉक स्तर पर कटाई के बाद भण्डारण सुविधाओं को मजबूत करना, ताकि बर्बादी कम हो और किसानों को बेहतर कीमत मिले.
- पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सिंचाई के बुनियादी ढाँचे में सुधार करना, जिससे फसल की पैदावार में सुधार हो.
- किसानों के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक वित्तीय सहायता सुनिश्चित करके ऋण तक पहुँच को सुगम बनाना, जिससे अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर उनकी निर्भरता कम हो.

डाउन टू अर्थ पर आधारित प्रश्नोत्तर

प्रश्न 5. संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों के बावजूद स्थानीय स्वशासन की प्रभावी स्थापना क्यों नहीं हो पाई ? इसे बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए ? (250 शब्द)

उत्तर—संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों को भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम माना गया था. इन संशोधनों का उद्देश्य पंचायती राज और नगर पालिकाओं को संवैधानिक दर्जा देकर उन्हें सशक्त बनाना था.

स्थानीय स्वशासन की कमजोर स्थिति के कारण

1. राज्यों की हिचकिचाहट—राज्यों ने इन संशोधनों के तहत् मिलने वाले अधिकारों को स्थानीय निकायों को पूर्ण रूप से हस्तान्तरित नहीं किया है.

2. वित्तीय निर्भरता—पंचायतों और नगर पालिकाओं के पास अपने स्वतंत्र वित्तीय स्रोत नहीं हैं. वे अधिकांशत: राज्य और केन्द्र सरकार की अनुदानों पर निर्भर रहती है.

3. राजनीतिक दखल—स्थानीय निकायों के चुनावों में राजनीतिक दलों का प्रभाव बढ़ गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद बढ़ा है.

4. प्रशासनिक कमजोरी—पंचायतों और नगर पालिकाओं के पास योग्य और प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है. इसके अलावा, तकनीकी संसाधनों की भी भारी कमी है.

स्थानीय स्वशासन को प्रभावी बनाने के लिए समाधान

1. वित्तीय सशक्तिकरण—पंचायतों और नगर पालिकाओं को स्वतंत्र राजस्व स्रोत दिए जाने चाहिए, जैसे—स्थानीय करों का अधिकार.

2. राजनीतिक इच्छाशक्ति—राज्य सरकारों को अपने नियंत्रण की मानसिकता से बाहर आकर स्थानीय निकायों को वास्तविक शक्ति सौंपनी होगी.

3. प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराना—पंचायत प्रतिनिधियों और नगर निकायों के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभा सकें.

4. ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना—ग्राम सभाओं की नियमित बैठकों को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए और जनता की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए.

संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों का उद्देश्य देश में सशक्त स्थानीय शासन स्थापित करना था, लेकिन व्यवहारिक रूप से यह लक्ष्य अभी तक पूरी तरह से प्राप्त नहीं हुआ है. इसे सफल बनाने के लिए राजनीतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक स्वतंत्रता और तकनीकी सुधार आवश्यक हैं.



प्रश्न 6. जीनोम इंडिया परियोजना भारतीय आबादी के आनुवंशिक रहस्यों को उजागर करने में कैसे सहायक होगी, और इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में क्या लाभ होंगे ? (150 शब्द)



उत्तर—जीनोम इंडिया परियोजना भारत की आनुवंशिक विविधता को समझने और इसके आधार पर चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है. इस परियोजना के तहत् 10,000 भारतीयों का जीनोमिक डेटा तैयार किया गया है, जिससे आनुवंशिक बीमारियों की पहचान और उनके उपचार के नए रास्ते खुल सकते हैं.

भारत की आबादी आनुवंशिक रूप से बहुत विविध है, और कई आनुवंशिक बीमारियाँ विशेष समुदायों में अधिक पाई जाती हैं. इस परियोजना से वैज्ञानिक यह समझ सकेंगे कि भारतीय आबादी में कौनसे जीन अधिक प्रचलित हैं और किन जीनों में परिवर्तन (म्यूटेशन) से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है. उदाहरण के लिए, आनुवंशिक विक. ारों, कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों के जोखिम का सटीक मूल्यांकन किया जा सकेगा.

स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि व्यक्तिगत जीनोमिक डेटा के आधार पर 'पर्सनलाइज्ड मेडिसिन' विकसित की जा सकेगी. इससे इलाज अधिक प्रभावी और सटीक होगा.

हालाँकि, इस परियोजना के डेटा तक केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं की पहुँच होगी, जिससे गोपनीयता और नैतिकता से जुड़े मुद्दों का भी ध्यान रखा जा सकेगा. इस तरह, यह परियोजना भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकती है.

विज्ञान प्रगति पर आधारित प्रश्नोत्तर



प्रश्न 7. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय महिला वैज्ञानिकों के महत्व को रेखांकित कीजिए. (150 शब्द)



उत्तर—भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में कई प्रमुख महिला वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है. इनमें से कुछ प्रमुख वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी नीचे दी गई है—

1. डॉ. रितु करिधाल—ये 'मार्स मिशन वुमन' के रूप में प्रसिद्ध हैं. उनकी भूमिका 2013 के मंगलयान (Mangalyaan) मिशन की डिप्टी ऑपरेशंस डायरेक्टर के रूप में निर्धारित थी. चंद्रयान-2 में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई.

2. डॉ. मुथैया वनिता—ये चंद्रयान-2 मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर थीं. ये इसरो के किसी मिशन को लीड करने वाली पहली महिला थीं.

3. डॉ. नंदिनी हरिनाथ—ये मंगलयान मिशन की डिप्टी डायरेक्टर थीं. ये 20 से अधिक वर्षों से इसरो में कार्यरत हैं.

4. डॉ. अनुराधा टी. के.—ये इसरो में सैटेलाइट प्रोजेक्ट की पहली महिला डायरेक्टर हैं. उन्होंने GSAT संचार उपग्रहों के मिशन में नेतृत्व प्रदान किया.

6. डॉ. कल्पना के.—ये ISRO की रडार इमेजिंग तकनीक में विशेषज्ञ थी. उन्होंने कई उपग्रह मिशनों के लिए डेटा प्रोसेसिंग में योगदान दिया है.

इन महिला वैज्ञानिकों ने न केवल इसरो बल्कि पूरे भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं.



प्रश्न 8. गुइलेन बैरी सिंड्रोम क्या है ? इसके प्रमुख कारणों के साथ-साथ बचाव के तरीकों को भी बताएँ. (250 शब्द)



उत्तर–गुइलेन बैरी सिंड्रोम (GBS) एक ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली परिधीय तंत्रिका तंत्र (Peripheral Nervous System) पर हमला करने लगती है. इससे मांसपेशियों में कमजोरी, झुनझुनी, सुन्नपन और गम्भीर मामलों में पक्षाघात (Paralysis) हो सकता है. **गुइलेन बैरी सिंड्रोम** का पहला विस्तृत विवरण वर्ष 1916 में फ्रांसीसी न्यूरोलॉजिस्ट जॉर्जेस **गुइलेन जीन अलेक्जेंडर बैरी और आंद्रे स्ट्रॉहल** ने दिया था.

इसके प्रमुख संकेत निम्नलिखित हैं–

- हाथ-पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन
- मांसपेशियों में कमजोरी, जो धीरे-धीरे बढ़ती है
- चलने या सन्तुलन बनाने में कठिनाई
- थकान और तेज दिल की धड़कन
- गम्भीर मामलों में साँस लेने में तकलीफ और पूरी तरह से पक्षाघात.

कारण

- इसका सटीक कारण अज्ञात है, लेकिन यह अक्सर वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण (जैसे–फ्लू, कोविड-19 या कैंपिलोबैक्टर बैक्टीरिया) के बाद विकसित होता है.
- साँस की बीमारी.
- गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण बैक्टीरिया से होने वाला संक्रमण.
- सर्जरी या वैक्सीन के बाद दुर्लभ मामलों में.

इलाज–GBS का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन शुरुआती उपचार से इसे नियंत्रित किया जा सकता है– इम्यूनोथेरेपी, प्लाज्मा एक्सचेंज फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन इसके अन्य इलाज हैं.

उपाए

- फ्लू, कोविड-19 और अन्य वायरल संक्रमणों से बचने के लिए वैक्सीन लगवाएं.
- दूषित पानी और अधपका खाना (खासतौर पर मांस और अंडे) न खाएं.
- विटामिन C और D युक्त आहार इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है.
- नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोएं.
- नियमित व्यायाम तथा तनाव को कम करें.

अतः स्पष्ट है कि गुइलेन बैरी सिंड्रोम एक दुर्लभ बीमारी है अतः इससे बचाव ही इसका इलाज है. बीमारियों के दुष्प्रभाव को कम करने और आस-पास साफ सफाई रखने के उद्देश्य से ही भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी.

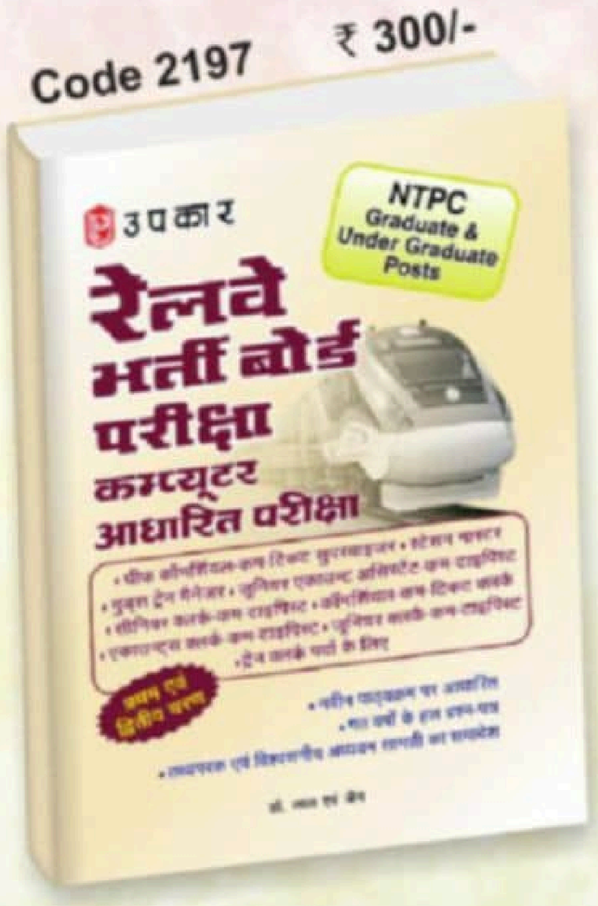
उपकार

रेलवे भर्ती बोर्ड
कम्प्यूटर आधारित परीक्षा

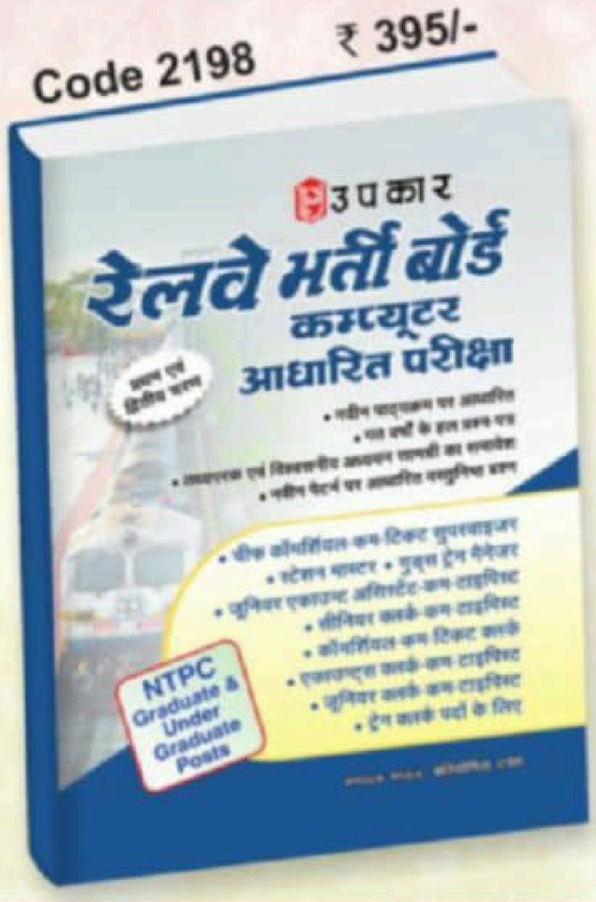
NTPC Graduate & Under Graduate Posts

For Ist & IInd Stage

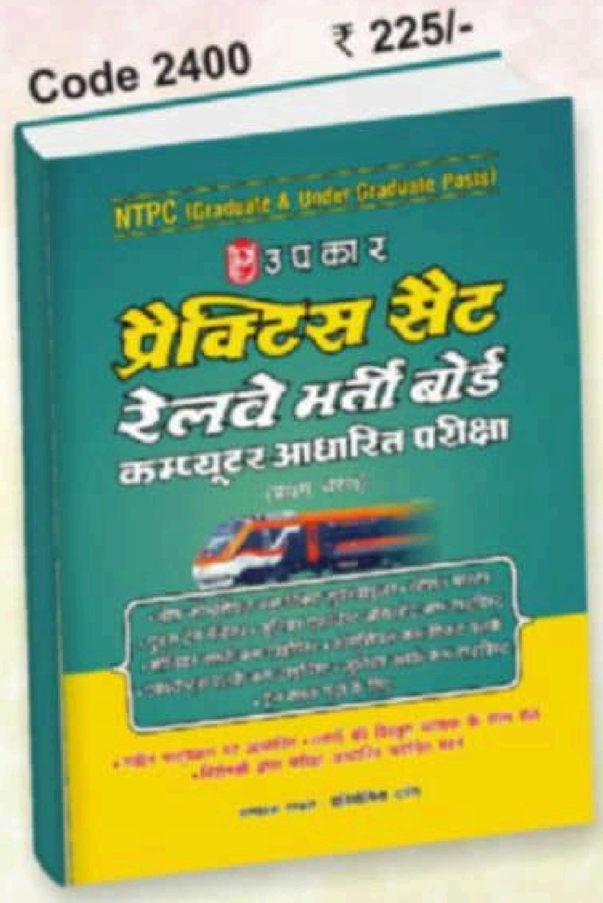
Code 2197 ₹ 300/-



Code 2198 ₹ 395/-



Code 2400 ₹ 225/-



English Edition Also Available

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • हल्द्वानी मो. 07060421008 | • E-mail : sales@upkar.in • Website : www.upkar.in

फोकस 1

कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति की ओर अग्रसर भारत

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता [आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)] आजकल पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है. भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग हर क्षेत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव के दौर से गुजर रहा है. भारत के इतिहास में पहली बार, भारत सरकार के साथ-साथ कई राज्य सरकारें एक ऐसा कृत्रिम बुद्धिमत्ता इकोसिस्टम बनाने और विकसित करने के लिए आगे आई हैं, जहाँ कम्प्यूटिंग पावर, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (GPU) और शोध के अवसर किफायती कीमत पर उपलब्ध हैं.

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब सिर्फ कुछ विशिष्ट वर्गों तक सीमित नहीं रह गई है. इस क्षेत्र पर वैश्विक तकनीकी दिग्गजों का दबदबा नहीं रह गया है. आम आदमी भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित तकनीकों से बड़े पैमाने पर लाभान्वित हो रहा है. दूरदर्शी नीतियों के जरिए, भारत सरकार शोधकर्ताओं, छात्रों, स्टार्टअप और नवोंमेषकों को विश्व स्तरीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता अधोरचना के साथ सशक्त बना रही है, जिससे हर किसी के लिए एक समान अवसर उपलब्ध हो रहा है. भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन (IndiaAI Mission) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना जैसी पहल देश के कृत्रिम बुद्धिमत्ता इकोसिस्टम को मजबूत कर रही हैं, जिससे इस महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त हो रहा है.

ये प्रयास 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जहाँ भारत आर्थिक विकास, शासन और सामाजिक प्रगति के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए एक वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पावर हाउस बनने की आकांक्षा रखता है.

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन (IndiaAI Mission)

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने मार्च 2024 में ₹ 10,371·92 करोड़ के बजट परिव्यय के साथ भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन को स्वीकृति प्रदान की. इसका उद्देश्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार को उत्प्रेरित करने वाला एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है. इस मिशन को डिजिटल इण्डिया कॉर्पोरेशन (DIC) के तहत् '**इण्डिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता**' ('IndiaAI') (स्वतंत्र व्यापार प्रभाग (IBD) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है.

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन में प्रमुख विकास पहलें निम्नलिखित प्रकार हैं–

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कम्प्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार–मिशन के शुरुआती चरण में पहले ही 10,000 GPU उपलब्ध कराए जा चुके हैं, शेष इकाइयाँ जल्द ही जोड़ी जाएंगी. इससे भारतीय भाषाओं और सन्दर्भों के अनुरूप स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधान तैयार करने में मदद मिलेगी.

हाई-परफॉरमेंस कम्प्यूटिंग तक पहुँच सुनिश्चित करना–भारत ने एक ओपन GPU मार्केटप्लेस की शुरुआत करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है, जिससे स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए हाई-परफॉरमेंस कम्प्यूटिंग सुलभ हो गई है. कई देशों, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता अधोरचना को बड़ी कम्पनियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है, के विपरीत भारत में यह पहल सुनिश्चित करती है कि छोटे खिलाड़ियों को नवाचार करने का अवसर मिले.

मजबूत GPU आपूर्ति शृंखला–सरकार ने GPU की आपूर्ति के लिए 10 कम्पनियों का चयन किया है, जिससे एक मजबूत और विविध आपूर्ति शृंखला सुनिश्चित होगी.

स्वदेशी GPU क्षमताएँ–घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए, भारत का लक्ष्य अगले 3 से 5 वर्षों के भीतर अपना स्वयं का GPU विकसित करना है, जिससे आयातित तकनीक पर निर्भरता कम होगी.

किफायती कम्प्यूट पहुँच–जल्द ही एक नई कॉमन कम्प्यूट सुविधा शुरू की जाएगी, जिससे शोधकर्ताओं और स्टार्टअप को प्रति घण्टे ₹ 100 की अत्यधिक रियायती दर पर GPU पावर का उपयोग करने की अनुमति मिलेगी, जबकि वैश्विक लागत $2·5 से $3 (₹ 215-₹ 258) प्रति घण्टे है.

भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण को मजबूत करना–समानांतर रूप से, भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण को आगे बढ़ा रहा है, जिसके 5 सेमी कंडक्टर संयंत्र निर्माणाधीन हैं.

(i) गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए माइक्रोन टेक्नोलॉजी प्रयुक्त की जा रही है.

(ii) टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (TEPL) गुजरात के धोलेरा में पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प (PSMC), ताइवान के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित कर रही है.

(iii) टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एण्ड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) मोरीगाँव असम में इकाई स्थापित करेगी.

(iv) गुजरात के साणंद में रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, थाइलैण्ड के साथ साझेदारी में सीजी पावर द्वारा विशेष चिप्स के लिए एटीएमपी इकाई स्थापित की जाएगी.

(v) मैसूर स्थित कायन्ससेमीकॉन गुजरात के साणंद में ओएसएटी सुविधा स्थापित करने के लिए केन्द्रीय मंत्रिमण्डल से अनुमोदन प्राप्त करने वाली चौथी कम्पनी है. सिंगापुर स्थित लाइटस्पीड फोटोनिक्स, अमेरिका में एक कम्पनी और ताइवान में एक अन्य कम्पनी कायन्स को आयातित वेफर्स प्रदान करेगी, जबकि कायन्स उनके लिए असेंबली, परीक्षण और पैकेजिंग का काम सँभालेगी.

ये विकास न केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार का समर्थन करेंगे बल्कि वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की स्थिति को भी मजबूत करेंगे.

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (इण्डियाएआई) कम्प्यूट पोर्टल–इण्डियाएआई मिशन के एक वर्ष पूरे होने पर, 6 मार्च, 2025 को सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा इण्डिया एआई कम्प्यूट पोर्टल लॉन्च किया गया. कम्प्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 18,000 से अधिक GPU, क्लाउड स्टोरेज और अन्य AI सेवाओं तक पहुँच प्रदान करेगा. कम्प्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जाएगा. कृत्रिम बुद्धिमत्ता कम्प्यूट पोर्टल इण्डिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन का सबसे बड़ा घटक है. लगभग 45 प्रतिशत फण्ड (इण्डिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन का) उस विशेष क्षेत्र के लिए निर्धारित किया गया है.

डेटासेट प्लेटफॉर्म AIKosha–AIKosh को भी 6 मार्च, 2025 को लॉन्च किया गया था. प्लेटफॉर्म का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले गैर-व्यक्तिगत डेटासेट तक पहुँच को सुव्यवस्थित करना है. यह एक ऑल-इन-वन डेटासेट प्लेटफॉर्म है, जो सम्भावित विचारों को उद्योग समाधानों में बदलने में मदद करने के लिए संसाधन, उपकरण और विशेषज्ञ सलाह प्रदान करता है. मॉडल बिल्डरों और डेवलपर्स के लिए डेटासेट उपलब्ध होंगे, जिनके साथ वे काम कर सकते हैं और भारत-विशिष्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल लॉन्च कर सकते हैं.

ओपन डेटा और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता को आगे बढ़ाना

कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास में डेटा के महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार ने

उच्च-गुणवत्ता वाले, गैर-व्यक्तिगत डेटासेट तक सहज पहुँच प्रदान करने के लिए IndiaAI डेटासेट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है. यह प्लेटफॉर्म गुमनाम डेटा का सबसे बड़ा संग्रह रखेगा, जो भारतीय स्टार्टअप और शोधकर्ताओं को उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोग विकसित करने में सशक्त बनाएगा. विविध और प्रचुर डेटासेट सुनिश्चित करके, यह पहल प्रमुख क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित समाधानों को आगे बढ़ाएगी, जिससे नवाचार और सटीकता बढ़ेगी.

विविध डेटा के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल सटीकता को बढ़ावा देना—बड़े पैमाने पर, गैर–व्यक्तिगत डेटासेट प्रदान करके, यह पहल पूर्वाग्रहों को कम करने और कृषि, मौसम पूर्वानुमान और यातायात प्रबंधन जैसे डोमेन में कृत्रिम मेधा अनुप्रयोगों की विश्वसनीयता में सुधार करने में मदद करेगी.

उत्कृष्टता केन्द्र—भारत सरकार ने नई दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा, कृषि और संधारणीय शहरों में तीन कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केन्द्र (CoE) स्थापित किए हैं. बजट 2025-26 में शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए ₹ 500 करोड़ के परिव्यय के साथ एक नए उत्कृष्टता केन्द्र की घोषणा की, जिससे यह चौथा ऐसा केन्द्र बन गया.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता–संचालित उद्योगों के लिए कौशल—भारत सरकार ने कौशल के लिए पाँच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने की योजना बनाई है, जो युवाओं को उद्योग-सम्बन्धित विशेषज्ञता से लैस करेंगे. ये केन्द्र विनिर्माण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार में 'मेक फॉर इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन का समर्थन करने के लिए वैश्विक भागीदारों के सहयोग से स्थापित किए जाएंगे.

भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल और भाषा प्रौद्योगिकियाँ

भारत सरकार भारत के अपने आधारभूत मॉडल के विकास की सुविधा प्रदान कर रही है, जिसमें बड़े भाषा मॉडल (LLM) और भारत की जरूरतों के अनुरूप समस्या–विशिष्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधान शामिल हैं. कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, कई उत्कृष्टता केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं.

भारत के आधारभूत बड़े भाषा मॉडल—IndiaAI ने प्रस्तावों के लिए कॉल के माध्यम से बड़े भाषा मॉडल (LLM) और छोटे भाषा मॉडल (SLM) सहित स्वदेशी आधारभूत कृत्रिम मेधा मॉडल विकसित करने की पहल शुरू की है.

डिजिटल इंडिया भाषिणी (Digital India BHASHINI)—एक बुद्धिमत्ता-आधारित भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म जिसे भारतीय भाषाओं में इण्टरनेट और डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुँच को सक्षम करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें आवाज-आधारित पहुँच भी शामिल हैं और भारतीय भाषाओं में सामग्री निर्माण का समर्थन करता है. भाषिणी का उद्देश्य साक्षरता, भाषा और डिजिटल विभाजन को पाटना है. अभिनव VOICE बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों के माध्यम से संचार को फिर से परिभाषित किया जा रहा है. सरकार भाषा और प्रौद्योगिकी को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.

- निर्बाध संचार के लिए आवाज-प्रथम बहुभाषी समाधान.
- सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने वाला सबसे बड़ा सह-निर्माण कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्लेटफॉर्म.
- समावेशिता के लिए भाषा, साक्षरता और डिजिटल बाधाओं को तोड़ना.

भारतजेन (BharatGen)—यह भारतीय भाषाओं के लिए मल्टीमॉडल लार्ज लैंग्वेज मॉडल पहल है. इसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (NM-ICPS, DST) के अन्त:विषय साइबर-भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन द्वारा समर्थित किया जाता है. दुनिया की पहली सरकारी वित्तपोषित मल्टीमॉडल एलएलएम पहल, भारतजेन को 2024 में लॉन्च किया गया था. इसका उद्देश्य भाषा, भाषण और कम्प्यूटर विजन में मूलभूत मॉडल के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण और नागरिक जुड़ाव को बढ़ाना है. भारतजेन में भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के कृत्रिम बुद्धिमत्ता शोधकर्ताओं का एक संघ शामिल है.

सर्वम-1 एआई मॉडल (Sarvam-1 AI Model)—भारतीय भाषाओं के लिए अनुकूलित एक बड़ा भाषा मॉडल, सर्वम-1 में 2 बिलियन पैरामीटर है और यह 10 प्रमुख भारतीय भाषाओं (बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु) का समर्थन करता है. इसे भाषा अनुवाद, टेक्स्ट सारांश और सामग्री निर्माण जैसे अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है.

चित्रलेखा (Chitralekha)—AI4Bhārat द्वारा विकसित एक ओपन–सोर्स वीडियो ट्रांसक्रिएशन प्लेटफॉर्म, चित्रलेखा उपयोगकर्ताओं को विभिन्न भारतीय भाषाओं में ऑडियो ट्रांसक्रिप्ट बनाने और सम्पादित करने में सक्षम बनाता है. यह मशीन लर्निंग (ML) मॉडल सपोर्ट (ट्रांसक्रिप्शन के लिए ASR, ट्रांसलेशन के लिए NMT और वॉयस ओवर के लिए TTS) का उपयोग करके विभिन्न भारतीय भाषाओं में वीडियो सबटाइटलिंग के लिए एक ओपन सोर्स प्लेटफॉर्म है. चित्रलेखा कई इनपुट स्रोतों (उदाहरण के लिए—यूट्यूब, स्थानीय आदि), प्रतिलेखन निर्माण प्रक्रिया (उदाहरण के लिए—मॉडल, स्रोत कैप्शन, कस्टम उपशीर्षक फाइलें आदि) और वॉयस ओवर (उदाहरण के लिए—केवल ऑडियो के लिए एमपी3, ऑडियो-वीडियो संयोजन के लिए एमपी4, आदि) के लिए समर्थन प्रदान करता है.

हनुमान का एवरेस्ट 1·0 (Hanooman's Everest 1·0)—कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अग्रणी प्रौद्योगिकी कम्पनी हनुमान एआई ने एवरेस्ट 1·0, भारत का पहला बहुभाषी और बहु-मॉडल आधारभूत एलएलएम लॉन्च किया. एवरेस्ट 1·0 एक अभूतपूर्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल है, जो 35 भाषाओं का समर्थन करता है, जिसे आने वाले महीनों में 90 भाषाओं तक विस्तारित करने की योजना है. इसे कोड लेखन, दस्तावेज विश्लेषण, छवि निर्माण, पाठ निर्माण और आवाज निर्माण सहित कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला को सँभालने के लिए डिजाइन किया गया है. यह बहुभाषी और बहु-मॉडल क्षमता एवरेस्ट 1·0 को वैश्विक उपयोग के लिए एक बहुमुखी और शक्तिशाली उपकरण के रूप में स्थापित करती है.

डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण

भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) ने सार्वजनिक निधि को निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले नवाचार के साथ जोड़कर डिजिटल नवाचार को फिर से परिभाषित किया है. आधार, UPI और डिजीलॉकर जैसे प्लेटफॉर्म नींव के रूप में काम करते हैं, जबकि निजी संस्थाएँ उनके ऊपर अनुप्रयोग (एप्लिकेशन)–विशिष्ट समाधान बनाती हैं. इस मॉडल को अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है, जो वित्तीय और शासन प्लेटफॉर्म में बुद्धिमान समाधानों को एकीकृत करता है. भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) की वैश्विक अपील G20 शिखर सम्मेलन में स्पष्ट थी, जहाँ कई देशों ने इसी तरह के ढाँचे को अपनाने में रुचि व्यक्त की. भारत की UPI भुगतान प्रणाली को जापान का पेटेंट अनुदान इसकी मापनीयता को और रेखांकित करता है.

महाकुम्भ 2025 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता – संचालित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) समाधानों का अनुप्रयोग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) समाधानों ने प्रयागराज (उ.प्र.) में आयोजित महाकुम्भ 2025 में दुनिया के सबसे बड़े मानव समागम के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. प्रयागराज में भीड़ को व्यवस्थित और भीड़ प्रबन्धन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता–संचालित उपकरणों

ने वास्तविक समय में रेलवे यात्रियों की आवाजाही की निगरानी की. भाषिणी द्वारा संचालित कुम्भ सहायक चैटबॉट (Kumbh Sah'AI'yak Chatbot) ने आवाज आधारित खोया पाया सेवाओं, वास्तविक समय अनुवाद और बहुभाषी सहायता को सक्षम बनाया. भारतीय रेलवे और यूपी पुलिस के साथ इसके एकीकरण ने संचार और सम्प्रेषण को सुव्यवस्थित किया, जिससे त्वरित समस्या समाधान सुनिश्चित हुआ. डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाकर, महाकुम्भ 2025 ने तकनीक-सक्षम, समावेशी और कुशल आयोजन प्रबंधन के लिए एक वैश्विक मानक स्थापित किया.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतिभा और कार्यबल विकास

भारत, अत्यधिक प्रतिभाशाली और कुशल जनशक्ति के एक बड़े पूल के साथ, वास्तविक समय के आधार पर अधिक से अधिक उपयोग के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का उपयोग करने का एक अतिरिक्त लाभ अर्जित कर रहा है. हर हफ्ते कम-से-कम एक वैश्विक क्षमता केन्द्र (GCC) स्थापित किया जा रहा है, जो वैश्विक अनुसंधान और विकास और तकनीकी उन्नति के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करता है. हालाँकि, इस वृद्धि को बनाए रखने के लिए शिक्षा और कौशल विकास में निरन्तर निवेश की आवश्यकता होगी.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए भारत सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ संरेखित करते हुए विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5जी और सेमीकंडक्टर डिजाइन को शामिल करके इस चुनौती का समाधान कर रही है. यह सुनिश्चित करता है कि देश के स्नातक नौकरी पाने के लिए तैयार कौशल हासिल करें, जिससे शिक्षा और रोजगार के बीच संक्रमण का समय कम हो.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतिभा पाइपलाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा—इंडियाएआई फ्यूचर स्किल्स पहल के तहत् कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा को स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में विस्तारित किया जा रहा है. शीर्ष 50 एनआईआरएफ–रैंक वाले संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर शोध करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी विद्वानों को फेलोशिप प्रदान की जा रही है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक पहुँच को बढ़ाने के लिए, टियर 2 और टियर 3 शहरों में डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता लैब स्थापित किए जा रहे हैं, जिसमें एनआईईएलआईटी दिल्ली में एक मॉडल इण्डिया एआई डेटा लैब पहले से ही स्थापित है.

वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल प्रवेश में भारत प्रथम स्थान पर—स्टैनफोर्ड कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचकांक 2024 के अनुसार, भारत 2·8 के स्कोर के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल प्रवेश में विश्व स्तर पर पहले स्थान पर है, जो अमेरिका (2·2) और जर्मनी (1·9) से आगे है. भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतिभा सांद्रता 2016 से 263% बढ़ी है, जिसने देश को एक प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता हब के रूप में स्थान दिया है. भारत महिलाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल प्रवेश में भी अग्रणी है, जिसका स्कोर 1·7 है, जो अमेरिका (1·2) और इजराइल (0·9) से आगे है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार—भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती विकसित आबादी के रूप में उभरा है और GitHub पर सार्वजनिक जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता परियोजनाओं में दूसरे स्थान पर है. देश में दुनिया की 16% कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतिभाएँ है. 2016 से 2023 तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता–कुशल कार्यबल में 14 गुना वृद्धि देखी गई है, जिससे भारत सिंगापुर, फिनलैण्ड, आयरलैण्ड और कनाडा के साथ शीर्ष 5 सबसे तेजी से बढ़ते कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतिभा केन्द्रों में से एक बन गया है. भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पेशेवरों की माँग 2026 तक 1 मिलियन तक पहुँचने का अनुमान है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपनाना और उद्योग विकास

वैश्विक मंदी के बावजूद भारत के जनरेटिव AI (GenAI) पारिस्थितिकी तंत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है. देश का कृत्रिम बुद्धिमत्ता परिदृश्य प्रायोगिक उपयोग के मामलों से लेकर स्केलेबल, उत्पादन–तैयार समाधानों तक विकसित हो रहा है, जो इसकी बढ़ती परिपक्वता को दर्शाता है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता निवेश को प्राथमिकता देने वाले व्यवसाय—बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (BCG) के अनुसार, 80% भारतीय कम्पनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक मुख्य रणनीतिक प्राथमिकता मानती हैं, जो वैश्विक औसत 75% से अधिक है. इसके अतिरिक्त, 69% भारतीय कम्पनियाँ 2025 में अपने तकनीकी निवेश को बढ़ाने की योजना बना रही हैं, जिसमें से एक-तिहाई कृत्रिम मेधा पहलों के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक आवंटित कर रही हैं.

जेनएआई स्टार्टअप फंडिंग—नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विस कम्पनीज (NASSCOM) की नवम्बर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय जेनएआई स्टार्टअप फंडिंग तिमाही-दर-तिमाही छह गुना से अधिक बढ़ी है, जोकि Q2FY2025 में 51 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गई, जो कि B2B (बिजनेस-टू-बिजनेस) और एजेंटिक कृत्रिम मेधा स्टार्टअप द्वारा संचालित है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यस्थलों को बदल रहा है—रैंडस्टैड कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इक्विटी रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि 2024 में 10 में से सात भारतीय कर्मचारी कार्यस्थल पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हैं, जबकि एक वर्ष पहले यह संख्या 10 में से 5 थी, जो कार्यस्थलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से एकीकरण को दर्शाता है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता छोटे और मध्यम व्यवसायों (SMBs) को सशक्त बना रहा है—स्वायत्त एजेंट जैसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित प्रौद्योगिकियाँ SMBs को कुशलतापूर्वक स्केल करने, ग्राहक अनुभव को वैयक्तिकृत करने और संचालन को अनुकूलित करने में मदद कर रही हैं. Salesforce के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने वाले 78% भारतीय SMBs ने राजस्व वृद्धि की सूचना दी, जबकि 93% ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने राजस्व बढ़ाने में योगदान दिया है.

भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थव्यवस्था का तेजी से विस्तार—BCG-NASSCOM रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत का कृत्रिम बुद्धिमत्ता बाजार 25-35% की CAGR से बढ़ने का अनुमान है, जो नवाचार और रोजगार सृजन की इसकी क्षमता को मजबूत करता है, जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता नियमित कार्यों को स्वचालित करता है, यह एक साथ डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित अनुप्रयोगों में नए अवसर पैदा कर रहा है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्टार्टअप सपोर्ट इकोसिस्टम—भारत में 520+ टेक इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर संचालित हैं, जो सक्रिय कार्यक्रमों में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है. इनमें से 42% पिछले 5 वर्षों में स्थापित किए गए थे, जो भारतीय स्टार्टअप की उभरती जरूरतों को पूरा करते हैं. टी-हब मैथ [T-Hub MATH (Machine Learning and Artificial Intelligence Technology Hub] जैसे एआई-केन्द्रित त्वरक उत्पाद विकास, व्यापार रणनीति और स्केलिंग में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं. 2024 की शुरुआत में, मैथ ने 60 से अधिक स्टार्टअप का समर्थन किया, जिनमें से 5 ने सक्रिय रूप से फंडिंग पर चर्चा की, जिससे भारत के बढ़ते एआई स्टार्टअप परिदृश्य पर प्रकाश डाला गया.

व्यावहारिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विनियमन दृष्टिकोण

भारत को एक व्यावहारिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विनियामक ढाँचे की आवश्यकता

है, जो नवाचार और जवाबदेही को संतुलित करे, अति विनियमनकारी प्रावधानों से दूर रहे जो विकास को बाधित कर सकते हैं और अनियंत्रित बाजार-संचालित शासन जो एकाधिकारी शक्तियों को मजबूत कर सकता है. केवल कानून पर निर्भर रहने के बजाय, भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित सुरक्षा उपायों में निवेश कर रहा है, शीर्ष विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईआईटी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईआईटी) को डीप फेक, गोपनीयता जोखिमों और साइबर सुरक्षा खतरों के लिए समाधान विकसित करने के लिए वित्त पोषित कर रहा है. यह तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता समावेशी विकास के लिए एक ताकत बनी रहे, एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे जहाँ नवाचार पनपता है, जबकि नैतिक चिंताओं को सक्रिय रूप से सम्बोधित किया जाता है.

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान में 11वें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अवसंरचना में 16वें स्थान पर : SIDE 2025 रिपोर्ट

भारत ने 32 देशों के समूह में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) अनुसंधान में 11वाँ स्थान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) अवसंरचना में 16वाँ स्थान हासिल किया है, जिसमें 17 विकसित और 15 विकासशील देश शामिल हैं, यह जानकारी स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल इकोनॉमी (SIDE) 2025 रिपोर्ट के तीसरे संस्करण में दी गई है.

ICRIER-प्रोसस सेंटर फॉर इण्टरनेट एण्ड डिजिटल इकोनॉमी (IPCIDE) द्वारा 28 फरवरी, 2025 को SIDE 2025 रिपोर्ट जारी की गई. रिपोर्ट में वैश्विक डिजिटलीकरण में भारत के बढ़ते कद पर जोर दिया गया है, लेकिन साथ ही महत्वपूर्ण अन्तरालों को भी उजागर किया गया है, जिन्हें वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए संबोधित करने की आवश्यकता है.

वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता दौड़ का नेतृत्व वर्तमान में अमेरिका और चीन कर रहे हैं, दूसरी ओर, भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी बढ़ती उपस्थिति के बावजूद, अपने और इन कृत्रिम बुद्धिमत्ता पावर हाउसों के बीच की खाई को कम करने में चुनौतियों का सामना कर रहा है.

भारत वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है. यह भारत को वैश्विक डिजिटलीकरण के सन्दर्भ में एक मजबूत स्थिति में स्थापित करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है. हालाँकि, देश-स्तर और उपयोगकर्ता-स्तर दोनों डिजिटलीकरण स्कोर को मिलाने पर, भारत की रैंकिंग G32 समूह में 8वें स्थान पर आ जाती है.

रिपोर्ट बताती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान और बुनियादी ढाँचे में बढ़े हुए निवेश के साथ-साथ लक्षित नीतियों के साथ, भारत अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दिग्गजों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक पैमाना बना सकता है.

SIDE 2025 रिपोर्ट डिजिटलीकरण को मापने के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश करती है, जिसमें डिजिटलीकरण की व्यापक परिभाषा पर ध्यान केंद्रित किया गया है. यह रूपरेखा न केवल तकनीकी अवसंरचना पर बल्कि डिजिटल परिवर्तन के सामाजिक, आर्थिक और नीति-संचालित पहलुओं पर भी जोर देती है. SIDE 2025 रिपोर्ट में एक नया ढाँचा प्रस्तावित किया गया है–कनेक्ट-हार्नेस-इनोवेट-प्रोटेक्ट-सस्टेन (CHIPS) [Connect-Harness-Innovate-Protect-Sustain (CHIPS)] जिसे भारत जैसे विकासशील देशों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह ढाँचा न केवल तकनीकी बुनियादी ढाँचे पर बल्कि डिजिटल परिवर्तन के सामाजिक, आर्थिक और नीति-संचालित पहलुओं पर भी जोर देता है.

डिजिटल अभियान

डिजिटल क्षेत्र में भारत का उदय स्पष्ट है. औसत भारतीय को डिजिटल अर्थव्यवस्था में बेहतर तरीके से एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है. रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि यद्यपि भारत में बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता और उच्च स्तर की डिजिटल सहभागिता है, फिर भी औसत उपयोगकर्ता 'मामूली रूप से डिजिटलीकृत' बना हुआ है. यह असमानता बताती है कि जबकि डिजिटल सेवाएँ तेजी से सुलभ हो रही हैं, उनका उपयोग और प्रभाव अभी भी आबादी के सभी वर्गों में व्यापक नहीं है.

भारत का डिजिटल परिवर्तन एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जहाँ ब्राजील, थाइलैण्ड और नाइजीरिया सहित वैश्विक दक्षिण के देश डिजिटलीकरण के मामले में कई विकसित देशों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटलीकरण के नक्शे पर भारत का उदय न केवल देश के लिए बल्कि व्यापक वैश्विक दक्षिण के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है.

SIDE 2025 रिपोर्ट इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता को रेखांकित करती है. सही निवेश के साथ, भारत के पास डिजिटल अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार में एक अग्रणी शक्ति के रूप में उभरने का अवसर है.

SIDE 2025 रिपोर्ट के लॉन्च के अवसर पर, भारत के G20 शेरपा, अमिताभ कांत ने कहा, "भारतीय अर्थव्यवस्था का भविष्य पूरी तरह से डिजिटल है, और SIDE 2025 रिपोर्ट यह स्थापित करने में मदद करती है कि भारत ने पहले ही कितनी प्रगति कर ली है." कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दौड़ वास्तव में अभी शुरू हुई है, और यह दौड़ पूरी तरह से खुली है, और यह दौड़ उन लोगों द्वारा नहीं जीती जाएगी जिन्होंने बहुत अधिक लागत वाले मॉडल का निर्माण किया है, बल्कि वे लोग जीतेंगे जो प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करते हैं, ओपन सोर्स का उपयोग करते हैं, और लागत प्रतिस्पर्धी मॉडल का उपयोग करते हैं. सरकार को डिजिटल बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना चाहिए, व्यवसायों को नवाचार करना जारी रखना चाहिए, स्टार्टअप के उन्नयन में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए, और व्यक्तियों को अधिक-से-अधिक डिजिटल कौशल अपनाना चाहिए. सरकार, व्यवसाय, स्टार्टअप और नागरिकों को भारत में समावेशी, टिकाऊ और नवाचार संचालित डिजिटल विकास सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए.

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था इसकी समग्र अर्थव्यवस्था की दर से दोगुनी गति से बढ़ रही है और 2029 तक इसके अर्थव्यवस्था का पाँचवाँ हिस्सा बनने की उम्मीद है.

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति अब रुकने वाली नहीं है, क्योंकि नई पीढ़ी इसे अपनाने के लिए उत्सुक हैं. रणनीतिक सरकारी पहलों के आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता में भारत की तीव्र प्रगति ने देश को वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पावरहाउस के रूप में स्थापित किया है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता कम्प्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके, स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल को बढ़ावा देकर, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे को बढ़ाकर और प्रतिभा विकास में निवेश करके, भारत एक समावेशी और नवाचार से प्रेरित पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है. खुले डेटा पर जोर, उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग तक सस्ती पहुँच और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित समाधान यह सुनिश्चित करते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ व्यवसायों, शोधकर्ताओं, छात्रों और नागरिकों तक समान रूप से पहुँचें.

फोकस 2

बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्षरत् महिलाएं

मधूलिका सिंह

शताब्दियों से, महिलाओं ने समान अधिकारों, अवसरों की समानता और परिवार, समाज, कार्यस्थल और सार्वजनिक जीवन स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया है. मताधिकारवादियों से लेकर डिजिटल कार्य-कर्ताओं तक, प्रत्येक पीढ़ी ने सीमाओं को आगे बढ़ाया है, बाधाओं को तोड़ा है और पीछे हटने से इनकार किया है. हर नीति परिवर्तन और कानूनी जीत के पीछे निडर नारीवादियों ने संगठित होकर, विरोध करके और कार्रवाई की माँग करके काम किया है. हालाँकि अभी भी संघर्ष लम्बा है, यात्रा अधूरी हैं जैसा कि विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी वैश्विक लैंगिक अन्तराल रिपोर्ट 2024 के निष्कर्षों से पता चलता है. वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक प्रतिवर्ष चार प्रमुख आयामों में लैंगिक समानता की वर्तमान स्थिति और विकास का मूल्यांकन करता है—आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक उपलब्धि, स्वास्थ्य और अस्तित्व तथा राजनीतिक सशक्तिकरण). 2024 की रिपोर्ट में शामिल सभी 146 देशों के लिए 2024 में वैश्विक लिंग अन्तराल स्कोर 68·5% पर पहुँच गया है. 2024 वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक से पता चलता है कि किसी भी देश ने पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं कर पाई है, फिर भी इस संस्करण में शामिल 97% अर्थव्यवस्थाओं ने अपने अन्तराल को 60% से अधिक पाट लिया है. 2024 सूचकांक में शामिल 146 अर्थव्यवस्थाओं में, स्वास्थ्य और जीवन रक्षा के क्षेत्र में लैंगिक अन्तराल 96%, शैक्षिक प्राप्ति में अन्तराल 94·9%, आर्थिक भागीदारी और अवसर में अन्तराल 60·5%, और राजनीतिक सशक्तिकरण में अन्तराल 22·5% पाट लिया गया है.

प्रत्येक व्यक्तिगत उप-सूचकांक की बदलती गति के साथ समानता के लिए उनकी सम्बन्धित समय-सीमा प्रभावित हो रही है, इस वर्ष के परिणामों ने शैक्षिक प्राप्ति में समानता के लिए प्रतीक्षा अवधि को 20 वर्ष और राजनीतिक सशक्तिकरण में 169 वर्ष तक बढ़ा दिया है, फिर भी आर्थिक भागीदारी और अवसर के लिए समय-सीमा को 152 वर्ष तक आगे बढ़ाया है. स्वास्थ्य और जीवन रक्षा लिंग मूलक अन्तर को पाटने का समय अभी भी अनिर्धारित है. इस दर पर पूर्ण समानता तक पहुँचने में 134 वर्ष—"2030 के सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लक्ष्य से लगभग पाँच पीढ़ियाँ परे"—लगेंगे.

जहाँ तक भारत का प्रश्न है, तो 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ भारत ने 2024 में लैंगिक असमानता को 64·1 प्रतिशत तक कम कर दिया है.

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025
आयोजन—8 मार्च
थीम—'सभी महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए : अधिकार, बराबरी और सशक्ति-करण'

महिला अधिकारिता के लिए भारत में प्रयास

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी के स्तर पर लाने के लिए संवैधानिक प्रावधानों से लेकर महिला कल्याणार्थ चलाए गए कार्यक्रमों से यद्यपि महिलाओं की स्थिति में व्यापक रूप से सुधार आया है. इसमें संविधान (73वाँ संशोधन) अधिनियम, 1992 और संविधान (74वाँ संशोधन) अधिनियम, 1992 की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही है. इन दो कालजयी सुधारों से क्रमशः पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय नगर निकायों में प्रत्येक स्तर के एक-तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए गए . इतना ही नहीं क्षैतिजिक आरक्षण व्यवस्था से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को अपने अपने वर्गों में यही लाभ प्राप्त हुआ.

पंचायती राज मंत्रालय की अभी हाल में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में ग्राम पंचायत, पंचायत समित और जिला परिषद् के सभी स्तरों पर लगभग 2,63,000 पंचायतें हैं, जिनमें 32·29 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि हैं इनमें से 13·03 लाख (लगभग 46·6 प्रतिशत) महिलाएं हैं. पंचायतों में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या में तो वृद्धि हुई है, लेकिन निर्णयन प्रक्रिया में उनकी सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी अभी भी दूर की कौड़ी है. अनेक मामलों में वास्तविक सत्ता प्रधान पतियों, प्रधान सरपंचों के हाथों में है.

महिला मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ रही और वे धार्मिक एवं जातिगत पहचान से हटकर अपने रोजमर्रा के जरूरी मुद्दों पर चुनाव के दौरान ज्यादा जोर दे रही हैं. इसीलिए राज्य एवं केन्द्र में सभी दलों की सरकारों के उन तक पहुँचने के प्रयास रंग ला रहे हैं. इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम "सभी महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए : अधिकार, बराबरी और सशक्तिकरण" है. जैसा कि छत्तीसगढ़ में देखने को मिला, 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन से पंचायत एवं निकायों में महिलाओं को आरक्षण की व्यवस्था किए जाने के बावजूद जनप्रतिनिधित्व के मोर्चे पर उनकी संख्या अभी भी बहुत कम है. छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के एक गाँव में चुनाव में निर्वाचित छह महिला पंचायत सदस्यों की जगह उनके पतियों ने शपथ ली.

सशक्त पंचायत नेत्री अभियान

केन्द्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने महिला जनप्रतिनिधियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए सशक्त पंचायत नेत्री अभियान शुरू किया है. बिहार समेत 20 राज्यों में स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं. आज बिहार में पंचायतों में 54 प्रतिशत से अधिक सीटों पर महिलाएं जीत कर आती हैं. 128वें संविधान संशोधन विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) 2023 के द्वारा जो संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम 2023 के रूप में 28 सितम्बर, 2023 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ, केन्द्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने महिला केन्द्रित विकास का नारा दिया है. इस कानून में लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की गई है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को विकसित भारत के चार स्तम्भों में से एक करार दिया है.

जमीनी हकीकत

आज दुनिया महिलाओं और लड़कियों के लिए पहले से कहीं ज्यादा समान है, लेकिन प्रगति अभी भी बहुत धीमी, बहुत नाजुक और बहुत असमान है. हर 10 मिनट में, एक महिला की उसके अपने परिवार के किसी व्यक्ति द्वारा हत्या कर दी जाती है. श्रम बल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दशकों से अपरिवर्तित रहा है. महिलाएं और लड़कियाँ जलवायु परिवर्तन को घातक स्तर पर लाने में सबसे कम योगदान देती हैं और फिर भी सबसे बुरे परिणाम भुगतती हैं और इस गति से, आज जन्म लेने वाली लड़की 40 वर्ष की हो जाएगी, इससे पहले कि महिलाएं संसद में पुरुषों के बराबर सीटें हासिल कर पाएं.

संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व नेताओं द्वारा लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए ऐतिहासिक खाका अपनाने के 30 वर्ष बाद भी महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों पर हमला हो रहा है और लैंगिक भेदभाव अर्थव्यवस्थाओं और समाजों में गहराई से समाया हुआ है.

महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को दुनिया भर में अभूतपूर्व रूप से बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें भेदभाव के उच्च स्तर से लेकर कमजोर कानूनी सुरक्षा और महिलाओं का समर्थन और सुरक्षा करने वाले कार्यक्रमों और संस्थानों के लिए आर्थिक संसाधनों का कम आबंटन शामिल है.

महिला सशक्तिकरण की पहल

8 मार्च, 2025 को संयुक्त राष्ट्र के 50वें अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र महिला की नवीनतम रिपोर्ट "बीजिंग के 30 वर्ष बाद समीक्षा में महिला

अधिकार" से पता चलता है कि 2024 में दुनिया भर की लगभग एक-चौथाई सरकारों ने महिलाओं के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रतिक्रिया की सूचना दी है. महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता पर केन्द्रित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में पाया गया कि दुनिया भर में लगभग एक-चौथाई सरकारों ने पिछले वर्ष महिलाओं के अधिकारों के प्रति प्रतिक्रिया की सूचना दी.

लड़कियों की शिक्षा और परिवार नियोजन तक पहुँच सहित कुछ प्रगति के बावजूद, UN Women (महिलाओं के अधिकारों एवं उत्थान को समर्पित संयुक्त राष्ट्र का एक निकाय) ने कहा कि हर 10 मिनट में एक महिला या लड़की को उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा मार दिया जाता है और 2022 से संघर्ष-सम्बन्धी यौन हिंसा के मामलों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक बयान में कहा कि वैश्विक स्तर पर महिलाओं के मानवाधिकारों पर हमला हो रहा है. समान अधिकारों को मुख्यधारा में लाने के बजाए, हम महिलाओं के प्रति घृणा को मुख्यधारा में आते देख रहे हैं. उन्होंने कहा कि विश्व को सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए, हर जगह, हर किसी के लिए मानवाधिकार, समानता और सशक्तिकरण को वास्तविकता बनाने के लिए मजबूत बने रहना चाहिए.

महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, केवल 87 देशों का नेतृत्व कभी किसी महिला ने किया है. डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) हानिकारक रूढ़िवादिता फैलाते हैं, जबकि डिजिटल लिंग अन्तराल महिलाओं के अवसरों को सीमित करता है. पिछले दशक में, दुनिया ने संघर्ष में रहने वाली महिलाओं और लड़कियों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, और महिला अधिकार रक्षकों को प्रतिदिन उत्पीड़न, व्यक्तिगत हमलों और यहाँ तक कि मौत का सामना करना पड़ता है. हाल के वैश्विक संकट—जैसे कि COVID-19, जलवायु आपातकाल, खाद्य और ईंधन की बढ़ती कीमतें—केवल प्रतिक्रिया देने की तात्कालिकता को बढ़ा रहे हैं.

"जब महिलाएं और लड़कियाँ आगे बढ़ सकती हैं, तो हम सभी फलते-फूलते हैं. फिर भी, वैश्विक स्तर पर, महिलाओं के मानवाधिकारों पर हमला हो रहा है. समान अधिकारों को मुख्यधारा में लाने के बजाए, हम महिलाओं के प्रति घृणा को मुख्यधारा में लाते हुए देख रहे हैं. साथ मिलकर, हमें सभी महिलाओं और लड़कियों, सभी के लिए, हर जगह मानवाधिकार, समानता और सशक्तिकरण को वास्तविकता बनाने के लिए दृढ़ रहना चाहिए" संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा.

यूएन वीमेन की कार्यकारी निदेशक सिमा सामी बहौस ने पुष्टि की, "यूएन वीमेन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी महिलाएं और लड़कियाँ, हर जगह, अपने अधिकारों और स्वतंत्रता का पूरा आनंद ले सकें." "लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के रास्ते में जटिल चुनौतियाँ हैं, लेकिन हम दृढ़ हैं, महत्वाकांक्षा और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं. महिलाएं और लड़कियाँ बदलाव की माँग कर रही हैं—और वे इससे कम की हकदार नहीं हैं."

बीजिंग घोषणा और प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन के बाद से 30 वर्षों की प्रगति का प्रतीक है, जो महिलाओं के अधिकारों पर सबसे दूरदर्शी रोडमैप है. "बीजिंग घोषणा के 30 वर्ष बाद समीक्षा में महिला अधिकार" रिपोर्ट, जो 159 सरकारों द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासचिव को दिए गए फीडबैक पर आधारित है, प्रगति दिखाती है जिसे स्वीकार किया जाना चाहिए वर्ष 1995 से 2025 तक लड़कियों की शिक्षा में समानता हासिल की गई है और मातृ मृत्यु दर में एक-तिहाई की कमी आई है. संसदों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दोगुना से अधिक हो गया है और देश भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाना जारी रखे हुए हैं, वर्ष 1995 और 2024 के बीच 189 देशों और क्षेत्रों में 1,531 कानूनी सुधार हुए हैं. यह दर्शाता है कि जब महिलाओं के अधिकारों को उनके देशों में पूरी तरह से बरकरार रखा जाता है, तो परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाएं फलती-फूलती हैं.

फिर भी, लैंगिक समानता हासिल करने और हमें सतत् विकास के लिए 2030 एजेंडा के करीब लाने के लिए अभी भी महत्वपूर्ण प्रयासों की आवश्यकता है. यही कारण है कि 2025 की रिपोर्ट में नए बीजिंग+ 30 एक्शन एजेंडा को भी शामिल किया गया है, जो हमारे अधूरे काम को पूरा करने के लिए एक साहसी रोडमैप है, जिसमें निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है—

- **सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए एक डिजिटल क्रांति**—हमें प्रौद्योगिकी तक समान पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए, महिलाओं और लड़कियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल नवाचार में नेतृत्व करने के लिए तैयार करना चाहिए, और उनकी ऑनलाइन सुरक्षा और गोपनीयता की गारण्टी देनी चाहिए.
- **निर्धनता से मुक्ति**—महिलाओं और लड़कियों के विकास के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, शिक्षा और मजबूत देखभाल सेवाओं में निवेश की आवश्यकता है और इससे लाखों हरित और सभ्य नौकरियाँ पैदा हो सकती हैं.
- **महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध शून्य हिंसा**—देशों को महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए कानून को अपनाना और लागू करना चाहिए, इसके सभी रूपों में, अच्छी तरह से संसाधन वाली योजनाओं के साथ, जिसमें प्रतिक्रिया और रोकथाम की अग्रिम पंक्तियों पर समुदाय-आधारित संगठनों के लिए समर्थन शामिल है.
- **पूर्ण और समान निर्णय लेने की शक्ति**—राजनीति और शासन स्तर की संस्थाओं में लैंगिक आधार पर आरक्षण जैसे अस्थायी विशेष उपायों ने महिलाओं की भागीदारी को तेजी से बढ़ाने में अपनी प्रभावशीलता साबित की है. परिवार, समुदाय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्णयन प्रक्रिया में महिलाओं को समुचित भागीदारी प्रदान करके न केवल उन्हें बराबरी के स्तर पर लाया जा सकता है वरन् उन्हें आर्थिक विकास प्रक्रिया में भी शामिल किया जा सकता है. संसद द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करके लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में एक-तिहाई स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित कर देने मात्र से काम नहीं चलने वाला, उनका वास्तविक सशक्तिकरण तो तब होगा जब मंत्रिमण्डल और शासन तंत्र में भी उनकी बराबरी की भागीदारी होगी.
- **शांति और सुरक्षा**—महिलाओं, शांति और सुरक्षा और लिंगमूलक-उत्तरदायी मानवीय सहायता पर राष्ट्रीय योजनाओं को पूरी तरह से वित्तपोषित करना आवश्यक है. अग्रिम पंक्ति की महिला संगठन, जो अक्सर संकट के समय सबसे पहले प्रतिक्रिया देते हैं, को स्थायी शांति बनाने के लिए समर्पित, निरन्तर धन प्राप्त होना चाहिए.
- **जलवायु न्याय**—जलवायु अनुकूलन में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, उनके नेतृत्व और ज्ञान को केन्द्र में रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे नई हरित नौकरियों से लाभान्वित हों.

उपर्युक्त वर्णित छह कार्रवाइयों में, युवा महिलाओं और लड़कियों को हमारे प्रयासों के केन्द्र में रखना आज और कल दोनों में सफलता की गारण्टी देने का सबसे अच्छा तरीका है. इन छह प्लस वन कार्रवाइयों में महिलाओं के अधिकारों पर प्रगति को बढ़ावा देने और हमें 2030 के लिए वापस पटरी पर लाने की क्षमता है. बीजिंग+ 30 स्मरणोत्सव और महिलाओं की स्थिति पर आगामी संयुक्त राष्ट्र आयोग (CSW69) इस कार्य एजेंडे को राष्ट्रीय नीतियों, क्षेत्रीय रणनीतियों और वैश्विक समझौतों में शामिल करने के स्पष्ट अवसर हैं. महिलाओं और लड़कियों के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष में, जोकि किसी भी अन्य वर्ष की तरह प्रतिरोध और संकटों का वर्ष भी है, आइए हम महिलाओं के अधिकारों को आगे बढ़ाएं ताकि एक ऐसी दुनिया बनाई जा सके जहाँ सभी महिलाओं और लड़कियों को समान अधिकार और समान अवसर प्राप्त हों. हम पहली पीढ़ी हो सकते हैं, जो एकसमान दुनिया में रह सकती है.

1848 से 2025 तक महिला अधिकारों की समयरेखा

वर्ष	महिलाओं के अधिकारों से सम्बन्धित पहलें	विवरण
1848	महिलाओं के अधिकारों का दावा करने के लिए आंदोलन शुरू हुआ	न्यूयॉर्क में सेनेका फॉल्स कन्वेंशन में, एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन और ल्यूक्रेटिया मॉट ने महिलाओं के लिए नागरिक, सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों की माँग की. यह लैंगिक समानता का एक मील का पत्थर है जब यह घोषणा की गई—"हम इन सत्यों को स्वयंसिद्ध मानते हैं—कि सभी पुरुष और महिलाएं समान हैं."
1851	सोजर्नर ट्रुथ ने समावेश की माँग की	सोजर्नर ट्रुथ, जो पहले गुलाम थी, ने अपना दमदार भाषण दिया 'क्या मैं एक महिला नहीं हूँ' ? वह इतिहास में इस बात की गवाही देकर दर्ज हो गईं कि महिलाएं किस तरह से लैंगिक भेदभाव का अनुभव अलग-अलग तरीके से कर सकती हैं.
1893	न्यूजीलैण्ड में महिलाओं ने मतदान के लिए वैश्विक पहल शुरू की	न्यूजीलैण्ड महिलाओं को मतदान का अधिकार देने वाला पहला देश बन गया. इसने महिलाओं के अधिकारों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक समाज का मार्ग प्रशस्त करने वाले वैश्विक मताधिकार आंदोलन को प्रेरित किया.
1911	10 लाख लोगों ने पहला अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया	8 मार्च को पूरे यूरोप में 10 लाख से ज्यादा लोगों ने महिलाओं के मताधिकार और श्रम अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन करके पहला अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया.
1929	कर राहत के लिए नाइजीरियाई महिलाओं ने संघर्ष किया	हजारों इग्बो महिलाएं औपनिवेशिक शासन के खिलाफ गाकर, नाचकर, दीवारों पर धमाका करके और यहाँ तक कि छतों को तोड़कर उठ खड़ी हुईं. उनके कार्यों ने अधिकारियों को अनुचित बाजार करों को समाप्त करने के लिए मजबूर किया.
1945	आयरिश लॉन्ड्रेस ने कड़ी मेहनत की और जोरदार हड़ताल की	अस्वस्थ कार्य स्थितियों, कम वेतन और सीमित छुट्टी से तंग आकर लगभग 1,500 यूनियनबद्ध लॉन्ड्रेस हड़ताल पर चले गए. वाणिज्यिक लॉन्ड्रियों को नुकसान हुआ और हड़ताल सभी आयरिश श्रमिकों की जीत के साथ समाप्त हुई, जिन्हें वार्षिक छुट्टियों का वैधानिक दूसरा सप्ताह मिला.
1945	संयुक्त राष्ट्र का जन्म हुआ—समानता की माँग के साथ	द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के दौरान, महिला प्रतिनिधियों ने संस्थापक चार्टर में लैंगिक समानता को शामिल करने पर जोर दिया, जो "पुरुषों और महिलाओं के समान अधिकारों" को मान्यता देता है. संयुक्त राष्ट्र महासभा के उद्घाटन सत्र में, एलेनोर रूजवेल्ट ने "दुनिया की महिलाओं के लिए खुला पत्र" पढ़ा, जिसमें राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का आग्रह किया गया.
1946	महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग का गठन	नए संयुक्त राष्ट्र के पहले कदमों में से एक महिलाओं की स्थिति पर आयोग का गठन करना है. लैंगिक समानता के लिए पूरी तरह समर्पित पहला वैश्विक अन्तर-सरकारी निकाय, यह आज भी महिला अधिकार नीतियों को आकार देता है.
1948	मानव इतिहास में पहली बार—मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा	घोषणा-पत्र में कहा गया है कि मौलिक अधिकार सभी के हैं—सभी महिलाओं और लड़कियों के भी. यह मानवाधिकारों के स्वीकृत मानकों को बनाए रखने और सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए कर्तव्यधारियों से आह्वान करने वाली सक्रियता की शुरुआत है.
1960	डोमिनिकन गणराज्य की अविस्मरणीय तितलियाँ	तीन बहनें—मिनर्वा, मारिया टेरेसा और पैट्रिया मिराबल—जिन्हें लास मारिपोसस (तितलियाँ) के नाम से भी जाना जाता है, ने राफेल ट्रूजिलो की तानाशाही के खिलाफ भूमिगत प्रतिरोध का नेतृत्व किया. उनकी हत्या से जनता में आक्रोश फैल गया और 1 वर्ष के भीतर ही तानाशाही खत्म हो गई.
1970	महिलाओं पर प्रथम विश्व सम्मेलन में महिलाएं एकजुट हुईं	मेक्सिको में आयोजित यह सम्मेलन एक उत्साहवर्धक क्षण था, जिसने दुनिया भर के महिला आंदोलनों को जोड़ा और महिला अधिकारों पर वैश्विक चर्चा को बढ़ावा दिया. 1970 पहला अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष और महिलाओं के लिए पहला संयुक्त राष्ट्र दशक भी था.
1972	अवैतनिक देखभाल कार्य राजनीतिक हो गया	नारीवादियों ने घरेलू काम के लिए अंतर्राष्ट्रीय वेतन अभियान शुरू किया, जिसमें महिलाओं के अवैतनिक देखभाल कार्य को मान्यता देने पर जोर दिया गया. कार्यकर्ताओं का तर्क है कि महिलाओं के घरेलू और देखभाल कार्य को किसी भी अन्य नौकरी की तरह पुरस्कृत किया जाना चाहिए—भुगतान किए गए वेतन के साथ.
1975	आइसलैंड में महिलाओं को एक दिन की छुट्टी का अधिकार मिला	जब 90 प्रतिशत महिलाओं एक दिन के लिए काम करने, खाना बनाने या बच्चों की देखभाल करने से इनकार कर दिया, तो देश में ठहराव आ गया. प्रमुख सुधार सुनिश्चित किए गए, जिनमें सवेतन पैतृक अवकाश और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि शामिल है.
1979	महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन (CEDAW) महिलाओं के अधिकारों का विधेयक बन गया.	बढ़ते वैश्विक महिला आंदोलन से प्रेरित होकर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन की स्थापना की. जिन देशों ने इसे मंजूरी दी है—अब तक 189–वे सार्वजनिक और निजी जीवन में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं, जिसमें घरेलू कानून भी शामिल हैं.

1981	महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए वैश्विक आह्वान	मिराबल बहनों को सम्मानित करते हुए, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के कार्य-कर्ताओं ने 25 नवम्बर को महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने का आह्वान करने का दिन घोषित किया. 1999 में, संयुक्त राष्ट्र ने औपचारिक रूप से इसे महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में नामित किया.
1991	लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए जमीनी स्तर पर 16 दिनों की सक्रियता वैश्विक हो गई	1991 में जमीनी स्तर पर शुरू की गई पहल अब सबसे व्यापक अभियानों में से एक है. पहले महिला वैश्विक नेतृत्व संस्थान द्वारा शुरू किया गया हर साल 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर (16 दिन) तक दुनिया के हर कोने में मनाया जाता है.
1994	काहिरा कार्य योजना—हमारे शरीर, हमारी पसंद प्रजनन अधिकारों की इसकी ऐतिहासिक मान्यता आज भी एक कसौटी बनी हुई है.	नारीवादी कार्यकर्ताओं ने जनसंख्या और विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सरकारों पर दबाव डाला कि वे नसबंदी और प्रतिबंधात्मक जन्म कोटा जैसे जनसंख्या सम्बन्धी लक्ष्यों को समाप्त करने के लिए सहमत हों. यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों की इसकी ऐतिहासिक मान्यता आज भी एक कसौटी बनी हुई है.
1995	बीजिंग प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन ने लैंगिक समानता के लिए एक योजना बनाई	महिलाओं पर चौथा विश्व सम्मेलन सभी महिलाओं और लड़कियों के समान अधिकारों को प्राप्त करने के लिए अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी खाका तैयार करता है, जिसमें कार्रवाई के लिए बारह महत्वपूर्ण क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की गई है.
2000	महिलाओं, शांति और सुरक्षा पर पहला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् प्रस्ताव	पहली बार, प्रस्ताव 1325 में, संयुक्त राष्ट्र ने औपचारिक रूप से माना कि युद्ध महिलाओं को अलग तरह से प्रभावित करता है. यह शांति और सुरक्षा प्रयासों में महिलाओं की सार्थक भागीदारी और नेतृत्व का आह्वान करता है.
2003	शांति के लिए सामूहिक कार्रवाई ने लाइबेरिया के गृह युद्ध को समाप्त कर दिया	लाइबेरिया की महिलाओं ने 14 वर्ष के गृह युद्ध के एक और पल को सहने से इनकार कर दिया. उन्होंने सफल शांति वार्ता के लिए दबाव बनाने के लिए सेक्स स्ट्राइक और सिट-इन का उपयोग किया. न केवल युद्ध समाप्त हुआ, बल्कि लाइबेरिया अफ्रीका की पहली महिला राष्ट्राध्यक्ष, एलेन जॉनसन सरलीफ को चुना गया.
2010	संयुक्त राष्ट्र महिला (UN WOMEN) लैंगिक समानता के लिए वैश्विक चैम्पियन बनी	चार अलग-अलग संयुक्त राष्ट्र निकायों से संयुक्त राष्ट्र महिला (UN WOMEN) का निर्माण संयुक्त राष्ट्र को सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए एक मजबूत, एकीकृत आवाज देता है. संयुक्त राष्ट्र महिला अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को आगे बढ़ाती है, लैंगिक समानता पर सम्पूर्ण संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के साथ समन्वय करती है और हर जगह महिलाओं और लड़कियों के जीवन को बदलने वाली कार्रवाई करती है.
2013	मलाला यूसुफजई ने दुनिया को जगाया	पाकिस्तान में एक क्रूर हमले से बचने के बाद, स्कूली छात्रा और शिक्षा कार्यकर्ता मलाला यूसुफजई ने संयुक्त राष्ट्र में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति में सभी के लिए शिक्षा के प्रति अपने जुनून को सामने लाकर अपना 16वाँ जन्मदिन मनाया.
2015	लैंगिक समानता को सतत् विकास लक्ष्यों के केन्द्र में रखा गया है	विश्व के नेता 2030 तक वैश्विक प्रगति के लिए एक योजना पर सहमत हैं—17 सतत् विकास लक्ष्यों में पाँचवाँ लक्ष्य लैंगिक समानता हासिल करना है, जो अर्थव्यवस्था से लेकर खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु कार्रवाई, शांति और अन्य सभी की सफलता का आधार है.
2017	#MeToo ने हिंसा पर चुप्पी तोड़ी	दुनियाभर की महिलाएं उद्योगों और क्षेत्रों में अपने विरूद्ध होने वाले दुर्व्यवहार के पैटर्न को उजागर करने और जवाबदेही की माँग करने के लिए सोशल मीडिया और फिर अदालतों का सहारा लेती हैं. भारत में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार, लैटिन अमेरिका में महिलाओं की हत्या और नाइजीरिया में लगभग 280 स्कूली लड़कियों के अपहरण के विरोध में बड़े पैमाने पर कई विद्रोह हुए.
2022	समान खेल के लिए समान वेतन	अमेरिकी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने आखिरकार एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद वेतन समानता हासिल कर ली है, जो वैश्विक स्तर पर खेलों में वेतन असमानताओं को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों की शृंखला में शामिल है. आज तक, वे कुछ अपवादों में से एक बने हुए हैं. 2024 में दुनिया के 100 सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाले एथलीटों में से कोई भी महिला नहीं है.
2023	कृत्रिम बुद्धिमत्ता मुख्यधारा में आ गया है. इसके पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए भी आवाज उठ रही है	कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सम्भावनाओं को लेकर उत्साह इसके लैंगिक पूर्वाग्रहों से कमतर है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ और मानवाधिकार नेता पूर्वाग्रहों का मुकाबला करने के लिए अधिक जागरूकता और कार्रवाई का आग्रह कर रहे हैं ताकि तकनीक सभी को लाभ पहुँचाए और लैंगिक भेदभाव और हिंसा को बढ़ावा न दे.
2024	शर्म को पक्ष बदलना होगा	जब फ्रांस के डोमिनिक पेलिकॉट को 9 वर्ष से अधिक समय तक अपनी पत्नी को नशीला पदार्थ देने और बलात्कार करने का दोषी ठहराया जाता है, तो गिसेले पेलिकॉट नाम न बताने से इनकार करके इतिहास रचती हैं. वह कहती हैं, "यह बहादुरी नहीं है, यह समाज को बदलने की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प है." उनकी हिम्मत ने शर्म को पीड़ितों से अपराधियों पर स्थानांतरित करने के लिए वैश्विक आह्वान को जन्म दिया.
2025	भारतीय पुरुष एवं महिला क्रिकेटरों को बराबर भुगतान	बीसीसीआई ने टेस्ट मैचों, एकदिवसीय मैचों टी-20 मैचों में खेलने वाली महिला क्रिकेटरों को पुरुषों के बराबर मैच फीस की व्यवस्था की गई.

फोकस 3

कौशल भारत कार्यक्रम का पुनर्गठन

✍ डॉ. मनीष देव

भारत विश्व की कौशल राजधानी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. विश्व की सबसे युवा आबादी में से एक होने के कारण, भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश को ऐसे कार्यबल के माध्यम से प्राप्त कर सकता है, जो 'रोजगार योग्य' कौशल में प्रशिक्षित है और उद्योग के लिए तैयार है. इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें अंतिम वर्ष और पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्रों का रोजगार योग्य प्रतिशत 2014 में 33·9% से बढ़कर 2024 में 51·3% हो गया है. भारत की युवा शक्ति की कौशल विकास की इस यात्रा में युवाओं के व्यक्तिगत प्रयासों के साथ-साथ, विभिन्न महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों और नीतियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, जो देश को एक कुशल, रोजगार योग्य और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की ओर ले जा रही हैं.

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 7 फरवरी, 2025 को 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए ₹ 8,800 करोड़ के ओवरले (पहले से चल रहे कार्यक्रम को अधिक धनराशि प्रदान करना) परिव्यय के साथ 2026 तक केन्द्रीय क्षेत्र योजना 'कौशल भारत कार्यक्रम (एसआईपी)' को जारी रखने और इसका पुनर्गठन किए जाने को मंजूरी प्रदान की. यह मंजूरी देश भर में माँग-संचालित, प्रौद्योगिकी-सक्षम और उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण को एकीकृत करके एक कुशल, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4·0 (पीएमकेवीवाई 4·0), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (पीएम-एनएपीएस) और जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना तीन प्रमुख घटक, अब 'कौशल भारत कार्यक्रम' की समग्र केन्द्रीय क्षेत्र योजना के तहत् संयुक्त हैं. इन पहलों का उद्देश्य संरचित कौशल विकास, नौकरी पर प्रशिक्षण और समुदाय-आधारित शिक्षा प्रदान करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हाशिए पर पड़े समुदायों सहित शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी को उच्च गुणवत्ता वाली व्यावसायिक शिक्षा तक पहुँच प्राप्त हो. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की तीन प्रमुख योजनाओं के तहत् आज तक 2·27 करोड़ से अधिक लाभार्थी हैं.

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4·0— प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) 4·0 विशेष परियोजनाओं (SP) सहित अल्पकालिक प्रशिक्षण (STT) के माध्यम से राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (Natinoal Skill Qualification Framework–NSQF) संरेखित कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करती है और पूर्व शिक्षण की मान्यता (RPL) के माध्यम से पुनः कौशल और कौशल उन्नयन प्रदान करती है, जिसका लक्ष्य लाभार्थी 15-59 वर्ष की आयु का है. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4·0 (PMKVY 4·0) ने कौशल विकास प्रशिक्षण को उद्योग उन्मुख बनाने के लिए परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं, जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ-साथ बढ़ी हुई पहुँच के साथ संरेखित है. इस योजना के तहत् एक महत्वपूर्ण बदलाव अल्पकालिक कौशल कार्यक्रमों के भीतर ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (OJT) का एकीकरण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रशिक्षुओं को वास्तविक दुनिया का अनुभव और उद्योग का अनुभव प्राप्त हो. उभरती हुई उद्योग माँगों और नए युग की तकनीक के आगमन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, उभरती हुई तकनीकों और भविष्य के कौशल पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) 5G तकनीक, साइबर सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, ड्रोन तकनीक पर 400 से अधिक नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं.

मिश्रित और लचीले शिक्षण मॉडल में अब डिजिटल डिलीवरी भी शामिल है, जिससे प्रशिक्षण अधिक लचीला और स्केलेबल हो गया है. लक्षित, उद्योग-सम्बन्धित कौशल प्रदान करने, शिक्षार्थियों को उच्च-माँग वाली नौकरी भूमिकाओं में कौशल उन्नयन (अपस्किल), पुर्नकौशल (रीस्किल) और रोजगार क्षमता बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए, कार्यक्रम 7·5 से 30 घण्टे तक के माइक्रो-क्रेडेंशियल और राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (NoS) आधारित पाठ्यक्रम पेश करता है. मौजूदा बुनियादी ढाँचे के क्रॉस उपयोग को अधिकतम करने और गुणवत्ता प्रशिक्षण तक पहुँच का विस्तार करने के लिए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs) और जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNVs), केन्द्रीय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS), पी एम श्री स्कूलों (PM School for Rising India), टूलरूम, राष्ट्रीय इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (National Institute of Electronics and Information Technology–NIELIT), केन्द्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (Central Institute of Petrochemicals Engineering and Technology–CIPET) आदि सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में कौशल केन्द्र स्थापित किए गए हैं.

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4·0 (PMKVY 4·0) कई क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध पाठ्यक्रम के साथ उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण सुनिश्चित करती है, जिससे कौशल अधिक समावेशी और सुलभ हो जाता है. सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए 600 से अधिक प्रशिक्षु और प्रशिक्षक पुस्तिकाओं का 8 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है. गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और मूल्यांकन को मजबूत करने के लिए, 1 लाख मूल्यांकन-कर्ताओं और प्रशिक्षकों का एक राष्ट्रीय पूल विकसित किया जा रहा है, जो प्रशिक्षण केन्द्रों में मानकीकरण और विशेषज्ञता सुनिश्चित करेगा. उद्योग साझेदारी रिक्रूट ट्रेन डिप्लॉय (आरटीडी) प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के अवसरों तक पहुँच सुनिश्चित करती है. इसके अतिरिक्त, यह योजना अन्तर्राष्ट्रीय गतिशीलता पर भी जोर देती है, यह सुनिश्चित करती है कि भारतीय श्रमिक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कौशल से लैस हों.

कौशल विकास मंत्रालय ने विभिन्न देशों के साथ गतिशीलता भागीदारी समझौतों (एमएमपीए) और समझौता ज्ञापनों पर किए हैं और आवश्यक क्षेत्रीय कौशल अंतर अध्ययन किए हैं. इस योजना के तहत् देश के कार्यबल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय गतिशीलता के अवसरों को बढ़ाने के लिए डोमेन कौशल, संयुक्त प्रमाणन, भाषा प्रवीणता और सॉफ्ट स्किल में प्रशिक्षण को सक्षम करना शुरू किया गया है. पीएम-केवीवाई 4·0 के तहत् अंतर-मंत्रालयी अभिसरण को बढ़ावा देने के लिए एक सम्पूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण अपनाया गया है, प्रमुख सहयोगों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत् पीएम विश्वकर्मा, पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना, और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, एनएएल जल मित्र आदि शामिल हैं. दक्षता बढ़ाने के लिए, प्रक्रियागत परिवर्तन शुरू किए गए हैं, जिसमें क्षेत्रीय कौशल अंतराल और उद्योग की जरूरतों को बेहतर ढंग से पहचानने के लिए माँग मूल्यांकन रणनीति का पुनर्गठन शामिल है. PMKVY 4·0 में एक प्रमुख सुधार 'व्यापार करने में आसानी' दृष्टिकोण है, जिसने अनुपालन बोझ को काफी कम कर दिया है, जिससे योजना में भागीदारी अधिक सुव्यवस्थित और कुशल हो गई है.

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएम–एनएपीएस)— कौशल विकास और उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति, 2015 भारत में कुशल जनशक्ति बनाने के लिए प्रमुख घटकों में से एक के रूप में प्रशिक्षुता पर ध्यान केन्द्रित करती है. प्रशिक्षुता प्रशिक्षण नौकरी पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है, जहाँ युवा वास्तविक कार्यस्थल पर काम करके कौशल हासिल कर सकते हैं और साथ-ही-साथ खुद को आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए कुछ वजीफा (Stipend) कमा सकते हैं. प्रशिक्षुता को वैश्विक स्तर पर भी कौशल अधिग्रहण

और सीखने के दौरान कमाई के लिए सबसे अच्छा मॉडल माना जाता है.

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएम-एनएपीएस) शिक्षा से लेकर काम तक के निर्बाध संक्रमण का समर्थन करती है, जिससे प्रशिक्षुओं को वास्तविक दुनिया के अनुभव के माध्यम से उद्योग-विशिष्ट कौशल प्राप्त करने में मदद मिलती है. भारत में प्रशिक्षुओं और प्रतिष्ठानों दोनों को समर्थन देने के लिए, केन्द्र सरकार द्वारा प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रति प्रशिक्षु ₹ 1,500 प्रति माह तक के वजीफे का 25% प्रदान किया जाएगा. यह योजना 14 से 35 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए बनाई गई है, जो विभिन्न जनसांख्यिकी में कौशल विकास के अवसरों तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित करती है.

एनएपीएस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन, हरित ऊर्जा और उद्योग 4·0 प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों सहित मौजूदा विनिर्माण में प्रशिक्षुता के अवसरों को प्रोत्साहित करता है. यह कौशल पहलों को भविष्य के नौकरी बाजारों और उद्योग की प्रवृत्ति के साथ जोड़ता है. यह योजना छोटे प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षुओं के नामांकन को भी प्रोत्साहित करती है, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और उन क्षेत्रों में जो आकांक्षी जिलों और उत्तर-पूर्व क्षेत्र जैसे वंचित क्षेत्रों में स्थित हैं.

जन शिक्षण संस्थान (JSS) योजना– जन शिक्षण संस्थान (JSS) योजना एक समुदाय-केन्द्रित कौशल पहल है जिसे व्यावसायिक प्रशिक्षण को सुलभ, लचीला और समावेशी बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के लिए और 15-45 वर्ष की आयु वर्ग के लिए. लचीले शेड्यूल के साथ कम लागत वाली, डोरस्टेप ट्रेनिंग देकर, जन शिक्षण संस्थान यह सुनिश्चित करता है कि कौशल के अवसर उन लोगों तक पहुँचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, जिससे स्वरोजगार और मजदूरी आधारित आजीविका दोनों को बढ़ावा मिलता है. कौशल विकास से परे, यह कार्यक्रम सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, समुदायों के भीतर स्वास्थ्य, स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता, लैंगिक समानता और शिक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करता है. जन शिक्षण संस्थान सरकार की प्रमुख पहलों जैसे–पीएम जनमन, (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ (ULLAS : Understanding Lifelong Learning for All in Society), आदि के साथ जुड़ा हुआ है ताकि समावेशी कौशल को बढ़ावा दिया जा सके.

राष्ट्रीय ढाँचे के साथ संरेखित, कौशल भारत कार्यक्रम के तहत् सभी प्रमाणन राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (NSQF) से मैप किए गए हैं और डिजिलॉकर और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF) के साथ सहजता से एकीकृत हैं, जिससे कौशल की औपचारिक मान्यता सुनिश्चित होती है और रोजगार और उच्च शिक्षा में सुचारू संक्रमण सक्षम होता है. कौशल भारत कार्यक्रम की निरन्तरता के साथ, सरकार आज के तेजी से बदलते रोजगार परिदृश्य में निरन्तर कौशल उन्नयन (अपस्किलिंग) और पुनर्कौशल (रीस्किलिंग) के महत्व को पहचानते हुए आजीवन सीखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करना चाहती है. यह पहल आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) डेटा में सीधे योगदान देगी, यह सुनिश्चित करते हुए कि कार्यबल विकास नीतियाँ आर्थिक और औद्योगिक रुझानों के अनुरूप बनी रहें. कौशल भारत कार्यक्रम भारत के कार्यबल को तेजी से विकसित हो रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में फलने-फूलने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करने, प्रशिक्षुता के अवसरों का विस्तार करने और आजीवन सीखने को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत का कार्यबल भविष्य के लिए तैयार हो और कौशल आधारित रोजगार में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित हो.

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2024

युवाओं को कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई मुख्य पहलों में से एक प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना है. 2024-25 के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का लक्ष्य भारत की शीर्ष 500 कम्पनियों में अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को व्यापक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है. बजट 2024-25 में घोषित, यह पहल युवाओं को वास्तविक जीवन के व्यावसायिक वातावरण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए 12 महीने की इंटर्नशिप प्रदान करती है, जो अकादमिक शिक्षा और उद्योग की जरूरतों के बीच की खाई को पाटती है.

3 अक्टूबर, 2024 को शुरू की गई एक पायलट परियोजना का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1·25 लाख इंटर्नशिप करना है, जिसमें शीर्ष कम्पनियों की पहचान उनके सीएसआर व्यय के आधार पर की जाएगी. यह योजना मौजूदा कौशल विकास कार्यक्रमों से स्वतंत्र रूप से संचालित होती है और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से रोजगार क्षमता बढ़ाने पर जोर देती है.

अन्य हालिया पहलें

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) की अन्य हालिया पहलों में स्विगी के सहयोग से 'स्विगी स्किल्स' पहल शामिल है, जिसका लक्ष्य 2·4 लाख डिलीवरी पार्टनर्स को कौशल और रोजगार प्रदान करना है. औद्योगिक मूल्य संवर्धन हेतु कौशल सुदृणीकरण [Skills Strengthening for Industrial Value Enhancement–STRIVE)] प्रोजेक्ट औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (NSTI) में उद्यमिता और सलाह पर केन्द्रित है प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान [Pradhan Mantri Janjati Adiwasi Nyaya Maha Abhiyan (PM JANMAN) पहल का लक्ष्य कमजोर आदिवासी समूहों को कौशल प्रदान करना और उनका उत्थान करना है. क्षमता निर्माण प्रयासों में उचित मूल्य की दुकान के मालिकों के लिए एक कार्यक्रम शामिल है, जिसमें उद्यमिता में 3000 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. संकल्प (SANKALP : Skills Acquisition and Knowledge Awareness for Livelihood Promotion) के तहत् हाशिए पर पड़े समुदायों को उद्यमिता के लिए समर्थन मिलता है. राष्ट्रीय उद्यमिता विकास परियोजना प्रशिक्षण और सलाह के साथ [Prime Minister Street Vendor's AtmaNirbhar Nidhi : PM-SVANidhi] लाभार्थियों का समर्थन करती है. इसके अतिरिक्त, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने जेल के कैदियों के बीच उद्यमिता विकास का समर्थन किया है और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पैदा करते हुए बिजनौर कौशल महोत्सव का आयोजन किया. पहल महिला सशक्तिकरण पर भी ध्यान केन्द्रित करती है, जिसमें आकांक्षी जिलों में प्रशिक्षण दिया जाता है, और पर्यटन में 20,000 युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए वीजा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं. अंत में, इन-हाउस कर्मचारियों को कौशल प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति भवन में एक कौशल भारत केन्द्र की स्थापना की गई. एमएसडीई द्वारा की गई ये हालिया पहल विविध क्षेत्रों में कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ाने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

कौशल भारत मिशन

प्रमुख योजनाएँ

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाएँ
- प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र
- सामान्य शिक्षा के साथ एकीकरण
- जन शिक्षण संस्थान
- प्रधानमंत्री युवा योजना (PM YUVA : YUVA Udyamita Vikas Abhiyan)
- संकल्प (SANKALP–Skills Acquisition and knowledge Awareness for Livelihood Promotion)
- महिलाओं के लिए व्यावसायिक शिक्षा

ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

भगत सिंह (1907-1931 ई.)

चर्चा में क्यों ?

23 मार्च को महान् स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह का शहादत (शहीद) दिवस मनाया गया है. मात्र 23 वर्ष की आयु में 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह तथा इनके दो साथियों सुखदेव व राजगुरु को अंग्रेजों द्वारा फाँसी दी गई थी.



जीवन परिचय

- भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर, 1907 को बंगा गाँव में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में स्थित है. इनका बचपन का नाम भगनलाल था. वे एक सिख परिवार से थे, जो भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ कई क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल थे. उनके पिता किशन सिंह व चाचा अजीत सिंह भी स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से शामिल थे.
- भगत सिंह ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा लाहौर के डी.ए.वी. हाई स्कूल में पूरी की। बाद में वे लाहौर के नेशनल कॉलेज में शामिल हो गए, जहाँ उन्होंने विभिन्न राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया.
- भगत सिंह वर्ष 1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड से अत्यधिक दुःखी और क्रान्तिकारी गतिविधियों के लिए अत्यधिक प्रेरित हुए.
- भगत सिंह समाजवाद, साम्यवाद और अराजकतावाद के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित थे.

प्रमुख क्रान्तिकारी गतिविधियाँ

- **सेंट्रल असेंबली बम विस्फोट**—भगत सिंह और उनके साथियों ने 8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में ब्रिटिश सरकार द्वारा दमनकारी कानून पारित किए जाने के विरोध में बम फेंके. उन्होंने जानबूझ कर किसी को हताहत होने से बचाया ताकि यह प्रदर्शित हो सके कि उनका इरादा हत्या करना नहीं बल्कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना था.
- **नौजवान भारत सभा की स्थापना**—अपने साथियों के साथ, सिंह ने 1926 में नौजवान भारत सभा (भारतीय युवा समाज) की स्थापना की. संगठन का उद्देश्य युवा भारतीयों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ संगठित करना और क्रान्तिकारी विचारों का प्रसार करना था.

सम्बन्धित विवाद

- भगत सिंह एक उत्साही समाजवादी थे और पूँजीवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने में विश्वास करते थे. उनकी क्रान्तिकारी गतिविधियों का उद्देश्य भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवाद और दमनकारी सामंती व्यवस्था को चुनौती देना था. हालाँकि कुछ आलोचकों ने मार्क्सवाद और हिन्दुत्व की उनकी मिश्रित विचारधारा की आलोचना की है.
- स्वतंत्रता प्राप्त करने के साधन के रूप में भगत सिंह द्वारा हिंसा का उपयोग विवाद का विषय रहा है. जहाँ कई लोग उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी और शहीद मानते हैं, वहीं अन्य लोग हिंसा का सहारा लेने के औचित्य पर सवाल उठाते हैं. कुछ लोगों का तर्क है कि उनके कार्य महात्मा गाँधी जैसे नेताओं द्वारा समर्थित अहिंसा के सिद्धान्तों के विरुद्ध थे, जिसके कारण सशस्त्र संघर्षों की प्रभावशीलता और नैतिकता के बारे में बहस हुई.
- भगत सिंह की फाँसी से पहले की घटनाओं पर बहस और विवाद हुए हैं. कुछ लोगों का तर्क है कि ब्रिटिश सरकार ने उन्हें शहीद होने से बचाने और किसी भी सम्भावित विद्रोह से बचने के लिए इस प्रक्रिया को तेज कर दिया. अन्य लोग उनके फैसलों के पीछे के उद्देश्यों के बारे में अटकलें लगाते हैं, जिसमें जेल में उनकी भूख हड़ताल और दया माँगने से इनकार करना शामिल है.
- महात्मा गाँधी और लॉर्ड इरविन के बीच हुए समझौता में भगत सिंह व उनके साथियों की फाँसी की माफी न हो पाने के कारण कुछ आलोचक इस सम्बन्ध में गाँधी जी की एक विफलता मानते हैं. उदाहरण के लिए गाँधी जी इनकी फाँसी के समय कराची यात्रा पर थे. 'जैसे ही गाँधी जी की ट्रेन कराची स्टेशन पर पहुँची, प्रदर्शनकारियों ने उनके हाथ में विरोध जताने के लिए काले फूल पकड़ा दिए. उन पर आरोप लगे कि उन्होंने भारत के भविष्य के बारे में होने वाली बातचीत में लॉर्ड इरविन के सामने भगत सिंह को फाँसी न दिए जाने की शर्त नहीं रखी.'

प्रमुख विचारधारा

- ***समाजवाद***—*भगत सिंह मार्क्सवादी विचारधारा से बहुत प्रभावित थे और समाजवाद के सिद्धान्तों में विश्वास करते थे. उन्होंने धन के पुनर्वितरण और समाज में वर्ग विभाजन के उन्मूलन के लिए अनेक तर्क दिए.*
- ***धर्मनिरपेक्षता***—*भगत सिंह धर्म-निरपेक्षता के सिद्धान्तों में दृढ़ता से विश्वास करते थे और किसी भी प्रकार के धार्मिक भेदभाव के खिलाफ थे. उनका मानना था कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम सभी को शामिल करने वाला और उनका प्रतिनिधित्व करने वाला होना चाहिए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो.*
- ***साम्राज्यवाद-विरोधी***—*भगत सिंह ने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का कड़ा विरोध किया और इसके खिलाफ लड़ने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया. उन्होंने पूर्ण स्वतंत्रता और साम्राज्यवादी नियंत्रण से मुक्त समाजवादी समाज की स्थापना की वकालत की.*

- **लाहौर षड्यंत्र मामले में भूमिका**—भगत सिंह ने लाहौर षड्यंत्र मामले में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें उन पर और उनके साथियों पर ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रान्ति की योजना बनाने का आरोप लगाया गया था. उन्हें पुलिस उपाधीक्षक जे. पी. सैंडर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था.

शहादत

- भगत सिंह और उनके साथियों को वर्ष 1929 में दिल्ली में केन्द्रीय विधान सभा पर बमबारी और आगे एक ब्रिटिश पुलिस

अधिकारी सैंडर्स की हत्या की. भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को केन्द्रीय विधान सभा पर बमबारी के लिए आजीवन कारावास की सजा मिली, लेकिन सैंडर्स की हत्या के लिए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फाँसी की सजा सुनाई गई.

- 23 मार्च, 1931 को शाम में करीब 7 बजकर 33 मिनट पर भगत सिंह तथा इनके दो साथियों सुखदेव व राजगुरु को फाँसी दे दी गई.

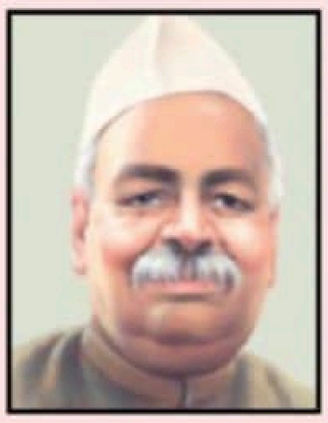
प्रभाव

- भगत सिंह को देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके योगदान के लिए भारत में व्यापक रूप से एक राष्ट्रीय नायक के रूप में माना जाता है. हालाँकि, उनके जीवन, क्रान्तिकारी स्वभाव और आन्दोलन के तरीकों को लेकर कुछ विवाद भी रहे हैं.
- **प्रमुख कृतियाँ**—भगत सिंह की जेल डायरी, मैं नास्तिक क्यों हूँ ?, भगत सिंह और उनके साथियों के दस्तावेज, मैं भगत सिंह बोल रहा हूँ, लेटर टू माई फादर, एन इंट्रोडक्शन ऑफ द ड्रीमलैण्ड, टू यंग पॉलिटिकल वर्कर.

गोविन्द बल्लभ पंत (1887-1961 ई.)

चर्चा में क्यों ?

प्रतिवर्ष 7 मार्च को गोविन्द बल्लभ पंत की पुण्यतिथि मनाई जाती है. गोविन्द बल्लभ पंत एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे.



जीवन परिचय

- गोविन्द बल्लभ पंत का जन्म 10 सितम्बर, 1887 को अल्मोड़ा के पास खूँट गाँव में करहड़े ब्राह्मण परिवार में हुआ था. इनके पिता का नाम श्री 'मनोरथ पंत' था.
- श्री गोविन्द के जन्म से 3 वर्ष के भीतर ही इनके पिता अपनी पत्नी के साथ पौड़ी गढ़वाल चले गए. हालाँकि, बालक गोविन्द स्थायी रूप से अल्मोड़ा में ही रहा, इसलिए उसका लालन-पोषण उसकी मौसी 'धनीदेवी' ने किया. इनकी प्रारम्भिक शिक्षा भी अल्मोड़ा में ही पूरी हुई. वर्ष 1897 में गोविन्द को स्थानीय 'रामजे कॉलेज' में प्राथमिक पाठशाला में दाखिल कराया गया.
- 1899 में 12 वर्ष की आयु में उनका विवाह 'पं. बालादत्त जोशी' की कन्या 'गंगा देवी' से हो गया, उस समय वह कक्षा सात में थे.
- उच्च शिक्षा के लिए इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया तथा बी.ए. में गणित, राजनीति और अंग्रेजी साहित्य विषय लिए. इलाहाबाद उस समय भारत की विभूतियाँ पं. जवाहरलाल नेहरू, पं. मोतीलाल नेहरू, सर तेज-बहादुर सप्रु, श्री सतीशचन्द्र बैनर्जी व श्री सुन्दर-लाल सरीखों का संगम था तो वहीं विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के विद्वान् प्राध्यापक जैनिग्स, कॉक्स, रेन्डेल, ए. पी. मुखर्जी सरीखे विद्वान् थे.
- इलाहाबाद में नवयुवक गोविन्द को इन महापुरुषों का सान्निध्य एवं सम्पर्क मिला साथ ही जागरुक, व्यापक और राज-नीतिक चेतना से भरपूर वातावरण मिला.

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका

- **प्रारम्भिक राजनीतिक सक्रियता**—गोविन्द बल्लभ पंत ने 1916 में कुमाऊँ परिषद् की स्थापना की और जल्द ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य बनाए गए. 1923 में, वे स्वराज पार्टी के टिकट पर संयुक्त प्रांत विधान परिषद् के लिए चुने गए, जिससे उनकी सक्रिय राज-नीतिक यात्रा शुरू हुई.
- **साइमन कमीशन विरोध और बलिदान**—1928 में, जब साइमन कमीशन भारत आया, तो सभी भारतीय राजनीतिक दलों ने इसका बहिष्कार किया, क्योंकि इसमें कोई भारतीय सदस्य नहीं था. पंत ने लखनऊ में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, जहाँ पुलिस ने लाठीचार्ज किया. इस हमले में वे गम्भीर रूप से घायल हुए और स्थायी रूप से विकलांग हो गए.
- **कांग्रेस में नेतृत्व भूमिका**—1926 में वे संयुक्त प्रांत प्रांतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बने. 1931 में कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य बनने के बाद वे राष्ट्रीय राजनीति के केन्द्र में आ गए.
- **स्वतंत्रता संग्राम में योगदान**—बल्लभ पंत ने नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्हें 1930, 1933, 1940 और 1942 में स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण गिरफ्तार किया गया.

संविधान निर्माण में योगदान

- गोविन्द बल्लभ पंत संयुक्त प्रांत से संविधान सभा के सदस्य चुने गए थे.

मुख्यमंत्री कार्यकाल

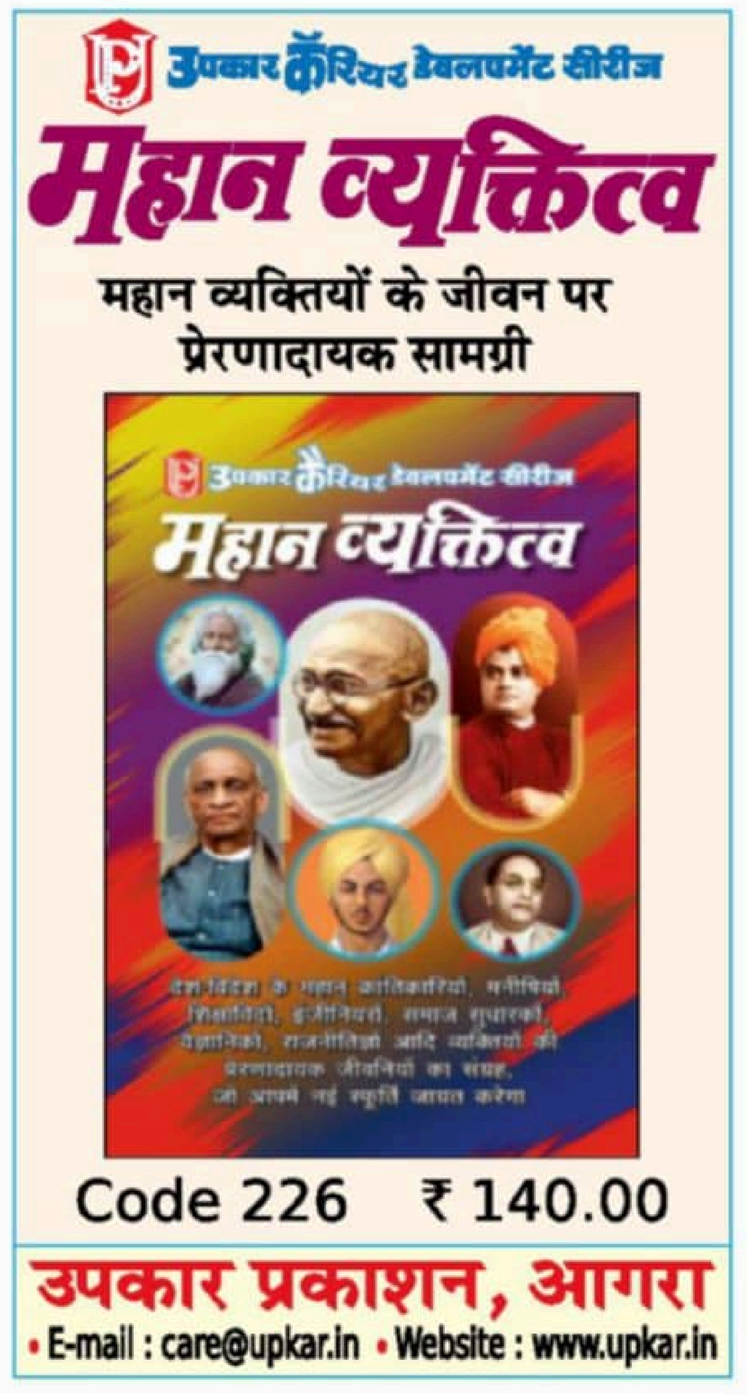
- **संयुक्त प्रांत (यू.पी.) के पहले मुख्य-मंत्री**—17 जुलाई, 1937-2 नवम्बर, 1939—ब्रिटिश भारत में संयुक्त प्रांत (यू.पी.) के पहले मुख्यमंत्री बने.
- **1 अप्रैल, 1946-15 अगस्त, 1947**—भारत की स्वतंत्रता से पहले पुनः संयुक्त प्रांत के मुख्यमंत्री बने.

उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री

- **26 जनवरी, 1950-27 दिसम्बर, 1954**—भारत के संविधान लागू होने के बाद, संयुक्त प्रांत का नाम बदल. कर उत्तर प्रदेश कर दिया गया और वे स्वतंत्र भारत के पहले मुख्यमंत्री बने.

मुख्यमंत्री के तौर पर महत्वपूर्ण कार्य और सुधार

- जमींदारी उन्मूलन कानून लागू किया, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिला.
- शिक्षा और बुनियादी ढाँचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया.
- महिला सशक्तिकरण, वन संरक्षण और सामाजिक कल्याण योजनाओं को बढ़ावा दिया.



उन्होंने पृथक् निर्वाचन प्रणाली, नागरिकता, सम्पत्ति के अधिकार और संघवाद जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए.

- 1955 से 1961 तक भारत के गृह मंत्री के रूप में कार्य करते हुए, उनकी सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन शामिल था. उनके प्रयासों से हिन्दी को केन्द्र सरकार और कुछ राज्यों की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया गया.
- भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिलाने में उनका विशेष योगदान था. 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया.
- 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ, जिसमें हिन्दी सहित 14 भाषाओं को आधिकारिक भाषा सूची में शामिल किया गया. 26 जनवरी, 1965 को हिन्दी को औपचारिक रूप से देश की राजभाषा घोषित किया गया.

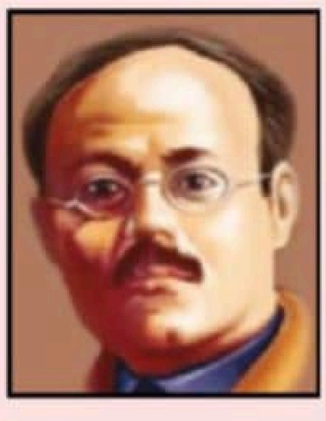
मृत्यु और विरासत

- वर्ष 1960 में पंडित गोविन्द बल्लभ पंत को दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उनकी सेहत लगातार बिगड़ती गई. 7 मार्च, 1961 को मस्तिष्क आघात के कारण 74 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया. उस समय वे भारत के गृह मंत्री थे.
- बल्लभ पंत को आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक माना जाता है. उनकी स्मृति में 1966 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में उनकी प्रतिमा स्थापित की. 1957 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया.

लाला हरदयाल (1884-1939 ई.)

चर्चा में क्यों ?

4 मार्च को महान क्रान्तिकारी लाला हरदयाल की पुण्यतिथि मनाई गई है. इन्होंने अमेरिका में गदर पार्टी का गठन किया था. इस पार्टी के सदस्य प्रवासी थे जो भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक अन्तर्राष्ट्रीय आन्दोलन शुरू करने के इच्छुक थे.



जीवन परिचय

- लाला हरदयाल का जन्म 14 अक्टूबर, 1884 को दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था. वे एक क्रांतिकारी विचारक थे.
- लाला हरदयाल बचपन से ही एक बुद्धिमान छात्र थे जिन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज से संस्कृत में स्नातक की डिग्री और पंजाब विश्वविद्यालय से संस्कृत में मास्टर डिग्री हासिल की.
- वर्ष 1905 में उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्व-विद्यालय में दो छात्रवृत्तियाँ मिलीं. वे डॉक्टरेट के लिए लंदन विश्वविद्यालय भी गए. लंदन में इंडियन होम रूल सोसाइटी, इंडिया हाउस और द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट की स्थापना करने वाले वकील और क्रांतिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा से मिलने के बाद श्री दयाल उनके विचारों से बहुत प्रभावित हुए. वी. डी. सावरकर और मैडम कामा का भी हरदयाल पर अत्यधिक प्रभाव था.

क्रान्तिकारी गतिविधियाँ

- लाला हरदयाल वर्ष 1909 के बाद पेरिस चले गए और वंदे मातरम अखबार से जुड़ गए. तत्पश्चात वे वर्ष 1911 में सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) गए.
- लाला हरदयाल ने वर्ष 1913 में पैसिफिक कोस्ट हिन्दुस्तान एसोसिएशन की स्थापना की. सोहन सिंह भाकना इसके अध्यक्ष चुने गए. केसर सिंह थाथगढ़ को उपाध्यक्ष और लाला हरदयाल को महासचिव बनाया गया.
- वर्ष 1913 में सैन फ्रांसिस्को में ही उन्होंने गदर पार्टी की स्थापना की.
- अराजकता फैलाने के आरोप में अमेरिकी सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. बाद में वे बर्लिन चले गए और स्वीडन में 10 वर्ष तक भारतीय दर्शन के प्रोफेसर के रूप में काम किया.
- **निधन**–लाला हरदयाल का निधन 4 मार्च, 1939 को फिलाडेल्फिया में 54 वर्ष की आयु में हुआ. लाला हरदयाल को वर्ष 1987 में इंडिया पोस्ट द्वारा जारी

गदर पार्टी

- **स्थापना**–21 अप्रैल, 1913 को संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गदर पार्टी की स्थापना हुई. इसे पहले पैसिफिक कोस्ट हिन्दुस्तान एसोसिएशन के नाम से जाना जाता था.
- **गदर पार्टी के प्रमुख सदस्य**–रामचन्द्र बरकतुल्ला, रास बिहारी बोस, राजा महेन्द्र प्रताप, अब्दुल रहमान, मैडम भीकाजी कामा, भाई परमानन्द करतार सिंह सराभा तथा पं. काशी राम थे.
- इस संगठन का अमेरिका, कनाडा, पूर्वी अफ्रीका और एशिया में बसे भारतीय प्रवासियों ने समर्थन किया.
- **गदर पत्रिका और प्रचार**–1 नवम्बर, 1913 को पार्टी ने अपनी पत्रिका 'गदर' प्रकाशित की. इसके शीर्षक पर लिखा था 'भारत में ब्रिटिश शासन का दुश्मन'.
- इसमें ब्रिटिश शासन के दमन, नस्लीय भेदभाव और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े मुद्दे प्रकाशित होते थे.
- यह पत्रिका उर्दू, पंजाबी, हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होती थी.
- गदर पार्टी का भारत में मुख्यालय 'युगांतर आश्रम' बना, जहाँ से क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया जाता था.
- इसके अन्तर्गत तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया, जो क्रांतिकारी कार्यों की देखरेख करता था.
- इस पार्टी का प्रत्येक सदस्य 1 डॉलर मासिक योगदान देता था, जिससे पार्टी की आर्थिक सहायता हो सके.
- **प्रथम विश्व युद्ध और गदर आंदोलन**–प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, गदर पार्टी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की योजना बनाई. प्रवासी भारतीयों को भारत लौटकर विद्रोह शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया.

गदर पार्टी का विघटन

- 1917 में प्रथम विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, गदर पार्टी दो भागों में बँट गई– (1) कम्युनिस्ट गुट, (2) समाजवादी गुट.

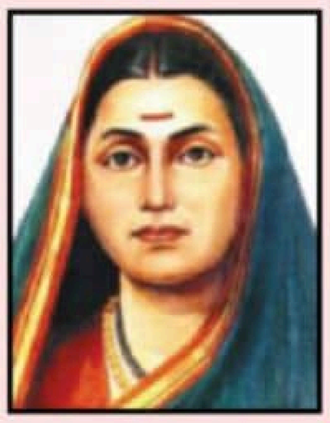
एक स्मारक टिकट से सम्मानित किया गया.

- **प्रमुख रचनाएं**–'सोशल कॉन्क्वेस्ट ऑफ हिन्दू रेस', 'फोर्टी-फोर मैथ्स इन जर्मनी एण्ड टर्की, 'द बोधिसत्व डॉक्ट्रिन', 'द्वेल्व रिलिजन्स एण्ड मॉडर्न लाइफ' आदि.

सावित्री बाई फुले (1831-1897 ई.)

चर्चा में क्यों ?

प्रति वर्ष 10 मार्च को सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मनाई जाती है. इन्हें भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक माना जाता है.



जीवन परिचय

- सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी, 1831 को सतारा, महाराष्ट्र में हुआ था. इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मी था. ये एक दलित समुदाय से आती थीं, इसलिए बचपन से ही समाज में होने वाले भेदभाव, महिला शिक्षा और अधिकारों से वंचना जैसे मुद्दों ने इन्हें अत्यधिक प्रभावित किया.
- वर्ष 1840 में मात्र 9 वर्ष की उम्र में इनका विवाह ज्योतिबा फुले से हुआ था. शादी के बाद वे पुणे आ गईं और शिक्षा प्राप्त करने लगीं. अपने पति के सहयोग से एक शिक्षिका और समाज सुधारक बनीं .
- 3 जनवरी, 1848 को पुणे में इन्होंने पहला बालिका विद्यालय खोला. जिसमें विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं से विद्यालय की शुरुआत की. तत्पश्चात् 1 वर्ष के भीतर उन्होंने 5 और विद्यालय खोले. हालाँकि, सावित्री फुले के प्रयास और लड़कियों की शिक्षा को समाज के विरोध का सामना भी करना पड़ा.

महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष

- वर्ष 1854 में उन्होंने विधवाओं के लिए एक आश्रय गृह खोला, इसके अतिरिक्त दलितों को कुएँ से पानी न मिलने पर, पति के साथ मिलकर एक कुआँ खुदवाया.
- विधवा महिलाओं को शिक्षित किया और एक विधवा के पुत्र यशवंतराव को गोद लिया. बाल-विवाह, छुआछूत और सती प्रथा के खिलाफ आंदोलन किया.
- वर्ष 1890 में जब पति का निधन हो गया तब सामाजिक मान्यताओं को तोड़ते हुए उन्होंने स्वयं अपने पति का अंतिम संस्कार किया.
- **निधन**–वर्ष 1897 में महाराष्ट्र में प्लेग बीमारी फैलने के कारण वे लोगों की मदद के लिए आगे आईं. हालाँकि, इस दौरान वे स्वयं इस बीमारी से संक्रमित हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनका निधन हो गया.

महत्व व प्रमुख कृतियाँ

- सावित्रीबाई फुले को महिला शिक्षा के क्षेत्र में विशेष कार्यों के लिए भारत की पहली महिला शिक्षिका होने का गौरव प्राप्त है. उन्हें महिला शिक्षा और सामाजिक सुधार आंदोलन की अग्रणी सुधारकों में से एक माना जाता है.
- सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन काल में दो काव्य पुस्तकों की रचना की, जिनमें उनका पहला 'काव्य-फुले' 1854 में तब छपा जब वे मात्र 23 वर्ष की ही थीं. दूसरा काव्य-संग्रह 'बावनकशी सुबोधरत्नाकर' 1891 में आया, जिसे सावित्रीबाई फुले ने अपने पति के परिनिर्वाण प्राप्ति के बाद उनकी जीवनी रूप में लिखा था.

ऐतिहासिक स्थल

बोधगया (बिहार)

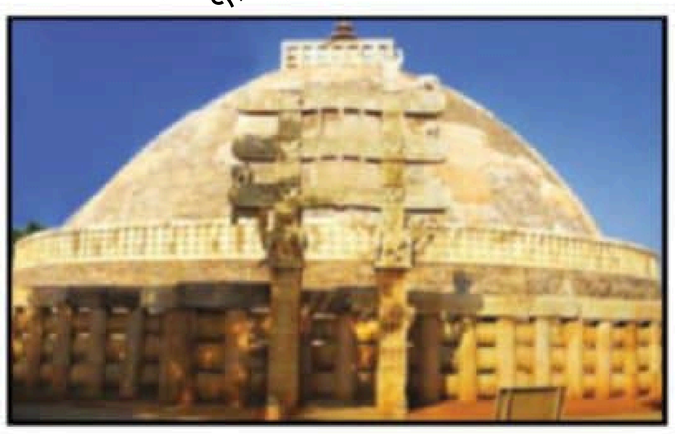
- बोधगया, गया से 13 किमी दक्षिण में फाल्गु नदी के किनारे स्थित है. यहाँ भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था. बोधगया, बौद्ध धर्म के लोगों के पवित्र तीर्थस्थलों में सबसे प्रमुख है.



- यहाँ प्राचीन वास्तुकला और नक्काशी से बना महाबोधि मंदिर है. जिसका निर्माण सम्राट् अशोक ने करवाया था.
- यूनेस्को द्वारा वर्ष 2022 में इस मंदिर को वैश्विक धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया.

सांची स्तूप (मध्य प्रदेश)

- सांची विदिशा (भिलसा) से 14 किमी दूर है और यह भारत का सम्भवत: सबसे प्रसिद्ध स्तूप है. इसमें तीन स्तूप हैं और सब में एक प्रवेश द्वार बना हुआ है, लेकिन इसमें सबसे प्रसिद्ध महान स्तूप है जो मूलत: अशोक के समय में (लगभग 250 ई. पू.) ईंट से बनाया गया था.



- शुंगकाल (150 ई. पू.) में इसके परिसर का और भी विस्तार किया गया. अशोक के समय की ईंटों के स्थान पर पत्थर लगाए गए और इसके चारों ओर 'वेदिका' बनाई गई. सभी दिशाओं में चार सुंदर प्रवेश द्वारों का निर्माण किया गया.
- दक्षिणी प्रवेश द्वार पर एक अभिलेख मिला है जिसमें लिखा है कि इसे राजा सतकर्णी ने बनवाया था और हाथी दाँत का काम करने वाले कलाकारों ने इसे उत्कीर्ण किया था. इसके उत्तर द्वार और उसकी दीवारों पर जातक कथाएं लिखी गई हैं.

सांची के स्तूप में मुख्य रूप से उकेरे गए चित्र

- बुद्ध के जीवन की चार प्रमुख घटनाएं, जन्म, ज्ञान प्राप्ति, धर्मचक्र प्रवर्तन और महापरिनिर्वाण.
- शेर, हाथी, ऊँट, बैल और तरह-तरह के पक्षियों के चित्र प्रचुर मात्रा में हैं. कुछ

शेष पृष्ठ 109 पर



वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

सामाजिक सिद्धान्त

नया समाजवाद (New Socialism)

सुर्खियों में क्यों ?

23 मार्च, 2025 को राम मनोहर लोहिया की 115वीं जयन्ती मनाई गई. लोहिया के नए समाजवाद के दृष्टिकोण और वर्तमान में भी उसकी प्रासंगिता के कारण यह विषय सुर्खियों में बना हुआ है.

23 मार्च, 1910 को जन्मे लोहिया भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख व्यक्तित्व थे, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद के राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित किया. गोवा में पुर्तगाली शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और किसानों के आन्दोलन सहित विभिन्न आन्दोलनों में उनकी भागीदारी के लिए कई बार उन्हें जेल भी जाना पड़ा. स्वतंत्रता आन्दोलन में अपनी सक्रियता के अलावा, लोहिया स्वतंत्रता के बाद देश में राजनीति के तरीकों और समाज को लेकर अपनी निडर विचारधारा के लिए जाने जाते है.

लोहिया का नया समाजवाद

- नए समाजवाद की अपनी परिकल्पना में उन्होंने भारत की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का उल्लेख किया. उनके समाजवाद को नया समाजवाद कहा जाता है, क्योंकि इसमें मार्क्सवादी अर्थशास्त्र और गाँधीवादी नैतिकता का संश्लेषण था. इन्होंने अपने समाजवाद में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और सामाजिक न्याय पर अत्यधिक जोर दिया. लोहिया के नए समाजवाद ने असमानता और गरीबी की दोहरी बुराइयों को सम्बोधित करने का प्रयास किया.
- लोहिया ने नए समाजवाद के लिए छह सूत्री योजना प्रस्तुत की, जिसमें अधिकतम प्राप्त करने योग्य समानता, वैश्विक जीवन स्तर, विश्व सरकार, लोकतांत्रिक उपकरण के रूप में सविनय अवज्ञा, विकेन्द्रीकृत शासन और तकनीकी उन्नति की बात कही गई. उनके समाजवाद में आर्थिक के साथ-साथ राजनीतिक और सांस्कृतिक आयाम भी शामिल थे.
- अपने समाजवाद सिद्धान्त के तहत् उन्होंने 'चार-स्तंभ राज्य' की अवधारणा प्रस्तावित की, जो चार स्तरों—गाँव, जिला, प्रान्त और केन्द्र पर सत्ता वितरित करता है. इस संरचना का उद्देश्य सत्ता के केन्द्रीकरण को रोकना है. यह उनकी विचारधारा का एक केन्द्रीय सिद्धान्त है, जो एक मजबूत स्थानीय शासन प्रणाली और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने का समर्थन करती है. लोहिया ने अपने नए समाजवाद के तहत् सप्त क्रान्ति या सात क्रान्तियों का आह्वान किया.

समाजवाद की धारणा

- समाजवाद एक ऐसी धारणा है जिसकी जड़ें सामाजिक-आर्थिक सिद्धान्त में हैं. समाजवाद शब्द का इस्तेमाल 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में पश्चिम में सेंट साइमन ने किया था. यद्यपि समाजवाद के लक्षणों में सामाजिक सहयोग, समाज के कमजोर वर्गों का विकास करना, सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करना आदि 19वीं शताब्दी के पहले भी मौजूद थे, परन्तु विद्वानों का यही तर्क है कि समाजवाद की अवधारणा 19वीं शताब्दी में अस्तित्व में आई.
- सामान्यतः 'समाजवाद' शब्द का प्रयोग दो विभिन्न व स्वतंत्र विचारधारा में किया जाता है एक, मूल्यों तथा नैतिकता के सन्दर्भ में तथा इस तरह की कल्पना के अन्य सिद्धान्तों के रूप में.
- इस प्रकार समाजवाद स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, सामाजिक न्याय, शांति, वर्ग-विहीनता, सहयोग, प्रचुरता आदि मानवतावादी मूल्यों का एक साथ प्रतिनिधित्व करता है.
- दूसरे, यह उन सामाजिक-राजनैतिक संस्थानों के व्यावहारिक पक्षों का प्रतीक है, जो समाजवादी सिद्धान्तों का प्रतिनिधित्व करते है. संस्थानों के स्तर पर समाजवाद पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का विरोधी है.
- यह उत्पादन पर पूँजीवादी स्वामित्व तथा नियंत्रण को स्वीकार नहीं करता, इसके स्थान पर वह उत्पादन प्रणाली पर जनता के स्वामित्व अथवा सामूहिक स्वामित्व का समर्थन करता है.

सप्त क्रान्ति या सात क्रान्तियों का आह्वान

- पुरुष और महिला के बीच समानता के लिए विद्रोह
- रंग के आधार पर असमानताओं का उन्मूलन
- जन्म और जाति की असमानताओं का उन्मूलन
- राष्ट्रीय स्वतंत्रता या विदेशी प्रभाव की समाप्ति
- उत्पादन में वृद्धि के माध्यम से आर्थिक समानता
- व्यक्तिगत जीवन की गोपनीयता को सभी सामूहिक अतिक्रमणों से बचाना, और
- शस्त्रास्त्रों पर सीमा

लोहिया और नेहरू का समाजवाद

- लोहिया और जवाहरलाल नेहरू दोनों ही समाजवादी थे, लेकिन समाजवाद के बारे में उनके विचार बिल्कुल अलग थे. लोहिया नेहरू सरकार के आलोचक थे. वे उन सांसदों में से एक थे जिन्होंने वर्ष 1963 में नेहरू सरकार के खिलाफ भारत का पहला अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था.
- नेहरू की तुलना में लोहिया का समाजवाद प्रकृति में विकेन्द्रीकृत था, जो गाँव की स्वायत्तता के आधार पर चार-स्तरीय प्रशासनिक ढाँचे की स्थापना के उनके समर्थन में स्पष्ट है. उन्होंने समान धन वितरण सुनिश्चित करने के लिए छोटे पैमाने के उद्योगों के इर्द-गिर्द अर्थव्यवस्था बनाने का प्रस्ताव रखा, क्योंकि उनका मानना था कि बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण असमानताओं को बढ़ाएगा.
- दूसरी ओर, नेहरूवादी समाजवाद ने केन्द्रीकृत योजना के आधार पर राज्य-नेतृत्व वाले मॉडल को स्थापित करने की माँग की. नेहरू ने राष्ट्रीय योजनाओं द्वारा निर्देशित बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण के साथ मिश्रित अर्थव्यवस्था का समर्थन किया.
- जाति के प्रति भी दोनों के दृष्टिकोण अलग-अलग थे. लोहिया ने जाति को भारत की प्रगति में एक मुख्य बाधा के रूप में देखा और इसके तत्काल

उन्मूलन की माँग की. नेहरू, हालाँकि जाति के विरोधी थे, लेकिन योजनाबद्ध औद्योगिकीकरण को प्राथमिकता देते थे और जातिगत असमानताओं को दूर करने के लिए क्रमिक सामाजिक परिवर्तन पर भरोसा करते थे.

- इसके अलावा, लोहिया राज्य के बारे में संदेहपूर्ण दृष्टिकोण रखते थे और इसके उत्पीड़न का स्रोत बनने की सम्भावना से आशंकित थे. यही कारण है कि, उन्होंने व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर जोर दिया. इसके विपरीत, नेहरू राज्य को सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के साधन के रूप में देखते थे.
- लोहिया का नया समाजवाद भारत के सन्दर्भ के अनुरूप था और तत्काल सामाजिक परिवर्तन, जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण और गरीबी तथा असमानताओं के उन्मूलन पर केन्द्रित था, खासकर जाति से सम्बन्धित. नेहरूवादी समाजवाद, प्रकृति में भारतीय होने की कोशिश करते हुए, फैबियनवाद से काफी हद तक उधार लिया गया था, जो विशेष रूप से ब्रिटिश समाजवाद के भीतर एक विशेष स्थिति को संदर्भित करता है और यह एक राज्य-नेतृत्व वाला, क्रमिक मॉडल था जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन की मांग करता था.

लोहिया समाजवाद का प्रभाव

- लोहिया की विचारधाराओं का भारतीय समाज व वर्तमान राजनीति पर आज भी दृष्टिगोचर होता है , जो जाति-आधारित आन्दोलनों, गठबंधन की राजनीति, विकेन्द्रीकरण के प्रयासों और सत्तारूढ़ व्यवस्थाओं के खिलाफ आलोचना और असहमति की परम्परा में स्पष्ट है.
- एक क्रान्तिकारी विचारक और परिवर्तन-कारी नेता के रूप में उनकी प्रतिष्ठा के बावजूद, अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि लोहिया को वह सराहना नहीं मिलती जिसके वे हकदार हैं.
- कुछ विद्वान इसका कारण यह मानते हैं कि लोहिया उस पीढ़ी के स्वतंत्रता सेनानियों में से थे, जो स्वतंत्र भारत में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होने के लिए बहुत युवा थे, लेकिन नेतृत्व परिवर्तन के समय तक उनकी आयु काफी हो चुकी थी; अन्य लोगों का मानना है कि लोहिया के विचारों को उनके समय में ठीक से नहीं समझा गया.
- लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने लिखा, "राम मनोहर को उनके समकालीनों ने बहुत गलत समझा. शायद उनके विचार इतने मौलिक थे कि उन्हें पूरी तरह से समझा नहीं जा सका, जबकि उनकी सीधी-सादी बातें कई लोगों को अप्रिय लगीं." फिर भी, लोहिया के विचारों का भारत के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव जारी है.

निष्कर्षतः डॉ. राममनोहर लोहिया पर मार्क्सवाद एवं गाँधीवाद दोनों का बहुत गहरा प्रभाव था. उन्होंने अपनी निराली शैली में इन दोनों महान विचारधाराओं के प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या की तथा उनमें समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया. मुक्त चिन्तन, निर्भीकता मौलिकता और अनूठा समन्वयवाद उनके व्यक्तित्व की सहज विशेषताएँ थी. इन्ही के आधार पर उन्होंने एक नई समाजवादी व्यवस्था का स्वप्न देखा था. उन्होंने आधुनिक सभ्यता को स्वीकार किया, किन्तु उसमें भी सुधार करते हुए उसे और अधिक आधुनिक बनाने का प्रयास किया. डॉ. लोहिया शांतिवादी होते हुए भी प्रबल विद्रोही और महान क्रान्तिकारी थे.

भारत में समाजवाद

- भारत में समाजवादी विचारधारा का अवतरण स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान हुआ था, जैसा कि एशिया के अन्य देशों में भी हुआ.
- प्रथम विश्व युद्ध तथा द्वितीय युद्ध के दौरान उस समय सामाजिक तथा राजनैतिक विचारधारा में समाजवाद विकसित हुआ. यद्यपि अपने विकास की आरम्भिक अवस्था में भारत में समाजवाद का विकास सरल नहीं रहा.
- भारत में अंग्रेजी शासकों की नाराजगी तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साम्यवादी दल द्वारा भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को समर्थन न मिलने के कारण समाजवाद को भारत में जड़ें जमाने में आसानी नहीं रही.
- सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक कार्ल मार्क्स के उग्र विचारों ने भारतीय राष्ट्रवादियों का ध्यान अपनी ओर खींचा जो अपने देश में उन आर्थिक कठिनाइयों को उजागर करना चाहते थे, जो अंग्रेजों ने भारत का धन ब्रिटेन में ले जाने की सतत् प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न की थी. ऐसा करके उन्होंने अंग्रेजों की कमियों को ओर विश्व का ध्यान खींचने का प्रयास किया था.
- जब गाँधीजी भारत में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध सत्याग्रह आन्दोलन चला रहे थे उन दिनों भारत में समाजवाद की ओर रुझान तेजी से उभरा. उसी समय भारत में अनेक प्रभावशाली नेता सामने आए जैसे—आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती ने भारत में समानता की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रचार किया.
- समाजवादी ज्यादातर आर्थिक समानता की बाते करते थे, परन्तु भारत में दूसरे अनेक लोग भी थे जिन्होंने सामाजिक समानता की बात उठाई जैसे—बंकिम चन्द्र चटर्जी आदि.
- महात्मा गाँधी का समाजवादी प्रतिमान नैतिक तथा सुधारात्मक घटकों पर आधारित था. गाँधीजी ने अहिंसा पर जोर दिया था और यह तर्क दिया था कि पश्चिमी लोकतंत्र तथा साम्यवाद उन भारतीयों को स्वीकार्य नहीं है, जो भारत में वास्तविक आजादी नहीं चाहते.
- राष्ट्रवादी विचारकों के योगदान ने भारत में मौजूद आर्थिक कठिनाइयों को ऊँची आवाज में उठाया था. ऐसा करते समय उन्होंने समाजवादी की अवधारणा के मार्ग में कोई बाधा उत्पन्न नहीं की थी.
- भारत में जो आर्थिक असन्तोष उत्पन्न हुआ था उसने देश में समाजवादी आदर्शों पर आधारित समाजवाद के विकास में सहयोग दिया.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

अधिसूचित रोग (Notifiable Disease)

सुर्खियों में क्यों ?

पिछले कुछ दिनों 'विश्व कैंसर दिवस' के अवसर पर कैंसर की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए अनेकों स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम और भारत में कैंसर को एक अधिसूचित रोग घोषित करने की माँग उठाई गई. लोगों का तर्क है कि इससे निगरानी और उपचार में सुधार होगा, लेकिन सरकार ने इस माँग की इस तर्क पर मनाही की है कि यह केवल संक्रामक रोगों को अधिसूचित करने का तरीका है और कैंसर संक्रामक नहीं है, बल्कि गैर-संचारी रोग है. इन्हीं माँग और सरकारी तर्क के बीच यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है.

अधिसूचित रोग (Notifiable Disease) वह रोग है जिसके बारे में कानून के अनुसार सरकारी अधिकारियों को सूचित करना अनिवार्य होता है, ताकि रोग की निगरानी और सम्भावित प्रकोप की जल्दी पहचान की जा सके.

रोग अधिसूचना का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संक्रामक रोगों पर नियंत्रण रखा जाए. संक्रामक रोगों की अधिसूचना एक कानूनी अनिवार्यता है.

अधिसूचित रोग घोषित करने की शक्ति

- सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून के अन्तर्गत यह निर्णय राज्य सरकार के पास है.
- केन्द्र अधिसूचना के लिए बीमारियों की सिफारिश कर सकता है.
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भी वैश्विक रोग निगरानी और नियंत्रण में सहायता के लिए कुछ रोगों के लिए अधिसूचना जारी करना अनिवार्य कर दिया है.

कैंसर को एक अधिसूचित रोग घोषित करने के सम्बन्ध में तर्क-वितर्क

विपक्ष में तर्क

- संक्रामक रोगों के विपरीत, कैंसर प्रत्यक्ष संचरण और अचानक मृत्यु के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए तत्काल खतरा पैदा नहीं करता है. यह एक एकल स्थिति के बजाए रोगों का एक विविध समूह है और इसका पता लगाने के लिए अक्सर जटिल नैदानिक प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है.
- कैंसर को अधिसूचित करने के समर्थकों का तर्क है कि अनिवार्य रिपोर्टिंग से प्रारम्भिक पहचान और संसाधन आवंटन में वृद्धि हो सकती है.
- सवाल उठता है कि क्या इससे पहले कभी भी किसी गैर-संचारी रोग को अधिसूचित रोग की श्रेणी में लाया या इसके लिए प्रयास किया गया है ? इसका उत्तर है हाँ.
- वर्ष 2024 में, भारत सरकार ने ही सभी राज्यों से साँप के काटने को एक अधिसूचित रोग बनाने के लिए कहा.
- वर्ष 1995 में, अमेरिका सीसा विषाक्तता को एक अधिसूचित रोग के रूप में सूचीबद्ध करने वाला पहला देश बना , जिसने गैर-संचारी रोगों की निगरानी के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया.
- पुनः यहाँ विचार किया जा सकता है, कि गैर-संचारी रोगों को भी अधिसूचित रोग की श्रेणी में लाने की सम्भावना के बीच ऐसा क्या कारण है कि कैंसर को इस श्रेणी में लाने से कुछ हिचकिचाहट है. **कैंसर को अधिसूचित रोग की श्रेणी में नहीं लाने के पीछे कुछ बुनियादी मुद्दे हैं.**
- उदाहरण के लिए—सबसे पहले, कैंसर का निदान एकल-बिन्दु नहीं है. यकीनन, एक बीमारी के रूप में कैंसर कम से लेकर घातक तक अधिक विविधतापूर्ण है. अधिसूचना से त्वरित रोकथाम के उपाए शुरू होते हैं, जबकि कैंसर के लिए आपातकालीन हस्तक्षेप के बजाए दीर्घकालिक प्रबन्धन की आवश्यकता होती है. चिकित्सकों पर कानूनी दायित्व एक ऐसा बोझ डाल सकते हैं, जो बेहतर रोगी देखभाल में तब्दील नहीं होता है.
- दूसरा भारत का राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (NCRP) वर्ष 1982 से डेटा संग्रह तंत्र के रूप में कार्य करता है, जो कैंसर रोगियों की जनसांख्यिकी, कैंसर की पहचान, प्रकार, चरण और आकृति विज्ञान, निदान के समय और पता लगाने के समय स्टेजिंग, कीमोथेरेपी, विकिरण और सर्जरी जैसे उपचार विवरण और अनुवर्ती और जीवित रहने के परिणामों पर महत्वपूर्ण जानकारी संकलित करता है. NCRP में अस्पताल-आधारित रजिस्ट्रियाँ शामिल हैं, जो कैंसर का इलाज करने वाले अस्पतालों से डेटा एकत्र करती हैं.
- तीसरा, कैंसर को अधिसूचित बीमारी बनाने से गोपनीयता सम्बन्धी चिन्ताएँ भी पैदा होती हैं. अधिसूचितता में आमतौर पर गोपनीयता का ध्यान नहीं रखा जाता है, क्योंकि बीमारी की अधिसूचना का उद्देश्य व्यक्तिगत गोपनीयता से ज्यादा सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना होता है. भारत में कैंसर अभी भी एक सामाजिक रूप से उतना स्वीकार्य नहीं है. कैंसर पीड़ित व्यक्ति को लोग एक रोगी की जगह किसी कलंक की दृष्टि से देखते है.

पक्ष में तर्क

- वर्तमान में राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (NCRP) केवल 16% आबादी को कवर करता है, जिससे व्यापक डेटा की कमी बनी रहती है.
- उन्नत डेटा के माध्यम से धूम्रपान, वायु प्रदूषण और एस्बेस्टस के सम्पर्क जैसे

प्रमुख अधिसूचित रोगों की सूची

रोग		संक्रमण का कारण
एड्स	—	ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंसी वायरस नामक वायरस के कारण
डेंगू बुखार	—	फ्लेवी वायरस के कारण
हेपेटाइटिस-बी	—	हेपेटाइटिस बी वायरस के कारण होता है.
मलेरिया	—	परजीवी प्लास्मोडिया के कारण
हूपिंग कफ (पर्टुसिस)	—	बैक्टीरिया बेसिलस (पर्टुसिस) के कारण
रेबीज	—	रेबीज वायरस के कारण
टेटनस	—	बैक्टीरिया क्लॉस्ट्रिडियम टेटानी के कारण
वायरल एन्सेफलाइटिस	—	कई वायरस के कारण
एनीमिया	—	एनीमिया मुख्य रूप से आयरन की कमी के कारण होता है.
चिकन पॉक्स	—	यह एक तीव्र वायरल बीमारी है.
डिप्थीरिया	—	बैक्टीरिया कॉर्नी बैक्टीरिया डिप्थीरिया के कारण
इन्फ्लूएंजा	—	इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण
खसरा	—	खसरा वायरस के कारण
प्लेग	—	बैक्टीरिया येर्सिनिया पेस्टिस के कारण
चेचक	—	वैरियोला वायरस के कारण
तपेदिक	—	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण
आयोडीन की कमी	—	थायरॉइड हार्मोन के संश्लेषण के लिए आयोडीन की आवश्यकता
हैजा	—	वाइब्रियो कोलेरा नामक बैक्टीरिया के कारण
हेपेटाइटिस-ए	—	हेपेटाइटिस ए वायरस के कारण
कुष्ठ रोग	—	माइकोबैक्टीरियम लेप्रे नामक बैक्टीरिया के कारण
सेरेब्रो स्पाइनल फीवर	—	नीसेरिया मेनिन्जाइटिस नामक बैक्टीरिया के कारण
पोलियो	—	पोलियो वायरस टाइप 1, 2, 3 के कारण
स्कार्लेट फीवर	—	ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोसी बैक्टीरिया के कारण
टाइफाइड फीवर	—	साल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया के कारण

जोखिम कारकों को नियंत्रित करके लगभग 50% कैंसर से होने वाली मौतों को रोका जा सकता है.

- सर्वाइकल कैंसर जैसे कुछ कैंसर संक्रामक तत्वों (जैसे–HPV) से जुड़े होते हैं, इसलिए इसे अनिवार्य डेटा संग्रह के योग्य माना जा सकता है.
- कैंसर को अधिसूचित करने से इसकी घटनाओं, व्यापकता और मृत्यु दर पर सटीक और अद्यतन जानकारी उपलब्ध होगी.
- 17 राज्यों ने कैंसर को अधिसूचित किया है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू करने की आवश्यकता स्पष्ट होती है.
- वैश्विक उदाहरण ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों ने कैंसर पंजीकरण को अनिवार्य बनाया है, जिससे भारत को भी इस दिशा में कदम उठाने की जरूरत है.

नीतिशास्त्र

मानवीय मूल्य (Human Values)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही के समाचारों में उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक ऐसे अजीबोगरीब मर्डर केस की सूचना मिली जिसने मानवीय मूल्यों और सम्बन्धों में मानवीय नैतिकता को पुनः चर्चा में ला दिया है.

मूल्य सामान्यतः व्यक्ति की आत्मा, उसके अधिकार, सत्य, न्याय, ईमानदारी, निष्ठा, सहयोग, समानता, अमानवीयता के प्रति प्रेम, समन्वय, धैर्य, शांति, आदान-प्रदान, और स्वतंत्रता जैसे मूल्यों को सम्मिलित करता है. मूल्यों का पालन करना व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

प्रमुख परिभाषाएँ

राधाकमल मुखर्जी के अनुसार, "मूल्यों को सामाजिक रूप से स्वीकृत इच्छाएं और लक्ष्यों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो प्रकृति नियंत्रण, सीखने या सामाजिकीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से आन्तरिकता प्राप्त करते हैं."

ऑलपोर्ट के अनुसार, "मानवीय मूल्य एक विश्वास है जिस पर एक व्यक्ति प्राथमिकताएँ देकर कार्य करता है."

हिल के अनुसार, "मानवीय मूल्य व्यक्तिगत विश्वास हैं जिन्हें लोग महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में स्वीकारते हैं और जिनके द्वारा वे अपने जीवन को संगठित करते हैं."

मूल्यों की विशेषताएँ

- मूल्य दैनिक जीवन में मानव व्यवहार के लिए नियामक और मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं.
- मूल्यों में सोच, ज्ञान, समझ, भावनाएँ और क्रियाएँ जैसी संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं.
- मूल्य व्यक्तियों और संगठनों दोनों के व्यवहार को आकार देते हैं, व्यक्तिगत व्यवहार संगठनात्मक व्यवहार को प्रभावित करता है.
- मूल्यों का अधिग्रहण जन्म से शुरू होता है, मुख्य रूप से घर पर सीखने के माध्यम से, लेकिन वे अनुभवों के आधार पर समय के साथ बदल सकते हैं.
- मूल्य एक प्रेरक कारक है, जो किसी व्यक्ति के कार्यों को उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार प्रभावित करता है.
- मूल्य व्यक्तित्व में केन्द्रीय भूमिका निभाते हैं और व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं.
- मूल्य जीवन में मार्गदर्शन, स्थिरता और पूर्णता प्रदान करते हैं.

मूल्यों के प्रकार

दृष्टिकोण के आधार पर

- सकारात्मक मूल्य, जैसे– अहिंसा, शांति, धैर्य आदि.
- नकारात्मक मूल्य, जैसे– हिंसा, अन्याय, कायरता आदि.

उद्देश्य के आधार पर

- **साध्य मूल्य**–वे सभी वस्तुएँ या अवस्थाएँ, जो स्वयं में शुभ होती हैं.
- **साधन मूल्य**–जो अपने आप में शुभ न होकर किसी अन्य वस्तु के साधन के रूप में शुभ होता है.

विषय क्षेत्र के आधार पर

- सामाजिक मूल्य, जैसे–अधिकार, कर्तव्य, न्याय आदि.
- मानव मूल्य, जैसे–नैतिक मूल्य, आध्यात्मिक मूल्य आदि.
- नैतिक मूल्य, जैसे–न्याय, ईमानदारी आदि.
- आध्यात्मिक मूल्य, जैसे–शांति, प्रेम, अहिंसा आदि.
- भौतिक मूल्य, जैसे–भोजन, मकान, वस्त्र आदि.
- सौंदर्यात्मक मूल्य, प्रकृति, कला एवं मानवीय जीवन के सौंदर्य को कहते हैं.
- मनोवैज्ञानिक मूल्य, जैसे–प्रेम, दया आदि.

कार्य क्षेत्र के आधार पर

- राजनीतिक मूल्य, जैसे–ईमानदारी, सेवा भाव आदि.
- न्यायिक मूल्य, जैसे–सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता आदि.
- व्यावसायिक मूल्य, जैसे–जवाबदेही, जिम्मेदारी, सत्यनिष्ठा आदि.

महत्वपूर्ण तथ्य

व्यक्तिगत मूल्य	यह किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत मूल्य होते है. जैसे–महत्वाकांक्षा, स्वच्छता, अनुशासन आदि इसके उदाहरण हैं.
पारिवारिक मूल्य	एक सामाजिक संस्था के रूप में परिवार कुछ सार्वभौमिक रूप से परिभाषित मूल्य प्रणाली पर आधारित है, जो परिवार प्रणाली के भीतर पोषित और विकसित होते हैं. मुख्य रूप से, ये मूल्य परिवार के नेतृत्व से आते हैं, जैसे–माता-पिता इन मूल्यों को अपने बच्चों में स्थानांतरित करते हैं, जो आगे इन्हें भविष्य की पीढ़ी को प्रदान करते हैं.
सामाजिक मूल्य	यह मूल्य कुछ व्यवहारों और मान्यताओं को संदर्भित करते है, जो विशिष्ट संस्कृतियों और सामाजिक समूहों के भीतर साझा किए जाते हैं. उदाहरण–शिष्टाचार, दान, नागरिक कर्तव्य आदि हैं.
नैतिक मूल्य	ये मूल्य दृष्टिकोण और व्यवहार का निर्माण करते हैं जिन्हें एक समाज सह-अस्तित्व, व्यवस्था और सामान्य कल्याण के लिए आवश्यक मानता है. उदाहरण–निष्पक्षता, न्याय, मानवीय गरिमा आदि हैं.
आध्यात्मिक मूल्य	यह जीवन के गैर-भौतिक आयामों पर चिंतन करने और व्यक्तिगत अनुभवों में अन्तर्दृष्टि प्राप्त करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है. उदाहरण–सत्य, सौंदर्य, अच्छाई आदि हैं.
सांस्कृतिक मूल्य	सांस्कृतिक मूल्य किसी समाज में स्वीकार्य या अस्वीकार्य, महत्वपूर्ण या महत्वहीन, सही या गलत के मानक हैं. उदाहरण–आतिथ्य, सामाजिक व्यवस्था, सहिष्णुता आदि हैं.
आंतरिक मूल्य	वे स्वयं साध्य हैं, किसी अन्य साध्य को प्राप्त करने का साधन नहीं. अच्छाई, सुंदरता, खुशी, आनंद आदि इसके उदाहरण हैं.

मूल्यों के विकास में परिवार , समाज और शिक्षण संस्थानों की भूमिका

मूल्यों के विकास में परिवार की भूमिका

- परिवार मानवीयता के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.
- बच्चे 6 वर्ष तक परिवार के मूल्यों से अधिक प्रभावित होते हैं.
- परिवार द्वारा प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, निंदा, और दण्ड के माध्यम से मूल्यों का विकास किया जा सकता है.
- परिवार की संरचना, शैक्षणिक स्तर, और आर्थिक स्तर भी मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण होते हैं.

मूल्यों के विकास में शिक्षण संस्थानों की भूमिका

- शिक्षण संस्थान आधारभूत और उच्च शिक्षा के स्तर पर मूल्य विकास में योगदान करते हैं.
- आधारभूत मूल्यों का प्रभाव शिक्षण संस्थानों में ज्यादा होता है.
- उच्च शिक्षा संस्थान प्रायोगिक मूल्यों का विकास करते हैं और व्यक्तित्व परिवर्तन की सम्भावना उच्च स्तर पर अधिक होती है.
- विभिन्न विचारधाराओं के सम्पर्क में आने का क्रम उच्च शिक्षण संस्थानों से ही शुरू होता है.
- पाठ्यक्रमों द्वारा स्वतंत्रता, समानता, अहिंसा, नैतिक शिक्षा का प्रभाव मूल्य विकास में महत्वपूर्ण होता है.
- अध्यापक और छात्र समूह भी मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं.

अर्थशास्त्र

हवाला (Hawala)

सुर्खियों में क्यों ?

इंडियन एक्सप्रेस की एक जाँच के अनुसार, मध्य भारत में एक गैर-कानूनी नेटवर्क, जो डिजिटल भुगतान और 'हवाला फंड्स' का उपयोग करता है, ने वर्ष 2022 से अब तक '100 से लेकर अनगिनत' बाघों को मारा है. यह नेटवर्क नेपाल और म्यांमार तक कई आपूर्ति मार्गों से जुड़ा है. इसी बीच हवाला एक बार फिर से चर्चा में आ गया है.

- हवाला के बारे में अक्सर कहा जाता है कि यह 'पैसे भेजे बिना पैसे भेजता है,' यानी इसमें धन का हस्तांतरण बिना किसी वास्तविक नकदी के होता है, लेकिन सोचिए, क्या यह बैंक लेन-देन से अलग है ? मुख्य अन्तर यह है कि हवाला अनौपचारिक और अनियमित चैनलों से विश्वास के आधार पर चलता है. हवाला ब्रोकरों (हवालादार) का एक विशाल नेटवर्क होता है, जो दुनिया भर में फैला है, खासकर पश्चिम एशिया, उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका और भारतीय उपमहाद्वीप में.

हवाला कैसे काम करता है ?

मान लीजिए, मस्कट में काम करने वाला एक व्यक्ति ('A') अपने लखनऊ में रहने वाले पिता ('B') को हवाला से पैसे भेजना चाहता है. 'A' को मस्कट के एक हवालादार को पैसे जमा करने होंगे और बदले में एक टोकन मिलेगा यह टोकन कोई नोट हो सकता है या फोन कॉल/इलेक्ट्रॉनिक कोड के जरिए भेजा जा सकता है. 'A' यह टोकन 'B' को देगा, जो लखनऊ के हवालादार से टोकन के बदले पैसे लेगा. इस प्रक्रिया में मस्कट से लखनऊ तक कोई वास्तविक धन नहीं गया. दोनों हवालादार बाद में अपना लेन-देन बराबर करेंगे.

हवाला कौन और क्यों इस्तेमाल करता है ?

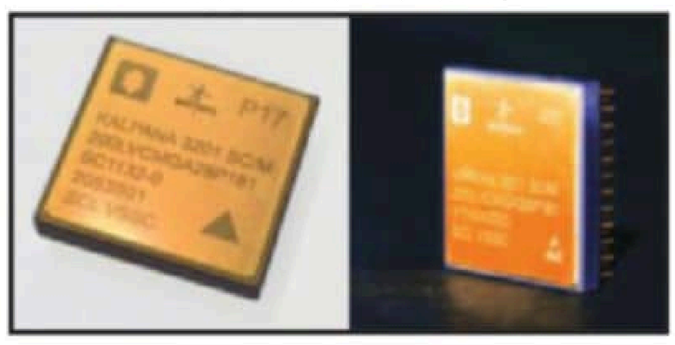
हवाला में धोखाधड़ी की स्थिति में कानूनी सहारा न होने के बावजूद यह लोकप्रिय है और इसके कई उपयोग हैं.

- **प्रवासियों द्वारा धन भेजना**—प्रवासी मजदूर अपने परिवारों को सहायता के लिए पैसे भेजते हैं. पश्चिम एशिया में काम करने वाले कई लोग सुविधा और औपचारिक बैंकिंग तक पहुँच न होने के कारण हवाला चुनते हैं. इस्लामी देशों में पारम्परिक बैंकिंग कम है, क्योंकि ब्याज लेना इस्लामी कानून में वर्जित है.
- **अवैध गतिविधियाँ**—हवाला से प्रेषण भेजना अवैध हो या न हो, लेकिन तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, नशीले पदार्थों का व्यापार और आतंकवादी वित्तपोषण जैसे अवैध कार्यों में इसका इस्तेमाल गुमनामी और नियमन की कमी के कारण होता है.

यही कारण है कि 11 सितम्बर, 2001 के न्यूयॉर्क हमलों, जिसमें लगभग 3,000 लोग मारे गए, के बाद हवाला अत्यधिक चर्चा में आया. इसके बाद अमेरिका सहित दुनिया भर की सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकवादी वित्त पोषण और हवाला नेटवर्क पर सख्ती की. ●●●

शेष पृष्ठ 57 का

चंडीगढ़ ने अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए विक्रम 3201 और कल्पना 3201 माइक्रोप्रोसेसर के पहले उत्पादन लॉट आधिकारिक तौर पर सौंपे.



- यह अंतरिक्ष मिशनों के लिए उच्च-विश्वसनीयता वाले माइक्रोप्रोसेसरों में भारत की आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भरता) में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है.

विक्रम 3201 माइक्रोप्रोसेसर

- प्रक्षेपण वाहनों के लिए डिजाइन किया गया यह पहला पूर्ण रूप से 'मेक-इन-इंडिया' 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है.
- इसे चंडीगढ़ के एससीएल में 180 एनएम सीएमओएस सेमीकंडक्टर फैब में निर्मित किया गया है.
- यह विक्रम 1601 (16-बिट) का उन्नत संस्करण है , जिसका उपयोग 2009 से इसरो के प्रक्षेपण वाहनों में किया जा रहा है.

विशेषताएं

- कस्टम इंस्ट्रक्शन सेट आर्किटेक्चर (आईएसए)
- फ्लोटिंग-पॉइंट कम्प्यूटेशन क्षमता
- एडा प्रोग्रामिंग भाषा का समर्थन करता है (सी कंपाइलर विकासाधीन है).
- PSLV-C60 मिशन (POEM-4 मॉड्यूल) में सफलतापूर्वक मान्य किया गया.

कल्पना 3201 माइक्रोप्रोसेसर

- IEEE 1754 इंस्ट्रक्शन सेट आर्किटेक्चर पर आधारित 32-बिट SPARC V8 RISC माइक्रोप्रोसेसर.
- ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर टूलसेट के साथ संगत.
- उच्च-विश्वसनीयता वाले उड़ान अनु-प्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया.

अन्य प्रमुख विकास

प्रक्षेपण यान एवियोनिक्स को छोटा करने के लिए चार अतिरिक्त माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण विकसित किए गए—

1. पुनः विन्यास योग्य डेटा अधिग्रहण प्रणाली (RDAS) (दो संस्करण)
2. रिले ड्राइवर एकीकृत सर्किट
3. मल्टी-चैनल लो ड्रॉप-आउट रेगुलेटर IC
4. पवन सुरंग परीक्षण के लिए लघु अस्थिर दबाव सेंसर का विकास.

महत्व

- माइक्रोप्रोसेसरों के स्वदेशी विकास के माध्यम से अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है.
- प्रक्षेपण यान मार्गदर्शन और नेविगेशन के लिए आयातित प्रोसेसर पर निर्भरता कम करता है.
- भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए ऑनबोर्ड कम्प्यूटिंग सिस्टम डिजाइन करने में इसरो की क्षमता को बढ़ाता है.
- भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करता है, जो दीर्घकालिक तकनीकि प्रगति का समर्थन करता है. ●●●

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र लेख

परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश की बढ़ती भूमिका : भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव

✍ मनीष कुशवाहा

केन्द्रीय बजट 2025-26 भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा परिवर्तन रणनीति के तहत् परमाणु ऊर्जा की दिशा में एक बड़े विकास की रूपरेखा को रेखांकित करता है. केन्द्र सरकार ने इस बजट में वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है और भारत के ऊर्जा क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा को एक प्रमुख स्तम्भ के रूप में पहचाना है. सुधारों की शुरुआत करते हुए केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने का प्रस्ताव रखा और इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिए ₹ 20,000 करोड़ के परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की, जिसका लक्ष्य वर्ष 2033 तक पाँच छोटे और मॉड्यूलर रिएक्टर स्थापित करना है.

***पृष्ठभूमि**—भारत ने वर्ष 1950 के दशक में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग की दिशा में काम करना शुरू किया. इसके लिए भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना 3 अगस्त, 1954 को एक राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से प्रधानमंत्री के प्रत्यक्ष प्रभार के तहत् की थी. भारत ने 4 अगस्त, 1956 को देश का पहला परमाणु रिएक्टर 'अप्सरा' चालू किया था. हालाँकि, परमाणु ऊर्जा के माध्यम से बिजली बनाने का काम 1969 में महाराष्ट्र के तारापुर में अमेरिका के सहयोग से निर्मित परमाणु संयंत्र की स्थापना के साथ शुरू हुआ. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना 1 मार्च, 1958 को की गई थी. सरकारी कम्पनी भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालक है. परमाणु ऊर्जा गतिविधियों को रेगुलेट करने के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 स्थापित किया गया था. हालाँकि, यह अधिनियम परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र के निवेश की भागीदारी की अनुमति नहीं देता है. अतः सरकार ने इसमें संशोधन का प्रस्ताव रखा है.*

परमाणु ऊर्जा की वर्तमान स्थिति—30 जनवरी, 2025 तक भारत की परमाणु क्षमता 8180 मेगावाट है. वर्तमान में देश में 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित हैं. विभिन्न राज्यों में 10 नए परमाणु रिएक्टर का निर्माण किया जा रहा है.

- गुजरात के काकरापार में स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्लूआर की पहली दो इकाइयों (केएपीएस 3 और 4) ने वित्त वर्ष 2023-24 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है.
- अश्विनी नाम का संयुक्त उद्यम परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 के मौजूदा कानूनी ढाँचे के भीतर निर्माण किया गया है.
- वर्ष 2024 में देश के सबसे बड़े और तीसरे स्वदेशी परमाणु रिएक्टरों में से एक राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना की यूनिट-7 महत्वपूर्ण स्थिति में पहुँच गई, जिससे नियंत्रित विखण्डन शृंखला प्रतिक्रिया की शुरुआत हुई.
- हाल ही में भारत की सबसे पुरानी यूरेनियम खदान, जादुगुड़ा खदान में मौजूदा क्षेत्र में नए भण्डार की खोज की गई है.

परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश प्रोत्साहन का उद्देश्य

- 2031-32 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 8,180 मेगावाट से बढ़ाकर 22,480 मेगावाट करना.
- भारत लघु परमाणु रिएक्टरों की स्थापना.
- परमाणु ऊर्जा के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान एवं विकास.
- भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर का अनुसंधान एवं विकास करना.
- परमाणु क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों को उपलब्ध कराना तथा नई तकनीक को प्राप्त करना.

परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश की आवश्यकता क्यों ?

- वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा उत्पादन प्राप्त करना.
- वर्ष 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50% नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करने की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करना.
- वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 44% तक कम करना.
- पेरिस समझौते के तहत् अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करना.
- वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना.
- ऊर्जा क्षेत्र में अस्थिरता, रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ऊर्जा ईंधनों का महँगा होना.

भारत लघु और मॉड्यूलर रिएक्टर क्या होते हैं ?

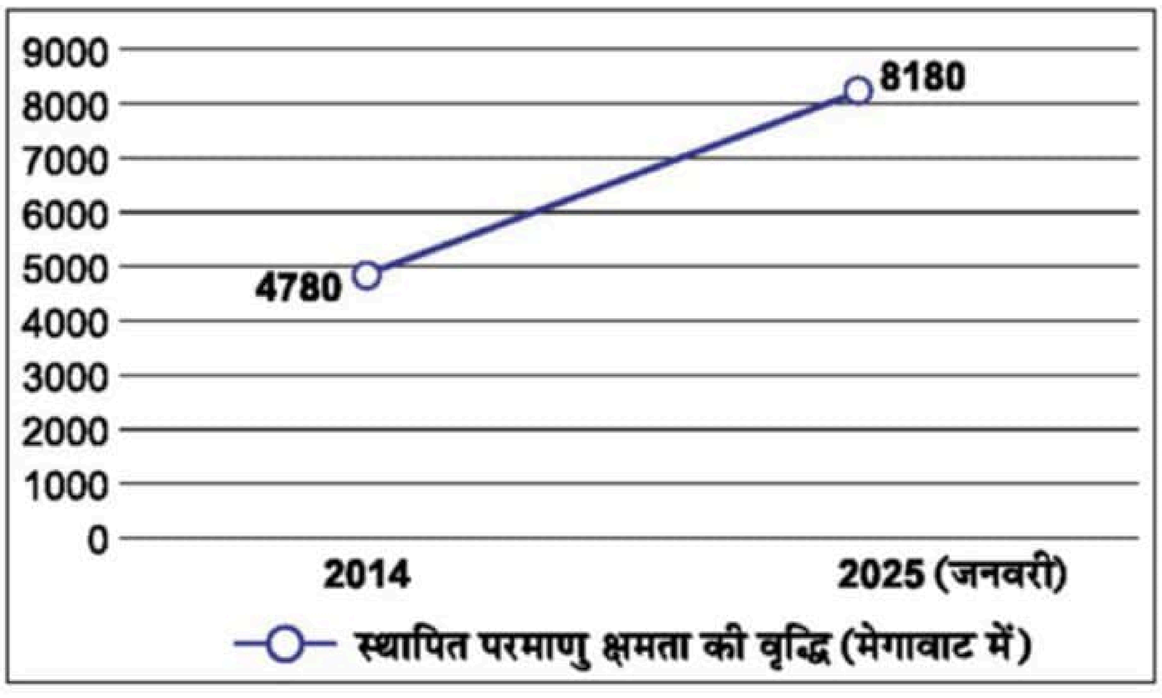
भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर)—भारत सरकार भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) विकसित करके और निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी के अवसरों की खोज करके सक्रिय रूप से अपने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार कर रही है. बीएसआर 220 मेगावाट के दबाव वाले भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) हैं. इन रिएक्टरों को भूमि आवश्यकताओं को कम करने के लिए उन्नत किया जा रहा है.

भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर)—भारत अपनी ऊर्जा परिवर्तन रणनीति के एक महत्वपूर्ण कदम के तहत् सक्रिय रूप से लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों के निर्माण का प्रयास कर रहा है, जिसका लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करना है. एसएमआर उन्नत परमाणु रिएक्टर हैं जिनकी बिजली उत्पादन क्षमता 30 मेगावाट से लेकर 300+ मेगावाट तक है.

भारत के महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा केन्द्र

परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश के कई लाभ हो सकते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं—

तकनीकी नवाचार और सुधार—निजी निवेशकों का योगदान नए और उन्नत तकनीकी समाधानों को बढ़ावा दे सकता है, जिससे परमाणु ऊर्जा उत्पादन की दक्षता और सुरक्षा में सुधार हो सकता है.



परमाणु ऊर्जा—परमाणु ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो परमाणु के भीतर स्थित नाभिकीय कणों (जैसे कि प्रोटॉन और न्यूट्रॉन) के विखण्डन या संलयन की प्रक्रिया से प्राप्त होती है. यह ऊर्जा अत्यधिक मात्रा में होती है और इसे बिजली उत्पादन, चिकित्सा और औद्योगिक प्रक्रियाओं में उपयोग किया जाता है.

1. नाभिकीय विखण्डन—इस प्रक्रिया में भारी तत्वों (यूरेनियम-235) के परमाणु नाभिक को विभाजित किया जाता है. जब ये परमाणु नाभिक टूटते हैं, तो बहुत अधिक ऊर्जा (गर्मी) उत्पन्न होती है. इस गर्मी का उपयोग विद्युत् ऊर्जा बनाने के लिए किया जाता है, जैसे—परमाणु रिएक्टरों में होता है.

2. नाभिकीय संलयन—इस प्रक्रिया में हल्के तत्वों (जैसे—हाइड्रोजन) के परमाणु नाभिक एक साथ जुड़कर एक भारी नाभिक बनाते हैं. इस प्रक्रिया से भी भारी मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न होती है. हाइड्रोजन बम इसी सिद्धान्त पर आधारित है.

आर्थिक विकास—निजी निवेश से परमाणु परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त पूँजी प्राप्त होती है, जिससे बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता का विकास होता है और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होते हैं.

सरकारी वित्तीय दबाव में कमी—निजी निवेश सरकार को वित्तीय दबाव से राहत प्रदान कर सकता है, क्योंकि यह पूँजीगत व्यय का एक हिस्सा निजी क्षेत्र से आ सकता है. इससे सरकार अपने अन्य प्राथमिकताओं को पूरा करने में सक्षम हो सकती है.

ऊर्जा सुरक्षा—परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि से ऊर्जा सुरक्षा में सुधार होता है और यह ऊर्जा आपूर्ति के विविधीकरण में मदद करता है.

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश से कुछ चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जो निम्नलिखित हैं—

सुरक्षा और जोखिम—परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं से दुर्घटनाओं या रेडियेशन लीक की स्थिति में बड़ी जनहानि और पर्यावरणीय नुकसान हो सकता है, जिससे निवेशकों को जोखिम का सामना करना पड़ता है.

विनियामक और कानूनी मुद्दे—परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कड़े नियम और कानून होते हैं, जिनका पालन करना आवश्यक होता है. इन नियमों के बदलाव या उच्च कानूनी बाधाएँ निवेशकों को भ्रमित और डराने का कारण बन सकती हैं.

प्रारम्भिक लागत और दीर्घकालिक निवेश—परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में उच्च प्रारम्भिक निवेश की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसमें लाभ अपेक्षाकृत देर से दिखते हैं, जिससे निजी निवेशकों को आकर्षित करना मुश्किल हो सकता है.

सार्वजनिक धरोहर और सामाजिक विरोध—कई बार परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को लेकर सामाजिक विरोध की वजह से परियोजना की स्वीकृति में देरी होती है.

परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने के लिए प्रयास

नियमों और कानूनों में सुधार—सरकार को परमाणु क्षेत्र के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और निवेशकों के अनुकूल नियम बनाने चाहिए. इससे निजी निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और वे बिना किसी डर के इस क्षेत्र में निवेश करेंगे.

प्रोत्साहन और सब्सिडी—सरकार को परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन या टैक्स रियायतें प्रदान करनी चाहिए. यह निवेशकों को आकर्षित करेगा और परियोजनाओं की लागत को कम करेगा.

सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल—निजी क्षेत्र को परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में साझेदार बनने के लिए प्रेरित किया जा सकता है. सरकार को ऐसे मॉडल को बढ़ावा देना चाहिए, जिसमें निजी कम्पनियाँ और सरकार मिलकर निवेश करें.

नवाचार और प्रौद्योगिकी में निवेश—परमाणु क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निजी निवेशकों को प्रेरित किया जा सकता है.

आगे की राह—भारत की बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिकीकरण के साथ ऊर्जा की माँग में लगातार वृद्धि हो रही है. इसके मद्देनजर, परमाणु ऊर्जा एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकती है, क्योंकि यह स्थिर और बड़ी मात्रा में ऊर्जा उत्पादन कर सकती है इसलिए सरकार ने निजी क्षेत्र को परमाणु ऊर्जा में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कुछ नीतियाँ बनाई हैं. यह निजी कम्पनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण, संचालन और रखरखाव में शामिल होने का अवसर प्रदान करती है. भारत के थिंक टैंक नीति आयोग के द्वारा परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश के आगमन के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन और विदेशी निवेश के आगमन के लिए प्रस्ताव रखा है तथा परमाणु क्षेत्र में निजी निवेश की सम्भावना को तलाशने और उन्हें अमलीजामा पहनाने के लिए स्वतंत्र परमाणु विनियामक प्राधिकरण की स्थापना का भी प्रयास किया जा रहा है. साथ ही परमाणु क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागदारी को बढ़ावा देने में निर्माण–संचालन और हस्तान्तरण व्यवस्था (BOT), जोखिम न्यूनीकरण और बीमा तंत्र को अन्तर्राष्ट्रीय बीमा कम्पनियों के माध्यम से निवेश की सुविधा तथा प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण एवं स्वदेशीकरण जैसे कार्यक्रमों को संचालित किया जाना चाहिए ताकि परमाणु क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके.

निष्कर्ष—केन्द्रीय बजट 2025-26 में परमाणु ऊर्जा प्रावधान भारत के ऊर्जा परिदृश्य में बदलाव का प्रतीक है. परमाणु ऊर्जा को एक सतत्, बहुमुखी और सुरक्षित ऊर्जा स्रोत के रूप में बढ़ावा देकर सरकार का लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और देश के दीर्घकालिक आर्थिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करना है. विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन परमाणु ऊर्जा विकास में तेजी लाने के लिए तैयार है, जो वर्ष 2047 तक भारत को उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकी में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित करेगा.

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. हाल ही केन्द्रीय बजट 2025-26 के अनुसार भारत ने परमाणु ऊर्जा मिशन के लिए ₹ 2000 करोड़ का आवंटन किया है.
2. इसका लक्ष्य 2033 तक पाँच छोटे और मॉड्यूलर रिएक्टर स्थापित करना है.
3. सरकार ने 2047 तक 500 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है.

कूट की सहायता से सही कथन चुनिए—

(A) केवल कथन 1 तथा 2 (B) केवल कथन 2 तथा 3
(C) केवल कथन 1 तथा 3 (D) उपर्युक्त सभी कथन

उत्तर—(A)

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. सरकारी कम्पनी भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की संचालक है.
2. परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी.

कूट की सहायता से असत्य कथन चुनिए—

(A) केवल कथन 1 तथा 2 (B) केवल कथन 2
(C) केवल कथन 3 (D) केवल 1 और 3

उत्तर—(B)

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में निजी निवेश न केवल ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा, बल्कि यह भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक मील का पत्थर भी साबित होगा. विश्लेषण कीजिए.

महिला सशक्तिकरण लेख

गाँवों में बढ़ती कामकाजी महिलाएं : उभरते भारत की नई तस्वीर

—रुपाली वर्मा

भारत वर्ष एक समृद्ध परम्परा और सांस्कृतिक मूल्यों से युक्त देश है, जहाँ महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है. ग्रामीण परिदृश्य में महिलाओं की बड़ी आबादी है. दुर्भाग्यवश विदेशी शासन काल में समाज में अनेक कुरीतियाँ व विकृतियाँ पैदा हुईं, जिससे महिलाओं का उत्पीड़न हुआ. आजादी के बाद महिलाओं का समाज में सम्मान बढ़ा, लेकिन उनके सशक्तिकरण की गति दशकों तक धीमी रही. गरीबी व निरक्षरता महिलाओं की प्रगति में गम्भीर बाधा रही हैं.

वर्तमान में भारत के ग्रामीण परिदृश्य में एक नई क्रांति देखने को मिल रही है. यह क्रांति न तो खेतों में नई तकनीक के आगमन से है और न ही सरकारी योजनाओं के कारण. यह क्रांति है गाँव की महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और कामकाजी जीवन में कदम रखने की. पारम्परिक रूप से घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से अपनी पहचान बना रही हैं. यह न केवल उनके जीवन स्तर में सुधार ला रहा है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रहा है.

हाल ही में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (2023-24) के अनुसार, महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ यह 6 वर्षों में 18·2% से लगभग दोगुनी होकर 35·5% हो गई है. हालाँकि, गहन विश्लेषण से चिंताजनक पैटर्न का पता चलता है. किशोर लड़कियों (15-19) और वृद्ध महिलाओं (60+) के बीच भागीदारी में तीव्र वृद्धि हुई है, जो प्रायः सशक्तिकरण के बजाए आर्थिक आवश्यकता से प्रेरित होती है. यद्यपि बढ़ती भागीदारी प्रगति को चिह्नित करती है, महत्वपूर्ण संरचनात्मक बाधाओं को दूर करना अभी भी बाकी है, तभी हम ऐसी अर्थव्यवस्था बना सकेंगे, जो वास्तव में लैंगिक-संवेदनशील हो तथा सभी श्रमिकों को समान अवसर और विकल्प प्रदान करे.

महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि के प्रमुख कारण

1. **शिक्षा और जागरूकता**—ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने से महिलाएं अब पारम्परिक भूमिकाओं से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं. पहले जहाँ लड़कियों की शिक्षा को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, वहीं अब ग्रामीण परिवारों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है. सरकारी योजनाओं जैसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'सर्व शिक्षा अभियान' ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. शिक्षित महिलाएं अब न केवल अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं, बल्कि आर्थिक रूप से सक्षम भी हो रही हैं.
2. **सरकारी योजनाएँ और सहायता**—सरकार की विभिन्न योजनाएँ जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूह (SHG), 'मनरेगा' और 'महिला समृद्धि योजना' ने ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए हैं. इन योजनाओं ने न केवल उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि समाज में उनकी स्थिति को भी मजबूत किया है.
3. **स्वरोजगार और महिला उद्यमिता**—गाँवों में महिलाएं अब स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं. स्वयं सहायता समूह (SHG) और माइक्रोफाइनेंस जैसी पहलों ने उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद की है. महिलाएं अब डेयरी फार्मिंग, हस्तशिल्प, बागवानी, मधुमक्खी पालन और छोटे व्यवसायों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं. यह न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुधार रहा है.
4. **तकनीकी और डिजिटल पहुँच**—इंटरनेट और मोबाइल के बढ़ते उपयोग से महिलाएं ऑनलाइन व्यवसाय, ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग और शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही हैं.
5. **महिला सशक्तिकरण अभियान**—कई गैर-सरकारी संगठन (NGO) और सरकारी कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान कर रहे हैं.

उपर्युक्त वृद्धि के कारणों के अतिरिक्त गाँवों में महिला श्रम बल भागीदारी (Female Labor Force Participation–FLFP) कई संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे महिलाओं का आर्थिक रूप से सक्रिय होना मुश्किल हो जाता है. ये चुनौतियाँ सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और नीतिगत स्तर पर मौजूद हैं. इन चुनौतियों को निम्नवत् रूप में विभेदीकृत कर सकते हैं—

सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएं

- **रूढ़िवादी सोच और परम्पराएं**—घर से बाहर काम करने वाली महिलाओं को, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कलंकित माना जाता है जिससे अवसरों तक उनकी पहुँच सीमित हो जाती है. इसके अलावा, महिलाओं से यह सामाजिक अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कॅरियर की तुलना में देखभाल प्रदान करने को प्राथमिकता दें, जिससे कार्यबल में उनका समावेश कम हो जाता है.
- **पारिवारिक दबाव**—महिलाओं को अक्सर कॅरियर के बजाए शादी और बच्चों की देखभाल को प्राथमिकता देने के लिए कहा जाता है.
- **नौकरी को अस्वीकार करने की प्रवृत्ति**—कुछ परिवारों का मानना है कि महिलाएं अगर कमाएंगी, तो पारिवारिक सम्बन्धों में असंतुलन आ सकता है. महिलाओं की तुलना में पुरुषों के काम करने की दर काफी ज्यादा है, और शहरी महिलाओं की तुलना में ग्रामीण महिलाओं के काम करने की दर भी ज्यादा है.
- **ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2023**—इस रिपोर्ट के अनुसार, आर्थिक भागीदारी में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर है, जो गम्भीर रूप से व्याप्त लैंगिक पूर्वाग्रहों को उजागर करता है.

शिक्षा और कौशल की कमी

- **कम साक्षरता दर**—ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा का स्तर शहरी महिलाओं की तुलना में कम होता है, जिससे वे बेहतर रोजगार पाने में असमर्थ रहती हैं.
- **तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की अनुपलब्धता**—गाँवों में महिलाओं को आधुनिक तकनीकी या व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसर कम मिलते हैं.
- **डिजिटल साक्षरता की कमी**—आज के दौर में ऑनलाइन कार्य (वर्क-फ्रॉम-होम, ई-कॉमर्स) के बढ़ते अवसरों का लाभ ग्रामीण महिलाएं नहीं उठा पातीं.
  - STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिला साक्षरता और नामांकन कम बना हुआ है, जिससे IT और विनिर्माण जैसे उच्च विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार की सम्भावना सीमित हो रही है.

- सत्र 2022-23 में, 18-59 आयु वर्ग की केवल 18·6% महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जबकि वर्ष 2021 में केवल 7% कौशल प्रशिक्षु महिलाएं थीं, जबकि 17% ITI केवल महिलाओं के लिए थे.

आर्थिक और रोजगार से जुड़ी समस्याएँ

- **स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की कमी**—गाँवों में महिलाओं के लिए सरकारी और निजी नौकरियाँ कम होती हैं.
- **असंगठित क्षेत्र में कार्य**—ग्रामीण महिलाएं ज्यादातर कृषि, मनरेगा, हस्तशिल्प और छोटे घरेलू उद्योगों में काम करती हैं, जहाँ वेतन कम और सामाजिक सुरक्षा नहीं होती.
- **महिलाओं को कम वेतन**—पुरुषों की तुलना में महिलाओं को समान कार्य के लिए कम मजदूरी मिलती है.
  - आर्थिक सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 90% से अधिक महिला श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में हैं, जिससे उनके लिए उत्कृष्ट श्रम स्थितियाँ उपलब्ध नहीं हो पाती हैं.

कृषि क्षेत्र की चुनौतियाँ

- **बिना वेतन का श्रम**—महिलाएं खेतों में काम करती हैं, लेकिन उन्हें परिवार का सदस्य मानकर मजदूरी नहीं दी जाती.
- **भूमि स्वामित्व का अभाव**—ग्रामीण भारत में जमीन आमतौर पर पुरुषों के नाम पर होती है, जिससे महिलाएं सरकारी योजनाओं और बैंक ऋण का लाभ नहीं उठा पातीं.
- **कृषि उपकरणों और वित्तीय सहायता की कमी**—महिलाओं को आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीकों तक पहुँच नहीं मिलती.

सुरक्षा और बुनियादी ढाँचे की कमी

- **सुरक्षित कार्यस्थलों की अनुपलब्धता**—कई बार महिलाओं को असुरक्षित माहौल में काम करना पड़ता है, जिससे वे रोजगार के अवसरों से पीछे हट जाती हैं.
- **परिवहन की समस्या**—गाँवों में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुविधाएं कम होने के कारण वे दूर के कार्यस्थलों पर नहीं जा पातीं.
- **शौचालय और अन्य सुविधाओं की कमी**—कार्यस्थलों और बाजारों में बुनियादी सुविधाएं (जैसे—शौचालय, चाइल्ड केयर) नहीं होने से महिलाएं बाहर काम करने में असहज महसूस करती हैं.

सरकारी योजनाओं का सीमित प्रभाव

- **नीतियों का सही क्रियान्वयन नहीं**—सरकार की कई योजनाएं जैसे—'मुद्रा योजना', 'महिला उद्यमिता योजना' और 'स्टार्ट-अप इण्डिया' गाँवों में पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाई हैं.
- **बिचौलियों का हस्तक्षेप**—कई सरकारी योजनाओं और ऋणों तक पहुँचने के लिए महिलाओं को दलालों और बिचौलियों पर निर्भर रहना पड़ता है.
- **स्वरोजगार में बाधाएं**—बैंकिंग प्रक्रिया और ऋण प्राप्ति में जटिलताओं के कारण महिलाएं स्वरोजगार शुरू करने में असमर्थ रहती हैं.

महिलाओं की श्रमशक्ति भागीदारी में संवर्द्धन हेतु उपाए

यह परिवर्तन न केवल महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है. हालाँकि, इस बदलाव को और गति देने के लिए सरकार और समाज को मिलकर कुछ नीतिगत उपाए करने की आवश्यकता है.

1. शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा

- **बालिका शिक्षा पर जोर**—सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएं चलानी चाहिए. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए.
- **कौशल विकास कार्यक्रम**—महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए. इन कार्यक्रमों में डिजिटल साक्षरता, हस्तशिल्प, बागवानी और अन्य व्यावसायिक कौशल शामिल होने चाहिए.

2. वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर

- **माइक्रोफाइनेंस और ऋण सुविधा**—महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जाना चाहिए. 'मुद्रा योजना' और 'स्टैंड-अप इण्डिया' जैसी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए.
- **स्वयं सहायता समूह (SHG) को मजबूती**—SHG को और मजबूत बनाने के लिए सरकार को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बाजार से जोड़ने की व्यवस्था करनी चाहिए.

3. कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं

- **सुरक्षा उपाए**—ग्रामीण क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून और निगरानी तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए.
- **स्वास्थ्य सुविधाएं**—महिलाओं के लिए नियमित स्वास्थ्य जाँच और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए. 'आयुष्मान भारत' जैसी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए.

4. डिजिटल और तकनीकी पहुँच

- **डिजिटल साक्षरता**—ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल साक्षर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए. इससे वे ऑनलाइन बाजार और सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगी.
- **इंटरनेट और मोबाइल सुविधा**—ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की पहुँच बढ़ाने के लिए बुनियादी ढाँचे का विकास किया जाना चाहिए.

5. लैंगिक समानता और सामाजिक जागरूकता

- **जागरूकता अभियान**—ग्रामीण समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए. इन अभियानों में महिलाओं के अधिकारों और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए.
- **महिला नेतृत्व को प्रोत्साहन**—पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए.

6. बाल देखभाल और कार्य-जीवन संतुलन

- **क्रेच सुविधा**—कामकाजी महिलाओं के लिए गाँवों में क्रेच और बाल देखभाल केन्द्र स्थापित किए जाने चाहिए.
- **लचीले कार्य घण्टे**—महिलाओं को घर और काम के बीच सन्तुलन बनाने में मदद करने के लिए लचीले कार्य घण्टे और कार्य व्यवस्था की जानी चाहिए.

ग्रामीण भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति में भागीदारी में वृद्धि प्रगति और लगातार चुनौतियों दोनों को उजागर करती

शेष पृष्ठ 175 पर

अभिव्यक्ति स्वतंत्रता एवं नियंत्रण लेख

मुक्त भाषण *बनाम* डिजिटल नियंत्रण– न्यायिक अतिरेक या आवश्यक निरीक्षण ?

कभी चुप, कभी ऊँची आवाज से बोलते हैं,
हम अपनी बात को बेखौफ ढंग से खोलते हैं.
कभी विचारों की खामोशी बेमानी लगती है,
लेकिन स्वतंत्रता की हवा में ही सच बोलते हैं.

उपर्युक्त पंक्तियाँ हमारे समाज में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार प्रस्तुत करती हैं. यह अधिकार नागरिकों को अपने विचार, राय और विश्वासों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देता है. जब बात डिजिटल प्लेटफार्मों की होती है, तो यह सवाल उठता है कि क्या इन प्लेटफॉर्मों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनियंत्रित होनी चाहिए या कुछ नियंत्रण और निगरानी की आवश्यकता है ?

आजकल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक नया आयाम दिया है. इन प्लेटफॉर्मों ने लोगों को अपने विचार साझा करने और समाज में बदलाव लाने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान किया है. हालाँकि, इस डिजिटल युग में कुछ समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं, जैसे गलत जानकारी का प्रसार, घृणास्पद भाषण और समाज में उन्माद फैलाने वाली सामग्री जैसे 'इण्डिया गॉट लेटेंट' का हालिया विवाद. इस कारण, यह सवाल उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण आवश्यक है, और यदि है, तो यह नियंत्रण किस हद तक होना चाहिए ?

मुक्त भाषण की अवधारणा और इसका महत्व

मुक्त भाषण एक बुनियादी अधिकार है, जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की अनुमति देता है. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत् यह अधिकार नागरिकों को प्रदान किया गया है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में मदद मिलती है. यह अधिकार नागरिकों को अपने विचारों, विश्वासों और आलोचनाओं को खुलकर साझा करने की स्वतंत्रता देता है, जो लोकतंत्र के लिए आवश्यक है.

मुक्त भाषण का अधिकार न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में विविधता और नवाचार को भी बढ़ावा देता है. जब विभिन्न विचार और दृष्टिकोण खुले तौर पर साझा किए जाते हैं, तो समाज में समृद्धि आती है और नया ज्ञान उत्पन्न होता है. यह सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और लोगों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की क्षमता देता है.

हालाँकि, मुक्त भाषण का अधिकार पूर्ण रूप से अनियंत्रित नहीं हो सकता. समाज की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और दूसरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कभी-कभी भाषण पर युक्तियुक्त नियंत्रण की आवश्यकता हो सकती है. उदाहरणस्वरूप, घृणा फैलाने वाले भाषण, गलत जानकारी और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली सामग्री आदि के खिलाफ नियंत्रण महत्वपूर्ण हो सकता है. इसलिए, यह सवाल उठता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर इस अधिकार का क्या स्वरूप होना चाहिए ?

डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर मुक्त भाषण

आजकल, सोशल मीडिया और इंटरनेट के अन्य प्लेटफॉर्मों ने व्यक्तियों को अपनी राय और विचार साझा करने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान किया है. पहले, यह स्वतंत्रता केवल कुछ प्लेटफॉर्मों तक ही सीमित थी, लेकिन अब इंटरनेट ने इसे वैश्विक स्तर पर उपलब्ध करवा दिया है. प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, और व्हाट्सएप पर लोग अपनी राय साझा कर सकते हैं और दूसरों के विचारों से जुड़ सकते हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों ने न केवल व्यक्तियों को अपने विचार साझा करने का अवसर दिया है, बल्कि इसने समाजिक आन्दोलनों को भी प्रेरित किया है. उदाहरण के लिए #MeToo और Black Lives Matter जैसे वैश्विक आन्दोलनों को सोशल मीडिया की वजह से व्यापक पहचान मिली, वहीं देश में छात्र आन्दोलन, किसान आन्दोलन व्यापक लोकप्रियता प्राप्त कर लेते हैं. इस प्रकार, डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया है और लोगों को सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर बातचीत करने के लिए एक सशक्त माध्यम प्रदान किया है.

हालाँकि, डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर मुक्त भाषण के नकारात्मक पहलू भी हैं. गलत जानकारी और घृणास्पद भाषण का प्रसार इन प्लेटफॉर्मों पर तेजी से हो सकता है, जो समाज में तनाव और हिंसा को बढ़ावा दे सकता है. उदाहरण के लिए, फेक न्यूज के फैलने से चुनावों में गड़बड़ी हो सकती है और समुदायों के बीच विवाद उत्पन्न हो सकते हैं. इसके अतिरिक्त, कई बार इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल उकसाने वाली सामग्री को फैलाने के लिए किया जाता है, जो सार्वजनिक शांति को खतरे में डाल सकता है.

यह स्थिति यह सवाल उत्पन्न करती है कि क्या इन प्लेटफॉर्मों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनियंत्रित रूप से जारी रहनी चाहिए, या इन पर कुछ नियंत्रण होना चाहिए ? इसके कारण ही यह कहा गया है कि 'आपकी स्वतंत्रता वहीं समाप्त हो जाती है जहाँ दूसरे की स्वतंत्रता बाधित होती है'.

डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर नियंत्रण की आवश्यकता

1. **गलत जानकारी का प्रसार**—फेक न्यूज और गलत सूचना चुनावों, सामाजिक आन्दोलनों, और यहाँ तक कि सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गम्भीर प्रभाव डाल सकती है. उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान गलत जानकारी फैलने से लोगों में भ्रम और डर पैदा हुआ, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों को नुकसान पहुँचा.
2. **घृणास्पद भाषण और हिंसा**—जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर घृणास्पद भाषण फैलता है, तो यह समाज में तनाव और हिंसा को बढ़ावा दे सकता है. कई बार यह भाषण धर्म, जाति, या लिंग के आधार पर भेदभाव को बढ़ावा देता है, जिससे साम्प्रदायिक हिंसा और सामाजिक असंतुलन हो सकता है.
3. **आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा**—आतंकवादी संगठनों और चरमपंथियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का उपयोग अपनी विचारधारा फैलाने और नई भर्ती करने के लिए किया जा सकता है. इस तरह की गतिविधियाँ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गम्भीर खतरा उत्पन्न कर सकती हैं.

इसलिए, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निगरानी और नियंत्रण की आवश्यकता है, ताकि समाज की सुरक्षा और शांति बनी रहे.

न्यायिक अतिरेक या आवश्यक निरीक्षण

1. **न्यायिक अतिरेक का दृष्टिकोण**—कुछ लोग मानते हैं कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर नियंत्रण एक प्रकार का न्यायिक अतिरेक है. उनका तर्क है कि यह नागरिकों की अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन करता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए खतरे का कारण बन सकता है. वे यह मानते हैं कि सरकारें अपनी नीतियों

को लागू करने के लिए सेंसरशिप का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे स्वतंत्र विचारों को दबाया जा सकता है.

2. **आवश्यक निरीक्षण का दृष्टिकोण–** दूसरी ओर, यह दृष्टिकोण है कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर नियंत्रण एक आवश्यक कदम हो सकता है. इस दृष्टिकोण के समर्थक मानते हैं कि गलत जानकारी, हिंसा और घृणा फैलाने वाली सामग्री को रोकने के लिए यह कदम जरूरी है. यह समाज की सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की रक्षा करता है.

प्रौद्योगिकी कम्पनियों की भूमिका और जिम्मेदारी

डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर नियंत्रण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रौद्योगिकी कम्पनियों की भी जिम्मेदारी है. इन कम्पनियों को अपनी नीतियों और नियंत्रण प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सेंसरशिप या नियंत्रण किसी विशेष विचारधारा को दबाने के लिए नहीं किया जा रहा.

सोशल मीडिया कम्पनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी प्लेटफॉर्मों पर जो सामग्री शेयर की जाती है, वह समाज को नुकसान न पहुँचाए. साथ ही, कम्पनियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सरकार के दबाव में आकर किसी राजनीतिक या व्यावसायिक एजेंडे को बढ़ावा न दें.

वैश्विक स्तर पर डिजिटल अधिकारों की रक्षा

वैश्विक स्तर पर डिजिटल अधिकारों की रक्षा करना आज के डिजिटल युग में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है. डिजिटल अधिकारों में इंटरनेट की स्वतंत्रता, डेटा गोपनीयता, सूचना तक पहुँच और ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मूलभूत अधिकार शामिल हैं. ये अधिकार न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गोपनीयता को सुनिश्चित करते हैं, बल्कि डिजिटल दुनिया में न्याय और समानता को भी बढ़ावा देते हैं. हालाँकि, तकनीकि प्रगति और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ, इन अधिकारों को सुरक्षित रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है. इसलिए, डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी, तकनीकि और सामाजिक स्तर पर व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है.

सबसे पहले, डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत कानूनी ढाँचे का होना आवश्यक है. दुनिया भर के देशों को डेटा संरक्षण और गोपनीयता से सम्बन्धित कानून बनाने चाहिए. उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ का जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (GDPR) एक मिसाल है, जो व्यक्तिगत डेटा के संग्रह, उपयोग और साझाकरण को सख्ती से नियंत्रित करता है. इसी तरह, साइबर सुरक्षा कानूनों को मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों से निपटा जा सके. कानूनी ढाँचे के अलावा, तकनीकि उपाए भी डिजिटल अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. एन्क्रिप्शन तकनीक का उपयोग करके संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखा जा सकता है. इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों को लागू करना चाहिए.

डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग भी आवश्यक है. डिजिटल दुनिया में सीमाएं धुँधली हो गई हैं और एक देश में होने वाली घटनाओं का दूसरे देशों पर प्रभाव पड़ सकता है. इसलिए, डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समझौते और सहयोग आवश्यक हैं. संयुक्त राष्ट्र और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. देशों के बीच साइबर सुरक्षा और डिजिटल अधिकारों से सम्बन्धित सूचना का आदान-प्रदान भी महत्वपूर्ण है ताकि वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयास किए जा सकें.

जागरूकता और शिक्षा भी डिजिटल अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. लोगों को डिजिटल अधिकारों और सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करना आवश्यक है. डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए. इसके अलावा, डिजिटल अधिकारों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सार्वजनिक अभियान चलाए जाने चाहिए. लोगों को यह समझाना जरूरी है कि उनके डिजिटल अधिकार क्यों महत्वपूर्ण हैं और उन्हें कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है ?

निगरानी और जवाबदेही भी डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है. सरकारों को डिजिटल निगरानी के मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए. निजी कम्पनियों को भी उपयोगकर्ता डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होना चाहिए. डिजिटल अधिकारों को मानवाधिकारों का हिस्सा माना जाना चाहिए और इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए. ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए सेंसरशिप और निगरानी के खिलाफ उपाए किए जाने चाहिए.

इसलिए, डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय दिशा-निर्देश की आवश्यकता हो सकती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विभिन्न देशों में समान डिजिटल अधिकारों का उल्लंघन न हो.

मुक्त भाषण और डिजिटल नियन्त्रण के बीच सन्तुलन बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन यह लोकतंत्र और समाज की भलाई के लिए जरूरी है. यह सुनिश्चित करना कि किसी व्यक्ति का भाषण दूसरों की स्वतंत्रता और सुरक्षा को नुकसान न पहुँचाए, समाज के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है. सरकारों और न्यायपालिका को इस सन्तुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए. उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नियंत्रण केवल नफरत फैलाने और गलत जानकारी को नियंत्रित करने तक सीमित रहे, और स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर कोई अनावश्यक प्रतिबन्ध न लगाया जाए.

यह सन्तुलन ही लोकतांत्रिक संस्थाओं की शक्ति और नागरिकों के अधिकारों का सही मार्गदर्शन करेगा, और समाज को एक स्थिर और प्रगतिशील दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा.

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत् दिए गए मुक्त भाषण के अधिकार पर किस आधार पर प्रतिबन्ध लगाया जा सकता है ?
   (A) सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता और नैतिकता
   (B) केवल आर्थिक कारणों से
   (C) केवल राजनीतिक कारणों से
   (D) केवल धार्मिक कारणों से

   उत्तर–(A)

2. आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 66ए किस उद्देश्य से लागू की गई थी?
   (A) साइबर अपराधों से निपटने के लिए
   (B) इंटरनेट की गति बढ़ाने के लिए
   (C) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को विनियमित करने के लिए
   (D) डेटा संग्रहण को बढ़ावा देने के लिए

   उत्तर–(A)

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. भारतीय संविधान जो हमें अपने विचारों को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता देता है, वहीं डिजिटल मीडिया इसे तेजी से प्रसारित करने में सहयोग प्रदान करता है, परन्तु व्यवस्था के कुशल संचालन के लिए इन दोनों पर युक्तियुक्त नियंत्रण भी आवश्यक है. चर्चा कीजिए. (250 शब्द)

●●●

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी व्यवसाय लेख

भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में बढ़ती निजी भागीदारी

—गुलशन कुमार

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आगामी दशक में तेजी से विस्तार करने की दिशा में अग्रसर है. केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह के अनुसार, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का अगले 10 वर्षों में 5 गुना बढ़कर 44 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है. इस वृद्धि का मुख्य कारण भारत में अंतरिक्ष क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और निवेश है. वर्तमान में, निजी निवेश ₹ 1,000 करोड़ से अधिक हो चुका है, जो इस क्षेत्र के विकास को गति प्रदान कर रहा है.

भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

भारत का अंतरिक्ष उद्योग तेजी से विकास कर रहा है और इसकी वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है. वर्तमान में, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8 बिलियन डॉलर (लगभग ₹ 60,000 करोड़) है, जो वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग का 2-3% योगदान देती है. हालाँकि, आगामी वर्षों में यह हिस्सेदारी बढ़ने का अनुमान है. वर्ष 2030 तक यह हिस्सेदारी बढ़कर 8% और वर्ष 2047 तक इसके 15% तक पहुँचने की सम्भावना जताई जा रही है.

- **वैश्विक प्रतिस्पर्धा**—भारत का अंतरिक्ष उद्योग वैश्विक स्तर पर प्रमुख स्थान पर है, जिसमें भारत 400 से अधिक निजी अंतरिक्ष कम्पनियों के साथ विश्व में पाँचवें स्थान पर है. यह संख्या भारत में अंतरिक्ष कम्पनियों के विकास को दर्शाती है और यह संकेत देती है कि निजी क्षेत्र का योगदान इस उद्योग में बढ़ रहा है.
- **इसरो का योगदान**—भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने भारतीय और वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. ISRO ने सस्ती उपग्रह लॉन्च सेवाओं के लिए अपनी पहचान बनाई है.
- **निजी क्षेत्र का उदय**—भारतीय निजी कम्पनियाँ जैसे—Skyroot Aerospace] Agnikul Cosmos, Pixxel और Sat-Sure ने हाल ही में अंतरिक्ष मिशनों और उपग्रहों के विकास में सक्रिय भागीदारी शुरू की है.
- **अंतरिक्ष सेवाओं में वृद्धि**—भारत अब अंतरिक्ष सेवाओं के लिए एक प्रमुख निर्यातक बन गया है, जिसमें उपग्रह प्रक्षेपण, संचार सेवाएं, मौसम निगरानी और पृथ्वी अवलोकन शामिल हैं.

भारतीय अंतरिक्ष में निजी भागीदारी में हो रही वृद्धि

भारत में अंतरिक्ष उद्योग में निजी क्षेत्र और अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है. वर्ष 2022 में जहाँ यह संख्या केवल एक थी, वर्ष 2024 तक यह बढ़कर लगभग 200 हो गई है.

- **निवेश में वृद्धि**—भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप्स को मिलने वाले निवेश में भी तेजी से वृद्धि हुई है. वर्ष 2021 में जहाँ इन स्टार्टअप्स को कुल 67·2 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ था, वहीं वर्ष 2023 में यह बढ़कर 124·7 मिलियन डॉलर तक पहुँच गया.
- स्काईरूट ने भारत के पहले निजी तौर पर निर्मित रॉकेट, विक्रम-एस को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लॉन्च किया. यह एक ऐतिहासिक कदम है, जो भारत में निजी क्षेत्र द्वारा अंतरिक्ष प्रक्षेपण क्षमता विकसित करने का प्रतीक है.

भारत में अंतरिक्ष उद्योग में निजी क्षेत्र का विनियमन

- **NSIL (न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड**—न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) एक सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी है, जो भारतीय उद्योगों को ISRO द्वारा विकसित और परिपक्व प्रौद्योगिकियों का हस्तान्तरण करती है.
- **इन-स्पेस (राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केन्द्र)**—भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी और सरकारी दोनों संस्थाओं की गतिविधियों के विनियमन और प्रोत्साहन के लिए इन स्पेस (IN-SPACe) की स्थापना की गई है. यह एक स्वायत्त एजेंसी है, जो अंतरिक्ष विभाग के अधीन कार्य करती है.

भावी चुनौतियाँ

- **उच्च निवेश लागत**—अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए अत्यधिक निवेश की आवश्यकता होती है. उपग्रह प्रक्षेपण, रॉकेट विकास और अन्य अंतरिक्ष सम्बन्धित परियोजनाएं बहुत महँगी होती हैं. इसका अर्थ है कि केवल बड़े और धनी निगमों के पास इस क्षेत्र में निवेश करने की क्षमता होती है, जिससे एकाधिकार की स्थिति बन सकती है और छोटे निवेशकों के लिए अवसर सीमित हो सकते हैं.
- **विशेषज्ञता और तकनीकी चुनौतियाँ**—अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास और संचालन उच्च तकनीकी कौशल की माँग करता है. इसमें उपग्रह निर्माण, रॉकेट विज्ञान और अंतरिक्ष संचार जैसी जटिल प्रक्रियाएं शामिल होती हैं, जिनके लिए अत्यधिक प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है. इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए बड़ी मात्रा में संसाधनों की आवश्यकता होती है, जिससे नवाचार को प्रोत्साहित किया जा सके.
- **अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा**—भारतीय निजी अंतरिक्ष कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर स्थापित और मजबूत कम्पनियों, जैसे—ब्लू ओरिजिन और स्पेसएक्स से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है.

सरकारी प्रयास

- **अंतरिक्ष क्षेत्र सुधार**—वर्ष 2020 में सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति दी और IN-SPACe, ISRO और NSIL की भूमिकाओं को स्पष्ट किया.
- **स्पेस विजन 2047**—सरकार ने भारत के लिए स्पेस विजन 2047 को घोषित किया है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) स्थापित करना और वर्ष 2040 तक चन्द्रमा पर भारतीय मिशन को सफलतापूर्वक उतारना है. इसके अलावा, वर्ष 2028 तक गगनयान का अनुवर्ती मिशन और वर्ष 2032 तक अगली पीढ़ी के सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल का विकास किया जाएगा.
- **चंद्रयान-4 और शुक्र मिशन**—वर्ष 2027 तक चंद्रयान-4 मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है, जो चन्द्रमा के नमूने एकत्र करेगा और वापसी तकनीक का प्रदर्शन करेगा. इसके अलावा, वर्ष 2028 तक वीनस ऑर्बिटर मिशन (VOM) का लक्ष्य रखा गया है, जिससे शुक्र ग्रह का अध्ययन किया जाएगा.
- **एफडीआई नीति में संशोधन**—सरकार ने संशोधित एफडीआई नीति के तहत् अंतरिक्ष क्षेत्र में 100% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की अनुमति दी है. इसका

उद्देश्य वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करना और भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है.

- **स्पेसटेक इनोवेशन नेटवर्क (SPIN)**—SPIN (स्पेसटेक इनोवेशन नेटवर्क) एक सार्वजनिक-निजी सहयोग है, जो अंतरिक्ष उद्योग में स्टार्टअप्स और SMEs (छोटे और मंझले उद्यमों) के लिए समर्थन प्रदान करता है. इस नेटवर्क का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और उद्योग को सशक्त बनाना है.

भविष्य की राह

- **नवाचार का समर्थन**—निजी क्षेत्र की सहभागिता के साथ, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नए समाधान और कार्यप्रणाली विकसित करना.
- **मूल्य शृंखलाओं में एकीकरण**—भारतीय कम्पनियाँ अब वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में सम्मिलित हो रही हैं, जिससे भारत को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है. अंतरिक्ष उत्पादों और सेवाओं की बढ़ती माँग से भारत को विश्व स्तर पर प्रति. स्पर्धी लाभ मिल सकता है.
- **स्वदेशी विनिर्माण का विकास**— निजी क्षेत्र द्वारा उपग्रह, रॉकेट और अन्य अंतरिक्ष प्रणालियों का स्वदेशी रूप से निर्माण भारत को न केवल बाहरी देशों पर निर्भरता से मुक्त करेगा, बल्कि यह भारतीय उद्योगों की क्षमता को भी बढ़ावा देगा.
- **रोजगार सृजन**—विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास से नए रोजगार सृजित होंगे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी. इसके साथ ही, युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों को नए अवसर मिलेंगे, जो उनके कौशल विकास और राष्ट्र के लिए योगदान देने में मदद करेंगे.
- **स्पेसएक्स और अन्य वैश्विक कम्पनियों के साथ प्रतिस्पर्धा**—भारतीय निजी कम्पनियाँ अपनी सस्ती और किफायती प्रक्षेपण सेवाओं के साथ वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में एक प्रतिस्पर्धी स्थिति बना सकती हैं.
- **वैश्विक साझेदारी**—भारतीय कम्पनियाँ अब वैश्विक अंतरिक्ष परियोजनाओं में साझेदार बन सकती हैं, जिससे भारतीय ब्राण्ड और प्रौद्योगिकी का विस्तार हो सकता है.
- **पारदर्शिता और सुरक्षा**—IN-SPACe जैसी संस्थाएं अंतरिक्ष गतिविधियों को व्यवस्थित और विनियमित करने के साथ-साथ निजी कम्पनियों को संरक्षित और सुरक्षित वातावरण प्रदान करती हैं, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ता है.
- भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में निरन्तर बेहतर प्रदर्शन कर रहा है. भारत सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयास और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी, इसके साथ जुड़े नवाचार, विनिर्माण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अवसर भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में मदद करेंगे. मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलें इस क्षेत्र में स्वदेशी विकास को बढ़ावा देंगी और देश को अंतरिक्ष उद्योग में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनाने की दिशा में मदद करेंगी. सरकार द्वारा किए गए सुधार और नीति परिवर्तन इस यात्रा को और भी अधिक सशक्त बना रहे हैं.

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. भारत में अंतरिक्ष और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित निम्न-लिखित कथनों में से सत्य कथन की पहचान कीजिए—

1. राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केन्द्र अंतरिक्ष विभाग के अधीन कार्य करती है.
2. भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्तमान समय में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में 2 से 3% का योगदान देती है.
3. अंतरिक्ष विजन 2047 का लक्ष्य वर्ष 2040 तक चन्द्रमा पर भारतीय मिशन को उतारना है.
4. भारत का पहला निजी तौर पर निर्मित रॉकेट का नाम विक्रम-एस है.

कूट :

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

उत्तर—(D)

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में निरन्तर विकास कर रहा है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था मजबूती की राह पर है, इस संदर्भ में निजी क्षेत्र की भूमिका, चुनौतियाँ और सम्भावनाओं का विश्लेषण कीजिए.

●●●

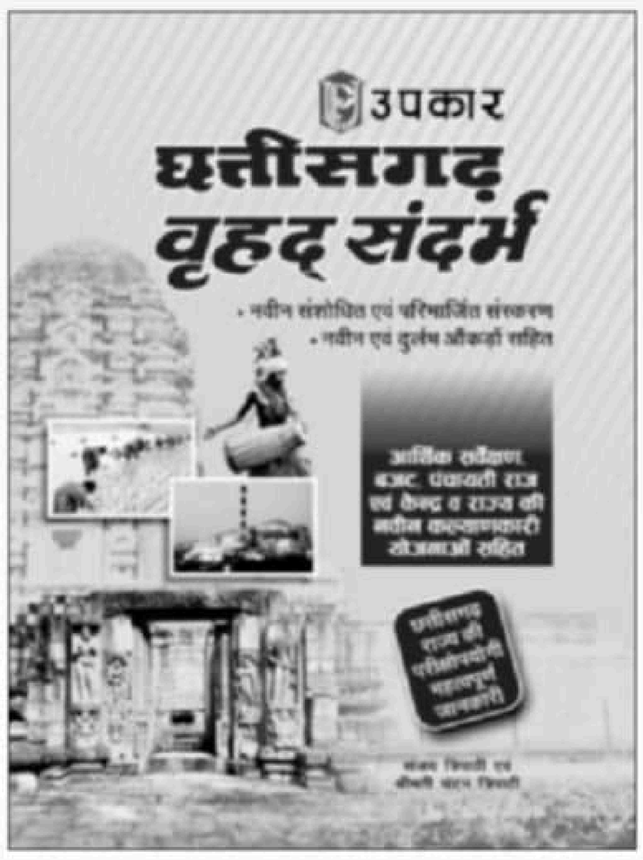
नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी



कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 415.00

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा
● E-mail : sales@upkar.in
● Website : www.upkar.in

जलवायु एवं पारिस्थितिकी तंत्र लेख

भारत में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को मुख्य धारा में लाना

—अमित यादव

"प्रकृति हर एक व्यक्ति की जरूरतों को पूरा तो कर सकती है, लेकिन उसके लालच को नहीं." —महात्मा गाँधी

पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन (ईबीए) जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और अनुकूलन उपायों को अपनाने का एक सतत् और प्राकृतिक समाधान प्रदान करता है. यह दृष्टिकोण न केवल पर्यावरणीय सन्तुलन को बनाए रखने में सहायक है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी लाभकारी सिद्ध होता है. भारत जैसे विविध जैव-भौगोलिक देश में, जहाँ जलवायु परिवर्तन के प्रभाव स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं, वहीं पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को मुख्य धारा में लाना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है.

भारत में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव, जैसे कि अधिक तीव्र और बार-बार होने वाली प्राकृतिक आपदाएं (बाढ़, सूखा, चक्रवात), जैव-विविधता का नुकसान तथा कृषि और जल संसाधनों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव, पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को एक आवश्यक नीति समाधान के रूप में प्रस्तुत करते हैं. भारत सरकार ने हाल ही में कई नीतिगत पहलें शुरू की हैं, जैसे कि जलवायु अनुकूलन योजनाएं, राष्ट्रीय जैव-विविधता कार्य योजना और संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित 'नेचर-बेस्ड सॉल्यूशंस' (NBS) के तहत् विभिन्न कार्यक्रम आदि.

चिन्तनीय जलवायवीय परिदृश्य

- जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा जारी अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, मानव गतिविधियों के कारण ग्लोबल वार्मिंग में 1·1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि ने जलवायु परिवर्तन को प्रेरित किया है.
- पहले से ही वैश्विक तापमान में 1·1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ जलवायु प्रणाली में परिवर्तन जो सदियों से सहस्राब्दियों तक अद्वितीय रहे हैं, के कारण अब दुनिया के प्रत्येक क्षेत्र में समुद्र के बढ़ते स्तर से लेकर अधिक चरम मौसम की घटनाएं एवं तेजी से बर्फ पिघलने की घटनाओं में देखी जा रही हैं.
- इस बात की 50% से अधिक सम्भावना है कि वर्ष 2021-40 के बीच वैश्विक तापमान वृद्धि 1·5 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाएगी या उससे अधिक भी हो सकती है. वर्तमान उच्च-उत्सर्जन स्तर को देखते हुए यह सीमा वर्ष 2037 तक ही पहुँच सकती है.
- जलवायु परिवर्तन से न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर, मानवीय गतिविधियों के कारण अधिकांश भू-भागों में भारी वर्षा की घटनाएं अधिक, लगातार और तीव्र हो गई हैं.
- ओडिशा देश के सबसे सक्रिय तटों में से एक है, जहाँ समुद्र का जल स्तर देश के बाकी हिस्सों के औसत से अधिक दर से बढ़ रहा है तथा यह भारत में सबसे अधिक चक्रवात-प्रवण राज्य भी है.
- वर्ष 2023 की 'ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स' रिपोर्ट के अनुसार, भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील देशों में शामिल है. देश में बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, समुद्र के बढ़ते स्तर और जैव-विविधता की हानि जैसी समस्याएं जलवायु परिवर्तन के गहरे प्रभावों को दर्शाती हैं.
- आईपीई ग्लोबल और ईएसआरआई-इंडिया के नवीनतम आकलन के अनुसार, पिछले दो दशकों में गुजरात के 80% से अधिक जिलों में भीषण बाढ़ की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि देखी गई है. पिछली शताब्दी में 0·6 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि का परिणाम है. बिहार, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और असम के कम-से-कम 60% जिले एक से अधिक चरम जलवायु घटनाओं के गवाह हैं.

भारत में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न पहलें

भारत में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन (ईबीए) कोई नई बात नहीं बल्कि प्राचीन काल से ही भारत पारिस्थितिकी तंत्र के विविध तत्वों के सन्तुलित उपयोग और संरक्षण पर बल देता आया है जिसकी निरन्तरता आगे के कालों में देखी जा सकती है. वेद, रामायण, महाभारत, शतपथ ब्राह्मण, अर्थशास्त्र, मनुस्मृति, बृहत संहिता, राजतरंगिणी जैसे प्राचीन भारतीय ग्रंथों ने वन एवं पारिस्थितिकी संरक्षण की अवधारणाओं को एक स्थायी तरीके से प्रतिबिम्बित किया, जैसे—भगवद गीता में, कृष्ण दुनिया की तुलना असीमित शाखाओं वाले एक एकल बरगद के पेड़ से करते हैं, जिस पर जानवरों, मनुष्यों और देवताओं की सभी प्रजातियाँ भटकती हैं, जो सामुदायिक पारिस्थितिकी की अवधारणा को दर्शाता है. बरगद और पीपल जैसे पेड़ों को अक्सर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (एशिया और अफ्रीका में व्यापक रूप से संरक्षित) में संदर्भित किया जाता था, जो कीस्टोन संसाधन हैं.

वर्तमान समय में भी भारत पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को बढ़ावा देने की ओर उन्मुख है. इस सन्दर्भ में सरकार द्वारा कई नीतियाँ और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है, परन्तु अभी भी इस दिशा में लम्बा सफर तय करना है.

जलवायु परिवर्तन के लिए 'राष्ट्रीय अनुकूलन निधि' (NAFCC), 'राज्य जलवायु अनुकूलन योजना' (SAPCC) और 'ग्रीन इंडिया मिशन' जैसी योजनाएं पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई हैं. इसके अतिरिक्त, 'राष्ट्रीय जैव-विविधता कार्य योजना' और 'नेचर-बेस्ड सॉल्यूशंस' (NBS) को भी जलवायु अनुकूलन रणनीतियों में शामिल किया गया है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सके.

- वर्ष 2008 में राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (NAPCC) के तहत् 8 मिशन शुरू किए गए, जिनमें से कुछ ईबीए से जुड़े हैं. हरित भारत मिशन, राष्ट्रीय जल मिशन और तटीय संरक्षण कार्यक्रम इसके उदाहरण हैं.
- सतत् कृषि और जैव-विविधता संरक्षण के लिए जीरो-बजट नैचुरल फार्मिंग (ZBNF), मिश्रित फसल प्रणाली और वन संरक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गए हैं.
- जल संसाधनों का प्रबन्धन के लिए जल संचयन और संवर्धन योजनाएं, जैसे कि 'जल जीवन मिशन' और 'अटल भूजल योजना'.
- शहरी योजनाओं में हरित बुनियादी ढाँचे का समावेश के लिए शहरों में जलवायु-स्मार्ट पार्क, हरित छतें और जल निकायों का पुनरुद्धार किया गया है.

भावी अवसर

- **पर्यावरणीय लाभ**—पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित उपाय जैसे मैंग्रोव संरक्षण

और पारम्परिक जल प्रबन्धन प्रणालियाँ प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करते हैं.

- **आर्थिक विकास**—इको-टूरिज्म, हरित रोजगार और कृषि उत्पादकता में वृद्धि के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है.
- **सामाजिक समावेश**—समुदाय-आधारित संरक्षण पहलें स्थानीय समुदायों को लाभान्वित करती हैं तथा इस क्षेत्र में समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित करती है.
- **वैश्विक सहयोग और वित्तीय सहायता**—अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों और जलवायु वित्त पोषण से संसाधन जुटाने में मदद मिलती है. भारत ने ग्रीन क्लाइमेट फण्ड (GCF) और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से EbA परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त की है.

समक्ष चुनौतियाँ

- **नीति और कार्यान्वयन में समन्वय की कमी**—विभिन्न सरकारी विभागों में तालमेल का अभाव है, जो इस समस्या को और जटिल बनाता है.
- **अल्पकालिक आर्थिक हितों की प्राथमिकता**—दीर्घकालिक पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण के बजाए तात्कालिक आर्थिक लाभों को अधिक महत्व दिया जाता है, जो इन मुद्दों के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है.
- **जागरूकता और अनुसंधान की कमी**—पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित उपायों की प्रभावशीलता पर सीमित अनुसंधान और जानकारी के कारण सन्तुलित नीति कार्यान्वयन प्रभावित होता है.
- **निजी क्षेत्र की भागीदारी का अभाव**—निजी क्षेत्र में हरित निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता, ताकि समन्वित प्रयासों से इसके कारण होने वाली क्षति को कम किया जा सके.

अन्तर्सम्बन्धित मुद्दे

- **सतत् विकास लक्ष्य (SDGs)**—ईबीए को SDG 13 (जलवायु कार्रवाई) और SDG 15 (स्थलीय जीवन) से जोड़ा जा सकता है.
- **आर्थिक विकास**—ईबीए परियोजनाएं रोजगार के अवसर पैदा कर सकती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकती हैं.
- **सामाजिक समानता**—ईबीए गरीब और वंचित समुदायों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाने में मदद कर सकता है.

सुझाव

- **नीतिगत सुधार और समन्वय**—ईबीए को राष्ट्रीय और राज्य स्तर की विकास नीतियों में एकीकृत करना.
- **स्थानीय समुदायों की भागीदारी**—समुदाय-आधारित संरक्षण मॉडल को अपनाना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाना.
- **वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार**—जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने हेतु अनुसंधान को बढ़ावा देना.
- **निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का सहयोग**—हरित ब्रांड और सतत् निवेश को प्रोत्साहित करना.
- **शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ईबीए का प्रसार**—हरित बुनियादी ढाँचे का विकास और पारम्परिक कृषि पद्धतियों का समर्थन.

निष्कर्ष

भारत में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन को मुख्यधारा में लाना न केवल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायक होगा, बल्कि यह सामाजिक-आर्थिक विकास और पारिस्थितिकीय स्थिरता को भी बढ़ावा देगा. इसके लिए समन्वित नीति प्रयासों, वैज्ञानिक अनुसंधान, निजी निवेश, और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है. यदि इन पहलुओं पर ध्यान दिया जाए, तो भारत जलवायु परिवर्तन के खतरों से प्रभावी रूप से निपटने और सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में सक्षम होगा.

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन (ईबीए) जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए प्राकृतिक और गैर-प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है.
2. भारत में इसे मुख्य धारा में लाने के लिए नीतिगत और वित्तीय चुनौतियाँ हैं.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर—(B)

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन केवल पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है तथा सामाजिक और आर्थिक लाभों को नजरअंदाज करता है.
2. भारत में इसके लिए समन्वित नीति प्रयासों, वैज्ञानिक अनुसंधान, निजी निवेश और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है.
2. पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित उपाय जैसे—मैंग्रोव संरक्षण और पारम्परिक जल-प्रबन्धन प्रणालियाँ आदि इसमें सहायक हैं.

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल एक कथन
(B) केवल दो कथन
(C) उपर्युक्त सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर—(C)

मुख्य परीक्षा लिए के लिए अभ्यास प्रश्न

1. यदि समय रहते सतत् रूप से पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन ईबीए, नीतियों के कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाए तो यह पर्यावरणीय चरम दशाओं से होने वाली क्षति को सीमित करने में मददगार हो सकता हैं, अन्यथा भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक समुदाय को भी इसके और भीषण परिणाम झेलने होंगे, आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए.

●●●

प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण लेख

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और पर्यावरणीय प्रभाव

—रवि सिंह

एआई में पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों से निपटने में महत्वपूर्ण रूप से मदद करने की क्षमता है, बावजूद इसके अनेक विशेषज्ञों ने एआई जीवन चक्र के पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की और इनका शमन करने के उपायों का सुझाव दिया.

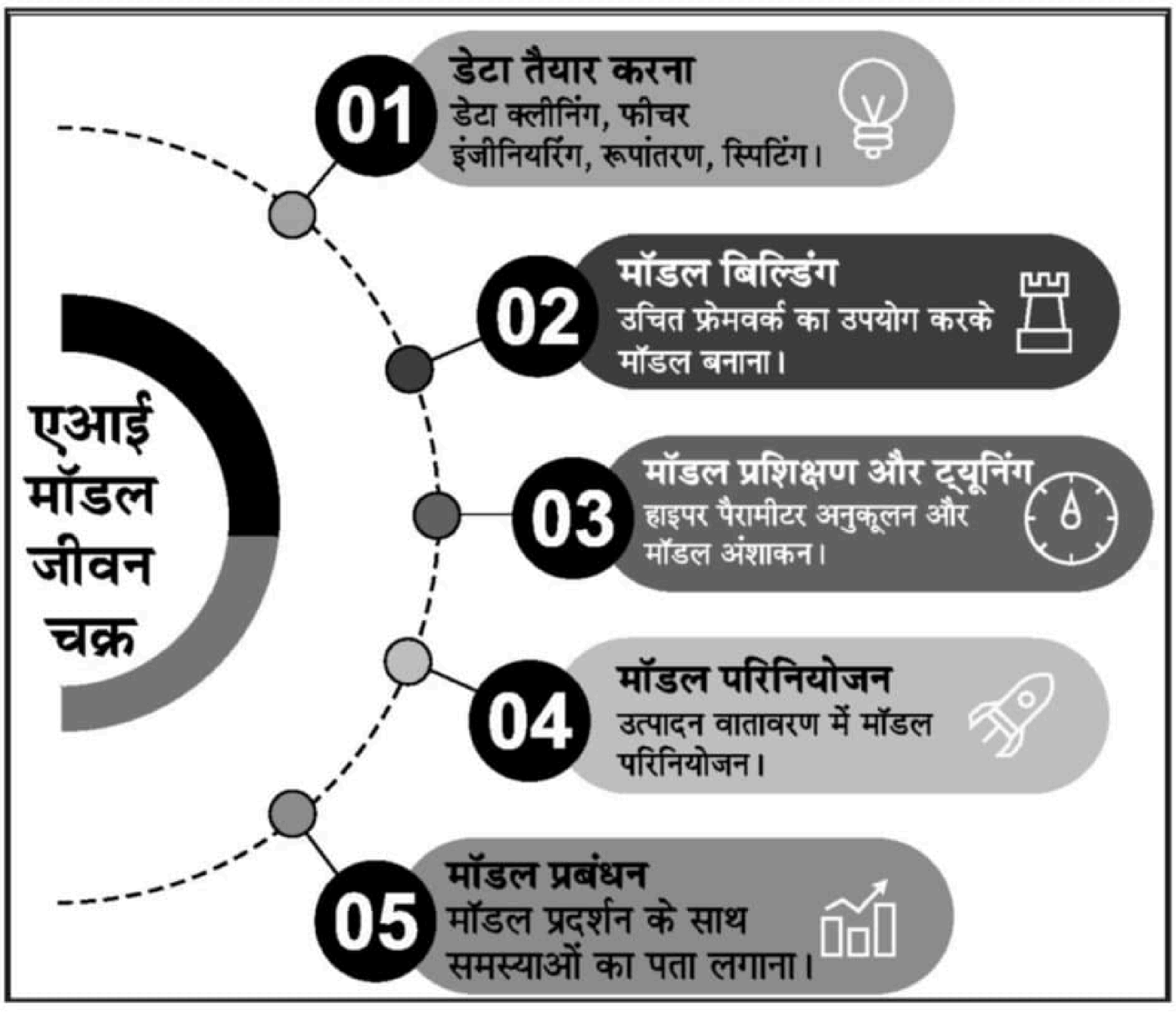
कृत्रिम बुद्धिमत्ता

परिचय—कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों का एक समूह है जो मशीनों/कम्प्यूटरों को कई तरह के उन्नत कार्य करने में सक्षम बनाता है, जिसमें बोली जाने वाली और लिखी गई भाषा को देखने, समझने और अनुवाद करने, डेटा का विश्लेषण करने, सिफारिशें करने, तर्कणा, समस्या-समाधान, अवबोधन और निर्णयन करने की क्षमता शामिल है. एआई आधुनिक कम्प्यूटिंग में नवा. चार की रीढ़ है, जो व्यक्तियों और व्यवसायों के महत्त्व को बढ़ता है.

- **एआई बाजार**—हालिया बाजार रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) बाजार का वर्तमान मूल्य लगभग 233 बिलियन डॉलर है और वर्ष 2032 तक 1·77 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो लगभग 29·2% की सीएजीआर के साथ पर्याप्त विकास दर दर्शाता है.
- **भारत की पहल**—भारत अगले कुछ महीनों में ओपन ए आई के चैटजीपीटी गूगल के जेमिनी और चीन के डीपसीक आर 1 की तर्ज पर आधारभूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल लॉन्च करके वैश्विक एआई दौड़ में शामिल होने के लिए तैयार है.
- **एआई जीवन चक्र**—यह एआई सिस्टम विकसित करने, तैनात करने और नियोजन करने और अनुरक्षण करने की प्रक्रिया है. इसमें डेटा संग्रह, मॉडल प्रशिक्षण और तैनाती सहित कई चरण शामिल हैं.

एआई डेटा सेन्टर क्या है ?

एआई डेटा सेन्टर या तो एक अत्याधुनिक सुविधा हो सकती है जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कार्यभार की गहन कम्प्यूटेशनल माँगों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है जो एआई मॉडल प्रसंस्करण और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक कम्प्यूटिंग शक्ति, भण्डारण और नेटवर्किंग प्रदान करता है.



एआई डेटा सेन्टर की विशेषताओं में ये शामिल हो सकते हैं—

- **उच्च घनत्व वाली तैनाती**—एआई डेटा सेन्टर को प्रति रैक 50 kW तक की बिजली की आवश्यकता को पूरा करने की आवश्यकता हो सकती है.
- **अभिनव शीतलन समाधान**—एआई कार्यभार द्वारा उत्पन्न गर्मी की मात्रा के लिए पारम्परिक वायु शीतलन अपर्याप्त है. तरल शीतलन गर्मी को कुशलतापूर्वक हटाने के लिए एक अधिक आकर्षक विकल्प बन रहा है.
- **उन्नत नेटवर्किंग अवसंरचना**— एआई कार्यभार समानांतर प्रसंस्करण पर बहुत अधिक निर्भर करता है जिसके लिए GPU क्लस्टर के भीतर और रैक के बीच मजबूत केबलिंग अवसंरचना की आवश्यकता होती है.
- **आधुनिक डेटा सेन्टर प्रबंधन उपकरण**—मैन्युअल स्प्रेडशीट और आरेख अतीत की बात हो जाएगी, क्योंकि डेटा सेन्टर प्रबंधक आधुनिक डेटा सेन्टर इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट (DCIM) सॉफ्टवेयर पर स्विच करना जारी रखेंगे.
- **सुव्यवस्थित संचालन और कार्यबल अनुकूलन**—एआई-संचालित समाधानों में विभिन्न कार्यों को स्वचालित करके कौशल की कमी की उद्योग चुनौती को सम्बोधित करने की क्षमता है.

पर्यावरण पर एआई का प्रभाव

एआई अपनी उच्च ऊर्जा खपत के कारण पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है, जो मुख्य रूप से एआई सिस्टम को पावर देने वाले डेटा सेन्टर से आती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होती है, कूलिंग के लिए पानी का उपयोग होता है, और हार्डवेयर निपटान से इलेक्ट्रॉनिक कचरे का उत्पादन होता है;

एआई के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में मुख्य बिंदु—

- **डेटा सेन्टर पानी का उपयोग**—डेटा सेन्टर निर्माण के दौरान और एक बार चालू होने के बाद, बिजली के घटकों को ठण्डा करने के लिए पानी का उपयोग करते हैं. वैश्विक स्तर पर, एआई से सम्बन्धित बुनियादी ढाँचा जल्द ही डेनमार्क, जिसकी जनसंख्या 6 मिलियन है, की तुलना में छह गुना अधिक पानी की खपत कर सकता है. यह एक समस्या है जब मानवता के एक चौथाई हिस्से के पास पहले से ही स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुँच नहीं है.

- **इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उत्पादन**—एआई तकनीक के तेजी से विकास से हार्डवेयर की उच्च टर्नओवर दर होती है, जिसके परिणाम-स्वरूप पुराने उपकरणों को त्यागने पर भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसमें अक्सर पारा और सीसा जैसे खतरनाक पदार्थ होते हैं.
- **दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के लिए खनन**—अधिकांश बड़े पैमाने पर एआई परिनियोजन डेटा केन्द्रों में रखे जाते हैं, जिनमें क्लाउड सेवा प्रदाताओं द्वारा संचालित डेटा केन्द्र भी शामिल हैं. ये डेटा केन्द्र ग्रह पर भारी नुकसान पहुँचा सकते हैं. न्यू होराइजन्स के अनुसार, एआई को शक्ति देने वाले माइक्रोचिप्स को दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की आवश्यकता होती है, जिन्हें अक्सर पर्यावरण के लिए विनाशकारी तरीकों से खनन किया जाता है.
- **उच्च ऊर्जा खपत**—अंत में, अपने जटिल इलेक्ट्रॉनिक्स को चलाने के लिए, एआई तकनीक को होस्ट करने वाले डेटा केन्द्रों को बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जो कि अधिकांश स्थानों पर अभी भी जीवाश्म ईंधन के जलने से आती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ने से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होगी. अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार चैटजीपीटी, Google सर्च की तुलना में 10 गुना अधिक बिजली की खपत करता है. जबकि वैश्विक डेटा विरल है, एजेंसी का अनुमान है कि आयरलैंड के टेक हब में, एआई के उदय से वर्ष 2026 तक देश के ऊर्जा उपयोग का लगभग 35 प्रतिशत डेटा केन्द्रों द्वारा उपयोग किया जा सकता है.

प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव

- ड्राइवरलेस ऑटोमोबाइल और डिलीवरी ड्रोन जैसे एआई अनुप्रयोग जानवरों और प्राकृतिक वातावरण के लिए खतरा पैदा करते हैं.
- कृषि में एआई के बढ़ते उपयोग के परिणाम-स्वरूप कीटनाशकों और उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग हो सकता है, जिससे मिट्टी और पानी दूषित हो सकता है और जैव विविधता को नुकसान पहुँच सकता है.
- पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखने की कीमत पर पैदावार बढ़ाने के लिए कृषि पद्धतियों में एआई को लागू करने से मोनोकल्चर और जैव विविधता का नुकसान हो सकता है.

एआई के पर्यावरणीय प्रभावों को रोकने के लिए की गई पहलें—

UNFCCC का COP–29

- **हरित एआई पर ध्यान केन्द्रित**—अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ ने COP-29 के दौरान हरित एआई प्रथाओं को अपनाने की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला.
- **विकासशील देशों के लिए क्षमता निर्माण**—UNFCCC की प्रौद्योगिकी कार्यकारी समिति (TEC) और जलवायु प्रौद्योगिकी केन्द्र नेटवर्क (CTCN) ने विकासशील देशों को जलवायु कार्रवाई के लिए एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के तरीके के बारे में शिक्षित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए.
- **एआई इनोवेशन ग्रैंड चैलेंज**—COP-29 ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के उद्देश्य से अभिनव एआई समाधानों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रतियोगिता शुरू की.
- **तकनीकी क्षेत्र के साथ सहयोग**—UNFCCC ने टिकाऊ एआई समाधान विकसित करने और लागू करने के लिए तकनीकी कम्पनियों और जलवायु संगठनों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित किया.
- **डिजिटलीकरण घोषणा**—सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र के भीतर जलवायु-सकारात्मक डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उत्सर्जन को कम करने के लिए COP-29 में "हरित डिजिटल कार्रवाई घोषणा" को अपनाया गया.

एआई एक्शन समिट

भारत के साथ सह-अध्यक्षता में 10 और 11 फरवरी, 2025 को पेरिस के ग्रैंड पैलेस में आयोजित हुई एआई एक्शन समिट का उद्देश्य सामूहिक प्रगति और जनहित में काम करने वाले अधिक टिकाऊ एआई के लिए सामूहिक रूप से वैज्ञानिक नींव, समाधान और मानक स्थापित करना है.

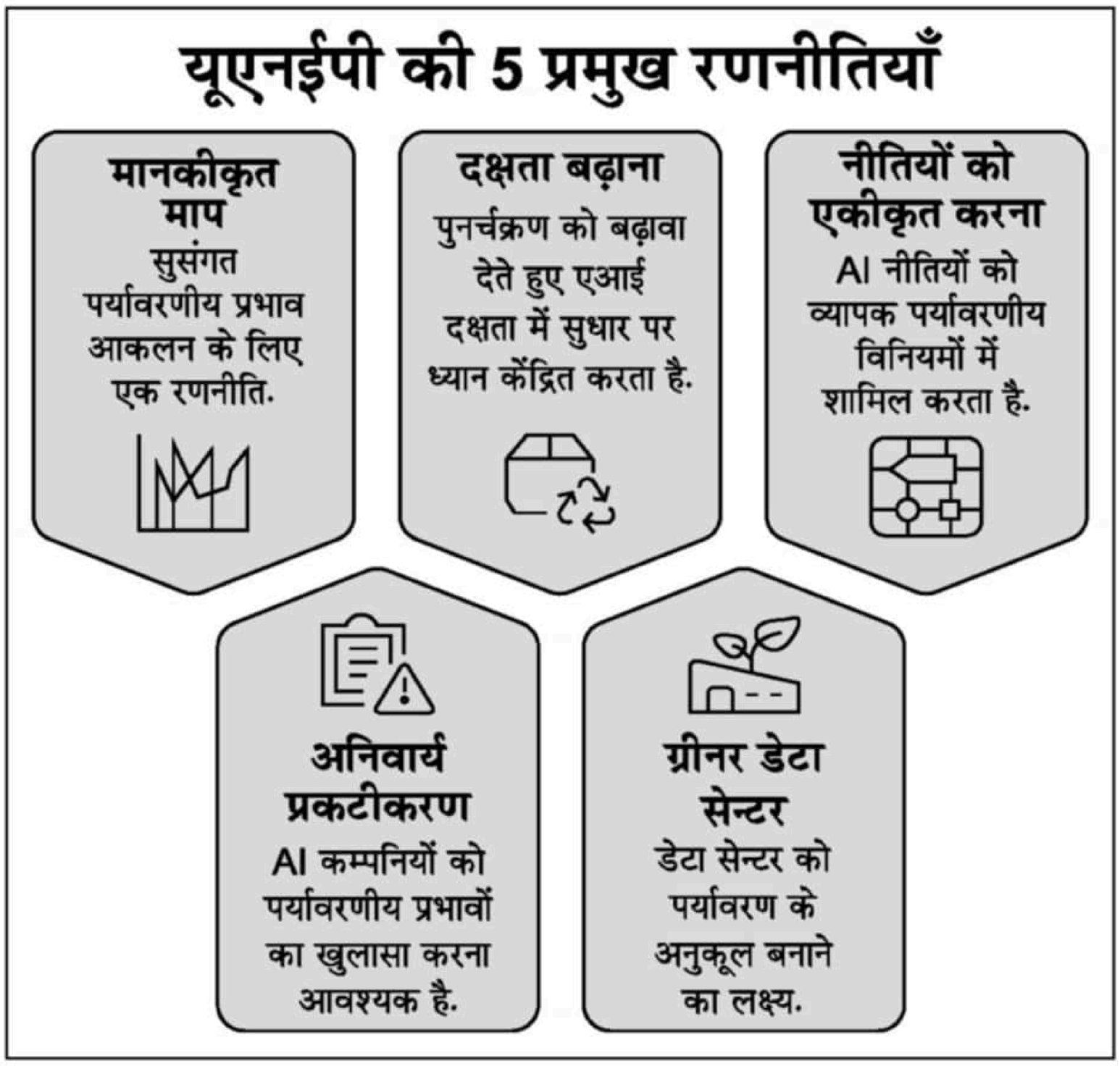
इस समिट में प्रतिभागी तीन प्रमुख उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे—

- उपयोगकर्ताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को स्वतंत्र, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई तक पहुँच प्रदान करना.
- ऐसी एआई विकसित करना जो पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल हो.
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वैश्विक शासन सुनिश्चित करना जो प्रभावी और समावेशी दोनों हो.

UNEP की सिफारिशें—UNEP ने एआई के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पाँच प्रमुख रणनीतियाँ प्रस्तावित की हैं—

यूनेस्को की वैश्विक एआई नैतिकता और शासन वेधशाला

वैश्विक एआई नैतिकता और शासन वेधशाला का उद्देश्य नीति निर्माताओं, नियामकों, शिक्षाविदों, निजी क्षेत्र और नागरिक



समाज के लिए एक वैश्विक संसाधन प्रदान करना है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा उत्पन्न सबसे अधिक दबाव वाली चुनौतियों का समाधान खोजा जा सके.

- वेधशाला देशों द्वारा एआई को नैतिक और जिम्मेदारी से अपनाने की तत्परता के बारे में जानकारी प्रदर्शित करती है.
- यह एआई नैतिकता और शासन प्रयोगशाला की भी मेजबानी करता है, जो योगदान, प्रभावशाली शोध, टूलकिट और अच्छे अभ्यासों को एकत्रित करता है.

वैश्विक विधायी कार्यवाहियाँ

- अमेरिका द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों को काम करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर्यावरण प्रभाव अधिनियम 2024 पारित किया है जो एआई प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में एक सक्रिय कदम है. विधेयक का उद्देश्य एआई क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक अध्ययन, एक संघ का गठन और एक स्वैच्छिक रिपोर्टिंग प्रणाली की स्थापना करना है.
- एआई के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और सतत् प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए यूरोपीय संघ ने यूरोपीय संघ एआई अधिनियम, 2024 पारित किया है.

आगे की राह

- **नवीकरणीय ऊर्जा**—कम्पनियों को डेटा केन्द्रों के लिए जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए. कार्बन क्रेडिट खरीदने से उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सकती है. एआई का उपयोग कर नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड की दक्षता को बढ़ाया जा सकता है.
- **ऊर्जा–कुशल मॉडल**—छोटे, डोमेन-विशिष्ट एआई मॉडल, अनुकूलित एल्गोरिदम, विशेष हार्डवेयर और ऊर्जा-कुशल क्लाउड डेटा केन्द्र के उपयोग से कार्बन फुटप्रिंट को 100 से 1000 गुना तक कम किया जा सकता है.
- **पारदर्शिता और जवाबदेही**—सभी संगठनों को पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने, एआई उत्सर्जन पर नजर रखने और स्पष्ट स्थिरता रिपोर्टिंग के लिए मानकीकृत ढाँचे की स्थापना की आवश्यकता है.

निष्कर्ष

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग में विभिन्न क्षेत्रों में हमारे भविष्य को आकार देने की क्षमता है, लेकिन इसके व्यापक सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर विचार करना भी महत्वपूर्ण है. इसके पर्यावरणीय प्रभावों को समझने और कम करने के लिए ठोस कदम उठाकर, एआई को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है साथ ही पर्यावरण संरक्षण उपायों को बढ़ावा देने से तेजी से हो रहे तकनीकी विकास के सामने लोगों और पर्यावरण दोनों के भविष्य की रक्षा हो सकती है.

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

प्रश्न–कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव जीवन के दैनिक कार्यों को आसान बना रहा है, वहीं इसके बढ़ते उपयोग से पर्यावरण पर संकट के बादल भी गहरे हो गए हैं जो वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करें. (250 शब्दों में)

●●●

शेष पृष्ठ 91 का

जानवरों पर भारी कोट और जूते पहने सवार दिखाए गए हैं.

- कमल और अंगूर की लताओं के चित्रों से खूबसूरत अलंकरण किया गया है.
- जंगल के जानवरों का इस रूप में चित्रण किया गया है मानों सबके सब बुद्ध की स्तुति करने आए हैं.

भरहुत स्तूप

- यह स्तूप मध्य प्रदेश में सतना से 21 किमी की दूरी पर स्थित है. मुख्य स्तूप का ढाँचा अब नहीं बचा है. इस स्तूप के अवशेषों को भारतीय. संग्रहालय, कलकत्ता और अन्य संग्रहालयों में रखा गया है.



- पत्थर के बने प्रवेश द्वार या तोरण, जिन्हें लकड़ी के प्रवेश द्वारों के तर्ज पर बनाया गया है, यहाँ की प्रमुख विशेषता है.

अमरावती

- गुंटुर से 46 किमी दूर स्थित यह स्तूप संगमरमर का बना हुआ है. हालाँकि, यह स्तूप पूरी तरह नष्ट हो चुका है, परन्तु इसके अवशेष मद्रास और ब्रिटिश संग्रहालय में सुरक्षित रखे हुए हैं.
- इस बृहदाकार स्तूप का वृत्त 42 मीटर और ऊँचाई 29 मीटर था. स्तूप के प्रवेश द्वार (तोरण) और वेदिका पर चार सिंह बने हुए हैं खम्भों पर कमल भी उकेरा गया है.
- अमरावती स्तूप पर अनेक प्रकार के चित्र भी मिलते हैं. बुद्ध को कई प्रतीकों के माध्यम से चित्रित किया गया है, परन्तु पहली शताब्दी ई. से प्रतीक के साथ-साथ बुद्ध के चित्र भी मिलने लगते हैं.

नागार्जुनकोंडा स्तूप

- नागार्जुनकोंडा स्तूप उत्तर भारत से भिन्न शैली में बना हुआ है. इसमें दो गोलाकार दीवारें हैं, एक अंदर की ओर एक बाहरी किनारे पर, दोनों पतली दीवारों से जुड़ी हुई हैं और बीच का हिस्सा मिट्टी या छोटे पत्थरों और ईंट के टुकड़ों से भरा गया था.
- इस स्तूप का महत्व यहाँ की दीवारों पर बुद्ध के जीवन के चित्रण को लेकर है. यहाँ के सबसे महत्वपूर्ण दृश्य इस प्रकार हैं–पृथ्वी पर जन्म लेने के लिए बोधिसत्व की प्रार्थना करते देवता; उजले हाथी के रूप में गर्भ में प्रवेश करते बुद्ध; फूलों से अच्छादित सागौन के पेड़ के नीचे बुद्ध का जन्म, आदि.

तक्षशिला

- तक्षशिला (अब पाकिस्तान में) और उसके आसपास हुई खुदाई में कई स्तूप प्राप्त हुए हैं. सर जान मार्शल ने तक्षशिला में चीरा-नोप स्तूप की खुदाई की. यह पत्थर का बना है और यह बोधिसत्व के चित्रों से अलंकृत है.
- 1980 की हुई खुदाई में पेशावर के निकट शाहजी की ढेरी के निकट एक स्तूप का पता चला. इस स्तूप का निर्माण कनिष्क ने करवाया था और इसका वर्णन फाह्यान ने भी किया है. इसकी वस्तुकला और अन्य शिल्प गांधार शैली के अनुरूप हैं.

●●●



सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. पकी हुई ईंटों का विशिष्ट प्रयोग किस प्राचीन सभ्यता की अनन्य विशेषता है ? ***–हड़प्पा सभ्यता***
2. पुरातात्विक स्थल बुर्जहोम, सराह खोला, कुरनुल और अत्तिरामपक्कम का सही क्रम है ? ***–उत्तर से दक्षिण की ओर***
3. सम्राट अशोक के अभिलेखों में प्रमुख यूनानी राजाओं का उल्लेख मिलता है ? ***–एंटिओकस (सीरिया), टॉलेमी II (मिस्र) और एंटिगोनस (मैसेडोनिया)***
4. किस राजा ने 155 ई. पू. में तमिल राज्यों के संघ को समाप्त कर दिया था ? ***–राजा खारवेल***
5. किस प्राचीन सभ्यता में लहसुन का प्राचीनतम प्रमाण मिलता है ? ***–हड़प्पा सभ्यता***
6. किस चोल राजा ने मालदीव पर विजय प्राप्त की थी ? ***–राजराज***
7. किस राजा ने कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण करवाया था ? ***–नरसिम्हावर्मन II***
8. प्रसिद्ध भ्रमण पुस्तक 'रिहला' का लेखक कौन था ? ***–इब्नबतूता***
9. रूपा भवानी, अक्का महादेवी, जनाबाई और बहिणाबाई में कौन कश्मीर घाटी की भक्ति काल की कवयित्री थी? ***–रूपा भवानी***
10. यह भाषा हिब्रू और अरबी से सम्बन्धित है, साथ ही इसका प्रयोग अशोक के शिलालेख में भी हुआ है ? ***–आरमेइक***

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. यह प्रथम राष्ट्रीय गतिविधि थी, जिसमें बड़ी मात्रा में महिलाओं ने भाग लिया था ? ***–दाण्डी यात्रा***
12. किस संगठन ने मूर्ति-पूजा व जाति के वंशानुगत अंतरण का समर्थन नहीं किया था ? ***–आर्य समाज***
13. वायकोम आंदोलन किस मुद्दे से सम्बन्धित था ? ***–केरल में मंदिर में प्रवेश के लिए संघर्ष***
14. ज्योतिबा फुले द्वारा प्रारम्भ संस्था का नाम था ? ***–सत्यशोधक समाज***
15. रंपा विद्रोह, नागा आंदोलन, हेरका आंदोलन और संथाल विद्रोह के प्रमुख नेताओं के नाम हैं ? ***–क्रमशः अल्लारी सीताराम राजू, एच. जदोनांग, रानी गाइदिन्ल्यू, सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू***
16. वर्ष 1876 के इंडियन एसोसिएशन का नेतृत्व किसने किया था ? ***–सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस ने***
17. अखिल भारतीय हिन्दू महासभा का प्रथम सत्र कब आयोजित किया गया था ? ***–1922 ई.***
18. शरबेसी किराया को 26 प्रतिशत घटाना, अबवाब को गैर-कानूनी घोषित करना व किसानों पर लगाए जाने वाले अर्थदण्ड तवान को समाप्त करना किस आंदोलन के परिणाम थे ? ***–चंपारण सत्याग्रह (1917 ई.)***
19. गदर पार्टी के सचिव लाला हरदयाल के बाद कौन इसका सचिव बना ? ***–संतोख सिंह***
20. 1917 ई. में विमेन्स इंडियन एसोसिएशन के गठन में अग्रणी भूमिका निभाई थी. ***–मार्गरेट कजिंस***

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. स्थानीय स्वशासन से सम्बन्धित संविधान संशोधन है. ***–73वाँ संविधान संशोधन, 1992***
22. सर्वाधिक मत से जीत की पद्धति, मूल अधिकारों का चार्टर, अवशिष्ट शक्तियाँ और राज्य के नीति निदेशक तत्व किन देशों के संविधान से लिए गए प्रावधान हैं ? ***–क्रमशः ब्रिटिश, अमेरिका, कनाडा व आयरिश***
23. किस अनुच्छेद के अन्तर्गत सम्पत्ति का अधिकार एक सांविधानिक अधिकार है ? ***–अनुच्छेद 300 A***
24. भारत के राष्ट्रपति के रूप में सबसे कम अवधि के लिए किसने सेवा की ? ***–डॉ. जाकिर हुसैन***
25. किसी संसद द्वारा किसी मंत्रालय से मौखिक उत्तर के लिए किए गए प्रश्न का प्रकार होता है ? ***–तारांकित प्रश्न***
26. संसद की कौनसी समिति धन विधेयक की जाँच के लिए अधिकृत है ? ***–प्राक्कलन समिति***
27. प्राक्कलन समिति का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है ? ***–5 वर्ष***
28. संसद की लोक लेखा समिति के सदस्यों की पदावधि कितनी होती है ? ***–1 वर्ष***
29. भारत का उच्चतम न्यायालय भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अधीन सलाहकार अधिकारिता का प्रयोग करता है ? ***–अनुच्छेद 143***
30. राष्ट्रपति शासन के अधीन किसी राज्य के बजट को पारित करने की प्रक्रिया होती है ? ***–संघ सरकार के बजट पारित करने की प्रक्रिया के समान***

पर्यावरण एवं जैव विविधता

31. कौनसा राष्ट्रीय उद्यान, रामसर कन्वेंशन के अधीन रक्षित वॉटर-फाउल आवास का एक उदाहरण है ? ***–केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान***
32. कोपेन के जलवायु प्रकार के अनुसार भारत के पश्चिमी तट और कोरोमण्डल तट पर कैसी जलवायु पाई जाती है ? ***–As और Amw प्रकार की***
33. जीवों का समूह, जो एक सही खाद्य शृंखला बनाता है. ***–घास-बकरी-मनुष्य***
34. केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण का गठन किस अधिनियम के तहत् किया गया था ? ***–पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986***
35. यह गलत धारणा फैलाना कि कम्पनी के उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित हैं, कहलाता है. ***–ग्रीनवाशिंग***
36. किसकी अधिकता के कारण अम्लीय वर्षा होती है ? ***–नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड***
37. होकरसर आर्द्रभूमि कहाँ अवस्थित है ? ***–श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)***
38. यह उन अग्रणी कम्पनियों का समूह है, जो उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को पूरा करते हुए ऊर्जा दक्षता में नवाचार लाने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. ***–ईपी 100***

39. अल्फाल्फा, चना और तिपतिया घास कैसे पौधों के उदाहरण हैं ?
–नाइट्रोजन फिक्सिंग पौधे

40. महासागरों और तटीय पारिस्थितिकी तंत्रों द्वारा ग्रहण किया गया कार्बन कहलाता है. ***–ब्लू कार्बन***

भारत एवं विश्व का भूगोल

41. सिंधु जल संधि, 1960 के सन्दर्भ में किस नदी का जल भारत को केवल उसी के उपयोग के लिए आबंटित नहीं किया गया था ?
–चिनाब

42. भूकम्प के समय भूतल पर वह बिन्दु जो उद्गम-केन्द्र (फोकस) के समीपतम होता है, कहलाता है ? ***–अधिकेन्द्र (एपिसेंटर)***

43. पृथ्वी पर 'सूर्यातप' में होने वाली भिन्नता के लिए प्रमुख कारक है ? ***–पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना, दिन की अवधि और सूर्य की किरणों का नति-कोण***

44. प्लेट विर्वतनिकी के सन्दर्भ में सबडक्शन जोन किन प्लेट सीमाओं से सम्बद्ध है ? ***–अभिसरण सीमाएं***

45. पृथ्वी के भू-वैज्ञानिक काल मापक्रम में 'कल्पों' का सही कालानुक्रम है ? ***–कैम्ब्रियन–डेवोनियन–कार्बोनिफेरस–क्रीटेशियस***

46. यह मैग्मा का मुख्य स्रोत है, जो ज्वालामुखी उद्गार के दौरान पृथ्वी की सतह तक पहुँचने के लिए अपना मार्ग ढूँढ़ लेता है ?
–दुर्बलता मण्डल (एस्थोनोस्फीयर)

47. मृदा रचना में कौनसे मूल कारक सम्मिलित हैं ?
–जलवायु, जैविक क्रियाकलाप और समय

48. शीत महासागरीय धारा के प्रमुख उदाहरण हैं.
–बेंगुएला, कैनेरी व फॉकलैण्ड धारा

49. कुरोशियो धारा अपनी प्रकृति में है. ***–गर्म जलधारा***

50. विस्तृत महाद्वीपीय शेल्फों पर ज्वारीय उभार होते हैं.
–अधिक ऊँचाई वाले

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. भारत, चीन, रूस और बांग्लादेश में कौन न्यू डेवलपमेंट बैंक का संस्थापक सदस्य नहीं है ? ***–बांग्लादेश***

52. इसे 1993 में सेबी द्वारा मान्यता दी गई और इसने 1994 में अपना प्रचालन प्रारम्भ किया ?***–राष्ट्रीय शेयर बाजार (NSE)***

53. बीमा पैठ (पेनिट्रेशन) को किस रूप में मापा जाता है ?
–जीडीपी में बीमा प्रीमियम का प्रतिशत

54. राजकोषीय घाटे में से ब्याज भुगतान को घटाकर किसकी गणना की जाती है ? ***–प्राथमिक घाटा***

55. ब्रिकवर्क रेटिंग्स एजेंसी है. ***–भारतीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी***

56. भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को किसके द्वारा विनियमित किया जाता है ?***–भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा***

57. भारत में मुद्रास्फीति को नियंत्रित करके मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है ? ***–भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)***

58. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ? ***–केन्द्र सरकार द्वारा***

59. आवास ऋण, क्रेडिट कार्ड पर बकाया राशि और ट्रेजरी बिल कैसे ऋणों में शामिल हैं ? ***–गैर-वित्तीय ऋण***

60. गोल्ड ट्रांच से तात्पर्य है. ***–IMF द्वारा अपने सदस्यों को दी गई ऋण प्रणाली***

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

61. उच्च तारत्व ध्वनि में कैसी आवृत्ति होती है ? ***–उच्च आवृत्ति***

62. कोयला आधारित विद्युत संयन्त्र उत्तर प्रदेश में अवस्थित है ?
–दादरी और सिंगरौली

63. ग्राफीन, टैल्क, काँच और बालू में से किसका उपयोग भारी उद्योगों में स्नेहक (lubricant) के रूप में नहीं किया जाता है ? ***–काँच***

64. किसे 'विटामिन चिकित्सा का जनक' माना जाता है ?
–कासिमिर फंक

65. Na, K, Ca और Mg में कौन सर्वाधिक अभिक्रियाशील धातु है ? ***–K***

66. पक्षियों के पंख और कीटों के पंख कैसे अंग का उदाहरण है ?
–समवृत्ति अंग (Analogous organs)

67. भूकम्प की तीव्रता (Magnitude) को किसके द्वारा मापते हैं ?
–रिक्टर स्केल

68. सोडियम लैम्प से दृश्य प्रकाश का स्पेक्ट्रम होता है ?***–एकवर्णी***

69. खगोलीय दूरियों को किसमें मापा जाता है ? ***–प्रकाश वर्ष में***

70. वायुमण्डल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती सांद्रता के कारण पौधों में वृद्धि किसका उदाहरण है ? ***–कार्बन निषेचन***

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

71. 'द कंडीशन्स ऑफ लर्निंग' पुस्तक के लेखक हैं ?
–आर. एम. गेने

72. यदि कक्षा में एक शिक्षक छात्र को समस्यात्मक बालक के रूप में पाता है, तो उसे ***–बच्चे को परामर्श देना चाहिए***

73. शिक्षा में अवरोधन का तात्पर्य है ? ***–किसी बालक का एक वर्ष से अधिक समय तक एक ही कक्षा में रहना***

74. बहुविमात्मक प्रज्ञा (Multiple intelligence) का सिद्धान्त किसने दिया था ? ***–हॉवर्ड गार्डनर***

75. समस्या समाधान का प्रथम चरण है. ***–समस्या की पहचान***

76. बालकों का अधिगम (Learning) निर्भर करता है.
–संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोचालक पर

77. अनुप्रयोग, बोध, ज्ञान और अनुमूल्यन में से कौनसा संज्ञानात्मक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है ? ***–अनुमूल्यन***

78. अभिप्रेरणा के मूल-प्रवृत्ति सिद्धांत के प्रतिपादक थे ?
–अब्राहम मैस्लो

79. विकास की किस अवस्था को कोल तथा ब्रूस ने ''संवैगात्मक विकास का अनोखा काल' कहा है ? ***–किशोरावस्था***

80. किसने 'पुनर्बलन का सिद्धांत' दिया था ? ***–बी. एफ. स्कैनर***

सम्प्रेषण/संचार

81. कौनसा कारक प्रेषक और प्राप्तकर्ता के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है ? ***–सामाजिक (Social)***

82. अभिनति का आशय अपने निर्णयों के प्रति आवश्यकता से अधिक आशावान कहलाता है. ***–अतिविश्वास***

83. निर्णय लेने के किस उपागम में पारम्परिक साधनों का उपयोग करके समस्या को हल करना शामिल है ? ***–नियमित उपागम***

84. संस्कृति, शोर, रंग और भाषा में कौन एक प्रभावी संचार में बाधा नहीं है ? ***–रंग***

85. समूह निर्णय लेने में डेल्फी तकनीक की मुख्य विशेषता है ?
–लिखित संचार

86. प्रारम्भिक सूचना पर स्थिर रहने की प्रवृत्ति कहलाती है.
–एंकरिंग पूर्वाग्रह

87. सुनने की प्रक्रिया में कितने चरण निहित होते हैं ? ***–5 चरण***

88. दो चित्रीय तकनीक जो सांकेतिक आँकड़ों के निरूपण के लिए प्रयुक्त की जा सकती है ? ***–बार चार्ट और पाई चित्र***

89. सत्यापन, प्रदीपन और प्रस्ताव की पहचान में से कौनसा एक रचनात्मक प्रक्रिया का चरण नहीं है ? ***–प्रस्ताव की पहचान***

90. निर्णय लेना प्रक्रिया के रूप में होता है. ***–समस्या की***

खेलकूद

91. विश्व प्रसिद्ध धावक उसेन बोल्ट का सम्बन्ध किस देश से है ? ***–जमैका***

92. भारत की प्रसिद्ध खिलाड़ी साइना नेहवाल का सम्बन्ध किस खेल से है ? ***–बैडमिंटन***

93. भारत ने किस देश को हराकर आईसीसी चैम्पियन ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता है ? ***–न्यूजीलैण्ड***

94. वर्ष 1936 के ओलंपिक खेलों का आयोजन कहाँ हुआ था ? ***–बर्लिन (जर्मनी)***

95. वर्ष 2028 के ओलंपिक खेलों का आयोजन कहाँ किया जाएगा ? ***–लॉस एंजिल्स (अमेरिका) में***

96. पहले राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन वर्ष 1930 ई. में कहाँ हुआ था ? ***–हेमिल्टन (कनाडा)***

97. वर्ष 2026 में अगले राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन कहाँ किया जाएगा ? ***–ग्लासगो (स्कॉटलैण्ड)***

98. एक हॉकी टीम में गोलकीपर सहित कितने खिलाड़ी होते हैं ? ***–11***

99. भारतीय क्रिकेट टीम ने अपना पहला T-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच किस टीम के साथ खेला था ? ***–दक्षिण अफ्रीका***

100. फुटबॉल के लिए प्रसिद्ध स्टेडियम में से एक साल्ट लेक स्टेडियम कहाँ अवस्थित है ? ***–कोलकाता***

कम्प्यूटर ज्ञान

101. एक गीगावाट किसके बराबर है ? ***–2^{30} बाइट***

102. प्रायः होटलों के कमरों में प्रवेश के लिए प्रयोग किए जाने वाले कार्डों में किस इनपुट/आउटपुट डिवाइस का प्रयोग किया जाता है ? ***–मैग्नेटिक स्ट्राइप रीडर***

103. कौनसा सॉफ्टवेयर बड़ी मात्रा में भण्डारित डाटा को संचालित कर सकता है और उसका प्रबन्ध कर सकता है ? ***–डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम***

104. प्रयोक्ता जिन फाइलों और प्रोग्रामों पर सामान्यतः कार्य करते हैं, वे किस मेमोरी में भण्डारित होते हैं ? ***–आर. ए. एम.***

105. एल्गोरिद्म, स्यूडोकोड, फ्लोचार्ट और कोड में से कौनसा प्रोग्राम डिजाइन फेज का हिस्सा नहीं है ? ***–कूट***

106. लिनक्स, मैक ओ. एस. गूगल क्रोम और विंडोज एक्स. पी. में कौन प्रचालन तन्त्र का उदाहरण नहीं है ? ***–गूगल क्रोम***

107. डिजिटल सिग्नल को एनालॉग सिग्नल में रूपांतरित करने की प्रक्रिया को कहा जाता है ? ***–मॉडुलन***

108. पाइथॉन (Python) कैसी कम्प्यूटर भाषा है ? ***–उच्च स्तर भाषा***

109. टच स्क्रीन, ट्रैकबॉल और स्कैनर में कौन निर्देशन (Pointing) युक्ति नहीं है ? ***–स्कैनर***

110. कम्प्यूटर में प्रयुक्त RAM का पूरा नाम है ? ***–रैंडम एक्सेस मेमोरी***

कृषि

111. यह मिट्टी जब गीली होती है, तो फूल जाती है और सूखने पर सिकुड़ जाती है ? ***–काली मिट्टी***

112. प्रति वर्ष किस दिन राष्ट्रीय कृषि दिवस मनाया जाता है ? ***–18 मार्च***

113. प्रति वर्ष किस दिन राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाता है ? ***–23 दिसम्बर***

114. केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान कहाँ अवस्थित है ? ***–जोधपुर***

115. केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान कहाँ अवस्थित है ? ***–शिमला***

116. झुलसा, अंगमारी, झोंका और कंडुआ किस फसल के रोग हैं ? ***–धान***

117. ब्रोकली में लगने वाला प्रमुख रोग कौनसा है ? ***–सफेद छाला रोग***

118. कौनसी फसलें मानसून के मौसम में बोई जाती हैं ? ***–खरीफ***

119. मटर, सरसों और आलू कैसी फसलों के उदाहरण हैं ? ***–रबी फसल***

120. तरबूज कैसी फसल का उदाहरण है ? ***–जायद फसल***

विविध

121. बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) का मुख्यालय कहाँ अवस्थित है ? ***–ढाका***

122. जनगणना 2011 के अनुसार भारत की किस अनुसूचित भाषा बोलने वालों का प्रतिशत सबसे अधिक है ? ***–बंगला***

123. प्रथम अखिल भारतीय जनगणना किस वर्ष प्रारम्भ की गई थी ? ***–वर्ष 1872***

124. स्ट्रांसबर्ग (फ्रांस), रॉटरडैम (नीदरलैण्ड), कोलोन (जर्मनी) और वियना (ऑस्ट्रिया) में से कौन राइन नदी के किनारे स्थित नहीं है ? ***–कोलोन***

125. दोहा और दुबई किस खाड़ी के किनारे अवस्थित है ? ***–फारस की खाड़ी***

126. भारतीय सर्वेक्षण, राष्ट्रीय सर्वेक्षण और मानचित्रण संगठन किसके अधीन कार्य करता है ? ***–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय***

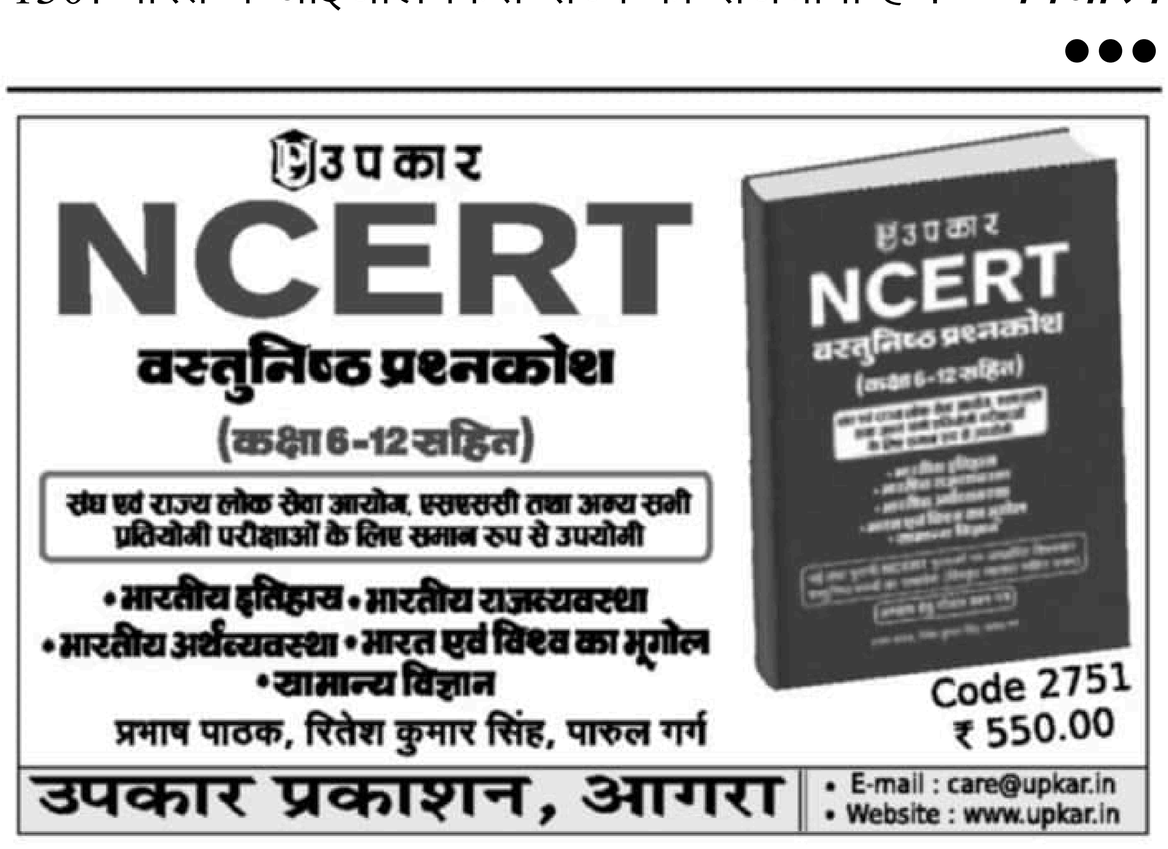
127. भारत विभाजन पर बनी फिल्म 'सुवर्ण रेखा' का निर्देशन किया था ? ***–ऋत्विक घटक***

128. किसके द्वारा भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा की जाती है ? ***–सशस्त्र सीमा बल (SSB)***

129. एंटी सबमरीन वारफेयर स्कूल कहाँ अवस्थित है ? ***–आईएनएस बेंदुरथी कोच्चि***

130. भारत में आइजोल किस राज्य की राजधानी है ? ***–मिजोरम***

●●●



यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2024 (3.1.2025) का हल प्रश्न-पत्र

शिक्षाशास्त्र

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. निम्नलिखित में से कौनसा कथन फ्रायड के मनोविश्लेषणात्मक उपागम से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) व्यक्ति के अनगढ़, असंगठित, वंशानुगत भाग को इद् कहा जाता है
(B) सुपर इगो के दो उप-भाग हैं– चेतना और अहम-आदर्श
(C) इगो रक्षा प्रणाली में समायोजनीय मूल्य होता है
(D) सुपर इगो, इगो-आवेगों के नियंत्रण में सहायता करता है

2. मानव क्षमताओं/व्यक्तित्व/रुचि के मापन में निम्नलिखित समस्याएं आती है–
(a) चरों के गुणों का चयन करना.
(b) शैक्षिक उपकरण/परीक्षण विकसित करना.
(c) गुणों को मात्रात्मक रूप देना.
(d) गुणों को अलग करने हेतु संचालन निर्धारित करना.
(e) मानक स्कोर तैयार करना.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b), (c) और (e)
(B) केवल (b), (c), (d) और (e)
(C) केवल (a), (b), (c) और (d)
(D) केवल (a), (c), (d) और (e)

3. स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो में अपने प्रसिद्ध भाषण में 'सार्वभौमिक स्वीकार्यता' की संकल्पना दी. धर्म और मानव प्रकृति के बारे में उनके दर्शन को निम्नलिखित में कौनसा कथन प्रतिबिंबित करता है ?
(A) समस्त मानवता का चरम लक्ष्य, स्वयं और दूसरों में दिव्यता देखना है
(B) समस्त धर्म, समान सत्य तक पहुँचने के मार्ग हैं, सभी के एकत्व का साकार अनुभव करने के लिए हमें धार्मिक रूढ़ियों के परे जाना चाहिए
(C) सच्ची आध्यात्मिकता, सभी दुनियावी मामलों का परित्याग है
(D) प्रत्येक व्यक्ति, दिव्यता का साकार और सुप्रकट रूप है तथा इस प्रकार पूजा के समस्त रूप एकसमान रूप से वैध हैं

4. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I		**सूची-II**
(a) मास्लो	(I)	मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण
(b) एरिक्सन	(II)	मानवतावादी दृष्टिकोण
(c) शेल्डन	(III)	जीवन काल परिप्रेक्ष्य
(d) फ्रायड	(IV)	संवैधानिक सिद्धान्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(II)	(I)	(IV)	(III)
(B)	(II)	(III)	(IV)	(I)
(C)	(I)	(II)	(III)	(IV)
(D)	(II)	(III)	(I)	(IV)

5. विधि-शास्त्रीय जाँच मॉडल में शिक्षक निर्देशित क्रियाकलाप और निर्देशित अनुदेश की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है. मॉडल के उपभाग क्रियाओं में शामिल हैं–
(a) सामाजिक समस्याओं के बारे में तथ्य
(b) सामाजिक मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए रूपरेखा
(c) सामाजिक संवाद में सक्षमता
(d) विचारों की अभिव्यक्तियों में सहजता
(e) व्यक्तिगत मूल्यों और व्यवहार का विश्लेषण करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (d)
(B) केवल (b), (c), (d) और (e)
(C) केवल (c), (d) और (e)
(D) केवल (a), (b) और (c)

6. निम्नलिखित में से कौनसे कथन असत्य हैं ?
(a) भारतीय पुनर्वास परिषद् अधिनियम 1992 में पारित किया गया था.
(b) दिव्यांगजन अधिनियम 2010 में संशोधित किया गया था.
(c) UNCRPD अनिवार्य समावेशी शिक्षा के बारे में चर्चा करता है.
(d) राष्ट्रीय दिव्यांग नीति, आरटीई एक्ट 2009 से उद्भूत हुई थी.
(e) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 में तैयार की गई थी.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (c)
(B) केवल (b) और (d)
(C) केवल (b) और (e)
(D) केवल (a) और (b)

7. एनईपी-2020 के अनुसार, राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम के निम्न-लिखित कार्य होंगे–
(a) शैक्षणिक तकनीकी में रणनीतिक हस्तक्षेप क्षेत्रों को कल्पित करना.
(b) शोध और नवाचार हेतु नवीन निर्देशों को व्यक्त करना.
(c) गुजरात में एक आधुनिकतम तकनीकी केन्द्र स्थापित करना.
(d) केन्द्र और राज्य सरकारों को तकनीकी आधारित हस्तक्षेपों सम्बन्धी स्वतंत्र साक्ष्य आधारित सलाह प्रदान करना.
(e) 2026 से शैक्षणिक तकनीकी के क्षेत्र में शोध परियोजनाएं आवंटित करना.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (c), (d), (e)
(B) केवल (a), (b), (d)
(C) केवल (b), (d), (e)
(D) केवल (a), (d), (e)

8. 1848 में सावित्री बाई फुले ने अपने पति ज्योतिबा फुले और फातिमा शेख के साथ मिलकर पहला लड़कियों का स्कूल खोला. स्कूल का नाम था–
(A) जुबेदा स्कूल
(B) फुले शिक्षण मंदिर
(C) बाल गंधर्व विद्यालय
(D) पुणे विद्यापीठ

9. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I		**सूची-II**
(a) ग्राम्शी	(I)	प्रयोजनवाद
(b) चार्ल्स एस. पीयर्स	(II)	नारीवाद
(c) ज्याँ फ्रेंकोइस लियोतार्द	(III)	मार्क्सवाद
(d) नेल नोडिंग्स	(IV)	उत्तर-आधुनिकतावाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(IV)	(II)	(III)	(I)
(B)	(III)	(I)	(IV)	(II)
(C)	(IV)	(III)	(II)	(I)
(D)	(III)	(IV)	(I)	(II)

10. बाल विकास के वायगोत्सकी के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) बच्चे का सांस्कृतिक विकास दो बार होता है–पहले सामाजिक स्तर पर और बाद में व्यक्तिगत स्तर पर
(B) मानवीय गतिविधियाँ सांस्कृतिक परिवेश में होती है
(C) पहले अन्तरा-मनोवैज्ञानिक कार्य आता है उसके बाद अन्तः मनोवैज्ञानिक कार्य आता है.
(D) विकास सामाजिक रूप से साझा गतिविधियों का आंतरिक प्रक्रिया में रूपांतरण है

11. प्रतिदर्शन प्रक्रिया के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करें–
(a) प्रतिदर्श रूपरेखा तैयार करना
(b) प्रतिदर्श तकनीक को लागू करना
(c) परीक्षण प्रशासित करना
(d) अध्ययन किए जाने वाले सांख्यिकीय समग्र को परिभाषित करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (a), (d), (b), (c)
(B) (d), (a), (b), (c)
(C) (a), (d), (c), (b)
(D) (d), (a), (c), (b)

12. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I		**सूची-II**
(a) Q-पद्धति	(I)	हार्टशोर्न और मे (1929)
(b) अनुमान लगाओं कौन	(II)	ब्रैडली एफ्रॉन
(c) छात्र वितरण	(III)	स्टीफेंसन (1953)
(d) बूटस्ट्रैप विधि	(IV)	विलियम सीली गोसेट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(II)	(III)	(IV)	(I)
(B)	(III)	(I)	(IV)	(II)
(C)	(IV)	(III)	(II)	(I)
(D)	(III)	(IV)	(I)	(II)

13. निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है ?
(A) गुणात्मक शोध प्रायः डेटा एकत्र किए जाने से पहले परिकल्पना निर्माण से बचते है
(B) एक प्रत्यक्षवादी का मानना है कि प्राकृतिक घटना के गुणों को ज्ञान के रूप में समझने के बाद साक्ष्य द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए
(C) शैक्षिक अनुसंधान में मात्रात्मक ढ़ाँचे में शिक्षा के बारे में प्रश्नों के जवाब देने के प्रयास के लिए वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग सम्मिलित हैं
(D) मात्रात्मक शोध सामान्यतया एक विशिष्ट परिकल्पना का परीक्षण करता है. गुणात्मक शोध अक्सर ऐसा नहीं करता है

14. नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर टीचर एजुकेशन-2009 (एन.सी.एफ.टी.ई.) के अनुसार, सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम डिजाइन करने के सिद्धान्तों में सम्मिलित है–
(a) विषयवस्तु और शैक्षणिक दृष्टिकोण
(b) शैक्षिक प्राप्ति दृष्टिकोण
(c) संरचनात्मक स्थान दृष्टिकोण
(d) शिक्षकों को शिक्षार्थी के रूप में सम्बोधित करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (b), (c) और (d)
(B) केवल (a) और (d)
(C) केवल (a), (b), (c) और (d)
(D) केवल (a), (c) और (d)

15. किसी वितरण में किसी विशेष प्राप्तांक का T-स्कोर 50 है. यदि वितरण के प्रत्येक प्राप्तांक को 10 से गुणित किया जाता है, तो उस विशेष प्राप्तांक का नवीन T-स्कोर क्या होगा ?
(A) 500 (B) 5
(C) 50 (D) 0

16. बुड डिस्पैच, 1854 की अनुशंसाओं पर 1857 में कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास विश्वविद्यालय स्थापित किए गए थे. इनकी स्थापना के समय भारत का वायसराय कौन था ?
(A) लॉर्ड कैनिंग
(B) लॉर्ड डलहौजी
(C) लॉर्ड वैलेजली
(D) लॉर्ड बेंटिक

17. पाठ्यक्रम का योग्यता आधारित मॉडल केन्द्रित है–
(A) कौशल प्राप्त करने में बिताया गया समय
(B) विशिष्ट कौशल में निपुणता
(C) सामान्य ज्ञान कौशल
(D) सामान्य जीवन कौशल

18. NEP-2020 के अनुसार विद्यालय शिक्षकों से सतत् पेशेवर विकास हेतु कितना समय लगाने/खर्च करने की प्रत्याशा है ?
(A) 40 घण्टे (B) 60 घण्टे
(C) 50 घण्टे (D) 45 घण्टे

19. सम्बद्धता में रूपांतरणकारी सुधारों सम्बन्धी निम्नलिखित में से किस समिति की सिफारिश पर नैक की कार्यकारी समिति ने दो चरणों–द्विआधारी सम्बद्धता और परिपक्वता–आधारित स्तरित स्तर, में सुधारों को प्रस्तावित किया था ?
(A) डॉ. डी. पी. सिंह समिति
(B) डॉ. गणेश कनाबिरन समिति
(C) डॉ. राधाकृष्णन समिति
(D) डॉ. सुभाष राय समिति

20. शिक्षा के लिए क्रार्यक्रमों/योजनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए–
(a) सर्व शिक्षा अभियान (SSA)
(b) ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड (OB)
(c) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (DPEP)
(d) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA)
(e) समग्र शिक्षा अभियान
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (a), (c), (b), (d), (e)
(B) (c), (b) (a), (e), (d)
(C) (b), (c) (a), (d), (e)
(D) (d), (b), (c), (a), (e)

21. एन.ई.पी.-2020 की मंशा के अनुसार सभी एकल अध्यापक शिक्षा संस्थानों (TEIs) को वर्ष ..... तक बहुसंकायी संस्थानों में परिवर्तित होना है.
(A) 2035 (B) 2030
(C) 2047 (D) 2040

22. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सत्य हैं ?
(a) अल्फ्रेड एडलर, फ्रॉयड के इस विचार से असहमत थे कि मानवीय भावुकता का कारण 'अचेतन संघर्ष' है.
(b) आरोन बेक ने 1960 के दशक में संज्ञानात्मक मनोउपचार का विकास किया.
(c) संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (CBT) 1950 के आरम्भ में प्रयोग में आई थी.
(d) ABC मॉडल में 'C' परिणामी भावना या व्यवहार को निरूपित करता है.
(e) ABC मॉडल में 'A' आत्म-सातीकरण को निरूपित करता है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (d), (b)
(B) केवल (a), (c), (d)
(C) केवल (e), (d), (b)
(D) केवल (a), (b), (e)

23. निम्नलिखित को उनकी अनुज्ञप्तिकरण (Licensing) और प्रयोग सुनम्यता के अनुसार व्यवस्थित करें–
(a) क्रिएटिव कॉमन शेयर अलाईक (CC BY-SA)
(b) पब्लिक डोमेन (PD)
(c) क्रिएटिव कॉमन नॉन डायरेक्टिव (CC BY - ND)
(d) क्रिएटिव कॉमन बाइ (CC BY)
(e) क्रिएटिव कॉमन नॉन–कॉमर्शियल (CC BY - NC)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (a), (c), (e), (b), (d)
(B) (b), (d), (a), (e), (c)
(C) (d), (e), (a), (c), (b)
(D) (e), (d), (a), (c), (b)

24. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I

(a) एडीडीआईई
(b) एएसएसयूआरई
(c) डिक और कारे
(d) मेसन

सूची-II

(I) मीडिया चयन
(II) जीवंत पुस्तकें, कथ्य और आदतें
(III) व्यवस्थित अनुदेशन : प्रशिक्षण और शैक्षणिक सामग्री का आकलन करने की सोपान–दर–सोपान रूप-रेखा
(IV) शिक्षणार्थी विश्लेषण और सहभागिता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(III)	(IV)	(I)	(II)
(B)	(I)	(III)	(IV)	(II)
(C)	(II)	(IV)	(III)	(I)
(D)	(III)	(I)	(IV)	(II)

25. 'QUAN → QUAL' एक मिश्रित-विधि शोध अभिविन्यास को निरूपित करता है, जो है–
(A) समवर्ती व्याख्यात्मक
(B) समवर्ती अन्वेषणात्मक
(C) अनुक्रमणात्मक व्याख्यात्मक
(D) अनुक्रमणात्मक अन्वेषणात्मक

26. सिक्स सिग्मा के लिए डिजाइन के पाँच चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करें–
(a) अधिक विस्तृत संस्करण पर जाने से पहले प्रक्रिया को उच्च स्तर पर डिजाइन करें.
(b) यह सत्यापित करें कि उत्पाद या प्रक्रिया की अंतिम पुनरावृत्ति सभी ग्राहकों और क्लाइंट द्वारा अनुमोदित है.
(c) यर्थाथवादी लक्ष्यों को निर्धारित करें जो ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुरूप हो.
(d) परियोजना के अनुमानित कुल जीवन चक्र के साथ-साथ ग्राहक के लिए कई विकल्पों और विकल्पों का विश्लेषण करे.
(e) गुणवत्ता के लिए ग्राहकों की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को मापे और पहचाने और इन्हें परियोजना लक्ष्यों में बदले.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (c), (e), (d), (a), (b)
(B) (e), (c), (a), (d), (b)
(C) (c), (e), (a), (d), (b)
(D) (a), (b), (e), (c), (d)

27. शिक्षक और परामर्शदाता अक्सर अपने विद्यार्थियों की मजबूती एवं कमजोरियों का पता लगाने हेतु परीक्षणों का प्रयोग करने में रुचि रखते हैं, जिनसे पता लगाया जा सके कि वे किन क्षेत्रों में अच्छा या खराब प्रदर्शन कर रहे हैं. इस प्रयोजनार्थ निम्नलिखित में से कौनसा परीक्षण प्रयुक्त किया जा सकता है ?
(A) निर्माणात्मक मूल्यांकन
(B) उपलब्धि मूल्यांकन
(C) योगात्मक मूल्यांकन
(D) मापदंड–संदर्भित मूल्यांकन

28. समावेशी पाठ्यचर्या का अर्थ है–
(A) भिन्न–क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए अलग पाठ्यचर्या
(B) सभी विद्यार्थियों के लिए एक पाठ्यचर्या
(C) सक्षम विद्यार्थियों के लिए अलग पाठ्यचर्या
(D) एक लचीली पाठ्यचर्या

29. बिल रेडिन द्वारा पहचानी गई बुनियादी नेतृत्व शैलियाँ थी–
(A) बताना, बेचना, भाग लेना और प्रतिनिधि बनाना
(B) M_1, M_2, M_3 और M_4
(C) DMAIC, DMADV, CTQ, POSDCORB
(D) सम्बन्धित, एकीकृत, समर्पित, अलग

30. भारतीय दर्शन की न्याय शाखा द्वारा प्रतिपादित अनुमान-प्रमाण के निम्न-लिखित चरणों को व्यवस्थित करें–
(a) निष्कर्ष (b) तर्क
(c) कथन (d) उदाहरण
(e) अनुप्रयोग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (e), (d), (b), (c), (a)
(B) (c), (b), (e), (d), (a)
(C) (c), (b), (d), (e), (a)
(D) (e), (c), (d), (b), (a)

31. विद्यार्थियों की वर्तनी उपलब्धि का परीक्षण करने के लिए सबसे पहले लिखित परीक्षण किसके द्वारा प्रयुक्त किया गया था ?
(A) जोसेफ एम. राइस
(B) आर. एम. थॉर्नडाइक
(C) बिने–सिमॉन
(D) डुबोइस

32. निम्नलिखित में से कौनसा वेब 2·0 उपकरण ई–अधिगम प्लेटफॉर्म में सहयोगी अधिगम हेतु सर्वाधिक प्रभावी है ?
(A) विकी
(B) ब्लॉग
(C) पॉडकास्ट
(D) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

33. सूची–I से सूची–II का मिलान कीजिए–

सूची–I

(उपागम)

(a) एथ्नोग्राफी
(b) एथोलॉजी
(c) एथ्नोमेथॅडोलॉजी
(d) फिनॉमेनालॉजी

सूची–II

(प्रमुख प्रश्न)

(I) विभिन्न समाजों की उत्पत्ति विशेषताएं और संस्कृति किस प्रकार एक–दूसरे से तुल्य हैं ?
(II) इन विशिष्ट प्रतिभागियों के दृष्टिकोण से किसी क्रियाकलाप या संकल्पना का अनुभव क्या है ?
(III) लोग सामाजिक रूप से स्वीकार्य रीतियों से व्यवहार करने के लिए किस प्रकार स्वयं की दैनिक गतिविधियों की अर्थ–निर्मिति करते हैं.
(IV) किसी समूह की प्राकृतिक प्रस्थापना में उसकी सांस्कृतिक पद्धतियाँ और दृष्टिकोण क्या हैं ?
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(II)	(III)	(I)	(IV)
(B)	(IV)	(III)	(I)	(II)
(C)	(III)	(I)	(IV)	(II)
(D)	(IV)	(I)	(III)	(II)

34. नौकरी आवेदन पोर्टफोलियो है–
(A) तैयार पोर्टफोलियो
(B) प्रलेखन पोर्टफोलियो
(C) प्रगति पोर्टफोलियो
(D) कार्य पोर्टफोलियो

35. निम्नलिखित में से कौन समावेशी शिक्षा की अवधारणा के साथ संरेखित नहीं है ?
(A) मुख्यधारा में लाने का लक्ष्य
(B) विविध शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना
(C) बहुल समाज की जरूरतों को पूरा करना
(D) व्यक्तिगत मतभेदों पर विचार करना

36. योग्यता आधारित पाठ्यक्रम मॉडल के अनुसार निम्नलिखित को व्यवस्थित करें–
(a) सामान्य योग्यताओं की पहचान
(b) योग्यताओं का आकलन
(c) योग्यताओं को विशिष्ट विषयों में व्यवस्थित करना
(d) सीखने के अनुभवों का निर्माण करना
(e) पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (a), (b), (c), (d), (e)
(B) (a), (e), (b), (c), (d)
(C) (a), (c), (d), (b), (e)
(D) (a), (c), (d), (e), (b)

37. गैग्ने के निर्देश की अनुदेशात्मक घटनाओं से इन्हें एक क्रम में व्यवस्थित करें–
(a) पुनर्बलन प्रदान करना.
(b) पूर्व में सीखे हुए ज्ञान को दोहराने हेतु प्रेरित करना.
(c) लक्ष्य का वर्णन करना और शिक्षार्थी को उद्देश्यों से अवगत कराना.
(d) अधिगम के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना.
(e) ध्यान आकर्षित करना.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (d), (c), (a), (b), (e)
(B) (e), (b), (c), (d), (a)
(C) (d), (e), (c), (a), (b)
(D) (e), (c), (b), (d), (a)

38. विशेष शिक्षा और सम्बन्धित सेवाओं की व्यापक शृंखला को ध्यान में रखते हुए अधिकांश विद्यालय सेवाओं का नैरन्तर्य प्रदान करते हैं. निम्नलिखित को दिव्यांगताओं की बढ़ती सघनता के अनुक्रम में व्यवस्थित करें–
(a) पूर्णकालिक पृथक कक्षा-कक्ष
(b) पूरक अनुदेश और सेवाओं के साथ नियमित कक्षा-कक्ष
(c) नियमित कक्षा-कक्ष
(d) विशेष विद्यालय
(e) नियमित कक्षा-कक्ष और संसाधन कक्ष
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (c), (e), (b), (d), (a)
(B) (c), (b), (e), (a), (d)
(C) (c), (a), (b), (e), (d)
(D) (c), (d), (e), (b), (a)

39. निम्नलिखित में से कौनसा रचनात्मकता का परीक्षण नहीं है ?
(A) रिमोट एसोसिएट टेस्ट
(B) शर्मा का डायवर्जेंट प्रोडक्शन एबिलिटी टेस्ट
(C) मिनेसोटा क्रिएटिव थिंकिग टेस्ट
(D) गिलफोर्ड प्रोडक्ट इम्प्रूवमेंट टेस्ट

40. परिकल्पना के बारे में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सत्य हैं ?
(a) एक बेहतर परिकल्पना, सिद्धांत या पूर्ववर्ती शोध से सुसंगत ठोस तर्क पर आधारित होती है.
(b) एक निगमनात्मक परिकल्पना विशिष्ट प्रेक्षणों पर आधारित एक सामान्यीकरण है.
(c) "अंत: क्रियात्मक मल्टीमीडिया के उपयोग की सहायता से अनुदेशित दसवीं कक्षा के जीवविज्ञान के विद्यार्थी, केवल नियमित अनुदेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की तुलना में उच्चतर स्तर पर होते हैं", गैर-दिशात्मक परिकल्पना का उदाहरण है.
(d) गुणात्मक शोधकर्ता प्रस्तावित शोध हेतु मार्गदर्शक परिकल्पना विकसित कर सकते हैं.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (c) और (d)
(D) केवल (a) और (d)

41. NCFTE-2009 के अनुसार मुख्य पाठ्यचर्या क्षेत्र हैं–
(a) पाठ्यचर्या और शिक्षणशास्त्र
(b) शैक्षिक तकनीकी
(c) शिक्षा के आधार
(d) विद्यालय प्रशिक्षुता
(e) शिक्षणार्थी आकलन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (c) और (d)
(B) केवल (b), (c) और (e)
(C) केवल (c), (d) और (e)
(D) केवल (a), (c), (d) और (e)

42. निम्नलिखित में से कौनसे कथन अधिगम सिद्धांतों के बारे में सत्य हैं ?
(a) कुर्त लेविन, गेस्टाल्ट मनोविज्ञान के संस्थापकों में से एक था.
(b) अल्बर्ट बंडूरा ने मानव व्यवहार और अधिगम को तीन मुख्य संकल्पनाओं-जीवन स्थान, दिशा, अंतर्ज्ञान के आधार पर व्याख्यायित किया है.
(c) चिम्पांजी पर प्रयोगों से सम्बन्धित कोहलर की पुस्तक का नाम 'मेन्टलिटी ऑफ ऐप्स' था.
(d) स्किनर ने व्यवहार के विकासक्रम में 'उद्दीपक नहीं, अनुक्रिया नहीं' प्रणाली का विरोध किया है.
(e) सकारात्मक पुनर्बलन कोई भी ऐसा उद्दीपन है, जिसे हटाने या वापस लेने से किसी विशेष व्यवहार की सम्भावना घट जाती है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (c), (d)
(B) केवल (b), (d), (e)
(C) केवल (a), (c), (e)
(C) केवल (a), (b), (e)

43. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए–

सूची - I	**सूची - II**
(a) निपुणता निर्णय	(I) योगात्मक
(b) औसत आइक्यू	(II) रचनात्मक
(c) क्षमता का मूल्यांकन	(III) मानदंड संदर्भित
(d) भविष्य के निर्देश का मार्गदर्शन	(IV) मानक संदर्भित

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का मिलान कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(I)	(III)	(IV)	(II)
(B)	(III)	(IV)	(I)	(II)
(C)	(II)	(III)	(I)	(IV)
(D)	(III)	(II)	(I)	(IV)

44. निम्नलिखित में से कौनसा पाठ्यचर्या विकास का आधारभूत सिद्धांत नहीं है ?
(A) सम्पूर्णता का सिद्धांत
(B) विश्रांति का सिद्धांत
(C) परिपक्वता का सिद्धांत
(D) लचीलेपन का सिद्धांत

45. आई.टी.ई.पी. से सम्बन्धित 2021 के राजपत्र के अनुसार चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम के फलस्वरूप निम्नलिखित में से कौनसी उपाधि प्राप्त होगी ?
(A) बी.ए.बी.एड./बी.एस-सी.बी.एड./बी.कॉम. बी.एड.
(B) आई.टी.ई.पी.
(C) बी.एड.
(D) बी.ए.एड./बी.एस-सी.एड./बी.कॉम.एड.

46. पूर्ण शैक्षणिक लेखों और शोध-पत्रों तक पूरी तरह से निःशुल्क एक्सेस के लिए ऑनलाइन रिपॉजिटरी है–
(A) रिसर्चगेट (Researchgate)
(B) जेसटर (JSTOR)
(C) पबमेड (PubMed)
(D) गूगल बुक्स (Google Books)

47. कोल्ब का अनुभवजन्य अधिगम मॉडल किस चक्र का अनुसरण करता है ?
(a) अमूर्त संकल्पनाओं का निर्माण और सामान्यीकरण
(b) विद्यार्थी अपने प्रेक्षण करते हैं
(c) ठोस अनुभव
(d) नवीन परिस्थितियों में संप्रत्ययों के निहितार्थों का परीक्षण करना
(e) चिंतन-मनन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (b), (a), (c), (d), (e)
(B) (c), (b), (e), (a), (d)
(C) (c), (a), (e), (b), (d)
(D) (b), (c), (a), (e), (d)

48. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें–
(a) सार्जेन्ट योजना
(b) शिक्षा सम्बन्धी शाही राजाज्ञा
(c) हर्टोग समिति रिपोर्ट
(d) हंटर आयोग
(e) स्टेनले डिस्पैच
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (b), (c), (a), (d), (e)
(B) (a), (c), (d), (e), (b)
(C) (b), (e), (d), (c), (a)
(D) (a), (d), (e), (c), (b)

49. निम्नलिखित में से कौनसी एमओसीसी (MOOCs) की विशेषताएं हैं ?
(a) अधिगम विषयवस्तु की मुक्त उपलब्धता
(b) वैकल्पिक प्रमाण-पत्र
(c) सीमित नामांकन
(d) अल्प पूर्णता दर
(e) अन्तःक्रिया की कमी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (b), (d), (e)
(B) केवल (a), (d), (c)
(C) केवल (a), (b), (d)
(D) केवल (b), (a), (e)

50. मानव पूँजी सिद्धांत के अनुसार शिक्षा में निवेश के मुख्य लाभ क्या हैं ?
(a) उच्चतर वेतन
(b) व्यक्तिगत विकास
(c) देश की विश्व रैंकिंग
(d) जन-सशक्तीकरण
(e) उत्पादकता
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (b), (c) और (d)
(B) केवल (a) और (c)
(C) केवल (b) और (d)
(D) केवल (a) और (e)

51. राष्ट्रीय अध्यापक आयोग (1983) ने अध्यापक शिक्षा के प्रशिक्षुओं के चयन हेतु अर्हता/योग्यता प्रदान की थी. इस आयोग के अध्यक्ष थे–
(A) आर. एन. चट्टोपाध्याय
(B) डी. एस. कोठारी
(C) वी. के. आर. वी. राव
(D) डी. पी. चट्टोपाध्याय

52. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I

(a) बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम
(b) बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम
(c) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) अधिनियम
(d) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) अधिनियम

सूची-II

(I) 2005
(II) 2009
(III) 1956
(IV) 1993

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(I)	(II)	(IV)	(III)
(B)	(III)	(II)	(IV)	(I)
(C)	(II)	(I)	(IV)	(III)
(D)	(III)	(IV)	(II)	(I)

53. 8 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढाँचा (एन.सी.पी.एफ.ई.सी.सी.ई.) निम्नलिखित द्वारा विकसित किया जाएगा–
(A) डी. पी. ई. पी.
(B) एन. सी. टी. ई.
(C) एन. सी. ई. आर. टी.
(D) एस. सी. ई. आर. टी.

54. सूची-I का सूची-II से मिलान करें–

सूची-I

(a) संगठनात्मक विकास
(b) सांख्यिकीय गुणवत्ता
(c) सांख्यिकीय प्रक्रिया
(d) सतत् विकास

सूची-II

(I) प्रक्रिया की निगरानी की जाती है और सांख्यिकीय तकनीकी के माध्यम से सुधार किया जाता है.
(II) नियोजित परिवर्तन प्रक्रिया नियंत्रण जो एक सतत् सीखने का अभ्यास है.
(III) लाभ विकास की लागत से नियंत्रण अधिक होना चाहिए.
(IV) सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके प्रक्रिया की निगरानी की जाती है और सुधार किया जाता है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(III)	(IV)	(II)	(I)
(B)	(II)	(IV)	(I)	(III)
(C)	(III)	(I)	(IV)	(II)
(D)	(II)	(I)	(IV)	(III)

55. कौनसे कथन शैक्षणिक वित्त को माइक्रो और मैक्रो स्तर पर परिभाषित करते हैं ?
(a) किसी व्यक्ति, लघु उद्यम और लघु व्यवसाय इकाई की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मैक्रो फाइनांस को निरूपित किया जाता है.
(b) मैक्रो फाइनांस में नीति निर्माण, सब्सिडियाँ, बहुवर्षीय विस्तार योजनाएं सम्मिलित हैं.

(c) माइक्रो फाइनांस का मुख्य लक्ष्य अर्थव्यवस्था की संवृद्धि एवं रोजगार सृजन में सहायता करना है.

(d) मैक्रो फाइनांस का सम्पूर्ण अर्थ-व्यवस्था पर प्रत्यक्ष प्रभाव और सम्पूर्ण जनसंख्या पर अप्रत्यक्ष प्रभाव होता है.

(e) माइक्रो फाइनांस एक अंतहीन गतिविधि है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल (a) और (e)
(B) केवल (b) और (d)
(C) केवल (b), (c) और (d)
(D) केवल (a), (b) और (e)

56. PERT के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?

(A) PERT का विकास मुख्यत: बड़ी और जटिल परियोजनाओं के नियोजन और समय-सारणी को सरल बनाने के लिए किया गया था

(B) किसी पर्ट (PERT) चार्ट में 'संधियाँ (नोड)' क्रियाकलापों या कृत्यों को निरूपित करते हैं तथा 'तीर (एरो)' परियोजना में घटनाओं या मुख्य बिन्दुओं को निरूपित करते हैं

(C) PERT तीन 'समय प्राक्कलनों' का उपयोग कर सकता है

(D) PERT 1950-60 के बीच विकसित किया गया था

57. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I

(a) प्रत्यक्षशील तर्क
(b) कार्यकारी स्मृति
(c) प्रोसेसिंग स्पीड
(d) शाब्दिक समझ

सूची-II

(I) समरूपताएं, शब्दावली, सूचना
(II) अंक दायरा, अंकगणित
(III) खण्ड विन्यास, आव्यूह तर्क, दृश्य पहेलियाँ
(IV) प्रतीक खोज कूटलेखन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(II)	(III)	(IV)	(I)
(B)	(II)	(IV)	(I)	(III)
(C)	(II)	(I)	(III)	(IV)
(D)	(III)	(II)	(IV)	(I)

58. नीति की देख-रेख में यह सुनिश्चित किया जाता है कि नीति कार्यक्रम समय पर और बजट सीमा के भीतर पूर्ण हों. नीति की देख-रेख के निम्नलिखित चरणों को व्यवस्थित करें–

(a) प्रत्याशाएं स्थापित करना जिनके द्वारा क्रियान्वयनकर्ता या नीति निर्माता नीति प्रदायगी प्रक्रिया की देख-रेख करते हैं.

(b) नियोजित नीति प्रदायगी प्रक्रिया से विचलन के कारणों का विश्लेषण करना.

(c) सभी मानदण्डों पर प्रदर्शन सूचकों का प्रेक्षण करना.

(d) नीति प्रदायगी प्रक्रिया से विचलन की स्थिति में सुधारात्मक कार्रवाई करना.

(e) नीति प्रदायगी प्रक्रिया पर संसाधनों का अनुप्रयोग.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (a), (e), (c), (b), (d)
(B) (b), (c), (d), (e), (a)
(C) (c), (d), (e), (a), (b)
(D) (d), (e), (c), (a), (b)

59. समावेशी शिक्षा के बारे में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सत्य हैं ?

(a) यह समावेशी समाज बनाने की व्यापक रणनीति का भाग है.

(b) यह स्वीकार करती है कि सभी बालक सामान्य कक्षा में अधिगम नहीं कर सकते हैं.

(c) इसमें विद्यालय संस्कृतियों की पुनर्संरचना सम्मिलित है.

(d) विविधता, सभी के अधिगम के लिए सहायता करने का समृद्ध स्रोत है.

(e) विद्यालयों से सभी बालकों की अधिगम आवश्यकताओं के अनुरूप बदलने की आशा नहीं की जाती है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल (a), (c) और (e)
(B) केवल (b), (c) और (d)
(C) केवल (b), (d) और (e)
(D) केवल (a), (c) और (d)

60. निम्नलिखित में से कौनसा सिद्धांत संपुष्ट करता है कि असमानता, सामाजिक रूप से सृजित होती है तथा इसका उन्मूलन किया जा सकता है ?

(A) तार्किक चयन सिद्धांत
(B) प्रणालीगत विश्लेषण सिद्धांत
(C) मार्क्सवाद
(D) रूढ़िवाद

61. अनरुच और अनरुच ने पाठ्यक्रम विकास के पाँच चरणों की रूपरेखा बताई. इन्हें उचित क्रम में व्यवस्थित करें–

(a) विषयवस्तु
(b) मूल्यांकन
(c) लक्ष्य और उद्देश्य
(d) कार्यान्वयन
(e) आवश्यकताओं का आकलन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (c), (e), (a), (d), (b)
(B) (c), (a), (e), (d), (b)
(C) (e), (c), (d), (a), (b)
(D) (e), (d), (c), (a), (b)

62. भारतीय संस्कृति की चार मूल्य प्रणाली को सोपानिकी क्रम में पुनर्व्यवस्थित करने पर निम्नलिखित क्रमानुसार निरूपित किया जा सकता है–

(A) धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष
(B) मोक्ष-धर्म-अर्थ-काम
(C) काम-अर्थ-धर्म-मोक्ष
(D) अर्थ-काम-धर्म-मोक्ष

63. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I

(a) अभिक्रमित अनुदेशन
(b) मास्टरी लर्निंग
(c) सिमुलेशन
(d) प्रत्यक्ष अनुदेशन

सूची-II

(I) बेंजामिन ब्लूम
(II) बी. एफ. स्किनर
(III) टॉम गुड
(IV) कार्ल स्मिथ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(I)	(III)	(II)	(IV)
(B)	(II)	(IV)	(I)	(III)
(C)	(II)	(I)	(IV)	(III)
(D)	(III)	(II)	(IV)	(I)

64. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I

(a) बाजार अर्थव्यवस्था
(b) शिक्षक की सेवा
(c) केन्द्रीय नियोजित
(d) धनात्मक अर्थव्यवस्था

सूची-II

(I) सरकार नियंत्रित
(II) तंत्र की कार्यप्रणाली
(III) कौशल अर्थव्यवस्था
(IV) निजी नियंत्रित

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(IV)	(I)	(II)	(III)
(B)	(I)	(III)	(II)	(IV)
(C)	(IV)	(III)	(I)	(II)
(D)	(I)	(IV)	(II)	(III)

65. निम्नलिखित में से कौनसे कथन सत्य हैं ?
(a) एक वैध परीक्षण, विश्वसनीय भी होगा.
(b) एक विश्वसनीय परीक्षण हमेशा वैध भी होगा.
(c) एक वैध परीक्षण, विश्वसनीय हो सकता है या नहीं भी हो सकता है.
(d) एक विश्वसनीय परीक्षण, वैध हो सकता है या नहीं भी हो सकता है.
(e) परीक्षण की विश्वसनीयता और वैधता के बीच कोई सम्बन्ध नहीं है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (a) और (d)
(D) केवल (e)

66. चयन और नियुक्ति-सम्बन्धी निर्णयों में सामान्यतया व्यक्ति के विद्यमान अभिलक्षणों के आधार पर भविष्य के अधिगम के बारे में पूर्वानुमान करना सम्मिलित होता है. उक्त प्रयोजनार्थ प्रयुक्त होने वाला परीक्षण है–
(A) मापदंड-संदर्भित परीक्षण
(B) मनोवृत्ति परीक्षण
(C) अभिक्षमता परीक्षण
(D) रूपरेखा/फ्रेम परीक्षण

67. 'यादृच्छिकीकरण' की संकल्पना निम्नलिखित में से किस पूर्वधारणा पर आधारित है ?
(A) एकल घटनाओं की सटीकता से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है, किन्तु समग्र घटनाओं की जा सकती है
(B) समग्र घटनाओं की सटीकता से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है, किन्तु एकल घटनाओं की जा सकती है
(C) एकल घटनाओं का सटीकता से अध्ययन नहीं किया जा सकता है, जबकि समग्र घटनाओं का किया जा सकता है
(D) यादृच्छिकीकरण के साथ प्रतिदर्शन त्रुटियों का भविष्यकथन सम्भव नहीं है

68. निम्नलिखित में से कौनसा मूल्य संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित है ?
(A) व्यक्तिनिष्ठता (B) प्रगतिवाद
(C) सर्वदेशीयता (D) धर्मनिरपेक्षता

69. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I
(a) अर्थापत्ति
(b) अभाव
(c) उपमान
(d) शब्द

सूची-II
(I) वेदों के अनुसार शंख हड्डी नहीं है.
(II) एक कुर्सी, मेज नहीं है.
(III) वह दिन के समय नहीं खाता है. वह मोटा है. वह रात में खाता है.
(IV) यह गाय, घरेलू गाय से अलग है, अवश्य नीलगाय होगी.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(II)	(IV)	(III)	(I)
(B)	(I)	(III)	(IV)	(II)
(C)	(I)	(II)	(IV)	(III)
(D)	(III)	(II)	(IV)	(I)

70. 1987 में एन.सी.ई.आर.टी. ने अक्षमता-युक्त विद्यार्थियों के लिए समाकलित शिक्षा परियोजना (पी.आई.ई.डी.) किसकी साझेदारी में शुरू की थी ?
(A) यूनेस्को
(B) डब्ल्यू.एच.ओ.
(C) एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)
(D) यूनीसेफ

71. निम्नलिखित में से कौनसे कथन 'टेलरिज्म' के बारे में सत्य हैं ?
(a) इसे 'वैज्ञानिक प्रबन्धन' भी कहा जाता है.
(b) इस उपागम का आरम्भिक नाम 'शॉप मैनेजमेंट' था.
(c) शुरुआत में यह सिद्धांत विनिर्माण उद्योगों में विकसित हुआ था.
(d) यह सैमुअल टेलर द्वारा प्रस्तुत किया गया था.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (c)
(B) केवल (b), (c) और (d)
(C) केवल (d) और (b)
(D) केवल (a), (c) और (d)

72. एक शिक्षक ग्लोबल वार्मिंग सम्बन्धी एक पाठ के दौरान आलोचनात्मक चिंतन कौशल विकसित करने में विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए सुकराती विधि का उपयोग करता है. यह विधि किस सिद्धांतकार के सिद्धांत से सर्वाधिक साम्यता रखती है ?
(A) स्किनर (B) पियाजे
(C) वायगोत्स्की (D) ब्रूनर

73. पाठ्यचर्या विकास की आवश्यकताओं में शामिल हैं–
(a) खेल और क्रीड़ा
(b) ज्ञानार्जन
(c) सांस्कृतिक गतिविधियाँ
(d) समय का समुचित उपयोग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (c)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (b) और (d)
(D) केवल (a) और (b)

74. नेता-सदस्य विनिमय सिद्धांत के अनुसार निम्न गुणवत्ता वाले आदान-प्रदान के उपसमूह को इस प्रकार देखा जाता है–
(A) आउट-ग्रुप (B) इन-ग्रुप
(C) सलाहकार (D) अनुयायी

75. शब्दमूलविज्ञान की दृष्टि से शब्द 'करिकुलम' किस लैटिन शब्द से व्युत्पन्न है ?
(A) Curricular (B) Caricature
(C) Curious (D) Currere

76. फिलॉस्फिकल मॉडल ऑफ टीचिंग, जिसमें अंतदृष्टि (प्लेटो), प्रभाव (लॉक) और नियम (कांट) सम्मिलित हैं, को ..... ने प्रतिपादित किया.
(A) आर. एस. पीटर्स
(B) पॉल हर्स्ट
(C) डी.डब्ल्यू. हेमलिन
(D) इसराइल शेफलर

77. पाठ्यक्रम परिवर्तन के जमीनीस्तर के दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताएं है–
(a) छोटे पैमाने पर प्रयोग
(b) नीचे से ऊपर तक का दृष्टिकोण
(c) लोकतांत्रिक प्रक्रिया
(d) अभ्यासकर्ताओं द्वारा लक्ष्य-निर्धारण
(e) आमने-सामने समस्या समाधान
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (c)
(B) केवल (b), (c) और (d)
(C) केवल (a), (c) और (d)
(D) केवल (b), (d) और (e)

78. निम्नलिखित में से कौनसा सत्य नहीं है ?
(A) पृथक्करण, विशेष शिक्षा का अभिन्न अंग है
(B) समाकलित शिक्षा सहभागिता के लिए आंशिक अवसर प्रदान करती है
(C) समावेशी शिक्षा अधिकारों को मान्यता देती है, किन्तु इन सभी की प्राप्ति सुनिश्चित नहीं करती
(D) समावेशी शिक्षा सबसे कम प्रतिबंधात्मक होती है

79. डिक और कारे (Dick & Carey) मॉडल की मुख्य विशेषता, जो इसे एड्डी (ADDIE) मॉडल से अलग करती है, निम्नलिखित में से कौनसी है ?
(A) मूल्यांकन पर बल
(B) स्पष्ट शिक्षणार्थी विश्लेषण
(C) प्रत्येक चरण में निर्माणात्मक मूल्यांकन का समावेश
(D) अनुक्रमणात्मक और रैखिक अभिविन्यास प्रक्रिया

80. जैन धर्म के अनुसार, मोक्ष प्राप्ति के लिए निम्नलिखित में से क्या आवश्यक हैं ?
(a) सम्यक् दर्शन
(b) सम्यक् दृष्टि
(c) सम्यक् ज्ञान
(d) सम्यक् चरित्र
(e) सम्यक् संकल्प
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (c) और (d)
(B) केवल (b) और (e)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (c), (d) और (e)

81. नालंदा विश्वविद्यालय सबसे पहले गुप्तकाल में स्थापित किया गया था. यह ..... ज्ञान के केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध था.
(A) जैन (B) वैदिक
(C) बौद्ध (D) सांख्य

82. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I
(a) द सालामांका स्टेटमेंट
(b) भारतीय पुनर्वास परिषद् अधिनियम
(c) दिव्यांगजन अधिनियम
(d) राष्ट्रीय दिव्यांगजन नीति

सूची-II
(I) 1992
(II) 1995
(III) 2006
(IV) 1994

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(IV)	(II)	(I)	(III)
(B)	(IV)	(I)	(II)	(III)
(C)	(II)	(III)	(IV)	(I)
(D)	(II)	(IV)	(I)	(III)

83. निम्नलिखित को विपरीत कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें–
(a) राष्ट्रीय शिक्षक आयोग
(b) कोठारी आयोग
(c) न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा समिति
(d) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग
(e) राधाकृष्णन आयोग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (d), (b), (a), (c), (e)
(B) (a), (b), (c), (e), (d)
(C) (b), (a), (c), (d), (e)
(D) (c), (d), (a), (b), (e)

84. त्रिआयामी पारस्परिक कारणता शब्द किससे सम्बन्धित है ?
(A) फ्रायड सिद्धान्त
(B) पियाजे सिद्धान्त
(C) बन्डूरा सिद्धान्त
(D) एरिक्सन सिद्धान्त

85. 'पोका-योके' के सम्बन्ध में निम्न-लिखित में से कौनसे कथन सत्य हैं ?
(a) शब्द पोका-योके जापानी शब्द बाका-योके से उद्भूत हुआ है.
(b) पोका-योके की सम्पर्क विधि भौतिक अभिलक्षणों द्वारा दोषों की पहचान करती है.
(c) पोका-योके की नियत मूल्य विधि, गैर-आवर्ती क्रियाकलाप के साथ एक प्रक्रिया में प्रयुक्त होती है.
(d) पोका-योके की गति-सोपान विधि निर्धारित करती है कि क्या विहित सोपान अनुक्रम में पूर्ण हुए हैं.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (c)
(B) केवल (b), (c) और (d)
(C) केवल (c), (d) और (a)
(D) केवल (a), (b) और (d)

86. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I
(a) योजना के रूप में पाठ्यचर्या
(b) अनुभव के रूप में पाठ्यचर्या
(c) विषय-वस्तु के रूप में पाठ्यचर्या
(d) उद्देश्य के रूप में पाठ्यचर्या

सूची-II
(I) क्रो और क्रो
(II) बी.एफ. स्किनर
(III) टेलर और हिल्डा टाबा
(IV) डॉल
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(I)	(IV)	(III)	(II)
(B)	(II)	(III)	(I)	(IV)
(C)	(III)	(I)	(IV)	(II)
(D)	(IV)	(II)	(III)	(I)

87. योगात्मक रेटिंग अभिवृत्ति मापनी के निर्माण के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करें–
(a) अंतिम पदों का चयन करना
(b) प्रत्येक पद हेतु विवेचनात्मक अनुपात की गणना करना
(c) पद लेखन करना
(d) अंतिम परीक्षण हेतु प्रशासित करना
(e) पूर्व-परीक्षण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (e), (c), (d), (b), (a)
(B) (c), (e), (b), (d), (a)
(C) (a), (d), (e), (c), (b)
(D) (c), (e), (d), (b), (a)

88. फ्लैंडर्स के अंत:क्रिया विश्लेषण के अन्तर्गत प्रत्यक्ष शिक्षक संवाद श्रेणी के चरणों को सही अनुक्रम में व्यवस्थित करें–
(a) भावनाओं को स्वीकार करना
(b) प्रशंसा अथवा प्रोत्साहन
(c) प्रश्न पूछना
(d) बच्चों के विचार प्रयुक्त करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (b), (a), (d), (c)
(B) (a), (b), (c), (d)
(C) (c), (a), (b), (d)
(D) (d), (a), (c), (b)

89. सत्य कथनों का चयन करें–
(a) शिक्षा केन्द्रीय सूची का विषय है.
(b) कर्नाटक राज्य ने एनईपी-2020 की समीक्षा करने और राज्य के लिए वैकल्पिक नीति प्रदान करने हेतु अपना राज्य शिक्षा नीति आयोग स्थापित किया है.
(c) भारत सरकार जीडीपी का 6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करती है.
(d) एनईपी-2020 में बहुविध प्रवेश-बहुविध निकास के प्रावधान की सहायता से एमबीबीएस को 2 वर्षों के बाद नर्सिंग डिप्लोमा लेकर छोड़ा जा सकता है.

(e) एनईपी-2020 परोपकार के माध्यम से शिक्षा मे निजी भागीदारी को प्रोत्साहन देती है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल (a), (b), (d) और (e)
(B) केवल (a), (b), (c) और (d)
(C) केवल (b) और (e)
(D) केवल (a), (c) और (d)

90. सूची-I से सूची-II का मिलान कीजिए –

सूची-I

(a) मानसिक मंदता
(b) अधिगम अक्षमता
(c) स्वलीनता स्पैक्ट्रम विकार
(d) ध्यान कमी-अतिसक्रियता

सूची-II

(I) उपलब्धि-सामर्थ्य विसंगति
(II) आवेगात्मक व्यवहार
(III) बुद्धिलब्धि
(IV) सामाजिक कौशलों की कमी विकार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(III)	(I)	(IV)	(II)
(B)	(II)	(I)	(IV)	(III)
(C)	(III)	(IV)	(I)	(II)
(D)	(IV)	(I)	(II)	(III)

निर्देश–(प्र. 91 से 95 तक निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और तत्पश्चात् दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जब किसी भौगोलिक क्षेत्र में बहुत सारी संस्कृतियाँ, एक-दूसरे पर प्रभुत्व स्थापित किए बिना, सह-अस्तित्वमान होती हैं, तो इसे 'सांस्कृतिक बहुलवाद' कहा जाता है. भारत में एक साझा राष्ट्रीय संस्कृति है, किन्तु साथ ही विभिन्न समुदायों को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परम्पराएं बनाए रखने और विकसित करने की स्वतंत्रता भी है, जब तक कि वे राष्ट्र की एकता और सामान्य कल्याण के लिए हानिकारक नहीं हों. यह भारतीय संदर्भ में सांस्कृतिक बहुलवाद है. नेहरू (1946) भारत में 'विविधता में एकता' का वर्णन करते हुए कहते हैं कि ''यह जानना मंत्रमुग्ध करता है कि किस प्रकार बंगालियों, मराठाओं, गुजरातियों, तमिलों, आंध्र-वासियों, उड़ियाओं, असमियों, कन्नडियों, मलयालियों, सिंधियों, पंजाबियों, पठानों, कश्मीरियों, राजपूतों, और हिन्दुस्तानी भाषी लोगों के महान केन्द्रीय खण्ड ने हजारों वर्षों तक अपने विशिष्ट अभिलक्षणों को बनाए रखा है ..... विलक्षण रूप से भारतीय रहे हैं.'' भारतीय संस्कृति भव्य और अनूठी है तथा इसने अन्य संस्कृतियों का लालन-पालन किया है. हम गाँधी को भारतीय सांस्कृतिक विरासत का साकार रूप कह सकते हैं. वह ऐसे व्यक्ति थे जिन्होनें भारतीय संस्कृति की मुख्य बातों को उजागर किया तथा इसकी विशाल-हृदयता, सुनम्यता और सबसे ऊपर इसकी संश्लेषण की विशेषताओं के बारे में बोला. देश की संस्कृति का इतिहास प्राचीन अतीत या निश्चित तौर पर द्रविड़ युग तक जाता है. बाद में बहुत सारी अन्य संस्कृतियाँ, भारतीय संस्कृति के सम्पर्क में आईं तथा भारत में विद्यमान परिस्थितियों और शर्तों के अनुरूप आसानी से भारतीय संस्कृति में मिल गईं. इसी संदर्भ में, गाँधीजी ने भारतीय परिवेश की एकात्मकता को इस संश्लेषण का आधार माना है.

91. जब बहु संस्कृतियों के समाज में बहुसंख्यक संस्कृति प्रभुत्व जमाती है, तो इसे कहा जाता है–

(A) सांस्कृतिक बहुलवाद
(B) साम्यवाद
(C) बहुसंख्यकवाद
(D) सम्प्रदायवाद

92. निम्नलिखित में से कौनसा सत्य नहीं है ?

(A) भारत की साझा राष्ट्रीय संस्कृति है
(B) भारत की बहुलतावादी संस्कृति है
(C) पठानों ने समय के साथ अपने विशिष्ट अभिलक्षणों को बनाए रखा है
(D) भारत में बहुसंख्यक संस्कृति को अल्पसंख्यक संस्कृतियों पर प्रभुत्व जमाना चाहिए

93. भारत इन सबकी भूमि है–

(A) एक व्यापक प्रभुत्वशाली संस्कृति
(B) अनेक संस्कृतियाँ
(C) व्यक्तिवादी पहचान
(D) आरम्भिक सभ्यताएं

94. गाँधीजी के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसी भारतीय संस्कृति की एक विशेषता है ?

(A) एकनिष्ठता
(B) बहुसंख्यकवाद
(C) विशाल हृदयता
(D) कायांतरण

95. भारतीय संस्कृति का साकार रूप ..... में परिलक्षित होता है.

(A) महात्मा गाँधी
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) सुभाष चन्द्र बोस
(D) रबीन्द्रनाथ टैगोर

निर्देश–(प्रश्न 96 से 100 तक) निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और तत्पश्चात् दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

अलथूसर ने तर्क दिया कि कोई वर्ग महज ताकत के उपयोग से लम्बे समय तक सत्ता में नहीं बने रह सकता है. वैचारिक नियंत्रण वर्ग शासन बनाए रखने का कहीं अधिक प्रभावी उपाय है. यदि अधीनस्थ वर्ग के सदस्य अपनी स्थिति को सामान्य, प्राकृतिक और अपरिहार्य मान लेते हैं तथा अपनी स्थिति की सत्य प्रकृति समझने में असफल रहते हैं, तो वे सत्ताधारी वर्ग के प्रभुत्व को शायद ही चुनौती देंगे. दिल और दिमाग जीतने की तुलना में भौतिक बल नियंत्रण का एक अकुशल उपाय है. वर्ग सत्ता को बनाए रखना मौटे तौर पर सत्तारूढ़ वर्ग की विचारधारा के पुनर्उत्पादन पर निर्भर करता है. अत: अलथूसर तर्क देते हैं कि "श्रम शक्ति के पुनर्उत्पादन के लिए केवल इसके कौशलों का पुनर्उत्पादन ही जरूरी नहीं होता है बल्कि साथ-ही-साथ सत्तारूढ़ विचारधारा के प्रति इसकी अधीनस्थता का पुनर्उत्पादन भी आवश्यक होता है." यह अधीनस्थता विभिन्न 'विचारधारात्मक राज्य उपकरणों' द्वारा पुनर्उत्पादित की जाती है, जिनमें जनमीडिया, कानून, धर्म और शिक्षा शामिल हैं. विचारधारात्मक राज्य उपकरण सत्तारूढ़ वर्ग की विचारधारा को संप्रेषित करते हैं और इस प्रकार एक मिथ्या वर्ग चेतना सृजित करते हैं, जो अधीनस्थ वर्ग को मुख्यतया उसकी मातहती/अधीनता की स्थिति में बनाए रखता है. पूर्व-पूँजीवादी समाज में, अलथूसर चर्च को प्रभुत्वशाली विचारधारात्मक राज्य उपकरण के रूप में देखते हैं. पूँजीवादी समाज में यह व्यापक रूप से शिक्षा प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया है.

96. निम्नलिखित में से कौनसा विचारधारात्मक राज्य उपकरण नहीं है ?

(A) धर्म (B) मीडिया
(C) शिक्षा (D) वर्ग

97. मिथ्या वर्ग चेतना व्यक्तियों को नहीं सिखाती कि–
(A) अपनी स्थिति को स्वीकार करे
(B) श्रमिक वर्ग की विचारधारा को स्वीकार करे
(C) अवज्ञा को स्वीकार करे
(D) चर्च, मीडिया और शिक्षा को स्वीकार करें

98. लम्बी अवधि तक सत्ता पर पकड़ बनाए रखने में सबसे प्रभावी क्या है ?
(A) मीडिया नियंत्रण
(B) आर्थिक नियंत्रण
(C) धार्मिक नियंत्रण
(D) वैचारिक नियंत्रण

99. अधीनस्थ सदस्य अपनी स्थिति को किस रूप में देखते हैं ?
(A) आरोपित, विचारधारात्मक और मातहती
(B) सामान्य, प्राकृतिक और अपरिहार्य
(C) अभिविहित, पूर्वनिर्धारित और आवश्यक
(D) प्रदत्त, आवश्यक और संसक्त

100. विद्यालय–
(A) सत्तारूढ़ वर्ग की विचारधारा पुनर्उत्पादित करते हैं
(B) समुदाय पुनर्उत्पादित करते हैं
(C) लोकप्रिय संस्कृति पुनर्उत्पादित करते हैं
(D) राज्य का नियंत्रण पुनर्उत्पादित करते हैं

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) (1) सत्य–फ्रायड के अनुसार, आईडी व्यक्तित्व का कच्चा, असंगठित और विरासत में मिला हिस्सा है, जो आनंद सिद्धांत पर काम करता है.
(2) सत्य–सुपरइगो में दो घटक होते हैं–चेतना (आंतरिक नैतिक नियम) और अहंकार–आदर्श (आकांक्षाएं और आदर्श आत्म).
(3) सत्य–इगो रक्षा प्रणाली चिंता और संघर्षों को प्रबंधित करने में मदद करती है.
(4) असत्य–सुपरइगो नैतिक और सामाजिक मानकों के अनुसार व्यवहार का मार्गदर्शन करते हुए, आईडी आवेगों को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है.

2. (C) (a) चर के गुणों का चयन करना–यह तय करना कि किस लक्षण को मापना है.
(b) शैक्षिक उपकरण/परीक्षण विकसित करना–विश्वसनीय मूल्यांकन बनाना.
(d) विशेषताओं को अलग करने के लिए संचालन का निर्धारण–विभिन्न लक्षणों को अलग करने और मापने के लिए स्पष्ट तरीकों को परिभाषित करना.
(e) मानक स्कोर तैयार करना–माप में स्थिरता सुनिश्चित करना.

3. (B) स्वामी विवेकानन्द ने अपना प्रसिद्ध भाषण 11 सितम्बर, 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिया था. इसे आधुनिक भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण भाषणों में से एक माना जाता है. यह भाषण पूर्व और पश्चिम के बीच की खाई को पाटने और विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के बीच सद्भाव और समझ को बढ़ावा देने का एक प्रयास था. सभी धर्म एक ही सत्य की ओर जाने के मार्ग मात्र हैं सभी की जागरूकता का एहसास करने के लिए धार्मिक हठधर्मिता को पार करना होगा. यह स्वामी विवेकानन्द के 'सार्वभौमिक स्वीकृति' के दर्शन के अनुरूप है क्योंकि उन्होंने सभी धर्मों की एकता और इस विचार पर जोर दिया था कि वे सभी एक ही अंतिम सत्य की ओर ले जाते हैं.

4. (B) (a) मास्लो (Maslow) → (II) मानवतावादी दृष्टिकोण (Humanistic Approach) (अब्राहम मास्लो ने आत्मसाक्षात्कार (Self Actualization) और जरूरतों के पदानुक्रम (Hierarchy of Needs) का सिद्धांत दिया.)
(b) एरिक्सन (Erikson) → (III) जीवन काल दृष्टिकोण (Lifespan Approach) (एरिक एरिक्सन ने मनो–सामाजिक विकास के आठ चरणों की अवधारणा दी, जो जीवनभर चलता है.)
(c) शेल्डन (Sheldon) → (IV) संवैधानिक दृष्टिकोण (Constitutional Approach) (विलियम शेल्डन ने शारीरिक प्रकार सोमाटो टाइपिंग (Somato types) के आधार पर व्यक्तित्व को वर्गीकृत किया.)
(d) फ्रायड (Freud) → (I) मनो–विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण (Psychoanalytic Approach) (सिग्मंड फ्रायड ने व्यक्तित्व संरचना को इद (Id), अहम् (Ego), सुपरइगो (Superego) में विभाजित किया और मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत विकसित किया.)

5. (D) विधि–शास्त्रीय जाँच मॉडल (Jurisprudential Inquiry Model) में शिक्षक–निर्देशित गतिविधियों और मार्गदर्शित अनुदेश की आवश्यकता होती है. यह मॉडल मुख्य रूप से सामाजिक मुद्दों और समस्याओं के विश्लेषण, संवाद कौशल और मूल्यों की समझ विकसित करने पर केन्द्रित होता है.
इस मॉडल के प्रमुख घटक होते हैं–
(b) सामाजिक मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए रूपरेखा.
(c) सामाजिक संवाद में सक्षमता.
(a) सामाजिक समस्याओं के बारे में तथ्य इस मॉडल के मुख्य उद्देश्यों में प्रत्यक्ष रूप से आता है तथा यह एक सहायक तत्व हो सकता है.

6. (B) (a) भारतीय पुनर्वास परिषद् अधिनियम 1992 में पारित किया गया था.
सत्य–भारतीय पुनर्वास परिषद् (RCI) अधिनियम 1992 में लागू हुआ था, जो दिव्यांगजनों की पुनर्वास सेवाओं के नियमन से सम्बन्धित है.
(b) दिव्यांगजन अधिनियम 2010 में संशोधित किया गया था. असत्य–दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में लागू किया गया था.
(c) यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ पर्सन विथ डिसेबिलिटी (UNCRPD) अनिवार्य समावेशी शिक्षा के बारे में चर्चा करता है. सत्य–यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ पर्सन विथ डिसेबिलिटी समावेशी शिक्षा की वकालत करता है और दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा को बढ़ावा देता है.
(d) राष्ट्रीय दिव्यांग नीति, आरटीई एक्ट 2009 से उद्भूत हुई थी. असत्य–राष्ट्रीय विकलांग जन नीति, 2006 में लागू हुई थी, जबकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 बाद में आया था. इसलिए, यह कथन गलत है.
(e) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 में तैयार की गई थी. सत्य–राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) 2005 में विकसित किया गया था, जो शिक्षा के समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है.

7. (B) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत् राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम (NETF) की स्थापना का उद्देश्य शैक्षणिक प्रौद्योगिकी को मजबूत बनाना है.
(a) शैक्षणिक तकनीकी में रणनीतिक हस्तक्षेप क्षेत्रों को कल्पित करना.
सही–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम का एक प्रमुख कार्य रणनीतिक तकनीकी हस्तक्षेपों को परिभाषित करना और उनकी योजना बनाना है.
(b) शोध और नवाचार हेतु नवीन दिशाओं को व्यक्त करना सही–राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम का कार्य शोध और नवाचार को बढ़ावा देना और नई तकनीकों को अपनाने में सहायता प्रदान करना है.
(c) गुजरात में एक आधुनिकतम तकनीकी केन्द्र स्थापित करना.
गलत–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है कि राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम गुजरात या किसी विशेष स्थान पर तकनीकी केन्द्र स्थापित करेगा.
(d) केन्द्र और राज्य सरकारों को तकनीकी आधारित हस्तक्षेपों सम्बन्धी स्वतंत्र साक्ष्य आधारित सलाह प्रदान करना.
सही–राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम का कार्य केन्द्र और राज्य सरकारों को तकनीकी-आधारित नीति निर्णयों के लिए निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित सुझाव देना है.
(e) 2026 से शैक्षणिक तकनीकी के क्षेत्र में शोध परियोजनाएं आवंटित करना.
गलत–राष्ट्रीय शैक्षणिक तकनीकी फोरम स्वयं शोध परियोजनाएं आवंटित करने का कार्य नहीं करता, बल्कि नीतिगत सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान करता है.

8. (B) सावित्रीबाई फुले और उनके पति ज्योतिराव फुले ने 1848 में भारत का पहला बालिका विद्यालय पुणे, महाराष्ट्र में स्थापित किया था. इस विद्यालय को 'फुले शिक्षण मंदिर' के नाम से जाना जाता है. यह भारत में लड़कियों के लिए पहला स्कूल था. फातिमा शेख ने भी इस स्कूल की स्थापना में सहयोग किया और वे भारत की पहली महिला मुस्लिम शिक्षिका बनीं. सावित्रीबाई फुले को भारत में महिला शिक्षा की जननी कहा जाता है.

9. (B) (a) ग्राम्शी → (III) मार्क्सवाद
एंटोनियो ग्राम्शी एक प्रसिद्ध मार्क्सवादी विचारक थे, जिन्होंने हेजेमनी (Hegemony) और सांस्कृतिक मार्क्सवादकी अवधारणा विकसित की.
(b) चार्ल्स एस. पीयर्स →(I) प्रयोजनवाद (Pragmatism) चार्ल्स सैंडर्स पीयर्स अमेरिकी दार्शनिक थे और उन्हें प्रयोजनवाद के जनक के रूप में जाना जाता है.
(c) ज्याँ फ्रेंकोइस लियोतार्द→(IV) उत्तर-आधुनिकतावाद ज्याँ फ्रेंकोइस लियोतार्द उत्तर-आधुनिकतावाद के प्रमुख दार्शनिक थे. उन्होंने The Postmodern Condition में महान कथाओं (Grand Narratives) के अंत की बात की.
(d) नेल नोडिंग्स→(II) नारीवाद
नेल नोडिंग्स एक प्रसिद्ध नारीवादी दार्शनिक हैं, जिन्होंने केयर एथिक्स (Ethics of Care) पर कार्य किया.

10. (C) वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि बाल विकास एक सामाजिक प्रक्रिया है और यह संस्कृति, सामाजिक सम्पर्क और भाषा के माध्यम से होता है.
अब दिए गए कथनों का विश्लेषण करें–
(1) बच्चे का सांस्कृतिक विकास दो बार होता है–पहले सामाजिक स्तर पर और बाद में व्यक्तिगत स्तर पर. यह कथन सही है–वायगोत्स्की का 'आंतरिककरण का सिद्धांत' कहता है कि विकास पहले सामाजिक स्तर (Inter-psychological) पर होता है और फिर व्यक्तिगत स्तर (Intra-psychological) पर आंतरिक रूप से विकसित होता है.
(2) मानवीय गतिविधियाँ सांस्कृतिक परिवेश में होती हैं. यह कथन सही है–वायगोत्स्की के अनुसार, बच्चे की सीखने और सोचने की प्रक्रिया सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ में निर्मित होती है.
(3) बाल विकास में अन्तर-मनोवैज्ञानिक कार्य पहले आता है. उसके बाद अन्तः मनोवैज्ञानिक कार्य आता है.
(4) विकास सामाजिक रूप से साझा गतिविधियों का आंतरिक प्रक्रिया में परिवर्तन है.
यह कथन सही है–वायगोत्स्की के अनुसार, बच्चे सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं और फिर इसे अपने मानसिक विकास में परिवर्तित करते हैं.

11. (B) प्रतिदर्शन (Sampling) प्रक्रिया में निम्नलिखित चरण होते हैं–
(1) अध्ययन किए जाने वाले सांख्यिकीय समग्र को परिभाषित करना-सबसे पहले, यह तय किया जाता है कि किस जनसंख्या (Population) पर अध्ययन किया जाएगा.
(2) प्रतिदर्श रूपरेखा तैयार करना-इसके बाद, प्रतिदर्श रूपरेखा (Sampling Frame) बनाई जाती है, जिसमें अध्ययन के लिए चुने गए समूह की स्पष्ट सूची होती है.
(3) प्रतिदर्श तकनीक को लागू करना-उपयुक्त प्रतिदर्श तकनीक (Sampling Technique) का उपयोग करके नमूना लिया जाता है.
(4) परीक्षण प्रशासित करना- अंत में, परीक्षण (Test-Survey) को लागू किया जाता है और डेटा एकत्र किया जाता है.

12. (B) (a) क्यू पद्धति → (III) स्टीफेंसन (1953)
क्यू पद्धति (Q Methodology) का विकास विलियम स्टीफेंसन (1953) ने किया था. यह व्यक्तियों की व्यक्तिगत दृष्टिकोण और भावनाओं का विश्लेषण करने के लिए प्रयोग की जाती है.
(b) 'अंदाजा लगाओ कौन' → (I) हार्टशोर्न और मे (1929)
अंदाजा लगाओ कौन (Guess Who) तकनीक को हार्टशोर्न और मे (1929) ने विकसित किया था, जिसका उपयोग व्यक्तित्व और नैतिक व्यवहार का अध्ययन करने के लिए किया गया.
(c) छात्र वितरण → (IV) विलियम सीली गोसेट
छात्र वितरण (Student's t-distribution) को विलियम सीली गोसेट ने विकसित किया था, जो छोटे सैंपल साइज के लिए सांख्यिकीय परीक्षण में प्रयुक्त होता है.
(d) बूटस्ट्रैप विधि → (II) ब्रैडली एफ्रॉन बूटस्ट्रैप विधि को ब्रैडली एफ्रॉन ने विकसित किया था, जो सांख्यिकीय अनुमान के लिए पुनरावृत्ति पर आधारित तकनीक है.

13. (B) (1) गुणात्मक शोध अक्सर डेटा एकत्र किए जाने से पहले परिकल्पनाओं को बताने से बचते हैं. यह सही कथन

है. गुणात्मक शोध में आधिकारिक परिकल्पना (Hypothesis) पहले से तय नहीं की जाती; डेटा संग्रह के बाद निष्कर्ष निकाले जाते हैं.

(3) शैक्षिक अनुसंधान में मात्रात्मक ढाँचे में शिक्षा के बारे में सवालों के जवाब देने की कोशिश करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति का अनुप्रयोग शामिल है. यह सही कथन है. मात्रात्मक अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धति (Scientific Method) का उपयोग करके शिक्षा सम्बन्धी प्रश्नों का उत्तर देता है.

(4) मात्रात्मक शोध आमतौर पर एक विशिष्ट परिकल्पना का परीक्षण करता है, गुणात्मक शोध अक्सर ऐसा नहीं करता है. यह सही कथन है. मात्रात्मक शोध में परिकल्पना परीक्षण (Hypothesis Testing) आवश्यक होता है, जबकि गुणात्मक शोध में यह जरूरी नहीं होता.

(2) एक प्रत्यक्षवादी का मानना है कि प्राकृतिक घटना के गुणों को ज्ञान के रूप में समझने के बाद साक्ष्य द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए. यह कथन गलत है. प्रत्यक्षवाद (Positivism) का मानना है कि केवल संवेदनात्मक अनुभव (Empirical Evidence) और तथ्यात्मक साक्ष्य (Factual Evidence) ही सत्यापित ज्ञान हो सकते हैं. प्रत्यक्षवाद प्राकृतिक घटना के गुणों के बजाए मापन योग्य घटनाओं पर जोर देता है.

14. (C) NCFTE-2009 (नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर टीचर एजुकेशन-2009) के अनुसार, सेवा-कालीन शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को डिजाइन करने के लिए निम्नलिखित सिद्धांतों को शामिल किया गया है–

(a) विषय वस्तु और शैक्षणिक दृष्टिकोण–शिक्षक प्रशिक्षण में विषय की गहरी समझ और शिक्षण के प्रभावी तरीके महत्वपूर्ण होते हैं.

(b) शैक्षिक प्राप्ति दृष्टिकोण–यह दृष्टिकोण शिक्षकों को छात्रों की प्रगति और सीखने की प्रक्रिया का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है.

(c) संरचनात्मक स्थान दृष्टिकोण–शिक्षकों के लिए शिक्षण- प्रशिक्षण के सामाजिक और संरचनात्मक पहलुओं को समझना आवश्यक होता है.

(d) शिक्षकों को शिक्षार्थी के रूप में सम्बोधित करना–शिक्षकों को भी निरन्तर सीखने की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है, जिससे वे स्वयं शिक्षार्थी बने रहें.

15. (C) T-स्कोर को निम्नलिखित सूत्र द्वारा परिभाषित किया जाता है–

$T = 50 + 10 \times Z$

जहाँ

- Z = प्राप्तांक का Z-स्कोर (मानक स्कोर)
- 50 = T-स्कोर का मध्यक (Mean)
- 10 = मानक विचलन (Standard Deviation Multiplier) दिए गए प्रश्न में
- यदि किसी विशेष प्राप्तांक का T-स्कोर पहले 50 था, तो यह दर्शाता है कि उस प्राप्तांक का Z-स्कोर = 0 था.

$$50 = 50 + 10 \times 050$$
$$= 50 + 10 \text{ times } 050$$
$$= 50 + 10 \times 0$$

- यदि सभी स्कोर को 10 से गुणा किया जाता है, तो Z-स्कोर में कोई परिवर्तन नहीं होगा, क्योंकि Z-स्कोर मानक विचलन और माध्य के सापेक्ष गणना किया जाता है.
- चूँकि Z-स्कोर नहीं बदला, T-स्कोर का नया मान भी 50 रहेगा.

16. (A) वुड डिस्पैच (1854) की सिफारिशों के आधार पर, 1857 में भारत में तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई–
- कलकत्ता विश्वविद्यालय (जनवरी 1857)
- बॉम्बे विश्वविद्यालय (जुलाई 1857)
- मद्रास विश्वविद्यालय (सितम्बर 1857)
- उस समय भारत के गवर्नर-जनरल लॉर्ड कैनिंग (1856-62) थे.

17. (B) योग्यता आधारित पाठ्यक्रम मॉडल (Competency Based Curriculum–CBC) एक सीखने-केन्द्रित दृष्टिकोण है, जो विद्यार्थियों को विशिष्ट कौशल और दक्षताओं में महारत हासिल करने पर जोर देता है.

मुख्य विशेषताएं–प्रत्येक विद्यार्थी को अपने स्वयं के गति (Pace) से सीखने की अनुमति दी जाती है.

मूल्यांकन कौशल-आधारित होता है, जिसमें यह देखा जाता है कि विद्यार्थी विशिष्ट दक्षताओं (Competencies) को कितनी अच्छी तरह से प्राप्त कर पाया है.

विद्यार्थी तब तक आगे नहीं बढ़ते जब तक कि वे उम्मीद के मुताबिक कौशल में पारंगत न हो जाएं.

अन्य विकल्पों का विश्लेषण–

1. कौशल प्राप्त करने में बिताया गया समय→ CBC में सीखने की गति लचीली होती है, समय नहीं देखा जाता.

3. सामान्य ज्ञान कौशल→ CBC विशिष्ट व्यावहारिक दक्षताओं पर केंद्रित होता है, न कि सामान्य ज्ञान पर.

4. सामान्य जीवन कौशल→ यह केवल जीवन कौशल तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक रूप से तकनीकी, व्यावसायिक और शैक्षिक कौशल पर केंद्रित है.

18. (C) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार, स्कूल शिक्षकों से निरन्तर व्यावसायिक विकास पर वार्षिक 50 घण्टे खर्च करने की प्रत्याशा की जाती है.

19. (B) NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद्) ने डॉ. गणेश कन्नाबिरन समिति की सिफारिशों के आधार पर मान्यता में परिवर्तनकारी सुधारों का प्रस्ताव रखा.इन सुधारों में बाइनरी प्रत्यायन प्रणाली और परिपक्वता-आधारित ग्रेडेड स्तर शामिल हैं.

20. (C) शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों को कालानुक्रमिक रूप से सही क्रम में इस प्रकार है–

(b) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड – 1987

(c) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम – 1994

(a) सर्व शिक्षा अभियान – 2001

(d) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान – 2009

(e) समग्र शिक्षा अभियान – 2018

21. (B) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार, सभी एकल-अध्यापक शिक्षा संस्थानों (Teacher Education Institutes – TEIs) को वर्ष 2030 तक बहु-विषयक संस्थानों में परिवर्तित किया जाना है.

22. (A) (a) अल्फ्रेड एडलर फ्रॉयड के इस विचार से असहमत थे कि मानवीय भावनाओं का मूल कारण अचेतन संघर्ष होता है. एडलर का मानना था कि व्यक्ति की प्रेरणाएं सामाजिक संदर्भ और हीनता ग्रंथि (Inferiority Complex) से प्रभावित होती हैं, न कि केवल अचेतन संघर्ष से. वे

अचेतन की भूमिका को उतना महत्वपूर्ण नहीं मानते थे जितना फ्रॉयड मानते थे. यह कथन सत्य है.

(b) आरोन बेक ने 1960 के दशक में संज्ञानात्मक चिकित्सा (Cognitive Therapy) का विकास किया, जो बाद में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (CBT) का आधार बना. यह कथन सत्य है.

(c) संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (CBT) 1950 के दशक में नहीं, बल्कि 1960 के दशक में विकसित हुई. इसे मुख्य रूप से आरोन बेक ने विकसित किया था, और इसे 1970 और 1980 के दशक में अधिक मान्यता मिली. यह कथन असत्य है.

(d) ABC मॉडल में 'C' परिणामी भावना या व्यवहार (Consequence) को निरूपित करता है. इस मॉडल में A (Activating Event) यानी कोई घटना होती है, B (Belief) यानी व्यक्ति की धारणा होती है, और C (Consequence) यानी भावना और व्यवहार उत्पन्न होते हैं. यह कथन सत्य है.

(e) ABC मॉडल में 'A' का अर्थ आत्मसातीकरण (Assimilation) नहीं है, बल्कि यह 'Activating Event' को दर्शाता है, यानी वह घटना जो किसी भावना या व्यवहार को प्रेरित करती है. यह कथन असत्य है.

23. (B) क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंसों को उनकी अनुज्ञप्तिकरण (Licensing) और प्रयोग सुनम्यता के आधार पर निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित किया जा सकता है–

(a) सार्वजनिक डोमेन (पीडी) सबसे अधिक लचीला है. कोई प्रतिबन्ध नहीं हैं; कोई भी बिना किसी आरोप के उपयोग, संशोधन और वितरण कर सकता है.

(b) क्रिएटिव कॉमन्स बाय (सीसी बाय)–एट्रिब्यूशन की आवश्यकता है, लेकिन संशोधन और व्यावसायिक उपयोग की अनुमति है.

(c) क्रिएटिव कॉमन्स शेयर-अलाइक (सीसी बाय-एसए) - संशोधन और व्यावसायिक उपयोग की अनुमति देता है, लेकिन व्युत्पन्न कार्यों को समान शर्तों के तहत् लाइसेंस प्राप्त होना चाहिए.

(d) क्रिएटिव कॉमन्स नॉन-डायरेक्टिव (सीसी बाय-एनडी) - पुनर्वितरण की अनुमति देता है, लेकिन कोई संशोधन नहीं किया जा सकता है.

(e) क्रिएटिव कॉमन्स नॉन-कमर्शियल (CC BY - NC) - सबसे अधिक प्रतिबन्धात्मक-उपयोग केवल गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए है, जो इसे CC BY-SA या CC BY-ND से अधिक प्रतिबंधात्मक बनाता है.

24. (D) सूची-I और सूची-II के सही मिलान निम्नलिखित हैं–

(a) ADDIE मॉडल– (III) व्यवस्थित अनुदेशन–प्रशिक्षण और शैक्षणिक सामग्री का आकलन करने की सोपान-दर-सोपान रूपरेखा - ADDIE (एडी) (विश्लेषण, डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन) एक व्यापक अनुदेशनात्मक डिजाइन मॉडल है, जिसका उपयोग शिक्षण और प्रशिक्षण सामग्री विकसित करने में किया जाता है.

(b) ASSURE (ऐश्योर) मॉडल – (I) मीडिया चयन यह एक व्यवस्थित अनुदेशनात्मक मॉडल है, जिसमें सीखने के उद्देश्यों के अनुसार मीडिया और शिक्षण विधियों का चयन किया जाता है.

(c) डिक और कारे मॉडल – (IV) शिक्षणार्थी, विश्लेषण तथा सहभागिता यह एक अनुदेशनात्मक डिजाइन मॉडल है, जो शिक्षण योजना तैयार करने और मीडिया के प्रभावी उपयोग के लिए शिक्षार्थी के विश्लेषण और सहभागिता पर केंद्रित होता है.

(d) मेसन – (II) जीवंत पुस्तकें, कथ्य और आदतें मेसन का शिक्षण दृष्टिकोण मुख्य रूप से साहित्य, आदतों और नैतिक मूल्यों पर केंद्रित था, जिसे उन्होंने जीवंत पुस्तकों के माध्यम से विकसित किया.

25. (C) QUAN→QUAL एक मिश्रित विधि (Mixed Method) शोध अभिविन्यास को निरूपित करता है, जिसमें मात्रात्मक (Quantitative -QUAN) अनुसंधान पहले किया जाता है और उसके बाद गुणात्मक (Qualitative - QUAL) अनुसंधान किया जाता है. यह 'अनुक्रमणात्मक व्याख्यात्मक' (Sequential Explanatory) अभिविन्यास को दर्शाता है, क्योंकि इसमें पहले मात्रात्मक डेटा संग्रह किया जाता है फिर उसे गुणात्मक डेटा द्वारा समझाया जाता है.

26. (C) सिक्स सिग्मा के लिए डिजाइन (DFSS– Design for Six Sigma) में चरणों का सही क्रम निम्नलिखित होगा–

1. ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप यथार्थवादी लक्ष्य परिभाषित करें → परिभाषित करें
2. ग्राहक की महत्वपूर्ण-से-गुणवत्ता आवश्यकताओं को मापें और पहचानें → मापें
3. अनेक विकल्पों और विकल्पों का विश्लेषण करें → विश्लेषण करें
4. प्रक्रिया को उच्च स्तर पर डिजाइन करें → डिजाइन
5. सत्यापित करें कि अंतिम पुनरावृत्ति स्वीकृत है → सत्यापित करें

27. (A) 1. सीखने की प्रक्रिया के दौरान छात्रों की ताकत और कमजोरियों का आकलन करने के लिए शिक्षकों और परामर्शदाताओं द्वारा रचनात्मक मूल्यांकन का उपयोग किया जाता है. यह उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करता है, जहाँ छात्र अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जहाँ उन्हें सुधार की आवश्यकता है, जिससे समय पर हस्तक्षेप की अनुमति मिलती है.

2. उपलब्धि मूल्यांकन यह आकलन करता है कि छात्रों ने शिक्षण अवधि के अंत में क्या सीखा है, लेकिन ताकत और कमजोरियों के निदान पर ध्यान केंद्रित नहीं करता है.

3. सुधार के विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करने के बजाए समग्र सीखने के परिणामों को मापने के लिए पाठ्यक्रम या कार्यक्रम के अंत में योगात्मक मूल्यांकन किया जाता है.

4. मानदंड-संदर्भित मूल्यांकन विकासात्मक शक्तियों और कमजोरियों की पहचान करने के बजाए मानदंडों के एक निश्चित सीखने के मानक या उद्देश्य को कितना अच्छी तरह पूरा कर रहे हैं.

28. (D) समावेशी पाठ्यचर्या (Inclusive Curriculum) का अर्थ एक ऐसी पाठ्यचर्या से है, जो सभी विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं, क्षमताओं और सीखने की शैलियों को ध्यान में रखती है. यह पाठ्यचर्या लचीली (Flexible) होती है, ताकि विभिन्न स्तरों और क्षमताओं के छात्रों को सीखने का समान अवसर मिल सके.

29. (D) बिल रेडिन (Bill Reddin) ने 3-डी नेतृत्व मॉडल विकसित किया था, जिसमें चार बुनियादी नेतृत्व शैलियाँ पहचानी गई थीं–
सम्बन्धित, एकीकृत, समर्पित, अलग.

30. (C) भारतीय दर्शन की न्याय शाखा में अनुमान प्रमाण (Inference or Anumana Pramana) के पाँच चरण होते हैं, जिन्हें 'पंचावयव' कहा जाता है. ये चरण निम्नलिखित क्रम में होते हैं–

1. प्रतिज्ञा (C - कथन)→जो साबित किया जाना है.

2. हेतुः (B - तर्क)→कथन को प्रमाणित करने के लिए दिया गया कारण.

3. उदाहरण (D - उदाहरण)→किसी ज्ञात उदाहरण के माध्यम से कथन की पुष्टि.

4. उपनीय (E - अनुप्रयोग)→दिए गए कारण को विशेष स्थिति पर लागू करना.

5. निगमन (A - निष्कर्ष)→अंतिम निष्कर्ष निकालना.

उदाहरण :

प्रतिज्ञा : पहाड़ पर आग है.

हेतु :: क्योंकि वहाँ धुआँ है.

उदाहरण : जहाँ-जहाँ धुआँ होता है, वहाँ आग होती है (जैसे–रसोई में).

अनुप्रयोग : पहाड़ पर भी धुआँ है, इसलिए वहाँ आग होगी.

निगमन : अतः, पहाड़ पर निश्चित रूप से आग है.

31. (A) जोसेफ एम. राइस ने 1890 के दशक में पहली बार लिखित परीक्षण (Written Test) का उपयोग विद्यार्थियों की वर्तनी उपलब्धि (Spelling Achievement) को मापने के लिए किया था. उन्होंने अमेरिका में विभिन्न विद्यालयों में जाकर वर्तनी परीक्षण किए और उनके आधार पर शिक्षण पद्धतियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया.

32. (A) वेब 2·0 (Web 2·0) उपकरणों का उपयोग ई-लर्निंग (E-Learning) में सहयोगी अधिगम (Collaborative Learning) के लिए किया जाता है.

1. विकी - सहयोगात्मक शिक्षण के लिए सबसे उपयुक्त है, क्योंकि कई उपयोगकर्ता सामूहिक रूप से सामग्री को सम्पादित, योगदान और परिष्कृत कर सकते हैं.

2. ब्लॉग - मुख्य रूप से व्यक्तिगत सामग्री साझा करने और चर्चा के लिए उपयोग किया जाता है, प्रत्यक्ष सहयोग के लिए नहीं.

3. पॉडकास्ट - एक तरफा संचार उपकरण, मुख्य रूप से बातचीत के बजाए सामग्री वितरण के लिए.

4. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग - वास्तविक समय संचार की अनुमति देता है, लेकिन इसमें अतुल्यकालिक सहयोग सुविधाओं का अभाव है.

33. (D) यह मिलान सामाजिक अनुसंधान (Social Research) में प्रयुक्त विभिन्न गुणात्मक विधियों (Qualitative Methods) पर आधारित है.

(a) एथ्नोग्राफी (Ethnography) – (IV)

- यह किसी समूह की प्राकृतिक प्रस्थापना (Natural Setting) में उसकी सांस्कृतिक पद्धतियों और दृष्टिकोण को समझने की विधि है.
- शोधकर्ता स्वयं समाज या समुदाय में रहकर अध्ययन करता है.

(b) एथोलॉजी (Ethology) – (I)

- यह विभिन्न समाजों की विशेषताओं और संस्कृतियों के अंर्तसम्बन्ध को समझने का अध्ययन है.
- यह मुख्य रूप से मानव और पशु व्यवहार की तुलना करता है.

(c) एथनोमेथडोलॉजी (Ethnomethodology) – (III)

- यह अध्ययन करता है कि लोग स्वयं की दैनिक गतिविधियों की अर्थ-निर्मिति (Meaning-Making of Daily Activities) किस प्रकार करते हैं.
- यह सामाजिक रूप से स्वीकार्य तरीकों को समझने पर केंद्रित होता है.

(d) फिनोमेनोलॉजी (Phenomenology) – (II)

- यह उन विशिष्ट प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करता है कि वे किसी क्रियाकलाप या संकल्पना का अनुभव कैसे करते हैं.
- इसमें व्यक्ति के निजी अनुभवों और चेतना का अध्ययन किया जाता है.

34. (A) नौकरी आवेदन 'पोर्टफोलियो' एक तैयार पोर्टफोलियो होता है.

35. (A) समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का उद्देश्य सभी छात्रों को उनकी विविध क्षमताओं, आवश्यकताओं और मतभेदों के साथ समान अवसर प्रदान करना है. यह किसी को मुख्यधारा में ढालने की बजाए सभी को स्वीकार करने और सहयोगी शिक्षा वातावरण प्रदान करने पर केंद्रित है.

1. मुख्यधारा में लाने का लक्ष्य (Mainstreaming) – समावेशी शिक्षा सभी छात्रों को एकसमान वातावरण देने पर ध्यान केंद्रित करती है, बजाए इसके कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को जबरदस्ती मुख्यधारा में समायोजित किया जाए.

अन्य विकल्प

2. विविध शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना – समावेशी शिक्षा विभिन्न छात्रों की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें उपयुक्त सहायता प्रदान करती है.

3. बहुल समाज की जरूरतों को पूरा करना – यह सामाजिक विविधता को स्वीकार करता है और सभी पृष्ठभूमियों के बच्चों को समान अवसर देता है.

4. व्यक्तिगत मतभेदों पर विचार करना – यह प्रत्येक छात्र की विशेषताओं को पहचानकर उन्हें अनुकूल शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है.

36. (C) योग्यता आधारित पाठ्यक्रम मॉडल सीखने की प्रक्रिया को स्पष्ट योग्यताओं के आधार पर संरचित करता है. इस मॉडल में चरणबद्ध ढंग से योग्यता निर्माण किया जाता है–

1. सामान्य योग्यताओं की पहचान-सबसे पहले, यह पहचाना जाता है कि छात्रों में कौनसी सामान्य योग्यताएं विकसित करनी हैं.

2. योग्यताओं को विशिष्ट विषयों में व्यवस्थित करना-पहचानी गई योग्यताओं को विभिन्न विषयों से जोड़कर व्यवस्थित किया जाता है, ताकि वे पाठ्यक्रम के अनुरूप हों.

3. सीखने के अनुभव बनाना-इसके बाद, शिक्षण गतिविधियाँ और अनुभव डिजाइन किए जाते हैं, ताकि छात्र इन योग्यताओं को विकसित कर सकें.

4. योग्यताओं का आकलन-जब छात्र शिक्षण प्रक्रिया से गुजरते हैं, तो उनकी प्राप्त योग्यताओं का आकलन किया जाता है.

5. पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन-अंत में, पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जाता है, ताकि जरूरत पड़ने पर उसमें सुधार किया जा सके.

37. (D) रॉबर्ट गैग्ने ने शिक्षण और निर्देश की 9 घटनाओं का मॉडल विकसित किया था, जो प्रभावी शिक्षण को व्यवस्थित करने में मदद करता है. इन चरणों का सही क्रम निम्नलिखित है–

1. ध्यान आकर्षित करना (Gain Attention)-शिक्षार्थियों का ध्यान खींचने के लिए कोई दिलचस्प गतिविधि या प्रश्न प्रस्तुत करें.

2. लक्ष्य का वर्णन करें और शिक्षार्थी को उद्देश्यों से अवगत कराना (Inform Learners of Objectives)–विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से बताएं कि वे क्या सीखने जा रहे हैं और इसके क्या लाभ होंगे.

3. पूर्व अधिगम की याद को प्रोत्साहित करना (Stimulate Recall of Prior Learning)–पहले से सीखी गई चीजों को याद करने में सहायता करें, ताकि नई जानकारी से उसे जोड़ा जा सके.

4. अधिगम के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना (Provide Learning Guidance)–शिक्षार्थियों को नई जानकारी को समझने और लागू करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दें.

5. सुदृढ़ीकरण प्रदान करना (Provide Reinforcement / Feedback)–सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहन और फीडबैक प्रदान करें.

38. (B) विकलांगता की गम्भीरता को बढ़ाने के लिए, हमें कम-से-कम प्रतिबंधात्मक वातावरण से शुरुआत करनी चाहिए और सबसे अधिक प्रतिबंधात्मक वातावरण की ओर बढ़ना चाहिए.

1. नियमित कक्षा - कम-से-कम प्रतिबंधात्मक, क्योंकि छात्र अतिरिक्त सहायता के बिना सामान्य शिक्षा सेटिंग में है.

2. पूरक निर्देश और सेवाओं के साथ नियमित कक्षा - थोड़ा अधिक प्रतिबंधात्मक, क्योंकि छात्र को अतिरिक्त सहायता मिलती है.

3. नियमित कक्षा और संसाधन कक्ष - छात्र अतिरिक्त सहायता के लिए संसाधन कक्ष में कुछ समय बिताता है, लेकिन दिन के अधिकांश समय सामान्य कक्षा में ही रहता है.

4. पूर्णकालिक अलग कक्षा - अधिक प्रतिबंधात्मक, क्योंकि छात्र को सामान्य शिक्षा वातावरण से दूर एक विशेष कक्षा में रखा जाता है.

5. विशेष स्कूल - सबसे अधिक प्रतिबंधात्मक, क्योंकि छात्र को महत्वपूर्ण विकलांग छात्रों के लिए डिजाइन किए गए विशेष स्कूल में रखा जाता है.

39. (B) 1. रिमोट एसोसिएट्स टेस्ट (आरएटी) - रचनात्मकता का एक परीक्षण जो शब्दों के बीच सम्बन्ध ढूँढकर अभिसरण सोच को मापता है.

2. शर्मा का अपसारी उत्पादन क्षमता परीक्षण- व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त रचनात्मकता परीक्षण नहीं है, जो इसे एक सम्भावित उत्तर बनाता है.

3. रचनात्मक सोच का मिनेसोटा परीक्षण - सम्भवतः एक रचनात्मकता परीक्षण, हालाँकि टोरेंस टेस्ट जितना प्रसिद्ध नहीं है.

4. उत्पाद सुधार का गिलफोर्ड परीक्षण- गिलफोर्ड के रचनात्मकता अनुसंधान का हिस्सा, जो इसे एक वैध रचनात्मकता परीक्षण बनाता है.

40. (D) (a) एक बेहतर परिकल्पना, सिद्धान्त या पूर्वधारण टीम वर्क पर आधारित होती है–यह सत्य कथन है. परिकल्पना वैज्ञानिक सिद्धांतों, पूर्व शोधों और टीम वर्क (Collaborative Effort) के आधार पर विकसित की जाती है.

(b) एक निगमनात्मक परिकल्पना विशिष्ट प्रेक्षणों पर आधारित एक सामान्यीकरण है–यह असत्य कथन है. निगमनात्मक परिकल्पना सामान्य से विशिष्ट की ओर जाती है, जबकि यह कथन आगमनात्मक (Inductive) परिकल्पना की विशेषता दर्शाता है, जो विशिष्ट प्रेक्षणों से सामान्यीकरण बनाती है.

(c) अंतःक्रियात्मक मल्टीमीडिया वाले और पारम्परिक अनुदेश प्राप्त करने वाले छात्रों की तुलना करना गैर-दिशात्मक परिकल्पना है–यह असत्य कथन है. यह दिशात्मक परिकल्पना (Directional Hypothesis) का उदाहरण है, क्योंकि इसमें यह अनुमान लगाया गया है कि मल्टीमीडिया वाला समूह अधिक अंक प्राप्त करेगा.

गैर-दिशात्मक परिकल्पना केवल यह कहती कि "दोनों समूहों के बीच अंतर होगा" बिना यह बताए कि कौन बेहतर करेगा.

(d) गुणात्मक शोधकर्ता प्रस्तावित शोध हेतु मार्गदर्शक परिकल्पना विकसित कर सकते हैं –यह सत्य कथन है.

गुणात्मक शोध (Qualitative Research) में कार्यशील परिकल्पना (Working Hypothesis) बनाई जाती है, जो शोध प्रक्रिया के दौरान विकसित होती रहती है.

41. (D) NCFTE-2009 (National Curriculum Framework for Teacher Education - 2009) ने शिक्षक शिक्षा के लिए चार मुख्य पाठ्यचर्या क्षेत्रों (Core Curriculum Areas) को परिभाषित किया है. ये हैं–

1. पाठ्यचर्या और शिक्षणशास्त्र (Curriculum and Pedagogy)- इसमें शिक्षण की प्रक्रियाएं, शिक्षण-शास्त्र के विविध दृष्टिकोण, और मूल्यांकन पद्धतियाँ शामिल हैं.

2. शिक्षा के आधार (Foundations of Education)–इसमें दार्शनिक, समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक आधार शामिल होते हैं, जो शिक्षक शिक्षा के मूल सिद्धांतों को स्पष्ट करते हैं.

3. विद्यालय प्रशिक्षुता (School Internship/Engagement)–यह शिक्षक प्रशिक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिसमें प्रशिक्षु शिक्षकों को स्कूलों में व्यावहारिक अनुभव दिया जाता है.

4. शिक्षणार्थी आकलन (Assessment of Learners)–छात्रों के सीखने के स्तर को परखने और उनकी शैक्षिक प्रगति को मापने के लिए विभिन्न मूल्यांकन पद्धतियाँ इसमें शामिल हैं.

42. (A) 1. कर्ट लेविन गेस्टाल्ट मनोविज्ञान के संस्थापकों में से एक थे. यह कथन सत्य है. कर्ट लेविन को सामाजिक मनोविज्ञान और क्षेत्र सिद्धांत में उनके योगदान के लिए जाना जाता है, लेकिन वह गेस्टाल्ट मनोविज्ञान से भी जुड़े थे.

2. अल्बर्ट बंडुरा ने तीन प्रमुख अव-धारणाओं–जीवन स्थान, वेक्टर और अंतर्दृष्टि के आधार पर मानव व्यवहार और सीखने का वर्णन किया. यह कथन असत्य है. ये अवधारणाएं कर्ट लेविन से जुड़ी हैं, बंडुरा से नहीं. बंडुरा को सामाजिक शिक्षण सिद्धांत और मॉडलिंग और आत्म-प्रभावकारिता जैसी अवधारणाओं के लिए जाना जाता है.

3. चिंपैंजी पर प्रयोगों से सम्बन्धित कोहलर की पुस्तक मेंटैलिटी ऑफ एप्स थी. यह कथन सत्य है. वोल्फगैंग कोहलर ने चिंपैंजी पर प्रयोग किए और द मेंटैलिटी ऑफ एप्स लिखी, जिसने गेस्टाल्ट सीखने के सिद्धांत में योगदान दिया.

4. स्किनर ने व्यवहार के विकास में "कोई उत्तेजना नहीं, कोई प्रतिक्रिया नहीं" तंत्र का विरोध किया. यह कथन सत्य है.

बी.एफ. स्किनर, व्यवहारवाद में एक प्रमुख व्यक्ति, ने केवल उत्तेजना-प्रतिक्रिया तंत्र के बजाए संचालक कंडीशनिंग पर जोर दिया.

5. एक सकारात्मक पुनर्बलक कोई भी उत्तेजना है जिसके हटाने या वापस लेने से किसी व्यवहार की सम्भावना कम हो जाती है. यह कथन असत्य है. यह कथन नकारात्मक सुदृढीकरण का वर्णन करता है, सकारात्मक सुदृढीकरण का नहीं. एक सकारात्मक सुदृढीकरण एक उत्तेजना जोड़कर व्यवहार को बढ़ाता है, जबकि नकारात्मक सुदृढीकरण एक प्रतिकूल उत्तेजना को हटाकर व्यवहार को बढ़ाता है.

43. (B) (a) निपुण निर्णय→ संदर्भित मानदंड (III) →उपाय यदि किसी छात्र ने एक विशिष्ट मानक हासिल किया है.

(b) औसत आईक्यू → मानक-संदर्भित (IV)→आईक्यू की तुलना एक बड़े जनसंख्या मानदंड से की जाती है.

(c) क्षमता का मूल्यांकन → योगात्मक (I) →योगात्मक मूल्यांकन समग्र क्षमता का मूल्यांकन करता है.

(d) भविष्य के निर्देश का मार्गदर्शन → रचनात्मक (II) →रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षण विधियों को संशोधित करने में मदद करते हैं.

44. (B) पाठ्यचर्या विकास के आधारभूत सिद्धांत–

1. सम्पूर्णता का सिद्धांत (Principle of Totality) – यह सिद्धांत शिक्षा को समग्र रूप से देखने की वकालत करता है, जहाँ पाठ्यक्रम केवल विषयों तक सीमित न होकर सामाजिक, मानसिक और नैतिक विकास को भी कवर करता है.

2. परिपक्वता का सिद्धांत (Principle of Maturity) – यह सिद्धांत बताता है कि पाठ्यचर्या का विकास छात्रों की मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के अनुसार होना चाहिए.

3. लचीलेपन का सिद्धांत (Principle of Flexibility) –पाठ्यचर्या में समय के अनुसार परिवर्तन सम्भव होना चाहिए, ताकि यह विभिन्न शिक्षण शैलियों और जरूरतों के अनुरूप हो सके.

45. (A) I.T.E.P. (Integrated Teacher Education Programme) यानी 'एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम' को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् ने 2021 में अधिसूचित किया था. यह 4 वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत् शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए लाया गया है. इस कार्यक्रम को पूरा करने पर विद्यार्थी को निम्नलिखित उपाधियाँ मिलती हैं–

B.A. B.Ed. (Bachelor of Arts + Bachelor of Education)

B.Sc. B.Ed. (Bachelor of Science + Bachelor of Education)

B.Com. B.Ed. (Bachelor of Commerce + Bachelor of Education)

यह कोर्स 12वीं कक्षा के बाद किया जाता है और इसमें स्नातक (Graduation) + बी.एड. (B.Ed.) एक साथ शामिल होते हैं.

46. (A) विभिन्न ऑनलाइन रिपॉजिटरी और उनके एक्सेस मॉडल–

1. Research Gate–पूरी तरह से निःशुल्क (Free Access) है. यह एक एकेडमिक सोशल नेटवर्किंग साइट है, जहाँ शोधकर्ता अपने रिसर्च पेपर्स अपलोड कर सकते हैं. उपयोगकर्ता अन्य शोधकर्ताओं से सीधे पेपर का अनुरोध (Request Full-Text) कर सकते हैं. कई शोध-पत्र ओपन एक्सेस उपलब्ध होते हैं.

2. JSTOR–पेड एक्सेस (Paid Access)–इसमें हजारों शोध-पत्र और लेख संग्रहित होते हैं, लेकिन अधिकांश सामग्री सदस्यता (Subscription) आधारित है. सीमित संख्या में ही फ्री रिसर्च पेपर उपलब्ध होते हैं.

3. PubMed–मेडिकल रिसर्च के लिए, लेकिन सभी फ्री नहीं है. यह मेडिकल और बायोलॉजी शोध-पत्रों की रिपॉजिटरी है. इसमें कुछ शोध-पत्र फ्री होते हैं, लेकिन अधिकतर सदस्यता आधारित (Subscription-Based) होते हैं.

4. Google Books–पूरी तरह से निःशुल्क नहीं है. इसमें किताबों के पूर्वावलोकन (Previews) मिलते हैं, लेकिन पूरे शोध-पत्र या किताबें मुफ्त में नहीं मिलतीं. कुछ सार्वजनिक डोमेन पुस्तकें (Public Domain Books) फ्री उपलब्ध हो सकती हैं.

47. (B) डेविड कोल्ब का अनुभवजन्य अधिगम मॉडल के अनुसार, अधिगम (Learning) एक चक्रीय प्रक्रिया (Cyclic Process) है, जिसमें चार चरण होते हैं–

1. ठोस अनुभव (Concrete Experience)–(c)
- यह चरण वास्तविक अनुभवों पर आधारित होता है.
- इसमें व्यक्ति किसी नई स्थिति या समस्या का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करता है.

2. प्रेक्षण और चिंतन (Reflective Observation)–(b, e)
- व्यक्ति अनुभव के बारे में गहराई से सोचता है और विश्लेषण करता है.
- यह चिंतन व्यक्ति को अनुभव के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करता है.

3. अमूर्त संकल्पना (Abstract Conceptualization)–(a)
- इस चरण में व्यक्ति अपने अनुभव और चिंतन से नए विचारों या सिद्धांतों का विकास करता है.
- यह सामान्यीकरण और अमूर्त अवधारणाओं को जन्म देता है.

4. सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation)–(d)
- अंतिम चरण में व्यक्ति नए सीखे गए संप्रत्ययों को वास्तविक जीवन में लागू करने का प्रयास करता है.
- यह परीक्षण नवीन परिस्थितियों में होता है.

48. (C) कालक्रमानुसार व्यवस्थित विवरण –

1. शिक्षा सम्बन्धी शाही राजाज्ञा (Charter Act of 1813)
- ब्रिटिश सरकार ने पहली बार भारतीय शिक्षा के लिए धनराशि आवंटित की.
- अंग्रेजी और स्वदेशी भाषाओं में शिक्षा के लिए ₹ 1 लाख की राशि निर्धारित की गई.

2. स्टेनले डिस्पैच (Stanley Dispatch, 1854)
- इसे वुड डिस्पैच भी कहा जाता है.
- भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव रखी गई.
- विश्वविद्यालयों की स्थापना की सिफारिश की गई.

3. हंटर आयोग (Hunter Commission, 1882)
- लॉर्ड रिपन द्वारा गठित किया गया.
- प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया.

4. हरटोग समिति रिपोर्ट (Hartog Committee Report, 1929)

- भारत में बुनियादी शिक्षा को सुधारने के लिए गठित.
- शिक्षा में व्यावसायिक प्रशिक्षण को शामिल करने की सिफारिश की.

5. सार्जेन्ट योजना (Sargent Plan, 1944)

- भारत में 10 + 2 + 3 शिक्षा प्रणाली की सिफारिश की गई.
- उद्देश्य था सभी के लिए अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा सुनिश्चित करना.

49. (C) 1. अधिगम विषयवस्तु की मुक्त उपलब्धता (a)

- एमओसीसी (MOOCs) ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म हैं, जहाँ शिक्षण सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध होती है.
- हालाँकि, प्रमाण-पत्र के लिए कुछ शुल्क लिया जा सकता है.

2. वैकल्पिक प्रमाण-पत्र (b)

- अधिकांश एमओसीसी में प्रमाण-पत्र वैकल्पिक होता है.
- शिक्षार्थी चाहे तो मुफ्त में कोर्स कर सकते हैं या प्रमाण-पत्र के लिए शुल्क देकर परीक्षा पास करनी होती है.

3. अल्प पूर्णता दर (d)

- एमओसीसी में नामांकन संख्या बहुत अधिक होती है, लेकिन पूरा करने की दर कम होती है (लगभग 5-15%).
- क्योंकि यह स्व-अध्ययन पर आधारित होता है.

50. (D) मानव पूँजी सिद्धांत के अनुसार, शिक्षा और प्रशिक्षण **व्यक्तियों की ज्ञान, कौशल और दक्षताओं में वृद्धि** करता है, जिससे उनकी उत्पादकता और आय में सुधार होता है. इसके मुख्य लाभ निम्नलिखित हैं-

1. उच्चतर वेतन

- शिक्षा और कौशल विकास व्यक्तिगत आय को बढ़ाता है.
- अधिक शिक्षित व्यक्ति को **बेहतर वेतन और रोजगार के अवसर** मिलते हैं.

2. उत्पादकता

- अच्छी शिक्षा और प्रशिक्षण के कारण **कर्मचारियों की उत्पादकता में वृद्धि** होती है.
- इससे **अर्थव्यवस्था का विकास** होता है.

अन्य विकल्पों का विश्लेषण-

व्यक्तिगत विकास→यह शिक्षा का लाभ है, लेकिन मानव पूँजी सिद्धांत का मुख्य केंद्र आर्थिक लाभ होता है.

देश की विश्व रैंकिंग→यह शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ा हो सकता है, लेकिन सीधे मानव पूँजी सिद्धांत का उद्देश्य नहीं है.

जन-सशक्तीकरण→यह शिक्षा का एक सामाजिक लाभ है, लेकिन मानव पूँजी सिद्धांत मुख्य रूप से आर्थिक प्रभाव पर केंद्रित होता है.

51. (D) डी. पी. चट्टोपाध्याय ने राष्ट्रीय शिक्षक आयोग (1983) का नेतृत्व किया. इस आयोग ने भारत में शिक्षक बनने के लिए प्रशिक्षुओं के चयन के लिए मानदंड प्रदान किए.

52. (C) 1. शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 2009-यह अधिनियम 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है.

2. बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005-राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) की स्थापना के लिए यह अधिनियम लागू किया गया था.

3. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) अधिनियम, 1993-यह अधिनियम शिक्षक शिक्षा के नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए लागू किया गया.

4. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) अधिनियम, 1956- भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को मान्यता देने और अनुदान प्रदान करने के लिए यह अधिनियम पारित किया गया.

53. (C) प्रारम्भिक बचपन देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढाँचा (NCPFECCE)-8 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा का एक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढाँचा एनसीईआरटी द्वारा विकसित किया गया. एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्)-एनसीईआरटी भारत में शिक्षा नीति और पाठ्यचर्या को विकसित करने वाली प्रमुख संस्था है. NCPFECCE (2013) को एनसीईआरटी ने शिक्षा मंत्रालय के मार्गदर्शन में तैयार किया.

54. (B) सूची- I और सूची-II का सही मिलान

(a) संगठनात्मक विकास → (II) नियोजित परिवर्तन प्रक्रिया जो एक सतत् सीखने का अभ्यास है

(b) सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण → (IV) मानक उपायों से भिन्नता को सांख्यिकीय और इंजीनियरिंग तकनीकों को लागू करके ट्रैक किया जाता है

(c) सांख्यिकीय प्रक्रिया नियंत्रण → (I) सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके प्रक्रिया की निगरानी की जाती है और सुधार किया जाता है

(d) सतत् विकास → (III) लाभ विकास की लागत से अधिक होना चाहिए

55. (C) शैक्षणिक वित्त के दो स्तर होते हैं-

1. माइक्रो फाइनांस-यह व्यक्तिगत स्तर, लघु व्यवसाय, छोटे संस्थानों या संगठनों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करता है. इसका मुख्य लक्ष्य अर्थव्यवस्था की संवृद्धि और रोजगार सृजन में सहायता करना है.

2. मैक्रो फाइनांस-यह पूरे देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा नीति, राष्ट्रीय बजट, बड़े निवेश योजनाओं और सब्सिडी से सम्बन्धित होता है. इसका सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष प्रभाव और जनसंख्या पर अप्रत्यक्ष प्रभाव होता है. इसमें नवोन्मेष (Innovation), सब्सिडी और बहुवर्षीय विस्तार योजनाएं शामिल होती हैं.

56. (B) कार्यक्रम मूल्यांकन समीक्षा तकनीक (Program Evaluation and Review Technique) का उपयोग मुख्य रूप से परियोजना प्रबंधन में किया जाता है. यह जटिल और बड़ी परियोजनाओं के नियोजन एवं समय-निर्धारण के लिए विकसित किया गया था.

1. कार्यक्रम मूल्यांकन समीक्षा तकनीक का विकास 1950-60 के बीच किया गया था.

2. कार्यक्रम मूल्यांकन समीक्षा तकनीक तीन प्रकार के समय अनुमान का उपयोग करता है-

- आशावादी समय (Optimistic Time)
- सम्भाव्य समय (Most Likely Time)
- निराशावादी समय (Pessimistic Time)

57. (D) सूची-I और सूची-II का मिलान

(a) प्रत्यक्षशील तर्क→ (III) खंड विचार, अमूर्त तर्क, दृश्य पहेलियाँ

(b) कार्यकारी स्मृति→ (II) अंक दायरा, अंकगणित

(c) प्रोसेसिंग स्पीड→ (IV) प्रतीक खोज, कूटलेखन

(d) शाब्दिक समझ→ (I) समष्टियाँ, शब्दावली, सूचना

58. (A) यह प्रश्न नीति की देख-रेख (Policy Monitoring) प्रक्रिया के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करने से सम्बन्धित है.
1. प्रत्याशाएं स्थापित करना–पहले, नीति निमंत्रणकर्ता या क्रियान्वयनकर्ता को यह तय करना होगा कि नीति किस प्रकार लागू होगी और उसके क्या लक्ष्य होंगे.
2. नीति प्रदायगी प्रक्रिया पर संसाधनों का अनुप्रयोग–इसके बाद, नीति के लिए आवश्यक संसाधन लागू किए जाते हैं.
3. सभी मानदंडों पर प्रदर्शन सूचकों का प्रेक्षण करना–नीति लागू होने के बाद, उसके प्रदर्शन पर नजर रखी जाती है.
4. नियोजित नीति प्रदायगी प्रक्रिया से विचलन के कारणों का विश्लेषण करना–यदि नीति सही तरीके से लागू नहीं हो रही है, तो उसके विचलन के कारणों का अध्ययन किया जाता है.
5. नीति प्रदायगी प्रक्रिया से विचलन की स्थिति में सुधारात्मक कार्रवाई करना–अंत में, यदि कोई समस्या पाई जाती है, तो सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं.

59. (D) समावेशी शिक्षा का उद्देश्य सभी बच्चों, चाहे वे किसी भी पृष्ठभूमि या क्षमता के हों, को समान अवसर प्रदान करना है.
(a) यह समावेशी समाज बनाने की व्यापक रणनीति का भाग है.
(c) इसमें विद्यालय संस्कृतियों की पुनर्संरचना सम्मिलित है.
(d) विविधता, सभी के अधिगम के लिए सहायता करने का समृद्ध स्रोत है.
(b) गलत है, क्योंकि समावेशी शिक्षा का उद्देश्य यही होता है कि सभी बच्चे सामान्य कक्षा में सीख सकें.
(e) गलत है, क्योंकि विद्यालयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सभी छात्रों की अधिगम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खुद को अनुकूलित करें.

60. (C) मार्क्सवाद यह संपुष्ट करता है कि असमानता सामाजिक रूप से निर्मित होती है और इसे समाज के ढाँचे में बदलाव करके समाप्त किया जा सकता है. कार्ल मार्क्स के अनुसार, पूँजीवादी व्यवस्था वर्ग संघर्ष को जन्म देती है, जिससे असमानता उत्पन्न होती है. उनका मानना था कि सामाजिक और आर्थिक क्रांति के माध्यम से इस असमानता को समाप्त किया जा सकता है.

61. (C) अनरुच और अनरुच (Unruh & Unruh) ने पाठ्यक्रम विकास के पाँच चरणों की रूपरेखा बताई थी, जो इस क्रम में होती है–
1. आवश्यकताओं का आकलन–पहले चरण में यह निर्धारित किया जाता है कि पाठ्यक्रम में क्या सिखाना आवश्यक है.
2. लक्ष्य और उद्देश्य–पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों और अधिगम लक्ष्यों को परिभाषित किया जाता है.
3. कार्यान्वयन–पाठ्यक्रम को लागू करने की प्रक्रिया विकसित की जाती है.
4. विषय-वस्तु–आवश्यक सामग्री और संसाधनों को तैयार किया जाता है.
5. मूल्यांकन–अंत में पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जाता है.

62. (A) भारतीय संस्कृति की चार मूल्य प्रणालियाँ (पुरुषार्थ) हैं–
1. धर्म–जीवन में नैतिकता और कर्तव्य
2. अर्थ–भौतिक समृद्धि और धन
3. काम–इच्छाओं और भावनाओं की पूर्ति
4. मोक्ष–मोक्ष या आत्मिक मुक्ति

63. (C) 1. अभिक्रमित अनुदेशन–इसे बी. एफ. स्किनर ने विकसित किया, जो व्यवहारवादी शिक्षाशास्त्र से जुड़ा था. इसमें स्वयं-गति से सीखने (Self-Paced Learning) का उपयोग किया जाता है.
2. मास्टरी लर्निंग–इसे बेंजामिन ब्लूम ने विकसित किया था. इसमें यह विचार शामिल है कि सभी छात्र सीख सकते हैं, लेकिन प्रत्येक को सीखने में अलग-अलग समय लगता है.
3. सिमुलेशन–यह कार्ल स्मिथ से जुड़ा है. इसमें वास्तविक परिस्थितियों की नकल करके शिक्षण दिया जाता है, जैसे–वर्चुअल लैब्स, रोल-प्ले, आदि.
4. प्रत्यक्ष अनुदेशन–यह टॉम गुड द्वारा विकसित किया गया था. इसमें शिक्षक सक्रिय रूप से छात्रों को मार्गदर्शन देता है और स्पष्ट रूप से पाठ समझाता है.

64. (C) 1. बाजार अर्थव्यवस्था (Market Economy)–यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है, जहाँ उत्पादन वितरण और मूल्य निर्धारण निजी कम्पनियों एवं उपभोक्ताओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है, न कि सरकार द्वारा.
2. शिक्षक की सेवा (Teacher's Service)–यह कौशल (Skill) से जुड़ा हुआ है, क्योंकि शिक्षण एक विशेष प्रशिक्षण और योग्यता की आवश्यकता रखता है.
3. केन्द्रीय नियोजित अर्थव्यवस्था (Centrally Planned Economy)–इसमें सरकार पूरे आर्थिक ढाँचे को नियंत्रित करती है और संसाधनों के वितरण का निर्णय लेती है.
4. धनात्मक अर्थव्यवस्था (Positive Economics)–यह एक तंत्र की कार्यप्रणाली का अध्ययन करता है, जो तथ्यों और आँकड़ों पर आधारित होता है, न कि व्यक्तिपरक राय पर.

65. (C) 1. एक वैध परीक्षण, विश्वसनीय भी होगा–यह कथन सत्य है.
2. एक विश्वसनीय परीक्षण हमेशा वैध भी होगा–यह कथन असत्य है.
3. एक वैध परीक्षण, विश्वसनीय हो सकता है या नहीं भी हो सकता है–यह कथन असत्य है.
4. एक विश्वसनीय परीक्षण, वैध हो सकता है या नहीं भी हो सकता है–यह कथन सत्य है.
5. परीक्षण की विश्वसनीयता और वैधता के बीच कोई सम्बन्ध नहीं है–यह कथन असत्य है.

66. (C) प्रवृत्ति परीक्षण उन परीक्षाओं को कहा जाता है, जो यह मापती हैं कि कोई व्यक्ति भविष्य में किसी विशेष क्षेत्र में कितना अच्छा प्रदर्शन कर सकता है. ये परीक्षाएं भविष्य के अधिगम और नियुक्ति-सम्बन्धी निर्णयों में उपयोग की जाती हैं. इन्हें अक्सर भर्ती प्रक्रियाओं में भी शामिल किया जाता है, ताकि यह समझा जा सके कि कोई उम्मीदवार किसी विशेष कार्य के लिए कितना उपयुक्त है.

67. (A) यादृच्छिकीकरण (Randomization) एक सांख्यिकीय संकल्पना है, जो इस विचार पर आधारित है कि व्यक्तिगत (एकल) घटनाओं की भविष्यवाणी सटीकता से नहीं की जा सकती, लेकिन यदि हम एक बड़ी संख्या में घटनाओं को देखें (समग्र रूप से), तो उनके औसत व्यवहार की भविष्यवाणी की जा सकती है. यह विशेष रूप से प्रायिकता और सांख्यिकीय परीक्षण में

प्रयोग किया जाता है. उदाहरण– सिक्का उछालने पर एक बार हेड या टेल आना निश्चित नहीं है, लेकिन यदि हम 1000 बार सिक्का उछालें, तो हम कह सकते हैं कि लगभग 50% बार हेड और 50% बार टेल आएगी.

68. (D) भारतीय संविधान की प्रस्तावना (Preamble) में उल्लिखित प्रमुख मूल्य हैं–
1. संप्रभुता (Sovereignty)
2. समाजवाद (Socialism)
3. धर्मनिरपेक्षता (Secularism)
4. लोकतंत्र (Democracy)
5. गणराज्य (Republic)
6. न्याय (Justice)–सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक
7. स्वतंत्रता (Liberty)–विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की
8. समानता (Equality)–अवसर और प्रतिष्ठा की
9. बंधुता (Fraternity)–व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने के लिए

69. (D) यहाँ भारतीय तर्कशास्त्र (Indian Logic) में प्रयुक्त चार प्रमुख अनुमान के प्रकारों का मिलान किया गया है–
1. अर्थापत्ति–यह अनिवार्य निष्कर्ष (Presumption) निकालने की विधि है. उदाहरण–"वह दिन के समय नहीं खाता है, यह मोटा है. वह रात में खाता है." चूँकि व्यक्ति दिन में नहीं खाता लेकिन मोटा है, तो निष्कर्ष यह निकला कि वह रात में अवश्य खाता होगा.
2. अभाव–यह अनुपस्थिति से ज्ञान प्राप्त करने की विधि है. उदाहरण– एक कुर्सी, मेज नहीं है, क्योंकि कुर्सी मेज से भिन्न है, अतः यहाँ अभाव सिद्ध हो रहा है.
3. उपमान–यह समानता द्वारा निष्कर्ष (Analogy/Comparison) निकालने की विधि है. उदाहरण–यह गाय, घरेलू गाय से अलग है, अवश्य नीलगाय होगी. यहाँ गाय और नीलगाय के बीच तुलनात्मक ज्ञान (Comparison-based inference) किया गया है.
4. शब्द–यह प्रामाणिक वचन (Verbal Testimony) के आधार पर ज्ञान प्राप्त करने की विधि है. उदाहरण– वेदों के अनुसार शंख हड्डी नहीं है चूँकि यह ज्ञान वेदों के प्रमाण पर आधारित है, अतः यह शब्द प्रमाण (Verbal Testimony) कहलाता है.

70. (D) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) ने 1987 में विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा परियोजना (PIED – Project Integrated Education for the Disabled) को यूनिसेफ (UNICEF) की साझेदारी में शुरू किया था.

71. (A) टेलरिज्म (Taylorism) को 'वैज्ञानिक प्रबंधन (Scientific Management)' के रूप में भी जाना जाता है. इसे फ्रेडरिक विन्सलो टेलर (Frederick Winslow Taylor) ने विकसित किया था.
(a) सत्य–इसे वैज्ञानिक प्रबंधन कहा जाता है.
(b) सत्य–इसका आरम्भिक नाम 'शॉप मैनेजमेंट' था.
(c) सत्य–यह मुख्य रूप से विनिर्माण उद्योग (Manufacturing Industry) में विकसित हुआ था.
(d) असत्य–इसे सैमुअल टेलर ने नहीं, बल्कि फ्रेडरिक टेलर ने प्रस्तुत किया था.

72. (D) सुकराती विधि आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रश्नोत्तर पर आधारित एक शिक्षण पद्धति है. यह मुख्य रूप से ब्रूनर (डिस्कवरी लर्निंग) से मेल खाती है.
1. स्किनर (व्यवहारवाद)–सुदृढीकरण और कंडीशनिंग पर ध्यान केंद्रित करता है, जो असम्बन्धित हैं.
2. पियागेट (संज्ञानात्मक विकास)– व्यक्तिगत खोज पर जोर देता है, लेकिन सुकराती पद्धति से सीधे तौर पर मेल नहीं खाता है.
3. वायगोत्स्की (सामाजिक रचनावाद)– संवाद और अंतःक्रिया पर जोर देते हैं, जो उन्हें एक मजबूत उम्मीदवार बनाता है.
4. ब्रूनर (डिस्कवरी लर्निंग)–स्कैफोल्डिंग और पूछताछ–आधारित शिक्षा का समर्थन करता है, जो सुकराती पद्धति के साथ निकटता से मेल खाता है.

73. (B) पाठ्यचर्या विकास (Curriculum Development) में उन सभी आवश्यकताओं को शामिल किया जाता है, जो शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं. इसमें मुख्य रूप से ज्ञानार्जन (b) और सांस्कृतिक गतिविधियाँ (c) शामिल हैं.

74. (A) नेता–सदस्य विनिमय सिद्धांत (Leader- Member Exchange Theory – LMX) नेतृत्व और अनुयायियों (Followers) के बीच सम्बन्धों की गुणवत्ता पर केंद्रित एक सिद्धांत है.
इस सिद्धांत के अनुसार, नेता अपने अनुयायियों को दो समूहों में विभाजित करता है–
1. इन–ग्रुप (In-Group)–
- उच्च–गुणवत्ता वाला विनिमय सम्बन्ध होता है.
- इन सदस्यों को अतिरिक्त अवसर, समर्थन और संसाधन मिलते हैं.
- वे निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक शामिल होते हैं.

2. आउट–ग्रुप (Out-Group)–
- निम्न–गुणवत्ता वाला विनिमय सम्बन्ध होता है.
- ये सदस्य केवल न्यूनतम भूमिका निभाते हैं और नेतृत्व के साथ सीमित सम्पर्क रखते हैं.
- इन्हें कम अवसर और समर्थन प्राप्त होता है.

75. (D) शब्द 'करिकुलम' (Curriculum) लैटिन शब्द 'Currere' से व्युत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है 'दौड़ना' या 'पथ' (To run or course). शिक्षा के संदर्भ में, 'Curriculum' का अर्थ 'सीखने की प्रक्रिया के लिए निर्धारित मार्ग या पाठ्यक्रम' होता है. यह उन सभी विषयों, पाठ्य सामग्रियों और गतिविधियों को संदर्भित करता है, जो एक शिक्षा प्रणाली में शामिल होते हैं.

76. (D) फिलास्फिकल मॉडल ऑफ टीचिंग जिसमें अंतदृष्टि (प्लेटो) प्रभाव (लॉक) और नियम (कांट) सम्मिलित है इसे इसराइल शेफलर ने प्रतिपादित किया.

77. (B) पाठ्यक्रम परिवर्तन का जमीनी स्तर (Grassroots Level) का दृष्टिकोण उन सुधारों को दर्शाता है, जो नीचे से ऊपर (Bottom-Up Approach) की प्रक्रिया के माध्यम से लागू किए जाते हैं. इसकी मुख्य विशेषताएं हैं–
1. नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण (Bottom-Up Approach)–निर्णय लेने की प्रक्रिया नीचे से शुरू होती है, यानी शिक्षक और अभ्यासकर्ता इसमें सक्रिय भूमिका निभाते हैं.
2. लोकतांत्रिक प्रक्रिया (Democratic Process)–पाठ्यक्रम परिवर्तन सभी सम्बन्धित हितधारकों (शिक्षक, छात्र,

अभिभावक) के सहयोग से किया जाता है.
3. अभ्यासकर्ताओं द्वारा लक्ष्य-निर्धारण (Goal-Setting by Practitioners)– शिक्षक और प्रशासक मिलकर शिक्षा उद्देश्यों को निर्धारित करते हैं.

78. (C)

79. (C) डिक और कैरी मॉडल ADDIE मॉडल से अलग है, क्योंकि इसमें शामिल हैं–प्रत्येक चरण में रचनात्मक मूल्यांकन का समावेश, जबकि ADDIE एक रैखिक प्रक्रिया का पालन करता है, डिक और कैरी मॉडल कई चरणों में प्रारम्भिक मूल्यांकन को एकीकृत करता है, जिससे पूरे निर्देशात्मक डिजाइन में निरन्तर सुधार सुनिश्चित होता है.

80. (A) जैन धर्म में मोक्ष (मोक्ष प्राप्ति) के लिए त्रिरत्न (तीन रत्न) का पालन आवश्यक होता है. ये तीन रत्न हैं–
1. सम्यक् दर्शन →सही दृष्टिकोण या सच्चा विश्वास
2. सम्यक् ज्ञान →सही ज्ञान या सच्ची समझ
3. सम्यक् चरित्र →सही आचरण या नैतिक जीवन

81. (C) नालंदा विश्वविद्यालय प्राचीन भारत का एक प्रसिद्ध बौद्ध शिक्षा केन्द्र था. यह गुप्त साम्राज्य के दौरान, सम्राट कुमार गुप्त I (लगभग 5वीं शताब्दी ईस्वी) द्वारा स्थापित किया गया था. नालंदा विश्वविद्यालय मुख्य रूप से महायान बौद्ध धर्म के अध्ययन के लिए प्रसिद्ध था. यहाँ बौद्ध ग्रंथों, दर्शन, विज्ञान, गणित, चिकित्सा, व्याकरण, खगोलशास्त्र आदि की शिक्षा दी जाती थी. चंद्रगुप्त विक्रमादित्य और हर्षवर्धन जैसे राजाओं ने भी इसे संरक्षण दिया.

82. (B) सूची-I के साथ सूची-II
1. सलामांका वक्तव्य→समावेशी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए 1994 में अपनाया गया.
2. भारतीय पुनर्वास परिषद् अधिनियम → पुनर्वास पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विनियमित करते हुए, 1992 में अधिनियमित किया गया.
3. विकलांग व्यक्ति अधिनियम → विकलांग व्यक्तियों के लिए समान अवसरों को सम्बोधित करते हुए 1995 में अधिनियमित किया गया.
4. विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति → समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए 2006 में पेश किया गया.

83. (D) 1. न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा समिति 2012 में गठित यह समिति शिक्षकों के प्रशिक्षण और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए बनाई गई थी.
2. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग 2005 में गठित, इसका उद्देश्य भारत में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना था.
3. राष्ट्रीय शिक्षक आयोग 1999 में गठित, इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों की भूमिका को सुधारने और उनके प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना था.
4. कोठारी आयोग 1964-66 में गठित, यह भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों के लिए बनाया गया था.
5. राधाकृष्णन आयोग 1948-49 में गठित, इसे 'विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग' भी कहा जाता है और इसका उद्देश्य भारत में उच्च शिक्षा की समीक्षा करना था.

84. (C) त्रिआयामी पारस्परिक कारणात्मकता (Triadic Reciprocal Causation) का सम्बन्ध अल्बर्ट बंडुरा के सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत (Social Cognitive Theory) से है. बंडुरा ने यह प्रस्तावित किया कि मानव व्यवहार तीन प्रमुख कारकों के बीच निरन्तर परस्पर क्रिया से प्रभावित होता है–
1. व्यक्तिगत कारक–संज्ञानात्मक क्षमताएं, भावनाएं और जैविक घटनाएं.
2. व्यवहार–किसी व्यक्ति द्वारा किए गए कार्य और उनके चुनाव.
3. पर्यावरणीय कारक–बाहरी प्रभाव, सामाजिक मानदंड और परिस्थितियाँ.

85. (B) पोका-योके (Poka-Yoke) एक जापानी गुणवत्ता नियंत्रण तकनीक है, जिसका उद्देश्य त्रुटियों (Errors) को रोकना और उत्पादन प्रक्रियाओं में दोष (Defects) को कम करना है.
(1) पोका-योक शब्द (जिसका अर्थ है 'गलती-प्रूफिंग' या 'त्रुटि-प्रूफिंग') शिगियो शिंगो द्वारा टोयोटा की उत्पादन प्रणाली में पेश किया गया था. प्रारम्भ में, इसे बाका-योक (जिसका अर्थ है मूर्खता-प्रूफिंग (Fool-Proofing) कहा जाता था, लेकिन अधिक सम्मानजनक लगने के लिए इसे पोका-योक में बदल दिया गया. यह कथन असत्य है.
(2) पोका-योक की सम्पर्क विधि भौतिक विशेषताओं, जैसे–आकार, आकार या रंग की जाँच करके दोषों का पता लगाती है. यह कथन सत्य है.
(3) निश्चित-मूल्य विधि यह सुनिश्चित करती है कि विशिष्ट संख्या में क्रियाओं की आवश्यकता वाली प्रक्रिया सही ढंग से निष्पादित की जाती है. इसका उपयोग आमतौर पर गैर-आवर्ती गतिविधियों में किया जाता है. यह कथन सत्य है.
(4) मोशन-स्टेप विधि यह सुनिश्चित करती है कि आगे बढ़ने से पहले प्रक्रिया में सभी निर्धारित चरण सही क्रम में पूरे हो जाएं. यह कथन सत्य है.

86. (C) (A) योजना के रूप में पाठ्यचर्या → क्रो और क्रो (Crow & Crow)
(B) अनुभव के रूप में पाठ्यचर्या → बी.एफ. स्किनर (B. F. Skinner)
(C) विषय-वस्तु के रूप में पाठ्यचर्या → टेलर और हिल्डा टाबा (Tyler - Hilda Taba)
(D) उद्देश्य के रूप में पाठ्यचर्या → डॉल (Doll)

87. (D) योगात्मक रेटिंग अभिवृत्ति मापनी (Summated Rating Attitude Scale) के निर्माण की प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में की जाती है–
1. पद लेखन करना–पहले मापनी के लिए विभिन्न कथनों (Statements) को लिखा जाता है.
2. पूर्व-परीक्षण–लिखे गए कथनों का एक छोटा समूह पर परीक्षण किया जाता है, ताकि उनकी स्पष्टता और उपयुक्तता जाँची जा सके.
3. प्रत्येक पद हेतु विवेचनात्मक अनुपात की गणना करना –पूर्व-परीक्षण के बाद, प्रत्येक कथन का विश्लेषण किया जाता है और यह देखा जाता है कि कौनसे कथन अधिक प्रभावी हैं.
4. अंतिम परीक्षण हेतु प्रशासित करना– चयनित कथनों को अंतिम परीक्षण हेतु विस्तृत समूह पर लागू किया जाता है.
5. अंतिम पदों का चयन करना–परीक्षण के परिणामों के आधार पर, अंतिम रूप से उपयुक्त पदों को मापनी में शामिल किया जाता है.

88 (*) प्रश्न गलत पूछा गया है
फ्लैंडर्स इंटरेक्शन विश्लेषण शिक्षक की बातचीत को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव में वर्गीकृत करता है. अप्रत्यक्ष शिक्षक वार्ता क्रम में शामिल हैं–
1. प्रशंसा या प्रोत्साहन-शिक्षक विद्यार्थियों की प्रशंसा करता है और उन्हें प्रोत्साहित करता है.
2. भावना को स्वीकार करता है- सहायक वातावरण बनाने के लिए शिक्षक छात्रों की भावनाओं को स्वीकार करता है.
3. विद्यार्थियों के विचारों का उपयोग करना - शिक्षक छात्रों की प्रतिक्रियाओं को चर्चा में शामिल करता है.
4. प्रश्न पूछता है - शिक्षक छात्रों को संलग्न करने और सोच को प्रोत्साहित करने के लिए प्रश्न पूछता है.

89. (C) (b) कर्नाटक राज्य ने एनईपी-2020 को समीक्षित करने और राज्य के लिए वैकल्पिक नीति प्रदान करने हेतु अपना राज्य शिक्षा नीति आयोग स्थापित किया. यह कथन सही है. कर्नाटक राज्य ने अपनी आवश्यकताओं के अनुसार एनईपी को लागू करने के लिए यह कदम उठाया था.
(e) एनईपी-2020 पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षा में निजी भागीदारी को प्रोत्साहिन देती है. यह कथन सही नहीं है. इसमें कथन (c) भी सही है.

90. (A) सही मिलान इस प्रकार होगा–
(a) मानसिक मंदता → (III) बुद्धि-लब्धि
मानसिक मंदता (Intellectual Disability) मुख्य रूप से बुद्धिलब्धि (IQ) में कमी से सम्बन्धित होती है.
(b) अधिगम अक्षमता → (I) उपलब्धि-सामर्थ्य विसंगति
अधिगम अक्षमता (Learning Disability) का प्रमुख लक्षण यह है कि व्यक्ति की उपलब्धि (Achievement) उसकी संज्ञानात्मक क्षमता (Ability) के अनुरूप नहीं होती, जिसे Achievement-Aptitude Discrepancy कहा जाता है.
(c) स्वलीनता स्पेक्ट्रम विकार (Autism Spectrum Disorder) → (IV) सामाजिक कौशलों की कमी
स्वलीनता (Autism Spectrum Disorder –ASD) वाले बच्चों में सामाजिक कौशलों की कमी, संचार समस्याएं और दोहरावपूर्ण व्यवहार देखने को मिलता है.
(d) ध्यान कमी-अतिसक्रियता विकार → (II) आवेगात्मक व्यवहार
ध्यान कमी-अतिसक्रियता विकार (ADHD) का मुख्य लक्षण ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेगात्मक व्यवहार (Impulsivity) होता है.

91. (A)

92. (D) भारत की संस्कृति बहुलतावादी और विविधताओं से भरपूर है. यह विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परम्पराओं का समावेश करता है. भारतीय संस्कृति समावेशी है, जो सभी संस्कृतियों को समान रूप से महत्व देती है.

93. (B) प्रस्तुत गद्यांश में सांस्कृतिक बहुलवाद (Cultural Pluralism) की अवधारणा पर चर्चा की गई है, जिसका अर्थ है कि भारत में कई संस्कृतियाँ सह-अस्तित्व में हैं, और कोई एक संस्कृति अन्य पर हावी नहीं है. इसमें बंगाली, मराठी, गुजराती, तमिल, पंजाबी, सिंधी, कश्मीरी आदि विभिन्न समुदायों का उल्लेख किया गया है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं. यह दर्शाता है कि भारत कई संस्कृतियों की भूमि है, न कि किसी एक प्रभावशाली संस्कृति की.

94. (C) गद्यांश में उल्लेख किया गया है कि गाँधीजी ने भारतीय संस्कृति को 'विशाल हृदयता' (Magnanimity) से परिभाषित किया है. उन्होंने इसे भारत की सहिष्णुता, समावेशिता और विविधता को अपनाने की क्षमता के रूप में देखा. भारतीय संस्कृति विभिन्न परम्पराओं, धर्मों और संस्कृतियों को अपनाने और आत्मसात करने में सक्षम रही है, जो इसकी विशिष्टता है.

95. (A) गद्यांश में उल्लेख किया गया है कि गाँधीजी भारतीय संस्कृति के अवतार माने जाते हैं. उनके विचारों और जीवनशैली में भारतीय संस्कृति की विशेषताएं, जैसे–सहिष्णुता, विशाल हृदयता, और समन्वयवाद, स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं. उन्होंने भारतीय संस्कृति के समावेशी स्वरूप को महत्व दिया और इसे अपनी जीवनशैली में अपनाया.

96. (D) गद्यांश के अनुसार, विचारधारात्मक राज्य उपकरणों में धर्म, शिक्षा और मीडिया शामिल होते हैं, क्योंकि वे विचारों और मान्यताओं को प्रभावित कर समाज पर नियंत्रण बनाए रखते हैं.
वहीं, 'वर्ग' स्वयं में एक सामाजिक संरचना है, न कि विचारधारात्मक राज्य उपकरण.

97. (C) प्रस्तावना में वर्णित अल्थुसर (Althusser) के सिद्धांत के अनुसार, मिथ्या वर्ग चेतना वह स्थिति होती है, जहाँ श्रमिक वर्ग (Working class) शासक वर्ग (Ruling class) की विचारधारा को स्वीकार कर लेता है और अपनी वास्तविक स्थिति को नहीं समझ पाता. इस कारण वे अपनी सामाजिक स्थिति को स्वीकार कर लेते हैं. वे चर्च, मीडिया और शिक्षा जैसे वैचारिक राज्य उपकरणों (Ideological State Apparatuses) को स्वीकार करते हैं.

98. (D) प्रस्तावना में अल्थुसर (Althusser) के सिद्धांत के अनुसार, कोई भी वर्ग केवल बल प्रयोग (शारीरिक नियंत्रण) से लम्बे समय तक सत्ता में नहीं रह सकता. वैचारिक नियंत्रण (Ideological Control) सबसे प्रभावी तरीका है, क्योंकि यह समाज के लोगों की मानसिकता को इस तरह प्रभावित करता है कि वे शासक वर्ग के नियमों को स्वाभाविक और अपरिवर्तनीय मानने लगते हैं. शिक्षा, धर्म, मीडिया और कानून जैसे वैचारिक राज्य उपकरण सत्ता को बनाए रखने में मदद करते हैं. आर्थिक नियंत्रण और मीडिया नियंत्रण भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनका प्रभाव वैचारिक नियंत्रण की तुलना में सीमित होता है.

99. (B) प्रस्तावना में अल्थुसर (Althusser) के विचारों के अनुसार, शासक वर्ग का वैचारिक नियंत्रण (Ideological Control) इस प्रकार कार्य करता है कि अधीनस्थ वर्ग अपने शोषण और अधीनता को चुनौती नहीं देता. अधीनस्थ वर्ग अपनी स्थिति को सामान्य, प्राकृतिक और अपरिहार्य मानता है, जिससे वे शासक वर्ग के वर्चस्व को स्वीकार कर लेते हैं. वैचारिक राज्य उपकरण (Ideological State Apparatuses) जैसे–शिक्षा, धर्म, मीडिया और कानून इस धारणा को मजबूत करते हैं. यह विचारधारा अधीनस्थ वर्ग को अपनी स्थिति पर प्रश्नचिह्न लगाने से रोकती है.

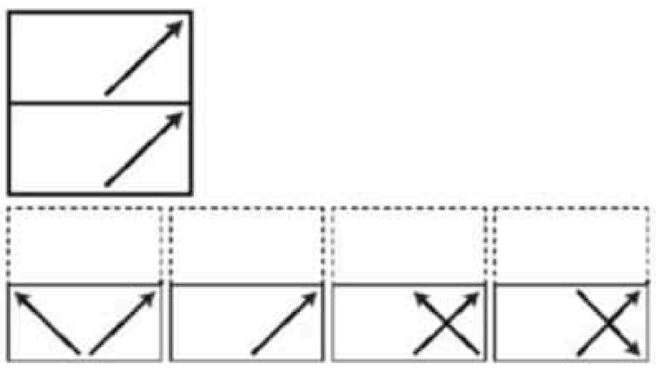
100. (A) लुइ अल्थुसर (Louis Althusser) के विचारों के अनुसार, विद्यालय (शिक्षा प्रणाली) एक वैचारिक राज्य उपकरण (Ideological State Apparatus – ISA) है, जो सत्तारूढ़ वर्ग की विचारधारा को पुनरुत्पादित करता है. विद्यालय केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि सत्तारूढ़ विचारधारा को बनाए रखता है, जिससे अधीनस्थ वर्ग अपनी स्थिति को सामान्य और अपरिहार्य मानने लगता है. शिक्षा प्रणाली पूँजीवादी समाज में मुख्य वैचारिक उपकरण बन जाती है, जो शासन करने वाले वर्ग के विचारों को वैध ठहराती है और अगली पीढ़ी में इसे बनाए रखती है. मीडिया, धर्म, और कानून के साथ-साथ शिक्षा भी शासन करने वाले वर्ग की विचारधारा का प्रचार करती है. ●●●

उपकार
यू.जी.सी. नेट जे.आर.एफ. सेट
शिक्षाशास्त्र
(द्वितीय प्रश्न-पत्र)
Code : 2697 ₹ 335.00
उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2024 (चरण-I) (23-09-2024) का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति

1. एक पैटर्न के साथ एक पारदर्शी शीट नीचे दी गई है. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो उस पैटर्न को दर्शाता है, जो दी गई पारदर्शी शीट को मध्य क्षैतिज रेखा पर मोड़ने पर दिखाई देगा–

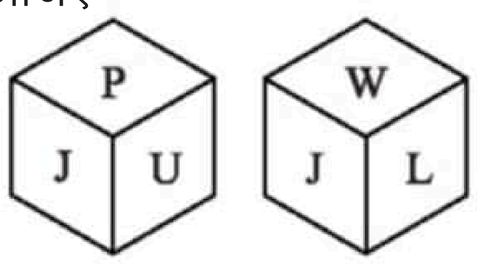


(A) (B) (C) (D)

2. निम्नलिखित में से कौनसा पद दी गई शृंखला में प्रश्नचिह्न (?) का स्थान लेगा ?
JHOQ, NFSO, ?, VBAK, ZZEI
(A) RCXM (B) RDWM
(C) RDMW (D) RCWM

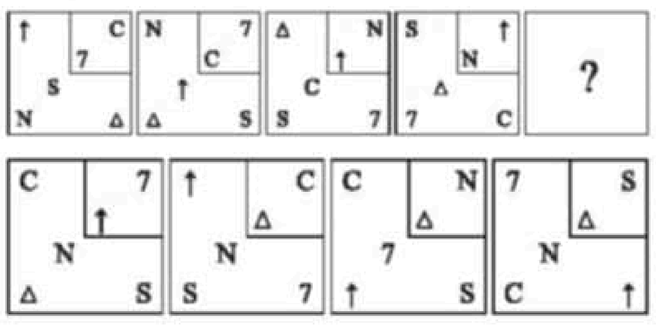
3. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो उन अक्षरों को निरूपित करता है, जिन्हें नीचे रिक्त स्थानों में बाएँ से दाएँ रखे जाने पर अक्षर शृंखला पूरी हो जाएगी–
S _ Y A _ F I K M _ S U W
(A) VBP (B) VCQ
(C) VCP (D) UCP

4. एक पासे के विभिन्न फलकों पर छह अक्षर P, J, U, W, L और K लिखे गए हैं. इस पासे की दो स्थितियाँ नीचे चित्र में दर्शाई गई हैं. P के विपरीत वाले फलक पर आने वाला अक्षर ज्ञात कीजिए–



(A) J (B) W
(C) K (D) U

5. निम्नलिखित शृंखला को जारी रखने के लिए प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर कौनसी आकृति आनी चाहिए ?



(A) (B) (C) (D)

6. यदि MOBILE शब्द के सभी अक्षरों को अंग्रेजी वर्णानुक्रम में व्यवस्थित किया जाए, तो कितने अक्षरों की स्थिति अपरिवर्तित बनी रहेगी ?
(A) किसी की भी नहीं
(B) दो
(C) तीन
(D) एक

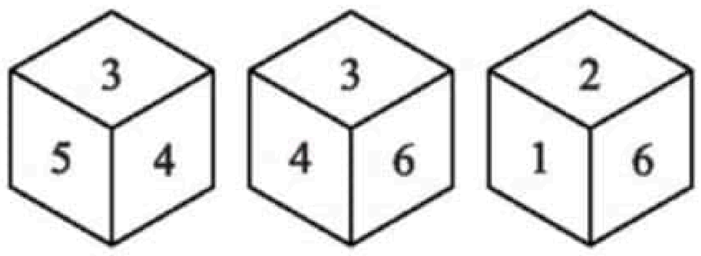
7. एक निश्चित कूट भाषा में, 'BOTH' को 'DQVJ' के रूप में लिखा जाता है और 'DARE' को 'FCTG' के रूप में लिखा जाता है. उसी भाषा में 'WILL' को किस प्रकार लिखा जाएगा ?
(A) XJMM (B) YKNN
(C) XKNM (D) YJMN

8. यदि निम्नलिखित समीकरण में '+' और '–' को आपस में बदल दिया जाए और '×' और '÷' को आपस में बदल दिया जाए, तो प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर कौनसी संख्या आएगी ?
$63 \times 7 \div 13 - 64 + 42 = ?$
(A) 139 (B) 124
(C) 144 (D) 131

9. 'DICTIONARY' शब्द के सभी अक्षरों को वर्णानुक्रम में व्यवस्थित किया जाता है. नवसंरचित अक्षर-समूह में बाएँ से चौथे और दाएँ से दूसरे अक्षर के बीच अंग्रेजी वर्णमाला शृंखला में कितने अक्षर हैं ?
(A) 10 (B) 11
(C) 9 (D) 12

10. दिए गए विकल्पों में से उस संख्या का चयन कीजिए जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है–
389, 420, 457, 498, 541, ?
(A) 584 (B) 572
(C) 588 (D) 598

11. एक ही पासे की तीन अलग-अलग स्थितियाँ दर्शाई गई हैं. '2' दर्शाने वाले फलक के विपरीत वाले फलक पर कौनसी संख्या होगी ?



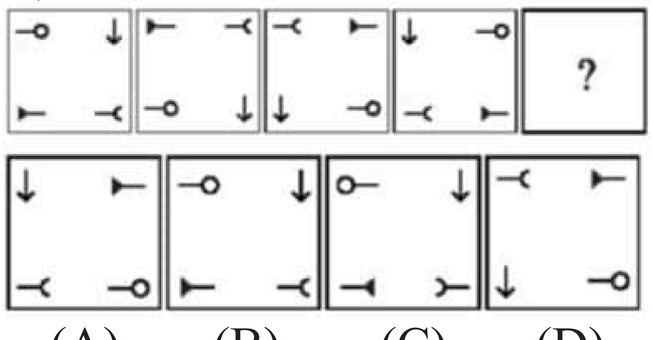
(A) 1 (B) 4
(C) 6 (D) 3

12. उस शब्द-युग्म का चयन करें, जो नीचे दिए गए शब्दों के युग्म में व्यक्त किए गए सम्बन्ध के समान सम्बन्धों का सबसे बेहतर ढंग से प्रतिनिधित्व करता है–
(शब्दों को अर्थपूर्ण हिन्दी शब्द माना जाना चाहिए और शब्द में अक्षरों की संख्या/व्यंजनों/स्वरों की संख्या के आधार पर एक-दूसरे से सम्बन्धित नहीं होना चाहिए.)
France : Gallic Rooster (फ्रांस : गैलिक रूस्टर)
(A) Germany : Swan (जर्मनी : हंस)
(B) India : Eagle (भारत : ईगल)
(C) New Zealand : Hornbill (न्यूजीलैंड : हॉर्नबिल)
(D) Australia : Emu (ऑस्ट्रेलिया : एमू)

13. निम्नलिखित समीकरण में, यदि '+' और '–' को आपस में बदल दिया जाए तथा '×' और '÷' को आपस में बदल दिया जाए, तो '?' के स्थान पर क्या आएगा ?
$25 + 3 \div 9 - 14 \times 2 = ?$
(A) 12 (B) 0
(C) 5 (D) 7

14. अंग्रेजी वर्णमाला क्रम में स्थिति के आधार पर, निम्नलिखित में से तीन अक्षर-समूह किसी-न-किसी रूप में संगत हैं और एक असंगत है. असंगत अक्षर-समूह का चयन कीजिए–
(**नोट**–असंगत, अक्षर-समूह में व्यंजनों/स्वरों की संख्या या उनकी स्थिति पर आधारित नहीं है.)
(A) MPNK (B) TWGD
(C) JMQN (D) PSKI

15. विकल्पों में दिए गए उस चित्र की पहचान कीजिए जिसे प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर रखने पर शृंखला तार्किक रूप से पूर्ण हो जाएगी–



(A) (B) (C) (D)

16. निम्नलिखित संख्याओं में से तीन किसी प्रकार से एकसमान हैं और एक उनसे असंगत है. उस असंगत का चयन कीजिए–
(**नोट**–गणितीय संक्रियाएँ संख्याओं को उनके घटक अंकों में तोड़े बिना पूर्ण संख्याओं पर की जानी चाहिए. उदाहरण के लिए 13 – 13 पर की जाने वाली संक्रियाएँ, जैसे जोड़ना, घटाना, गुणा करना इत्यादि, केवल 13 पर की जा सकती हैं. 13 को 1 और 3 में तोड़ना और तब 1 और 3 पर गणितीय संक्रियाएँ करने की अनुमति नहीं है.)
(A) 18 – 11 – 63
(B) 12 – 8 – 36
(C) 15 – 3 – 108
(D) 21 – 14 – 72

17. एक निश्चित कोड भाषा में, 'RADIO' को 'SZEHP' और 'FREQUENCY' को 'GQFPVDOBZ' लिखा जाता है. उसी भाषा में 'TELEVISION' कैसे लिखा जाएगा ?
(A) UDMDWHHTPM
(B) UDMDWHTHPM
(C) UDMDWHTHOM
(D) UDMDWHTHPN

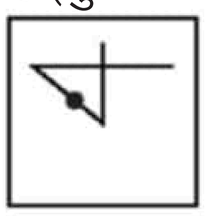
18. उस त्रिक का चयन कीजिए, जिसमें संख्याएँ एक-दूसरे से उसी तरह सम्बन्धित हैं, जैसे दिए गए त्रिकों की संख्याएँ हैं–
(25, 22, 47), (31, 24, 55)
(**ध्यान दीजिए**–संख्याओं को उनके घटक अंकों में विभाजित किए बिना, पूर्ण संख्याओं पर संक्रियाएँ की जानी चाहिए. उदाहरण के लिए 13 – 13 पर संक्रिया जैसे जोड़ना/हटाना/गुणा करना आदि 13 पर किया जा सकता है. 13 को 1 और 3 में तोड़ना और फिर 1 और 3 पर गणितीय संक्रियाएँ करने की अनुमति नहीं है.)
(A) (18, 21, 39) (B) (17, 15, 22)
(C) (27, 25, 42) (D) (22, 19, 45)

19. 12 एक निश्चित तर्क का अनुसरण करते हुए 235 से सम्बन्धित है. इसी तर्क का अनुसरण करते हुए 14, 287 से सम्बन्धित है. समान तर्क का अनुसरण करते हुए, 18 निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(**नोट**–संख्याओं को उनके घटक अंकों में विभक्त किए बिना पूर्ण संख्याओं पर संक्रियाएँ की जानी चाहिए. उदाहरण के लिए 13 को लें – 13 पर संक्रियाएँ, जैसे कि जोड़ना/घटाना/गुणा आदि 13 में की जा सकती हैं. 13 को 1 और 3 में विभक्त करना और फिर 1 और 3 पर गणितीय संक्रियाएँ करने की अनुमति नहीं है.)
(A) 415 (B) 320
(C) 512 (D) 438

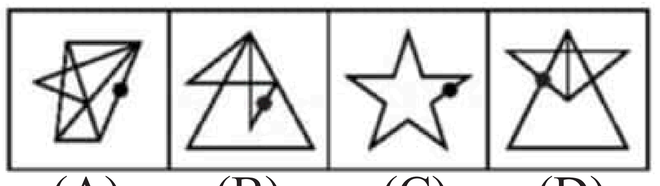
20. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ सकता है –
BH14, CJ17, DL20, EN23, ?
(A) GO24 (B) FO24
(C) GP26 (D) FP26

21. अक्षरों का वह सही संयोजन ज्ञात कीजिए, जिन्हें दी गई शृंखला के रिक्त स्थानों पर क्रमिक रूप से रखे जाने पर शृंखला तार्किक दृष्टि से पूरी हो जाएगी–
ABF_HI_NOP_U_WABCDH_
(A) GMTUI (B) GMTVI
(C) IMTVI (D) GMSVI

22. उस विकल्प आकृति का चयन कीजिए, जिसमें दी गई आकृति (X) सन्निहित है (घुमाने की अनुमति नहीं है)–

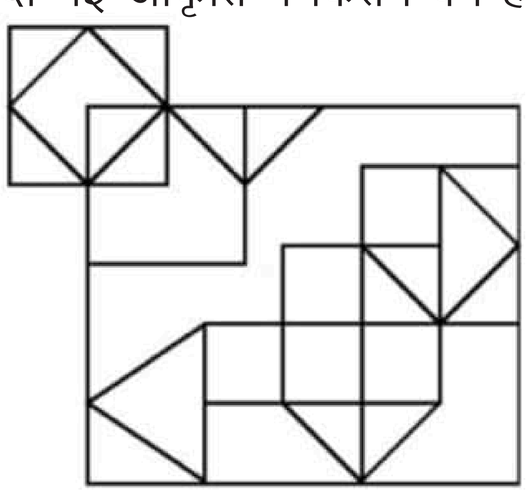


(X)



(A) (B) (C) (D)

23. दी गई आकृति में कितने वर्ग हैं ?



(A) 14 (B) 12
(C) 11 (D) 15

24. उस विकल्प का चयन कीजिए, जिसमें संख्याओं के मध्य वही सम्बन्ध है, जो नीचे दिए गए युग्म की संख्याओं के मध्य है–
(**ध्यान दें**–संख्याओं को उनके घटक अंकों में विभाजित किए बिना, पूर्ण संख्याओं पर संक्रियाएँ की जानी चाहिए. उदाहरण के लिए, 13 को लें – 13 पर की जाने वाली संक्रियाएँ जैसे जोड़ना/घटाना/गुणा करना आदि केवल 13 पर की जा सकती हैं. 13 को 1 और 3 में तोड़ना और फिर 1 और 3 पर गणितीय संक्रियाएँ करने की अनुमति नहीं है.)
40 : 123
63 : 192
(A) 48 : 152 (B) 68 : 214
(C) 46 : 131 (D) 39 : 120

25. यदि
'A & Z' का अर्थ है 'A, Z का भाई है',
'A # Z' का अर्थ है 'A, Z की बहन है',
'A ^ Z' का अर्थ है 'A, Z के पिता का भाई है',
'A @ Z' का अर्थ है 'A, Z की पत्नी है',
'A % Z' का अर्थ है 'A, Z की माता है',
'A α Z' का अर्थ है 'A, Z का पिता है',
तो निम्नलिखित व्यंजक में J, Z से किस प्रकार सम्बन्धित है ?
J % K # L @ M α N & Z
(A) मौसी (B) माता
(C) दादी (D) नानी

सामान्य जागरूकता

26. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. प्रथम हरित क्रांति के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हुआ.
2. द्वितीय हरित क्रांति दक्षिणी भारत पर अधिक केंद्रित थी.
3. द्वितीय हरित क्रांति ने स्थायी आजीविका सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित किया.
(A) 2 और 3 (B) 1 और 3
(C) 1 और 2 (D) केवल 2

27. 1924 में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बेलगाम अधिवेशन के अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन थे ?
(A) महात्मा गाँधी
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) वल्लभभाई पटेल
(D) सुभाष चंद्र बोस

28. ऑनलाइन विवाद समाधान (ODR) पुस्तिका से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया जाएगा.
2. ओ.डी.आर. (ODR) डिजिटल तकनीक और वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) की तकनीकों जैसे बातचीत, मध्यस्थता और विवाचन का इस्तेमाल करके मामलों का अदालतों से बाहर किया जाने वाला समाधान है.
3. आई.सी.टी. (ICT) के विकास और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल ने ओ.डी.आर. (ODR) के लिए एक प्रमुख भूमिका निभाई है.

दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 2

29. उस परिघटना का नाम बताइए, जिसमें प्रकाश के पथ में रखी एक अपारदर्शी वस्तु अत्यन्त छोटी हो जाती है और जहाँ प्रकाश की प्रवृत्ति सरल रेखा में चलने की बजाए उसके चारों ओर मुड़ने की होती है—
(A) अपवर्तन कोण
(B) प्रकाश का विवर्तन
(C) आपतन कोण
(D) प्रकाश का परावर्तन

30. संविधान का कौनसा भाग पंचायतों से सम्बन्धित है ?
(A) भाग IV (B) भाग X
(C) भाग IX (D) भाग VII

31. 'अटला तड्डी' किस भारतीय राज्य का व्यापक रूप से मनाया जाने वाला त्योहार है ?
(A) बिहार (B) पश्चिम बंगाल
(C) पंजाब (D) आंध्र प्रदेश

32. 2004 में कबड्डी का पहला विश्व कप कहाँ आयोजित किया गया था ?
(A) मुंबई (B) पंजाब
(C) हैदराबाद (D) कोलकाता

33. निम्नलिखित में से कौनसा नीम से सम्बन्धित है ?
(A) पंखाकार (Pinnately)
(B) हस्ताकार (Palmately)
(C) कंटक (Spines)
(D) प्रतान (Tendril)

34. निम्नलिखित में से किस वर्ष में स्थायी बंदोबस्त लागू किया गया था ?
(A) 1793 (B) 1890
(C) 1790 (D) 1789

35. मार्च 2024 तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुनिया के दूरसंचार बाजार में भारत का कौनसा स्थान है ?
(A) तीसरा (B) दूसरा
(C) चौथा (D) पहला

36. भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी मैदान का निर्माण तीन प्रमुख नदी प्रणालियों और उनकी सहायक नदियों की परस्पर क्रिया से हुआ है. दिए गए विकल्पों में से किसी असंगत का चयन कीजिए—
(A) ब्रह्मपुत्र (B) गोदावरी
(C) गंगा (D) सिंधु

37. एक रासायनिक अभिक्रिया, जिसमें अभिक्रिया की दर अभिकारक के सांद्रता की प्रथम घात के अनुक्रमानुपाती होती है, ... कहलाती है.
(A) द्वितीय कोटि की अभिक्रिया
(B) प्रथम कोटि की अभिक्रिया
(C) शून्य कोटि की अभिक्रिया
(D) तृतीय कोटि की अभिक्रिया

38. निम्नलिखित में से कौनसा युद्ध 1527 में बाबर और राणा सांगा के बीच लड़ा गया था ?
(A) बयाना का युद्ध
(B) पानीपत का द्वितीय युद्ध
(C) चंदेरी का युद्ध
(D) खानवा का युद्ध

39. लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण फ्रेमवर्क (FITF) भारत में ..... में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अधिनियम, 1934 में हुए संशोधन के बाद लागू किया गया था.
(A) 2010 (B) 2014
(C) 2016 (D) 2020

40. निम्नलिखित में से किस राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अपने वार्षिक बजट में आसरा पेंशन योजना के लिए ₹ 11,728 करोड़ आवंटित किए ?
(A) ओडिशा (B) तेलंगाना
(C) गुजरात (D) छत्तीसगढ़

41. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख है ?
(A) इंडिया दैट इज भारत ऐज पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी
(B) इंडिया दैट इज भारत ऐज प्रेसिडेंशियल फॉर्म ऑफ डेमोक्रेसी
(C) इंडिया दैट इज भारत शैल बी अ यूनियन ऑफ स्टेट्स
(D) इंडिया दैट इज भारत ऐज फेडरेशन ऑफ स्टेट्स

42. वर्ष 2002 में आशा भोंसले ने किस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक/गायिका (महिला) वर्ग में अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA) पुरस्कार प्राप्त किया ?
(A) देवदास
(B) हमराज
(C) लगान
(D) ओम जय जगदीश

43. 2023 तक की स्थिति के अनुसार, भारत में सबसे लम्बी दूरी तक लम्बी कूद का रिकॉर्ड किसके नाम है ?
(A) मुरली एस.
(B) टी.सी. योहानन
(C) नयना जेम्स
(D) जेसविन एल्ड्रिन

44. भारतीय संविधान के भाग V में अनुच्छेद 52 से 78 ..... से सम्बन्धित हैं.
(A) राष्ट्रीय आपातकाल
(B) संघ की कार्यपालिका
(C) संविधान संशोधन
(D) भारतीय वित्त आयोग

45. भारत में मानसून की अवधि कितनी होती है ?
(A) 40-60 दिन
(B) 150-200 दिन
(C) 50-80 दिन
(D) 100-120 दिन

46. महापद पक्षी, केकड़ाभक्षी मकाक (बंदर), निकोबार कबूतर और विशालकाय दस्यु केकड़े जैसी प्रजातियों का घर है—
(A) कैंपबेल बे राष्ट्रीय उद्यान
(B) रायमोना राष्ट्रीय उद्यान
(C) मौलिंग राष्ट्रीय उद्यान
(D) पापिकोंडा राष्ट्रीय उद्यान

47. निम्नलिखित में से कौन ऋग्वैदिक जनजाति के तीन वर्गों का हिस्सा नहीं था ?
(A) शिल्पी (B) आम जनता
(C) पुरोहित (D) योद्धा

48. भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में मुख्य रूप से होजागिरी नृत्य (Hojagiri dance) किया जाता है ?
(A) महाराष्ट्र (B) त्रिपुरा
(C) केरल (D) हिमाचल प्रदेश

49. राष्ट्रीय युवा नीति कब शुरू की गई थी ?
(A) 2012 (B) 2013
(C) 2014 (D) 2015

50. अली अकबर खाँ ..... वादन के लिए जाने जाते हैं.
(A) एकतारा (B) सरोद
(C) सारंगी (D) तानपूरा

मात्रात्मक अभियोग्यता

51. एक टंकी को पाइप A द्वारा 4 घण्टे में और पाइप B द्वारा 6 घण्टे में भरा जा सकता है. 8:00 a.m. पर पाइप A को खोला गया. यदि पाइप B को 9:00 a.m. पर खोला जाए, तो टंकी किस समय भर जाएगी ?
(A) 10:22 a.m. (B) 10:18 a.m.
(C) 10:48 a.m. (D) 10:16 a.m.

52. 70 सेमी कोर वाले एक घनीय बर्तन में फिट की जा सकने वाली सबसे लम्बी छड़ी की लम्बाई ज्ञात कीजिए—
(A) $70\sqrt{3}$ सेमी (B) $70\sqrt{2}$ सेमी
(C) $35\sqrt{3}$ सेमी (D) $10\sqrt{3}$ सेमी

53. 7 इकाई और $\frac{7}{2}$ इकाई की त्रिज्या वाले उन दो वृत्तों के लिए, जिनके केन्द्र 15 इकाई की दूरी पर हैं, सीधी उभयनिष्ठ स्पर्श रेखा की लम्बाई इकाई में कितनी है ? (दशमलव के 3 स्थानों तक शुद्ध)
(A) 14·586 (B) 16·584
(C) 15·486 (D) 18·654

54. यदि $4\tan\theta - 3 = 0$ है, तो $\frac{1-\cos 2\theta}{1+\cos 2\theta}$ का मान ज्ञात कीजिए—
(A) 1 (B) $\frac{9}{16}$
(C) $\frac{4}{3}$ (D) $\frac{7}{15}$

55. दूध और पानी का 32 लीटर मिश्रण है. इस मिश्रण में दूध और पानी का अनुपात 5 : 3 है. इस मिश्रण में कितने लीटर पानी मिलाया जाना चाहिए ताकि परिणामी मिश्रण में 50% पानी हो ?
(A) 5 (B) 4
(C) 8 (D) 6

56. यदि $\sqrt{3}\cos\theta + \sin\theta = 1 (1 \le \theta \le 90°)$ हो, तो θ का मान ज्ञात कीजिए—
(A) 20° (B) 90°
(C) 60° (D) 30°

57. R का लक्ष्य परीक्षा में 85% अंक प्राप्त करना है. उसने 450 अंक प्राप्त किए और अपने लक्ष्य से 35% से चूक गया. लक्ष्य को पूरा करने के लिए उसके द्वारा प्राप्त अंकों के प्रतिशत में कितनी वृद्धि होनी चाहिए ?
(A) 70 (B) 53
(C) 45 (D) 35

58. अमन के पास निश्चित संख्या में ₹ 20 और ₹ 10 मूल्य-वर्ग के नोट हैं, जिनकी राशि ₹ 390 है. यदि प्रत्येक प्रकार के नोटों की संख्याएँ परस्पर बदल दी जाएँ, तो नई राशि पहले की तुलना में ₹ 90 कम हो जाती है. ₹ 20 मूल्य-वर्ग के नोटों की संख्या ज्ञात कीजिए—
(A) 15 (B) 14
(C) 16 (D) 12

59. सरल कीजिए—
$6 \times [28 \div 84 \times \{36 \times 49 \div (6 \times 7)\}]$
(A) 94 (B) 74
(C) 84 (D) 64

60. 10 वर्ष पूर्व सुनीता की आयु उसकी पुत्री तान्या की आयु की तीन गुना थी. अब से 10 वर्ष बाद, सुनीता की आयु तान्या की आयु की दोगुनी होगी. उनकी वर्तमान आयु का अनुपात क्या है ?
(A) 7 : 3 (B) 2 : 7
(C) 7 : 2 (D) 3 : 7

61. 18 और A का मध्यानुपाती 30 है. A का मान ज्ञात कीजिए—
(A) 60 (B) 40
(C) 50 (D) 45

62. n के किस न्यूनतम मान के लिए, $2^{2n} + 2n$ 6 से पूर्णतः विभाज्य है, जहाँ n एक पूर्णांक है ?
(A) 1 (B) 0
(C) 2 (D) 3

63. एक पुलिसकर्मी 92 मी की दूरी से एक चोर देखता है. चोर भागने लगता है और पुलिसकर्मी उसका पीछा करता है. चोर और पुलिसकर्मी क्रमशः 90 किमी/घण्टा और 104·4 किमी/घण्टा की चाल से दौड़ते हैं. कितने समय में पुलिसकर्मी चोर को पकड़ लेगा ?
(A) 21 सेकण्ड (B) 23 सेकण्ड
(C) 26 सेकण्ड (D) 22 सेकण्ड

64. अमित और बिलाल क्रमशः ₹ 1,500 और ₹ 2,000 का सामान खरीदते हैं. अमित अपनी वस्तुओं पर $y\%$ अधिक मूल्य अंकित करता है, जबकि बिलाल अपनी वस्तुओं पर $2y\%$ अधिक मूल्य अंकित करता है और $y\%$ की छूट प्रदान करता है. यदि दोनों समान लाभ कमाते हैं, तो y का मान ज्ञात कीजिए—
(A) 11·5 (B) 10·5
(C) 12 (D) 12·5

65. दी गई तालिका का अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए. निम्नलिखित तालिका 5 वर्षों में एक कम्पनी के 4 संयंत्रों द्वारा प्रिंटरों के उत्पादन को दर्शाती है—

वर्ष	उत्पादन (हजारों में)			
	संयंत्र 1	संयंत्र 2	संयंत्र 3	संयंत्र 4
2018	35	25	40	45
2019	43	44	44	40
2020	48	39	36	30
2021	32	40	35	48
2022	42	44	30	42

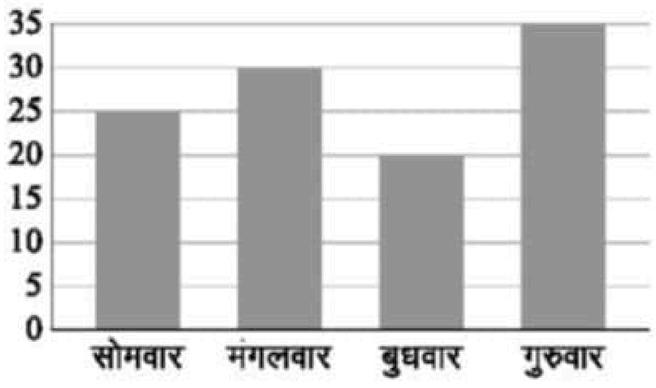
5 वर्षों के दौरान संयंत्र 1 और संयंत्र 2 के औसत उत्पादन के बीच क्या अन्तर है ?
(A) 1400 (B) 3840
(C) 1600 (D) 3000

66. एक वृत्त पर एक त्रिभुज ABC बना है, जहाँ AB वृत्त का व्यास है. यदि BC वृत्त की त्रिज्या के बराबर है और $\angle ABC = x\ \angle BAC$ है, तो x ..... है.
(A) 2·5 (B) 1
(C) 2 (D) 1·5

67. मान लें कि $x = r\cos(t), y = r\sin(t)\cos(u), z = r\sin(t)\sin(u)$ है, तो $x^2 + y^2 + z^2$ का मान ज्ञात कीजिए—
(A) r^2 (B) $r^2\sin(t)$
(C) $r^2\cos(u)$ (D) $2r$

68. निम्नलिखित में से कौन विषमबाहु त्रिभुज के कोण हैं ?
(A) 60°, 60° और 60°
(B) 110°, 35° और 35°
(C) 60°, 30° और 90°
(D) 90°, 45° और 45°

69. दंड आलेख 4 दिनों में एक कक्षा में उपस्थित छात्रों की संख्या दर्शाता है. सोमवार, मंगलवार और बुधवार को उपस्थित छात्रों की औसत संख्या ज्ञात कीजिए—



(A) 25 (B) 30
(C) 20 (D) 24

70. निम्नलिखित समुच्चयों में से कौनसा समुच्चय एक समकोण त्रिभुज की भुजाओं का निरूपण करता है ?
(A) (5, 12, 13)
(B) (5, 10, 12)
(C) (8, 15, 16)
(D) (3, 4, 6)

71. ₹ 500 के मूलधन पर 3 वर्ष के लिए 5% वार्षिक ब्याज की दर से प्राप्त साधारण ब्याज और इसी मूलधन पर 4 वर्षों के लिए 4% वार्षिक ब्याज की दर से प्राप्त साधारण ब्याज के बीच कितना अंतर है ?
(A) ₹ 15 (B) ₹ 7·5
(C) ₹ 10 (D) ₹ 5

72. एक व्यापारी रेफ्रिजरेटर की खरीद पर निम्नलिखित छूट-योजना प्रदान करता है–

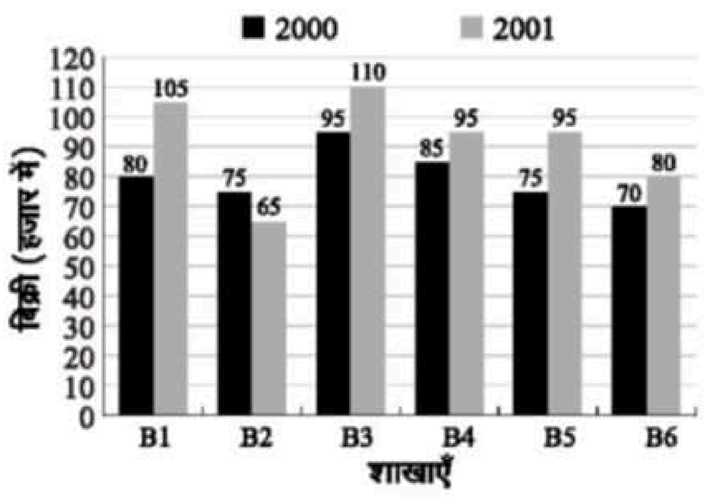
1. 10% की छूट के बाद 8% की छूट
2. 12% और 10% की क्रमिक छूट
3. 12% की दो क्रमिक छूट
4. 20% की छूट

किस योजना में विक्रय मूल्य सबसे कम है ?

(A) 3 (B) 2
(C) 1 (D) 4

73. दिए गए दंड-आलेख का अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–

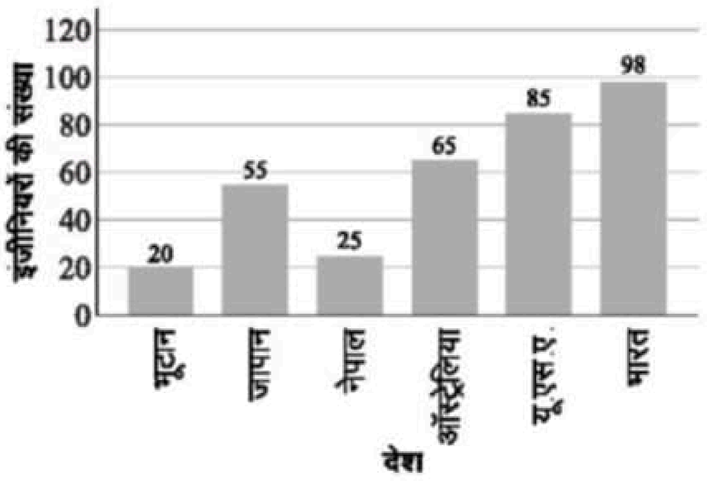
दंड-आलेख दो क्रमिक वर्षों 2000 और 2001 के दौरान एक प्रकाशन कम्पनी की छह शाखाओं (B1, B2, B3, B4, B5 और B6) से पुस्तकों की बिक्री (हजार में) दर्शाता है.



दोनों वर्षों के लिए शाखा B2 की कुल बिक्री और दोनों वर्षों के लिए शाखा B4 की कुल बिक्री का अनुपात कितना है ?

(A) 2 : 3 (B) 6 : 7
(C) 3 : 5 (D) 7 : 9

74. दिए गए बार-ग्राफ का अध्ययन कीजिए और इसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–



औसत से अधिक इंजीनियर वाले देशों के इंजीनियरों की संख्या और औसत से कम इंजीनियर वाले देशों के इंजीनियरों की संख्या का अनुपात कितना है ?

(A) $\frac{62}{25}$ (B) $\frac{2}{1}$
(C) $\frac{1}{1}$ (D) $\frac{39}{71}$

75. निम्नलिखित को सरल कीजिए–

$$\frac{(232)^3+(140)^3+(353)^3-3\times232\times140\times353}{(232)^2+(140)^2+(353)^2-232\times140-140\times353-353\times232}$$

(A) 445 (B) 261
(C) 725 (D) 596

English Comprehension

76. Parts of a sentence are given below in jumbled order. Arrange the parts in the correct order to form a meaningful sentence–

(O) attitude is
(P) or tendency in individuals
(Q) a broad-based behaviour
(R) which implies
(S) a hypothetical postulate

(A) SQPRO (B) OSRQP
(C) OPQRS (D) OPSRQ

77. Select the most appropriate synonym of the given word–
Cherish

(A) Nurture (B) Afflict
(C) Neglect (D) Breach

78. Given below are four jumbled sentences. Select the option that gives their correct logical sequence–

(a) These are responsible for producing the major fuel used across the globe.
(b) The country has 100 major oil and gas fields.
(c) The economy of Saudi Arabia is based on petroleum.
(d) The chief oil field is Ghawar Field having an estimated 70 billion reserve resource.

(A) abcd (B) dcab
(C) cbad (D) bacd

79. Select the most appropriate synonym of the given word—
Adequate

(A) Reconcile (B) Sufficient
(C) Evaluate (D) Hidden

80. The given sentence is divided into four segments. Select the option that has the segment with a grammatical error—
Two of the world's /best forwards/has played alongside/ David Beckham.

(A) Two of the world's
(B) has played alongside
(C) David Beckham
(D) best forwards

81. Select the most appropriate option to substitute the underlined segment in the given sentence–
The food intolerance industry has grown dramatically in the previous decade, chiefly because of a boost in Coeliac and Crohn's disease cases, as well as increasing awareness among health-conscious clients.

(A) pretty much entirely because of a boil-down
(B) owing primarily to a rise
(C) casually due to a growth
(D) contextually because of a spark

82. Select the option that contains all the MISSPELT words in the following sentences–

1. The new restraunt offers a wide variety of delicious dishes.
2. I can't beleive he made such a silly mistake in his presentation.
3. The teacher asked the students to complete the assigment by Friday.
4. She felt utterly embarassed by her colleague's comments.

(A) delicious, silly, assigment, colleague
(B) restraunt, silly, assigment, colleague
(C) delicious, beleive, assigment, utterly
(D) restraunt, beleive, assigment, embarassed

83. Select the option that expresses the given sentence in passive voice–
The teenager delivered the speech.

(A) Thespeech was being delivered by the teenager.
(B) The speech was delivered by the teenager.
(C) The speech is delivered by the teenager.
(D) The speech has been delivered by the teenager.

84. Select the most appropriate synonym of the given word–
Brittle
(A) Fragile (B) Fatal
(C) Fickle (D) Furtive

85. Select the option that expresses the given sentence in passive voice–
I have booked an apartment in the new residential colony.
(A) An apartment had been booked by me in the new residential colony.
(B) An apartment have been booked by me in the new residential colony.
(C) An apartment has been booked by me in the new residential colony.
(D) An apartment is been booked by me in the new residential colony.

86. Select the most appropriate antonym of the given word–
Material
(A) Abstract (B) Cheap
(C) Temporary (D) Concrete

87. Select the option that can be used as a one-word substitute for the given group of words–
Speaking disrespectfully about sacred or religious things.
(A) Atheist (B) Theist
(C) Blasphemy (D) Mystic

88. Select the most appropriate synonym of the word in bold–
The city has **immense** coal piers.
(A) Set (B) Trifling
(C) Huge (D) Diminutive

89. Select the most appropriate option to substitute the underlined word segment in the given sentence–
Sanat has just arrived in Mysore on transfer; he requests his friend Raghu to help him find an appropriate location.
(A) a suitable elevation
(B) an allocation recommendation
(C) a proper junction
(D) a rented accommodation

90. Select the most appropriate meaning of the given idiom–
At a low ebb
(A) In a depressed or weak state
(B) In an unemployed mode
(C) In a happy state
(D) In a critical moment

91. Select the correctly spelt word to fill in the blank–
My mother said that every relationship must have some amount of …… .
(A) flexibility (B) flaxibilety
(C) flexebelity (D) phlexibility

92. Select the most appropriate homonyms from the given alternatives to fill in the blanks–
The rowing instructor commanded them to …… in a …… .
1. row (verb)
2. roe
3. row (sequence)
(A) 1, 2 (B) 2, 3
(C) 3, 1 (D) 1, 3

93. Select the most appropriate meaning of the given idiom–
Off and on
(A) Know something thoroughly
(B) Object to
(C) Now and then
(D) Remind

94. Identify the error in the following sentence.
Ourselves should not boast of one's knowledge.
(A) boast (B) knowledge
(C) one's (D) Ourselves

95. Select the most appropriate option that can substitute the underlined segment in the given sentence–
This book giving us much information about our freedom fighters who lost their lives while serving our motherland–
(A) give us much information
(B) gives us much information
(C) gives us many information
(D) give us many information

Comprehension

Directions—(Q. 96 to 100) In the following passage, some words have been deleted. Read the passage carefully and select the most appropriate option to fill in each blank.

Culture is …(1)… understanding, and protecting, like the cultivation of a garden, not the destruction or eradication of its roots. Understanding the roots and seeds, taking much care and providing instructed nourishment …(2)… important for good gardening. Culture also is similar; understanding its acquaintance …(3)… literature and art and careful protection are required. Culture is the way of life of a particular society in which a group of people live together in one place. The society's culture is visible in its literature, arts, social system, language and religion. It is a combination of traditions, customs, institutions, food habits, manners, morals, thoughts, tastes, views and beliefs. Usually, families …(4)… culture to the younger generations. As family system is becoming weak, schools, colleges and universities should take up this responsibility as education should promote potential values of its culture. The role of universities …(5)… only to issue course completed certificates.

96. Select the most appropriate option to fill in blank number 1–
(A) creation (B) to create
(C) create (D) creating

97. Select the most appropriate option to fill in blank number 2–
(A) is (B) are
(C) was (D) were

98. Select the most appropriate option to fill in blank number 3–
(A) for (B) with
(C) on (D) in

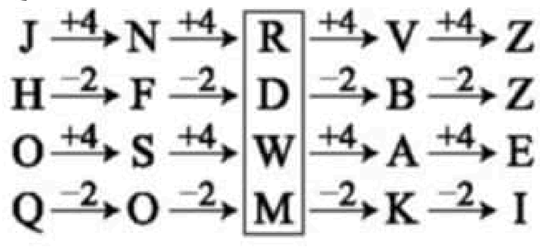
99. Select the most appropriate option to fill in blank number 4–
(A) transmits (B) transmitting
(C) transmit (D) transmitted

100. Select the most appropriate option to fill in blank number 5–
(A) restrict
(B) should be restricted
(C) should not be restricted
(D) should restricted

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) प्रश्नानुसार, मोड़ने पर विकल्प (D) में दी गई आकृति के समान दिखाई देगी.

2. (B) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

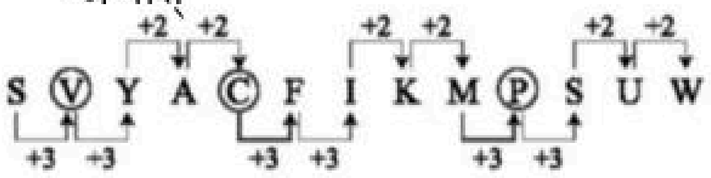


∴ ? = RDWM

3. (C) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

S V Y A C F I K M P S U W

अर्थात्

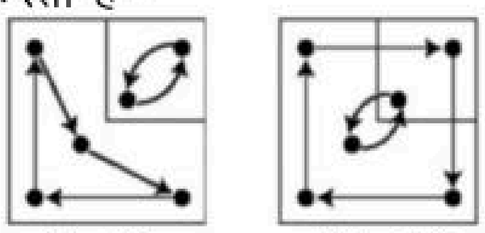


∴ रिक्त स्थान पर आने वाले अक्षर = VCP.

4. (B) प्रश्न से,

P के विपरीत फलक पर J, U नहीं हो सकते, क्योंकि ये संलग्न फलकों पर है तथा W के विपरीत फलक पर J, L नहीं हो सकते हैं. J के विपरीत फलक पर अक्षर 'K' होगा, क्योंकि प्रत्येक बार 'J' अक्षर दिखने में 'K' दिखाई नहीं दे रहा है. अतः P तथा W ही विपरीत फलकों पर होंगे.

5. (D) प्रत्येक अगली प्रश्नाकृति में लघु आकृतियाँ निम्नवत् स्थान परिवर्तन करती हैं–



I to II, II to III, III to IV, IV to V

इस प्रकार उत्तराकृति (D) प्राप्त होती है.

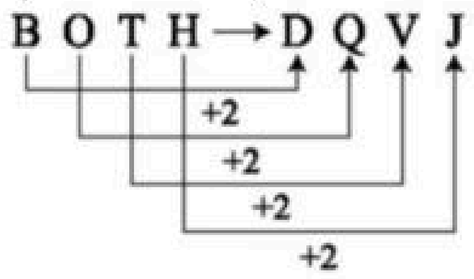
6. (A) दिए गए शब्द से,

M O B I L E
B E I L M O

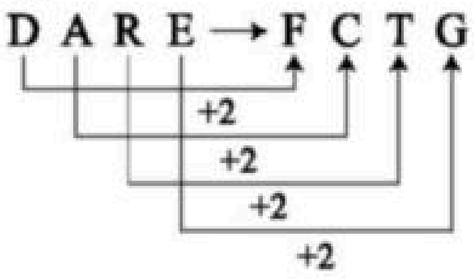
← वर्णमाला क्रमानुसार

अतः किसी भी अक्षर की स्थिति अपरिवर्तित नहीं रहती है.

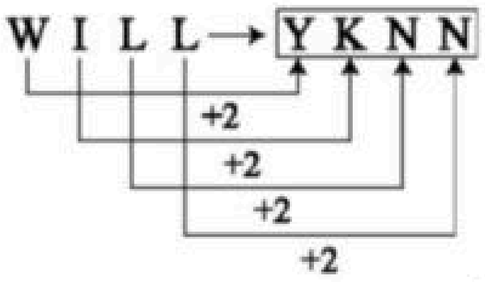
7. (B) जिस प्रकार,



तथा



उसी प्रकार,



8. (A) प्रश्नानुसार, चिह्न परिवर्तन करने पर,

$63 \div 7 \times 13 + 64 - 42 = ?$

$\Rightarrow \quad ? = 9 \times 13 + 64 - 42$

$= 117 + 64 - 42$

$= 117 + 22 = 139$

9. (A) दिए गए शब्द से–

D I C T I O N A R Y
A C D I I N O R T Y

बाएँ से 4वाँ, दाएँ से दूसरा

अतः I तथा T के बीच वर्णमाला में 10 अक्षर होते हैं.

10. (C) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

389, 420, 457, 498, 541, 588

+31 +37 +41 +43 +47

अतः प्रत्येक अगले पद में अगली अभाज्य संख्या जुड़ जाती है.

11. (D) तीनों आकृतियों से,

2 के विपरीत, 1, 6, 4, 5 नहीं हो सकते हैं. अतः 2 के विपरीत 3 होगी.

12. (D) जिस प्रकार, 'फ्रांस' का राष्ट्रीय प्रतीक 'गैलिक रूस्टर' है. उसी प्रकार, 'ऑस्ट्रेलिया' का राष्ट्रीय प्रतीक 'एमू' है.

13. (C) प्रश्नानुसार, चिह्न परिवर्तन करने पर,

$25 - 3 \times 9 + 14 \div 2 = ?$

$\therefore \quad ? = 25 - 27 + 7$

$= 32 - 27 = 5$

14. (D) विकल्प,

1. M P N K — विपरीत वर्ण

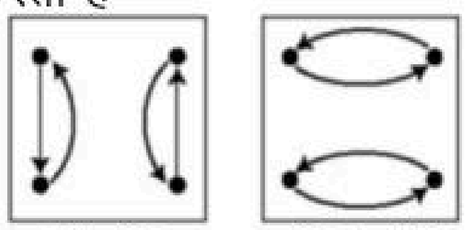
2. T W G D — विपरीत वर्ण

3. J M Q N — विपरीत वर्ण

4. P S K I — विपरीत वर्ण नहीं है

अतः 'PSKI' इस समूह के संगत नहीं है.

15. (B) प्रत्येक अगली प्रश्नाकृति में लघु आकृतियाँ निम्नवत् स्थान परिवर्तन करती हैं–



I to II, II to III, III to IV, IV to V

इस प्रकार, उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है.

16. (D) प्रश्न से,

$18 - 11 - 63 \Rightarrow (18 - 11) \times 9 = 63$

तथा

$12 - 8 - 36 \Rightarrow (12 - 8) \times 9 = 36$

तथा

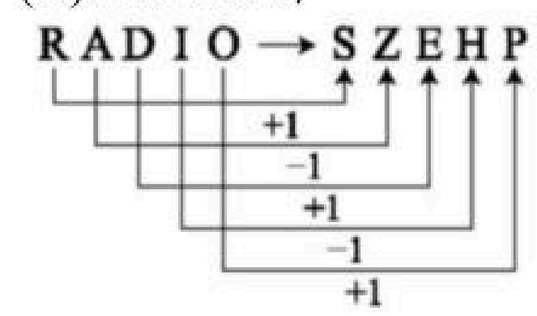
$15 - 3 - 108 \Rightarrow (15 - 3) \times 9 = 108$

जबकि,

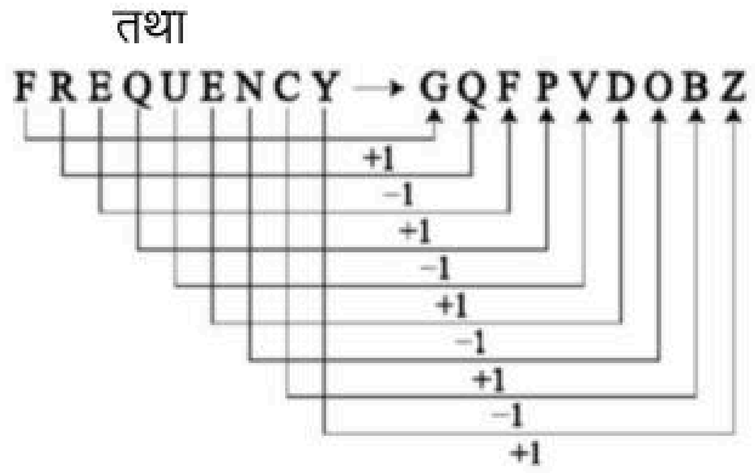
$21 - 14 - 72 \Rightarrow (21 - 14) \times 9 = 63 \neq 72.$

∴ विकल्प (D) असंगत है.

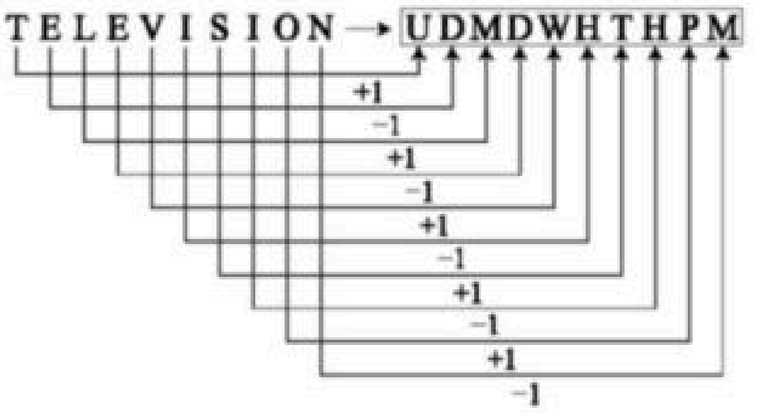
17. (B) जिस प्रकार,



तथा



उसी प्रकार,



18. (A) जिस प्रकार,

$(25, 22, 47) \Rightarrow 25 + 22 = 47$

तथा

$(31, 24, 55) \Rightarrow 31 + 24 = 55$

उसी प्रकार,

$(18, 21, 39) \Rightarrow 18 + 21 = 39$

अतः विकल्प (A) सही है.

19. (A) जिस प्रकार,

$12 \rightarrow (12)^2 + 91 = 235$

तथा $14 \rightarrow (14)^2 + 91 = 287$

उसी प्रकार,

$18 \rightarrow (18)^2 + 91 = 415$

20. (D) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

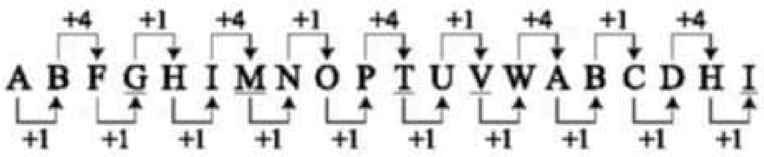
B $\xrightarrow{+1}$ C $\xrightarrow{+1}$ D $\xrightarrow{+1}$ E $\xrightarrow{+1}$ F

H $\xrightarrow{+2}$ J $\xrightarrow{+2}$ L $\xrightarrow{+2}$ N $\xrightarrow{+2}$ P

14 $\xrightarrow{+3}$ 17 $\xrightarrow{+3}$ 20 $\xrightarrow{+3}$ 23 $\xrightarrow{+3}$ 26

∴ ? = FP26

21. (B) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–



∴ रिक्ताक्षर = GMTVI.

22. (D) सही आकृति विकल्प (D) में है.

23. (D)

24. (D) जिस प्रकार,

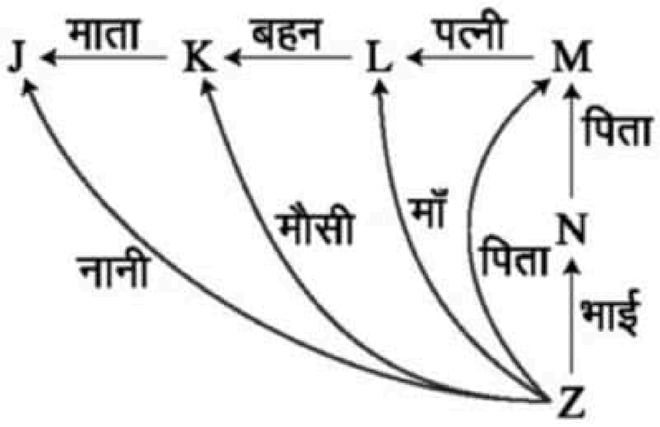
$$40 : 123 \Rightarrow 40 \times 3 + 3 = 123$$

तथा $63 : 192 \Rightarrow 63 \times 3 + 3 = 192$

उसी प्रकार,

$$39 : 120 \Rightarrow 39 \times 3 + 3 = 120$$

25. (D) प्रश्नानुसार सम्बन्ध स्थापित करने पर,



अतः J, Z की नानी है.

26. (B) 1960 के दशक में भारत में खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए हरित क्रांति की शुरुआत हुई. इसमें उच्च उपज वाले बीज (HYV Seeds), रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अधिक उपयोग किया गया. हालाँकि, बड़े पैमाने पर भूजल दोहन, मोनोक्रॉपिंग (एक ही फसल बार-बार उगाना) और उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हुई. इससे पर्यावरणीय असंतुलन और जल संकट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुईं. द्वितीय हरित क्रांति में जैविक खेती, मिश्रित कृषि और टिकाऊ कृषि पर जोर दिया गया, लेकिन यह पूरी तरह से 'स्थायी आजीविका सुरक्षा' सुनिश्चित नहीं कर सकी. छोटे और सीमांत किसानों को इसका उतना लाभ नहीं मिला, और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ बनी रहीं.

27. (A) 1924 में बेलगाम (कर्नाटक) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ. इस अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गाँधी ने की. यह एकमात्र अवसर था जब महात्मा गाँधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने. यह अधिवेशन असहयोग आंदोलन (1920-22) के बाद हुआ, जिसे चौरी-चौरा कांड के कारण गाँधीजी ने वापस ले लिया था.

28. (C) ODR का पूरा नाम Online Dispute Resolution (ऑनलाइन विवाद समाधान) है. इसमें डिजिटल तकनीक का उपयोग कर वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) के तरीके अपनाए जाते हैं, जैसे–मध्यस्थता, विवाचन, बातचीत. यह अदालतों पर बोझ कम करने और विवादों को तेजी से सुलझाने में मदद करता है. ODR का विकास सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के विकास और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग से हुआ है. डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, चैटबॉट्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि ODR को अधिक प्रभावी बनाते हैं. नीति आयोग ने इसे न्याय प्रणाली में डिजिटल तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया.

29. (B) जब प्रकाश किसी अवरोध या संकीर्ण छिद्र से गुजरता है, तो वह सरल रेखा में चलने की बजाए उसके किनारों पर मुड़ जाता है. इस परिघटना को विवर्तन कहा जाता है. यह प्रभाव तब अधिक स्पष्ट रूप से देखा जाता है जब अवरोध या छिद्र का आकार प्रकाश की तरंगदैर्ध्य के बराबर या उससे छोटा होता है.

30. (C) भारतीय संविधान का भाग IX (Part IX) पंचायतों से सम्बन्धित है. इसे 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा जोड़ा गया था, जो 24 अप्रैल, 1993 से प्रभावी हुआ. इसमें अनुच्छेद 243 से 243(O) तक पंचायतों की संरचना, अधिकार, कार्य और चुनाव से सम्बन्धित प्रावधान दिए गए हैं.
- भाग IXA (अनुच्छेद 243P से 243Z) नगरपालिकाओं (Urban Local Bodies) से सम्बन्धित है.
- भाग IV नीति निदेशक तत्वों (DPSP) से सम्बन्धित है.
- भाग X अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों से सम्बन्धित है.
- भाग VII को संविधान के 7वें संशोधन 1956 में हटा दिया गया था.

31. (D) 'अटला तड्डी' मुख्य रूप से आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है. यह कार्तिक मास (अक्टूबर-नवम्बर) की कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है. यह महिलाओं, विशेषकर अविवाहित लड़कियों द्वारा मनाया जाने वाला व्रत है. यह व्रत 'मंगला गौरी व्रत' की तरह है, जिसे महिलाएँ अच्छे पति और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखती हैं. इस दिन महिलाएँ उपवास रखती हैं और रात को अटलू (डोसा/पैनकेक जैसी डिश) खाकर व्रत तोड़ती हैं, इसलिए इसे 'अटला तड्डी' कहा जाता है. पूजा के दौरान गौरी देवी (पार्वती माता) की अराधना की जाती है.

32. (A) पहला कबड्डी विश्व कप 2004 में भारत के मुम्बई शहर में आयोजित किया गया था. इस टूर्नामेंट का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ द्वारा किया गया था. इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों की टीमों ने भाग लिया था. भारत ने पहला कबड्डी विश्व कप ईरान को हराकर जीता. भारत अब तक आयोजित चारों कबड्डी विश्व कप (मानक शैली) 2004, 2007, 2016 और 2025 का विजेता रहा है. 2025 कबड्डी विश्व कप 17-23 मार्च, 2025 के दौरान वेस्ट मिडलैंड्स, इंग्लैण्ड में आयोजित किया गया. विश्व कप 2025 में भारत ने इंग्लैण्ड को 44-41 के अन्तर से हराया.

33. (A) नीम एक सदाबहार वृक्ष है जिसकी पत्तियाँ पंखाकार होती हैं. पंखाकार यौगिक पत्तियों में एक मुख्य मध्यशिरा होती है, जिस पर कई छोटी पत्रक लगे होते हैं. नीम की पत्तियाँ विषमदलीय होती हैं, जिसमें एक शीर्ष पत्रक होता है और शेष पत्रक जोड़े में लगे होते हैं.

34. (A) स्थायी बंदोबस्त 1793 में लॉर्ड कॉर्नवॉलिस द्वारा बंगाल, बिहार और उड़ीसा में लागू किया गया था. इसे 'जमींदारी प्रणाली' भी कहा जाता है, जिसमें जमींदारों को भूमि का स्थायी स्वामी बना दिया गया और उन्हें सरकार को निश्चित लगान देना पड़ता था. यह ईस्ट इंडिया कम्पनी की नीति का हिस्सा था ताकि राजस्व संग्रह को स्थिर किया जा सके. यह व्यवस्था बाद में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी अपनाई गई.

35. (B) मार्च 2024 तक, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है. इस अवधि तक, भारत में कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 1,199·28 मिलियन तक पहुँच गई थी.

36. (B) गोदावरी नदी दक्षिण भारत की एक प्रमुख नदी है, जो दक्कन के पठारी क्षेत्र से होकर बहती है और उत्तर भारतीय मैदानों के निर्माण में योगदान नहीं देती.

भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी मैदान का निर्माण गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदी प्रणालियों और उनकी सहायक नदियों की परस्पर क्रिया से हुआ है. ये नदियाँ अपनी तलछट जमा करके विशाल समतल मैदानों का निर्माण करती हैं.

37. (B) जिस रासायनिक अभिक्रिया में अभिक्रिया की दर अभिकारक की सांद्रता की प्रथम घात के अनुक्रमानुपाती होती है, उसे प्रथम कोटि की अभिक्रिया कहते हैं.

गणितीय रूप में—

$$\text{Rate} = k[\text{A}]^1$$

जहाँ,

Rate = अभिक्रिया की दर

k = अभिक्रिया दर नियतांक

[A] = अभिकारक की सांद्रता

उदाहरण—रेडियोधर्मी क्षय एक प्रथम कोटि की अभिक्रिया है, जहाँ न्यूक्लियस का विघटन अभिकारक की सांद्रता पर निर्भर करता है.

38. (D) खानवा का युद्ध 17 मार्च, 1527 को बाबर और मेवाड़ के राजा राणा सांगा (महाराणा संग्राम सिंह) के बीच लड़ा गया था. बाबर की सेना ने इस युद्ध में राणा सांगा की राजपूत सेनाओं को हराया. इस युद्ध के बाद बाबर ने 'गाजी' की उपाधि धारण की और भारत में अपनी सत्ता मजबूत की.

- **बयाना का युद्ध (1527 ई.)**—खानवा युद्ध से पहले बाबर और राणा सांगा की सेनाओं के बीच छोटी झड़प हुई थी.
- **पानीपत का द्वितीय युद्ध (1556 ई.)**—यह अकबर और हेमू के बीच लड़ा गया था.
- **चंदेरी का युद्ध (1528 ई.)**—बाबर और मेदिनी राय के बीच हुआ था.

39. (C) लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण फ्रेमवर्क (Flexible Inflation Targeting Framework & FITF) भारत में 2016 में लागू किया गया था. इसे भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन के बाद लागू किया गया. इसका उद्देश्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना और मौद्रिक नीति को पारदर्शी बनाना था.

40. (B) तेलंगाना सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अपने वार्षिक बजट में 'आसरा पेंशन योजना' के लिए ₹ 11,728 करोड़ आवंटित किए थे. तेलंगाना सरकार ने इस योजना के तहत् वृद्ध, विधवा, विकलांग, बुनकर, एचआईवी पीड़ित और अन्य जरूरतमंद लोगों को पेंशन प्रदान करने के लिए यह धनराशि निर्धारित की थी.

41. (C) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 कहता है—"India, that is Bharat, shall be a Union of States."
("इंडिया, जोकि भारत है, राज्यों का संघ होगा.") यह दर्शाता है कि भारत की सम्प्रभुता एक अखंड इकाई के रूप में बनी रहेगी, और केन्द्र सरकार राज्यों के अस्तित्व को बनाए रखने या बदलने की शक्ति रखती है.

42 (C) आशा भोसले को वर्ष 2002 में अन्तर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA) पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (महिला) का सम्मान फिल्म 'लगान' (2001) के गीत 'राधा कैसे ना जले' के लिए मिला था. इस गाने को ए. आर. रहमान ने संगीतबद्ध किया था और इसे उदित नारायण के साथ मिलकर गाया था. इस फिल्म ने ऑस्कर अवॉर्ड्स में भी 'सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म' के लिए नामांकन प्राप्त किया था.

- भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सन् 2000 में 'दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड' से सम्मानित की गई.
- राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने 5 मई, 2008 को आशा जी को 'पद्मविभूषण' से सम्मानित किया था.

43. (D)

44. (B) भारतीय संविधान के भाग V में अनुच्छेद 52 से 78 'संघ की कार्यपालिका' से सम्बन्धित हैं.

- **अनुच्छेद 52**—भारत में एक राष्ट्रपति होगा.
- **अनुच्छेद 53**—कार्यपालिका शक्ति का राष्ट्रपति में निहित होना.
- **अनुच्छेद 64**—उपराष्ट्रपति, राज्य सभा का पदेन सभापति होगा.
- **अनुच्छेद 74**—मंत्रिपरिषद् राष्ट्रपति को सलाह देगी.
- **अनुच्छेद 76**—भारत के महान्यायवादी (अटॉर्नी जनरल).

इस भाग में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद्, अटॉर्नी जनरल और उनकी शक्तियों का विवरण दिया गया है.

45. (D) भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून जून से सितम्बर (लगभग 100-120 दिन) तक सक्रिय रहता है. मानसून की शुरुआत केरल तट से होती है और धीरे-धीरे पूरे भारत में फैलता है. सितम्बर के अंत तक मानसून कमजोर होने लगता है और अक्टूबर-नवम्बर में उत्तर-पूर्वी मानसून सक्रिय हो जाता है, जो मुख्यतः तमिलनाडु और दक्षिणी भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा लाता है.

46. (A) कैंपबेल बे राष्ट्रीय उद्यान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप पर स्थित है. यह महापद पक्षी, केकड़ाभक्षी मकाक, निकोबार कबूतर और विशालकाय दस्यु केकड़े जैसी अद्वितीय और दुर्लभ प्रजातियों का प्राकृतिक आवास है. इसे 1992 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था. यह ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रिजर्व का एक हिस्सा है और यहाँ समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है.

47. (A) ऋग्वैदिक समाज में जनजातियाँ तीन मुख्य वर्गों में विभाजित थीं—

- पुरोहित—जो धार्मिक और यज्ञ सम्बन्धी कार्य करते थे.
- राजन्य/क्षत्रिय—जो शासक और योद्धा वर्ग थे.
- विश—जो आम जनता और कृषक थे.

'शिल्पी' (कारीगर) ऋग्वैदिक काल के तीन मुख्य वर्गों में शामिल नहीं थे. वे समाज में मौजूद तो थे, लेकिन किसी विशिष्ट वर्ग में नहीं आते थे.

48. (B) होजागिरी नृत्य त्रिपुरा राज्य का एक पारम्परिक लोकनृत्य है, जिसे मुख्य रूप से रियांग जनजाति द्वारा किया जाता है.

49. (C) राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2014 में लॉन्च किया गया था.

मुख्य उद्देश्य—

- युवाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, स्वास्थ्य और खेलकूद के माध्यम से सशक्त बनाना.
- 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं पर विशेष ध्यान देना.
- युवाओं के लिए व्यवसाय, स्टार्टअप, और नवाचार को बढ़ावा देना.

राष्ट्रीय युवा नीति पहली बार 1988 में आई थी. इसके बाद 2003 और फिर 2014 में इसे संशोधित किया गया. 2014 नीति में युवा सशक्तिकरण और कौशल विकास पर अधिक ध्यान दिया गया.

50. (B) अली अकबर खाँ भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध सरोद वादक थे. इनका जन्म 14 अप्रैल, 1922 को हुआ था. वे मैहर घराने से जुड़े थे और उनके गुरु उनके पिता बाबा अलाउद्दीन खाँ थे. 1956 में पद्मभूषण और 1971 में पद्मविभूषण से सम्मानित हुए. अमेरिका में 'अली अकबर कॉलेज ऑफ म्यूजिक' की स्थापना की.
सरोद एक तार वाद्य यंत्र है, जिसे बजाने के लिए पिक (जव्वा) का उपयोग किया जाता है. यह सितार से छोटा और बिना फ्रेट का होता है, जिससे इसमें मींड (स्वरों के बीच सुगम प्रवाह) बहुत सुंदर होता है.

51. (C) पाइप A द्वारा 1 घण्टे में भरा भाग $= \frac{1}{4}$ भाग

पाइप B द्वारा 1 घण्टे में भरा भाग $= \frac{1}{6}$ भाग

माना A के खोलने के बाद x घण्टे में भर जाएगी, तब

$$\frac{x}{4}+\frac{x-1}{6}=1$$

$\Rightarrow \quad 3x+2x-2=12$

$\Rightarrow \quad 5x=14$

$\Rightarrow \quad x=2$ घण्टे 48 मिनट

$\therefore$ अभीष्ट समय

$= 8{:}00\ \text{a.m.}+2$ घण्टे 48 मिनट

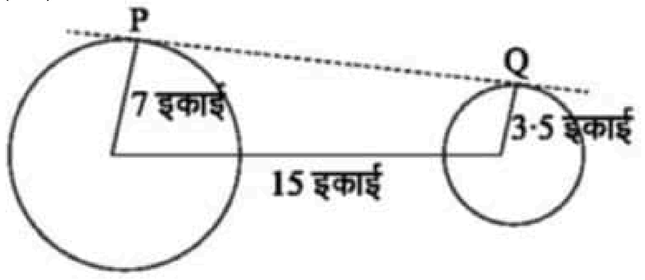
$= 10{:}48\ \text{a.m.}$

52. (A) घनीय बर्तन के विकर्ण की लम्बाई

$= \sqrt{3} \times$ भुजा

$= 70\sqrt{3}$ सेमी

53. (A) प्रश्न से,



तब स्पर्श रेखा PQ की लम्बाई

$= \sqrt{\begin{matrix}(\text{केन्द्रों के बीच दूरी})^2 \\ -\ (\text{त्रिज्याओं का अन्तर})^2\end{matrix}}$

$= \sqrt{(15)^2-(7-3\cdot5)^2}$

$= \sqrt{225-12\cdot25}$

$= \sqrt{212\cdot75}$

$= 14\cdot586$ इकाई

54. (B) $4\tan\theta-3=0$

$\Rightarrow \quad \tan\theta=\frac{3}{4}$

$\therefore \quad \frac{1-\cos2\theta}{1+\cos2\theta}=\tan^2\theta$

$= \left(\frac{3}{4}\right)^2$

$= \frac{9}{16}$

55. (C) मिश्रण में दूध की मात्रा

$= 32\times\frac{5}{8}=20$ लीटर

तथा पानी की मात्रा

$= 32\times\frac{3}{8}=12$ लीटर

माना x लीटर पानी मिलाया जाए, तब

20 लीटर $= 12 + x$ लीटर

$\Rightarrow \quad x = 20-12 = 8$ लीटर

56. (B) $\sqrt{3}\cos\theta+\sin\theta=1$

प्रश्न से, $\theta = 90$ रखने पर,

$\sqrt{3}\cos90+\sin90=1$

$\Rightarrow \quad \sqrt{3}\times0+\sin90=1$

$\Rightarrow \quad \sin90=1$

$\Rightarrow \quad 1=1$

(LHS = RHS)

$\therefore \quad \theta=90°$

57. (A) माना कुल पूर्णांक x हैं, तब

35% की चूक होने पर,

$$x\times\frac{(85-35)}{100}=450$$

$\Rightarrow \quad x=\frac{450\times100}{50}=900$

तब 85% अंक प्राप्त करने के लिए अंक

$= \frac{85}{100}\times900$

$= 765$

$\therefore$ लक्ष्य पूरा करने के लिए % वृद्धि

$= \frac{765-450}{450}\times100$

$= \frac{315\times100}{450}$

$= 70\%$

58. (C) माना ₹ 20 मूल्य वर्ग के नोटों की संख्या $= x$ तथा ₹ 10 मूल्य वर्ग के नोटों की संख्या $= y$

तब, $20x+10y=390$

$\Rightarrow \quad 2x+y=39 \quad \ldots(1)$

पुनः प्रश्न से,

$10x+20y=390-90$

$\Rightarrow \quad x+2y=30 \quad \ldots(2)$

समीकरण (2) में 2 से गुणा कर समीकरण (1) से घटाने पर,

$-3y=-21$

$\Rightarrow \quad y=7$

$\therefore$ समीकरण (1) से,

$2x+7=39$

$\Rightarrow \quad 2x=39-7$

$\Rightarrow \quad 2x=32$

$\Rightarrow \quad x=16$

59. (C)

$6\times[28\div84\times\{36\times49\div(6\times7)\}]$

$= 6\times\left[\frac{28}{84}\times\{36\times49\div42\}\right]$

$= 6\times\left[\frac{1}{3}\times\frac{36\times49}{42}\right]$

$= \frac{6\times12\times7}{6}=84$

60. (A) माना सुनीता की वर्तमान आयु $= x$
तथा पुत्री की वर्तमान आयु $= y$

$\therefore \quad (x-10)=(y-10)\times3$

(10 वर्ष पूर्व)

$\Rightarrow \quad x-10=3y-30$

$\Rightarrow \quad x-3y=-20 \quad \ldots(1)$

तथा $x+10=(y+10)\times2$

(10 वर्ष बाद)

$\Rightarrow \quad x+10=2y+20$

$\Rightarrow \quad x-2y=10 \quad \ldots(2)$

समीकरण (1) व (2) से,

$-y=-30$

$\Rightarrow \quad y=30$

तब समीकरण (1) से,

$x=-20+3\times30$

$=70$

$\therefore$ अभीष्ट अनुपात $= 70:30$

$= 7:3$

61. (C) प्रश्न से,

$18:30::30:A$

$\Rightarrow \quad 18\times A=30\times30$

$\Rightarrow \quad A=\frac{900}{18}$

$\therefore \quad A=50$

62. (A) प्रश्न से, $n=1$ रखने पर,

$2^{2n}+2n=2^{2\times1}+2\times1$

$=4+2=6$

अतः $n = 1$ (न्यूनतम मान) के लिए व्यंजक 6 से भाज्य है.

63. (B) चोर और पुलिसकर्मी की सापेक्षिक गति

$= 104\cdot4-90$

$= 14\cdot4$ किमी/घण्टा

$\therefore$ पकड़ने में लगा समय

$= \frac{92 \text{ मीटर}}{14\cdot4 \text{ किमी/घण्टा}}$

$= \frac{92\times60\times60}{14\cdot4\times1000}$ सेकण्ड

$= 23$ सेकण्ड

64. (D) अमित का अंकित मूल्य (विक्रय मूल्य)

$$= 1500 \times \frac{(100+y)}{100}$$

$$= 15(100+y)$$

तथा बिलाल का अंकित मूल्य

$$= 2000 \times \frac{(100+2y)}{100}$$

$$= 20(100+2y)$$

तथा बिलाल का विक्रय मूल्य

$$= 20(100+2y) \times \frac{(100-y)}{100}$$

$$= \frac{(100+2y)\times(100-y)}{5}$$

तब लाभ के अनुसार,

$$15(100+y) - 1500$$

$$= \frac{(100+2y)\times(100-y)}{5} - 2000$$

$$\Rightarrow 7500 + 75y - 7500 = 10000 + 200y - 100y - 2y^2 - 10000$$

$$\Rightarrow 75y = 100y - 2y^2$$

$$\Rightarrow 2y^2 = 25y$$

$$\Rightarrow 2y = 25$$

$$\Rightarrow y = 12{\cdot}5$$

65. (C) संयंत्र 1 का औसत उत्पादन

$$= \frac{35+43+48+32+42}{5}$$

$$= \frac{200}{5} = 40$$

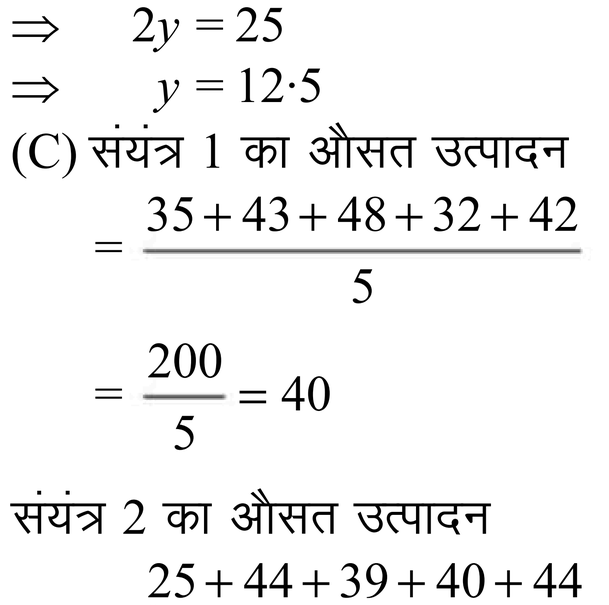
संयंत्र 2 का औसत उत्पादन

$$= \frac{25+44+39+40+44}{5}$$

$$= \frac{192}{5} = 38{\cdot}4$$

$\therefore$ अभीष्ट अन्तर $= (40 - 38{\cdot}4)$ हजार
$= 1{\cdot}6$ हजार
$= 1600$

66. (C) प्रश्न से,



दिया है, $\angle ABC = x\angle BAC$

तथा $OB = BC = OC$

$\therefore \angle ABC = 60°$

तब $\angle BAC = 180° - (90° + 60°)$
$= 30°$

तब, $\angle ABC = x\angle BAC$

$\Rightarrow 60° = x \times 30°$

$\Rightarrow x = \frac{60}{30} = 2$

67. (A) $x = r\cos(t)$

$y = r\sin(t)\cos(u)$

$z = r\sin(t)\cdot\sin(u)$

$\therefore x^2 + y^2 + z^2$
$= r^2\cos^2(t) + r^2\sin^2(t)\cos^2(u) + r^2\sin^2(t)\sin^2(u)$
$= r^2[\cos^2 t + \sin^2(t)\cos^2(u) + \sin^2(t)\sin^2(u).]$
$= r^2[\cos^2 t + \sin^2 t(\cos^2 u + \sin^2 u)]$
$= r^2(\cos^2 t + \sin^2 t)$
$= r^2$

68. (C) विषमबाहु त्रिभुज में कोई दो कोण सर्वनिष्ठ नहीं होते अर्थात् सभी भिन्न होते हैं. अतः विकल्प (C) विषमबाहु त्रिभुज के कोण दर्शाता है.

69. (A) सोमवार, मंगलवार, बुधवार को उपस्थित छात्रों का औसत

$$= \frac{25+30+20}{3}$$

$$= \frac{75}{3} = 25$$

70. (A) समकोण में,

(विकर्ण)^2 = (लम्ब)^2 + (आधार)^2

$\Rightarrow (13)^2 = (12)^2 + (5)^2$

$\Rightarrow 169 = 144 + 25$

$\Rightarrow 169 = 169$

अतः विकल्प (A) में दी गईं भुजाएँ समकोण त्रिभुज का निरूपण करती हैं.

71. (D) प्रश्नानुसार,

अभीष्ट अन्तर

$$= \frac{500\times4\times4}{100} - \frac{500\times3\times5}{100}$$

$= 80 - 75$
$= ₹\ 5$

72. (A) माना रेफ्रिजरेटर का मूल्य ₹ 100 है, तब

1. से विक्रय मूल्य

$$= 100 \times \frac{(100-10)}{100} \times \frac{(100-8)}{100}$$

$$= \frac{90\times92}{100}$$

$= ₹\ 82{\cdot}80$

2. से विक्रय मूल्य

$$= 100 \times \frac{(100-12)}{100} \times \frac{(100-10)}{100}$$

$$= \frac{88\times90}{100}$$

$= ₹\ 79{\cdot}20$

3. से विक्रय मूल्य

$$= 100 \times \frac{(100-12)}{100} \times \frac{(100-12)}{100}$$

$$= \frac{88\times88}{100}$$

$= ₹\ 77{\cdot}44$

4. से विक्रय मूल्य

$$= 100 \times \frac{(100-20)}{100}$$

$$= \frac{100\times80}{100}$$

$= ₹\ 80$

अतः सबसे कम विक्रय मूल्य (3) से है.

73. (D) प्रश्नानुसार,

शाखा B2 की कुल बिक्री $= 75 + 65$
$= 140$

तथा शाखा B4 की कुल बिक्री
$= 85 + 95$
$= 180$

$\therefore$ अभीष्ट अनुपात $= 140 : 180$
$= 7 : 9$

74. (C) प्रश्न से, कुल औसत

$$= \frac{20+55+25+65+85+98}{6}$$

$$= \frac{348}{6} = 58$$

$\therefore$ $58 > 20, 55, 25 = 3$ देश

तथा $58 < 65, 85, 98 = 3$ देश

$\therefore$ अभीष्ट अनुपात $= 3 : 3$

$$= \frac{3}{3} = \frac{1}{1}$$

75. (C)

$$\frac{(232)^3 + (140)^3 + (353)^3 - 3\times232\times140\times353}{(232)^2 + (140)^2 + (353)^2 - 232\times140 - 140\times353 - 353\times232}$$

$$\left[\because \frac{a^3+b^3+c^3-3abc}{(a^2+b^2+c^2-ab-bc-ca)}\right]$$

का रूप है, तब

$$= \frac{(a+b+c)(a^2+b^2+c^2-ab-bc-ca)}{(a^2+b^2+c^2-ab-bc-ca)}$$

$= (a + b + c)$
$= 232 + 140 + 353 = 725$

76. (B) The correct order of the sentence is "attitude is a hypothetical postulate which implies a broad-based behaviour or tendency in individuals." The sentence begins with 'attitude is' (O), which is the subject. This is followed by 'a hypothetical postulate' (S), which defines what an attitude is. The phrase 'which implies' (R) logically connects the definition to 'a broad-based behaviour' (Q), further describing attitude. Finally, 'or tendency in individuals' (P) completes the sentence by specifying that this behaviour or tendency is observed in individuals. Thus, the correct sequence is OSRQP.

77. (A) Nurture is the most appropriate synonym for cherish because both words convey caring for, valuing and fostering growth. Cherish means to hold something dear and treat it with affection, while nurture refers to providing care and support. The other options do not match in meaning–afflict (B) means to cause pain, neglect (C) means to ignore or fail to care for, and breach (D) means to break or violate something.

78. (C) The logical sequence is cbad because the passage should begin with a general statement about Saudi Arabia's economy, making sentence C the most appropriate opening. Sentence B follows naturally as it provides specific information about the country's number of oil and gas fields. Sentence A then explains the significance of these fields by stating their role in global fuel production. Finally, sentence D concludes the sequence by mentioning the most important oil field, Ghawar Field, and its vast reserves. This order ensures a smooth flow of information from general to specific details.

79. (B) Sufficient is the most appropriate synonym for adequate because both words indicate that something is enough to meet a particular need or requirement. Reconcile (A) means to restore harmony, evaluate (C) means to assess or judge, and hidden (D) means concealed, none of which share the same meaning as adequate.

80. (B) The error lies in the use of 'has' instead of 'have.' The subject of the verb is "Two of the world's best forwards," where 'Two' is plural, referring to more than one person. In subject-verb agreement, a plural subject requires a plural verb. Therefore, 'has played' should be corrected to 'have played' to match the plural subject. The correct sentence should be : "Two of the world's best forwards have played alongside David Beckham." The other segments do not contain any grammatical errors.

81. (B) 'Owing primarily to a rise' is the most appropriate substitution because it correctly conveys the cause-and-effect relationship in a formal and grammatically sound manner. 'Owing primarily to' means 'due mainly to,' which fits well in explaining the reason behind the growth of the food intolerance industry. 'A rise' accurately describes the increase in cases of Coeliac and Crohn's disease. The other options are incorrect : (A) 'pretty much entirely because of a boil-down' is informal and unclear, (C) 'casually due to a growth' is inappropriate as 'casually' does not fit the context, and (D) 'contextually because of a spark' is vague and does not convey the intended meaning.

82. (D) The misspelled words in the sentences are 'restraunt' (should be 'restaurant'), 'beleive' (should be 'believe'), 'assigment' (should be 'assignment'), and 'embarassed' (should be 'embarrassed'). These words contain incorrect letter placements or missing letters, making them incorrect spellings. The other words in the sentences are correctly spelled.

83. (B) The sentence "The teenager delivered the speech" is in the active voice, where 'the teenager' is the subject, 'delivered' is the verb, and 'the speech' is the object. To convert it into passive voice, the object 'the speech' becomes the subject, and the verb 'delivered' is changed to 'was delivered' to maintain the past tense. The phrase 'by the teenager' is added to indicate the original subject. The other options are incorrect because (A) 'was being delivered' suggests a past continuous tense, (C) 'is delivered' changes the tense to present, and (D) 'has been delivered' changes it to present perfect tense.

84. (A) Fragile is the most appropriate synonym for brittle because both words describe something that is easily broken or damaged. Fatal (B) means causing death, which is unrelated to brittle. Fickle (C) refers to being changeable or inconsistent, and furtive (D) means secretive or sneaky, neither of which share the meaning of brittle.

85. (C) In the given active sentence, 'I' is the subject, 'have booked' is the verb in the present perfect tense, and 'an apartment' is the object. To convert it into passive voice, the object 'an apartment' becomes the subject, and 'have booked' changes to 'has been booked' to maintain the present perfect tense while agreeing with the singular subject 'an apartment.' The phrase 'by me' is added to indicate the original subject. The other options are incorrect because (A) 'had been booked' changes the tense to past perfect, (B) 'have been booked' is incorrect as 'apartment' is singular, and (D) 'is been booked' is grammatically incorrect.

86. (A) Abstract is the most appropriate antonym of material because material refers to something physical, tangible, or concrete—something that can be touched or seen. In contrast, abstract refers to ideas, concepts, or qualities that do not have a physical form, making it the opposite of material. The other options do not serve as true antonyms : cheap (B) relates to cost rather than physicality, temporary (C) refers to something lasting for a short time and is unrelated to material things, and concrete (D) is a synonym of material, as both describe something that has a definite physical existence.

87. (C) Blasphemy is the most appropriate one-word substitute because it refers to speaking disrespectfully or showing contempt for sacred or religious things. Atheist (A) refers to someone who does not believe in God, which is unrelated to disrespecting religion. Theist (B) is someone who believes in God, making it the opposite of an atheist. Mystic (D) refers to a person who seeks spiritual truths or has mystical experiences, which does not relate to speaking disrespectfully about religion.
88. (C) Huge is the most appropriate synonym for immense because both words describe something vast in size. In the given sentence, 'immense coal piers' suggests that the coal piers are exceptionally large, which aligns with the meaning of huge. The other options do not match : (A) set refers to placing or establishing something and does not relate to size, (B) trifling means insignificant or small, which is the opposite of immense, and (D) diminutive means tiny, making it an antonym rather than a synonym.
89. (D) "A rented accommodation' is the most appropriate substitution for 'an appropriate location' because the context suggests that Sanat, having arrived in Mysore on transfer, is looking for a place to stay. 'Rented accommodation' specifically refers to a place available for rent, which fits the situation. The other options are incorrect : (A) 'a suitable elevation' refers to height or altitude, which is irrelevant here, (B) 'an allocation recommendation' does not fit the context of finding a place to stay, and (C) 'a proper junction' refers to a meeting point, which is unrelated to accommodation.
90. (A) 'At a low ebb' means being in a depressed, weak, or declining state, whether emotionally, physically, or financially. The phrase originates from the concept of ocean tides, where 'low ebb' refers to the tide being at its lowest point, metaphorically representing a period of difficulty or weakness. The other options are incorrect : (B) 'in an unemployed mode' is too specific and does not capture the full meaning, (C) 'in a happy state' is the opposite of the idiom's meaning, and (D) 'in a critical moment' refers to an urgent or decisive situation, which is different from being in a weak or declining state.
91. (A) 'Flexibility' is the correct spelling and fits logically in the sentence, meaning the ability to adapt or adjust in a relationship. It refers to being open to change and compromise, which is essential in maintaining healthy relationships. The other options are incorrect because they contain spelling errors : (B) 'flaxibilety' includes unnecessary letters and incorrect placement, (C) 'flexebelity' incorrectly uses 'e' instead of 'i,' and (D) 'phlexibility' wrongly adds 'ph' at the beginning. Therefore, 'flexibility' is the only correctly spelled word that makes sense in the given context.
92. (D) The sentence requires homonyms that fit both meanings correctly. 'Row' as a verb (1) means to propel a boat using oars, which fits the first blank as the rowing instructor is giving a command. 'Row' as a sequence (3) refers to a line or arrangement, which fits the second blank. The other options are incorrect : (A) 'roe' (2) refers to fish eggs and does not fit the context, (B) 'roe' and 'row' (sequence) do not match the required meanings, and (C) 'row' (sequence) in the first blank is incorrect as the verb form is needed.
93. (C) 'Off and on' means something that happens occasionally or at irregular intervals, which matches the meaning of 'now and then.' The phrase suggests that an event or action occurs intermittently rather than continuously. The other options are incorrect : (A) "know something thoroughly" refers to having deep knowledge, (B) 'object to' means to oppose something, and (D) 'remind' means to bring something to someone's attention. None of these capture the meaning of 'off and on,' making 'now and then' the correct choice.
94. (D) 'Ourselves' is incorrect in this sentence because it is a reflexive pronoun, which should only be used when referring back to a subject pronoun like 'we' (*e.g.*, "We should not boast of ourselves"). Instead, the correct word here should be 'We' or 'One' to match the possessive pronoun 'one's' later in the sentence. The other words–'boast,' 'knowledge,' and 'one's'–are grammatically correct in this context.
95. (B) "Gives us much information" is the appropriate substitution because the subject 'This book' is singular, so the verb should be in the singular form 'gives.' Additionally, 'much information' is the correct phrase because 'information' is an uncountable noun, and 'much' is used with uncountable nouns. The other options are incorrect : (A) "give us much information" uses the plural form 'give,' which does not agree with the singular subject, (C) "gives us many information" is incorrect because 'many' is used with countable nouns, and (D) "give us many information" also uses 'give' incorrectly with a singular subject and uses 'many' with an uncountable noun.
96. (D) 'Creating' is the appropriate word because the sentence describes culture as an ongoing process, similar to cultivating a garden. The word 'creating' fits grammatically and contextually, indicating that culture involves continuous development, understanding, and protection rather than destruction. The other options do not fit correctly : (A) 'creation' is a noun and does not fit the sentence structure, (B) 'to create' suggests an infinitive verb form that does not align with the sentence flow, and (C) 'create' is a base verb that does not grammatically fit in this context.
97. (B) 'Are' is the appropriate verb because the subject of the sentence, "Understanding the roots and seeds, taking much

care and providing instructed nourishment," consists of multiple gerund phrases, making it a compound subject that requires a plural verb. The other options are incorrect : (A) 'is' is singular and does not match the plural subject, (C) 'was' is past tense and does not fit the present context, and (D) 'were' is also past tense and does not suit the sentence structure.

98. (B) 'With' is the appropriate preposition because the phrase "understanding its acquaintance with literature and art" correctly conveys the idea that culture is closely associated with literature and art. The other options do not fit the context : (A) 'for' would imply purpose, which is incorrect here, (C) 'on' does not make logical sense in this phrase, and (D) 'in' does not correctly express the relationship between culture and literature/art.

99. (C) 'Transmit' is the appropriate verb because the subject 'families' is plural, and in the present tense, the base form of the verb is used without 's' after a plural noun. The sentence is a general statement about what families usually do, which requires the simple present tense. The other options are incorrect : (A) 'transmits' is singular and does not match the plural subject, (B) 'transmitting' is the present participle and does not fit grammatically here, and (D) 'transmitted' is in the past tense, which does not match the general present context of the passage.

100. (C) 'Should not be restricted' is the most appropriate option because the sentence suggests that the role of universities goes beyond merely issuing course completion certificates. The phrase 'should not be restricted' correctly conveys that universities have a broader responsibility in promoting cultural values. The other options are incorrect : (A) 'restrict' does not fit grammatically, (B) 'should be restricted' changes the intended meaning to the opposite, and (D) 'should restricted' is grammatically incorrect because 'should' must be followed by the base form of the verb.

●●●

शेष पृष्ठ 32 का

किया. इसके लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए. आतंकवादी, अलगाववादी व कट्टरपंथी तत्वों के विरुद्ध आपसी सहयोग के लिए संकल्प भी वार्ता में दोहराया गया. न्यूजीलैण्ड में कुछ गैर-कानूनी संगठनों, विशेषत: खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठनों की बढ़ रही गतिविधियों को लेकर भारत की चिन्ता से न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री को अवगत कराया गया. परस्पर लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने का निर्णय दोनों पक्षों ने लिया. हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों पर भी बातचीत दोनों पक्षों में हुई. इस मामले में एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र का समर्थन दोनों पक्षों ने किया. द्विपक्षीय व्यापार व अन्य आर्थिक सहयोग सम्वर्द्धन के लिए दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवा की सम्भावनाएं तलाशने की सहमति दोनों पक्षों में बनी. न्यूजीलैण्ड के विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने के लिए श्री मोदी ने वार्ता में आमंत्रित किया. दोनों देशों के बीच खेल सम्बन्धों की स्थापना का 100वाँ वर्ष अगले वर्ष 2026 में मनाने का निर्णय दोनों पक्षों ने लिया. भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति में 60 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री लक्सन ने इस अवसर पर की. पश्चिम एशिया में शांति व स्थिरता के प्रति दृढ़ समर्थन तथा निरन्तर वार्ता का आह्वान करते हुए दो राष्ट्र समाधान के महत्व पर जोर दिया गया. यूक्रेन में युद्ध समाप्त किए जाने की सम्भावना पर भी दोनों पक्षों ने विचार किया. विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के छह समझौते/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए. रक्षा, शिक्षा व खेल क्षेत्रों में सहयोग सम्वर्द्धन के अतिरिक्त अप्रत्यक्ष कर सम्बन्धी एक समझौता इनमें शामिल है; बाद में आगे के कार्यक्रमों के लिए मुम्बई रवाना होने से पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ ही गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में दर्शन मेहमान प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने किए. राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भेंट भी उन्होंने की. नई दिल्ली में ही अगले दिन 18 मार्च को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने उनसे भेंट की. 19 मार्च को मुम्बई में न्यूजीलैण्ड के प्रधानमंत्री का स्वागत महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने किया जिसके पश्चात् राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन से वह मिले. मुम्बई में उद्यमियों से मुलाकात का उनका कार्यक्रम था. 20 मार्च को स्वदेश वापसी से पूर्व भारत के स्वदेश निर्मित युद्धपोत आईएनएस सूरत का अवलोकन उन्होंने अपने देश के नौसेना प्रमुख के साथ किया. बाद में वानखेड़े स्टेडियम का दौरा भी उन्होंने देश के कुछ क्रिकेटरों के साथ किया. तत्पश्चात् 20 मार्च को ही मुम्बई से ही वेलिंगटन के लिए वह रवाना हो गए.

शेष पृष्ठ 54 का

जागरूकता का होगा तथा यह प्रश्न-पत्र सभी धर्मों के अभ्यर्थियों के लिए समान होगा. 100 अंकों के ही दूसरे प्रश्न-पत्र द्वारा अभ्यर्थी के उस धर्म ज्ञान की परीक्षा ली जाएगी जिसके लिए उसने आवेदन किया हुआ है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए सेना की सम्बन्धित वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in देखें. ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, 2025 है. कुछ श्रेणियों—गोरखा, मुस्लिम शिया व बौद्ध आदि वर्गों के अभ्यर्थी लिखित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं. इस सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें. ●●●

भारतीय नौसेना में अग्निवीरों की भर्ती 02/2025, 01/2026 व 02/2026

भारतीय नौसेना में अग्निवीर (MR-02/2025, 01/2026 व 02/2026 बैच के पदों पर भर्ती के लिए पात्र अविवाहित भारतीय पुरुष व महिला उम्मीदवारों से 10 अप्रैल, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं.

शैक्षणिक योग्यता— कम-से-कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ मैट्रिक.

आयु सीमा—(i) बैच 0/2025 के लिए अभ्यर्थी का जन्म 1 सितम्बर, 2004 व 29 फरवरी 2008 (ii) बैच 01/2026 के लिए अभ्यर्थी का जन्म 1 फरवरी, 2005 व 31 जुलाई, 2008 के बीच हुआ होना चाहिए. (iii) बैच 02/2026 के लिए अभ्यर्थी का जन्म 1 जुलाई, 2005 व 31 दिसम्बर, 2008 के बीच हुआ होना चाहिए.

इस भर्ती के लिए मई 2025 में प्रस्तावित कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा के जरिए अभ्यर्थियों को आगे की चयन प्रक्रिया के लिए अल्पसूचीबद्ध किया जाएगा. 50 प्रश्नों वाली इस परीक्षा (INET–Indian Navy Entrance Test) में कुल 50 प्रश्न दो खण्डों में विभाजित होंगे. यह खण्ड क्रमश: विज्ञान एवं गणित तथा सामान्य अध्ययन के होंगे. प्रश्न-पत्र का स्तर कक्षा-10 के स्तर का होगा. इस परीक्षा के आधार पर अल्पसूचीबद्ध उम्मीदवारों के चयन को आगे के चरणों में शामिल किया जाएगा जिसमें लिखित परीक्षा, फिटनेस टेस्ट व मेडिकल टेस्ट आदि शामिल होंगे.

इस भर्ती के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन न्यूनतम शारीरिक मापदण्ड व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए 'रोजगार समाचार' व नौसेना की वेबसाइट www joinindiannavy.gov.in देखें. इसी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जाना है. ●●●

आगामी सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2025 हेतु विशेष हल प्रश्न

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. तापमान में परिवर्तन
   2. रंग में परिवर्तन
   3. अवस्था में परिवर्तन
   4. गैस का निकास/उत्सर्जन

   उपर्युक्त में से रासायनिक अभिक्रिया उदाहरण के सन्दर्भ में कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल दो (B) केवल तीन
   (C) सभी चार (D) कोई भी नहीं

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. चाँदी के ऊपर काली पर्त व ताँबे के ऊपर हरी पर्त का चढ़ना संक्षारण के उदाहरण हैं.
   2. वायुरोधी बर्तनों में खाद्य सामग्री रखने से उपचयन की गति को बढ़ाया जाता है.
   3. तैलीय और वसायुक्त खाद्य सामग्रियों में उपचयन रोकने वाले पदार्थ (प्रति ऑक्सीकारक) मिलाए जाते हैं.
   4. चिप्स आदि बनाने वाली कम्पनियाँ चिप्स की थैली में ऑक्सीजन हटाकर नाइट्रोजन जैसे कम सक्रिय गैस का प्रयोग करती है.

   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
   (A) केवल दो
   (B) केवल तीन
   (C) सभी चार
   (D) कोई भी नहीं

3. अंतरिक्ष डॉकिंग में भारत की उपलब्धि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
   1. 17 जनवरी, 2025 को भारत अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा.
   2. स्पाडेक्स मिशन ने डॉकिंग प्रक्रिया के लिए दो बड़े अंतरिक्ष यान, SDX01 (चेजर) और SDX02 (टारगेट) का उपयोग किया.
   3. स्पेस डॉकिंग एक ऐसी तकनीक है, जो दो तेज गति से चलने वाले उपग्रहों को अंतरिक्ष में सटीक रूप से जुड़ने की अनुमति देती है.
   4. स्पाडेक्स मिशन को पीएसएलवी-सी60 रॉकेट का उपयोग करके प्रक्षेपित किया गया और इसका उद्देश्य स्वायत्त मिलन और डॉकिंग प्रौद्योगिकी विकसित करना था.
   5. यह मिशन भविष्य के मिशनों में संसाधन निगरानी, जीवन विस्तार और उपग्रह मरम्मत की क्षमताओं को भी बढ़ाता है.

   उपर्युक्त कथनों में से कितने सत्य हैं ?
   (A) केवल एक (B) केवल दो
   (C) केवल तीन (D) सभी पाँच

4. अम्लों (Acids) और क्षारकों (Bases) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. अम्ल स्वाद में खट्टे जबकि क्षार, कड़वे होते हैं.
   2. अम्ल नीले लिटमस पत्र को लाल कर देता है.
   3. क्षार, लाल लिटमस पत्र को नीला कर देता है.
   4. अम्ल एवं क्षार की जाँच के लिए संश्लेषित सूचक जैसे-मेथिल ऑरेंज एवं फीनॉल्फथेलिन का उपयोग किया जाता है.

   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल दो (B) केवल तीन
   (C) सभी चार (D) कोई भी नहीं

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
   1. तीसरा वेतन आयोग 1986 में जे.एम.एम. सिन्हा की अध्यक्षता में गठित किया गया था.
   2. न्यायमूर्ति एस. रत्नावेल पांडियन की अध्यक्षता में पाँचवें वेतन आयोग ने वेतनमान को 51 से घटाकर 34 कर दिया.
   3. आठवें वेतन आयोग को 1 जनवरी, 2026 से लागू किया जाएगा.

   उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?
   (A) केवल एक (B) केवल दो
   (C) सभी तीन (D) कोई नहीं

6. अम्लीय वर्षा के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड अम्लीय वर्षा के लिए जिम्मेदार कारक हैं.
   2. जब वर्षा के जल का pH मान 5·6 से अधिक हो जाता है, तो यह अम्लीय वर्षा कहलाती है.
   3. अम्लीय वर्षा का जल जब नदी में प्रवाहित होता है, तो यह नदी के जल का pH मान बढ़ा देता है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं ?
   (A) केवल 1 और 2
   (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 3
   (D) 1, 2 और 3

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

प्राकृतिक स्रोत	अम्ल
1. सिरका	: ऐसीटिक अम्ल
2. टमाटर	: ऑक्सैलिक अम्ल
3. चींटी का डंक	: मैथेनॉइक अम्ल
4. खट्टा दूध	: लैक्टिक अम्ल

   उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं ?
   (A) केवल दो (B) केवल तीन
   (C) सभी चार (D) कोई भी नहीं

8. मिशन मौसम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
   1. मिशन मौसम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जनवरी, 2024 को भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के 150वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान किया.
   2. यह मिशन केवल कृषि और पर्यटन क्षेत्रों के लिए मौसम निगरानी और पूर्वानुमान पर ध्यान केन्द्रित करेगा.
   3. मिशन के तहत् पुणे में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) में पहला क्लाउड चैंबर स्थापित किया गया.

   उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?
   (A) केवल एक (B) केवल दो
   (C) सभी तीन (D) कोई नहीं

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. वायु के सम्पर्क में आने पर एल्युमिनियम पर ऑक्साइड की पतली परत का निर्माण होता है.
   2. ऐनोडीकरण (Anodising) एल्युमिनियम पर मोटी ऑक्साइड की परत बनाने की प्रक्रिया है.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2
   (D) न तो 1, न ही 2

10. धातुओं की अभिक्रियाशीलता के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. पोटैशियम 2. मैग्नीशियम
3. सोडियम 4. सिल्वर
5. हाइड्रोजन

उपर्युक्त धातुओं को सबसे अधिक अभिक्रियाशीलता से सबसे कम अभिक्रियाशीलता के क्रम में लगाइए–

(A) 1, 2, 3, 4, 5
(B) 2, 3, 4, 1, 5
(C) 1, 2, 5, 4, 3
(D) 1, 3, 2, 5, 4

11. **अभिकथन (A) :** त्वचा विशेषज्ञ फंगल रोगजनक ट्राइकोपफाइटन इंडोटिनी का नाम बदलने की माँग कर रहे हैं.
कारण (R) : रोगजनक का नाम मूल रूप से भारत के नाम पर रखा गया था, क्योंकि इसे पहली बार इस क्षेत्र में पहचाना गया था, लेकिन इसका वैश्विक प्रसार इस विचार को चुनौती देता है कि भारत इसका वास्तविक उद्गम स्थल है.
निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, और कारण (R) अभिकथन (A) को सही ढंग से समझाता है
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R) अभिकथन (A)को सही ढंग से नहीं समझाता है
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है
(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं

12. रक्तदाब के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. रुधिर वाहिकाओं की भित्ति के विरुद्ध जो दाब लगता है उसे रक्तदाब कहते हैं.
2. 120 mm अधिक रक्तदाब, जबकि 80 mm निम्न रक्तदाब को सन्दर्भित करता है.
3. स्फिग्मोमैनोमीटर नामक यंत्र से रक्तदाब नापा जाता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. हमारे शरीर में नियन्त्रण एवं समन्वय का कार्य तंत्रिका तन्त्र तथा हार्मोन का है.
2. इंसुलिन, थॉयरॉक्सिन और एस्ट्रोजन पादप हार्मोन के उदाहरण हैं.
3. दो तंत्रिका कोशिका के मध्य खाली स्थान को 'द्रुमिका' कहते हैं.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3

14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. साइटो काइनिन, ऑक्सिन और जिबरेलिन आदिपादप हॉर्मोन के उदाहरण हैं.
2. दो तंत्रिका कोशिका के मध्य खाली स्थान को सिनेप्स कहते हैं.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

15. महाकुम्भ मेला-2025 के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1. महाकुम्भ मेला-2025 13 जनवरी, 2025 को शुरू हुआ और 45 दिनों तक चला.
2. कुम्भ मेला हर 12 वर्ष में चार पवित्र स्थानों– हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में मनाया जाता है.
3. कुम्भ मेला आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि मान्यता है कि प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर स्नान करने से मोक्ष (आध्यात्मिक मुक्ति) मिलता है.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

16. निम्नलिखित में से कौनसी दशा/दशाएं, चाय की कृषि के लिए अत्यावश्यक है/हैं ?
1. उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण जलवायु.
2. 150 सेमी से 250 सेमी परास वाली भारी वर्षा.
3. मृदा में अच्छी मात्रा में चूना होना चाहिए.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) 1, 2 और 3
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1

17. किसी तापीय विद्युत् (थर्मल पावर) स्टेशन की स्थापना के लिए अत्यावश्यक पूर्व आवश्यकताएं निम्नलिखित में से कौनसी हैं ?
1. जीवाश्म ईंधन की उपलब्धता
2. किसी नदी, झील या सागर से सन्निकटता
3. अच्छा परिवहन जाल (नेटवर्क)
4. किसी शहरी केन्द्र से सन्निकटता

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) 1, 2 और 3
(B) 2 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1 और 3

18. निम्नलिखित में से कौनसा एक, स्थानीय पवन है, जो साइबेरिया से बाहर की ओर प्रवाहित होता है ?

(A) बोरा
(B) पूर्गा
(C) मिस्ट्रल
(D) हिम झंझावात (ब्लिजर्ड)

19. 'रिंग ऑफ फायर' (अग्नि वलय) के बारे में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. यह अभिसरण पटिट्का सीमाओं का क्षेत्र है.
2. यह एक सक्रिय भूकम्पी एवं ज्वालामुखीय क्षेत्र है.
3. यह गहरी (गम्भीर) खाई से सम्बन्धित है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1
(D) 1, 2 और 3

20. निम्नलिखित में से कौनसी हिमालयी वनस्पति जाति 1800 से 2600 मीटर की ऊँचाइयों के बीच पाई जाती है ?

(A) साल (B) चीड़
(C) स्प्रूस् (D) देवदार

21. निम्नलिखित में से कौनसा/से तटीय अपरदनी लक्षण है/हैं ?
1. खांच (नाँच) 2. तटीय मेहराब
3. भृगु (क्लिफ) 4. हुक
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) 1, 2 और 3
(B) 2, 3 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1

22. भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी के बारे में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. यह एक पंजीकृत संस्था है.
2. यह केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकारों दोनों का, एक सहयोगी निकाय है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. विषुवत् वृत्त के आस-पास का निम्न दाब वाला क्षेत्र डोलड्रम होता है जहाँ पवन शांत होती हैं.
2. चिनूक तप्त और शुष्क पवन है, जो शीतऋतु में बहती है और इस कारण अल्प समय में ताप बढ़ा देती है.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

24. निम्नलिखित में से कौनसे कुल (गोत्र), अग्निकुल राजपूतों में शामिल हैं ?
1. प्रतिहार 2. चालुक्य
3. परमार 4. चाहमान
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) 1, 2, 3 और 4
(D) केवल 2 और 4

25. निम्नलिखित में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं ?

यात्री	**देश**
1. मार्को पोलो	इटली
2. इब्नबतूता	मोरक्को
3. निकितिन	रूस
4. सयदी अली रईस	तुर्की

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) 1, 2 और 3
(D) 2 और 4

26. हुमायूँनामा की रचयिता, निम्नलिखित में से कौन थी ?
(A) रोशनआरा बेगम
(B) रूकय्या सुल्तान बेगम
(C) गुलबदन बेगम
(D) गौहर बेगम

27. निम्नलिखित में से कौनसा/से ऐतिहासिक जीवनी साहित्य नहीं है/हैं ?
1. दीपवंश
2. हर्षचरित
3. विक्रमांकदेव चरित
4. पृथ्वीराज विजय
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

28. संविधान सभा के किस सदस्य ने यह समाधान प्रस्तावित किया कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज "समान अनुपात में केसरी, सफेद और गहरे हरे रंग का क्षैतिज तिरंगा" हो, जिसमें बीच में गहरे नीले रंग का एक चक्र हो ?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) बी. आर. अम्बेडकर
(C) राजेन्द्र प्रसाद
(D) सरदार वल्लभभाई पटेल

29. 1851 में कलकत्ता में स्थापित पहली प्रमुख स्वैच्छिक संस्था का नाम क्या है, जो मुख्यतः भारतीय जमींदारों के हितों का प्रतिनिधित्व करती थी ?
(A) ब्रिटिश भारतीय संघ (ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन)
(B) भूमिधारक समाज (लैंडहोल्डर्स सोसायटी)
(C) मद्रास देशीय संघ (मद्रास नेटिव एसोसिएशन)
(D) बॉम्बे संघ (बॉम्बे एसोसिएशन)

30. रिनेसांस मानवतावादी संस्कृति के बारे में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा एक सही नहीं है ?
(A) इसने मानव जीवन पर धर्म के नियंत्रण को कम कर दिया था
(B) इसका मानना था कि मानव स्वभाव बहुमुखी था
(C) यह अच्छे आचरण से सम्बन्धित था
(D) इसने भौतिक सम्पत्ति, सत्ता और गौरव (प्रशंसा) की आलोचना की

31. निम्नलिखित में से किसने, 1760 तथा 1820 के बीच ब्रिटिश औद्योगिक विकास में हुए परिवर्तनों को वर्णित करने के लिए, अंग्रेजी में 'इंडस्ट्रीयल रेवोलुशन' (औद्योगिक क्रांति) शब्द का प्रयोग पहली बार किया था ?
(A) कार्ल मार्क्स
(B) जॉर्जस मिशेलेट
(C) अर्नोल्ड टोयनबी
(D) फ्रेडरिक एन्जल्स

32. भारत के संविधान के निम्नलिखित उपबन्ध/उपबन्धों में से कौनसा/से 26 नवम्बर, 1949 से प्रभावी हुआ/हुए ?
1. निर्वाचन
2. नागरिकता
3. आपात उपबन्ध
4. न्यायाधीशों की नियुक्ति
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) 1, 2 और 3
(D) 2 और 4

33. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के सम्बन्ध में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) उसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है
(B) उसे भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की भाँति ही पद से हटाया जा सकता है
(C) CAG का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद भी, वह भारत सरकार के अधीन पद पर आगे और बने रहने के लिए पात्र होता है
(D) CAG का वेतन भारत की संचित निधि से दिया जाता है

34. ऑलीम्पे डे गॉजेस (1748–93) के बारे में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) उसने यह घोषणा की कि हालाँकि नागरिकों के समान अधिकार होने चाहिए, फिर भी वे राज्य द्वारा समरूप (वैसा ही) सम्मान के हकदार नहीं हैं
(B) वह जेकोबीन सरकार की समर्थक थी
(C) उसे राजद्रोह के लिए, राष्ट्रीय सभा द्वारा जेल भेजा गया था
(D) उसने यह घोषणा की कि राष्ट्र, महिलाओं और पुरुषों का संघ है

35. मिश्रित संदर्भ अवधि के आधार पर मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (MPCE) के संदर्भ में गरीबी के परिकलन की सिफारिश किसके द्वारा की गई थी ?
(A) लकड़ावाला समिति
(B) तेंदुलकर समिति
(C) दांडेकर समिति
(D) अलघ समिति

36. निम्नलिखित में से कौनसा/से राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (NSDM) का/के उप-उद्देश्य है/हैं ?
1. संस्थागत प्रशिक्षण
2. समुद्रपारीय रोजगार
3. सार्वजनिक आधारिक संरचना का लाभ उठाना (Leveraging)
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1, 2 और 3
(D) केवल 2 और 3

37. भारत में उत्प्रेषण-लेख (Writ of Certiorari) जारी करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी शर्त/शर्तें अनिवार्य है/हैं ?
1. ऐसा अधिकरण या ऐसा अधिकारी होना चाहिए जिसके पास प्रजाजनों के अधिकार को प्रभावित करने वाले प्रश्नों का निर्धारण करने का विधिक प्राधिकार हो और न्यायिक रूप से कार्य करने का कर्तव्य हो.
2. ऐसे अधिकरण या अधिकारी ने अधिकारिता के बिना कार्य किया है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

38. इनमें से भारत के किस मुख्य न्यायमूर्ति ने 'सामाजिक न्यायपीठ' नाम से विशेष न्यायपीठ का गठन करने का आदेश दिया था ?
(A) न्यायमूर्ति एच. एल. दत्तू
(B) न्यायमूर्ति के. जी. बालाकृष्णन
(C) न्यायमूर्ति आर. एम. लोधा
(D) न्यायमूर्ति वाई. के. सभरवाल

39. इनमें से बन्दी जीवन पुस्तक का लेखक कौन है ?
(A) रास बिहारी बोस
(B) वीर सावरकर
(C) अरुणा आसफ अली
(D) शचीन्द्रनाथ सान्याल

40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
आजाद हिन्द फौज का गठन करने के बाद सुभाष चंद्र बोस ने–
1. जापानी कैंप में रह रहे भारतीय युद्ध बंदियों में से बड़ी संख्या में सैनिकों की भर्ती की.
2. झाँसी की रानी के नाम से एक महिला टुकड़ी बनाई.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

41. ध्वनि और प्रकाश तरंगें–
(A) वायु में क्रमशः अनुदैर्ध्य और अनुप्रस्थ होती हैं
(B) वायु में क्रमशः अनुप्रस्थ और अनुदैर्ध्य होती हैं
(C) वायु में दोनों अनुदैर्ध्य होती हैं
(D) वायु में दोनों अनुप्रस्थ होती हैं

42. सामान्य कीमत स्तर में क्रमिक गिरावट को क्या कहते हैं ?
(A) अवस्फीति (Deflation)
(B) मुद्रास्फीतिजनित मंदी (Stag-flation)
(C) अवमूल्यन (Devaluation)
(D) मंदी (Recession)

43. राष्ट्रीय बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (MPI) में निम्नलिखित में से कौनसा संकेतक सम्मिलित नहीं है ?
(A) स्कूली शिक्षा के वर्ष
(B) साक्षरता दर
(C) आयु सम्भाविता
(D) प्रति व्यक्ति आय

44. निम्नलिखित में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं ?
1. गीतांजलि श्री द्वारा रचित टॉम्ब ऑफ सैंड (Tomb of Sand) अन्तर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतने वाली मूल रूप से किसी भारतीय भाषा में लिखी गई पहली पुस्तक है.
2. टॉम्ब ऑफ सैंड, हिन्दी से अनूदित पहला उपन्यास है जिसे अन्तर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार प्रदान किया गया.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

45. मुद्रास्फीति रोकने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित में से किस उपाय का प्रयोग किया जा सकता है ?
(A) रक्षा, पुलिस आदि पर योजनेतर व्यय बढ़ाना
(B) निर्यात पर अधिक सहायिकी (Subsidy) प्रदान करना
(C) बचत और सावधि जमा पर ब्याज दर में वृद्धि करना
(D) आरक्षित नकदी निधि अनुपात (CRR) में कमी करना

46. इनमें से किस राजनीतिक नेता ने राजनीतिक संगठन के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भंग करने और लोक सेवक संघ द्वारा इसके प्रतिस्थापन का सुझाव दिया था ?
(A) वल्लभभाई पटेल
(B) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
(C) एम. के. गाँधी
(D) जवाहरलाल नेहरू

47. निम्नलिखित में से किसे भारत के संविधान की पाँचवीं अनुसूची के अधीन ऐसे किसी राज्य में जनजाति सलाहकार परिषद् की स्थापना करने का विवेकाधिकार प्रदान किया गया है, जहाँ अनुसूचित जनजातियाँ हैं, किन्तु अनुसूचित क्षेत्र नहीं है ?
(A) सम्बन्धित राज्य का राज्यपाल
(B) भारत का राष्ट्रपति
(C) अंतर-राज्य परिषद्
(D) भारत की संसद

48. उत्तरी आंचलिक परिषद् में, निम्नलिखित में से कौनसे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सम्मिलित हैं ?
(A) उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर
(B) हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
(C) उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान
(D) उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा

49. प्राचीन भारत में निम्नलिखित में से किन्हें 'थेरी' के रूप में जाना जाता था ?
(A) श्रद्धेय महिलाएँ
(B) बौद्ध धर्म में वरिष्ठ साध्वी (Elder nuns)
(C) भिक्षुणी पद (Status) से वंचित महिलाएँ
(D) बौद्ध संघ से निष्कासित महिलाएँ

50. सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के किस सदस्य ने 1914 में इलाहाबाद में सेवा समिति की स्थापना की थी ?
(A) श्री राम बाजपेयी
(B) हृदयनाथ कुंजरू
(C) एस.जी. वाजे
(D) श्रीनिवास शास्त्री

51. उस लड़ाई (Battle) का नाम बताइए, जिसमें त्रावणकोर के राजा ने 1741 में डच को परास्त किया था–
(A) पोर्टो नोवो की लड़ाई
(B) कोलाचेल की लड़ाई
(C) पोलिलूर की लड़ाई
(D) चंगनासेरी (Changanassery) की लड़ाई

52. किसी मृदा के प्रकार की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए–
1. ये मृदाएं बालू, गाद और मृत्तिका के भिन्न-भिन्न अनुपातों से बनी हैं.
2. इन मृदाओं में पोटाश, फॉस्फोरिक अम्ल और चूना पर्याप्त अनुपात में हैं.
3. इन मृदाओं को उनकी आयु के आधार पर आगे और वर्गीकृत किया जा सकता है.

दी गई विशेषताओं के आधार पर मृदा का प्रकार पहचानिए–
(A) जलोढ़ (Alluvial)
(B) लैटेराइट (Laterite)
(C) शुष्क (Arid)
(D) काली (Black)

53. सिंधु नदी बेसिन का विस्तार कहाँ तक है ?
(A) लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब
(B) लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा
(C) लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
(D) लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान

54. निम्नलिखित में से किस समिति में राज्य सभा से सदस्य नहीं होते हैं ?
(A) लोक लेखा समिति
(B) सरकारी उपक्रम-सम्बन्धी समिति
(C) प्राक्कलन समिति
(D) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण-सम्बन्धी समिति

55. भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) कोई केन्द्रीय मंत्री, राष्ट्रपति निर्वाचित होने का पात्र नहीं होगा
(B) राष्ट्रपति का निर्वाचन संसद और राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है
(C) निर्वाचक गण में विधायी परिषद् के निर्वाचित सदस्य शामिल नहीं होते हैं
(D) एकल संक्रमणीय मत द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति का पालन किया जाता है

56. अठारहवीं शताब्दी के भारत के संदर्भ में, 'दस्तक (Dastak)' क्या था ?
(A) हस्ताक्षर
(B) भूमि दस्तावेज
(C) व्यवसाय परमिट
(D) वस्त्रों (Textiles) पर कर

57. निम्नलिखित में से कौनसा, मुख्यत: 'ददनी' प्रथा से सम्बद्ध था ?
(A) वस्त्र उत्पादन
(B) युद्ध
(C) पदाधिकारियों (Officials) को भुगतान
(D) राजस्व संग्रहण

58. कनगनहल्ली पुरातात्त्विक स्थल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह भीमा नदी के तट पर स्थित है.
2. कनगनहल्ली स्तूप के अवशेष पहली और तीसरी शताब्दी CE के बीच के हो सकते हैं.
3. इस स्थल पर सम्राट् अशोक की प्रतिमा मिली थी.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

59. ज्वालामुखी के बारे में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?
1. ज्वालामुखी की प्रबलता (Strength) को ज्वालामुखी विस्फोटी सूचकांक (Volcanic Explosive Index) से मापा जाता है.
2. आइसलैंड और फिलीपींस, ज्वालामुखी क्रिया (Volcanic activity) से निर्मित हुए थे.
3. ज्वालामुखी मिट्टी उपजाऊ, गहरी और उर्वर होती हैं तथा इनमें गहन कृषि की जा सकती है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

60. मेघ के एक प्रकार की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए–
1. ये संवहन से निर्मित होते हैं.
2. यह मेघ का एकमात्र प्रकार है, जो ओला, मेघगर्जन और बिजली कौंध उत्पन्न कर सकता है.
3. ये बड़ी फूलगोभी के आकार की मीनारों, प्राय: 'निहाई-शीर्ष (Anvil tops)' जैसे होते हैं.

दी गई विशेषताओं के आधार पर मेघ प्रकार की पहचान कीजिए–
(A) स्तरी कपासी मेघ (Stratocumulus)
(B) कपासी वर्षी मेघ (Cumulonimbus)
(C) पक्षाभ कपासी मेघ (Cirrocumulus)
(D) वर्षास्तरी मेघ (Nimbostratus)

61. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/कौनसे सही है/हैं ?
1. विशाखापट्टनम पत्तन एक भू-आबद्ध पत्तन है.
2. दीनदयाल पत्तन एक ज्वारीय पत्तन है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

62. निम्नलिखित में से कौनसा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 51 का भाग नहीं है ?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना
(B) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण सम्बन्धों को बनाए रखना
(C) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए UN शांति सेना का प्रयोग
(D) माध्यस्थम् द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के लिए प्रोत्साहित करना

63. वासेनर व्यवस्था (Wassenaar Arrangement) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) इस व्यवस्था में 42 प्रतिभागी देश शामिल हैं
(B) इसका गठन मुख्यत: एक परमाणु हथियार निरीक्षक (Nuclear weapon overseer) के रूप में किया गया
(C) भारत इस व्यवस्था का वर्तमान अध्यक्ष है
(D) भारत इस व्यवस्था में वर्ष 2017 में शामिल हुआ

64. यकृत द्वारा स्रावित पित्त के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) पित्त में लिपिडों के पाचन के लिए एंजाइम होते हैं
(B) पित्त वसाओं के पायसीकरण में सहायक होता है
(C) पित्त आमाशय से आने वाले खाद्य के अम्लीय pH को उदासीन (Neutralize) करता है
(D) पित्त खाद्य के pH को क्षारीय करता है और अग्न्याशयी एंजाइमों की क्रिया को सुगम बनाता है

65. भारत के एक राज्य के बारे में, निम्नलिखित संकेतों (Clues) पर विचार कीजिए–
1. इसे "लाल नदी और नीली पहाड़ियों वाली भूमि" के रूप में जाना जाता है.
2. इसमें भारत के छः में से तीन भू-आकृतिक प्रभाग (Division) है.
3. यह देश के कुल क्षेत्रफल के लगभग 2-3·9 प्रतिशत में फैला हुआ है.

दिए गए संकेतों के आधार पर राज्य की पहचान कीजिए–
(A) कर्नाटक (B) आंध्र प्रदेश
(C) असम (D) छत्तीसगढ़

66. वायु में मैग्नीशियम रिबन के जलने से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. MgO का श्वेत चूर्ण बनता है.
2. यह दहन अभिक्रिया का एक उदाहरण है.
3. ऊष्मा और प्रकाश उत्पन्न होता है.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

67. ज्वाला पर लैड नाइट्रेट चूर्ण के तापन (Heating) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?
1. NO का भूरा धूम (Fume) निकलता है.
2. रंगहीन O_2 गैस निकलती है.
3. यह ऑक्सीकरण अभिक्रिया का एक उदाहरण है.
4. यह NO_2 गैस के उत्पादन के लिए प्रयुक्त ऊष्मा अपघटन (Thermal decomposition) का एक उदाहरण है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) 1 और 2
(B) 2, 3 और 4
(C) 1, 3 और 4
(D) केवल 2 और 4

68. निम्नलिखित में से किस राज्य समूह की सीमाएँ तेलंगाना से लगती हैं ?
(A) ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र
(B) छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश
(C) ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश
(D) छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र

69. निम्नलिखित में से कौनसी नीतियाँ असंदिग्ध रूप से ब्याज दर बढ़ाने में सहायता करती हैं और जिसके फलस्वरूप मुद्रा अधिमूल्यन (Appreciation of currency) होता है ?
(A) विस्तारकारी राजकोषीय और मौद्रिक नीति
(B) संकुचनकारी राजकोषीय और मौद्रिक नीति
(C) संकुचनकारी राजकोषीय नीति और विस्तारकारी मौद्रिक नीति
(D) संकुचनकारी मौद्रिक नीति और विस्तारकारी राजकोषीय नीति

70. सरकार द्वारा व्यय में कमी के कारण निजी निवेश व्यय में संकुचन को क्या कहते हैं ?
(A) (निजी निवेश का) बहिर्गमन (Crowding out)
(B) (निजी निवेश का) अंतर्गमन (Crowding in)
(C) निवेश बढ़ाना (Pump priming)
(D) डम्पिंग (Dumping)

71. निम्नलिखित में से कौनसा/से, नीति आयोग का/के उद्देश्य है/हैं ?
1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों पर नीतियाँ लागू करना.
2. राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर निधियों का आबंटन.
3. कार्यनीतियाँ एवं दीर्घावधि नीतियाँ और कार्यक्रम ढाँचे डिजाइन करना.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 3

72. निम्नलिखित में से कौनसी स्थिति मुद्रास्फीति की ओर ले जा सकती है ?
(A) समग्र माँग की तीव्र वृद्धि, आपूर्ति से अधिक होना
(B) समग्र माँग में धीमी वृद्धि
(C) मुद्रापूर्ति में कमी
(D) बेरोजगारी का उच्च स्तर

73. ग्रीनहाउस के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही है ?
(A) सूर्य से आने वाला अपेक्षाकृत लघु तरंगदैर्ध्य अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण ग्रीनहाउस में प्रवेश कर सकता है, जबकि भूमि और ग्रीनहाउस के अन्दर के पादपों से उत्सर्जित अपेक्षाकृत लम्बी तरंगदैर्ध्य अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण वापस काँच के पार नहीं जा सकता
(B) सूर्य से आने वाले अपेक्षाकृत लघु तरंगदैर्ध्य अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण ग्रीनहाउस में प्रवेश कर सकता है, और भूमि और ग्रीनहाउस के अन्दर के पादपों से उत्सर्जित अपेक्षाकृत लम्बी तरंगदैर्ध्य अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण भी वापस काँच के पार जा सकता है
(C) सूर्य से आने वाला अपेक्षाकृत लघु तरंगदैर्ध्य अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण ग्रीनहाउस में प्रवेश नहीं कर सकता, जबकि भूमि और ग्रीनहाउस के अन्दर के पादपों से उत्सर्जित अपेक्षाकृत लम्बी तरंगदैर्ध्य अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण वापस काँच के पार जा सकता है
(D) कोई भी अवरक्त (इन्फ्रारेड) विकिरण ग्रीनहाउस के काँच में से पार नहीं जा सकता

74. किसी तारे में टिमटिमाहट किस कारण से होती है ?
(A) तारे के प्रकाश का वायुमण्डलीय परावर्तन
(B) तारे के प्रकाश का वायुमण्डलीय अपवर्तन
(C) तारे की स्थिति में लगातार परिवर्तन
(D) तारे के प्रकाश का दोलन

75. जैव गैस (बायो गैस) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही नहीं है ?
(A) यह मुख्यतः मेथेन गैस की बनी है
(B) यह अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है
(C) यह ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में गोबर के अपघटन द्वारा बनती है
(D) यह बिना धुएँ के जलती है और कोई अवशिष्ट नहीं छोड़ती

76. निम्नलिखित में से कौनसा एक, अम्लीय वर्षा का प्रमुख कारण है ?
(A) वर्षा में सल्फर और नाइट्रोजन ऑक्साइडों का घुलना
(B) वर्षा में खनिजों का घुलना
(C) वर्षा में धूल कणों का घुलना
(D) वर्षा में मृदा विलयन का घुलना

77. किसी वाइरस में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) किस कारण होता है ?
(A) इसके कोशिका आमाप में परिवर्तन
(B) इसके आनुवंशिक द्रव्य में परिवर्तन
(C) इसके आकार में परिवर्तन
(D) इसके रंग में परिवर्तन

78. ब्रेड बनाने में प्रयुक्त होने वाला यीस्ट निम्नलिखित में से किस एक समूह से सम्बन्धित है ?
(A) आद्यजीव (प्रोटिस्टा)
(B) कवक (फंजाई)
(C) मोनेरा
(D) प्रोटोजोआ

79. निम्नलिखित में से कौनसा एक जलवायु प्रकार (कोपेन स्कीम) राजस्थान के पश्चिमी उपांत की जलवायु को वर्णित करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?
(A) Amw (B) Aw
(C) Bwhw (D) Cwg

80. बरमूडा द्वीप कहाँ अवस्थित है ?
(A) कैरीबियन सागर
(B) उत्तरी अटलांटिक महासागर
(C) मेक्सिको की खाड़ी
(D) भूमध्यसागर

81. निम्नलिखित में से कौनसा/से पर्यावरण का/के प्रकार्य है/हैं ?
1. संसाधनों की पूर्ति
2. जीवन बनाए रखना
3. सौन्दर्यपरक सेवाएँ देना
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3
(D) केवल 1 और 3

82. निम्नलिखित में से किसने, भारतीय उपमहाद्वीप में मापन-योग्य विकास सूचक के रूप में गरीबी के सम्प्रत्यय का निरूपण किया ?
(A) दादाभाई नौरोजी
(B) रोमेश चन्द्र दत्त
(C) बी.के.आर.वी. राव
(D) एम. रानाडे

83. निम्नलिखित में से कौनसी एक शब्दावली, उत्पादन के किसी भी चरण में अपेक्षित आगतों को औजार, मशीन, भवन, कच्चा माल और हस्तगत मुद्रा के आधार पर द्योतित करती है ?
(A) स्थायी पूँजी (B) कार्यशील पूँजी
(C) वस्तुगत पूँजी (D) मानव पूँजी

84. निम्नलिखित में से किसने, घाटा वित्तीयन के विचार की सबसे पहले चर्चा चलाई ?
(A) एडम स्मिथ
(B) अलफ्रेड मार्शल
(C) जॉन मेनार्ड केंज
(D) मिल्टन फ्रीडमैन

85. निम्नलिखित में से कौनसा एक, धन विधेयक से सम्बन्धित उपबन्ध नहीं है ?
(A) किसी कर का अधिरोपण उन्मूलन, छूट, परिवर्तन या विनियमन
(B) भारत की संचित निधि से बाहर धन का विनियोजन
(C) स्थानीय प्रयोजन के लिए किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा अर्थदंड का अधिरोपण
(D) भारत की संचित निधि या भारत की आकस्मिकता निधि की अभिरक्षा

86. निम्नलिखित में से कौनसी एक मद GST के अधीन नहीं आती ?
(A) प्रसाधन सामग्री
(B) चिकित्सा श्रेणी का ऑक्सीजन
(C) आभूषण
(D) पेट्रोल

87. निम्नलिखित में से कौनसा एक, भारत के संविधान में आपात के रूप में वर्णित नहीं है ?
(A) राष्ट्रीय आपात
(B) किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा के आधार पर आपात
(C) वित्तीय आपात
(D) स्वास्थ्य आपात

88. निम्नलिखित में से कौनसी एक, भारतीय संघवाद की अभिलाक्षणिक विशेषता नहीं है ?
(A) संघबद्ध होने वाली इकाइयाँ संघ बनाने के लिए सहमत हुईं
(B) अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र में निहित होती हैं
(C) एकल नागरिकता
(D) व्यापक संघ और समवर्ती सूची

89. साँची स्थित मूर्तिशिल्पों के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. कुछ मूर्तिशिल्पों में शालभंजिका का प्रतिरूपण है.
2. शालभंजिका की आकृति कमल-पुष्पों और हाथियों से घिरी एक स्त्री द्वारा प्रतिरूपित की गई है.
3. शालभंजिका का रूपांकन बौद्ध विचारों से प्रत्यक्षतः प्रेरित नहीं था.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) 1, 2 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2
(D) केवल 1 और 3

90. हम्पी के भग्नावशेषों को निम्नलिखित में से ईस्ट इण्डिया कम्पनी के किस ब्रिटिश अधिकारी द्वारा प्रकाश में लाया गया था ?
(A) कर्नल कॉलिन मैकेन्जी
(B) जेम्स प्रिन्सेप
(C) विलियम जोन्स
(D) जेम्स रेनेल

91. निम्नलिखित कृतियों में से कौनसी एक, कृष्णदेवराय द्वारा शासन-कला (स्टेटक्राफ्ट) के विषय पर तेलुगु में रची गई थी ?
(A) अमुक्तमाल्यद
(B) जाम्बवती कल्याणम
(C) रायवाचकमु
(D) सत्यवादु परिणय

92. आइसोहेलीन किनको जोड़ने वाली रेखाएँ हैं ?
(A) समान ताप (B) समान दाब
(C) समान वर्षा (D) समान लवणता

93. निम्नलिखित में से किसे विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के रूप में समझा जाएगा ?
(A) भारत में शेयर बाजारों में शेयर खरीदने वाली कोई विदेशी कम्पनी
(B) भारतीय शेयर बाजारों में निवेश करने वाली कोई विदेशी पेंशन निधि
(C) भारतीय शेयर बाजारों से शेयर खरीदने वाला कोई विदेशी वाणिज्य बैंक
(D) भारत में शैक्षिक संस्थान स्थापित करने वाला कोई विदेशी सत्व

94. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. प्राक्कलन समिति संसद की एक तदर्थ समिति है.
2. रेल अभिसमय समिति संसद की एक स्थायी समिति है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

95. आईसीसी पुरस्कार 2024 में किसे वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी-20 खिलाड़ी घोषित किया गया है ?
(A) अर्शदीप सिंह
(B) जसप्रीत बुमराह
(C) श्रेयस अय्यर
(D) नीतिश रेड्डी

96. भारत–नेपाल व्यापार के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1. भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जो नेपाल के कुल व्यापार का 64·1% हिस्सा है.
2. नेपाल के भारत को मुख्य निर्यात में खाद्य तेल, कॉफी, चाय और जूट शामिल हैं.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2
(D) न 1, न ही 2

97. सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1. यह योजना प्रति घटना ₹ 1·5 लाख तक के उपचार लागत को कवर करती है और मोटर वाहनों से जुड़ी सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होती है.
2. पीड़ित दुर्घटना के बाद 30 दिनों तक की अवधि के लिए योजना के तहत् उपचार प्राप्त कर सकते हैं.
3. योजना के तहत् उपचार के लिए दुर्घटना के 24 घण्टे के भीतर पुलिस रिपोर्ट करनी होगी.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 3
(C) उपर्युक्त सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

98. एनीमियाफोन क्या है ?
(A) एक ऐसा उपकरण जो आयरन सप्लीमेंट देकर एनीमिया का इलाज करता है
(B) आयरन की कमी और एनीमिया का तुरन्त पता लगाने के लिए विकसित एक पोर्टेबल डिवाइस
(C) एक मोबाइल एप्लिकेशन जो एनीमिया के लक्षणों को ट्रैक करता है
(D) गम्भीर एनीमिया के इलाज के लिए एक रक्त आधान उपकरण

99. भारत में बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली (BESS) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1. भारत की पहली बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली (BESS) मार्च 2025 में दक्षिण दिल्ली के किलोकरी में चालू की जाएगी.
2. इस परियोजना की क्षमता 20 – 40 मेगावाट/घण्टा होगी और यह प्रतिदिन 8 घण्टे तक बिजली की आपूर्ति करेगी.
3. यह परियोजना बीएसईएस राजधानी की मदद से स्थापित की गई है और इसे ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट (GEAPP) द्वारा वित्त पोषित किया गया है.
4. भारत का लक्ष्य वर्ष 2032 तक 47 गीगावाट की बैटरी ऊर्जा भण्डारण प्रणाली (BESS) स्थापित करना है.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 1, 3 और 2
(D) उपर्युक्त सभी

100. वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के पूर्वानुमान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1. वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की नाममात्र जीडीपी ₹ 324 लाख करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2024 की तुलना में 9·7% की वृद्धि को दर्शाता है.
2. निजी खपत (PFCE) से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 60% योगदान मिलने की उम्मीद है, लेकिन वित्त वर्ष 2020 से इसकी वृद्धि दर 7% के ऐतिहासिक औसत से अधिक रही है.
3. सरकार के अंतिम उपभोग व्यय (GFCE) में वित्त वर्ष 2025 में 4·2% की वृद्धि होने की उम्मीद है.
4. शुद्ध निर्यात (NX) ने ऐतिहासिक रूप से भारत की जीडीपी वृद्धि में सकारात्मक योगदान दिया है, हाल के वर्षों में आयात और निर्यात के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 1 और 2

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) प्रश्नगत दिए गए सभी कथन रासायनिक अभिक्रिया से सम्बन्धित हैं. गौरतलब है कि रासायनिक अभिक्रिया के समय किसी एक तत्व का परमाणु दूसरे तत्व के परमाणु में नहीं बदलता है. साथ ही न तो कोई परमाणु मिश्रण से बाहर जाता है और न ही बाहर से मिश्रण में आता है. वास्तव में, किसी रासायनिक अभिक्रिया में परमाणुओं के आपसी आबंध के टूटने एवं जुड़ने से नए पदार्थों का निर्माण होता है.
2. (B) कथन 2 गलत है. वायुरोधी बर्तनों में खाद्य सामग्री रखने से उपचयन की गति धीमी हो जाती है.
3. (D) भारत ने 17 जनवरी, 2025 को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडएक्स) के तहत् अपना पहला अंतरिक्ष डॉकिंग मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया और इसके साथ ही वह अमेरिका, रूस, चीन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है. ध्यातव्य है कि स्पेस डॉकिंग अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं.
4. (C)
5. (B) तीसरे वेतन आयोग का गठन 1979 में जे.एम.एम. सिन्हा की अध्यक्षता में गठित किया गया था. 1986 में तीसरे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया गया था.
6. (B) सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_X) वायु-मण्डल में पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलते हैं, तो वे क्रमशः सल्फ्यूरिक एसिड (H_2SO_4) और नाइट्रिक एसिड (HNO_3) बनाते हैं. जब यही अम्ल, पानी की बूँदों से मिलते हैं, तो यह अम्लीय वर्षा का कारण बनता है–
   - जब वर्षा के जल का pH मान 5·6 से कम हो जाता है, तो यह अम्लीय वर्षा का कारण बनता है.
   - अम्लीय वर्षा का जल जब नदी में प्रवाहित होता है, तो नदी के जल के pH का मान कम हो जाता है.

7. (C)

प्राकृतिक स्रोत	अम्ल
सिरका	ऐसीटिक अम्ल
संतरा	सिट्रिक अम्ल
इमली	टार्टरिक अम्ल
टमाटर	ऑक्सैलिक अम्ल
खट्टा दू (दही)	लैक्टिक अम्ल
नीबू	सिट्रिक अम्ल
चींटी का डंक	मेथैनॉइक अम्ल
नेटल का डंक	मेथैनॉइक अम्ल

8. (A) मिशन मौसम को 14 जनवरी, 2025 को IMD के 150वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान लॉन्च किया गया था. मिशन कृषि और पर्यटन पर ध्यान केन्द्रित करता है, साथ ही यह विमानन, रक्षा, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य और अन्य सहित कई अन्य क्षेत्रों को भी अपने उद्देश्यों में समावेशित करता है.
9. (C)
10. (D) धातुओं की सबसे अधिक अभिक्रियाशीलता से सबसे कम अभिक्रियाशीलता की ओर सही क्रम है–
    - पोटैशियम (K) (सबसे अधिक अभिक्रियाशील), सोडियम (Na), कैल्सियम (Ca), मैग्नीशियम (Mg), एल्युमिनियम (Al), जिंक (Zn), आयरन (Fe), लैड (Pb), हाइड्रोजन (H), कॉपर (Cu), मर्करी (Hg), सिल्वर (Ag), सोना (Au) (सबसे कम अभिक्रियाशील).
11. (A) त्वचा विशेषज्ञ 40 से अधिक देशों में इसके वैश्विक वितरण के कारण ट्राइकोफाइटन इंडोटिनी नाम की उपयुक्तता पर सवाल उठा रहे हैं, जो भारत के साथ इसके जुड़ाव की वैधता पर संदेह पैदा करता है रोगजनक का नाम शुरू में भारत के नाम पर रखा गया था, क्योंकि इसे सबसे पहले यहीं अलग किया गया था. हालाँकि, चूँकि यह कवक कई देशों में पाया गया है, इसलिए भारत में इसकी प्रारम्भिक खोज के आधार पर नाम का औचित्य अब बहस का विषय है.
12. (D) 13. (B)
14. (C) इंसुलिन, थॉयरॉक्सिन और एस्ट्रोजन मानव हार्मोन हैं, जबकि साइटो काइनिन, ऑक्सिन और जिबरेलिन आदि पादप हार्मोन के उदाहरण हैं.
    - दो तंत्रिका कोशिका के मध्य खाली स्थान को सिनेप्स कहते हैं.
15. (D) महाकुम्भ मेला-2025, 13 जनवरी, 2025 को शुरू हुआ और 45 दिनों तक जारी रहा, जिसका समापन 26 फरवरी, 2025 को हुआ. कुम्भ मेला हर 12 वर्ष में चार पवित्र स्थलों–हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में आयोजित किया जाता है. तीर्थयात्रियों का मानना है कि प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर स्नान करने से उनके पाप धुल जाते हैं और मोक्ष मिलता है.
16. (B)
    - चाय की झाड़ियों को वर्ष भर शीत रहित उष्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है. समान रूप से (150 सेमी - 50 सेमी) बार-बार होने वाली वर्षा की मात्रा वर्ष भर कोमल पत्तियों की निरन्तर वृद्धि सुनिश्चित करती है.
    - चाय की खेती के लिए दोमट मिट्टी आदर्श होती है.
17. (A) किसी तापीय विद्युत् (थर्मल पावर) स्टेशन की स्थापना के लिए यह अत्यावश्यक नहीं है कि उसकी किसी शहरी केन्द्र से सन्निकटता हो.
18. (B) बुरान अथवा पूर्गा (Buran or Purga)–रूस तथा मध्यवर्ती एशिया में चलने वाली उत्तरी-पूर्वी हवा जो अधिकांशतः शीतकाल में चलती है.
    - **बोरा**–यूगोस्लाविया के एड्रियाटिक तट पर चलने वाली ठंडी हवा है.
    - **मिस्ट्रल**–दक्षिणी फ्रांस में मिस्ट्रल ठंडी और शुष्क तेज हवा जो उत्तर में निचले रोन नदी घाटी के साथ भूमध्य सागर की ओर बहती है.
19. (D)
20. (D) देवदार, हिमालयी शुष्क शीतोष्ण वन क्षेत्रों में पाए जाते हैं. इस प्रकार के वन प्रायः जम्मू-कश्मीर, चंबा, लाहौल और किन्नौर जिले (हिमाचल प्रदेश) तथा सिक्किम में पाए जाते हैं. इन वनों या पेड़ों की पत्तियाँ शंकुधारी होती हैं. इस प्रकार के वनों की वनस्पति में देवदार के अलावा ओक, चिलगोजा, मेपल, जैतून, शहतूत आदि वृक्ष भी पाए जाते हैं.
21. (A) 22. (C) 23. (C) 24. (C)
25. (C)
26. (C) गुलबदन बेगम एक मुगल राजकुमारी और मुगल साम्राज्य के संस्थापक सम्राट् बाबर की बेटी थी. उन्हें हुमायूँनामा के लेखक के रूप में जाना जाता है, जो उनके सौतेले भाई, सम्राट् हुमायूँ के जीवन का वृत्तांत है, जिसे उन्होंने अपने भतीजे, सम्राट् अकबर के अनुरोध पर लिखा था.
27. (A) दीपवंश सिंहलद्वीप (श्रीलंका) के प्राचीन इतिहास का एक प्रसिद्ध ग्रन्थ है. यह ग्रन्थ चतुर्थ अथवा पंचम शताब्दी ईसवी में लिखा गया था.
28. (A)
29. (A) ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना 29 अक्टूबर, 1851 को कोलकाता, भारत में हुई थी और राधाकांत देब इसके पहले अध्यक्ष थे. एसोसिएशन के पहले महासचिव देवेन्द्रनाथ टैगोर थे. एसोसिएशन विशेष रूप से भारतीयों से बना था और इसने भारतीय जमींदारों के हितों का प्रतिनिधित्व किया.
30. (D)
31. (C) इंडस्ट्रियल रेवोलुशन शब्द को सबसे पहले अंग्रेजी आर्थिक इतिहासकार अर्नाल्ड ट्वानबी (1852-83) ने लोकप्रिय बनाया था.
32. (B)
    - भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है, जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ. यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है. भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम, 1935 को माना जाता है.

कुछ प्रमुख प्रावधान जो 26 नवम्बर, 1949 को लागू हुए–

- नागरिकता से सम्बन्धित विषय
- चुनाव से सम्बन्धित विषय
- चुनाव आयोग से सम्बन्धित प्रावधान
- प्रान्तीय संसद से सम्बन्धित विषय
- राष्ट्रपति की शपथ या पुष्टि से सम्बन्धित प्रावधान

33. (C) संविधान का अनुच्छेद 148–भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से सम्बन्धित है. नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद वह भारत सरकार के या किसी राज्य की सरकार के अधीन किसी और पद को धारण नहीं कर सकता है.
34. (D)
35. (B) सुरेश तेंदुलकर समिति का गठन वर्ष 2005 में किया गया था. इसने वर्ष 2009 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की. इसके अनुसार, भारत की 269 मिलियन

की आबादी (कुल जनसंख्या का 21·9 प्रतिशत) गरीबी रेखा के नीचे है.

36. (C) 37. (C)

38. (A) सर्वोच्च अदालत के अनुसार मुख्य न्यायाधीश एच.एल. दत्तू ने ऐसे मामलों के निपटारे के विशेष रूप से सामाजिक न्याय पीठ गठित करने का आदेश दिया है.

39. (D) बंदी जीवन (कैद का जीवन) सचिन्द्रनाथ सान्याल द्वारा लिखित आत्मकथात्मक तीन भाग वाला लेख है.

40. (C)

41. (A) ध्वनि तरंग अनुदैर्ध्य तरंगें होती हैं और प्रकाश तरंगें अनुप्रस्थ होती हैं.

42. (C) अवमूल्यन अन्य मुद्राओं के सम्बन्ध में एक मुद्रा के मूल्य में कमी है. यह किसी अन्य मुद्रा, मुद्राओं के समूह या मानक के सापेक्ष किसी देश की मुद्रा के मूल्य का जानबूझकर नीचे की ओर समायोजन है.

अवमूल्यन की प्रवृत्ति अवमूल्यन मुद्रा के संदर्भ में कीमतों में वृद्धि करके किसी देश में आयात की घरेलू माँग को कम करने और विदेशी मुद्राओं के सन्दर्भ में उनकी कीमतों को कम करके देश के निर्यात के लिए विदेशी माँग को बढ़ाने के लिए है.

43. (D) वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (OPHI) ने वर्ष 2010 में शुरू किया था. यह सूचकांक तीन आयामों (स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर) के 10 संकेतकों में अभाव को मापता है.

- स्वास्थ्य में-पोषण, बाल मृत्यु दर.
- शिक्षा में-स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति.
- जीवन स्तर में-खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास, सम्पत्ति आदि सम्मिलित है.

44. (C)

45. (C) सरकार द्वारा मुद्रास्फीति को कम करने के लिए उठाए जाने महत्वपूर्ण वित्तीय उपायों में निजी उपभोग व्यय में कमी करना भी शामिल सरकार व्यक्तिगत, निकाय और खाद्यान्न वस्तुओं की कर दरों में वृद्धि तथा कर लगाकर मुद्रास्फीति नियंत्रित करने का प्रयास करती है.

46. (C) गाँधीजी ने अपनी हत्या के 3 दिन पहले 27 जनवरी, 1948 को एक नोट में लिखा था कि अपने वर्तमान स्वरूप में कांग्रेस 'अपनी भूमिका पूरी कर चुकी है'. जिसे भंग करके एक लोकसेवक संघ में तब्दील कर देना चाहिए.

47. (B) पाँचवीं अनुसूची भारत के दस राज्यों में आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन का प्रावधान करती है, जिनमें आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना शामिल हैं.

48. (B) पंडित नेहरू के दृष्टिकोण के आलोक में, राज्य पुनर्गठन अधि नियम, 1956 के भाग-III के तहत् पाँच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी. इनमें से प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद् की वर्तमान संरचना इस प्रकार है–

- उत्तरी क्षेत्रीय परिषद्, जिसमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ शामिल हैं;
- मध्य क्षेत्रीय परिषद्, जिसमें छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्य शामिल हैं;
- पूर्वी क्षेत्रीय परिषद्, जिसमें बिहार, झारखण्ड, ओडिशा, सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्य शामिल हैं;
- पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद्, जिसमें गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र राज्य और दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश शामिल हैं;
- दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद्, जिसमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश पुदुचेरी शामिल हैं.

49. (B)

50. (B) वर्ष 1914 में हृदयनाथ कुंजरू ने 'सेवा समिति' की स्थापना इलाहाबाद में की थी. वह सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के सदस्य थे. सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी का गठन 1905 में पुणे, महाराष्ट्र में गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा किया गया था.

51. (B) कोलाचेल की लड़ाई 1741 ई. को भारतीय साम्राज्य त्रावणकोर और डच ईस्ट इंडिया कम्पनी के बीच लड़ी गई थी. त्रावणकोर-डच युद्ध के दौरान, राजा मार्तंड वर्मा (1729-58) की सेना ने 10 अगस्त, 1741 को एडमिरल यूस्टाचियस डी लैनॉय के नेतृत्व वाली डच ईस्ट इंडिया कम्पनी की सेना को हरा दिया था .

52. (A)

53. (D) सिंधु दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में से एक है और इसका स्रोत बोखर चू-मानसरोवर झील के पास, तिब्बत में है. नदी बेसिन में एवरेस्ट के अलावा दुनिया की सात सबसे ऊँची चोटियाँ शामिल हैं, जिनमें K2 और नंगा पर्वत शामिल हैं. यह बेसिन उत्तर में हिमालय पर्वत से लेकर पाकिस्तान में सिंध प्रांत के शुष्क, जलोढ़ मैदानों तक फैला हुआ है और अरब सागर में गिरता है. ऊपरी सिंधु नदी बेसिन हिंदू कुश, काराकोरम और हिमालय पर्वतमाला में स्थित एक उच्च पर्वतीय क्षेत्र में स्थित है.

54. (C) प्राक्कलन समिति का गठन लोक सभा के सदस्यों में से किया जाता है. इनमें कुल 30 सदस्य होते हैं. सदस्य संख्या के मामलें में यह सबसे बड़ी समिति है जिसका उद्देश्य धन के व्यय और उपयोग के संदर्भ में सरकारी मंत्रालयों और विभागों के कामकाज की जाँच करना है. यह प्रशासन में दक्षता और मितव्ययिता लाने के लिए वैकल्पिक नीतियों का भी सुझाव देता है.

55. (A) 56. (C) 57. (A) 58. (D)

59. (D) 60. (B) 61. (C) 62. (C)

63. (B) वासेनर व्यवस्था की स्थापना पारम्परिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण में पारदर्शिता और अधिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देकर क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता में योगदान करने के लिए की गई थी, जिससे अस्थिर संचय को रोका जा सके.

64. (A) 65. (C) 66. (D) 67. (D)

68. (D) तेलंगाना राज्य उत्तर में महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़, पश्चिम में कर्नाटक तथा दक्षिण और पूर्व दिशाओं में आंध्र प्रदेश से घिरा हुआ है.

69. (D) 70. (A) 71. (D) 72. (A)

73. (A)

74. (B) तारों का टिमटिमाना तारे के प्रकाश के वायुमण्डलीय अपवर्तन के कारण होता है. चूँकि तारे आकाशीय पिंडों से बहुत दूर हैं और इसलिए उन्हें प्रकाश का एकल बिंदु स्रोत माना जाता है. जब किसी तारे से आने

वाला प्रकाश पृथ्वी के वायुमण्डल में प्रवेश करता है, तो हवा की परतों के अलग-अलग ऑप्टिकल घनत्व के कारण इसका अपवर्तन होता है.

75. (B) जैव गैस गैसों का मिश्रण है, जिसमें मुख्य रूप से मेथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड शामिल हैं, जो कृष्यपशिष्ट, खाद, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, पौधों की सामग्री, वाहितमल, जैवा-पशिष्ट और खाद्यापशिष्ट जैसे कच्चे माल से उत्पन्न होते हैं. यह एक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है.

76. (A) जब बिजली संयंत्र बिजली उत्पादन के लिए कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाते हैं, तो वे अधिकांश सल्फर डाइऑक्साइड और अधिकांश नाइट्रोजन ऑक्साइड छोड़ते हैं. इसके अलावा, कारों, ट्रकों और बसों से निकलने वाला धुआँ हवा में नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड छोड़ता है. ये प्रदूषक अम्लीय वर्षा का कारण बनते हैं.

77. (B)

78. (B) यीस्ट, कवक जगत के अंतर्गत आता है. यह एक यूकेरियोटिक एककोशिकीय कवक है, जिसका उपयोग ब्रेड बनाने में किया जाता है.

79. (C)

80. (B) बरमूडा उत्तर अटलांटिक महासागर में स्थित ब्रिटेन का प्रवासी क्षेत्र है. यह संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर मियामी (फ्लोरिडा) से महज 1770 किमी और हैलिफैक्स, नोवा स्कोटिया, (कनाडा) के दक्षिण में 1350 किमी (840 मील) की दूरी पर स्थित है. यह सबसे पुराना और सबसे अधिक जनसंख्या वाला ब्रिटेन का प्रवासी क्षेत्र है.

81. (C) 82. (A) 83. (C) 84. (C)

85. (C)

- धन विधेयक सर्वप्रथम लोक सभा में पेश किया जाता है, राज्य सभा में नहीं.
- धन विधेयक को प्रस्तुत करने से पूर्व राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक होती है.
- धन विधेयक के सम्बन्ध में लोक सभा को आत्यंतिक अधिकार प्रदान किए गए हैं.
- धन विधेयक के सम्बन्ध में संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान नहीं है.
- धन विधेयक को राष्ट्रपति पुनर्विचार के लिए वापस नहीं कर सकता है.
- धन विधेयक केवल सरकार के द्वारा ही प्रस्तावित किए जाते हैं.
- धन विधेयक को दूसरे सदन में भेजने से पूर्व लोक सभा के अध्यक्ष को इस बात का प्रमाण-पत्र देना पड़ता है कि यह धन विधेयक है.
- धन विधेयक को राज्य सभा केवल 14 दिन तक अपने पास रोक सकती है.
- धन विधेयक 14 दिन के बाद राज्य सभा द्वारा पारित समझा जाता है.

86. (D) जीएसटी के तहत् चार टैक्स स्लैब बनाए गए हैं. ये टैक्स स्लैब हैं–5%, 12%, 18% और 28%. ज्यादातर वस्तुओं को 12 प्रतिशत और 18 प्रति-शत टैक्स के दायरे में रखा गया है. जीएसटी में पेट्रोलियम, बिजली, शराब और रियल एस्टेट को शामिल नहीं किया गया है.

87. (D) भारतीय संविधान में तीन प्रकार की आपातकालीन स्थिति का उल्लेख किया गया है–

- युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न आपात अथवा राष्ट्रीय आपात, (अनुच्छेद-352)
- राज्यों में संवैधानिक तंत्र के विफल होने से उत्पन्न आपात अथवा राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद-356)
- वित्तीय आपात (अनुच्छेद-360)

88. (A) 89. (D)

90. (A) हम्पी के भग्नावशेष 1800 ई. में एक अभियंता तथा पुराविद कर्नल कॉलिन मैकेन्जी द्वारा प्रकाश में लाए गए थे. मैकेन्जी, जो ईस्ट इण्डिया कम्पनी में कार्यरत् थे, ने इस स्थान का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया.

91. (A) अमुक्तमाल्यद, जो तेलुगू में राजकौशल (शासन कला) पर एक कृति है. यह 'कृष्णदेव राय' की रचना है. कृष्णदेव राय के शासन काल को 'तेलुगू साहित्य का शास्त्रीय युग कहा गया है. इनके राज-दरबार में तेलुगू साहित्य के आठ सर्वश्रेष्ठ कवि रहते थे, जिन्हें 'अष्टदिग्गज' कहा जाता था. कृष्णदेव राय ने तेलुगू में 'अमुक्तमाल्यद' एवं संस्कृति में 'जाम्बवती कल्याणम्' की रचना की. इन्हें आंध्र भोज, अभिनवभोज, आंध्र पितामह आदि उपाधियाँ दी गई थीं.

92. (D) समान लवणीयता के बिन्दुओं को मिलाने वाली रेखा आइसोहेलाइन कहलाती है. समान वायुदाब वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखा आइसोबार रेखा कहलाती है. समान वर्षा होने वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखा आइसोहाइट कहलाती है.

93. (D)

94. (D) प्राक्कलन समिति एक स्थायी समिति है.
रेलवे अभिसमय समिति एक तदर्थ समिति है.

95. (A) 96. (C)

97. (B) यह योजना 30 दिनों के बजाय केवल 7 दिनों तक के उपचार के लिए कवरेज प्रदान करती है.

98. (B) आयरन की कमी और एनीमिया का जल्दी और कम लागत में पता लगाने के लिए हाल ही में विकसित एक पोर्टेबल डिवाइस है.

99. (A) BESS दिन में 8 घण्टे नहीं बल्कि 4 घण्टे बिजली की आपूर्ति करेगा.

100. (A) निजी खपत वृद्धि कम रही है, वित्त वर्ष 2020 से केवल 4·8% की दर से बढ़ रही है, जो 7% की ऐतिहासिक औसत वृद्धि दर से बहुत कम है.



दूरसंचार विभाग

- पूरे विश्व में दूरसंचार सेवाओं को किसी देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साधन माना गया है. इसीलिए भारत के सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए दूरसंचार अवसंरचना एक महत्वपूर्ण कारक माना गया है.
- तदनुसार, दूरसंचार विभाग दूरसंचार सेवाओं की तेजी से वृद्धि के लिए विकास सम्बन्धी नीतियाँ बना रहा है. यूनीफाइड एक्सेस सर्विस इंटरनेट और वीसेट सर्विस जैसी विभिन्न दूरसंचार सेवाओं को लाइसेंस प्रदान करने की जिम्मेदारी भी इसी विभाग की है.
- अन्तर्राष्ट्रीय निकायों से घनिष्ठ समन्वय स्थापित कर रेडियो संचार के क्षेत्र में फ्रीक्वेंसी प्रबंधन की जिम्मेदारी भी इसी विभाग की है. यह विभाग देश में सभी प्रयोर्गकर्ताओं के बेतार पारेण की निगरानी करके बेतार विनियामक उपाय भी लागू करता है.

दूरसंचार विभाग (DoT) को अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धियों, सफलताओं और महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर विचार करने में गर्व है, जिन्होंने 2024 में भारत के दूरसंचार क्षेत्र के परिदृश्य को आकार दिया है.

- इस वर्ष कनेक्टिविटी, डिजिटल समावेशन, तकनीकी प्रगति और विनियामक सुधारों में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है, जिसने डिजिटल इंडिया के सरकार के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया है.
- 5G सेवाओं के विस्तार से लेकर दूरसंचार अवसंरचना और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से नई नीतियों के शुभारम्भ तक, DoT के प्रयास आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और निर्बाध संचार के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने में सहायक रहे हैं.
- विभाग ने 2024 में विश्व दूरसंचार और मानकीकरण सभा (WTSA-24) की भी मेजबानी की, जो एक ऐतिहासिक आयोजन था, जिसमें दूरसंचार के भविष्य को आकार देने के लिए वैश्विक दिग्गजों, उद्योग विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं को एक साथ लाया गया.
- ITU-WTSA 2024 में 160 से ज्यादा देशों के 3,700 प्रतिनिधियों की ऐतिहासिक उपस्थिति देखी गई, जो WTSA सभा के लिए अब तक की सबसे ज्यादा भागीदारी थी. यह आयोजन वैश्विक दूरसंचार नवाचार और नीति नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ.
- दूरसंचार विभाग भारतीय दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे यह अधिक समावेशी (समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाली सर्वव्यापी कनेक्टिविटी), विकसित (प्रदर्शन, सुधार और परिवर्तन के त्रिकोण के माध्यम से विकसित भारत), त्वरित (त्वरित विकास और त्वरित समाधान) और सुरक्षित (सुरक्षित और संरक्षित) बन रहा है.

A. 2024 में भारतीय दूरसंचार परिदृश्य

(i) टेलीफोन सदस्यता

- भारत में कुल टेलीफोन कनेक्शन मार्च 2014 में 933 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 1188·70 मिलियन हो गए. अक्टूबर 2024 के अंत में मोबाइल टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या 1151·18 मिलियन थी. भारत में समग्र टेली-घनत्व जो मार्च 2014 में 75·23% था, अक्टूबर 2024 में बढ़कर 84·49% हो गया.
- शहरी टेलीफोन कनेक्शन मार्च 2014 में 555·23 मिलियन की तुलना में अक्टूबर 2024 में 661·36 मिलियन हो गए, जो 19·11% की वृद्धि है, जबकि ग्रामीण टेलीफोन कनेक्शनों में वृद्धि 39·58% थी, जो शहरी वृद्धि से दोगुनी से भी अधिक है, जो मार्च 2014 में 377·78 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 527·34 मिलियन हो गई.

(ii) इंटरनेट एवं ब्रॉडबैंड

- इंटरनेट कनेक्शन मार्च 2014 में 25·15 करोड़ से बढ़कर जून 2024 में 96·96 करोड़ हो गए, जो 285·53% की वृद्धि दर्शाता है.
- ब्रॉडबैंड कनेक्शन मार्च 2014 में 6·1 करोड़ से बढ़कर अगस्त 2024 में 94·92 हो गए, जो 1452% की वृद्धि दर्शाता है.
- प्रति जीबी वायरलेस डेटा पर प्रति ग्राहक औसत राजस्व प्राप्ति दिसम्बर 2014 में ₹ 268·97 से घटकर जून 2024 में ₹ 8·31 हो गई, जो 96·91% से अधिक की कमी दर्शाता है.
- प्रति वायरलेस डेटा ग्राहक औसत मासिक डेटा खपत मार्च 2014 में 61·66 एमबी से 353 गुना बढ़कर जून 2024 में 21·30 जीबी हो गई.

(iii) बीटीएस और टावर्स

- नवम्बर 2024 तक मोबाइल बेस ट्रांसीवर स्टेशनों (बीटीएस) की संख्या 29·48 लाख है.
- नवम्बर 2024 तक मोबाइल टावरों की संख्या 8·13 लाख है.

(iv) एफडीआई में वृद्धि

- 2024-25 (अप्रैल से सितम्बर) के दौरान दूरसंचार क्षेत्र में एफडीआई (इक्विटी प्रवाह) 2023-24 के दौरान 282 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 670 मिलियन अमेरिकी डॉलर था.

(v) डेटा लागत

- 1 जीबी मोबाइल डेटा की औसत लागत $ 0·16 है, जबकि विश्व औसत + 2·59 है. (केबल कम्पनी यूके सितम्बर 2023)

B. दूरसंचार सुधार

(i) दूरसंचार अधिनियम, 2023

- सरकार ने दूरसंचार अधिनियम, 2023 को भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 और भारतीय वायरलेस टेलीग्राफ अधिनियम, 1933 के स्थान पर अधिसूचित किया है.
- नया अधिनियम, अन्य बातों के साथ-साथ, प्राधिकरण के लिए सरल ढाँचा, स्पेक्ट्रम आवंटन और इसके इष्टतम उपयोग के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित ढाँचा, प्रभावी और कुशल RoW ढाँचा, राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक आपातकाल के लिए मजबूत प्रावधान, डिजिटल भारत निधि, नियामक सैंडबॉक्स आदि के माध्यम से नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना शामिल है.

(ii) नागरिक केन्द्रित सेवाओं से सम्बन्धित सुधार

संचार साथी पोर्टल : संदिग्ध या धोखाधड़ी वाली कॉल की शिकायत दर्ज करने के लिए, दूरसंचार विभाग ने नागरिक केंद्रित संचार साथी पोर्टल (www.sancharsaathi.gov.in) विकसित किया है. इस पर औसतन प्रतिदिन 3 लाख विजिटर आते हैं. यह पोर्टल दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग से सम्बन्धित मामलों की रिपोर्टिंग के लिए विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करता है, जो निम्न प्रकार हैं–

- **चक्षु**–संदिग्ध धोखाधड़ी संचार और अनचाहे वाणिज्यिक संचार (यूसीसी) की रिपोर्ट करने के लिए आदि.
- **डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी)**–दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए हितधारकों के बीच दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग से सम्बन्धित जानकारी साझा करने के लिए एक ऑनलाइन सुरक्षित मंच यानी डीआईपी शुरू किया है.
- **एएसटीआर**–एएसटीआर नामक एआई आधारित उपकरण विकसित किया गया है, जो नकली/जाली दस्तावेजों पर लिए गए मोबाइल कनेक्शनों या किसी व्यक्ति के लिए निर्धारित सीमा से अधिक लिए गए मोबाइल कनेक्शनों की पहचान करने में मदद करता है.
- **अन्तर्राष्ट्रीय इनकमिंग स्पूफ्ड कॉल्स रोकथाम प्रणाली (Spoofed Calls Prevention System) :** दूरसंचार विभाग ने टीएसपी के साथ मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय इनकमिंग स्पूफ्ड कॉल्स की पहचान करने और उन्हें भारतीय नागरिकों तक पहुँचने से रोकने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय इनकमिंग स्पूफ्ड कॉल्स रोकथाम प्रणाली तैयार की है.

(iii) RoW पोर्टल

- गतिशक्ति संचार पोर्टल को सभी 36 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों में राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) आवेदन जमा करने के लिए विकसित किया गया है. डैशबोर्ड मॉनिटरिंग ने आवेदनों के लिए पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करके और कागजी कार्रवाई को कम करके नौकरशाही बाधाओं को दूर किया है.

(iv) राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) का गति शक्ति संचार पोर्टल

दूरसंचार विभाग ने एनएमपी पर अग्र-लिखित दूरसंचार परिसम्पत्तियों का मानचित्रण किया है–

- रेलटेल/बीएसएनएल बीबीएनएल/एमटीएनएल/गेल/एमओआरटीएच की सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) से ~13 लाख आरकेएम (रूट किमी) ओएफसी. राज्य और अन्य निजी ऑपरेटरों की ~43,000 रूट किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी).
- ~8·12 लाख मोबाइल टावर जिनमें 29·265 लाख (बेस ट्रांसीवर) बीटीएस हैं.
- ~2·29 लाख PM&WANI वाई-फाई हॉटस्पॉट.
- 4जी संतृप्ति परियोजना के 17,286 प्रस्तावित मोबाइल टावर. विभिन्न यूएसओएफ परियोजनाओं के 4,135 मोबाइल टावर (नियोजित/विकिरणित).

(vi) आपदा प्रबंधन

- अखिल भारतीय सेल ब्रॉडकास्टिंग (सीबी) के कार्यान्वयन को सुगम बनाकर लक्षित प्रारम्भिक चेतावनी अलर्ट प्रदान करके सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाना : DoT, MHA, NDMA, MeitY, C-DOT और TSP के सहयोग से, CB प्रणाली के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन की देख-रेख कर रहा है.
- DoT इकाई प्रगति की निगरानी कर रही है, और विश्वसनीयता के लिए व्यापक परीक्षण कर चुकी है. DoT हैंडसेट निर्माताओं के साथ भी सहयोग कर रहा है, और तकनीकी विनिर्देश और सुरक्षा मानक स्थापित कर रहा है.

C. 5जी और 6जी

(i) 5जी सेवाओं की शुरुआत

31 अक्टूबर 2024 तक, देश भर के सभी राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में 5G सेवाएँ शुरू कर दी गई हैं. देश में 4·6 लाख से अधिक 5G बेस ट्रांसीवर स्टेशन (BTS) स्थापित किए गए हैं.

(ii) 100 5G लैब्स पहल का कार्यान्वयन

अक्टूबर 2023 में माननीय प्रधानमंत्री ने 100 5G यूज केस लैब्स को पुरस्कृत किया. सभी 100 लैब्स शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित की गई हैं. इस पहल के मुख्य उद्देश्य हैं–

- छात्रों और शैक्षणिक बिरादरी में 5G प्रौद्योगिकियों में दक्षता और सहभागिता का निर्माण करना.
- 5G वातावरण का उपयोग करने वाले छात्रों के लिए यूजी और पीजी स्तर पर परियोजनाओं को सक्षम बनाना.
- 5G उपयोग के मामलों को विकसित करने और विचार करने के लिए शिक्षा-उद्योग की सहभागिता को प्रोत्साहित करना.
- संस्थान के आस-पास स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए 5G परीक्षण सेटअप तक स्थानीय पहुँच प्रदान करना.
- भारतीय शिक्षा और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को 6G के लिए तैयार करना.

(iii) भारत 6जी विजन और भारत 6जी अलायंस

- माननीय प्रधानमंत्री ने मार्च 2023 में भारत 6G विजन लॉन्च किया, जिसमें भारत को 2030 तक 6G तकनीक के डिजाइन, विकास और तैनाती में वैश्विक नेता के रूप में स्थान दिया गया. भारत 6G एलायंस (B6GA) एक सहयोगी मंच है, जो भारत में एक व्यापक 6G पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए शिक्षा, उद्योग और सरकार को एक साथ लाता है.
- यह गठबंधन 6G तकनीक के अनुसंधान, विकास और मानकीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य भारत को उभरते 6G परिदृश्य में वैश्विक नेता बनाना है. B6GA ने 6G के विशिष्ट क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करने के लिए 7 कार्य समूहों का गठन किया है, जिसमें स्पेक्ट्रम, डिवाइस तकनीक, उपयोग के मामले, मानक, हरित और स्थिरता, RAN और कोर नेटवर्क, AI और सेंसिंग और सुरक्षा शामिल हैं.
- भारत 6G अलायंस (B6GA) ने वैश्विक सहयोगियों, NGMN अलायंस (नेक्स्ट जेनरेशन मोबाइल नेटवर्क अलायंस), 5G ACIA (कनेक्टेड इंडस्ट्रीज और ऑटोमेशन के लिए 5G अलायंस), जर्मनी, UKI-FIN (यूके-इंडिया फ्यूचर नेटवर्क इनिशिएटिव) और UK TIN (यूके टेलीकॉम इनोवेशन नेटवर्क), 6G फोरम (दक्षिण कोरिया), 6G ब्राजील (ब्राजील) के साथ विभिन्न समझौता ज्ञापनों (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं.
- B6GA ने ATIS USA के नेक्स्टG अलायंस, 6G स्मार्ट नेटवर्क और सर्विसेज इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (6G IA), यूरोपीय परिषद् और 6G फ्लैगशिप-ओउलू विश्वविद्यालय के साथ भी गठबंधन किया है.

D. परियोजनाएँ और पहल

I. डिजिटल भारत निधि (DBN)

- संसद के एक अधिनियम द्वारा गठित सार्वभौमिक सेवा दायित्व कोष (यूएसओएफ) की स्थापना भारतीय

टेलीग्राफ (संशोधन) अधिनियम, 2003 (जिसे 2006 में आगे संशोधित किया गया) के अन्तर्गत 01.04.2002 से देश के वाणिज्यिक रूप से अलाभकारी ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी.

- दूरसंचार अधिनियम, 2023 और दूरसंचार (डिजिटल भारत निधि का प्रशासन) नियम 2024 की दिनांक 30.08.2024 की अधिसूचना के अनुसार, भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत् बनाए गए सार्वभौमिक सेवा दायित्व कोष (यूएसओएफ) का नाम बदलकर 'डिजिटल भारत निधि' (डीबीएन) कर दिया गया है.

डीबीएन के अन्तर्गत चल रही गतिविधियों की कार्यान्वयन स्थिति

(i) भारतनेट

- देश के सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) और गाँवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए भारतनेट परियोजना को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है. चरण-I दिसम्बर 2017 में 1 लाख से अधिक जीपी के कार्यान्वयन के साथ पूरा हो गया है और शेष जीपी को कार्यान्वयन के विभिन्न मॉडलों के तहत् जोड़ा जा रहा है, यानी राज्य के नेतृत्व वाले मॉडल, सीपीएसयू के नेतृत्व वाले मॉडल और निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले मॉडल आदि.
- दिसम्बर 2024 तक, 6,92,428 किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है और 2,09,281 जीपी ओएफसी पर सेवा के लिए तैयार हैं. इसके अलावा, 5,032 जीपी को सैटेलाइट मीडिया से जोड़ा गया है.

(ii) पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना (सीटीडीपी)

(a) पूर्वोत्तर क्षेत्र के शेष क्षेत्रों में बिना नेटवर्क वाले गाँवों में मोबाइल सेवाएँ और राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध कवरेज : कुल 1,358 साइटें स्थापित की गई हैं और पूर्वोत्तर क्षेत्र के असम, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश (केवल राष्ट्रीय राजमार्ग) के बिना नेटवर्क वाले गाँवों में सेवाएँ प्रदान कर रही हैं. हालाँकि, कार्यान्वयन एजेंसियों (भारती एयरटेल लिमिटेड/भारती हेक्साकॉम लिमिटेड) के साथ समझौता 2जी सेवाएँ प्रदान करने के लिए है.

(b) अरुणाचल प्रदेश और असम के 2 जिलों के अनकवर्ड गाँवों में मोबाइल सेवाएँ : अरुणाचल प्रदेश में सेवाओं के प्रावधान के लिए मेसर्स भारती हेक्साकॉम लिमिटेड के साथ और असम के 2 जिलों (कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिले) के लिए मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं. कुल परियोजना लागत ₹ 1,255·49 करोड़ है. दिसम्बर 2024 तक, 660 मोबाइल टावरों की कमीशनिंग करके 1149 गाँवों को कवर किया गया है.

(c) मेघालय के कवर न किए गए गाँवों और राष्ट्रीय राजमार्गों में 4 जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान [डीपी1] : दिसम्बर 2024 तक, 433 मोबाइल टावरों को चालू करके 622 गाँवों और 3 एनएच को कवर किया गया है.

(iii) द्वीपों के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना का कार्यान्वयन :

इस योजना में निम्नलिखित योजनाएं शामिल हैं–

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

- चेन्नई और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बीच पनडुब्बी ओएफसी कनेक्टिविटी.
- CANI पनडुब्बी केबल परियोजना के सभी खण्ड चालू हो चुके हैं. वर्तमान बैंडविड्थ उपयोग 205 Gbps है.
- **अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए सैटेलाइट बैंडविड्थ वृद्धि :** बीएसएनएल द्वारा सैटेलाइट बैंडविड्थ को 2 Gbps से 4 Gbps तक बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है.

लक्षद्वीप द्वीप समूह

- **कोच्चि और लक्षद्वीप द्वीपसमूह के बीच सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल कनेक्टिविटी :** 09.12.2020 को हुई अपनी बैठक में कैबिनेट ने कोच्चि और लक्षद्वीप द्वीपसमूह (केएलआई परियोजना) के बीच सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल कनेक्टिविटी के प्रावधान को मंजूरी दी, जिसमें कावारती और दस अन्य द्वीप शामिल हैं, अर्थात् कल्पेनी, अगत्ती, अमिनी, एँड्रोथ, मिनिकॉय, बंगाराम, बित्रा, चेतलाट, किल्टन और कदमत.
- कुल अनुमानित मार्ग की लम्बाई लगभग 1,772 किमी है और कुल वित्तीय निहितार्थ लगभग ₹ 1072 करोड़ (करों को छोड़कर) है.

(iv) सीमावर्ती गाँवों और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल सेवा

(a) सीमावर्ती गाँव योजना : दिसम्बर 2024 तक, 354 कवर किए गए गाँवों की योजनाओं के तहत् 295 मोबाइल टावर स्थापित करके 319 गाँवों को 4 जी मोबाइल सेवाओं के साथ कवर किया गया है.

(b) वामपंथी उग्रवाद-चरण-I : केंद्रीय मंत्रिमण्डल ने नामांकन के आधार पर बीएसएनएल द्वारा मौजूदा वामपंथी उग्रवाद टावरों को 2जी से 4जी में अपग्रेड करने को मंजूरी दे दी है. दिसम्बर 2024 तक, वामपंथी उग्रवाद चरण-I उन्नयन के तहत् 209 मोबाइल टावर (आंध्र प्रदेश-16, छत्तीसगढ़-162, झारखण्ड-19, मध्य प्रदेश-3, महाराष्ट्र-3, ओडिशा-3, उत्तर प्रदेश-1 और पश्चिम बंगाल-2) को 4जी में अपग्रेड किया गया है.

(c) वामपंथी उग्रवाद- चरण-II : दिसम्बर 2024 तक 2544 टावर स्थानों के लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और शेष स्थानों के लिए सर्वेक्षण प्रगति पर है. भौतिक सर्वेक्षण के बाद 1,335 स्थान ऐसे पाए गए हैं, जिन पर 1,271 टावर लगाने की योजना है, जिनमें से 21.12.2024 तक 1,153 स्थानों को कवर करते हुए 1096 साइटों को चालू कर दिया गया है.

(v) आकांक्षी जिला योजना

(a) 502 आकांक्षी जिला योजना : चार राज्यों (अर्थात् उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान) के 112 आकांक्षी जिलों के 502 वंचित गाँवों के लिए 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं के प्रावधान के लिए एक योजना प्रदान की गई है और परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है. इसके अलावा, मध्य प्रदेश के 27 गाँवों को उन योजनाओं में जोड़ा गया है, जहाँ काम प्रगति पर है. दिसम्बर 2024 तक, 248 गाँवों को कवर करते हुए 212 मोबाइल टावर चालू किए जा चुके हैं.

(b) 7287 आकांक्षी जिला योजना : 5 राज्यों (आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, महाराष्ट्र और ओडिशा) के 44 आकांक्षी जिलों के 7,287 कवर किए गए गाँवों में 4जी मोबाइल सेवाएँ प्रदान करने की योजना को सरकार ने मंजूरी दे दी है. 6,743 गाँवों के लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और शेष 544 कवर किए गए गाँवों के लिए काम चल रहा है. भौतिक सर्वेक्षण के बाद, 5386 गाँव कवर नहीं किए गए हैं, जिनके लिए 3679 टावर लगाने की योजना है. 21.12.2024

तक 3,638 गाँवों को कवर करते हुए कुल 2,387 साइटों को चालू कर दिया गया है.

दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीटीडीएफ)

- दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीटीडीएफ) योजना का उद्देश्य भारत में दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप्स, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देते हुए ग्रामीण-विशिष्ट संचार प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास (आरएण्डडी) को वित्तपोषित करना है.

महत्वपूर्ण घटनाएँ

I. विश्व दूरसंचार मानकीकरण संगठन (WTSA)

- अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) की विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (WTSA) 14 से 24 अक्टूबर, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई. WTSA एक चतुर्भुज आयोजन है और ITU (अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) मानकीकरण क्षेत्र (ITU-T) के शासी सम्मेलन के रूप में कार्य करता है.
- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक इकाई, अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ द्वारा आयोजित तीन विश्व सम्मेलनों में से एक है. यह आयोजन वैश्विक दूरसंचार मानकों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भारत द्वारा NTSA की मेजबानी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है.

II. इंडिया मोबाइल कांग्रेस, 2024

- दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) के सहयोग से इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC-2024) का आयोजन किया गया. IMC-2024 का आठवाँ संस्करण 15-18 अक्टूबर, 2024 तक भारत मण्डपम, नई दिल्ली में विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा 2024 (WTSA-24) के साथ आयोजित किया गया. IMC2024 ने 'भविष्य अभी है' थीम के तहत क्वांटम संचार और 6G जैसी आगामी तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया.
- आईएमसी 2024 में दूरसंचार के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों और कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा आदि में इसके उपयोग के मामलों को प्रदर्शित किया गया. 5जी, 6जी और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रगति के माध्यम से संचार प्रौद्योगिकियों से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है.
- उद्घाटन के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने डिजिटल परिवर्तन की अगुआई करने और तकनीकी कौशल में वैश्विक मानक स्थापित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई.
- IMC 2024 एक अभूतपूर्व आयोजन था, जिसमें 1·75 लाख से अधिक लोग शामिल हुए, जो IMC 2023 (IMC 2023 में 1·5 लाख) से 17% अधिक था और इसमें 123 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इस कार्यक्रम में 920 स्टार्टअप, 100 निवेशक, 820 से अधिक वक्ता और 264 भागीदार और प्रदर्शक शामिल हुए, जिन्होंने वैश्विक प्रौद्योगिकी नवाचार में उत्प्रेरक के रूप में भारत की भूमिका को प्रदर्शित किया.
- 6G की सम्भावित प्रगति और परिवर्तनकारी प्रभावों का पता लगाने के उद्देश्य से, IMC ने एक अन्तर्राष्ट्रीय 6G संगोष्ठी की भी मेजबानी की, जिसने सार्थक संवादों को सुगम बनाया और 6G नवाचारों के लिए आधार तैयार किया जो तकनीकी परिदृश्य को फिर से परिभाषित करेंगे. इसके अलावा, IMC2024 के दौरान, क्वांटम संचार, सैटेलाइट संचार (NGSO और अन्य), AI फॉर गुड: इम्पैक्ट इंडिया ग्लोबल समिट, दूरसंचार नेटवर्क सुरक्षा, ग्रीन टेलीकॉम और डेटा गोपनीयता पर विशेष सत्र आयोजित किए गए.

III. अन्तर्राष्ट्रीय क्वांटम संचार सम्मेलन

- क्वाँटम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले सभी शोधकर्ताओं और उद्योगों को एक साथ लाने के लिए 15 और 16 फरवरी, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय क्वांटम संचार सम्मेलन' आयोजित किया गया.

IV. तकनीकी रिपोर्ट 'कृषि में क्रांति : खेती का डिजिटल परिवर्तन' का विमोचन

- 'कृषि में क्रांति : खेती का डिजिटल परिवर्तन' पर तकनीकी रिपोर्ट 18 मार्च, 2024 को कल की खेती : IoT और AI के माध्यम से डिजिटल कृषि को आगे बढ़ाना' पर ITU/FAO कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान जारी की गई. ●●●





उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. भारतीय नौसेना के लिए आईएनएस तवाश्य युद्धपोत का निर्माण निम्नलिखित में से किस कम्पनी के द्वारा किया जा रहा है ?
   (A) गार्डन रीच शिप बिल्डर्स
   (B) कोचीन शिपयार्ड लि.
   (C) मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि.
   (D) गोवा शिपयार्ड लि. (जीएसएल)

2. स्वीडिश थिंक टैंक 'सीपरी' (SIPRI–Stockholm International Peace Research Institute) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2020-24 के 5 वर्षों की अवधि में विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक राष्ट्र कौनसा रहा ?
   (A) अमेरिका
   (B) रूस
   (C) फ्रांस
   (D) इजरायल

3. 'सीपरी' (SIPRI) रिपोर्ट के अनुसार 2020-24 में विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक राष्ट्र कौनसा था ?
   (A) भारत (B) चीन
   (C) यूएई (D) यूक्रेन

4. अमेरिका में स्थायी रूप से निवास करने व वहाँ की नागरिकता प्राप्त करने के लिए एक नई गोल्ड कार्ड योजना की शुरुआत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने की है. इस गोल्ड कार्ड की कीमत कितनी रखी गई है ?
   (A) 5000 डॉलर
   (B) 50,000 डॉलर
   (C) 5 लाख डॉलर
   (D) 50 लाख डॉलर

5. भारत में निम्नलिखित में से किस उपज का उत्पादन रबी व खरीफ दोनों ही मौसमों में होता है ?
   (A) गेहूँ (B) चावल
   (C) चना (D) तूर

6. पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में कोयला उत्पादन के मामले में एक महत्वपूर्ण आँकड़े को इस उद्योग ने प्राप्त किया है. वर्ष में कितने उत्पादन का बिन्दु कोयला उद्योग ने पार किया है ?
   (A) 100 मिलियन टन
   (B) 500 मिलियन टन
   (C) 1000 मिलियन टन
   (D) 10,000 मिलियन टन

7. भारत में लगभग कितने प्रतिशत विद्युत् उत्पादन कोयला आधारित संयन्त्रों द्वारा होता है ?
   (A) 44 प्रतिशत (B) 54 प्रतिशत
   (C) 64 प्रतिशत (D) 74 प्रतिशत

8. अद्यतन उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों में भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) का अग्रणी स्रोत कौनसा देश रहा है ?
   (A) सिंगापुर (B) मॉरिशस
   (C) यूएई (D) अमेरिका

9. भारतीय अर्थव्यवस्था वर्तमान में विश्व की कौनसी बड़ी अर्थव्यवस्था है ?
   (A) चौथी (B) पाँचवीं
   (C) छठी (D) सातवीं

10. मार्च 2025 के अन्त में देश में सार्वजनिक क्षेत्र की कितनी कम्पनियों को महारत्न कम्पनी का दर्जा प्राप्त था ?
    (A) 10 (B) 12
    (C) 14 (D) 16

11. निम्नलिखित में से कौन 'सेबी' (SEBI) के नए प्रमुख मार्च 2025 में बनाए गए हैं ?
    (A) माधवी पुरी बुच
    (B) रघुराम राजन
    (C) तुहिन कांत पाण्डे
    (D) संजय मल्होत्रा

12. वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसम्बर 2024 में) भारत में एफडीआई अन्तर्प्रवाह में कितने प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है?
    (A) 22% (B) 25%
    (C) 27% (D) 30%

13. इस वर्ष के ऑस्कर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार पाने वाली फिल्म अनोरा (Anora) का निर्देशन किसने किया ?
    (A) एड्रियन ब्रॉडी
    (B) जैकुआस ऑडियार्ड
    (C) सीन बेकर
    (D) ब्रैडी कॉर्बेट

14. वर्ष 2024 की विश्व सुन्दरी प्रतियोगिता का आयोजन मुम्बई में हुआ था. इस वर्ष (2025 में) यह प्रतियोगिता कहाँ आयोजित होगी ?
    (A) दुबई (B) सिंगापुर
    (C) बाकू (D) हैदराबाद

15. वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कितने प्रतिशत वृद्धि का एनएसओ का ताजा अग्रिम अनुमान है ?
    (A) 6·0 प्रतिशत (B) 6·5 प्रतिशत
    (C) 7·0 प्रतिशत (D) 7·5 प्रतिशत

16. अद्यतन आँकड़ों के अनुसार, भारत में प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शनों (वायरलैस + वायर लाइन) की संख्या लगभग कितनी है ?
    (A) 85 (B) 105
    (C) 125 (D) 145

17. देश में शहरी क्षेत्रों में प्रति 100 व्यक्तियों पर वायरलैस टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या लगभग कितनी है ?
    (A) 105 (B) 125
    (C) 145 (D) 165

18. भारत में निम्नलिखित में कौन दूरसंचार क्षेत्र के लिए नियामक निकाय है ?
    (A) AAI (B) IRDA
    (C) TRAI (D) FTC

19. भारत में ब्रॉडबैण्ड सेवा बाजार में किस कम्पनी की बाजार हिस्सेदारी सर्वाधिक है ?
    (A) भारती एयरटेल
    (B) रिलायंस जियो
    (C) वोडाफोन-आइडिया
    (D) बीएसएनएल

20. कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) जमाओं पर कितने प्रतिशत ब्याज की संस्तुति 2024-25 के लिए ईपीएफ के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा की गई है ?
    (A) 8·15 प्रतिशत
    (B) 8·25 प्रतिशत
    (C) 8·45 प्रतिशत
    (D) 9·00 प्रतिशत

उत्तरमाला

1. (D)	2. (A)	3. (D)	4. (D)
5. (B)	6. (C)	7. (D)	8. (A)
9. (B)	10. (C)	11. (C)	12. (C)
13. (C)	14. (D)	15. (B)	16. (A)
17. (B)	18. (C)	19. (B)	20. (B)

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी लोक सभा 2024 एटलस के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   I. देश में 18-29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या लोक सभा निर्वाचन 2019 में 25·37% से घटकर लोक सभा निर्वाचन 2024 में 22·78% रह गई.
   II. झारखण्ड देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ 18-29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 2019 के चुनावों के मुकाबले 2024 में आनुपातिक रूप से बढ़ गई है.
   III. छत्तीसगढ़, मिजोरम, राजस्थान, सिक्किम, प. बंगाल, दिल्ली, उत्तराखण्ड, आन्ध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में युवा मतदाताओं (18-29 वर्ष) की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई.
   IV. 2019-24 के चुनावों के बीच 30-59 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की हिस्सेदारी 59·77% से बढ़कर 60·63% हो गई.

   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल एक
   (B) केवल दो
   (C) केवल तीन
   (D) सभी चार

2. समाचारों की सुर्खियों में रहे 'ब्लू घोस्ट' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
   (A) यह अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा का लैण्डर अन्तरिक्ष यान है
   (B) यह एक निजी अमेरिकी कम्पनी फायर-फ्लाई एयरोस्पेस का लैण्डर यान है
   (C) 'ब्लू घोस्ट' मार्च 2025 के प्रथम सप्ताह में चन्द्रमा पर उतरा
   (D) इस यान का लक्ष्य चन्द्रमा के उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित प्रभाव बेसिन में स्थित प्राचीन ज्वालामुखी गुम्बद की ढलानों पर पहुँचना था

3. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के सन्दर्भ में सूची-I (राज्य) एवं सूची-II (2024 में पंचायती राज्य संस्थाओं में महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत) पर विचार करके सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	सूची-II
(a) हिमाचल प्रदेश	1. 61·51%
(b) ओडिशा	2. 57·50%
(c) तमिलनाडु	3. 57·32%
(d) उत्तर प्रदेश	4. 33·33%

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	1	3	2	4
(D)	3	2	4	1

4. 97वें एकेडमी (ऑस्कर) पुरस्कार 2025 के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
   I. सर्वश्रेष्ठ अभिनेता : एडरीन ब्रॉडी (द ब्रूटलिस्ट)
   II. सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री : माइकी मेडिसन (अनोरा)
   III. सर्वश्रेष्ठ निर्देशक : शॉन बेकर (अनोरा)
   IV. सर्वश्रेष्ठ फिल्म : अनोरा

   सही कूट है—
   (A) केवल III एवं IV
   (B) केवल I एवं II
   (C) केवल IV
   (D) I, II, III, IV सभी

5. समाचारों की सुर्खियों में रहे स्फेयरेक्स (SPHEREx) के बारे में निम्नलिखित में कौनसे कथन सत्य हैं ?
   (A) SPHEREx स्पेक्ट्रो-फोटोमीटर फॉर दी हिस्ट्री ऑफ द यूनिवर्स, एपोच ऑफ रीऑनाइजेशन एण्ड आइस एक्सप्लोरर का संक्षिप्त नाम है
   (B) यह एक अन्तरिक्ष दूरबीन है
   (C) यह ब्रह्माण्ड का मानचित्रण करेगा और दो प्रकार के ब्रह्माण्डीय प्रकाशों—ऑप्टीकल तथा इंफ्रारेड का पता लगाएगा
   (D) यह अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा (NASA) तथा भारतीय अन्तरिक्ष एजेन्सी इसरो (ISRO) का एक संयुक्त उपक्रम है

6. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (SMA) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
   (A) SMA मानव शरीर को दुर्बल बनाने वाली आनुवंशिक स्थिति है
   (B) यह मोटार न्यूरॉन्स को प्रभावित करती है, जो गति को नियन्त्रित करते हैं
   (C) SMA संवेदी तंत्रिकाओं को प्रभावित करती है
   (D) SMA शरीर के केन्द्र से सबसे दूर की मांसपेशियों को प्रभावित करता है

7. समाचारों की सुर्खियों में रहे POEM-4 के बारे में विचार कीजिए—
   I. PSLV-C60 मिशन 30 दिसम्बर, 2024 को लॉन्च किया गया था.
   II. POEM-4 ने 4 मार्च, 2025 को 1000 परिक्रमाएँ पूरी कर ली हैं.
   III. POEM-4 ने अन्तरिक्ष रोबोटिक्स बीजों के अंकुरण और माइक्रोग्रेविटी में बैक्टीरिया की वृद्धि, ग्रीन प्रोपल्शन, पायरो थ्रस्टर्स के लेजर इग्निशन, शौकिया रेडियो ट्रांसमिशन और उन्नत सेंसर में प्रयोग किए हैं.
   IV. POEM-4 को त्रि-अक्षीय स्थिर प्लेटफॉर्मों के रूप में तैयार किया गया था, जो गैर-सरकारी संस्थाओं के 10 पेलोड और इसरो के 14 पेलोड ले गया था.

   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल एक (B) केवल दो
   (C) केवल तीन (D) सभी चार

8. 'धर्मा गार्जियन' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
   (A) यह 6वाँ भारत-जापान सैन्य अभ्यास था
   (B) यह 24 फरवरी से 26 मार्च, 2025 तक चला
   (C) यह जापान में पूर्वी फ्यूजी प्रशिक्षण क्षेत्र में चला
   (D) धर्मा गार्जियन का प्रमुख ध्यान शहरी क्षेत्रों में आतंकवादी रोधी ऑपरेशनों को बेहतर ढंग से चलाना था

9. किस देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारतीय सेना की एक टुकड़ी ने 12 मार्च, 2025 को भाग लिया ?
   (A) कतर (B) मॉरिशस
   (C) इण्डोनेशिया (D) फ्रांस

10. आई.सी.सी. ट्रॉफी के बारे में निम्न-लिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
   (A) 9 मार्च, 2025 को न्यूजीलैण्ड को हराकर भारत ने आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2025 जीती

(B) भारत अब तक आईसीसी के सात टूर्नामेन्ट (कप/ट्रॉफी) जीत चुका है
(C) भारत ने अब तक तीन आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी जीती हैं
(D) आईसीसी द्वारा आयोजित क्रिकेट के सभी प्रारूपों (टेस्ट मैच, एकदिवसीय, टी-20) के खिताब भारत जीत चुका है

11. 12वीं खंजर एक्सरसाइज निम्नलिखित में से किन दो देशों के विशिष्ट बलों के बीच 10-23 मार्च, 2025 को सम्पन्न हुई ?
(A) भारत–किर्गिस्तान
(B) पाकिस्तान–बांग्लादेश
(C) पाकिस्तान–इण्डोनेशिया
(D) भारत–कतर

12. अभी हाल ही में नदियों में डॉल्फिन की संख्या का पता लगाने के लिए किए गए एक सर्वेक्षण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. व्यास नदी में पंजाब में केवल तीन सिंधु नदी डाल्फिन पायी गईं.
II. सर्वाधिक 2397 गंगा नदी डाल्फिन उत्तर प्रदेश में पायी गईं.
III. 1990 के दशक से ही सिंधु और गंगा डॉल्फिन को अन्तर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) को 'लाल सूची' में 'लुप्त प्रायः' प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II
(C) केवल II एवं III
(D) I, II, III सभी

13. स्विट्जरलैण्ड स्थित वायु गुणवत्ता अनुश्रवण कम्पनी IQAir के अनुसार, वर्ष 2024 में किस देश की वायु सर्वाधिक प्रदूषित थी ?
(A) चाड (B) कांगो
(C) भारत (D) पाकिस्तान

14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. मार्क कार्नी को कनाडा का नया प्रधानमंत्री बनाया गया है.
II. मार्क कार्नी बैंक ऑफ कनाडा के पूर्व प्रमुख हैं.
उपर्युक्त में से सही है/हैं–
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

15. भारत के ऐसे पहले और एकमात्र प्रधानमंत्री जिन्हें मॉरिशस के सर्वोच्च सम्मान 'The Grand Commander of the Order of the Star and Key of the Indian Ocean' से सम्मानित किया गया–
(A) इंदिरा गाँधी
(B) अटल बिहारी वाजपेयी
(C) डॉ. मनमोहन सिंह
(D) नरेन्द्र मोदी

16. स्विट्जरलैण्ड की कम्पनी IQAir द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट, 2025 के अनुसार, 2024 में भारत के किन शहर समूहों को विश्व के सवाधिक 10 प्रदूषित मेट्रोपोलिटन क्षेत्र सूची में शामिल किया गया है ?
(A) कानपुर, भागलपुर, मुंबई, दिल्ली
(B) गाजियाबाद, कानपुर, पटना, अहमदाबाद
(C) बर्नीहाट, नई दिल्ली, मुल्लापुर, फरीदाबाद
(D) फरीदाबाद, कानपुर, प्रयागराज, भागलपुर

17. मार्च 2025 के दूसरे सप्ताह में किस देश में अलगाववादियों द्वारा एक यात्री रेलगाड़ी को अपहरण कर लिया गया ?
(A) पाकिस्तान (B) बांग्लादेश
(C) कनाडा (D) यूक्रेन

18. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 6 जनवरी, 2025 को जारी 'ए आई गवर्नेन्स गाइडलाइन्स डेवलपमेन्ट' में कृत्रिम मेधा शासन पर कतिपय सिद्धान्तों को अपनाने का सुझाव दिया गया है–
I. जवाबदेही एवं पारदर्शिता
II. निजता एवं निष्पक्षता
III. सुरक्षा एवं बचाव
IV. समावेशिता एवं पोषणीयता
उपर्युक्त में से शामिल हैं–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल III एवं IV
(C) केवल I एवं III
(D) I, II, III, IV सभी

19. 76वें गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल कतिपय राज्यों की झाँकियों में प्रदर्शित हस्तकलाओं के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
I. एटीकोप्पका खिलौना कला–आन्ध्र प्रदेश
II. कावी कला–गोवा
III. एपण कला–उत्तराखण्ड
सही कूट है–
(A) केवल I
(B) केवल I एवं II
(C) केवल II एवं III
(D) I, II, III सभी

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. नगोबा जटारा तेलंगाना के गोंड आदिवासियों के मेसराम कबीला का 8 दिवसीय धार्मिक उत्सव है, जो 28 जनवरी, 2025 को प्रारम्भ हुआ.
II. बोडा त्योहार हिमाचल प्रदेश की हट्टी जनजाति का वार्षिकोत्सव है, जो 10 जनवरी, 2025 को सिरमौर जनपद में मनाया गया.
III. कनुमा पाण्डुगा उत्सव दक्षिणी राज्यों में गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक
(B) केवल दो
(C) सभी तीन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

21. महिलाओं की प्रीमियर लीग-2025 निम्नलिखित में से किस टीम ने जीती ?
(A) मुम्बई इण्डियन्स वूमेन
(B) दिल्ली कैपीटल्स वूमेन
(C) गुजरात टाइटन्स वूमेन
(D) यू. पी. वॉरियर्स वूमेन

22. किस राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र की पुलिस ने सभी जनपदों में 'शिष्टाचार' दस्ते लॉन्च किए हैं ?
(A) प. बंगाल पुलिस
(B) पुदुचेरी पुलिस
(C) उत्तर प्रदेश पुलिस
(D) दिल्ली पुलिस

23. PM VIKAS योजना निम्नलिखित में से किस मंत्रालय/विभाग की एक प्रमुख योजना है ?
(A) ग्रामीण विकास मंत्रालय
(B) शिक्षा मंत्रालय
(C) अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय
(D) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

24. निम्नलिखित स्थलों पर विचार कीजिए–
I. मुदुगल मेगा लिपिक मेनहिर (तेलंगाना)
II. मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बुंदेलों के महल-किले
III. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (छत्तीसगढ़)
IV. मौर्य मार्गों (कई राज्यों) के साथ अशोक के शिलालेख
V. कई राज्यों में स्थित चौसठ योगिनी मंदिर
VI. उत्तर भारत में (कई राज्य) स्थित गुप्तकालीन मंदिर
उपर्युक्त में से कितने स्थलों को यूनेस्को के विश्व विरासत केन्द्र द्वारा भारत की

सम्भावित यूनेस्को विरासत सूची में जोड़ा गया है ?
(A) केवल तीन (B) केवल चार
(C) केवल पाँच (D) सभी छह

25. विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेल 2025 के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) 12वें विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों 2025 का आयोजन ट्यूरिन (इटली) में किया गया
(B) इटली ने पहली बार इन खेलों की मेजबानी की
(C) ये खेल 5 वर्ष की लम्बी प्रतीक्षा के बाद सम्पन्न हुए
(D) विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों 2025 में भारतीय खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 18 रजत तथा 7 कांस्य पदक सहित कुल 33 पदक जीते

26. ट्रुथ स्पेशल बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) यह सं. रा. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्वामित्व वाला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है
(B) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी 'ट्रुथ स्पेशल' पर सक्रिय हैं
(C) ट्रुथ स्पेशल सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म का उपयोग मुख्य रूप से सं. रा. अमेरिका की कंजरवेटिव पार्टी तथा डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों द्वारा किया जाता है
(D) ट्रुथ स्पेशल को जनवरी 2025 में लॉन्च किया गया

27. स्पेसएक्स का ड्रैगन अन्तरिक्ष यान 19 मार्च, 2025 को निम्नलिखित में किस अन्तरिक्ष यात्री को अन्तरिक्ष से पृथ्वी पर लेकर आया ?
I. सुनीता विलियम्स
II. बुच बिल्मोर
III. निक हेग
IV. अलेक्जेण्डर गोर बुनोव
सही कूट है—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल I एवं IV
(C) केवल I, II, III
(D) I, II, III, IV सभी

28. स्पेसएक्स के ड्रैगन अन्तरिक्ष यान 19 मार्च, 2025 को अन्तरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और तीन अन्य को पृथ्वी पर लेकर उतरा. इसे पृथ्वी (समुद्र) में सुरक्षित उतारने में कितने पैराशूट का इस्तेमाल किया गया ?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

29. 'वतन को जानो' कार्यक्रम निम्नलिखित में से किस राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र में चलाया जा रहा है ?
(A) जम्मू-कश्मीर
(B) बिहार
(C) तेलंगाना
(D) हरियाणा

30. 15 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
(A) मुख्य चुनाव आयुक्त—ज्ञानेश कुमार
(B) भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर—शक्तिकांत दास
(C) सेबी के अध्यक्ष—तुहिन कान्त पाण्डे
(D) नीति आयोग के सीईओ—बीवीआर सुब्रमण्यम

31. विश्व खुशहाली रिपोर्ट, 2025 के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) विश्व में प्रति वर्ष 20 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय खुशी दिवस मनाया जाता है
(B) संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जुलाई 2012 में भूटान के प्रस्ताव पर सार्वभौमिक लक्ष्यों के रूप में खुशी और कल्याण को मान्यता देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस की मान्यता दी थी
(C) विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2025 में 147 देशों की सूची में भारत की रैंक 118वीं है
(D) विश्व खुशहाली रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी की जाती है

32. विश्व खुशहाली रिपोर्ट तैयार करने और देशों को रैंक प्रदान करने में निम्नलिखित में से किन सूचकों को प्रयुक्त किया जाता है ?
I. प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद
II. सामाजिक सहायता
III. जीवन प्रत्याशा
IV. जीवन की पसन्दों को चुनने की स्वतंत्रता
V. सदाशयता
VI. भ्रष्टाचार के प्रति दृष्टिकोण
सही कूट है—
(A) केवल I, II, III, IV
(B) केवल II, III, IV, V
(C) केवल I, IV, V, VI
(D) I, II, III, IV, V, VI सभी

33. समाचारों की सुर्खियों में रही 'हाइपरलूप परियोजना' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) भारतीय रेल 40 किमी लम्बी हाइपरलूप पटरी बिछा कर उस पर रेलगाड़ी चलाने पर कार्य कर रही है
(B) हाइपरलूप परिवहन का पाँचवाँ माध्यम है, जिसमें तीव्रगामी रेलगाड़ी लगभग निर्वात् सुरंग (Vacume Tube) से गुजरती है
(C) हाइपरलूप के अन्तर्गत 2000 किमी प्रति घण्टा की गति से रेलगाड़ी चलाई जा सकेगी
(D) हाइपरलूप परियोजना पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (चेन्नई) में कार्य चल रहा है

34. एस. शोभा *बनाम* मुथूट फाइनेंस लि. वाद 2025 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए निर्णय के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ एवं निजी कम्पनियाँ रिट क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत नहीं हैं.
II. सर्वोच्च न्यायालय केवल मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट जारी कर सकता है.
III. उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों एवं विधिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट जारी कर सकते हैं.
उपर्युक्त में से सही है—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) I, II, III सभी

35. वर्ष 2025-26 के लिए राज्यों को केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के लिए व्यय में ₹ 91 हजार करोड़ की कटौती किए जाने के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसी केन्द्र प्रायोजित योजना नहीं है ?
(A) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना
(B) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
(C) प्रधानमंत्री आवास योजना
(D) स्वच्छ भारत मिशन

36. समाचारों की सुर्खियों में रहे मखाना के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. मखाना को फॉक्स नट के नाम से भी जाना जाता है, जो काँटेदार वाटर लिली (Euryate Ferox) का सूखा हुआ बीज है.
II. मिथिला मखाना को 2022 में भौगोलिक संकेतांक (GI) टैग प्रदान किया गया.
III. मखाना का 90% उत्पादन बिहार में होता है.

IV. केन्द्रीय बजट 2025-26 में बिहार में मखाना बोर्ड तथा राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र की स्थापना करने का निर्णय लिया है.

सही कूट है–

(A) केवल IV

(B) केवल I एवं II

(C) केवल I, II, III

(D) I, II, III, IV सभी

37. हालिया दिनों में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आईं अमेरिकी अधिकारी तुलसी गवार्ड वर्तमान में किस पद पर तैनात हैं ?

(A) अमेरिकी खुफिया विभाग की निदेशक

(B) केन्द्रीय अन्वेषण एजेन्सी (CIA) की प्रमुख

(C) सं. रा. अमेरिका की विदेश मंत्री

(D) सं. रा. अमेरिका की रक्षा सचिव

38. समाचारों की सुर्खियों में रही 'डीपसीक एआई' किस देश में विकसित हुई है ?

(A) सं. रा. अमेरिका

(B) चीन

(C) फिनलैण्ड

(D) जर्मनी

39. क्रिस्टी कोवेन्ट्री को अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) का नया अध्यक्ष चुना गया है. इस बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?

(A) आईओसी के 131 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी महिला को आईओसी का अध्यक्ष चुना गया है

(B) आईओसी के 131 वर्षों के इतिहास में किसी अफ्रीकी देश के नागरिक को आईओसी का अध्यक्ष चुना गया है

(C) क्रिस्ट्री कोवेन्ट्री जिम्बाब्वे सरकार में खेल मंत्री है

(D) किस्ट्री कोवेन्ट्री जिम्बाब्वे में चार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं.

40. केन्द्रीय बजट 2025-26 के नए प्रावधानों के अनुसार निम्नलिखित में से किस मानक के अनुसार किसी उद्यम को सूक्ष्म उद्यम माना जाएगा ?

I. जिन इकाइयों में मशीनरी तथा प्लाण्ट में ₹ 2·5 करोड़ तक का निवेश हो.

II. जिन इकाइयों का वार्षिक टर्नओवर ₹ 10 करोड़ तक हो.

सही कूट है–

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) 2. (A) 3. (B) 4. (D)

5. (D) नासा ने SPHEREx नामक एक नई अन्तरिक्ष दूरबीन लॉन्च की है. यह मिल्की वे आकाश गंगा में पानी और जीवन बनाने वाले अणुओं की पहचान करेगी, जिन्हें बायोजेनिक अणुओं के रूप में भी जाना जाता है (जैसे कि कार्बन, हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन).

6. (D) SMA शरीर के केन्द्र के पास की मांसपेशियों को प्रभावित करता है.

7. (D) POEM-4 एवियोनिक्स प्रणाली ने भारत में निर्मित 32-विट प्रोसेसर–विक्रम 3201 पर आधारित मिशन प्रबन्धन कम्प्यूटर की भी सम्पुष्टि की जिसमें इसरो द्वारा विकसित कस्टम आर्किटेक्चर के साथ-साथ नेवीगेशन प्रणाली की भी सहायता की.

8. (B) यह 24 फरवरी से 9 मार्च, 2025 तक चला. यह सैन्य अभ्यास भारत-जापान के बीच लगातार सुदृढ़ हो रहे रक्षा सम्बन्धों को प्रतिबिम्बित करता है. इस सैन्य अभ्यास में दोनों देश सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक प्रशिक्षण गतिविधियों में शामिल होते हैं.

9. (B) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 मार्च को मॉरिशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे. इस अवसर पर भारतीय सैन्य टुकड़ी ने समारोह में भाग लिया.

10. (D) भारत ने आईसीसी द्वारा आयोजित 2 एकदिवसीय विश्व कप (1983, 2011); 2 T-20 विश्व कप (2007, 2024); 3 आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी (2002, 2013 एवं 2025) जीत चुका है, लेकिन भारत ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का कोई भी टूर्नामेन्ट नहीं जीता है. 2019-21 टूर्नामेन्ट न्यूजीलैण्ड ने व 2021-23 टूर्नामेन्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीता था.

11. (A) 12वीं खंजर एक्सरसाइज 2025 भारतीय सेना की पैराशूट रेजीमेन्ट की टुकड़ियों तथा किर्गिज स्कॉरपियन ब्रिगेड के बीच एक प्रशिक्षण अभ्यास था जो 10-23 मार्च, 2025 को किर्गिस्तान में सम्पन्न हुआ.

12. (D) डॉल्फिन को स्थानीय स्तर पर हिन्दी के सुसु, सूंस, सोआन्स सूस; बांग्ला में शुशुक; असमिया में हिओ या हिहू तथा नेपाली में भागीरथ, स्हस या स्वांग्सू कहा जाता है. डॉल्फिन सर्वेक्षण 2021 एवं 2023 के बीच किया गया.

13. (A) 14. (C) 15. (D) 16. (C)

17. (A) पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के सशस्त्र अलगाववादियों ने 11 मार्च, 2025 को क्वेटा से पेशावर जा रही जफ्फार एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया.

18. (D) 19. (D) 20. (C)

21. (A) मुम्बई इण्डियन्स ने ब्रेबॉर्न स्टेडियम में 15 मार्च, 2025 को दिल्ली कैपीटल्स को 8 रन से पराजित कर महिलाओं की प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीता.

22. (D) राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास में दिल्ली पुलिस सभी जिलों में छेड़छाड़ विरोधी या शिष्टाचार दस्ते शुरू करने जा रही है जिन्हें संवेदनशील बिन्दुओं पर तैनात किया जाएगा.

23. (C) प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (PM VIKAS) अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की एक फ्लैगशिप योजना है. इसमें पूर्व से चल रही पाँच योजनाओं–'सीखो और कमाओ', 'नई मंजिल', 'नई रोशनी', 'हमारी धरोहर' एवं 'उस्ताद' को मिला दिया गया है. यह योजना 6 अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के उच्चीकरण पर केन्द्रित है (सिख, मुसलमान, बौद्ध, पारसी, जैन तथा ईसाई).

24. (D) किसी देश की किसी सम्पत्ति को भविष्य में विश्व विरासत सूची में शामिल कराने के लिए नामांकित किए जाने हेतु उसे विश्व विरासत केन्द्र की सम्भावित सूची में जोड़ा जाना एक अनिवार्यता है. इन 6 सम्पत्तियों के साथ भारत की सम्भावित सूची में 62 स्थल शामिल हैं. वर्तमान में भारत की 43 सम्पत्तियाँ– 35 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक एवं 1 मिश्रित– यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल हैं.

25. (C) विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल 8-15 मार्च, 2025 तक 8 वर्ष की लम्बी प्रतीक्षा के बाद ट्यूरिन (इटली) में सम्पन्न हुए.

26. (D) ट्रुथ स्पेशल सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म को फरवरी 2022 में उस समय लॉन्च किया गया जब जनवरी 2021 में सं. रा. अमेरिका कैपीटोल दंगों के बाद ट्विटर (अब X) फेसबुक तथा यूट्यूब ने डोनाल्ड ट्रम्प पर प्रतिबन्ध लगा दिया था.

27. (D) स्पेसएक्स का ड्रैगन अन्तरिक्ष यान 19 मार्च, 2025 को अन्तरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच बिल्मोर को 9 महीने अन्तरिक्ष में बिताने के बाद पृथ्वी पर वापस लेकर आया और 19 मार्च, 2025 को शाम 5·57 बजे (भारतीय समयानुसार 3·27 बजे प्रात:) फ्लोरिडा (सं. रा. अमेरिका) के तट पर उतरा. नासा (NASA) के निक हेग और रोस्कोस्मोस के अन्तरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव 17 घण्टे की घर वापसी की यात्रा में उनके साथ थे.

शेष पृष्ठ 176 पर



आर्थिक घटनाचक्र : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वित्त वर्ष 2013-14 एवं 2022-23 के दशक में कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक के किस उप-क्षेत्रक की दशकीय संवृद्धि दर सर्वाधिक रही ?
   (A) फसलोत्पादन
   (B) पशुपालन
   (C) वानिकी एवं लट्ठे बनाना
   (D) मछली पकड़ना एवं मत्स्योत्पादन

2. निम्नलिखित में से किसे भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ?
   (A) तुहिन कान्त पाण्डेय
   (B) शक्तिकान्त दास
   (C) अमरजीत सिंह
   (D) अनन्त नारायन जी

3. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भविष्य निधि (EPF) जमा पर ब्याज दर कितनी निर्धारित की है ?
   (A) 8·0% (B) 8·15%
   (C) 8·25% (D) 8·50%

4. वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसम्बर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर कितनी रही ?
   (A) 4·6% (B) 5·6%
   (C) 6·2% (D) 7·5%

5. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा 28 फरवरी, 2025 को जारी राष्ट्रीय आय के अनुमानों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
   I. वित्त वर्ष 2024-25 के द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 6·5% रहने का अनुमान है.
   II. वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमानों के अनुसार वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 9·2% रही.
   III. वित्त वर्ष 2022-23 में वास्तविक जीडीपी में 7·6% की दर से वृद्धि हुई.
   सही कूट है–
   (A) केवल I
   (B) केवल II एवं III
   (C) केवल I एवं III
   (D) I, II, III सभी

6. वित्त वर्ष 2023-24 के प्रथम संशोधित अनुमानों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से किस क्षेत्रक में विकास दर दो अंकों में नहीं रही है ?
   (A) खनन एवं उत्खनन
   (B) विनिर्माण
   (C) निर्माण
   (D) वित्तीय, स्थावर सम्पदा एवं पेशेवर सेवाएं

7. वित्त वर्ष 2022-23 के अन्तिम अनुमानों में क्षेत्रक विकास दर के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
   I. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं – 12·3%
   II. विद्युत्, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगिता सेवाएं –10·8%
   III. वित्तीय, स्थावर सम्पदा एवं पेशेवर सेवाएं –10·8%
   सही कूट है–
   (A) केवल I एवं II
   (B) केवल I एवं III
   (C) केवल II एवं III
   (D) I, II, III सभी

8. सं. रा. अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्वारा कतिपय देशों से आयातित वस्तुओं पर 10–25% का अतिरिक्त प्रशुल्क लगाए जाने की घोषणा के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   I. यह नव संरक्षणवाद का द्योतक है.
   II. विश्व व्यापार संगठन की बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था सदस्य देशों के बीच प्रशुल्क बढ़ाए जाने का विरोध करती है.
   III. प्रशुल्कों को बढ़ाए जाने का एकमात्र उद्देश्य कर राजस्व में वृद्धि करना होता है.
   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल एक
   (B) केवल दो
   (C) सभी तीन
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. समाचारों की सुर्खियों में रही ओंगोले प्रजाति की गाय/सांड के बारे में निम्न-लिखित में से कौनसा कथन सही है ?
   I. गर्मी सहन करने, बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता और कम चारे पर जीवित रहने में सक्षम ओंगोले नस्ल की गायों–विशेष तौर पर बैल भारत में लोकप्रिय हैं.
   II. ओंगोले प्रजाति के गाय/बैलों की संख्या लगातार कम होती जा रही है.
   III. ब्राजील में गोवंशीय पशुओं की कुल संख्या 225 मिलियन में से लगभग 80% ओंगोले प्रजाति की है.
   IV. ब्राजील में ओंगोले प्रजाति के गोवंशीय पशुओं को मुख्य रूप से माँस उत्पादन के लिए पाला जाता है.
   सही कूट है–
   (A) केवल I एवं II
   (B) केवल III एवं IV
   (C) केवल I, III, IV
   (D) I, II, III, IV सभी

10. संघीय बजट 2025-26 में प्रस्तावित विकास उपाय कतिपय प्रमुख वर्गों से सम्बन्धित 10 वृहत् क्षेत्रों पर केन्द्रित हैं. इन वर्गों में शामिल हैं–
    I. अन्नदाता II. वरिष्ठ नागरिक
    III. बच्चे IV. युवा
    V. गरीब VI. नारी
    VII. किसान
    सही कूट है–
    (A) केवल I, IV, V एवं VI
    (B) केवल I, II, III, IV
    (C) केवल III, IV, V, VI
    (D) केवल IV, V, VI, VII

11. सार्वजनिक क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रमों पर विचार कीजिए–
    I. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
    II. हिन्दुस्तान कॉपर लि.
    III. आई. आर. सी. टी. सी. लि.
    IV. भारतीय रेल वित्त निगम लि.
    उपर्युक्त में से कितनी कम्पनियों को 'नवरत्न' कम्पनी का दर्जा प्रदान किया जा चुका है ?
    (A) केवल दो
    (B) केवल तीन
    (C) सभी चार
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. भारत सरकार कितने देशों के नागरिकों को ई-वीजा सुविधा उपलब्ध करा रही है ?
    (A) 112 देश (B) 159 देश
    (C) 167 देश (D) 175 देश

13. भारतीय नौसेना के किस विध्वंसक पोत ने मॉरिशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया ?
(A) आई. एन. एस. इम्फाल
(B) आई. एन. एस. विशाखापत्तनम
(C) आई. एन. एस. सूरत
(D) आई. एन. एस. मार्मुगाओ

14. समाचारों की सुर्खियों में रहे पद 'MAHASAGAR' के बारे में निम्न-लिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. यह 'Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions' का संक्षिप्त रूप है.
II. इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपनी मॉरिशस यात्रा के दौरान विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा उन्नयन के लिए भारत के विजन के रूप में प्रस्तुत किया गया है.
सही कूट है—
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

15. दिसम्बर, 2024 के अन्त में भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या कितनी थी ?
(A) 1189·92 मिलियन
(B) 1187·15 मिलियन
(C) 1171·67 मिलियन
(D) 1165·23 मिलियन

16. भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कृषकों को कीमतों के जोखिम से बचाने के उद्देश्य से न्यूनतम समर्थन मूल्य देश की कृषि नीति का अनिवार्य अंग रहा है, लेकिन कुछ अनचाहे परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं.
I. फसलों की विविधता कम होना.
II. देश के कुछ भागों में पर्यावरणीय क्षति.
III. खाद्य सब्सिडी के रूप में राजकोष पर बढ़ता बोझ.
IV. अत्यधिक पानी खपत करने वाली फसलों का आवश्यकता से अधिक उत्पादन.
V. भण्डारण की अपर्याप्त व्यवस्था.
उपर्युक्त में से कितनी इस सन्दर्भ में सही हैं ?
(A) केवल दो (B) केवल तीन
(C) केवल चार (D) सभी पाँच

17. हाल ही में जारी कृषि फसलों के द्वितीय अग्रिम अनुमान (2024-25) के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. चावल का कुल उत्पादन 1364·37 लाख टन होने का अनुमान है, लेकिन इसमें जायद का फसल अनुमान शामिल नहीं है.
II. गेहूँ का कुल उत्पादन 1154·3 लाख टन होने का अनुमान है.
III. खाद्यान्न का कुल उत्पादन 3309·18 मिलियन टन होने का अनुमान है, लेकिन इसमें जायद का फसल अनुमान शामिल नहीं है.
सही कूट है—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) I, II, III सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. संघीय बजट 2025-26 में कृषि क्षेत्र के लिए घोषित निम्नलिखित पहलों पर विचार कीजिए—
I. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना
II. दलहन आत्मनिर्भरता मिशन
III. कपास उत्पादकता मिशन
IV. फलोत्पादन मिशन
उपर्युक्त में से सही हैं—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I, II, III
(D) I, II, III, IV सभी

19. केन्द्रीय बैंकिंग लन्दन (यू.के.) द्वारा प्रदत्त 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवॉर्ड 2025' किस देश के केन्द्रीय बैंक ने जीता ?
(A) भारतीय रिजर्व बैंक
(B) सेन्ट्रल बैंक ऑफ द यूएई
(C) बैंक ऑफ जापान
(D) सेन्ट्रल बैंक ऑफ दी रिपब्लिक ऑफ तुर्किये (TCMB)

20. समाचारों की सुर्खियों में रहे प्रवाह (PRAVAAH) पोर्टल के बारे में निम्न-लिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रारम्भ की गई डिजिटल पहल है.
II. यह Platform for Regulatory Application, Validation and Authorisation का संक्षिप्त स्वरूप है.
III. इसे 28 फरवरी, 2025 को लॉन्च किया गया.
IV. यह पोर्टल किसी व्यक्ति या निकाय द्वारा लाइसेंस/विनियामकीय अनुमोदन की केन्द्रीकृत वेब-आधारित प्रक्रिया को सरल बनाता है.
सही कूट है—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं IV
(C) केवल I, II, IV
(D) I, II, III, IV सभी

21. समाचारों की सुर्खियों में रहे सारथी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. सारथी पहल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रारम्भ की गई है.
II. सारथी पहल 12 मार्च, 2025 को लॉन्च की गई.
III. इस पहल के द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक ने आन्तरिक कार्यप्रवाह का डिजिटलीकरण कर दिया है.
IV. इसके अन्तर्गत आरबीआई के कर्मचारी अभिलेखों का सुरक्षित तरीके से रखरखाव करके रिकॉर्ड प्रबन्धन में सुधार ला सकते हैं.
सही कूट है—
(A) केवल I, II, III
(B) केवल I, III, IV
(C) केवल II, III, IV
(D) I, II, III, IV सभी

22. LOLR समाचारों की सुर्खियों में था. इस बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. LOLR अर्थात् 'लेण्डर ऑफ दी लास्ट रिसोर्ट' (अन्तिम उपाय का ऋणदाता).
II. भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों के लिए बैंकर ऑफ बैंक के रूप में अन्तिम ऋणदाता है.
III. ऐसी स्थितियाँ कम ही उत्पन्न होती हैं जब किसी बैंक में वित्तीय गड़बड़ियों के कारण ग्राहकों की चिन्ताओं को दूर करने के लिए रिजर्व बैंक को उन्हें आश्वस्त करना पड़े.
IV. इण्डसइण्ड बैंक में लेखांकन त्रुटियाँ उजागर होने पर इसके शेयरों में 27% तक की गिरावट आने पर आर.बी.आई. को इसके ग्राहकों को बैंकों की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति के लिए आश्वस्त करना पड़े.
सही कूट है—
(A) केवल I
(B) केवल I, II, III
(C) केवल I एवं IV
(D) I, II, III, IV सभी

23. निम्नलिखित में से किस कारण से इण्डसइण्ड बैंक मार्च 2025 में समाचारों की सुर्खियों में रहा ?
(A) व्युत्पन्नक पोर्टफोलियो (Derivatives Portfolio) में विसंगतियाँ उजागर होना
(B) सकल गैर-निष्पादक आस्तियों का अनुपात बढ़ जाना
(C) पूँजी पर्याप्तता अनुपात बासेल-III मानकों से बहुत नीचे आ जाना
(D) ₹ 20,000 करोड़ की वित्तीय धोखा-धड़ी प्रकाश में आना

24. PM-AJAY के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. PM-AJAY प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना का संक्षिप्त रूप है.
II. यह केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है.
III. यह 2021-22 से क्रियान्वित की जा रही है.
सही कूट है–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) I, II, III सभी

25. हालिया दिनों में केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों में पूँजी विनिवेश की नीति के बजाय 'मूल्य सृजन' की नीति पर ध्यान दिया है. इसके लिए निम्नलिखित में से कौनसा उपाय अपनाए जाने को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है ?
I. पूँजीगत व्यय में वृद्धि
II. उच्च लाभांश सृजन
III. अंशशोधित बाजार मन्दन
IV. निजीकरण
सही कूट है–
(A) केवल I, II एवं III
(B) केवल II, III, IV
(C) केवल I, III, IV
(D) I, II, III, IV सभी

26. केन्द्र सरकार ने निम्नलिखित में से किस राज्य में ब्राउन फील्ड अमोनिया-यूरिया परिसर स्थापित करने का निर्णय लिया है ?
(A) असम (B) बिहार
(C) उत्तर प्रदेश (D) महाराष्ट्र

27. बी. बी. सी. द्वारा निम्नलिखित में से किसे वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया ?
(A) हरमनप्रीत कौर
(B) तनिशा क्रैस्टो
(C) मनु भाकर
(D) शीतल देवी

28. निम्नलिखित भारतीयों पर विचार कीजिए–
I. मुकेश अम्बानी
II. सुनील भारती मित्तल
III. विराट कोहली
IV. एन. चन्द्रशेखरन
उपर्युक्त में से किसे ब्रिटिश साम्राज्य के मानद सम्मान नाइटहुड (Most Excellent Order of British Empire) से फरवरी, 2025 में सम्मानित किया गया ?
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं IV
(C) केवल II एवं III
(D) केवल I एवं IV

29. इण्टरनेशनल इण्डियन फिल्म एकेडेमी (IIFA) के वर्ष 2025 पुरस्कारों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
I. सर्वश्रेष्ठ फिल्म–लापता लेडीज
II. सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–किरण राव
III. सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–कार्तिक आर्यन
IV. सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–नितांशी गोयल
सही कूट है–
(A) केवल I, II, III
(B) केवल II, III, IV
(C) केवल I, III, IV
(D) I, II, III, IV सभी

30. मार्च 2025 में माधव राष्ट्रीय उद्यान को बाघ अभयारण्य घोषित किया गया है. यह देश का कौनसा बाघ अभयारण्य है ?
(A) 56वाँ (B) 57वाँ
(C) 58वाँ (D) 59वाँ

31. इकोनॉमिस्ट इण्टेलीजेन्स यूनिट के लोकतन्त्र सूचकांक 2024 में भारत की रैंक कौनसी है ?
(A) 41वीं (B) 64वीं
(C) 101वीं (D) 117वीं

32. भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाली गई राशि वर्ष 2023-24 में लगभग कितनी थी ?
(A) ₹ 59,000 करोड़
(B) ₹ 95,000 करोड़
(C) ₹ 1,70,000 करोड़
(D) ₹ 1,81,000 करोड़

33. विदेश से भारत में भेजे गए धन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में भेजे गए कुल धन में खाड़ी सहयोग परिषद् की हिस्सेदारी लगभग 38% रही.
II. खाड़ी सहयोग परिषद् के सदस्य देशों में सं. अ. अमीरात, सऊदी अरब, कतर, ओमान तथा बहरीन शामिल हैं.
III. भारत को धन-प्रेषण के मामले में विकसित अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी देशों से आगे निकल गई हैं.
सही कूट है–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल I एवं III
(C) I, II, III सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

34. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत को विदेशों से प्राप्त धन में सर्वाधिक हिस्सा किस देश का था ?
(A) सं. अ. अमीरात
(B) सं. रा. अमेरिका
(C) यू. के.
(D) कुवैत

35. सूची-I (भारत में धन भेजने वाले देश) सूची-II (वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में विदेशों से प्राप्त धन में प्रतिशत हिस्सा) का मिलान करके नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प चुनिए–

सूची-I	सूची-II
(a) सं. रा. अमेरिका	1. 27·7%
(b) सं. अ. अमीरात	2. 19·2%
(c) यू. के.	3. 10·8%
(d) सिंगापुर	4. 6·6%

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	1	3	1	2
(C)	1	4	3	2
(D)	1	2	3	4

36. भारत में कोयला उत्पादन एवं आयात के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
(A) कोयला उत्पादन में विश्व में भारत का दूसरा स्थान है
(B) भारत कुकिंग कोल का विश्व में सबसे बड़ा आयातक देश है
(C) वर्ष 2023-24 में भारत में 997·8 मिलियन टन कोयला का उत्पादन हुआ, जो वर्ष 2022-23 के उत्पादन से 11·7% अधिक था
(D) भारत मुख्य रूप से कोयला का आयात रूस से करता है

37. नीति आयोग द्वारा जारी राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (Fiscal Health Index) में निम्नलिखित में से किन सूचकों को प्रयुक्त किया जाता है ?
I. सार्वजनिक व्यय की गुणवत्ता
II. राजस्व संग्रहण
III. राजकोषीय विवेकशीलता
IV. सार्वजनिक ऋण
V. ऋण सम्पोषणीयता
सही कूट है–
(A) केवल I, II, III, IV
(B) केवल II, III, IV, V
(C) केवल III, IV, V
(D) I, II, III, IV, V सभी

38. नीति आयोग द्वारा जारी राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक के सन्दर्भ में सूची-I (राज्य) एवं सूची-II (राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक में राज्य की उपलब्धि का वर्ग) का मिलान कीजिए तथा दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
(a) छत्तीसगढ़	1. लक्ष्य प्राप्तकर्ता (Achiever)
(b) उत्तर प्रदेश	2. अग्रणी राज्य (Front Runner)

(c) राजस्थान 3. प्रदर्शनकर्ता (Performer)

(d) पंजाब 4. प्रेरक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	4	3	1	2
(D)	4	3	2	1

39. नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता के सन्दर्भ में घटते क्रम में राज्यों का कौनसा क्रम सही है ?

(A) गुजरात—राजस्थान—कर्नाटक—महाराष्ट्र

(B) राजस्थान—गुजरात—कर्नाटक—महाराष्ट्र

(C) कर्नाटक—राजस्थान—महाराष्ट्र—गुजरात

(D) महाराष्ट्र—गुजरात—राजस्थान—कर्नाटक

40. अभी हाल ही में किस राज्य सरकार ने 2025-26 का बजट प्रस्तुत करते हुए बजट प्रस्तावों की धनराशि से ₹ लोगो को हटा दिया ?

(A) केरल (B) कर्नाटक

(C) तमिलनाडु (D) तेलंगाना

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) वित्त वर्ष 2013-14 एवं 2022-23 के दशक में दशकीय संवृद्धि दर फसलोत्पादन में 1·9%, पशुपालन में 7·4%, वानिकी एवं लट्ठे बनाने में 3·9% तथा मछली पकड़ने व मत्स्योत्पादन में 8·9% रही.
2. (A) भारत सरकार ने 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक अधिकारी एवं वित्त सचिव रह चुके तुहिन कान्त पाण्डेय को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है. उन्होंने सेबी की निवर्तमान अध्यक्ष माधवी पुरी बुच का स्थान लिया है. ओडिशा कैडर के आईएएस तुहिन कान्त पाण्डेय दीपम (DIPAM) विभाग के सबसे अधिक समय तक सचिव रहे हैं. उन्हीं के कार्यकाल में एयर इण्डिया का निजीकरण हुआ था.
3. (C) 4. (C) 5. (D)
6. (A) वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमानों के अनुसार, खनन एवं उत्खनन क्षेत्र में विकास दर 3·2% रही है, जबकि विनिर्माण क्षेत्रक में 12·3%, निर्माण में 10·4%, वित्तीय, स्थावर सम्पदा एवं पेशेवर सेवाएं क्षेत्र में 10·3% रही है.
7. (D)
8. (B) प्रशुल्क (आयात शुल्क) लगाए जाने का उद्देश्य कर राजस्व में वृद्धि करने से अधिक घरेलू शिशु एवं प्रतिस्पर्धी उद्योगों को संरक्षण प्रदान करना होता है.
9. (D) 10. (A)
11. (A) भारत सरकार द्वारा 3 मार्च, 2025 को रेल मंत्रालय के अधीन संचालित इण्डियन रेलवे कैटरिंग एवं पर्यटन नि. लि. तथा भारतीय रेल वित्त निगम को नवरत्न कम्पनी का दर्जा प्रदान किया गया है. अब ये कम्पनियाँ सरकार से पूर्वानुमति लिए बिना ही ₹ 1,000 करोड़ तक का निवेश कर सकती हैं. इन्हें अब अपेक्षाकृत अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त हो गई है.
12. (C) भारत सरकार वर्तमान में 9 उप-संवर्गों—ई-पर्यटक वीजा, ई-व्यवसाय वीजा, ई-मेडिकल वीजा, ई-मेडिकल अटेन्डेन्ट वीजा, ई-कॉन्फ्रेंस वीजा, ई-आयुष वीजा, ई-आयुष अटेन्डेन्ट वीजा, ई-विद्यार्थी वीजा, ई-विद्यार्थी X वीजा में 167 देशों के नागरिकों को ई-वीजा सुविधा उपलब्ध करा रही है.
13. (A) भारतीय नौसेना के विध्वंसक आई.एन.एस. इम्फाल ने 10 मार्च, 2025 को मॉरिशस की राजधानी पोर्ट लुईस में अपना पहला बन्दरगाह दौरा किया. पोत ने 12 मार्च, 2025 को मॉरिशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया. आई.एन.एस. इम्फाल ने चेम्प्स डे मार्स में राष्ट्रीय दिवस परेड में फ्लाईमास्ट के लिए एक मार्चिंग टुकड़ी, नौसेना बैण्ड और हेलीकॉप्टर उतारा.
14. (C) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11-12 मार्च, 2025 को मॉरिशस की राजकीय यात्रा पर गए थे, जहाँ वे मॉरिशस के राष्ट्रीय दिवस (12 मार्च, 2025) पर मुख्य अतिथि थे. इस अवसर पर दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए समझौतों के दौरान मोदी ने वैश्विक दक्षिण के प्रति भारत के नए विजन को MAHASAGAR के रूप में प्रस्तुत किया.
15. (A) 16. (D) 17. (C) 18. (C)
19. (C) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रारम्भ की गई अभिनव डिजिटल पहलों—प्रवाह तथा सारथी के लिए सेन्ट्रल बैंकिंग लन्दन (यू. के.) द्वारा डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया.
20. (C) प्रवाह पोर्टल 28 मई, 2024 को लॉन्च किया गया था.
21. (B) सारथी पहल जनवरी 2023 में प्रारम्भ की गई थी.
22. (D)
23. (A) इण्डसइण्ड बैंक द्वारा अपनी आस्तियों और देयताओं की पुनरीक्षा में व्युत्पन्नक पोर्टफोलियो में अनेक विसंगतियाँ पता चलने पर लगभग ₹ 1500-2000 करोड़ की हानि का अनुमान लगाया गया जिससे बैंक की नेटवर्थ में 2·5% की गिरावट आई तथा उसका शेयर 27% तक नीचे गिर गया.
24. (C) PM-AJAY केन्द्र प्रायोजित योजना है.
25. (D)
26. (A) केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने नामरूप (असम) में यूरिया का 12·7 लाख टन वार्षिक उत्पादन क्षमता का एक नवीन ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया परिसर पहले से विकसित ब्रह्मपुत्र घाटी फर्टिलाइजर निगम लि. के परिसर में स्थापित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है.
27. (C) पेरिस ओलम्पिक 2024 में निशानेबाजी में 2 कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को बी.बी.सी. ने वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी का पुरस्कार फरवरी 2025 में प्रदान किया.
28. (B) भारत व ब्रिटेन के व्यापारिक सम्बन्धों में उत्कृष्ट योगदान एवं सेवाओं के लिए टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन एवं भारती एण्टरप्राइजेज के प्रमुख सुनील भारती मित्तल को ब्रिटिश साम्राज्य की मानद नाइटहुड (Most Excellent Order of British Empire) से फरवरी 2025 में सम्मानित किया गया.
29. (D)
30. (C) मध्य प्रदेश में शिवपुरी स्थित माधव राष्ट्रीय पार्क को देश का 58वाँ बाघ अभयारण्य अधिसूचित किया गया है.
31. (A) 32. (C) 33. (C)
34. (B) 2023-24 में भारत भेजे गए कुल धन में सबसे अधिक 27·7% हिस्सेदारी सं. रा. अमेरिका की रही है, जबकि वर्ष 2020-21 में उसका हिस्सा 23·4% था.
35. (D)
36. (D) भारत मुख्य रूप से कोयला का आयात इण्डोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया से करता है.
37. (D) 38. (A)
39. (B) वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा की सर्वाधिक स्थापित क्षमता राजस्थान (33468 मेगावाट) है उसके बाद गुजरात (32924 मेगावाट), कर्नाटक (23074 मेगावाट) तथा महाराष्ट्र (21584 मेगावाट) का स्थान है.
40. (C)



कि मुगल बादशाह अकबर ने अपने शासन काल में कैसी धार्मिक नीति का अनुसरण किया था ?

- अकबर (15 अक्टूबर, 1542–27 अक्टूबर 1605) तैमूरी वंशावली के मुगल वंश का तीसरा शासक था. मुगल शासकों में अकबर को सबसे महान शासक माना जाता है. उसकी महानता का एक महत्वपूर्ण कारण उसके द्वारा अपनाई गई एक उदार एवं लोकप्रिय धार्मिक नीति भी है.
- इस सन्दर्भ में अकबर ने भारतीय शासकों की परम्परा का निर्वाह किया.
- गौरतलब है कि अकबर का दीन-ए-इलाही काफी हद तक अशोक के 'धम्म', कनिष्क की धार्मिक सहिष्णुता, समुद्रगुप्त का पुराण पकीती तथा शिवाजी के हिन्दू पद-पदशाही से मिलता-जुलता है.
- अकबर की यह धार्मिक उदारता कुछ अंशों में उसे विरासत के रूप में मिली थी. कुछ अंशों में तत्कालीन परिस्थितियों का भी इसमें सहयोग था और कुछ अंश में उसका व्यक्तित्व भी इसका महत्वपूर्ण कारण था.
- अकबर का जन्म एवं पालन-पोषण अपेक्षाकृत अधिक उदारतापूर्ण वातावरण में हुआ था. उसके पिता सुन्नी तथा माता शिया थी. दूसरा अकबर का जन्म उसके पिता हुमायूँ के निर्वासन जीवन के दौरान अमरकोट में एक राजपूत राजा के यहाँ हुआ था.
- अकबर का शिक्षक अब्दुल लतीफ अपनी धार्मिक उदारता के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध था. उसने अकबर को शांति का पाठ पढ़ाया जिस पर अकबर ने पूर्ण अमल किया.
- 16वीं शताब्दी धार्मिक नवजागरण का युग था. यह युग कबीर, नानक, चैतन्य, चिश्ती आदि से भिन्न नहीं था, सिवाय इसके कि अकबर ने राजमुकुट पहना था. उसके व्यक्तित्व में भी कुछ ऐसी विषेशताएँ थी, जिन्होंने उसकी धार्मिक उदारता की नीति को संवारा.
- धार्मिक कट्टरता एवं धर्मान्धता उसके स्वभाव में नहीं था. अपने प्रारम्भिक जीवन से ही उसने विभिन्न विचारों, भिन्न-भिन्न विश्वासों एवं अनुष्ठानों को ग्रहण करना प्रारम्भ कर दिया था.
- बैरम खाँ के संरक्षण से मुक्त होने के बाद अकबर ने साधु-सन्तों तथा फकीरों से व्यक्तिगत सम्पर्क बढ़ाया. मध्य एशिया, फारस तथा भारत के लोगों के बीच यह आम बात थी.
- अकबर की धार्मिक उदारता की प्रथम चिंगारी उस समय विकीर्ण हुई, जब उसकी अवस्था मात्र 20 वर्ष की थी. 1562 ई. में उसने दास प्रथा को समाप्त किया.
- 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 ई. में धार्मिक जजिया कर (गैर-मुसलमानों से प्राप्त) की समाप्ति की.
- उक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि अकबर दूसरे मुसलमान शासकों से भिन्न था चूँकि वह निःसंकोच सशक्त निर्णय लिया करता था. 1562 ई. में बैरम खाँ एवं हरम से मुक्ति के पश्चात् वह पूर्ण रूप से निर्णय लेने में स्वतंत्र हो गया. उसने जीवन एवं मृत्यु जैसे गम्भीर विषयों पर चिन्तन करना आरम्भ किया.

कि जनगणना कस्बे (Census Towns) किसे कहा जाता है ?

- जनगणना कस्बे ऐसे क्षेत्र होते हैं, जिन्हें राज्य सरकारें एक कस्बे के रूप में परिभाषित नहीं करती हैं. हालाँकि, ये शहरी विशेषताओं से युक्त होते हैं.
- इन कस्बों के वर्गीकरण में अस्पष्टता मौजूद होने के कारण ये न तो शहरी योजनाओं का और न ही ग्रामीण योजनाओं का लाभ प्राप्त कर पाते हैं.

जनगणना कस्बों को परिभाषित करने के लिए 3 शर्तें हैं–

- इनकी जनसंख्या 4,000 या इससे अधिक होनी चाहिए.
- इनका जनसंख्या घनत्व कम-से-कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी होना चाहिए.
- 75 प्रतिशत से अधिक पुरुष गैर-कृषि कार्यबल का हिस्सा होने चाहिए.

कि हेट स्पीच एक घृणा बढ़ाने वाला वक्तव्य होता है ?

- हेट स्पीच को भारत के किसी भी कानून के तहत् विशेष रूप से परिभाषित नहीं किया गया है. यह सामान्यतः एक ऐसा वक्तव्य होता है, जो किसी विशेष व्यक्ति या समूह अथवा सम्प्रदाय के खिलाफ घृणा या हिंसा को बढ़ावा देता है.
- विधि आयोग (267वीं रिपोर्ट) द्वारा इसे नस्ल, जातीयता, लिंग, यौन अभिविन्यास, धर्म आदि पर आधारित समूहों के विरुद्ध घृणा भड़काने के रूप में परिभाषित किया गया है.
- यह वक्तव्य ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से प्रसारित किया जा सकता है, जिससे इसका प्रभाव और बढ़ सकता है.

हेट स्पीच से सम्बन्धित कानून

- **संवैधानिक प्रावधान**–संविधान का अनुच्छेद 19(2) सभी नागरिकों को वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है. हालाँकि, इस अधिकार पर अन्य बातों के साथ-साथ 'लोक व्यवस्था, सदाचार या नैतिकता' के संरक्षण हेतु 'युक्तियुक्त प्रतिबंध' लगाए गए हैं.
- **भारतीय न्याय संहिता, 2023**–धारा 196 में सार्वजनिक शांति को भंग करने या विभिन्न समूहों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुँचाने वाले कार्य दण्डनीय हैं. इसके तहत् धर्म, जाति, समुदाय, भाषा या अन्य आधार पर वैमनस्य बढ़ाने के लिए 3 वर्ष तक का कारावास और/या जुर्माना. पूजा स्थलों या धार्मिक समारोहों में अपराध करने पर 5 वर्ष तक का कारावास और जुर्माना.
- **धारा 197**–किसी समूह पर यह आरोप लगाना कि वे भारतीय संविधान में सच्ची आस्था नहीं रखते या भारत की सम्प्रभुता को नहीं मानते, 3 वर्ष तक का कारावास और/या जुर्माना. ऐसे बयान या विषय-वस्तु प्रकाशित करना जो किसी समूह को नागरिकता के अधिकारों से वंचित करने या वैमनस्य बढ़ाने का सुझाव देते हैं, निषिद्ध हैं. पूजा स्थलों या धार्मिक समारोहों में किए गए अपराधों पर 5 वर्ष तक का कारावास और जुर्माना.
- **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951**–इस अधिनियम की धारा-8 ऐसे व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करती है, जो वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के दुरुपयोग का दोषी पाया गया हो.
- धारा 123 (3A) और धारा 125 निर्वाचन के सम्बन्ध में धर्म, मूल वंश, जाति, समुदाय या भाषा के आधार पर शत्रुता फैलाने वाली गतिविधियों को एक भ्रष्ट चुनावी आचरण मानती है. साथ ही, इन गतिविधियों को प्रतिबन्धित भी करती है.
- **नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955**–धारा-7 के तहत् कहे गए या लिखे गए शब्दों के माध्यम से या संकेतों या तस्वीरों द्वारा या अन्यथा अस्पृश्यता को उकसाने और उसे बढ़ावा देने के विरुद्ध दण्ड का प्रावधान करती है.



प्रश्न–भारत में नगर निगमों के बारे में चर्चा करते हुए इसकी पृष्ठभूमि, अधिनियमित प्रावधान व संरचना का उल्लेख कीजिए.

उत्तर–नगर निगम, भारत में शहरी स्थानीय सरकार का एक रूप है, जो 10 लाख से अधिक आबादी वाले महानगरों के विकास के लिए कार्य करता है. इन्हें महानगर पालिका, नगर पालिका, नगर निगम, नगर निगम परिषद् आदि भी कहा जाता है.

- **पृष्ठभूमि**–भारत में पहला नगर निगम वर्ष 1688 में मद्रास में स्थापित किया गया था.
- तत्पश्चात् 1726 में बॉम्बे और कलकत्ता में इसी तरह के नगर निगमों की स्थापना की गई थी.
- उल्लेखनीय है कि भारत के वायसराय लॉर्ड रिपन (1880-84) ने नगर निगमों में निर्वाचन की शुरुआत की थी. इसलिए इन्हे 'भारत में स्थानीय स्वशासन' के जनक के रूप में जाना जाता है.
- **अधिनियमित प्रावधान**–स्वतंत्रता पश्चात् शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को एक सामान्य ढाँचा प्रदान करने और स्व-शासन की प्रभावी इकाइयों के रूप में कार्य करने के लिए 74वें संशोधन अधिनियम, 1992 को अधिनियमित किया गया था.
- इस अधिनियम के माध्यम से संविधान में भाग IX-A जोड़ा गया, जो नगर निगमों और नगर पालिकाओं के प्रशासन से सम्बन्धित है. इनके राजस्व के स्रोतों में सम्पत्ति कर, जल कर, पेशेवर कर, ड्रेनेज टैक्स आदि और राज्य सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान आदि शामिल हैं.
- **संरचना**–नगर निगम के सदस्य जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं. इन सदस्यों को पार्षद के रूप में जाना जाता है.
- नगर निगमों के निर्वाचन राज्य निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन, निर्देशन, अधीक्षण और नियंत्रण में आयोजित किए जाते हैं.
- राज्यों में नगर निगमों की स्थापना सम्बन्धित राज्य विधान सभाओं के अधिनियमों द्वारा और संघ राज्य क्षेत्रों में भारत की संसद के अधिनियमों द्वारा की जाती है.

प्रश्न–सल्तनत काल में कर प्रणाली के तहत् 'खराज' से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर–खराज भू-राजस्व होता था, जोकि सल्तनत काल में भारत जैसे कृषि प्रधान देश में राज्य की आय का मुख्य साधन होता था.

- आमतौर पर यह कर उपज का एक-तिहाई भाग होता था, किन्तु अलाउद्दीन खिलजी ने इसे बढ़ाकर उपज का आधा अर्थात् 1/2 कर दिया था.
- खराज का निर्धारण सामान्यतः अनुमान पर आधारित था, किन्तु अलाउद्दीन खिलजी और सिकंदर लोदी जैसे सुल्तानों ने भूमि की नाप-जोख किए जाने के पश्चात् कर-निर्धारण की व्यवस्था की थी. मुसलमान कृषकों से अपेक्षाकृत भू-राजस्व कम लिया जाता था और यह 'उर्स' कहलाता था. यह सामान्यतः उपज का 10% होता था.
- खालसा भूमि सुल्तान की निजी सम्पत्ति होती थी और इससे प्राप्त भू-राजस्व, सुल्तान के निजी खजाने में जाता था.
- अधीनस्थ शासक एक निश्चित राशि सुल्तान को देते थे और फिर उन्हें अपनी प्रजा से प्राप्त शेष भू-राजस्व अपने पास रखने का अधिकार था.
- विद्वानों तथा अन्य व्यक्तियों को इनाम में दी गई भूमि पर किसी प्रकार का कोई कर नहीं लगाया जाता था.

प्रश्न–पुनर्चक्रण (Recycling) व उसके प्रकारों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए.

उत्तर–पुनर्चक्रण प्रक्रिया में अपशिष्टों को एकत्रित कर उन्हें उपयोगी पदार्थों में बदला जाता है, ताकि उन्हें फिर से बेचा जा सके या पुनः प्रयोग में लाया जा सके.

पुनर्चक्रण के प्रकार

- **प्राथमिक पुनर्चक्रण (Primary recycling)**–इसमें अपशिष्टों को उसी प्रकार के नए पदार्थों में बदला जाता है जैसे पुराने एल्युमिनियम को नए में बदलना, पुराने प्लास्टिक लिफाफों को कचरा एकत्रण करने वाले नए लिफाफों एवं पुराने अखबारों को नई अखबार सामग्री या कागज की थैलियाँ बनाकर सामग्री भरने हेतु उपयोग करना आदि.
- **द्वितीयक पुनर्चक्रण (Secondary recycling)**–इसमें अपशिष्टों को काट-छाँट कर अन्य प्रकार के पदार्थों में बदला जाता है, जैसे–कागज की लुग्दी द्वारा गत्ते या बोर्ड का निर्माण, रद्दी अखबार को सेलुलोज इन्सुलेशन में, पुराने टायरों को काट-छाँट कर सड़क की ऊपरी तह की निर्माण साम्रगी आदि में बदलना.

प्रश्न–केन्द्रीय सूचना आयोग (CIC) के सम्बन्ध में उल्लेख कीजिए.

उत्तर–केन्द्रीय सूचना आयोग का गठन RTI अधिनियम, 2005 के तहत् वर्ष 2005 में किया गया था. सभी केन्द्रीय लोक अधिकारी इसके अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत जाते हैं.

- यह एक सांविधिक निकाय है.
- केन्द्रीय सूचना आयोग में 1 मुख्य सूचना आयुक्त और अधिकतम 10 सूचना आयुक्त होते हैं.
- इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसमें शामिल होते हैं–अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री; लोक सभा में विपक्ष के नेता; प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केन्द्रीय मंत्री.
- इनका कार्यकाल 3 वर्ष या अधिकतम 15 वर्ष तक ही हो सकता है.
- CIC पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होता है.
- **कार्य**–समन जारी करने, दस्तावेजों के प्रकटीकरण आदि के सम्बन्ध सिविल न्यायालय के समान शक्तियाँ.
- इसे RTI, 2006 के तहत् किसी व्यक्ति द्वारा माँगी गई सूचना से सम्बन्धित शिकायतों की जाँच करने का अधिकार प्रदान किया गया है.

प्रश्न–सतत् विकास (Sustainable Development) से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर–पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग (World Commission on Environment and Development) अथवा ब्रुन्डलैण्ड आयोग की परिभाषा के अनुसार "सतत् विकास एक ऐसा विकास है जिससे न केवल वर्तमान की आवश्यकताएँ पूरी होती हैं वरन् आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताओं की पूर्ति की क्षमता भी बनी रहती है."

- इस परिभाषा से दो महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट हैं–पहला, प्राकृतिक संसाधन वर्तमान पीढ़ी के जीविकोपार्जन के साथ-साथ भविष्य की पीढ़ियों के जीविकोपार्जन के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है. दूसरा, वर्तमान समय में किसी भी विकास सम्बन्धी कार्यक्रम को करते समय भविष्य में होने वाले परिणामों का ध्यान रखा जाना चाहिए.
- तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या व प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन गैर-सतत् विकास के प्रमुख कारण है. विकासशील देशों में मानव जनसंख्या के लिए प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग भोजन, लकड़ी व आवास की आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाता है.

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

सफलता : भाग्य और कर्म का संगम

—जितेन्द्र कुमार सिंह रावत

मानव को ईश्वर की सर्वोत्तम कृति कहा जाता है. चौरासी लाख योनियों में एक मानव ही ऐसा है जिसने न केवल प्राकृतिक संसाधनों का भरपूर उपयोग किया, बल्कि नई-नई खोजों एवं अनुसंधानों के माध्यम से अपने जीवन को सरल एवं सुगम बनाने का मार्ग भी प्रशस्त किया है. मानव ने समय-समय पर अन्य प्राणियों पर अपनी श्रेष्ठता का परिचय देते हुए इस संसार में स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध किया है.

इस सम्पूर्ण सृष्टि में मानव के सर्वोत्तम होने के बावजूद प्रायः मानव को 'भाग्यवादी' के रूप में देखा जाता है. इस संसार में एक आम धारणा है कि मनुष्य को अपने भाग्य से अधिक और समय से पूर्व कभी कुछ नहीं मिलता. यही कारण है कि हम में से अधिकांश व्यक्ति स्वयं को 'भाग्य' के अधीन मानकर 'कर्म' के मार्ग से विचलित हो जाते हैं, किन्तु यह स्थिति मानव के लिए अनुकूल नहीं कही जा सकती, क्योंकि मानव जीवन का तो दूसरा नाम ही 'कर्मशील' होना है. ऐसे में केवल 'भाग्य' पर हाथ धरे बैठे रहना मानव के लिए कदापि उचित नहीं कहा जा सकता.

वास्तव में 'भाग्य' और 'कर्म' का किसी विशेष वर्ग, जाति, भाषा और लिंग से नहीं, बल्कि चराचर प्राणी-जगत् से सम्बन्ध है. मनुष्य जैसे ही पंचतत्वों से बने इस शरीर को लेकर 'माँ' के गर्भ से बाहर निकलता है, उसका 'कर्म' आरम्भ हो जाता है. यह कार्य तब तक चलता रहता है, जब तक इस धरती पर वह अंतिम श्वांस लेता है. इसलिए मानव जीवन को 'कर्मक्षेत्र' कहा जाता है. मानव की जीवंतता उसके चलते रहने में, उसके 'कर्मशील' बने रहने में ही है. इसीलिए जीवन की तुलना गाड़ी से की जाती है. इस 'कर्मक्षेत्र' में 'कर्म' के फल से ही जीवन में सुख-दुःख आते हैं. 'कर्म' का फल यदि सुखद हो तो सुख की अनुभूति होती है, दुःखद एवं निराशाजनक हो तो दुःख की अनुभूति होती है, लेकिन हम सबके जीवन में अक्सर ऐसा भी होता है, जब 'कर्म' अच्छा किया हो और उसका परिणाम या फल वैसा न मिला हो. 'कर्म' के अनुकूल फल न मिलने और उसके अधिक या कम मिलने पर दोनों ही स्थितियों में हम 'भाग्य' का नाम लेते हैं. इसलिए 'कर्मफल' और 'भाग्य' दोनों ही ऐसे विषय हैं, जिनके बारे में जानने के लिए हर व्यक्ति सदा आतुर रहता है.

भाग्य वह घटना और विश्वास है जो असम्भव घटनाओं के अनुभव को परिभाषित करता है, विशेषकर असम्भव रूप से 'सकारात्मक' या 'नकारात्मक' घटनाओं को. वस्तुतः भाग्य एक व्यक्तिगत आकस्मिक घटना को समझाने का तरीका है. भाग्य के तीन पहलू हैं—

1. भाग्य अच्छा या बुरा होता है,

2. भाग्य संयोग से होता है और

3. भाग्य किसी व्यक्ति या लोगों के समूह पर लागू होता है.

हिन्दू धर्म के अनुसार, हर जीवित प्राणी में एक आत्मा होती है और 'भगवद् गीता' के अनुसार—"यह आत्मा कभी मरती नहीं है तथा पुनर्जन्म लेती है." एक जन्म में रहते हुए, आत्मा अच्छे या बुरे कर्मों में लिप्त रहती है. अगले जन्म में आत्मा का पुनर्जन्म उसके पिछले जन्म के कर्मों की गुणवत्ता और भार से निर्धारित होता है. यह कथन स्पष्ट करता है कि मानव जाति में पुनर्जन्म भी 'भाग्य' की बात है. यह उसके पिछले जन्मों के संचित कर्मों पर निर्भर करता है. गीता हमें बताती है कि भाग्य की बेहतरी के लिए प्रयास आवश्यक है. कई लोग कहते हैं कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है, और 'गीता' के श्लोक भी निरन्तर प्रयास करने का सन्देश देते हैं.

महाभारत में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं—'भाग्य' और 'मानव प्रयास' एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं. उच्च विचार वाले अच्छे और महान कार्य करते हैं."

यही सन्देश 'रॉवर्ट कोलियर' के इस उद्धरण में परिलक्षित होता है—"हम सभी की नियति बुरी अथवा अच्छी किस्मत वाली है. जो आदमी बुरी किस्मत के बावजूद भी डटा रहता है और आगे बढ़ता रहता है, केवल वही आदमी अच्छी किस्मत आने पर मौजूद रहता है और उसे प्राप्त करने के लिए तैयार रहता है."

नियति के प्रति दो दृष्टिकोण हैं—"एक भाग्यवादी जो मानता है कि सब कुछ 'भाग्य' और 'किस्मत' पर निर्भर है. यह एक चुनौतीपूर्ण तरीका है, क्योंकि यह आपको अपने सपनों पर काम करने के लिए बहुत कम नियंत्रण और प्रेरणा देता है.

दूसरा पक्ष वह है, जो अपने पास मौजूद हर चीज के साथ अपने लक्ष्य का पीछा करता है. इस उद्धरण में "भाग्य पसंद का मामला नहीं है, यह सब उस चीज के लिए लड़ने के बारे में है जिस पर हम वास्तव में विश्वास करते हैं ताकि हम अपनी दृष्टि को प्राप्त कर सकें."

'किस्मत' या 'भाग्य' का प्रयोग यह बताने के लिए किया जाता है कि किसी घटना के घटित होने का अवसर बन रहा हैं. कई बार 'संयोग' का उपयोग विशेष रूप से 'सकारात्मक' या 'इच्छित' घटना या किसी प्रकार के 'लाभ' को प्राप्त करने के लिए किया जाता है. मुख्य प्रश्न यह है कि क्या सब कुछ 'संयोग' अथवा 'भाग्य' से ही घटित होता है? यदि ऐसा होता है, तो कोई किसी के 'भाग्यशाली' या 'अभाग्यशाली' होने की बात कर सकता है, परन्तु यदि सब 'संयोग' से घटित नहीं होता, तो उन शब्दों का उपयोग करना अनुचित है.

ऐसा माना जाता है कि 'भाग्य'—'ईश्वर' द्वारा निर्धारित होता है और जिसके 'भाग्य' में जो लिखा होता है, वही होता है. वास्तव में, अगर हम इसी अर्थ में भाग्य को मान लें तो फिर 'कर्म' और 'प्रतिफल' की पूरी व्यवस्था ही बाधित हो जाएगी. अगर हर व्यक्ति के साथ वही होता है, जो उसके भाग्य में है, तो फिर उसका अपना अधिकार, उसके होने का अर्थ ही समाप्त हो जाएगा, और वह कठपुतली की भाँति हो जाएगा.

जीवन में कुछ बातें या घटनाएँ संयोगवस हो सकती हैं, लेकिन आप अगर इस इंतजार में रहेंगे कि सब कुछ अपने आप ही हासिल होगा, तो शायद आप जिन्दगी भर इन्तजार ही करते रह जाएंगे, क्योंकि 'संयोग' हमेशा तो हो नहीं सकता. जब तक आप किसी संयोग का इंतजार करते रहेंगे, आप व्यग्र रहेंगे, लेकिन जब आप पक्के इरादे के साथ अपनी क्षमताओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए अपनी मंजिल की तरफ बढ़ेंगे, तब यह बात मायने नहीं रखती कि क्या हुआ—क्या नहीं हुआ. आपके साथ जो भी होगा, कम-से-कम वह आपके वश में होगा और जो भी नतीजा मिलेगा वह अपने कर्मों का फल होगा. इससे आप सुकून का जीवन जी पाएंगे.

लक्ष्य के प्रति समर्पित इंसान के लिए विफलता जैसी कोई चीज नहीं होती. अगर एक दिन में आप सौ बार गिरते हैं, तो इसका मतलब हुआ कि आपको सौ सबक मिल गए. अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाएं, तो आपका दिमाग भी उसी तरह

सुनियोजित हो जाएगा. जब आपका दिमाग सुनियोजित रहेगा तो आपकी भावनाएँ भी उसी अनुसार रहेगी, क्योंकि जैसी आपकी सोच होगी, वैसी ही आपकी भावनाएँ होंगी...!

एक बार जब आपकी 'सोच' और 'भावनाएँ' सुनियोजित हो जाएंगी आपकी ऊर्जा की दिशा भी वही होगी और फिर आपका शरीर भी एक लय में आ जाएगा. जब यह चारों एक ही दिशा में बढ़ें तो लक्ष्य हासिल करने की आपकी क्षमता गजब की होगी. आप अपने भाग्य के रचयिता स्वयं होंगे.

जो लोग 'भाग्य' पर निर्भर रहते हैं वे हमेशा सितारों, ग्रहों, स्थानों, भाग्यशाली जूते, भाग्यशाली साबुन, भाग्यशाली नम्बर, सभी प्रकार की चीजों की तलाश में रहते हैं. प्रतीक्षा करने की इस प्रक्रिया में, सरलता से प्राप्त हो जाने वाली वस्तुओं और सुख-सुविधाओं आदि से भी ऐसे लोग पूर्ण रूप से दूर हो जाते हैं और इसके लिए भी अपने भाग्य को ही दोष देते हैं.

जब आप 'संयोग' से जीते हैं, तो आप भय और चिंता में जीते हैं. जब आप इरादे और क्षमता से जीते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या हो रहा है, और क्या नहीं. कम से कम आपके साथ जो हो रहा है उस पर आपका नियंत्रण है. यह अधिक स्थिर जीवन है.

इस सन्दर्भ में यह भी विचारणीय तथ्य है कि यदि हमारे पूर्वज भी संयोग के नाम पर ही अपना जीवन व्यतीत करते तो आज हम इतना सुविधाजनक जीवन नहीं जी पाते. जरा सोचिए कि कहाँ भोजन, वस्त्र तथा आश्रय आदि की खोज में भटकता आदिमानव और कहाँ आज हर सुख-सुविधाओं से सम्पन्न आधुनिक मानव! विकास की यह दौड़ किसी 'भाग्य' या संयोग' के भरोसे बैठकर नहीं बल्कि अपने 'कर्म' के आधार पर ही जीती गई है. इस संसार में बिना कर्म किए तो पशु-पक्षी को भी कुछ नहीं मिलता तो फिर मानव किस आधार पर सब कुछ पाने की कल्पना कर सकता है ? वास्तव में सत्य तो यही है कि बिना प्रयास के 'भाग्य' का कोई महत्व नहीं है. यदि हम केवल भाग्य के भरोसे ही बैठे रहें तो जीवन में कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकते, किन्तु यदि 'कर्मशीलता' और 'परिश्रम' का मार्ग चुनते हुए एकाग्रचित्त होकर प्रसन्न मन से हर कार्य करते हैं तो हमारी सफलता सुनिश्चित हो जाती है और दुर्भाग्य भी 'सौभाग्य' में बदलते देर नहीं लगती. इस प्रकार 'भाग्य' भी हमारे 'चयन' या 'चुनाव' पर निर्भर करता है.

कहा भी गया है–

"उद्यमेन हि सिध्यंति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुख मृगाः॥"

अर्थात् सोते हुए सिंह के मुख में मृग स्वयं प्रवेश नहीं करते, उसी प्रकार केवल इच्छा करने से सफलता प्राप्त नहीं होती, अर्थात् अपने कार्य को सिद्ध करने के लिए परिश्रम करना ही पड़ता है.

कहने का तात्पर्य यही है कि 'भाग्य' के नाम पर बैठे रहने से कुछ भी नहीं मिलता, इस हेतु प्रयास करना अनिवार्य है.

'तकदीर' और 'तस्वीर' दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं. इतिहास में ऐसी अनगिनत कथाएँ हैं जिनमें अपने पुरुषार्थ के बल पर विभिन्न व्यक्तियों ने असाध्य को भी 'साध्य' करके दिखाया. महात्मा गाँधी ने अपने 'सत्य' और 'अहिंसा' के बल पर अंग्रेजी दासता से मुक्ति का सूत्रपात किया. लिंकन ने अपने पुरुषार्थ के बल पर ही युद्ध पर विजय प्राप्त की थी. ये चमत्कार मनुष्य के पुरुषार्थ का ही परिणाम थे. उसने साहसिक कार्यों से इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित कराया है.

'भाग्य' और 'पुरुषार्थ' एक-दूसरे के पूरक हैं. पुरुषार्थी या कर्मवीर व्यक्तियों द्वारा जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों को सहजता से स्वीकार किया जाता है. कठिन से भी कठिन परिस्थितियों में भी वे विचलित नहीं होते. संघर्ष में वे निरन्तर विजय की ओर अग्रसर होते हैं और जीवन में सफलता हासिल कर बुलंदियों तक पहुँचते हैं.

'गीता' में श्रीकृष्ण कहते हैं–''कर्मण्ये-वाधिका रस्ते मा फलेषुकदाचनः'' 'कर्म' का मार्ग 'पुरुषार्थ' का मार्ग है. गम्भीरता के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अडिग अस्तित्व ही पुरुषार्थ का वास्तविक अर्थ है. पुरुषार्थी व्यक्ति ही जीवन में यश अर्जित करते हैं. वह स्वयं को ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, समाज और देश को भी गौरवान्वित करते हैं.

स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा है– ''अपने विचारों पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वे तुम्हारे कर्म बन जाएंगे और अपने कर्मों पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वे तुम्हारा भाग्य बन जाएंगे.'' स्पष्ट है कि 'कर्म' ही व्यक्ति के 'भाग्य' और 'जीवन' का निर्माण करते हैं.

अगर हम विश्व के प्रमुख देशों का इतिहास जानने की कोशिश करें, तो हम देखते हैं कि वहाँ के नागरिक अधिक स्वावलम्बी हैं. वे भाग्य पर नहीं बल्कि 'पुरुषार्थ' पर विश्वास रखते हैं. जापान भौगोलिक दृष्टि से बहुत ही छोटा देश है, लेकिन विकास की राह पर वह अन्य देशों से कहीं आगे है, क्योंकि उसके नागरिक अत्यन्त कर्मशील और परिश्रमी हैं. जापान के स्थान पर यदि दुनिया का कोई अन्य देश होता तो वह परमाणु बम गिरने की विभीषिका के बाद इतनी प्रगति नहीं कर पाता, लेकिन उसने 'भाग्यवाद' को स्वीकार न करते हुए 'कर्म' और 'परिश्रम' के मार्ग का चयन किया और अपने 'भाग्य' को बदल कर एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया. इसी प्रकार संसार में अनेक ऐसे उदाहरण देखने को मिल जाएंगे जहाँ व्यक्तियों ने शारीरिक, आर्थिक, मानसिक अथवा सामाजिक समस्याओं के बावजूद 'भाग्य' के भरोसे न बैठकर निरन्तर प्रयास किया और सफलता की नई इबारत लिख दी.

विलियम जैनिंग्स ब्रायन ने सही कहा है–''सफलता 'भाग्य' और 'कर्म' दोनों का संगम है. दोनों ही एक-दूसरे के पर्याय हैं. दोनों के संगम से ही जो तत्व निकल कर आएगा उसी का नाम 'सफलता' है.''

●●●

शेष पृष्ठ 100 का

है. विशेष रूप से किशोर लड़कियों और वृद्ध महिलाओं की आर्थिक आवश्यकताएं वास्तविक सशक्तिकरण के लिए गहन संरचनात्मक बाधाओं को उजागर करती हैं. SDG5 (लैंगिक समानता) और 8 (उत्कृष्ट श्रम) के साथ तालमेल बिठाते हुए, नीतियों को प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए. महिलाओं को पूरी तरह से सशक्त बनाने से भारत की आर्थिक क्षमता का दोहन होगा तथा अधिक समावेशी और संधारणीय भविष्य को बढ़ावा मिलेगा.

गाँव की ये महिलाएं न केवल अपने सपनों को पंख दे रही हैं, बल्कि उभरते भारत की एक नई पहचान भी गढ़ रही हैं. यह तस्वीर हमें यह एहसास दिलाती है कि वास्तविक परिवर्तन तभी सम्भव है, जब महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त हों.

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

1. 'गाँव में बढ़ती कामकाजी महिलाएं– उभरती भारत की नई तस्वीर' विषय पर चर्चा कीजिए. विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के रोजगार के अवसरों, सामाजिक.आर्थिक प्रभावों तथा इससे जुड़ी चुनौतियों और नीतिगत उपायों का विश्लेषण कीजिए. (250 शब्द)

●●●

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-548 का परिणाम



प्रथम



द्वितीय



तृतीय

विषय : "सफलता : भाग्य और कर्म का संगम"

प्रथम– जितेन्द्र कुमार सिंह रावत
C/o धर्मकाँटा, अनाज मण्डी
सुन्हेरा रोड, सबलगढ़
जिला–मुरैना (मध्य प्रदेश)
पिन–476 229

द्वितीय– अदिति साहू
साउथ सिविल लाइन डिफेंस
कॉलोनी, जबलपुर

तृतीय– आशीष अम्बर
C/o सुरेश कुमार प्रसाद
ग्राम + पो.–रमनीरामपुर छतवन
जिला–दरभंगा (बिहार)
पिन–847 337

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. प्रभात कुमार भारती
S/o कपिलदेव मण्डल
बेहट उत्तरी, झंझारपुर,
जिला–मधुबनी, (बिहार)
पिन–847 403
2. अमित कुमार
3. बबीता जैन
कृष्णा नगर, मथुरा (उत्तर प्रदेश)
4. गजेन्द्र महार
गिलोधर, निगहरी
उमरिया, मध्य प्रदेश
पिन–484 661

➥ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 300 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई है, तो उसके मूल्य में से ₹ 300 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

शेष पृष्ठ 167 का

28. (D) ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के निकट समुद्र में सुरक्षित उतारने में कुल 6 पैराशूट का इस्तेमाल किया गया. दो ड्रोग पैराशूट ने ड्रैगन को पृथ्वी के वायु-मण्डल में पुन: प्रवेश करने के बाद स्थिर किया. चार अन्य प्रमुख पैराशूट ने ड्रैगन के लैंडिंग से पहले उसकी गति को धीमा किया. स्पलैशडाउन से कुछ मिनट पहले जैसे ही ड्रैगन अन्तरिक्ष यान समुद्र की सतह पर पहुँचा, दो मुख्य पैराशूट ने उसे स्थिर किया.
29. (A)
30. (B) 11 दिसम्बर, 2024 को संजय मल्होत्रा ने भारतीय रिजर्व बैंक के 26वें गवर्नर का कार्यभार ग्रहण किया.
31. (?) विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2025 वेलबीइंग रिसर्च सेन्टर (ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय) द्वारा गैलप तथा सं. रा. सतत् विकास समाधान नेटवर्क के सहयोग से 20 मार्च, 2025 (अन्त-र्राष्ट्रीय खुशी दिवस) को जारी की गई.
32. (D)
33. (C) हाइपरलूप के अन्तर्गत 1000 किमी प्रति घण्टा की गति तक की रेलगाड़ी चलाई जा सकेगी.
34. (D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् सर्वोच्च न्यायालय को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन एवं अनुच्छेद 226 के तहत् उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों एवं विधिक अधिकारों के प्रवर्तन हेतु रिट-बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमा-देश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण तथा अधिकार पृच्छा जारी करने की शक्ति प्राप्त है.
35. (B) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि केन्द्रीय क्षेत्रक योजना है.
36. (D) 37. (A)
38. (B) चीन की कृत्रिम मेधा स्टार्ट-अप डीपसीक द्वारा एक ऐसा स्वचालित कृत्रिम मेधा चैटबॉट बाजार में लॉन्च किया है, जो लागत के मामले में Open AI, गूगल तथा मेटा के चैटबॉट से सस्ता है. यह वेब मोबाइल और API के माध्यम से टेक्सट आधारित सूचना उपलब्ध कराता है.
39. (D) किर्स्टी कोवेन्ट्री ने 23 जून, 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष का कार्यभार सँभाला. 41 वर्षीय कोवेन्ट्री अगले 8 वर्ष (2033) तक आईओसी का कार्यभार सँभालेंगी. कोवेन्ट्री ने काँटे के मुकाबले में अन्तर्राष्ट्रीय खेल संघों के चार अध्यक्षों–सेबेस्टियन को (विश्व एथलेटिक्स), जोहान एलियाश (स्कीइंग), डेविड लैपर्टिएंट (साइक्लिंग), मोरिनारी वातानाबे (जिम्नास्टिक) सहित कुल 6 उम्मीदवारों को पराजित किया. कोवेन्ट्री ने 97 मतों में से 49 मत हासिल किए.
40. (C)

•सारगर्भित •संक्षिप्त •समसामयिक घटनाओं सहित
2026 उपकार
सामान्य ज्ञान करेन्ट अफेयर्स कौन क्या है?
विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी
Code 101 ₹ 50/- लेखकद्वय : खन्ना एवं वर्मा
उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in



विषय : "भारत के अधिसंख्य युवाओं तक वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया की सीमित पहुँच है."

–डॉ. विभव सक्सेना

पक्ष में :

वर्तमान युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है. विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे जीवन आसान, बेहतर और अधिक सुलभ हुआ है. ये दोनों मिलकर किसी देश की आर्थिक प्रगति, सामाजिक विकास और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं.

आज प्रौद्योगिकी और मानव जीवन को एक-दूसरे से पृथक् नहीं किया जा सकता, या कहें कि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. आज जीवन का ऐसा कोई पक्ष नहीं है जहाँ प्रौद्योगिकी का उपयोग न होता हो. प्रौद्योगिकी के बिना मनुष्य अपने को पंगु समझने लगे हैं जबकि मानवीय ज्ञान से प्रौद्योगिकी का उद्भव और विकास सम्भव हुआ है.

आज के विश्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी आर्थिक प्रगति और विकास के महत्वपूर्ण वाहक हैं. यही कारण है कि प्रत्येक देश वैज्ञानिक अनुसंधान और नवोन्मेष पर पर्याप्त ध्यान दे रहे हैं और किशोर एवं युवा पीढ़ी में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करने हेतु विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं. भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और हम कई महत्वपूर्ण अनुसंधानों का हिस्सा बने हैं. भारतीय विज्ञान के लिए वर्तमान स्थिति अति महत्वपूर्ण है और यदि सकारात्मक बड़े तथा ठोस कदम इस क्षेत्र में उठाए जाएं, तो भविष्य में देश स्थायी और तीव्र प्रगति कर सकता है.

विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में प्रगति करने के लिए वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया का पर्याप्त विस्तार अनिवार्य पूर्व शर्त है. ऐसे में भारत भी इससे अछूता नहीं रह सकता है और इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए विज्ञान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है, परन्तु अभी भी परिणाम आशा के अनुरूप नहीं हैं. इसलिए यह विचार करना भी आवश्यक है कि क्या वास्तव में युवाओं तक वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया की पर्याप्त पहुँच है ?

नवोन्मेष का तात्पर्य है कोई नया और बेहतर तरीका, नई खोज या कुछ करने या बनाने की कोई नई पद्धति, जो पहले से बेहतर हो, जिसे अंग्रेजी में 'INNOVATION' कहते हैं. यह नई तकनीकों, प्रक्रियाओं या उत्पादों को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया है, जो किसी संगठन या समाज के लिए मूल्य जोड़ती हैं. उदाहरणार्थ तकनीकी नवोन्मेष में स्मार्टफोन, इण्टरनेट या सोशल मीडिया, शैक्षणिक नवोन्मेष में ऑनलाइन शिक्षा, व्यक्तिगत शिक्षा योजनाएं और सामाजिक नवोन्मेष में सामुदायिक पहल, गैर-सरकारी संगठन आदि सम्मिलित हैं.

वैज्ञानिक अनुसंधान ज्ञान के सृजन के लिए पूँजी का उपयोग करता है और समाधान प्रदान करके नवोन्मेष ज्ञान को सम्पदा में परिवर्तित करता है. अतः नवोन्मेष से तात्पर्य ऐसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों से है जिन्हें अर्थव्यवस्था अथवा समाज में सफलतापूर्वक परिनियोजित किया जाता है.

अब यदि भारत की वर्तमान स्थिति पर विचार किया जाए तो यह तथ्य सामने आता है कि भले ही भारत में मोबाइल और इण्टरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है, किन्तु अभी भी युवाओं में वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया के प्रति पर्याप्त पहुँच नहीं है. आज भी विभिन्न गाँवों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में इण्टरनेट की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है. ऐसे में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि एवं ज्ञान दोनों का ही अभाव होना स्वाभाविक ही है.

सरकार द्वारा वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास करने हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ भी सभी छात्रों एवं युवाओं को नहीं मिल पा रहा है. विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अभी भी अंधविश्वास और कुप्रथाओं में जकड़े हुए हैं. जिनका प्रभाव वहाँ के विद्यार्थियों एवं युवाओं में भी अक्सर देखने को मिल जाता है. ऐसे में वैज्ञानिक नवोन्मेष केवल दिवास्वप्न बनकर ही रह गया है.

आज भी देश के विभिन्न राज्यों में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान की शिक्षा के प्रति पर्याप्त जागरूकता का अभाव है. इसके अतिरिक्त बालिका शिक्षा के प्रति भी सकारात्मक वातावरण नहीं बन सका है. उच्च शिक्षा में नामांकन की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है और उसमें भी अधिकांश युवा विज्ञान के अध्ययन से दूर भागते दिखाई देते हैं जिसके चलते युवा विज्ञान और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से भली-भाँति परिचित नहीं हो पा रहे हैं.

यह सही है कि विगत कुछ वर्षों में भारत ने वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं, किन्तु युवाओं में विज्ञान और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता का स्तर अधिक बेहतर नहीं हो सका है. भारत जैसे विश्व की सर्वाधिक आबादी वाले देश जिसमें युवाओं की बड़ी संख्या है, वहाँ युवा वैज्ञानिकों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि न होना स्वयं में चिंता का विषय है.

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि भारत में युवाओं तक वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया की पर्याप्त पहुँच स्थापित नहीं हो सकी है यही कारण है कि हम विज्ञान के क्षेत्र में आशा के अनुरूप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं.

विपक्ष में :

–प्रियांशू

भारत एक युवा राष्ट्र है. यह युवा शक्ति देश की नवोन्मेषी क्षमता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. वर्तमान में भारत एक विकासशील देश होते हुए भी वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर चुका है. आज भारत में विज्ञान और तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ, संस्थान और मंच उपलब्ध हैं, जिससे नवाचार की प्रक्रिया न केवल एक सीमित वर्ग तक बल्कि समाज के सभी तबकों तक पहुँच रही है. बीते कुछ दशकों में सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, और निजी क्षेत्रों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किए हैं. डिजिटल इण्डिया, स्टार्टअप इण्डिया, मेक इन इण्डिया, अटल इनोवेशन मिशन (AIM) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) जैसी योजनाओं ने वैज्ञानिक नवाचार को युवाओं के लिए सुलभ बनाया है. यह कहना कि भारत में अधिसंख्य युवाओं तक वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया की पहुँच सीमित है, पूरी तरह से सत्य नहीं है.

भारत के प्रतिष्ठित संस्थान जैसे कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NITs), भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), और CSIR लैब्स वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में अग्रणी हैं. यहाँ नवाचार के लिए उच्च स्तरीय प्रयोगशालाएँ, फंडिंग और मेंटरशिप प्रदान की जाती है. सरकार द्वारा अटल इनोवेशन मिशन (AIM) के अन्तर्गत अटल टिंकरिंग लैब्स (ATL) की स्थापना की गई है, जिससे स्कूल स्तर पर ही विद्यार्थियों को वैज्ञानिक नवाचार में रुचि लेने और प्रयोग करने के अवसर

मिल रहे हैं. इसके तहत् 10,000 से अधिक स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित की गई हैं. ये लैब्स युवाओं को प्रयोग, नवाचार, और समस्या-समाधान के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करती हैं. विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र NPTEL, SWAYAM, Coursera, Udemy जैसी ई-लर्निंग साइट्स के माध्यम से विश्व स्तरीय पाठ्यक्रमों तक निःशुल्क या कम लागत में पहुँच बना सकते हैं. इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) कार्यक्रम विज्ञान के प्रति प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करता है.

भारत सरकार ने स्टार्ट अप इण्डिया और मेक इन इण्डिया जैसी योजनाएँ शुरू की हैं, जिनके अन्तर्गत वैज्ञानिक नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है. इससे युवा वैज्ञानिक और नवोन्मेषकों को अपने विचारों को साकार करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त हो रही है. नई शिक्षा नीति, 2020 में विज्ञान और तकनीकी नवाचार पर विशेष बल दिया गया है. इसमें इण्टरडिसिप्लिनरी लर्निंग, आर एण्ड डी (R&D) फंडिंग, और स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक प्रयोगशाला सुविधाओं में वृद्धि की गई है. प्रधानमंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद् (PM-STIAC) भारत में विज्ञान और नवाचार को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने की दिशा में कार्य कर रही है. इसके अन्तर्गत गगनयान मिशन, नेशनल क्वांटम मिशन, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनोवेशन प्रोग्राम जैसी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने भारत को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख वैज्ञानिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है. चन्द्रयान-3, गगनयान, आदित्य L1 जैसी परियोजनाएँ युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन रही हैं. भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए CSIR, ICAR, ICMR जैसी शीर्ष संस्थाएँ कार्य कर रही हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में नवीन अनुसंधान को बढ़ावा दे रही हैं.

भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर है. बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में इन्क्यूबेटर्स और टेक पार्क्स की संख्या बढ़ रही है, जिससे नवाचार और अनुसंधान के लिए एक अनुकूल वातावरण बन रहा है. गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐप्पल, अमेजन और टेस्ला जैसी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ भारत में अपने अनुसंधान केन्द्र स्थापित कर चुकी हैं, जिससे युवाओं को नवाचार में भाग लेने का अवसर मिल रहा है. इसके अलावा भारत में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए कई लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम और विज्ञान मेले आयोजित किए जाते हैं, जैसे कि इण्डिया साइंस फेस्टिवल, INSPIRE अवार्ड्स और नेशनल साइंस ओलंपियाड. सरकार और विभिन्न संस्थाएँ विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान प्रसार, विक्रम साराभाई विज्ञान फाउण्डेशन और अन्य संगठनों के माध्यम से जागरूकता बढ़ा रही हैं.

भारत में स्टार्टअप संस्कृति और डिजिटल युग के विस्तार के कारण युवा उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा मिला है. भारतीय युवा AI, मशीन लर्निंग और डेटासाइंस में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं. स्टार्टअप कम्पनियाँ जैसे Zoho, Freshworks, InMobi, और Razorpay वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं. भारतीय युवाओं द्वारा COVID-19 के दौरान कई स्वास्थ्य सम्बन्धी तकनीकों जैसे टेलीमेडिसिन, वेंटिलेटर डिजाइन और वैक्सीन अनुसंधान में योगदान दिया गया. युवा स्टार्टअप कम्पनियाँ जैसे Ninjacart, DeHaat और BharatPe कृषि और वित्तीय क्षेत्र में नवाचार ला रही हैं. स्टार्टअप कम्पनियाँ जैसे Skyroot Aerospace और Agnikul Cosmos अंतरिक्ष तकनीक में नवाचार कर रही हैं.

निष्कर्ष—हालाँकि, यह भी सत्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक नवाचार की पहुँच को और अधिक सशक्त करने की आवश्यकता है. लेकिन हाल की नीतियाँ और योजनाएँ इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं. युवाओं के पास नवाचार को अपनाने के असंख्य अवसर मौजूद हैं और आने वाले समय में भारत वैज्ञानिक नवाचार में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होगा. डिजिटल तकनीक और इण्टरनेट ने भी विज्ञान और नवाचार को सभी के लिए अधिक सुलभ बना दिया है. विज्ञान और नवाचार को लेकर भारत में जो प्रयास किए जा रहे हैं, उनके आधार पर यह कहना गलत होगा कि भारत में अधिसंख्य युवाओं तक वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया की पहुँच सीमित है.

●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय—"वंचितों और दुर्बलों को मुख्य धारा में लाए बिना विकास अधूरा है."

अन्तिम तिथि—15 मई, 2025

शब्द संख्या—अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)

पुरस्कार योजना—पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.

विशेष—पक्ष/विपक्ष के प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होंगे.

कृपया अपनी प्रविष्टि पर अपना पूरा पता फोन नं. सहित अवश्य लिखें.

प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.

कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.

(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाएं)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक—219

(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक—218 का परिणाम

विषय—"भारत के अधिसंख्य युवाओं तक वैज्ञानिक नवोन्मेषी प्रक्रिया की सीमित पहुँच है."

विजेता

पक्ष में :

डॉ. विभव सक्सेना
बल्लभ नगर कॉलोनी,
निकट शहीद पार्क,
पीलीभीत (उत्तर प्रदेश)
पिन—262 001

विपक्ष में :

प्रियांशु
C/o श्री भोला प्रसाद निवास
न्यू गंगा सागर कॉलोनी नियर राम चौक
मधुबनी, बिहार
पिन—847 212

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें. यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"आत्मविश्वास व्यक्ति की सबसे बड़ी पूँजी है."

अन्तिम तिथि—28 मई, 2025.

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. अपना निबन्ध स्वहस्तलिखित, ई-मेल, whatsapp अथवा अन्य किसी भी माध्यम से प्रतियोगिता दर्पण को भेजें. e-mail : care@pdgroup.in, whatsapp : 9634167776
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का फोटो अवश्य भेजें. प्रथम तीन स्थान पाने वाले प्रतिभागियों के फोटो को पत्रिका में सम्मान दिया जाता है. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 2000, ₹ 1500 व ₹ 1000 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.
3. प्रत्येक प्रविष्टि पर अपना नाम English में लिखें, जिस नाम से आपका बैंक खाता हो. बैंक का नाम, खाता नम्बर व बैंक का IFSC कोड भी अवश्य लिखें.

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक राहुल जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा थॉमसन प्रेस (इंडिया) लि. 18/35 देहली—मथुरा रोड, फरीदाबाद—121 007 (हरियाणा) से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित